# राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

प्रधान संपादक - पुरातत्त्वाचार्य जिनविजय मुनि [सम्मान्य सचालक, राजस्थान पुरातत्त्व मन्दिर, जयपुर]

> ग्रन्थां क ११ कवि पणनाम विरक्ति कान्हडदे प्रबन्ध

प्रकाशक राजसान राज्य संस्थापिक राजस्थान पुरातत्त्व मन्दिर जयपुर (राजस्थान)

# राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

राजस्थान राज्यद्वारा प्रकाशित

सामान्यतः अस्तिकभारतीय तथा विशेषतः राजस्थानप्रदेशीय पुरातनकालीन संस्कृत, प्राकृत, अपभंश, राजस्थानी, हिन्दी आदि भाषानिबद्ध विविधवाद्ययप्रकाशिनी विविष्ट प्रन्थाविल

प्रधान संपादक

पुरातत्त्वाचार्य जिनविजय मुनि

[ ऑनरिर मेंबर ऑफ जर्मन ओरिएन्टल सोसाइटी, जर्मनी ] सम्मान्य सदस्य

भाण्डारकर प्राच्यविद्या संशोधन मन्दिर, पूना; गुजरात लाहित्य सभा, बहुमदाबाद; सम्मान्य नियामक (ऑनररि डायरेक्टर) - भारतीय विद्याभवन, बंबई; प्रधान संपादक - गुजरात पुरातस्व मन्दिर प्रन्यावळी; भारतीय विद्या प्रन्यावळी: सिंबी जैन प्रन्थमालाः जैनसाहित्यसंशोधक प्रन्थावलीः हत्यादि, हत्यादि

प्रन्थांक

११

# कान्हडदे प्रबन्ध

(प्रथम भाग-मूल ग्रन्थ)

प्रकाशक

राजस्थान राज्याबानुसार

संचालक, राजस्थान पुरातत्त्व मन्दिर

जयपुर (राजस्थान)

विक्रमाब्द २०१० }

राज्यनियमानुसार - सर्वाधिकार सुरक्षित { विवस्ताब्द १९५३

# कवि पद्मताभ विरचित कान्हडदे प्रबन्ध

विविध पाढभेद, विस्तृत प्रस्तावना, परिशिधादि समन्वित

#### संपाद क

प्रो॰ कान्तिलाल बलदेवराम व्यास, एम. ए.,

पंडित भगवानलाल इन्द्रजी सुवर्णपदक, विश्वनाथ नारायण मण्डलिक सवर्णपदक, भारतीय विद्याभवन प्रदत्त सुवर्णपदकादि पारितोषिक प्राप्त, फेलो ऑफ धी रॉयल एशियाटिक सोसाइटी ऑफ प्रेटब्रिटन एन्ड आयर्लेन्ड. प्रधानाध्यापक - गुजराती भाषा एवं साहित्य, एक्फिन्स्टन कॉलेज, बंबई

> म का श क राजस्थान राज्याबानुसार

# संचालक, राजस्थान पुरातत्त्व मन्दिर

जयपुर (राजस्थान)

[ प्रथमावृत्ति – प्रति संक्या १००० ]

मूल्य र.१२) 🗫०२५ न पै० 🛭 खलाह

## राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

'संस्कृत—माकृत' साहित्य श्रेणिके अन्तर्गत जो प्रन्थ प्रेसोमें छप रहे हैं उनकी नामाविछ

१ त्रिपुराभारती रुघुस्तव - कर्ता सिद्धसारस्वत रुघुपण्डित । २ बारुशिक्षा च्याकरण - कर्ता उकुर संग्रामसिंह। ३ करुणामृतप्रपा - कर्ता महाकवि उकुर सोमेम्बर देव। ४ पदार्थरकमञ्जूष - कर्ता प. कृत्यामिश्र। ५ शकुनप्रदीप - कर्ता पं. छावण्यद्यमी । ६ उक्तिरज्ञाकर – कर्ती पं. साधुसुन्दर गणी । ७ प्राकृतानन्द (प्राकृत व्याकरण) – कर्ती पं. रघुनाथ कवि । ८ ईश्वरविठासकाव्य – कर्ती पं. कृष्णभट्ट । ९ महर्षिकुलवैभव - कर्ता पं. मधुसूदन ओझा विद्यावाचस्पति । १० चकपाणिविजय काव्य - कर्ता पं. लक्ष्मीधर भट्ट। ११ काव्यप्रकाशसंकेत -कर्ता भट्ट सोमेश्वर। १२ प्रमाणमञ्जरी (वृत्तित्रयोपेता) - मूलकर्ता सर्वदेवाचार्य। १३ वृत्तिदीपिका - कर्ता मौनि कृष्णभट्ट। १४ तर्कसंग्रह फिकका - कर्ता पं. क्षमाकस्याण गणी। १५ राजविनोद काच्य - कर्ता कवि उदयराज। १६ यंत्र-राजरचना - कर्ता महाराजा सवाई जयसिंह। १७ कारकसंबन्धोद्योत - कर्ता पं. रभसनन्दी । १८ र्ग्यगारहारावलि – कर्ता श्रीहर्षकवि १९ कृष्णगीतिकाच्यानि – कर्ता कवि सोमनाथ। २० नृत्तसंग्रह - अज्ञातकविकर्तृक । २१ नृत्यरक्षकोश -कर्ता राजाधिराज कुंभकर्णदेव । २२ नन्दोपाख्यान - अज्ञातविद्वतुकर्तृक । २३ चान्द्रव्याकरण - कर्ता महावैय्याकरण चन्द्रगोमी । २४ शब्दरक्रप्रदीप -अज्ञातकर्तक । २५ रक्षकोश - अज्ञातकर्तक । २६ कविकौस्तुभ - कर्ता पं. रघुनाथ मनोहर । २७ मणिपरीक्षादि प्रकरण - अज्ञातकर्तृक । २८ सामुद्रकम् - अज्ञात-नामकर्तृक । २९ शतकत्रयम् - कर्ता भर्तृहरि (धनसारकृत ब्याख्यायुक्त)।

'राजस्थानी–हिन्दी' साहित्यश्रेणिमें प्रकाशित होनेवाले ग्रन्थोंकी नामावलि

१ कान्हडदे प्रबन्ध – कर्ता जालोरनिवासी कवि पद्मनाम । २ गोरा बादल पदमिणी चउपई – कर्ता कवि हेमरतन । ३ वसन्तविलास फागु । ४ कूमंबंझ यद्मप्रकाश अपर नाम लावारासा – कर्ता किवया गोपालदान । ५ क्याम खां रासा – कर्ता गुल्लिम कवि जान । ६ बांकीदासरी ख्यात । ७ गुंहता नैणसीरी ख्यात । ८ राठोड वंद्मरी उत्पत्ति । ९ खींची गंगेव नींबावतरो दोपहरो, राजान राउतरो वातवणाव आदि राजस्थानी वर्णनात्मक रचना । १० दाढाला एकल गिडरी वात । इत्यादि ।

प्राप्तिस्थान-संचालक राजस्थान पुरातत्त्व मन्दिर, जयपुर (राजस्थान)

## RĀJASTHĀN PURĀTAN GRANTHAMĀLĀ

General Editor-Āchārya Jinavijaya Muni, Purātattvāchārya Honorary Director, Rējasthān Purātattva Mandira, Jaipur

#### No. 11

## KĀNHAŅADE PRABANDHA OF PADMANĀRHA

(VOLUME I-TEXT)

Published by
The Rājasthān Purātattva Mandira
Established by the Government of Rājasthān
Jaipur (Rājasthān)

## RĀJASTHĀN PURĀTAN GRANTHAMĀLĀ

Published by the Government of Rajasthan

A Series devoted to the Publication of Sanskrit, Prakrit, Apabhramsa, Old Rājasthāni and Old Hindi works pertaining to India in general and Rajasthan in particular

#### General Editor

#### Āchārya Jina Vijaya Muni, Purātattvāchārya

Honorary Member of the German Oriental Society, Bhandarkar Oriental Research Institute, Poons, and Gujarat Sshitya Sabha, Ahmedabad, Honorary Director, Bharatiya Vidya Bhavan, Bombay, General Editor, Gujarat Puratativa Mandura Granthavalt, Bharatiya Vidya Series, Singhi Jain Series etc, etc

No. 11

## KĀNHADADE PRABANDHA

(VOLUME I-TEXT)

Published

Under the Orders of the Government of Rajasthan

by

The Director, Rājasthān Purātattva Mandira, Jaipur (Rājasthān)

## KĀNHADADE PRABANDHA

A Mediaeval Epic Poem in Old Western Rajasthani

OF

#### PADMANĀRHA

Critically edited with all Variant Readings, Introduction, Appendices, etc.,

BY

#### Prof. K. B. Vyas, M. A.,

Pandıt Bhagvānlāl Indran Gold Medallıst, Vıshvanāth Nārāyan Mandalık Gold Medallıst, Bhārattya Vıdyā Bhavan Gold Medallıst, Fellow of the Boyal Asuatus Society of Great Britain and Ireland; Head of the Department of Gujaratı Language and Laterature, Elphunstone College, Bombay

Published

Under the Orders of the Government of Rajasthan

The Director, Rajasthan Puratattva Mandira, Jaipur (Rajasthan) Prof. K. B. Vyas

VASANTA VILĀSA An Old Gujaratı Phagu VASANTA VILĀSA PHĀGU

VASANTA VILASA PHAGU

A Further Study

VASANTA VILĀSA The Revised Collated Text

DAŚĀVATĀRA CITRA

Gujarat Painting in the Seventeenth Century
THE EIGHTY-POUR SUBCASTES OF GUJARATI BRAHMINS
THE PRTHVÍGANDRAGARITRA OF MĀNIKYASUNDARA SŪRI
and Its Sources

THE VIKRAMĀDITYA PROBLEM
A Fresh Approach
THE KRTA ERA

HINDU-MUSLIM AMITY IN EARLY MEDIABVAL INDIA
गुजराती आपासाखना विकासनी रूपरेखा
आपा, वच वने काम्पालंकार

#### CONTENTS

प्रधानसंपादकीय प्रास्ताविक वक्तव्य	₹-८
Introduction	1-33
कान्हडदे प्रवन्ध (Text)	१-२३४
Appendix I Summary of Omissions and Readings common to the different manuscripts	<i>₹₹-₹¥</i> ₹
Appendix II  Critical Notes on the Readings adopted in the present edition	२४४–२५८
Appendix III Verse-Index	२५९२७२
Corrigenda	२७३–२७४

# प्रधानसंपादकीय प्रास्ताविक वक्तव्य

शृष्ट ज स्था न के सुवर्णसम प्रोञ्चल और परम विद्युद्ध वीरत्वकी गीरवगाथा गानेवाले, महाकवि पद्मनाभक्ते बनाये हुथे राजस्थानी महाकाव्य - कान्हुड दे प्रबन्धका, प्रस्तुत संस्करण राजस्थान पुरातन प्रन्थमाला के ११ वें पुष्प या मणिक रूपमें, राजस्थानी साहिस्य और संस्कृतिक सन्मित्र विद्वानोक करकामलोंमें उपस्थित करते हुये सुक्षे विशिष्ट आनन्द हो रहा है।

राजस्थानके चौहाणकुळशिरोमणि वीर कान्हड दे के, स्वथमं और खदेशकी रक्षाके निमित्त, अनुपम बलिदान करनेकी कीर्तिकथाका, थोडा-बहुत परिचय, भारतीय इतिहासकी प्रायः समी बिशिष्ट पुस्तकोंमें दिया गया मिलता है। वीर कान्हड दे की वीरताको उद्देश्य कर कई आधुनिक लेखकोंने उपन्यास आदिके रूपमें भी कई कथा — कहानियां लिखी हैं। सिनेमा वालोंने इसके विषयमें कोई चित्र तैयार किया है या नहीं इसकी मुझे जानकारी नहीं है।

मुसलमानी तबारिखोंमें कई जगह इस वीरके साथ हुई युद्धमर्पा घटनाओंका उछेख मिलता है – परन्तु हिन्दुओंके साहिक्षमें, केवल प्रस्तुत प्रवन्थके रूपमें ही, एक ऐसी रचना उपलब्ध है जिसके द्वारा हुम अपने उस नारायणावतार वीरपुंगवकी कीर्तिकयाका पुण्यक्षवण करने – करानेका सद्वाग्य प्राप्त कर सकते हैं।

वीसलनगरा नागर ब्राह्मण, महाकवि पद्मनाभ, भारतके एक पुरातन यशोदुर्गका एक सबा संरक्षक, उदान्त राष्ट्र्रममी, आदर्श राष्ट्रकवि है। वह कवि सच्युन 'पुण्यविवेक' विरुद्धका भारक था। उसने अपनी कविग्रतिभाके प्रयोगके लिये जिस विषयको एसन्द विया वह वास्तव ही में बडा पुण्य कृष्य था। उसकी 'कविजनरंजनी बुद्धि'ने जिस सत्तकविताका सर्जन किया है वह, अन्यान्य हजारों कवियोकी, लालों कविताओंसे भी, बढ कर, बहुत उन्नत भाव वाली और बहुत पुण्यदायिनी है। कविको स्वयं इस पुण्य कृतिका अभिगान है। वह स्पष्ट कहता है कि —

#### माइ भारती तणइ पसाइ, अक्षरबंध बुद्धिरस थाइ। (४-३४१)

माता भारती ही का यह प्रसाद है कि जिसके कारण इस प्रकारक 'अक्षरंबन्ध'-काव्य-सर्जन में अपनी बुद्धिका रस रहता है। किविकी यह रचना, कोई क्षुद्र किठासकी या कोई कुस्तित शृंगारकी पोषक, हीन कही, नहीं है जिसे पढ़ कर मनुष्यकी मानसिक दुकैन बृत्तियोंको उत्तेजना प्राप्त हो और जिसके मननसे दुर्बिन्छासकी कुस्तित कामना कुपित हो। यह काव्य तो विद्युद्ध भग्नेम, जनत राष्ट्रमम, उत्तन सदाचारमेम और सात्त्विक सब्यमेमका एक प्रशस्त गुण्य-स्त्रोज है जिसके पटने और दुननेसे, मनुष्यका कत्याण होता है — जीवन पवित्र होता है। और इस लिये इस सब्यकाम कविने, इस प्रवश्वके अन्तमें जो यह कहा है कि —

#### कान्हडचरिय जि को नर भणह, एक चिक्ति जि को नर सुणह। तीरथफल बोस्युं जेतलुं, पामइ पुण्य सबे तेतलुं॥ (४-३५१)

'इस कान्डड दे के चिरतकों जो कोई मनुष्य एकचित्त हो कर पढ़ेगा या सुनेगा उसको उन सब तीर्षीकी यात्रा करने जितना पुष्यफळ प्राप्त होगा, जिनका वर्णन ऋषियोंने धर्मप्रन्योंमें किया हैं । किवका यह कथन सर्वेषा सखळकी है। हमारे प्राचीन साहिस्पर्ने ऐसी रचनार्ये बहुत किरळ हैं। ये रचनार्ये हमारे महान् राष्ट्रकी – हमारी संसारश्रेष्ठ संस्कृतिकी, सबसे अधिक, अमृत्य निधिस्तरूप हैं। इनके अध्ययन और मननसे हमारे देशकी जनताकी – हमारे राष्ट्रकी भावि संतितिकी संस्कारसमृद्धिका विकास होगा।

पंडित - किय पधनाभका यह काल्य-प्रबन्ध एक प्रकारसे, प्रायः शुद्ध ऐतिहासिक काल्य है । इसमें वर्णित घटनायें, बहुत अंशमें, इतिहाससमर्थित हैं । किव उसी स्थानका निवासी हैं जहां एए प्रबन्ध नायक काल्हड दें ने जन्म लिया, राज्य किया और वह अनुएम आस्मोत्सर्ग किया । अर्थात् कविका कविता-एजन उसी जालोर नगरमें हुआ जो काल्डड दें की राजधानी था । कविको इस काल्यकी रचनामें प्राप्त करने वाला उसी चहुआण वीरका सीधा राजवंशज है, जो काल्डड दें से केवल ५ भी पीडीमें उसके राज्यसिहासनका, शायद अन्तिम, उत्तराधिकारी या । इसका नाम अख्यराज सीनगरा था । कविको कथनानुसार यह बडा धर्मीत्या, सदाचारी, दानशील, और ईखरभक्त या। इसके सद्धुणोंका संक्षेपमें वर्णन करता हुआ कवि कहता है कि —

#### अवहराज उत्तम अवतार, जेहनां पुष्य न लाभइ पार। जीणङ्ग कीरति कान्हङ दे तणी, अवहराजि अजुआली घणी॥ (४-३३९)

'अखयराज उत्तम अवतारी पुरुष है जिसके पुष्प कुर्लोका कोई पार नहीं है और जिसने [अपने दूर्षज] कान्हड दे की कीर्तिको खूब उजाला है।' माछम देता है किक कुलका संबन्ध उस राजधरानेके साथ, वंशानुवंश कमसे, चला आ रहा था और इस लिये उसने अपने आश्रय-दाता राजवंशके, एक महान् वीरकी कीर्तिकथा इतने उत्साह और इतनी श्रद्धांके साथ गाई है। कवि कहता है कि इस प्रबन्धकी रचना करनेसे

### अषड्राज सीपामण सरी, पद्मनाभ कीरति विस्तरी ॥ (४-३४१)

'एक तो अखयराजकी प्रेरणा सफल हुई और दूसरी पदमनाभ कबिकी कीर्ति फैली।' कहनेकी आवश्यकता नहीं कि कबिकी यह उक्ति कितनी यथार्थ है।

हमने ऊपर, प्रारंभमें, इस प्रबन्धकों जो राजस्थानी महाकाच्य कहा है उसके पीछे दो अर्थ लक्षित हैं — एक तो यह कि इस काल्यमें राजस्थानी वीरकी पुनीत गाषा गाई गई है और इसरा यह कि यह प्राचीन राजस्थानी भाषाकी एक सर्वश्रेष्ठ कृति है। अतः विषय और भाषा दोनों इपिसे यह काल्य राज स्थानी है। इस राज स्थानी विशेषणसे हमारा अभिप्राय उस माषावैद्यातिक शाखीय संकेतसे हैं, जिसकी स्थापना, भारतीय माषाजोंका वैद्यातिक पहतिसे विशेषण करने वाले विद्यानीन की है। यथा हमारे निजी अभिप्रायसे, यह नामाभिषान सर्वया संगत अर्थ स्पन्क नहीं हैं — तथापि जब तक इसके लिये कोई तैस अन्य अधिक सार्यक नामानिदेश किंद्रान एत्रिय स्थापना स्वाचित है। हमारे विद्यान एत्रिय प्राप्त कार्य अप्रकर सार्यक नामानिदेश किंद्रान एत्र स्थापन स्थापन

अधिक अर्थसंगत हो सकता है; परंतु इसके विषयमें जब तक अन्यान्य विद्वान साथक - बाधक भाव बाले विशेष विचार उपस्थित नहीं करते और उन पर उचित ऊहापोह नहीं किया जाता. तब तक इस बारेमें कोई सिद्धान्त स्थिर नहीं किया जा सकता। हमें यहां पर यह विचार इस लिये प्रदर्शित करना आवस्यक हुआ कि - प्रस्तुत कान्हड दे प्रबन्ध, आज तक गुजराती भाषाकी एक सर्वमान्य एवं सर्वज्ञात, प्राचीन कृति मानी जा रही है और गुजराती भाषाके इतिहासमें इसको एक विजिन्न स्थान दिया जाता है - तब हम यहा पर इसे एक 'राजस्थानी महाकाव्य' किस अभिप्रायसे कह रहे हैं। बास्तविकता तो यह है कि प्रस्तुत काव्यके जैसी भाषारचनायें, जिस समयके अंतर्गत निर्मीत हुई. उस समयमें राज स्था नी या गुज राती ऐसा भाषा-भेदसूचक कोई नामनिर्धारण नहीं इआ था। राजस्थानी और गुजराती ये नाम मुगलोंके शासन कालके परिणामसे उत्पन्न इये हैं। परंतु अब इस नृतन युगकी साहित्यिक, सोस्कृतिक, सामाजिक एवं राजनैतिक आदि सर्वे प्रकारकी नतन परिस्थितियोंके परिणामखरूप, राजस्थानी एवं गुजराती इस प्रकारकी भाषा-मेदसचक और कुछ अंशोर्ने संस्कृति-मेद सूचक भी शाब्दिक प्रसिद्धि रूढ हो गई है और उसके फलखरूप, आधुनिक गुजरात एवं राजस्थानके नामसे प्रसिद्ध और प्रस्थापित होने वाले प्रदेशोंके निवासियोंके मनमें, संस्कृति, साहित्य और भाषाके इतिहासका अवलोकन और अन्वेषण करनेका दृष्टिकोण भी कितनेक अंशों में. भिन्नभावके रूपमें विकसित हो रहा है। पर यह तो परिवर्तित समयकी परिस्थितिका अनिवार्य परिणाम है। इससे हमें व्यप्र या व्यथित होनेकी कोई आवश्यकता नहीं है । हमें इसमें समंजसताका सत्र शोधना चाहिये और उसे पकडना चाहिये । भ्रान्तिजनक एवं मेदवर्धक भावोंका निराकरण करना चाहिये ।

मैं यहां पर प्रस्तुत प्रवन्थको राजस्थानीका काल्य कहना पसन्द करता हूं तो उसका कारण भाषावैज्ञानिकोंने इसमें प्रयुक्त भाषाका वैसा जो शाखीय नाम निश्चित किया है, वह है। हमारे गुजराती साहित्यके इतिहासमें, इसको गुजराती काल्य कहा गया है तो उसका कारण यह है कि जिस समय यह काल्य रचा गया, उस समय, आपुनिक राजस्थान और गुजराति प्रदेशोंने भाषा-विषयक कोई खास भिन्नता यी ही नहीं। थोडी -बहुत भिन्नता जो थी, वह केवल राजसीय सीमाओंके संवंधकी दृष्टिसे यी। बाकी सांस्कृतिक, सामाजिक एवं साहित्यक दृष्टिसे इन दोनों प्रदेशोंके बीचमें कोई सीमामेद नहीं था। ये परस्वर एकस्थ थे। चालुक्योंकी राजधानी अजमेर्स्स रहेते वाले लोक केले जैसी भाषा बोलते हैं प्राय: वैसी ही भाषा, चाहमानोंकी राजधानी अजमेर्स्स रहने वाले लोक कोलते थे। चाहे उनके स्थानिक उच्चार और वायुव्यवहार्स्स कुछ योही-बहुत भिन्नता करे ही स्ति हो परंतु उनकी साहित्यक भाषा एक जिस नापा एकसी ही यी। अतः इस दिहासिक तथ्यको लक्ष्य कर, हम इसे गुजराती महाकाल कि लिखत भाषा एकसी ही यी। अतः इस दितहासिक तथ्यको काल्य कर, हम इसे गुजराती महाकाल में उसमें इस राजस्थानी कहना चाहते हैं। बाकी कवि तो ख्या इसको केकल 'प्राकृत कर्य' कहता है, जो उस युगमें प्रान्दीय देशभाषाओंक कावियोंमें एक सामान्य रूढि चर्छी आ ही यी। संस्कृतिम्ल

देशभाषाओंको, बिह्यान् जन या तो सामान्य रूपसे प्राकृत कह कर उल्लिखित करते थे, या फिर काव्यशास्त्र विवेचकोंने विशेषतया जिसका नाम अपभंश रखा था, लोकभाषाका उसी अपभंश नामसे व्यवहार करते थे। भाषाके कवियोंने तो नहीं लेकिन व्याकरणके विह्यानोंने, इन लोकभाषाको लक्ष्य कर, प्राचीन प्राकृत और तद्भव अपभंश भाषाकेंदोंके, जो कुछ नाम निर्देष्ट किये हैं उनमें एक गी जे र अप भंश नाम मी मिलता है। इस दृष्टिसं हम इस प्रवन्धको माषाको 'गीजर अपभंश' भी कहें तो उसमें कोई असंगति नहीं प्रतात होती। शायद इसी विचारको लक्ष्यमें एख कर, पुजराती भाषाके समर्थ विद्वान् एवं प्रीढ भाषाशास्त्र ख क नरसिंहराव भो विद्विदेषाने प्रस्तुत प्रवन्धको भाषाको 'प्राचीन गुजराती' भाषा न कह कर 'गूर्नेर अपभंश' कहना उचित समझ होगा।

इस प्रकार प्रस्तुत प्रबन्धको प्राचीन राजस्थानी, अथवा प्राचीन राजराती, अथवा तो गूर्जर अपअंश, चाहे जिस भाषाकी रचना कही जाय या मानी जाय । इसमें बाद - विवादका कोई कारण हमें नहीं लगता । वास्त्रवमें यह रचना समुचे पश्चिम भारतकी 'चूतन - भारत - आर्य - भाषा' कुल की एक प्रतिनिधिरूप और प्रमाणभूत उत्तम साहित्यिक इस्ति हैं। अतः इस दृष्टिसे इसका अथ्ययन, अवलोकन और अनुशीलन होना आवश्यक हैं; और इसी विद्युद्ध वैज्ञानिक विचादको लक्ष्यक हैं हो हारा प्रकट करना उचित समझ। हैं।

इस प्रबन्धमें, कुछ तो राजस्थान - गुजरातके गौरवमय धुवर्णयुगकी समाप्तिका वह करूण इतिहास अंकित है जिसे पढ कर हम खिल होते हैं, उद्दिम होते हैं और रुदन करते हैं; पर साथ ही में इसमें, उस कराल कालयुगमें भी देवांशी अवतार लेनेवाले ऐसे चीरोदात्त चीर पुरुर्गोका आदर्श जीवन चित्रित है जिसे पढ कर हमें रोमांच होता है, गवें होता है और हमीसु आते हैं।

जिस समयकी घटना का इस काव्यमें वर्णन है वह समय भारतके लिये बढा ययंकर प्रलय-काल - सा था। भारतकी प्राचीन संस्कृति और समृद्धिका सुवैनाश करने वाला वह असाधारण विकराल काल था। उस काल्देखके कोपानल्से शतान्दियोंसे संचित और सर्जित भारतकी उस संसार-मोहिनी संस्कृति, समृद्धि, सार्वभीमता और सुरक्षितताका बहुत बडा भाग, कुछ ही क्षणोंमें मस्मीमूत-सा हो गया। धूर्वदेशका पाल - साझाज्य, मच्यदेशका गाहडवाल साम्राज्य, दिख्नी-लहारेस्का तोमर - राज्य, अजमेर - सपादल्क्षका चहमान - राज्य, अणाहिल्युरका चाल्क्र्य महाराज्य, अवंती-मालकका प्रमार साम्राज्य, एवं दक्षिण - देविगिरका यादव राज्य - इस प्रकार भारतके पूर्व, पिश्चम, उचर, दक्षिण जैसे चारों खल्डोंमें, कई शताबिद्यांस अपनी बलवान् सत्ता जमाये हुये बढ़े बढ़े राज्य और उनके शासक राजवंश, इस दुष्ट दाबानल्की दुर्देंगी ज्वालाओंसे कुछ ही दिनोंके बन्दर, देखते देखते, दग्ध हो गये। अपार समुद्धिसे भरे हुए उनके असंस्था राज्यमण्डार घडियोंमें छुट गये। इचारों वर्णेसे खढ़े हुए गगनचुंबी और पतालक्ष्मी महान राजप्रसाद एवं देवमन्दिर योडी ही प्लेंमें शतखण्ड हो हो कर घराशायी हो गये। उक्त प्रश्नेक देशमेंसे छाखों नर-नारी धर्मश्रह, गृहबिहीन और बन्दी बन गये और लाखों ही अपने प्राणों तकसे मुक्त हो गये। यबाप इस कराल कालके सर्जेक और प्रतिनिधि खरूप उन यमदूतसे आकार्ताओंक अनेक इतिहासकारीने इस प्रलयके विषयकी सम्बन्धस्य ऐसी असंस्य घटनायें आलेखित की हैं—परन्तु जिस देश पर, जिस जनता पर, जिस जाति पर, इस प्रकार, उस इहु हानवने अपना बेखाब जलाया, उसकी जनतर सर्तानोंमेंसे शायद ही दो-चार व्यक्तियोंने, ऐसी दो-चार छोटी-बडी कृतियोंने, उक्त कालक्याका कुछ आमास आलेखित किया है! इन्हीं दो-चार व्यक्तियोंने से स्वता प्रवास कालेखित किया है! इन्हीं दो-चार व्यक्तियोंने से स्वता स्यान जन सबमें प्रयस नहीं तो प्रधान तो अवस्य है। इस देशप्रेमी, जनताप्रेमी, जातिप्रेमी किवने, उक्त कालक्याका जितना संगत, जितना संयत, जितना समुचित वर्णन किया है वैसा शायद अन्य किसी किने, अन्य किसी किने, अन्य किसी किने, अन्य किसी किया। साक्षाद प्रलयसहश उस कूर महाकालके साय, राजव्यानके एक छोटेसे मुवर्णिगिर दुर्गयर रहनेनाले खर्पसंख्यक महावीरोंने और वीरांगनाओंने, कैसा स्थास अइहास किया, उस कुर रानवका कैसा मार्गान्तिक उपहास किया और उसके दुष्ट मानोर्थोंको कैसे चूर्च्य किया, इसका वास्तिक चित्र कि वि प्रधानाने इस काल्यों बडी हृत्यां साथ आलेखित किया है।

काल्यगत वस्तुका विस्तृत विवेचन यहां अपेक्षित नहीं है। वह तो इसके दूसरे भागमें दिया जायगा। प्रस्तुतमें तो केवल संक्षेपमें काव्यकी उपयोगिता और विशिष्टताका सूचक कुछ प्रोक्चय देना ही त्यस्थि है।

\*

इस काल्यको एक हस्त्रलिखित प्राचीन पोयी, सबसे पहले, भारतीय संस्कृति, साहिस्स और हतिहासके असाधारण प्रेमी एवं अन्वेषक, बर्गस्य महान् जर्मन विहान् हॉ. व्युत्हरको राजस्थान एवं गुजरातमें प्राचीन प्रंमंकी खोज करते समय, सीरोढी राज्यके निकट-स्य एवं उत्तर यूजरातकी सीमा पर बसे हुए, बराद (प्राचीन पिरापद?) नामक मांवके एक प्राचीन केन प्रन्यकारों मेली। डॉ. व्युत्हरते तुरस्त उसकी उपयोगिता पहचान की और गुजराती माधाकी एक विशिष्ट प्राचीन इति एवं गुजरात -राजस्थानके हतिहासका एक विशिष्ट प्रकथ्य समझ कर, इसको प्रकाशित करतेके लिथे, तकालीन 'गुजरा त हाळा पृत्र' नामक मासिक पत्रके संपादक द्वुप्रसिद्ध गुजराती बिहान् नवल्यान छश्मीराम पंड्याको मेज दी, जिसे जनने अपने मासिकते सन् १८७७-७८ के कई कंकोंमें, कमशः प्रकट किया । पुजरात हाळापुत्र' में प्रकाशित यह प्रकच्य मामा या पाठबुद्धिकी दृष्टिये बहुत दी सामान्य कोटिका था। पीछसे जब हुल अन्य बिहानोंने इस प्रम्वक विशेष अवलोकन किया, तो इसकी इन्छ जनी और इसके अध्ययनकी और कुछ आकर्षण बढ़ ते राससिने इस प्रकच्यक विश्व आवारी से देश देसालिखित प्राचीन प्रतिया ना कर, उनके आवारीसे एक अच्छा संस्करण तैयार संस्का जिल्ला प्रतिन प्रतिया ना साह कर, उनके आवारीसे एक अच्छा संस्करण तैयार संस्वरण संस्करण तैयार संस्करण तैयार संस्वरण संस्तर संस्करण तैयार संस्वरण तैयार संस्वरण तैयार संस्करण तैयार संस्वरण संस्वरण तैयार संस्वरण संस्वरण संस्वरण तैयार संस्वरण संस्यरण तैयार संस्वरण संस्वरण तैयार संस्वरण संस्वरण तैयार संस्वरण संस्वरण संस्वरण संस्वरण संस्वरण संस्वरण संस्वरण संस्वरण संस्वरण संसरण संस्वरण संस्वरण संसरण संसरण

करनेका प्रयक्ष किया और पाठशुक्षिकी दृष्टिके साथ, प्रस्तावना, टिप्पण आदिसे सिज्जित कर इसे प्रकट किया। यद्यपि श्रीयुत देरासरी द्वारा संपादित वह संस्करण सामान्यतया अच्छा या, परंतु पाठशुद्धि आदिकी दृष्टिसे जैसा चाहिये वैसा उपयुक्त नहीं था। पिछले कई वर्षोसे बंबई युनिव-सिंटीके गुजराती साहित्य विषयक पाठ्यक्रममें इस प्रबन्धका समावेश होता रहा है, अतः इसका पठन - पाठन बढा और विद्यार्थियोंको एवं अध्यापकोंको इसके एक उत्तम एवं शास्त्रीय पद्धतिके मुताबिक संपादित नृतन संस्करणकी आवश्यकता विशेष प्रतीत होने लगी।

राजस्थान और गुजरातके कई स्थानोंके प्रन्यभंडारोंमें इस प्रबन्धकी कुछ और प्राचीन प्रतियोकी उपलब्धि हुई जिसे देख कर मेरे मनमे यह विचार हुआ कि इसका नृतन संस्करण कोई विद्वान् तैयार करें तो बहुत उपयोगी होगा। कोई सन् १९३९—४० में प्रो० कान्तिलाल व्यासके सम्मुख, प्रसंगवच वार्तालाय करते समय, मेंने लपना यह विचार प्रदर्शित किया; तो इनने बड़े उत्साह और जानन्दके साथ, इस कार्यको हाथमें लेनेकी अपनी उल्कंटा प्रकट की और फिर, मैंने मी इसमें मुझसे हो सके वह सहाया करने-करानेका अपना मनोरय प्रकट किया। उस समय मेरे मनमें या कि यदि अन्य कोई संस्था इसके प्रकाशनका प्रवन्ध न कर सकेगी तो में अपनी सिं ची जैन प्रन्य माला द्वारा ही इसे प्रकट करनेका प्रयक्ष करूंगा।

यधि प्रो० व्यासने इसके संपादनका कार्य उसी समयसे प्रारंभ कर दिया था, लेकिन अन्यान्य भण्डारोंमें से प्राचीन प्रतियों प्राप्त करनेमें और उनके पाठान्तर आदि लेकेमें अपेक्षासे बहुत ही अधिक श्रम और समयसाच्य कार्य अनुभूत हुआ। लगभग ११-१२ वर्ष जितने दीधे समयमें इसका पाठसंकलन कार्य संपन्न हुआ। इस संकलनमें किस किस प्रकारकी प्राचीन पोषियोंका उपयोग किया गया है, उसका विस्तृत परिचय प्रो० व्यासने अपनी विस्तृत इंग्रेजी भूमिकार्मे दिया है।

सन् १९५० में, राजस्थान सरकारने, राजस्थानकी साहित्यिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक साथन - सामग्रीका अन्वेषण, संग्रह, संरक्षण, संशोधन और प्रकाशन आदि करनेकी दृष्टिसे, परामर्शके लिये मुझे आमंत्रित किया । मेरे घुष्टाव और प्रस्तावके अनुसार, सरकारने राजस्थान पुरातत्त्व मन्दिर नामक कार्याल्यकी स्थापना की और उसका प्रारंगिक संचालन कार्य संमालनेके लिये मी मुझे ही आदेश दिया । तद्युसार राजस्थान पुरातत्त मन्दिरके जो कार्य चाव्ह किये गये हैं, उनमें एक प्रधान अंगासरूप कार्य राजस्थान पुरातत मन्द्रमाला का प्रकाशन है जिसके द्वारा, विशेष रूपसे, राजस्थानके साथ संक्ष्य खाने वाले संस्कृत, प्राकृत, अपभंत्र और राजस्थानी-गुजराती, हिन्दी आदि भाषामें रचे गये प्रन्थोंको, सुयोग्य विद्वानों द्वारा संशोधित संपादित अनुवादित आदि करा कर प्रकट करनेका है। ग्री० व्यास द्वारा सुसंपादित प्रस्तुत 'कान्वह दे प्रक्य' इस प्रन्यमालाका एक बहुत उपयुक्त और बहुमून्य मणि जैसा मूचण सरूप होगा, ऐसा सोच कर मैंने इसको, इस प्रन्यमालों गुम्फत करनेका अपना अभिग्राय

इनको सूचित किया; तो इनने इसका बडे आदरके साथ खीकार किया । इसके फल्खरूप, प्रायः तीन वर्षके सतत परिश्रमके बाद, इसका मुल्प्रन्य खरूप यह प्रथम भाग, आज विद्वानींके हार्षोमें उपस्थित किया जा रहा है ।

प्रो० कान्तिलाल व्यास मेरे बहुत ही निकटीमृत मित्रोंमेंसे हैं । इनकी साहिस्सोपासना बड़ी लगनवाली है। हाथमें लिये गये कामको ये बड़ी श्रद्धा और निष्ठा पूर्वक करनेका खभाव रखते हैं: और साथमें एक बहुत ही विनम्र शिष्यके रूपमें अपने आपको उपस्थित करते हैं। वंबर्ड राज्यकी सर्वश्रेष्ठ सरकारी कॉलिजके. गजराती भाषाविभागके. ये प्रधानाध्यापक हैं और प्राचीन गजराती भाषा. प्राचीन भारतीय इतिहास एवं अन्यान्य त्रिविध संस्कृति विषयक अनेक विषयोंमें, मौलिक अनुशीलन और संशोधन खरूप विशिष्ट कोटिका काम करते रहते हैं । अपने अध्ययन-मननके परिणाम खरूप कई अच्छे निवन्ध और पस्तक आदिका इनने प्रणयन किया है जिनका विद्वानोने अच्छा सत्कार किया है एवं युनिवर्सिटी आदि ग्रीढ प्रतिष्ठानोंने उनकी मुल्यवत्ताको उपलक्ष्य कर, इनको सुवर्णचन्द्रकादि जैसे पारितोषिकोसे सत्कृत किया है। इनका संपादित 'व सन्त वि ला स' नामक प्राचीन गुजरातीका रसात्मक फागु काव्य विद्वानोंमें बहुत आदरपात्र बना है और कई युनिवर्सिटियोने, अपने 'नतन भारतीय भाषा विषयक' पाठ्यक्रममें उसे समाविष्ट किया है। इसी 'व सन्त वि ला स' की प्रस्तावना लिखते समय हमने इनके विषयमें आशा प्रदर्शित की यी कि-'प्रो० व्यास इस तरह अपना संशोधनकार्य सतत चाळ रखेगे और उसके द्वारा प्राप्त संदर फल, समशील विद्वानोंके सम्मुख उपस्थित कर, उनके अभिनन्दन प्राप्त करते रहेंगे।' हमारी वह शुभाशा, आज प्रस्तृत प्रवन्धके, इस प्रकारके, उत्तम संपादन-रूपमें, अच्छी तरह फलवती हुई देख कर, मुझे और भी विशेष आनन्दका होना स्वाभाविक है और इस लिये मैं आज पुनः, ठीक ११ वर्ष बाद, उसी जयाभ्यदयकारिणी विजयादशमीके मांगलिक दिन (उक्त 'वसन्तविष्ठास फागु' की प्रस्तावना भी मैने वि. सं. १९९८ के विजयादशमीके दिन लिखी थी ) इनको अपना हार्टिक अभिनन्दन देता है ।

विजयादशमी, वि. सं २०१० }

मुनि जिनविजय

#### INTRODUCTION

1

The Kānhaḍade Prabandha is perhaps the most valuable treasure in Old Gujarāti or Old Western Rājasthani, as it is called by Dr. Tassiroai. It is an epic of a glorious age and there is nothing to compare with it either in Old or Modern Gujarāti. It can easily stand comparison with the celebrated Prthvīrāja Rāsā in Old Hindi.

There are various reasons why the Kanhadade Prabandha has attained this unique position. In the first place, it is a text of supreme importance for a study of the development of the Gujarātī language Composed as early as v s. 1512, it represents an important landmark in the evolution of the Guiarati language It embodies a stage when Gujarāti and Rājasthānī were just beginning to evolve their distinctive characteristics from the common source—the post-Apabhramsa While the morphology and the general character of the language are unmistakeably Gujarātī, its phonology reveals several Rājasthānī traits It is a rich mine of typical Old Western Rājasthānī words, many of which are rarely met with in other Old Western Rajasthani works Besides being a gifted poet the author was an erudite scholar His work, therefore, faithfully reproduces the standard form of the language current at the time. This text, fortunately, has been handed down by learned scribes who have taken care to preserve its linguistic peculiarities with great fidelity. The result is that we get from this work a clear picture of the Old Gujarati language or Old Western Rajasthani as it prevailed in the middle of the 15th century A. D. And herein hes the value of this work because the works of emment mediaeval poets like Narasımlıa and Mirābai, although belonging approximately to the same age, have considerably suffered in the process of transmission in later times.

From the historical point of view, also, the Kānhaḍade Prabudha is without a parallel in the entire Old Western Rajasthānī literature. It is perhaps the only own Prabandha that gives an accurate account of historical events. There is hardly any doubt that the poet has drawn at first-hand on court-records and chronicles as well as the current historical traditions of Rājasthān. His references to the contemporary geography of India are always accurate. The value of this work as a source-book of the history of the period, therefore, must be rated very high indeed. Moreover, the work is a mine of information on the social customs and manners

of the period. It is a work of the utmost importance, therefore, to

And lastly, the Kānhaḍade Prabandha can claim a high place of honour as a work of art, It is an epic poem, grand in its design, vigorous in the portrayal of its characters, and masterly in its treatment of the sentiments. The flow of its narrative, punctuated by descriptions—lively, sombre or gay—and its songs filled with a rare lyrical charm, make this work a classic ornament of Old Western Rajasthāni literature.

#### п

It was only natural that a work of such outstanding importance should soon attract the attention of scholars. Dr. Büller, the well-known orientalist, chanced upon a manuscript of this work, preserved in a Jama Jääna Bhandāna (manuscript-library) at Tharād, North Gujarāt, during his tour in search of manuscripts of Sanskirt and Prakrit works. He promptly got it copied and sent it to the late Navalrām Lakshmirān Parnya, the celebrated Gujarātā scholar and critic of that period. Navalrām published it ad verbatim senially in the Sālāpatra (1877-78 a. d.), of which he was the editor. The as itself contained several mistakes, to which many more were added in the course of the printing in the Sālāpatra. However, the publication of the text in the Sālāpatra did serve a very useful purpose it drew the attention of scholars in Gujarāt to the importance of this work.

Outstanding Gujarati Indologists, like H. H. Dhruva and K. H. Dhruva, and D. P. Deräsari, felt interested in this work, and the last-nomed scholar undertook the task of editing it. He collected the manuscripts, deciphered and collated them, and prepared the text, which he published along with a brief introduction and explanatory notes in 1913 a p. His text was based on the following 5 mss —

- (1) the text of the Kānhadade Prabandha published in the S'ālāpatra by Navalrām Pandyā (designated as \$ by Derāsarī);
- (2) a ms copied in v. s 1648, procured from the Jaina Jāāna Bhandāra at Tharād¹ (designated as s),
- (3) a Ms copied in v s. 1665, in the manuscript-collection of the Deccan College (designated as  $\pi$ ),
  - It bears the colophon हिंत का प्र समाप्त सनत १६४८ वर्षे मामशिर मासे क्रण्य एसे अष्टम्यां त्रियो रिक्तास्थी । औ स्तित्तुरं औ मामहत्त्राय गढे को को को का का काल्याव्यं संतत्ते । नावनावार्यं को की की अपकारकस्य तर्र काल्याव्यं का नावनावार्यं को की की अपकारकस्य तर्र काल्याव्यं काल्याव्यं का काल्याव्यं का काल्याव्यं का काल्याव्यं का काल्याव्यं का काल्याव्यं काल्य

- (4) the ms (dated v. s. 1930), which Dr. Bühler got copied and sent to Navalram (designated as v);
- (5) a recent ms containing the first 150 verses of the Kānhadade Prabandha, copied out by some cāraņa (bard) for his personal use (designated as 3)

Of these MSS \(\pi\) and \(\pi\) are identical, \(\pi\) being printed verbatim from the \(\pi\) MS, \(\pi\) and \(\pi\) both come from Tharād and both have a big common lacuna.\(\frac{1}{2}\) It can, therefore, be presumed that both are identical, \(\pi\) representing the original MS from which the copy \(\pi\) was prepared at the instance of Dr Bueler. Of the remaining MSS \(\pi\) represents another manuscript-tradition, while \(\pi\) is fragmentary and is very modern.

From these MSS DERASARI prepared his text, But according to the practice then prevalent among Gujarati scholars, when Old Gujarati studies were in their infancy, the editor did not base his collation on any recognized principles of textual criticism but allowed himself to be freely guided by his personal predilections in the matter of the choice of readings. Where one or the other of the Mss had simplified a lectro difficultor in transmission, Derrasari adopted the lectro facilior in preference to the original reading. Occasionally, he emended the original text without sufficient warrant. The text, thus, was defective in those very places where it was most important for the linguist to know what the original was like. The edition also was unsatisfactory because the manuscript-material on which it was based was neither thoroughly representative nor very old, as all the MSS were removed from the original by over a century and a half. It failed, therefore, to bring out the salient features of the Old Western Rajasthani language current in the poet's time.

In 1926, Derisari brought out a second edition of this work. No material revision of the text was made in this edition; only at a few places readings from Ms W were substituted in place of readings from Ms Adopted in the earlier edition.

These editions of Derisari, though prepared with care, and popular then, fail to reproduce the poets original or represent the state of the Old Western Rajasthani language of the mid-afteenth century, as will be seen from the verses cited below from that edition in juxtaposition to the text as reconstructed by the present editor.

<sup>&</sup>lt;sup>1</sup> Vide Derisari's note. "आ प्रत पण क (= शाळापत्रनी वाचना) छे लांबी ज तृदक छे."— Kānhadade Prabandha, ed. by D. P. Derisari, 1st edn., Introduction, p. 2.

## Verses in Derasari's Edition

मरण तणि भयि भोजन वार वासी चाद्रउ धरह सुआर ॥ पातसाहनी पिडिरामणी तव धराव 1 सिम्भरन धणी ॥ पाला पति पटावत काहर भोड़ नव लाभि पार ॥ आगलि थिकां बागड सावज बादि नाठा जाइ। विसमी भूमि लीइ चिह्न दिसि हरी धाडा धाइ॥ आगड अद्य वंस सं वीत्रं छयल भणइ नवि छाई। असपतिनां दल साहम चाछ लेई ऊषाड़ं खाड़ं ॥ चच्या कटक डण्डाहि चिडोत्तर धाणधार धरधोलि । कडि वीवी आव्या वासी बीची पाटण पोलि ॥ किस्या रूख फल्या? राज कथारि. नाणि मनि संदेह। बीलां बोर किर नि गोहोला माधवना फल एह ॥ गुजरात देस हीलोल्य अति कीघं तरकाण ॥ लोहडा तणी फलक अणावी वली अणावु गाडा। सोमनाथनं लिह चडावर आणी ओडा आडा ॥ लवण भणड, बीर चुवीसङ पूछ्या व्याज लहीजह ॥ खाधा धान रात्रि अधारङ छोरू कीधा वंच ॥ टोलइ टोलइ पीटइ खरांकि नीरप्रवाह वहि जिस अस्ति॥ जेह ऊपरि शाहा भनि हेज

> मचकोट्यूं तुरकाणूं। 1 धरावित I<sub>2</sub> (Derāsanī, 2nd edn.)

पातसाहना वि भागेज ॥

मारी तरक नि अधलं कीधं

Corresponding Verses in the Present Edition
भएण तणह भीय भोजन बार
वांस चाटवड चरह सुआर ॥ १–२५
पातिचाहनी पहिरामणी
जयराहह विभारिनड चर्णा ॥ १–३०
पाज चळ्ड पटावत काहर
भोई नड़ कलवाल ॥ १–४२

आगिक्ष थिका बागङ्ग साविज बेडई नाठा जाइ। बिसमी भूमि लेई देसाउत चिह्नं दिसि घाडा घाइ॥ १-४९ आगङ अद्धा वरांसउ बीतउ

हिवडी छल निव छाडूं। असपितना दल साझ्यड चाल्यड लेई ऊघाडउँ षाडूं॥ १८५३

चड्या कटक दंडाहि दाहोत्तर धाणधार धंधोलि । ऊडी बीती वाउस् आव्या

पाटणि वीची पोलि ॥ १-५९ किस्यां रूबफल राउ अवधारउ

राणी मिन सर्वेह। बीला बोर कड्र इंगोरा माधवना फल एह॥ १-६३

गूजराति माहि गडअडड तहीय लगइ तुरकाणउं ॥ १-६७ लोहडइ ज**डी** फरक नड रहिक्ल

वली अणाव्या गाडा । सोमनाथनउं लिंग चडाव्यउं

आणी कड़व्यां आहा ॥ १-९९ लवणंड भणंड - सहस चउवीसा

पूंठइबाज लहीजह ॥ १–१४९ षाधा धान उलवड बडसी

छोरू कीया वंच ॥ १-१६४ टोळे टोळे पडड करांबि

नीरप्रवाह वहइ जिम आषि ॥ २-६ जिह ऊपरि वाल्डिमनइ हेज

पातसाहना वे भाषेज ॥ २–१६ मारी मलिक अवाला कीधा

गरा मालक जवाला काषा मचकोडिउं तुरकाणउं।

#### Verses in DERASARI'S Edition

हुडी नि छोडाव्या हाथी वेडी गया विद्वाणह ॥ मइ कास्मिर, कामरु, हिमाचल चूल लगइ वसि कीध ॥ तेह तणा माल घरि आवड अब घरि करइ सलाम ॥ सांतलसीह प्रसादि तह्यारि म्लेन्छ इहाथु फेडु ॥ पडड त्रास भटकीया विछटड अनइ धू धू निफात ॥ कयरि कोडाली फटडी वली बुलाबु कवण दुल्हा भणी॥ जे गाळ आविड आखेट पाडिउ <sup>1</sup> हाथ तब बाहडमेर ॥ भणवा भणी न आवड खेद अगि सहित मुखि च्यारइ वेद । ब्राह्मण तणा भला<sup>3</sup> आचर्ण. जिहा वर्त्तइ बइठा व्याकर्ण ॥ साहसी राउत आगलि थ्यु भिषमालि आविउ बुंबीउ॥ जे नीसाण तरका तिहा सर पाइउ घाउ वजाविउ । सर वाजता वेगि मुणी करि मलिक नेय तिहा आवित ॥ घोडा लगइ न जाबा लाभइ वेगइ आहाणि तीर ॥ सरवर पर सर मण्या निसाण

पछड़ मलिकनह हुकं जाण ॥ पातसाहनी बेटी जेह वीरमदे परणालु तेह ॥ दानकरण मान्हणदे<sup>क</sup> सही छुठी भोजि जमलि रही ॥ माणिकराय घरि चुधि वार

देवराज लीघु अवतार । जग्रतलदे घरि हुं कूंगरी सरूपदे नामि अवतरी ॥

 $^1$  पहिउ  ${
m I_2}$ 

Corresponding Verses in the Present Edition हुडी नइ छंडाच्या बाहर वेडि गया विहाणते ॥ २-४५

मई कासमीर कामरू हिमाचल गौड लगइ वसि कीधा ॥ २-६७

तेह तणा माल अम्ह घरि आवड् ते अम्ह करड् सिलाम ॥ २-७३

सातलसीह प्रतापि तुम्हार**इ** म्लेखां थाहर फेडवं ॥ २–१२२

पडइ त्रास भटकीयां विछूटइ नड घघड निफात ॥ २-१२९

नइ घूघूइ निफात ॥ २ कंयरि कोडाली बेटडी

वली मेलावउ कवण वलामणि ॥ २--१५५ जई त्रागालउ आविउ हेरि

पड्यंत हाथ तव बाहडमेरि ॥ ३-२९ भणवा तणाउ न आणंड चेद अग सहित छड च्यारड वेद ।

बाह्मण तणां भलां आचरण जिहा वरनइ आठइ व्याकरण॥ ३–२३

साम्ही राति**इ आ**गलि थयउ भिज्ञमालि आव्यउ **बूंबी**उ ॥ ३–३०

जे नीसाण तोरकां तिहाँ सिरि पाडवि घाउ वजाविउ। विसर वाजंता वेशि धुणी करि मलिक नेव तिहा आविउ॥ ३-९३

घोडा लगइ न जावा लाभइ वेझां वींधीइ बीर ॥ ३-९९ सरोवरि विसरि सण्यां नीसाण

पछड् मलिकनइ **हुऊं जाण ॥** ३–१०९ पातिसाहनी बेटी जेउ

ते वर मागइ वीरमंदेउ ॥ ३-१३०

खूणकरण माल्हण छड् सही

छट्टी फोजइ जहसल जहें रही ॥ २~१८० माणिकराय घरि चउषी बार महीपाल लीधन अवतार।

महीपाल लीधउ अवः योगादे घरि हु कूंअरी

।।द चार हू कूजरा सहपदे नामइ अवतरी ॥ ३–१९९

<sup>&</sup>lt;sup>2</sup> तणां मला I<sub>2</sub> <sup>8</sup> मोल्डणदे I<sub>2</sub>

माल्हणद म

#### Verses in DERESARI'S Edition

देवलोकया नुमी वार पृथवीहि हुइ अवतार ॥ कुमरी आवी कंयरि सुणी गत रब्बारी वधासणी ॥ शोमित बर्ज बर्ज कांगर नदी तरुअर फलवा वर ॥ जाणह भरह भेद संगीत<sup>1</sup> पाटबंध ते गाड गीत ॥ राजंगणि सवि उद्या सचरी पहिला सबि सह मेल करी ॥ पातसाहइं कासित मोकल्य मालदे देस मारङ एकल । कमालबीन कहिउ सांभलि गढ लीधा विण पाछउ वलि ॥ करक तोरकां ऊपरि संदी राउ सींघल दल आव्यं ॥ उलीचि कर नजारीया बार सहस सूगल मारीया ॥ खाडा भरत कांगरा कोठड इसिउ कही वसाणित ॥ जैस लखमण छलभ जाणि ए नासत नाठा निरवाणि ॥ पुत्र, आसुड, बीजड बेउ धारसी नइ ईप जेह ॥ वीरमदेवि संघासण काज कठ दीहाडा कीध्र राज ॥ जे फल लहि तापसि सवि जे फल हुइ बंध छोडवि ॥ पुर्णिय संग सवि सज्जन मल्ह

Corresponding Verses in the Present Edition

प्रथवीह नहीं हुइ अवतार ॥ ३-२११ कमछे आवी कुंयरी सुणी

गयउ रबारी वद्धामणी ॥ ३-२२७

सोभित बुर्ज बुर्ज काकरउ॥

नदी तरूअर ऊमाहरउ ॥ ४-२५

जाणइ जेह भरहसंगीत पाडप्रबंध ते गाह गीत ॥ ४-५५

पहिलडं मंत्र सुपरदु करी रायंगणि सबि ग्या संचरी ॥ ४-१२५

पातसाहि कासीद मोकल्यउ मालदे वीर साहु एकलउ।

कमालबीन कहिउं साभले

विण लीघा मत पाछउ वले ॥ ४–१४५

करक तोरकां ऊपरि स्ंडी रासंघड दल आव्यां ॥ ४–१०३

उल्हीचड कर कमारीया

बार सहस म्लेख मारीया ॥ ४–२११ षांडाभरत काकरउ कोठउ

इसिउं कही वषाण्यउ ॥ ४--२१३

जेसल लषमण छूणउ जाणि ए नीसत नाठा निरवाणि ॥ ४--२६३

पूनर आसड बीजड जेर

धारसीह नइ दूदल बेल ॥ ४-२८० बीरमदेव वंश घण काज

अहूठ दीहाडा कीघरं राज ॥ ४–२९८

जे फल पामइ तपसी सवे

जे फल हुद् बांद छोडवे ॥ ४-३४७ प्रेमसंगि सवि सजन मिलड

आस मनोरब सहुइ फलड़ ॥ ४-३५२

A critical edition in the strict sense of the the term, of such a monumental epic was, therefore, for long a desideratum. Such an edition would enable scholars to form a correct picture of the language, history and literary achievements of this remarkable period in the history of Guiarat and Raiasthan.

पण्यि आस मनोरच फल्ड ॥

 $<sup>^{1}</sup>$  जाण इ जोतिष, भर इ संगीत  $\mathrm{I}_{2}$ 

#### TTT

The Kanhadade Prabandha had attracted my attention ever since I read it for my M. A. in 1931-1933. While teaching the poem to the B. A. students from 1937 to 1940 I found that a critical edition of the text of this work was absolutely necessary.

From 1940 I started acquiring the manuscripts. I got the two MSS from the manuscript-collection of the Bhandarkar Oriental Research Institute, Poona', which were used by DRRĀSARI and designated by him as MSS W and W respectively. After a prolonged search it was also possible to hunt out the old numbers of the Sāļāpatra, in which Navalrām had published serially the text of the MST SARI DERRĀSARI). The effort, however, was wasted as the text printed by Navalrām turned out to be a verbatim and rather faulty transcription of Builler's MS (MS W in DERRĀSARI). The agreement between the two texts and the identical colophon in both leaves no doubt whatsoever regarding this identity.

It was then brought to my notice that there was a ms of the Kānhadade Prabandha in the collection of the Jaina Jñāna Bhandara of the Anantanathu's temple, Bombay. I approached the trustees of the temple through the late Ambālāl B. Jānī, himself a veteran scholar of mediaeval Gujarati literature. With the trustees' permission I visited the Bhandara and found to my great surprise that along with the Ms mentioned in the catalogue of the Bhandara (the c ms in the present edition) there was also another ms of the same work lying unnoticed there, because its first folio was lost so that the cataloguer was left without any clue regarding the name of the manuscript. This Ms (Ms A in the present edition) turned out to be a rare find, an invaluable treasure, for it happened to be the oldest dated Ms. copied in v. s. 1598 in Jhalor, the poet's own place. where it may have had for its basis the poet's autograph or a direct copy of it. Both the MSS were made available to me by the trustees (1940). I then learnt from the late Mohanlal Dahchand Dasai that a fragmentary ws of the work existed in the Kesarbai Jhana Bhandara at Patan. I went to Patan in October, 1941, in search of the Ms. The Ms. however, could not be traced there. I met there Muni Śri Punyavijayaji who was then engaged in preparing a catalogue of the manuscripts lying in the various Jñāna Bhandāras of Patan. He had two fragmentary Mss of the work in his private

<sup>1</sup> No. 1541 of 1891-95; and No. 239 of 1873-74.

collection, which he promised to trace and send to me after his cataloguing work was over.

After waiting for these MSS for sometime I started collating the four principal MSS (A, B, G, D) I had acquired so far, and prepared the text (1945). Then I received the two fragments (MSS F, G in the present edition) from Mun Sri Puntaviatai, and also a fragment (MSS) from D, B K H. Dheuva's collection in the Gujarit Vidyā Sabhā, Ahmedabad. I also learnt from Mun Sri Puntaviataja bout the existence of a complete MS of the Kānhadade Prabandha in the Bhandāra of Samvegi's Upāśraya, Ahmedabad. For some reasons the MS did not become available then. I, therefore, collated the newly acquired MSS (MSS R, F, G) and revised the text in the light of this new material (1947-48).

Just then the Ms from the Bhandāra at Samvegi's Upāšraya, Ahmedabad, came into my hands through the good offices of Muni Śri Poyyamiatai. A little later I learnt about the existence of two further Mss of the Kānhadade Prabaudha in the collection of Śri Motichandji Khajākori of Bikāner, well-known for his excellent collection of old manuscripts and paintings. I contacted Śri Motichandji who readily placed at my disposal the two Mss for purposes of collation (1951)

Finally, when this edition was in the press and the first Khanda was printed off I received a letter from Sri Agarchand Nāmā, the veteran Rājasthāni scholar and antiquarian, drawing my attortion to the existence of a ms of the Kānhadada Prabaulha in the library of Goduji's Upāšraya, Bombay, acquired from the successors of the late Mohanlal Dalchand Dasāi The ms was made accessible to me by the trustees of Godiji's temple and upāšraya. It came just in time to be utilized for the present edition, for the portion of the text from where this fragmentary ms commenced was then about to be printed off. (October, 1952)

The acquisition of the different mss since 1947-48 made it necessary for me to collate them and to constitute the text over again in the light of the fresh manuscript-material now available to me. The later acquisitions, and particularly ms k from Sri Khajakoshi's collection at Bikāner, were very helpful in illuminating several obscure portions of the text So far, the A ms was the principal Rājasthāni ms available to me. Where it was mutilated or corrupt it became difficult for me to restore the text satisfactorily. This handicap was removed by the K ms, which was a Rājasthāni ms, conied with great

care, and though undated, was almost as old as the A ms and belonged to the same group.

I had access to all the MSS used by DERKSARI, except the one which he had designated as at. I, therefore, thought it necessary to record variants from DERKSARI'S text (designating it as 1) where it differed sharply from the rest, assuming that they probably belonged to MS at, which was inaccessible to me.

I have utilized all mss available in the government and other public libraries, Jaina Jhāna Bhandāras and private collections of Gujarāt and Rājasthān. So far as I an aware no extant ms of the work has escaped my notice. I may claim that there is hardly any edition of an old work in any of the Indian languages which has been prepared from manuscript-material, so rich and rare as that used in the present edition.

#### ΙV

The present edition is based on the following ten manuscripts.

Ms A, in the collection of the Jūāna Bhandāra of Anantanāthji's temple, Bombay, consists of 18 folios, of which the first is missing, though, fortunately, the last folio containing the colophon has been preserved. The edges of this folio (folio 18 verso) have, however, suffered damage, with the result that some letters in the text have disappeared.

Each folio measures about 11.2" by 4.5". The size of the folios, however, is not quite uniform, as some one has evidently tried to prune the edges.

There is a margin of .5" on the right-hand side and .25" on the left-hand side, and a small margin of .15" to .25" is kept above and below the writing in each page.

There are on an average 23 lines per page. Folios 2, 8 recto, 9 verso, 10, 11 recto, 12 recto, 14 verso, and 15 recto have 23 lines each Folios 3 recto, 11 and 12 verso, 14 lecto, 16, and 18 recto have 22 lines each. Folios 4, and 7 and 13 verso have 24 lines per page. Folios 3 verso, 5, 6 and 7 recto, 9 and 13 recto, have 25 lines each. Folios 8 verso, 15 verso and 17 recto have 21 lines, and folio 17 verso has 20 lines. Folio 6 verso has 13 lines, because a part of the page had to be left blank, as the writing on the other side had penetrated too deep. On folio 18 verso, where the ws ends, there are 17 lines only.

ŧ

The first 61 verses of the text are lost with this folio. MS A, thus, commences with I 62. There are no other lagunae in the MS.

The number of letters per line varies from 54 to 60, the average being about 57 letters per line.

Being written by a Brahmanical scribe it has no svastika or conventional blank space in the centre of the page.

On the verso sides at the top of the left-hand margin is written the title of the poem, namely, कान्द्रवेदी वडाक्रे, while in the right-hand margin at the bottom is marked the number of the folio.

If a letter or a word is to be corrected, the wrong word or letter is struck out and the correct word or letter is written in small hands just above it. Similarly if a word or a letter has been madvertently omitted it is inserted in small hands just above its proper place, which is marked with a cross. Sometimes the addition is made in the margins instead of above the place of omission. In that case the place of omission is indicated by a small cross, and the addition is made in the neater margin between two crosses, care being always taken that the addenda appear in the same line as the place of omission

The numbering of verses is often faulty. The discrepancy is only slight in Khandas I and II, while it is extensive in Khandas III and IV. In the fourth Khanda the first stanza is numbered as 67, evidently continuing the numbering of the previous khanda, while the last stanza is numbered as 1000.

The verse-numbers, the names of the metres, the refrains of songs, and colophons are all rubricated with red lac.

The prasast or mangalācarana is lost with the first folio, while the colophons of the Khandas and the final colophon read as below.-

इति प्रथम षंड समाप्त ॥

इति द्वितीय यंड समाप्त ॥

इति तृ(ती)य समाप्त खंड ॥ समाप्त ॥

हि श्री कान्ह्यम्(य) सपूर्ण मिति ॥ स्वत १५ आषाडादि ९८ वर्षे श्री आलंग्याट महादुर्धे विद्यारिवेदे मलिश्री अलंग्सर विकल्पाच्ये श्री अचलाके गळाधिराज श्री गुणनिषानस्ति विद्यमाने ॥ वा० श्री करात विष्या प्राप्त श्री गुंच्यलिक्य महोपाध्याय श्रि वा० व्यवलिक्यगण वा० श्री भानुलक्ष्मिण लिखतं ॥ १७ नारिव्रलक्ष्मि वाचनार्थे ॥ क्यानी विरे ९ गुल्लारे लिखतं पूरे ॥

<sup>2</sup> On tolio 3 the title is mentioned as whe signify, which may have been written probably by a later reader or collector. Folios 2, 5, 8 and 18 are without the title, which may have disappeared when its edges or unblied away. For the same reason on some folios the number has been lost.

<sup>&</sup>lt;sup>2</sup> Such marginal additions are made on folios 4 verso, 5 and 6 recto, 7 verso, 9 recto, 10 verso, 11 recto, 13 verso, and 16 recto

, नव मानितिम् प्रधामामा मानि मिना मिना विज्ञ मन मन मन महाम्बन स्पापित मन मन्त्रिका राज्या मिना राज्या मिन

Last page (folio 18 verso) of the A Ms

33 ॥१८॥

मंत्र न्यानाबक्कमाक मध्याद्व सम्मानमाम् मान्न न्यान निकास । भी हिंद मधिन निकास मधिन सम्मान स्थाप मुख्य मिला स्थाप मुन्त स्थाप मिला स्थाप मिला स्थाप मिला स्थाप मिला स्थाप असिना मिन माना अन्तमिन । यो स्थायमन स्थाय कियाना न न ने নিইমণা ফবিত্র জুনবর্গিয়া রুক্তব্যক্তিবাহিনারিকসম্মান্ত কর্মাণ্ডিস্ উদ্ভেত্ত রেম্বর্মান্ত কর্মান্ত ক PENSON BILLIANS BEING BENEVER DE SENSON BENEVER PRESENTATION DE LA PRINCIPA DEL PRINCIPA DE LA PRINCIPA DE LA PRINCIPA DEL PRINCIPA DE LA PRINCIPA DEL PRINCIPA DEL PRINCIPA DE LA PRINCIPA DE LA PRINCIPA DE LA PRINCIPA DEL PR अविद्याः स्वास्त्रः अत्रायन्त्रः प्रायाः प्रायाः स्वास्त्रः स्वास मांगड्यान मित्राणा हवा यो रिम में इनला वस्याल्या एक विज्ञान रायो है छिड़ नितिहितिमा मार्गाविक काली। तालोहरण वर्षम्याम्। यात्र क्षा क्षानित क्षेत्र मात्री पद्मिव वस्मा मा मा मा मिस्ट पिमट्। वा न्यंसार हर बारे म

The script is Brahmanical Devanāgarī of the Marwādi type. It is clear and firm. It does not use the padimātrā or the sidemātrā, which is a characteristic of the Jana Devanāgarī.

The manuscript is written on paper of a very inferior quality. Sometimes, on account of this, the scribe had to allow half the side of a page to remain blank (wide folio 6). The ws is not well-preserved either. The pages are soiled, perhaps on account of dampness, and have been damaged at places by insects. The edges have suffered due to careless handling, and on folio 18 the writing at the corners has thus disappeared.

Inspite of this the Ms has been very valuable for fixing the text. It is the oldest dated Ms, belonging to the same century as the poet. It was copied in Jhalor, the poet's native place, where it was possible that the copyist had access to the author's autograph copy or an immediate copy of it. I have, therefore, given due weightage to this Ms, and considered it most reliable in the constitution of the text.

Ms B, No. 1541 of 1891-95 in the collection of the Bhandarkar Oriental Research Institute, is in the form of a poth, stitched on the left-hand side, which is rather unusual. The is contains (1) the Kurnalilāvilāsa of Sūradāsa, (2) the Kānhadade Prabandha of Padmanābha, and (3) the Rannmalluchanda of Śrīdhara Vyāsa, in that order.

On the first page and after the Karnalilāvilāsa some medical formulae are copied out. The Ms covers in all 59 folios of which 47 are occupied by the  $K\bar{a}nhadade~Prabandha$ .

The folus are not numbered, but counting the opening folio of the ms as 1, the Kānhaḍade l'vabandha starts on folio 8 verso, and concludes on folio 55 verso. Each folio measures about 8" by 4.6". There is a margin of .4" both on the right and the left, marked off by a double line usually in black and sometimes m red ink. The margins at the top and the bottom of the page are .3" wide.

On the first 20 sides there are, generally, 13 lines per page; the remaining pages have usually 14 lines per page, except 18 sides—most of them in the latter part of Khanda III and in Khanda IV—which have 15 lines per page. The last page, where the poemends, has 16 lines.

The number of letters per line varies from 28 to 36, the average being about 32 letters per line.

Neither the title of the poem nor the folio-numbers are written in the margins.

When a letter is to be deleted, its head-line is crossed by two small upward strokes, or, occasionally, the head-line of the letter is just omitted. If, however, several letters or words are to be deleted, they are rounded off by a line or sometimes placed between two brackets and rubricated. If a letter or word is omitted, the addition is made in fine hand just above the place of omission. Sometimes, the copyist has written the meaning of the word in small hand just above the word.

Refrains of songs and the recurring carana occurring in several verses are usually abbreviated\*.

There are no marginalia except in IV 293 where in the margin is written া ১৪৪৫ বিয়াক

The numbering of verses is regular up to I 38, after that two verses and sometimes even four verses are numbered as one up to I 147. Here the numbering becomes regular once again till the end of the first Khanda, though occasionally a verse is left unnumbered. In the second Khanda the numbering of verses is regular upto II 51, then two verses and often even four are numbered as one. In Khanda III the numbering of verses is mostly regular inspite of some discrepancies, occasionally noticeable, including repetition of the same verse-number. Thus III 241 is numbered as 229, after which follows the prose Bhadāulī. The verse immediately following the Bhadāulī is numbered not as 230 but as 245, which indicates that the copyist has corrected the numbering by reference to his prototype. The numbering is mostly regular in Khanda IV, with the exception of a few places, where four or more verses are numbered as one.

The verse-numbers, names of  $r\bar{a}gas$  or metres, refrains of songs, and the prasasi and colophons of each Khanda are rubricated.

The prasasti is simply कान्हडडे राउल ॥ श्री सारदाये नमः ॥; while the colophons are इति प्रथम षंड समाप्तः ॥

चतुर्थं षंड ॥ सं (...) पोष सु ५ ॥

<sup>&</sup>lt;sup>1</sup> Vade I 82 m Ms B <sup>2</sup> Vade II 43 m Ms B.

Fide II 43 in MS B

कि सी

<sup>4</sup> नयर योगिनी, мв в, I 18.

<sup>5</sup> Vade III 199, 200 in MS II

<sup>&</sup>lt;sup>8</sup> The date - V. S 1665 (# 2884) - has disappeared as the edge of the folio has suffered damage. It is, however, preserved at the end of the next poem in the pothi, viz Rapamallachanda.

The script is Brahmanical Devanăgari of the Rājasthāni type. The handwriting is firm and bold and is uniform throughout the Kānhadada Prabandha, but comparatively thinner in the Ranamalla-chanda, and thicker in the Karnallāvulāsa. The difference was perhaps due to the use of different pens. Some of the interspersed medical formulae appear, from their broad, immature, irregular writing, to have been copied by some one else, perhaps by a young student, who was just learning to write.

The paper is thick and the ms is well-preserved. The absence of a detailed colophon, the inclusion of several works, along with information for personal use, in the same ms, may perhaps be taken to indicate that the copyist was also the owner, who wrote out the poem for his personal use. That he was a learned man, perhaps a scholar, is evident from the careful transmission of the text.

Ms C comes from the manuscript-collection of the Jāāna Bhaṇdāra of Anantanāthji's temple, Bombay. It consists of 34 folios, each measuring 9.5" by 4.25". It has margins on the two sides marked off by two double lines. The right-hand margin is usually 1" wide, while the left-hand side margin is usually 1" wide, while the left-hand side margin is usually .8" wide. The upper and lower margins are, generally, .45" wide.

The first 5 folios have 14 lines per page. The rest of the folios have 15 lines per page, except the last (f. 34 recto) which has 11 lines only.

The number of letters per line in the complete lines above and below the svastuka varies from about 38 to 46, the average being about 42 letters per line.

On the verso sides in the margins of the left-hand side is written the title बान्दर्वर (in folios 1, 2, 3, 4, 7, 8, 17, 21, 24, 27, 31, 38); or बान्दर्वर प्रा (in folio 20); or बान्दर्वर पर (folios 14, 15). On the remaining pages the title appears as बान्दर्वर पुर In the right-hand margins at the bottom the number of the folio is written.

A small vertical stroke or sometimes two strokes cutting the headline (folio 5 verso, l. 13) indicates that the letter is deleted (folio 4 verso, l. 9).

Marginal addenda are very few indeed.

At only one place (f. 24 rects, l. 14) one letter (y) has become illegible; two small dashes one above the other are marked just above it, and in the right-hand margin the letter is written with the same mark (=) to show that it is to be inserted at the place where a similar mark appears above the line. Again on folio 30 verso 1.9 where a word is left out in the writing, its place is indicated by a cross above the line, and the word (va) is written in the left-hand margin, along with the cross. On folio 31 verso 1. 11 where f (the vowel i) is left out, two curved strokes above and below the letter are marked instead.

The numbering of verses is absolutely regular throughout the entire poem.

Verse-numbers are always substituted. The names of metres, colophons of Khandas, dates of events are also usually rubricated.

The prasasti reads ॥ ई॰ ॥ श्री गुरुम्यो नमः । श्री शारदायै नम ।

The colophons are

इति श्री काङ्कदरेकमार्था प्रथमणंडमध्ये गुजराति सोगठ दिवेश बंद नवलाष सोमईउ देव लेई गवि जालहर पासि शिराणि दक्त आस्यां कान्हदरे जीला अधिकारे प्रथम खंड ।

इति श्री कान्हडदे दितीय खंड समाप्तः द्वितीयसभ्ये अलावदीन पातसाहि नाहर मलिक मोकल्या ते समीआणे गडरोहु करिंउ सानलगी बहुआण भदी भागु पातसाहि समीआणो गड ठीपु बीजि पेडि १५८ गाया ॥

इति श्रीकान्हडदे तृतीयसंड स्पूर्ण तृतीय एंड मध्ये बाहुडमेर मीनमाळमंग पातसाइ जालुहिर आगम मुंगळमम पातसाइ तीजीचलन ममम्पान हरमसाहेन बदिकरण श्रीताई गढि आगव्य बंदछोडने बीबाह-बातकरण संड शासा २३९ ॥

इति बोन्हर्ने चहुआण चतुर्थ संद सर्पूर्णम् चतुर्थ संद मध्ये बान्ध्रीर गढोतु वर्ष ८ सबत् १३६८ गढभेग पथान् अलावरीन कोन्हर्न्दे पछी साग ८ अलावरीनस्प्यु तिहार पछी सबत् १५१२ पदमनाभ पीक्षेत्र रास उद्धरता स॰ १७११ वर्षे कार्तिक विदे १४ सोमे ।

The MS is exceedingly well-preserved, as will appear from the facsimle. The paper is thick, light brownish in colour, and so well-preserved that even the fibres in its texture are visible. In the left-hand margins insects have bored holes, some of which have been repaired by pasting strips of the same kind of paper, so that the damage is not noticeable. But the text has in no way suffered on account of this. The ink is sluning black, giving a glossy appearance to the writing.

The script is Jama Devanāgarī, with the padimātrā. The style of writing is exceedingly beautiful and can be ranked as one of the finest specimens of Old Western Rājasthāni callgraphy. There are hardly any corrections in the ms-even signs for  $\bar{a}$  and i following a consonant which are likely to be interchanged are all meticulously though spontaneously differentiated. The brief colophon at the end of the ms gives the date of copying only—v. s. 1711. The

Chief of Sonney

# राजस्थान पुरानन प्रन्थमाला

उषणा उस सम्मान विद्यासिक गुन्ति प्रकावित्र जना मान जिल्लामा निर्द्धा है। फनलासिटाधिरान प्सोन्तिक्तराग्यमान्स् जिफलक्ष्यतप्रमिष्ट्रा निकला नेफलक्ष्यमहाराहि मिली जिक्रतमरा स्टरन प्रमाण जिक्रचड्ड मोलिक गण्डा जा प्रकृत हुई तय बीमात जिक्रक र उनेती वाज्य जिक्रचड्ड राया प्रयाणी गढ़ गांडुन काइन्स्यार्थ क्षेत्रमारा प्रयाग बीमिले जिक्रम फलक्र माच्याणा दत्र क्या क्रचरित्र याकान अधिवृद्धम्मम् सञ्जयम्बरम्भागविष् क निवारवंडी मंबराएरि पदममामवितिताम उद्दरता मंगांगा बार्घका बिक्तबरिधामाम म यत्रमाण कालिकाशियणा कल्प्रमा तदनगोकारतिवरणवा स्तं मंबतपन्स्याष्ट्रीगातरमार माइमामञ्जरमामवार जा नितंन वामिष्ठाण मानातन्त्र मिष्टिमञ्जनमणी इतिका क्षत्राय कार वान कर्म वि ने फ न पानि साझ विसत्ता व टाराजनका क्यान्य क्रिक्ट माउनम् प्रशास्त्र वण विश्वम गिष्म् ब मैस्राण ताप्य भाषा मवितमित्रमा केल्युगक्षमञ्ज्ञानम्

Last page (foho 34, recto) of the c us.

Folio 21 verso of the E ws

absence of the copyist's name perhaps indicates that the ms was copied by the owner himself, who, both from the style of writing and textual emendations, appears to be a scholar of Gujarāti, Rājasthānī and Sanskrit. He is likely to have been a Jaina.

The traditional swastuka or ornamental blank space is found in the centre in all the pages. It is a survival of the style of writing on palm-leaf, where space had to be kept blank in the middle of the page for a hole through which the string was passed.

The only other mss used in this edition which have a  $svastik\alpha$  are  $\kappa$  and  $\kappa$  '

Ms D, No. 239 of 1873-74, in the manuscript-collection of the Bhandarkar Oriental Research Institute, comes from a Jaina Bhandāra in Tharad. This is the msthat Dr. Buller got copied out and sent to Navalram Pannya for publication in the Sājāpaura.

It has 29 folios, each measuring 11.2" by 5.1". It has margins .9" wide on both sides, marked off by a thick double-line in red and a small margin of 45" above and below. The right and left extremities of the folio are also marked with a broad red line

The MS starts on folio 1 recto—the manipulācarana or prasasti being ॥ एउँ० ॥ भी गणेवाय नम् । and ends on folio 29 verso. There is a big lacuna on f. 25 verso, where the copyist has left the last six lines blank and made a remark in the bottom of the left-hand margin that "as f. 27 of the original is missing, it could not be copied". On the verso sides, the folio-number is written both in the left-hand margins at the top and in the right-hand margins at the bottom. The title of the poem is not written anywhere

Folio 1 has 16 lines per page, folios 4, 5, 6, 9, 10 have 18 lines per page All the other folios have 17 lines per page, except folio 25 verso which has only 11, and folio 29 (last folio) which has 19 lines on the recto side, and 16 lines on the verso side.

There are usually 38 to 49 letters per line, or 43 letters per line on an average.

If a letter is inadvertently omitted it is added just above its appropriate place in small hands. If f (sign for short i) is left out, two curved strokes, one on the upper side and the other on the lower side of the consonant are marked to indicate it.

Only folios 2-7 in K have a svastika, the remaining folios are without it.

There is a note to this effect on the label pasted on the cloth-wrapper of the Ms.

<sup>8</sup> Thus vss IV176-IV206 are lost in the mas

<sup>\*</sup> Cf. f. 12 verso l. 13 , f. 13 verso l. 8.

In making a correction, the wrong letter is painted out white, and the correct letter is written thereon. On folio 9 verso line 14 f (i-vowel) written in place of 7 (1 vowel) through mistake is written over with red ink

Marginala are few indeed. On folio 7 recto and folio 15 recto l. 11, where a letter is left out in the text, the addition is made in the left-hand side margin, with a Lituapada in the line indicating the proper place where the letter is to be inserted. There is a marginal note in the right-hand margin of f 25 verso, where the copyist has made a note that "as f. 27 of the original is missing it could not be copied."

The numbering of verses is quite logular in Khandas I, II, III. But in Khanda IV, after vs 307, which is numbered as 80 ( = vs 280) in the Ms, the next verse is numbered as 300, while the last verse is numbered as 45 (= vs 345)

Neither the verse-numbers nor the colophons are rubricated, instead, after every quarter of the verse, a vertical stroke in red ink is made, and at the end of every verse two strokes in red ink, one before the verse-number and one after it, are made.

The end of a Khanda is marked with a colophon followed by the number of the Khanda in figures and two or more vertical strokes in black and red.

The colophons are as follows -

इति कान्हडदे चतुर्घषंड प्रथमषंड समाप्तं ।

इति कान्हडदे चतुर्थषड द्वितियषंड स्माप्त ॥ २ ॥

इति कान्हडदे तृतियषंड संपूंर्ण ॥ ३ ॥

इति कान्हदे प्रबंध चतुर्थषंड समाप्तं ॥

The final colophon reads -

हीं सा १९ । ३० माहा शद २ वार भोमे । ऋषभप्रशादात् गा । बीसानयरे । स्रं । पं । कल्याण-विजयजी तत । शीष्य सुं । मोतिचंद । मये पं । दयाविजयजी चतुर्मासे कृत्वा । ५ मी वसत ।

As the MS IS a recent one it is quite well-preserved. The copyist IS a Jaina scribe named Motchand, who copied the poem at Deesa, North Gujarat, in v. s 1930, Mägh Sukla 2nd, Tuesday. His handwriting IS clear and bold, as a professional scribe's would be. He appears to have deciphered the original fairly correctly and copied it

<sup>1</sup> Cf f 8 recto l 14, f 9 recto l 2, f 12 recto l 15.

<sup>&</sup>lt;sup>2</sup> so which marks the beginning of Khanda IV is written in red ink. Similarly at in the colophon on Khanda IV is written in red ink.

out with care. It appears that the original was written in the traditional Devanāgarī style with padimātrā, which has been propelly transcribed in modern Devanāgarī. Only at rare places the scribe has mistaken the padimātrā for the ā-stroke of the preceding letter. An interesting feature of the writing is the separation of the ror? (ā or i) sign from the preceding consonant when the latter touches the margin. At one place (f 29 verso) the scribe has written fā in a peculiar way—the f mark written in 1. 4 (last letter), and the letter ā in the succeeding line—1 5 (first letter).

The comparative accuracy of this Ms and the stage of language it shows suggest that its original was an old and accurate manuscript. But it seems to have suffered when the copy was made. It is possible that the scribe has inserted anusviras, which did not exist in the original. Ms D being only a recent transcript of an old Ms, it is not reproduced in facsimile

Ms E is a fragmentary ms¹, originally belonging to the late Dewan Bahadur K. H. Dhruva, now in the possession of the Gujarāt Vidyā Sabhā. Ahmedabad.

As it is incomplete and its colophon has not come down, details about its date and the copyist are lacking. However, from the condition of the manuscript, as well as the style of writing, it can be presumed that the MS is at least as old as the BMS or perhaps even a little older.

The fragment consists of 9 folios in all—folios 4, 5, 7, 8, 9 and 21, 22, 23, 24

Folios 4-9 measure 10.2" by 4.5" with margins .7" wide on both sides and 5" at the top and the bottom. Folios 21-24 measure 9" by 4" with margins .5" wide on both sides and .25" above and below.

The margins are marked out by three or more lines in red and black. In the left-hand margins of the verso side are written numbers of folios, but except on folio 22 verso left-hand margin where at the top is written अंदर्ड २२, nowhere is the title of the poem mentioned.

Folios 22, 23, 24 leave blank space in the middle to form a svastika.

Folios 4-9 have on an average about 16 lines per page, while folios 21-24 have about 18 lines per page. Folio 24 has 20 lines on both sides.

<sup>&</sup>lt;sup>1</sup> MS E extends from I 83-I 140, I 167-I 242, III 175-IV 61.

Folios 4-9 have an average of 40 letters per line, while folios 21-24 have about 46 letters per line.

In the extant folios there are hardly any corrections or additions, marginal or otherwise.

The numbering of verses is regular up to the Bhaḍāuli of Khanda I, after which the numbering starts again with 1 (verse 192 being numbered as vs 1 and so on). The numbering of verses is again regular fram Khanda III up to the verse 61 in Khanda IV.

The verse-numbers, the names of the metres and the seastila on folios 22, 23 are rubricated. On folios 23, 24 the colophon is written in red or lather saffron-coloured ink, so also the verse-numbers and names of metres.

There is only one colophon—that at the end of Khanda III which reads

॥ छ ॥ इति श्री सोनिगिरावंदी श्रीकृष्णचरित्रे तृतीयपंड ॥ श्री ॥

The script is Brahmanical Devanagari of the Rajasthani type, without padimātai, and might belong to area 17th century. The copyist might have been a Brahmanical scribe of Mārwād

The manuscript has suffered very much from lack of proper preservation. Its edges have crumbled away and insects have bored holes in the sides.

The manuscript is quite old and accurate, and has been very helpful in the restoration of the text

Ms F is one of the two fragmentary ass that were sent to me by Mum Sri Penyamiatai from his personal collection at Pātan. It has 8 folios in all, of which folio 4 is missing. The folios measure 10.4" by 4 1" There are margins on two sides about .5" to .6" wide, and a small margin of 4" to .5" above and below Triple lines in red mark off the margins. Some of the side-margins are eaten up by insects

Page-numbers are noted on the verso side, right-hand margin, bottom. The title of the poem is not written anywhere.

The manuscript commences on folio 1 verso and ends on folio 8 verso.

There are 12 lines per page. Each line has 41 letters on an average.

<sup>1</sup> Ms F extends from 1 1-I 61, and I 87-I 181

## गजस्थान पुरानन यन्थमाला

कान्हट्टे प्रबन्ध

क्रिन् विकास है है।। जबकी ट्रांमासिन एडा मार्स्साध डक्सा इस विशाहक एक जिल्ला जाना जाता है। जा जा जिल्ला है उसीय्गानासद्वधारवीन ब्राज्ञमनात्रेमतरागा। व्यव्यानाव्यं मिनोनात्र तिण श्रवताणा अमाधवर्षना न देश स्थाना है। गारीतं दनव तयं। ब्रह्मस्तासरमात्रासर

First page (folio 1 verso) of the Fas

# Lust I get (folio Lyerso) of the cays

में अस्पारम्य अपने भारत बार प्रतिकार प्राप्ति का कारणाव्यक्तवारम्य अपने प्राप्ति का मार्ग्य पार्ट्य का प्राप्त पार्ट्य का प्रिप्त का मार्ग्य पार्ट्य का प्रत्य का प्रत्य मार्ग्य का प्रत्य का प्रत्य का मार्ग्य का प्रत्य का मार्ग्य का प्रत्य का मार्ग्य का प्रत्य का मार्ग्य का प्रत्य का प्रत्य का भाग मार्ग्य का भाग मार्ग्य का भाग मार्ग्य का भाग मार्ग्य मार्य मार्ग्य म 

कान्ह इंद्रे प्रयम्भ

राजस्यान पुरानेन घन्यमात्रा

The noteworthy feature of the manuscript is that lines are written in red and black alternately—one line in red, one in black as on folio 1 verso, folio 2 etc. Sometimes there are two lines in black alternating with two lines in red (as on folio 3 recto). Often there are 3 lines in black, alternating with 3 lines in red (as on folio 5 verso). Verse-numbers are written in the same ink in which the line is written.

There are no marginal corrections. On folio 5 recto the verse nor marginal or the margin. In the text itself if a letter or two are to be deleted the headline is crossed with two or three small vertucal strokes (folio 7 recto, ll. 1, 7, f. 2 verso l. 10). If a letter is to be added the addition is made above its proper place in small hands (f. 2 verso, l. 9). If words are to be transposed a number is given above the word indicating their proper sequence (folio 3 verso l. 1). The ms is on the whole very clear and accurate.

The numbering of verses is correct up to verse I 35, after that two verses are numbered as one, with the result that vs I 181, where the manuscript concludes, is numbered as 107.

The prasast or mangalācarana is simply  $\mathscr{S}$ ; and there is no colophon, as the manuscript is only a fragment.

The script is exceedingly clear, bold and beautiful, approaching the c ms in its penmanshup The script is similar to the Jaina Devanāgari, but without paḍimātrā. The writing is rather larger than usual, and is slanting towards the right. It appears from the manuscript that the copyist was a professional one, who must have had considerable experience of copying Jaina manuscripts, though he himself might have been a Brahmanical scribe.

The manuscript is fairly well-preserved and the paper used is of medium thickness. About one-third of the page towards the right shows signs of damage from exposure to moisture.

From the condition of the manuscript and the state of language it preserves it may be assumed to be quite old, belonging almost to the same period as MS B OT E. The manuscript is very reliable and has been particularly useful in settling the text of the first Khanda where the two other important MSS A and K were fragmentary.

G H constitute, in fact, one manuscript, G has folios 1-8, while H has folios 9-24. Both come from Pātaņ; G came from Muni Śrī Punyayhatati's collection, and H, originally belonging to Kesarbāi's

Jūāna Bhandāra, Pātan, came from the late Mohanlal Dalichand Dasār's collection acquired by Godiji's Upāśraya, Bombay. The description given below, therefore, applies equally to both a and H.

Each folio of the MS  $a(\pi)$  measures 10" by 4.4" It has side-margins about .9" wide and margins above and below about .4" to .5" Two double-lines in black ink with the intermediate space painted in saffron ink mark off the margins.

There are on an average 13 lines per page. The number of letters per line varies from 37 to 48, the average being 41.

In the bottom of the right-hand margins of the verso sides are written the verse-numbers within an ornamental double square painted in saftron mk. In the left-hand margin at the top is written the title of the peem, within an ornamental rectangle. Below it in a small square painted in saftron ink the number of the page is written. Some of the pages have their left and right edges painted with red ink

The manuscript has no scastika

Every quarter of a verse is marked with a vertical stroke in saffion ink. At the end of the verse and again after the verse-number a vertical stoke is marked. However, from the end of Khanda II up to the end of the ms (at III 159) these verticals are left out, though space for them has been kept blank. It appears that the copyist postponed the drawing of the verticals and then forgot about it (from f 18 verse to the end of the ms). The colophon of each Khanda is rubricated, and also the first verse of the Khanda. Names of places like अनुहर, भीनमान, and the names of metros are also rubricated.

If a t (\$\delta\$-sign) or f (>\sign) is written through mistake, it is simply crossed out by two upward strokes Sometimes the letter to be deleted is painted out with red mk. The addition of an inadvertently omitted letter is made just above its proper place. Sometimes (as on f. 5 verso l. 8 and f. 8 verso l. 5) a number of words are deleted by drawing a line through them and marking a cross before and after the deleted portion. The deleting line is usually drawn in black ink but once it is in red ink (f. 11 recto,

<sup>1</sup> The title of the poem appears differently on almost every page, as shown below satisfact (f 1, 8, 9), a strate  $\sigma_{\rm F}$  (f 2), a strategic  $\sigma_{\rm F}$  (g 3), a strategic  $\sigma_{\rm F}$  (g 4, 8), a strategic  $\sigma_{\rm F}$  (f 1), a strategic  $\sigma_{\rm F}$  (f 5, 6), a strategic  $\sigma_{\rm F}$  (f 7), a strategic  $\sigma_{\rm F}$  (f 12), a strategic  $\sigma_{\rm F}$  (f 13), a strategic  $\sigma_{\rm F}$  (f 12), a strategic  $\sigma_{\rm F}$  (f 13), a strategic  $\sigma_{\rm F}$  (f 23), a strategic  $\sigma_{\rm F}$  (f 24), a strategic  $\sigma_{\rm F}$  (f 22), a strategic  $\sigma_{\rm F}$  (f 23), a strategic  $\sigma_{\rm F}$  (f 24), a strategic  $\sigma_{\rm F}$  (f 22), a strategic  $\sigma_{\rm F}$  (f 23), a strategic  $\sigma_{\rm F}$  (f 24), a strategic  $\sigma_{\rm F}$ 

1.6). At one or two places the wrong word is disfigured and the correct word is written just above it.

Marginal additions are rare. On folio 16 recto 1. 10 the number of the verse (figure 3) is disfigured; it is therefore written again in the left-hand margin. Similarly on f 17 recto last line, the word  $\pi$ 0 omitted in the text is added in the left-hand margin.

The numbering of verses is regular up to I 37, after that up to I 123 two verses are generally numbered as one, so that I124 comes to be numbered as 84 From I 125 numbering again becomes regular up to I 191, which is followed by the Bhadāulī. After the Bhadāulī again two verses are numbered as one up to I223, after which the numbering is regular up to the end of Khanda I. In Khanda II numbering is regular up to II 27, after which two verses are numbered as one up to II 92 (II 92 = vs 57 in H). Then come the interpolated verses numbered regularly in the sequence (vss 58-81 in H). The verses from II 93 onwards up to the end of Khanda II are, generally, numbered regularly. From Khanda III vs 1 onward up to the end of the Ms H (f. 24 verso) the numbering is quite regular.

The prusasts or mangalācarana is ॥ ॐ तमः ई० ॥ in Khaṇḍa I. Khaṇḍa II also commences with a mangalācarana . ॐ तमो गणपतये नम. ।

The colophons are

इति प्रथमषंड । १

अति द्वीअ षंड समापत ॥ २

The final colophon is not available, as the ms is incomplete.

The ms (gH) is quite well-preserved. The paper is thin. The handwriting is not well-formed and balanced, though it is legible enough and appears to have been written by some professional scribe, who may have been a Brahmin. From the style of the script as well as the condition of the paper it seems to belong to somewhere between 1700 and 1750 v.s. The ms is likely to have come from Rajasthan, judging from the paper. The manuscript is corrupt and not reliable, but it preserves some important readings and is at some places helpful for collation.

It is evident that GH is one single manuscript<sup>1</sup>, which got split up into two fragments, one (folios 1-8) came in the possession of Muni

<sup>1</sup> Compare the facsimiles of MSB G H, reproduced in this edition

A word is, perhaps, necessary to explain why parts of the same as came to be designated as two separate ass,

Śri Punyayhayai, while the other part, through the efforts of Muni Jashyhayai, was acquired by Kesarbāi's Jūāna Bhandāra, Pātaņ, from where the late Mr. Dæai seems to have borrowed it for study.

Ms J belongs to the Jaina Jüāna Bhandāra of Samvegi's Upāśraya, Hājā Patel's Pole, Ahmedabad. It was made available to me by Muni Sri Punyayijayajī.

It has 22 folios, each measuring 10.6" by 4.25", with side-margins .4" to .5" wide, and top and bottom margins .3" to .4" wide The margins are marked off by a double line in black ink.

It commences on folio 1 recto and ends on folio 22 verso.

It has about 18 lines per page. The last folio has 17 lines on the recto side and 4 lines on the verso side.

On the verso sides of the folios, in the right-hand margin bottom, is written the number of the folio. The title of the poem is not mentioned anywhere.

Deletion is effected by crossing the top of the letter only or by one or two vertical strokes (as on f. 1 recto, l. 12). Sometimes merely a dot on the letter and the vowel signs attached to it (f 5 recto, l. 4) indicates deletion. Sometimes dots are marked to indicate the deletion of a letter or its vertical (f 7 recto, l. 9).

The addition of a letter is made above its proper place in small hands, using padimātrā if space is insufficient for insertion of a top mātrā (f. 2 recto, l. 4).

I have pointed out how at the suggestion of Sri Mohanlal Dalichand Desir I went to Patan in 1941, but could not trace there the Kanhadade Prabandha ms in the Kesarbai Jaana Bhandara When I informed Mr M DESAI about this he sent me a list of variants he had collected from that ms When in 1948 I collated Mas A to G, which were all that were then accessible to me, I included the variants supplied to me by Sri M D DESAI in my Critical Apparatus, designating its source as the H MS I did suspect then that MS H, which immediately followed a might be a part of it, but I could not establish the identity merely on this evidence. After that I collected a few variants from Derisari's text and named the source as : Later, in 1951, three other manuscripts -- MSS J K L - became accessible and were utilized for collation. It was only as late as October 1952 that the original Ms from which the late M D DESAT had collected the variants, became available to me. It was then found that both G H constituted one single Ms, which had got split up through peculiar circumstances By this time about one-third of the present volume coming almost up to the end of first Khanda was already printed off It was, therefore, necessary to retain the old scheme of manuscript-designation, namely q for Punya-VIJAYAJI's fragment of folios 1-8, and H for the Ms from Godin's Upasraya, containing folios 9-24.

महार रामा । महार हैं में उद्दार कहा है हर पुर्व वसरियोक्षी लब्द मक्षती में नाम प्रवास प्रति र प्रार्थ के स्वास मिलें हिंदों में में मिस पर्व में लाबी मार्रिकों मिसी में एपिसों हैं मुक्त में में स्वास मेर हो बनी में के प्र मिलें हिंदों में मीन मुख्य में स्वास में मेरिकों एपिसों हैं मुक्त में में स्वास मेरिकों में मेरिकों में मेरिकों हिटोपात्रण प्रियंचव्ये प्रलोण उत्ते प्रमान कुलो के कुलो जे बाज ती व जाय नी बास रोज की अहा क्षाध्य तीपत तावरार। शंत याता गु छ। दलकती कागान। पान तहरेपान में। तह यो ब्रिस मिन मा असि अन यय ग्रमम बद्दी तर् व तक वता का ग्रीमा का हिसी च ता ना भारक। न दमा लानी संभार। धरुष ना सम्पत्रा । जाण तता दृष्ट्रमी सूराया उत्तता सर्म छित घ छित मिल्लाउनीमामांग जडा र जरमी कारार डो लेमका य अस्तु क्रयेद वता पि हे करो मित्रिक्षणी करा बी विश्वाती जिंह वेष्ट्रिति सम्बस्त समित्र मात्रा नहीं मासुगट ते पाष्ट्रगाप विम्वितीय सम्।यो जेव वीक्सवसी ग्राप्स असी ब्रायन जाउ ती ब्राय । 西部門

## गंजस्थान पुरानम ग्रन्थमाला

कान्हडदे प्रबन्ध

निक्राणितम् वा तद्दत्तात्। कीरतिवर्णम् का द्वान वित्युत्तिका क्रिक्षान्त्रक्षणाम् । व्याक्षणा क्षत्र निव्यक्ष मिर्फिटिनं तरन वर्धा पत्रनको देते उप्तरण प्रकिया भुक्ता क्रियति वीतमदेता । ०.५५५ असं भवत नगरे। गेनी तस्ता पा छा मस्पत्रविमक्षकिनिधार्वात्रस्यविमालार-११७भः त्यम्भायामायामुत्रद्वमनमस्रिभयाम्बन्धेन सन्द्रत्यन्त्री न बर्गुलाब्या।ख्रमुक्तिम्नालामास्योष्ट्राम्नास्योष्ट्यम् त्यात्रम्भास्य स्वाप्तान्त्रात्रस्य म्मापदानिक सन्तिकारामादान्त्रमानान्त्रतीयात्रामित्री प्रमाणक मनित्राच्यानाम् स्वान्त्रमान्यानाम् व्याप्त ब्याद एतुर्गास्मतित्राम् मन्त्रमानाम्या सम्मापदार्गायात्राचा अन्त्रमण्डामान्यात्रमान्यात्रमण्डानाम् व्याप्त सम्माप्त सम्मापत्रमानाम् मन्त्रमण्डामम् वानम्बरम् क्षित्रमात्रम् सात्राम् अन्य सम्बर्धाः स्थानम् । अस्य स्थानम् । अस्य स्थानम् । ज्ञानु । स्टि प्रक्रितासम्बद्धाः मातानगर्वननीयम् प्रमायाञ्चन्दरवधनुद्धितित्तवास्याञ्चक्यासम्बद्धाः गम्बद्धायिक्तरी॥२ न्यारियम्प्रीयमवद्मीबाद्द्रताचुत्वमभूगोभैनायचनात्मेसमूर्गन्वरीसामसमागनिविद्यनिक् माध्यवनपनरबागनकानिक्षिदिवमित मबार्गबन्तर्।गान्त्रुत्याटनत्रमनामागयकोन्त्रदेमायद्गेमापद्गमाग्रमा। <del>નત્વવધિવાનાઇકાર્યાકન્ય</del>ીવસ્ત્રી હ્વક્ત્રમાં માર્કકૃતિકાર્યા કૃતુ માસસ્થિવકૃત્તિમાં **પ્રદેશની** છા કૃત્યના કૃત वारि मानस्त्रज्ञानुस्त्रम् मानप्रमानम् त्राप्तकार्यक्षेत्रं क्षेत्रम् स्त्रमान् स्वाताम् । कार्यम् स्वातम्बर्गानम् सम्बर्गम् स्वातम् स्वातम् स्वातम् स्वातम् स्वातम् स्वातम् स्वातम् लाबिस्सी।विस्तुनगतिसम्मनीकरागः भारत्ववस्ति मुख्यययात्मा ऋगष्यम् । । स्यानप्रिक्ताः व्यो बारा । जनमन्त्रा न्याय क्रमाराख्य परमारी जाहरजान्य आअम्म ध्याति उत्तम्भवताम् । हे जाङान्य जन्ति माराज्ञाण कार्यास्त । **अस्तीणाक्ष्मानम्बर्गानम्भवनासक्त्वणाधःदर्गनदानामः किल्पवैग्नायक्ष्मदन्त्रामयमन्त्रामयमन्त्रा** नागकरामामाममानक्षित्रिक्षित्रभावागान्त्रभवयरात्तकत्रहतागादिक्षिप्तिक्षित्रक्षित्रम् मध्यस्तिमस्त्रम् अभिद्यान्ताः पन्तिसन्त्रमस्त्रम् मार्गामस्य मान्यत्वेत्तुष्यिष्याप्त्रज्ञीवस्त्रम् स्राप्ति नामन्त्रीमाञ्जामञ्ज्ञासक्ष्म् असी बचनस्वर्ष्टिन्द्रामा हिस्सी॥ १ जानकारिक्षविष्यिसमाल। प्रामुक्तरामा म्प्रमी:मन्नारम्।मभूनेन्त्रविशत्मिक्यातकृष्याः॥

Last folio (folio 22 reato and verso refitle rays

No marginal corrections or additions are found anywhere in the Ms.

The numbering of verses is regular up to I 191, after which follows the Bhaḍāuli, a part of which is, in this ms, versified and numbered. After the Bhaḍāuli up to the end of Khanḍa II the verses are numbered regularly Verses of Khanḍa II are numbered regularly except that II 101 is marked as 300 instead of 100 according to this ms. (The copyist perhaps wanted to give continuous numbers). Verses in Khanḍa III are numbered regularly up to III 205 (which is numbered 194 in this ms) which is however followed by verse I (=201) After that the numbering is regular up to the end of the Khanḍa In Khanḍa IV the numbering is regular up to the end, except that instead of vs. 300 according to the scheme in this ms 100 is written through mistake.

Verse-numbers, refrains of songs, names of metres, beginning of a Bhadauli, colophons marking the end of a Khanda, are rubricated.

The mangalacarana or prasasti of the us is:

ॐ श्री भगवत्यै नमः।

Its respective colophons are:

इति श्री प्रथमषंड समापतः ॥ १ ॥

इति श्री द्वितीय षड समापतः ॥ २ ॥

इति श्री ततीयवंड समाप्तः ॥

इति श्री राउल कोन्हडदे पवाडु रास । संपूर्णः ॥ श्रीरस्तुः ॥ श्रुमं भवतु ॥ रूपकपाठकयोः ॥

The paper is of medium thickness and brownish in colour. Insects have bored holes at the top and the bottom and in the right-hand margins, but the writing has not suffered thereby. The Ms is very well-preserved.

The handwriting is excellent, the script is Brahmanical Devanagari, very occasionally using a padimātrā. The copyist who may have been also the owner of the manuscript is certainly Brahmanical. He is also a good scholar of Sanskrit and Gujarati. There is no colophon indicating the date or the name of the copyist but from the style of the script and condition of paper, the ms appears to belong to the early 17th century v.s. The style of the script points to Gujarat as the place of its origin.

Ms K comes from the collection of Sri Motichandji Khajandi of Bikaner. It must have had originally 53 folios, of which the first and the last-folios 1 and 53—are, unfortunately, missing, as also folio 49. Each folio measures 10.3" by 4.3" with side-margins .8" wide and top and bottom margins .3" to .4" wide. The side margins are marked off by a sharp triple line or sometimes a bunch of several fine lines.

Folios 2-12 have generally 11 lines per page Folios 13-29 have usually 12 lines per page. Folios 30-31, 34, 37-39, 41-44, 46-48 and 52 have 13 lines per page. Folios 32, 33, 40, 45, 50, 51 have 14 lines per page. Each page has on an average 12 lines.

The number of letters per line varies from 31 to 45, the average being about 36 letters.

In the left-hand margins bottom of the verso side is written the number of the folio; the name of the poem is, however, not mentioned.

Deletion is made by painting out the letter or word with white colour, after crossing it out with very small vertical strokes on the top (mule f 1 recto, il. 1, 8, 9). On f 8 verso where several words are to be deleted they are painted out white. Sometimes on this white ground the correct words are written (f. 38 recto l. 10, f. 45 verso, il 11-12). Occasionally the deleted words are, after crossing them by a fine line, rounded off (f. 47 recto, 1 6).

Words omitted in the text are added in the side-margins in the same line (f. 2 verso, 1. 5). On f. 5 recto thus a whole carrona is added in the left-hand margin, vertically, starting from the bottom, its place being shown in the writing by a cross. A whole carrona is similarly added in the right-hand margin of folio 6 verso, and an entire verse on f. 20 recto. Sometimes, if only a letter or so is to be added, it is written in smaller hands above its proper place (f. 3 verso, 1. 5, folio 4 verso, 1. 5). At one palee a whole varana is thus added above the line in small hands (f. 5 recto. 1. 5), the position of the insertion being indicated by a kālapada. Ohae, on f. 29 recto, 1. 8 such addition is made in small hands below the place of omission. On f. 10 recto the addition of a carana is made in the bottom-margin in small hands

The numbering of verses is regular up to the end of Khanda I, the last verse of Khanda I being numbered as (2) 49. Then, unlike the other Mss, the numbering runs continuously, i. e. the first verse of Khanda II is numbered as 250, but verse 400 (=II 154) is, through mistake, numbered as only 100. The concluding verse of Khanda II is numbered as 14 (= 414), and the first verse of Khanda III is numbered.

or a digital a development

मासास्यान्त्रस्यान्त्रस्य **मा**इनारनीतण्डपमाडान्त्रायास्त्रधनुधिसम्प्राध न्योक्तिम साम्बर्गन मिन्ड्योम्ड्यल क्रिन्य प्राप्ति प्रदेश । विद्यास्त्री मध्यां तर्पन पट्ममास्त्र ने प्रज्ञाय । साम्यानामा अन्याप्रमानिकारित मित्रका मित्रका मार्थित क्षामा सम्पर्धिकार स मृक्षा मार्घार किया तक्की शास्त्र सार्वाय हाम्स्वाचा ताव्यता सामा महित्य प्राप्त का अध्याप का अध्याप का अध्याप स्ताम महासामा महासामा का होते (ता दिनमा मारा किया का बाज का बाव दिन अध्याप का अध्याप का अध्याप का अध्याप का अध हाम्स्त्र मारा हेने तामा प्रदान मारा का तत्र को प्राप्त का सामा महासाम का अध्याप का सामा का अध्याप का सामा साम यम्पणारः नाम्यास्यादानमानसामन्त्रमान्त्रमानम्बाद्यमानस्यापनसम्बद्धानस्य त्राम्बद्धानस्य । स्थानस्य स्वारोजसम्बद्धानस्य स्वारम् सम्बद्धायद्वारम् विद्वतस्य क्षत्रह्यास्य सम्बद्धायद्वारम् । सम्दर्भासन्तर्भाकाम् । अस्य सम्बद्धाः MINNESSE STEPHEN अर्थकान मान्य्र अनुधिक विज्ञान । तम्

Last page (folio 52 verso) of the K MS.

मान्त्राध्य समझवनाश्व शास्त्र मालाकांगएन लाका मितिष्टवनार्वदात्रक्रमायावारामनकरणुक्तंत्रक्षम् व्यक्षास्थाव्या महत्त्रकरणारवन्त्राप्तव्याप्तिकार्वा प्रविद्धार स्थापनार्वे महत्त्रमान्त्रमेष्यवाराजनात्ति। वर्षात्रक्षम् वर्षात्रम् मार्विद्धारम् वर्षात्रमायन्त्राप्त्रम् मार्विद्धारम् वर्षात्रमायन्त्रम् जिष्ठा करणा सहस्रका धार जपात श्री शास्त्र नार्श को कार्य ते पर्याप नाता। तिष्ठ जीत भाग णि सिवित्र सम्बद्धियोग्यान्त्रां एतिवाय्त्रामी गावित्रम्। विषया तिर्माणीत्राज्ञान्त्रा क्ष्या । केपद्रम्म क्षिमियन गाउने माया वाक्ष्य सम्बद्धान्त्र । डेक्सक्रकमाराह्म सिवायन गाउँ पाराह्मा ग्रम्भ क्ष्या । वरवया वर्ष्ट्रमा मिन्द्रवर्गामनामानामानामानामान्स्रमान्त्रमान्त्रभुज्ञामान्त्रभ रमानि गिनमणु। बांद्यसमिता करावा मा। स्वाला क्रांगा वाभू ब्राजिमिमासर्थे। पन्ना नडा विवाल इस्माखाना नया स्वामा लिनेगर माराष्ट्रपक । पद्मना नक

राजस्थान पुरानन घन्थमाला

as 15 (= 415). Khanda III ends at vs. 663; Khanda IV commences with vs. 664.

Verse-numbers, names of the metres, commencement of the Bhaḍāulī, stops in the Bhaḍāulī, refrans of songs, dates, and the colophons are rubricated.

The prasasti or  $manyal\bar{a}carana$  is lost as the first folio is missing. The colophons of the Khandas are

इति श्री कान्हदे चउपई प्रथमषंड समाप्त ॥ १ ॥ इति द्विती षंड समापत-॥ २ ॥

11 25 11

The ms is in excellent condition. The paper is thick and brownish. The handwriting is beautiful and rather large up to f, 26. Sometimes the writing is marred by haste, as on f 32. In the last 12 folios—from f. 40-52—the writing is not uniform, nor comparable to the preceding pages in attractiveness, but it is certainly from the pen of one and the same copyist. The ms is carefully copied, accurate and preserves the old tradition faithfully. As the final colophon has not been preserved nothing definite can be known either about the copyist or the date of transcription. It appears, however, that the copyist was a Brahmanical scribe, as the script is Brahmanical Devanagari of the Räjasthäni type. There is no padmäträ. From the condition of the paper, script etc. the ms may be placed in the early 17th century.

Ms L also comes from the private collection of Śrī Motichandji Khajānchi of Bikāner. It is fragmentary, only folios 15 to 38 are extant, of which again folio 32 is missing.

Each folio measures 10" by 4 3" with margins on two sides .7" wide marked off by two fine double lines each, sometimes at a little distance from each other. The top and the bottom margins are about .5" wide.

The lines per page vary from 13 to 16, the average being about 15 per page. Folios 15, 16, 18 have 13 lines per page; folios 19, 20, 23, 27-29, 34-35 have 14 lines per page, folios 17, 22, 24-26, 30-31, 36-38 have 15 lines per page. Folios 21, 33 have 16 lines per page.

There are on an average 43 letters per line—varying from 37 to 48 letters per line.

In the bottom of the left-hand margin of the verso side is written the tolio-number, but the name of the poem is not mentioned anywhere.

Deleting a letter is made as usual by marking two small upward strokes on the head-line or top of the letter (f. 16 recto, l. 1; f. 18 verso, ll. 8, 9). Sometimes a headline is not formed which also indicates deletion. If a number of words are to be deleted they are placed within two curved lines not unlike modern brackets (f. 16 recto, l. 2; f. 30 verso, ll. 9-10).

The addition of a letter, left out in the text, is made sometimes in the side-margin (folio 21 verso, II. 7, II) and sometimes above the line in small hands (f. 25. 1.8) when several letters are to be thus added, the addition is made in small hand in the top-margin flanked by a cross on each side, and the place of addition is indicated by a cross resembling a kakagopada (f. 25 i seet to hop-margin)

The numbering of the verses is irregular. Sometimes two verses, sometimes even four verses are numbered as one. After II 142 the numbering is regular up to the end of Khanda II (the last verse of Khanda II is numbered as 55). The verse-numbers being continuous, the first verse of Khanda III is marked as 56. Otherwise the numbering is again regular vs III 47 is numbered as 300; st III 151 is numbered as 400, vs III 250 is numbered as 500. Khanda III ends at 501, so the first verse of Khanda IV is numbered as 502, IV 98 is numbered as 600; IV 200 is numbered as 700, vs. IV 299 is numbered as (7)97 (the next three verses have remained unnumbered), and the last verse in the Ms (folio 38 verso, l. 15)—IV 342—is numbered as (8)40

The follonumbers, reframs, the verse-endings and verse-numbers, names of metres, Bhadanalis, the beginnings of Khandas and the colophons are all rubricated.

The colophons are .

इति राजा श्री कान्डडवे द्वितीय वंड समाप्त ॥

इति राजा श्री कान्हडदे त्रितीय स्वर्ग समाप्त ॥

The final colophon has not come down as the Ms is fragmentary,

The Ms is fairly well-preserved, but the paper being thin and of an inferior quality the edges crumble away when handled. The copyist is a professional scribe and appears to be Rajasthani, both from the script and the pronounced Rajasthani character of several words. He is not a scholar, which accounts for the lapses in copying. The script is Devanagani of the Rajasthani type, and frequently resorts to padamatra, which, however is not uniformly adopted as in Ms c. The handwriting is an excellent specimen of Old Western Rajasthani penmanship. The Ms is important as preserving a purely Rajasthani version of the poem. From the condition of the Ms and the style of

its script etc. it might be presumed to belong to the end of the 17th century or thereabouts, though in the absence of the final colophon, nothing definite can be said about the copyist or the date of copying.

Ms I, mentioned in the critical apparatus, but not described here represents the text prepared by Dramsami from four sources, three of which have been used in the present edition (namely B, D, and the  $S\tilde{a}l\tilde{a}patra$  text).

Assuming that, where Dergards text records a reading, not found in any of the mas used in the present edition, it might perhaps belong to the sem may which was inaccessible to me, a few of such readings from I divergent from the other variants are recorded in this edition. In this connection I, refers to Dergards first edition, I, the second edition, and merely I stands for both the editions, where they agree with one another. I, (s) indicates sems used by Dergards, from which some variants are noted in the first edition in the footnotes.

Only a few such variants have been noted in the present edition in this way, for, it was found that the divergence was often due to a faulty deciphering of the manuscripts. Occasionally readings from 1, or 1, are noted only to draw attention to this fact.

Another source, namely the text published by the late Navalrām Lakshmirām Pandya, in the 'Gujarāt Śāļāpatra' of 1877-1878¹ was accessible to me, but has not been utilized in the present edition. The reason is that the Śāļāpatra text is a verbatim transcription of the D MS. The Śāļāpatra text commences with the prasast ভাষ্টেশৰ মুখ্য and ends with a colophon

इति कान्हदेशवंघ नतुर्घेलंड समाप्त ही सं १९३० माहा द्वार वार भोने ऋषभप्रसादात् गां बीसानयरे छं। पं. कत्याणियनविज तत् शिष्य मु मोतिनंद तथैवं द्याविनयनी नतुर्मासे इत्या। which is identical with the colophon found in the D MS.

Besides, several mistakes, as shown below, have crept in the Salapatra text during the process of printing.

Khanda	Verse	D Ms	Salapatra text
1	8	राज	जा राज
51	13	चुपई	चुपाई
,,	14	तरकांणूं	भरकां <b>णूं</b>
,,	15	महितई, छुटीइं	महिमहं, बुटीइं

<sup>1</sup> The text of the Kānhadade Prabandha appears in the issues of the Śālāpatra from January 1877—April 1877, June 1877—July 1877, September 1877—October 1877, December 1877—February 1878: Mary 1878 (concluded).

Khanda	$V_{erse}$	D Ms	S'ālāpātra text
23	17	अपकिरत्ती	अपकीरती
	19	पहिलुं	पहेर्छ
2,	21	पातसाह	पातशाह
,,	23	साभली	साभळी
,,	28	पसाउ	पसात
	35	वदीतु	वदीउ
,,	36	तामु	भागु
37	40	परठीइ	परठेइ
,,	41	टमकि पेसडु	ढमकिये सडु
	59	दहोत्तर	दहोत्तर

Several of these mistakes are, evidently, the result of misreading the manuscript.

The late Navalrām Pakīyā prefixed a note' in the first number of the Sālāpatra (January, 1877) in which the publication of the Kānhadzule Prabiculha commences. He said therein that he was publishing the poem, Kānhadzule Prabiculha, from the manuscript sent to him by Dr. Buhlar, to give the readers an idea of the Old Gujarātī language. As he had only one manuscript he had refrained from any emendation of the text. He had intended to give a glossary of difficult words and discuss the grammar of Old Gujarātī at the end However, he did not live long enough to fulfil this promise

This text, being a verbatim transcript of the D MS, was entirely useless for purposes of collation

३ Pede "बणाना भारतामा एम छे के गुजराती भाषा डाल जेम बोल्या छे तेम ज नरिमंह महेताना बस्तवा बोलाती आये छ पण टर्जतीती ज मूल छे एटचा नावें गुणी भाषा विकार न पामे ए जनस्वमाव अने सबझा देशनी भाषाओता हित्तास्त्री उच्छ छे

आ बाबत जा रबता एक बार जूना प्रयोग प्रमाण आपी अमे केटलो फेरकार बयो छे, ते काहक बताब्युं हुन्न हाल आपणा बिदान उन्तेक्टर प्रदेशन टाक्सर हुन्द साहेन्द्री तर्फवी 'बानक्टर प्रमय' ए नामन् एक जुनूं कान्य अपने मन्त्रुं छे ॰ क्यारे वर्षनी पहेला लक्षाप्तु छे एनो विषय गुनरात अपर अलाउनीन सारारी करी ते छे अने प्या वीर तथा अस्तुत्त रासु प्रभायन छे एनो नावक झालोड़नो काहानल्टेन राजा छे एया युवना वाच कुनवा बनेती स्थायनिक, आबेहुन छे अहिया एने महीने महीने प्रगट ब्दायानी विचार करों छे तेतु ग्रुक्श कारण तो ए के के गूकरातना विद्यानोन एकार प्रम बहार एके ए अपने कार्य सार कार्य कुनी गुकरातीनु ज्यावरण जापनाने अमारी विचार छे, पण ते पटेलों आबो एकार प्रम बहार एके ए अपने कार्य सार लगा छे

प्रत छे ते प्रमाणे व वर्षिया छापीए छहए एसां एकं कहानो एव फेरकार करता नथी. कोह ठेकाणे मुख्य केंद्र कहानाती तरफनु अपने भारते छे, नोषण व्यां हुवी केरतीणक प्रत व्यासा हाममा आसी नशी त्या हुवी होने छेवाई ए अपने क्यादमी छापने नथी जुनी थाना हमां की केरती व्याही होते हो जा उपन्यों सहेव मारक्य पढ़के उन्दरी हरहता तो ए छे के केरलापकपी ए समजावे व नहिं तेनने अमारी सवामण छे के पीरक्यी जा बात्य वार्यन्त अने पाएक अमे हाका-पहमां जुनी भागा बसत काह करने छे ते उपर छन्न राखाई एयां व्यक्ति करिन जम्बनो कोए तथा स्थाहरणनियम

### V

These manuscripts arrange themselves in three distinct groups according to their common readings, omissions, interpolations, verse order, etc.

 $M_{\rm SS}$  CDJ are allied, and very different from the rest, but amongst them DJ show a greater mutual affinity.

Of the remaining Mss B, G (H) and L show enough mutual affinity to be classed as one group, descended from a common source.

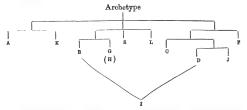
A and K are alike, but are not copies of the same Ms.

E definitely belongs to the BGHL group.

F is a very short fragment coming only up to I 181; yet its relationship with the CDJ group is clear.

I can be safely regarded as a conflation of B and D.

The geneology of the various manuscripts can be stated in the following stemma .



The summary of omissions and readings common to the different manuscripts given in Appendix I will show in detail how this geneology is determined.

Of the foregoing manuscripts A is, according to the date of copying, the oldest Ms. It is copied in v.s. 1598, 86 years after the date of composition, in Jhalor, the native-place of the poet. It is probable that the copyist had access to the poet's autograph or a direct copy of it. I have, naturally, given more importance to this manuscript (MSA). Ms K also comes from Rajasthān, is equally accourate, and appears quite old. I have, therefore, given the same importance to it is as to A.

Ms B too is old and reliable and has been fully utilized in the constitution of the text.

Mss E F though fragments and, therefore, undated, appear from their general condition, script, language etc to be equally old and reliable. They have been very useful indeed in the collation.

Of the remaining manuscripts D has been more useful than the rest as it is more faithful to the original, if less crudite than C and J, which frequently resort to emendations and restorations, and are, therefore, to that extent untrustworthy. G(H) is pretty old, but is rather corrupt. L is quite distinct from the rest, being conspicuous by the peculiarly Rajasthani character of its script and language. It has been helpful in tracing and restoring the Rajasthani elements in the language of the Probamtha

### VI

The following principles have been adopted in the present edition for constituting the text

Instead of reproducing the text of the oldest manuscript according to the date of its copying, and giving the variants from the other manuscripts in the footnotes, or basing the text on the evidence of the majority of manuscripts, I have, as shown above, determined the geneology of the manuscripts and constituted the text by the selection of readings which were more representative than the rest. To take a concrete instance, a reading found in AKB or ABE will be more representative and therefore more likely to belong to the archetype than that found in CDJF alone, as the latter, though larger in number, represent but one family. In the selection of readings due weightage is also given to older and more reliable manuscripts like AKB or EF.

Having settled the reading for adoption in the text, all the remaining variants are recorded in the footnote. I have thought it necessary to give the full critical apparatus for two reasons. It was, firstly, necessary to preserve the entire as evidence, where the manuscripts were so rare and linguistically so important. Secondly, when a series of dated mas are available, separated from one another by a quarter or half a century each, the variants noted from them would enable the reader to see, at a glance, the phonological development of a word.

In constituting the text I have always kept before me the linguistic norm found in works composed circa v. s. 1500 and copied about that time, and have endeavoured to constitute the text in such a way as to make it approximate to that norm.

The Old Western Rajasthani orthography is not fixed. The different manuscripts give a variety of forms of the same word. I have, generally, tried to select the form which is philologically more correct, or is the direct predecessor of the standard modern Gujaratı form. Thus, for instance, sife is preferred to sife, sife stee, as a form from which the Modern Gujaratı in is directly derived. At times, when in a portion of the text all the manuscripts fail to give the standard Old Western Rajasthani form, I have not hesitated to restore it on the evidence found elsewhere in the text.

In constituting the text due consideration is given to the context and grammatical accuracy. Readings more suitable contextually, syntactically and grammatically are given preference over the rest though found only in a minority of manuscripts. Nuances of current speech have been another criterion for selection of readings. If a word is used generally in a particular context, it is preferred to all variants in that context though these variants may occur in a larger number of manuscripts.

Similarly metrical considerations, including the observance of initial or final rhyme have also been helpful in determining the text. Thus, a reading metrically more suitable is preferred, though it may not be fully representative.

Preference is given to the older forms over later ones, and to own forms over their Sanskritizations. If a reading is faulty, and the corresponding correct standard form is found elsewhere in the text or in other own works of the same period the latter is restored.

It is an undisputed fact that Old Western Rājasthāni, which can be called either Old Gujarāti or Old Rājasthāni, was the speech of a wide area, which included both North Gujarāt and Southern and Western Rājasthān including a part of Mālwā. The form of speech used in Gujarāt and Rājasthān then reveals just dialectical variations almost like the Kāthhāwādi and Surti dialects of Modern Gujarāti. This poem, belonging, as it does, to Southern Rājasthān must have contained numerous Rājasthāni traits in the original. In restoring the text I have thought it necessary to give preference to Rājasthānī forms found in Rājasthānī was like AKL, or characteristically Rājasthānī forms in other was, such as those encountered in old Rājasthānī elassios like Dholāmārurā Duhā or Gorā Bādal Padamanī Chaupot.

Occasionally, a single manuscript preserves a lectro difficilior, which all the rest either simplify or corrupt. In all such places I

have always adopted the lecto difficulior although found in a single manuscript, in preference to simplified synonyms found in a majority of manuscripts. It is rarely that all the manuscripts corrupt a reading, but then their combined evidence points surely and unmistakeably to one correct original reading, from which all the other readings have been derived. In such places, the original reading—a lecto difficultor—is restored.

At a few places, two sets of readings are equally representative and therefore probable There, the one which I find more suitable is adopted in the text, while the other is given in Appendix II.

Even the slightest correction is mentioned as 'emended' in the critical apparatus. In fact, at all such places it is just a restoration of the original based on the collective textual evidence itself. Nowhere, have I tampered with the text by substituting an imaginary reading in place of the actual reading found in the manuscripts—not even at places where the combined evidence of all manuscripts points to a definite large by the poet

It will interest students and scholars of Old Gujarātī and Old Rājasthānī to know how I have selected the important readings in the text. I have discussed the grounds for selection of all such readings in Appendix II.

### VΙΙ

A work of this magnitude could not be undertaken or completed without the encouragement and help from several scholars, who have worked in this field

I am thankful to Professor P. K. Gode, Curator, Bhāndārkar Oriental Roscaich Institute, Poona, for giving me every possible facility in the use of the Kānhindaulac Pruhaudha mss belonging to the Bhāndārkar Institute, to the trustees of the Anantanāthji's temple and Godiji's Upāśraya for making the Kānhindaulac Prahaudha mss in their Jhāna Bhandāras accessible to me; to Śraddheya Muni Śrī Puynaujanai for taking pains in procuring for me some valuable ms of the work, and lastly, to Śrī Motichandji Khalanoni, well-known in Bikāner for his excellent collection of old works and paintings, for placing at my disposal, without the least hesitation or ceremony, two rare mss from his collection.

I am very grateful to His Highness Śri Krishnakumārasinhij, Mahārājā of Bhavnagar, for the generous patronage extended by His Highness, which made it possible for me to undertake such a work in these difficult times. I am also thankful to the University of Bombay for a grant-in-aid for the publication of this work. It is difficult for me to express in words my deep debt of gratitude to Acarya Muni Sri Jixavijarajī, the doyen of Sanskrit, Prākrit, Old Western Rājasthān, and Janistac studies in Indas. It was he who inspired me to undertake this study and helped me generously at every stage. The successful completion of the work in its present form and its publication in 'Rājasthān Purātana Granthamāla' is entirely due to his encouragement and generous help.

This volume is now complete—a result of 14 years of rather exacting labour, and I am glad that it was not completed earlier. The successive collations I had to prepare made it possible for me to bring the final form of the constituted text as near, I hope, to the archetype as possible. I could also thereby avail myself of the opportunity to apply the recognized principles of textual criticism to the problem of restoring old texts in the Indian languages to their original form and to modify and alter these principles where necessary, to suit the peculiar circumstances of the Indian languages. I have, thus, attempted to develop the methodology of textual criticism in relation to early texts in the Indian languages.

This volume comprises the text and the criticism relative to it. The next volume, which will shortly follow, will discuss the historical and linguistic background of the work, give a complete translation of the poem and a full Index Verbirum, with, if possible, critical and explanatory notes.

I have not spared myself in making this study as thorough and accurate as possible, but it is for scholars to judge how far I have succeeded.

Elphinstone College, Bombay. 16-7-1953.

K. B. VYAS

कवि-पद्मनाभ-विरचित कान्हडदे प्रबन्ध

## क्ष-रक्षमण-क्रिक्ति कान्हडदे प्रवन्ध

### प्रथम खंड

### ॥ दहा ॥

गौरीनंदन बीनवूं, ब्रह्मसुता सरसचिः।	
सरस बंध प्राकृत कर्ष्, चर सुक्ष निर्मेल मन्ति ॥	\$
आदिपुरुष अवतार धुरि यादवकुछि जयवंत ।	
असुरवंश निकंदींस, ते प्रणम्ं श्रीकंत ॥	२
जिणि यमुनाजल गाहीलं, जिणि नाचील मूचंग ।	
वासुदेव धुरि बीनवूं, जिम पार्मू मन रंग ॥	*
पद्मनाभ पंडित सुकवि, वाणी वचन सुरंग ।	
कीरति सोनिगरा तणी लिप्प उच्चरी कुक्त H.	8
जाछहुरउ जीग जाणीइ सामतसीसुत खेळ । तास तथा गण वर्णवं कीरति कान्डवरेड ॥	

Mangalācaraņa in B is कान्हर्यदे राजल ॥ श्री सारदाये नमः ॥; in 0 is ॥ ई॰ ॥ श्री बुहम्मो नमः । श्री शारदाये नमः ।; in D is ॥ एई॰ ॥ श्री गणेशाय नमः ।; in F mere एईंगा; in a ॥ उँ नमः ई॰ ॥. in J. ॐ श्री भगवत्ये नमः ।.

All Mss omit the name of the metre.

१ गौक्षेतका-नोक्षेत्रन ० म्व.ग. क्षेत्रकुं-बीनतुं ० व. बीनवं ४. म्बस्कूता-स्वाह्या ७ ० क्ष. सरस्रिय-सरस्रित ० व. सक्स क्षेत्र-सरक्षि ४. माक्क्ष्य-माक्ष्रिय १. कर्कू-सर्तुं ० व. कर्क १. क्ष्र-कु ० ०, वेद ७ व. इ. सुरु-मुझ ०, नक्ष ४ ४. क्षितेंब्र-निम्पीय ७, निरमण ० ४, नीर्मन ०, मंबिरण ० स्वित्त्व व. सर्वि-मही व. सुरि ४.

२ **आविपुत्रप**-आदिपुरप F G. अवतार-अवधारि 0 F. पुरि -त् 0, धृरि G. यादवकुळि-यादवकुळ p, व्यादवकुळ g, अक्कर-असुरा 0 D F G. वैका-कंस 0, वंस D G. प्रणम्/-प्रगम् 0 D F G.

है जिलि-जेगि B, जेशि D G, जिल E. चमुला-जिमना F, जमना G. जल-जिल B. माहीर्ट-माहीर BDGJ, जिलि-जोगि B, जेशि C D G, जिल F. धूर्यन-सुक्ता D, मोर्चन F, पूर्वन G J, बाह्युरेट-नाम्देख D G, नामरेष F. धुरि-पुरि D. बीनर्ट-चीनर्जुं G F. जिल-जेशि D, उस G. पार्ट्य-मानुं G D F, पासु G. जल ला-जन की F G. Note-a changes the verse-order to 2, 5, 6, 8.

ध पद्मनाम-पदमनाम ८ ६ ४, पद्मनामि D, पंदानाथ प्र. सुक्रिस-क्रिय 0, कहि छ. कार्यो-नांची D ४: कुरंग-पुरंग ८. सोलिगिरा-सोनगिदा क ४, सोलिगिरा ८, सेनगिरा D, कान्द्रवरे छ. सिलि-सिण प्र. उक्ती सुक्त-रचुं पुरंग ८, उक्ती सुवंगि प्र. उन्ती सूरंग छ, उन्तरी सुवंग ४.

भ जाकहुर emended-बाक्जदस्य म, जाकहुर म, बाकहुर छ, बाकहुर छ, बाकहुर छ, बाकहुर छ, बाकहुर क्यांच्या हो। जाणिह ब म सामग्री की प्रकृत के प्रमुद्ध के प्रकृत के प्रमुद्ध के प्यू के प्रमुद्ध के प्रमुद्ध के प्रमुद्ध के प्रमुद्ध के प्रमुद्ध के

नवकोटी नासि भणूं भारूआहि घण देस । घण कण घरि सविकष्ठि तणङ् कप्पड कणय सुवेस ॥	Ę
कणयाचळ जगि जाणीइ ठाम तणर्व जाबालि । तहीं लगइ जगि जालहुर जण जंपह इणि कालि ॥	ø
कुछ कीरति आगइ घणी, वंद्य विशुद्ध वषाण । राजहंस रुडीयामणा सोनिगिरा चहुआण ॥	د
काह्व तणइ संपति इसी जिसी इंद्रघरि रिखि । सबे दिवस वासि वसइ राजशुवन नव निखि ॥	٩
प्रीति सहोदरस्यूं घणी मालदेव मतिमंत । कुंअर बीरमदे बली जाणे जिंग जयवंत ॥	१०

६ नामि-नामि B, नामि D G. अण्-भणुं O D, भणह F G. आरूजाबि-माह्याडि B, मारुगाबि O G J. चण कण-मण्डंचण B. बारे स्तिकहि-नरियरि B, परिशक्ति F, परिसनकिहि G. सण्य-नगां B, तांगे D J, तमें D. कथाब-करन F G. कमाब-कगह F. सुनेस-निर्मेश C, सुनेस F.

७ जिस-नृति G. जाणीह-नाणीइ D, जाणीइ G J. ठाम-ठांस C D, ठामि र, ठांसह J. तलाई emended-लगु в Do, जाण O, तणंड र, जति J. जाणालि-जाणाल B, जालाकि D र, शुंजलाकि G, रहास में मार्ची-तार्ग O, तार्वीस र, तही के प्रकार-ठांप B, ठांप O G J, जार्ना ट्री प. जार्नि-ट्री G S. जालाकुर-जालाकुर B, जालाहुर J, जालेहर G, जण-जन F. जालाहुर B, जालाहुर V, जालहर G, जण-जन F. जालाहुर B, जालाहुर V, जालाहुर G, जण-जन F. जालाहुर B, जालाहुर V, जालाहुर G, जण-जन F. जालाहुर B, जालाहुर V, जालाहुर B, जालाहुर B, जालाहुर V, जालाहुर B, जालाहुर V, जालाहुर B, जालाहुर V, जालाहुर B, जालाहुर V, जालाहुर B, जालाहुर B,

After vs 7 g interpolates the foll vss :-

विषमदर्गः स्पीदः घणी इस् नही आसेर । जस् ऐ जिंग जाणीह तेतुं नही व्यक्तिः ॥ चित्रकृट ततु नहीं तस्तुं नहीं चंपकमेर । जसु जालहरताहः जाणीह तस्तुं नहीं मामेर ॥ बांधवगढ तस्तुं नहीं ततुं नहीं साकेर । जस्तुं जालहर जाणीह तसु नहीं मोमेर ॥

९ काह-कोहान ठ, कान्द्र उ. तमाह-तांक छ छ उ. हसी-पाणी ०, जसी छ तिसी-जसी छ. हंन्न-सन्तर ४, इस-सन्तर ४, इस-सन्दर ४

to Note-k ms commences from vs 10, ii quarter.

च्यूं-ई 0, स्रं म, छ c, ग्रं.र. माकवेब -मान्वेय 0, मान्वेद D, मान्वेद र. सर्तिमंत -मतिमंति म, मतियंत र द्र. कुंबर-कुंबर B o D, कुंबर G. वाले-वालि O, वाले D G र. वाले-मुले G. वावर्षत-मत्वेत G. बाले वाले-वालीजबह ६.

११
१२
2.5
१४
१५

११ कीश्वर-मीधु B O D J. सुरताण -सुरतांण O E. स्रतांण D. सरताण G. सुकतान J. स्थूं-सुं O G, स्त्रं F. सूं J. रखुं K. संसंध-संसंध G. बाहुबाण-वाहुदाण B, बहुआंणह C, बहुआंणो G, बहुआंणो त, बहुआंणा J. बर्ग्यु सालां K. गुल-पुंज D. वर्णेयुं-सरावुं G, वर्णेलुं F G K. सुदृषीह ED.-सुदृषि B, पुरृषि C F G, सुदृषि D, युद्धी J, सुदृषि E. साहुल-साहस्ति F.

१६ राजसीति –राजनीत к. जानम् –जानि छ ०, जानम् ँ ० ६, जानि ७ उ. स्थ्य-स्य ७ उ, स्थि छ. द्वाराम-मुद्दारि छ, सोहासि ० ७ ६ उ, सोहास् इ. स्थ्य-अपि ० उ, रीग इ, रंग इ. स्वर्ष-स्थि छ ० छ उ. स्थि-सर ०. लायमाइ-आपि छ ० उ, अंपिन ०, अंपत्त ६. चाहुमाल-बाहुमाल छ, चहुमोल्ह ०, चहु-श्रोणां ६, बहुमान उ, बाहुमोल ६. ससरीय-सनररिग ०, नसरिग इ.

१३ चतपहें em.-जुगई BOD F, जुगई G, जुपै J, जजपहीं K. तिलि-इसि C, तेलि B, तिण F. बचवारि-रिपति B, अमलिरि D. गुलपार-गुलपार B, गुजरपर K. साम-पाउ J. सार्तपाई-सारिगते B J. सामह em.—गामि B, नामि OD F, नामि G, नामि J, नामह स. बोच्चह-च्हित्सा O, बोलास D. Note—After 18 a 1s interpolates foll conjectural line:-मशेचन तेहनन चलनना, करणदेश पुनराम मगंत, तिलि-तेशि B O, तिण F. बच्युणीड-अप्पालिक O, अवगणीड F G J, अवगिलियों K. कैस-चेच J. वाही बाल्द-तेह लीय B, तिहीय लगि O, ताहि लगह D, ताहील लगह F, ताही लगि G, ताही पक्षी J, बसरी-नामि G, ताही पक्षी G, ताही पक्षी J, बसरी-नामि G, ताही पक्षी G, ताही G, ताही G, ताही पक्षी G, ताही G, ताही पक्षी G, ताही G, ता

१५ जबुक्यू-अद्वितिह छ, सहितु ०, सहितह ०, सहितह ७ ६, सहित उ. कवाड-करिन छ, स्वरै ०, कर्बू ०, करत ७, केंद्र उ. कवाड-करिन छ, स्वरै ०, कर्बू ०, करत ७, केंद्र उ. क्यार्ट्स व अपन्य छ, करत ६, स्वि-नेक ७, स्वरीवह ०००-स्वरीह छ ४ उ, स्वरीह ००, स्वरीह ६, स्वर्तिक छ ४, स्वरीह ००, स्वरीह ६, स्वरीह ३, स्वरीह ००, स्वरीह ६, स्वरीह ३, स्वरीह ००, स्वरीह ००

जिणि देसइ कराज्य ज्यान, जिहां विक्रमह दीव्यह स्थान ।	
जिहां तुलती पीपल पूजीयह, बेद हुराण धर्व बूझीयह ग	१६
जिणि देसइ सह तीराँव बाइ, स्मृति पुराण भागीवह गाइ।	
नव वंडे अवकीरति हुई, माधवि म्हेच्छ आणीया सही ॥	१७
चाल्यन माधव दीली भणी, मेटि अपूरव लीधी घणी ।	
विषम चाट रहंज्या देख, नयर योगिनी ऋखर प्रवेश भ	१८
पहिलड जई मिल्यन दीवाणि, साची वात सुणी सुरताणि ।	
अखाबदीन वडउ सुरताण, घणे देस वरतामी आण ॥	१९
धरी मेटि घोडानी लास मीर ऊंबरे करी अरदास।	
वडल मुक्देम माथव अपम पातिसाहनइ करइ सिलाम H	२०

रे६ क्रिक्रि-जीम 50 र, जीनि D, जीनह K. वेसब्-चेर्सि B, वेसि O O, दिस्टि D, देश F J, करायद्र-क्रीक्रीस B, क्रायीर O, करार D, करार F, करें G, क्रांत्सा J. क्याना—ताय D G, जानत D, प्रापा र, क्रिस्या— स. तमा J, च्यान्य—त्रिक्ति B O, क्रांत्स्त D जी, क्रिस्त ट, च्यान्य—विजि B O, वैक्सूट D F, च्यान G, क्यान्य क्रीक्य—त्रुप्तती देशर C, पीपक तक्वी D, पीपल त्रुप्तती D, उ, त्रस्ती पीपक K, प्र्योच्य etta—प्रतिह B O F G J, प्रतिह D, पृथ्वित E K. द्वाग्ल—पुरात D G J, पुरात K. चर्सी—प्रयोक्त B, लप स C, ब्यूकीच्यु etta—प्रतिह क. च. क. क्यान्य हम्मेंद G J. Note—D Y reverse the vs order to 17a, 16a, 16b, 17b.

१७ किमि-नीमि B D, जेलि C G, जिम ह. पेसाइ-चेषी B O, चेलि D F G, चेल J. सह्यू धीरणि--सह्यू धीरण B. साइ-नाइ B, साइ O, जास J) साई क्षांत्र का क्षांत्र का अस्ति का क्षांत्र का अस्ति का क्षांत्र का अस्ति का क्षांत्र का अस्ति का अस्ति का क्षांत्र का अस्ति का अ

2८ मास्पर-नाक्षित B G, नाल्यु CD F J. डीकी-मीजी C, तिज्ञी K. नेश्टि-नेट K. कीमी-कीमी B J. विकास प्रस्न-निषम नाट D G, विचा पंत्र D. उद्यंखा न्छंजा F G K देशा-देश D F G. नव्य बोनिनी-नव्य श्रीपेती C, श्रीपेती प्रि D, नपरि श्रीपेती F, नवर शोगनी K. ककाट em⊸करेड o D, किस B, कश्च F, कीड G J, किनो K. प्रवेश-परवेश F, प्रवेश G.

र्थ, प्रहिष्ट ह-पहिंद्धं, ह J, पहिंछं O.D F, पहिंदु G. यह सिक्सर-सिलिंड जो ह J, यह सर्वार O, ब्रो सिक्सर D, वर्ष सिम्बु F, वर्ष सन्तर G. देवालि F J-विवाय B, वीवान O, वीवालि D G K, सुवी-सुवार F, व्या G, वर्ष ह, व्या J, स्वाप्त प्रहारात D, सुराताण F, स्यालि G, सुरातिष J K. अवायवीय-कार्यात G, वर्ष-वर्षिक B, मोटड O, बढ़ D G J, सुराताण-सुरातीण O K, पूरातीण K G, वर्ष वे वेस-वर्षि वेदि D, वर्ष वेदे D, वर्ष वेदे D, वर्ष वेदा F J. साम-स्वाप O D J K.

s interpolates the following two verses after vs 19:

स्मान्यह परवेसी परधान, अचपति राज्ञा दींवारं स्था ।
वृक्ष्य कात पातिस्वाह इसी, बूजर्साति ने कहीचह किसी ॥ २१
किर्स्यू जंसस्यत, ज्याहलपुर, निर्स्यू दीवनड, नांतस्बहुर ।
इसकाकाठि, स्केरत छह किसी, र राहत सुनीह स्वहसी ॥ २२
इस्यू संभारी स्वहर सादि माधव कंस करह विशोधादि ।
विश्री तणड धर्म लेपीयु, राड फांदि गहिल्ड ययद ॥ २२
रहुड जंग तणड अनुराग, नित नित शंक्ष करह कंत्रागा ।
विभा पढीचार पटड कदि वहह, न को जंगरेव कस्य छहा। ।
समाण तणाह भयि भोजन वार बांस क्यादनड सरह स्थार ।
पिर्हेल राह है अवगण्यन, माहरह बंधव केसव हम्मन ॥ २५

२१ जारचड-जार्जु ह, जाणी ०, जाल्यु छ, जालिङ छ, जालिङ छ, जाल्यु ह. वरमेली-वरदेशी ह. वरमाल-प्रयांन छ, परचान उ.स. कायरली-जाहुरपति ०, तत्त उ. राजा-राह् छ ०, राज ७, क्ट्रालीक उ. शिवर्ष छा—प्रियंच ६, विश्वं छ ३, वीच् छ छ, वीट इ. माल-तत्त्व माल ह, माल छ ठ उ.स. स्कूब-स्थूडि छ ठ उ. चाल...०. शालिसाह-पास्ताह छ ० छ छ, पाससा छ, पाससाह उ. स्वी-स्थी छ, वै.स्थी थ. गुक्ररति-पुजराति छ, गुजरात छ ह, गुजरात स. क्यीयह छा—कहिये स, व्यतिह छ छ छ ३, विश्वं छ.

२२ किस्पू-किन्नु o a, किस्सं म, किस्ति रं J, किस्त ह ह. वंशायत-वंशाहत ह म a, काविकाहुर J, काव्यक्रिक्ट इर-वंशाहति J, काव्यक्तपुरि ह. किस्तुं-किन्नु o, किस्सं म, कह् a, किन्ना J, किस्त ह ह. इंग्लेक्ट का का a, काव्यक्त के ह. मांगकहुर हम, मांगकीर o, मंगकहर म, किसी वास्त J, अनेनक्टर ह. काव्यक्ति-कार्ति के तहे के किस्तुं-सागकहुर हम के मांगकीर D, किह ह किसी वास्त J, अनेनक्टर हम राजुत हम, राजर म, ऐ राजत a, तिहा राव J, किसा राजत हम, सुणीह-सुणीह म, स्पर्णेह क, किह्निहं हस

२३ इस्पू-इस्वरं ०, इस्तं ४, इसी ७ ३, इर्ड प्र. सांभकी-सांगकि ४, सांभकिउं ०, सांगकी ४ ०, सांभक्तं उत्तर हो । स्वीतं-सींद ३, स्त्रीमाने करीचानि करीचे करीचे

दक्ष पहुद-प्रसु BCD त. इतिव J, एई हि. तजब-तुष् BCG, तलुं D, मसु J. कहुराल-व्यवस्था त. कार्याल-व्यक्त क्रांत्रा त. कित कित-तितु २ 0 D F J, ... G. कार्य-व्यक्ति BC, वक्रमाल-व्यक्त वक्रमाल व. वक्रमाल-व्यक्ति कार्याल-व्यक्ति क्रांत्रा कार्याल-व्यक्ति कार्याल-विकास तित्रा कार्याल-विकास तित्र कार्य कार्याल-विकास तित्र कार्याल-विकास तित्र कार्याल-विकास तित्र कार्य कार्

दंभ सरण-मरने 3, सर्थ इ, सन व, सुत 3, समझ... 3, तिन व D G J. सबि-सब व D स्, सुत छ, सह ह, पूर व, यह उ, प्रोक्त बार-पोमन बारि 0 3, बोस-वादि 3 D 3, चंद इ, बंदि व 3, समझ-स्वाट 3, पाइटा, 0, बाद्व व, बाद्व 3, बाद्द 2, बाद्द —सरे 3, परि 0, द्वि 0, बादि 2, स्वस्य-रोमार 0, स्वार 3, पबिद्ध-विद्वे 0 3, परिदे 0 3, पदि व, परि व, परि व, परि व, परि व, परि व, परि व, विद्वार अ, परि व, तेह घरणी घरि राषी राष, ए बहु रोस न सहिण्ड जाह ।

गूजरातिस्यूं मांबिस कल्डु, माहरइ साथि कटक मोकल्ज ॥ २६

हुवी हींदू घालिसु रानि, एक मारूं एक झालूं बानि ।

इनकार अक्क साचूं जाणि, गूजराति छेई आपूं प्राणि ॥

२७

तत्विषण तूटड असपित राय, तस आप्यु पंचांग पसाय ।

दीया कतारा पाणी धान, पातिसाहि तेक्या परधान ॥

२८

भणी जालहुर सीचामण चई, चहुआणानइ पूल्ड जई ।

पूं ताहरव मोगवि पाट, एसकर चालह सूपी बाट ॥

सुरताणनी वाणी सुणी च्या प्रधान कान्हहुदे भणी ।

पातिसाहनी पहिरामणी चगराहृह सिंगरिन धणी ॥

१०

२६ तेह-तस ODF J, तिहि K. सरणी वरि-परवरणी O, रापी-रसाह D. राह्य-राग OFG J,...D. ए सह्य-ए वस्त X. म सहिण्य जाई B मून सिंह्यु जाइ B मून सिंह्यु जाय O J, न हीह समाह D, नति सिंह्यु माहि G, गूस्पाति-गूमरात B, गुप्तराति A मुंदि A प्रति है, स्त्री है, A प्रति है, माहि B माह

२७ हुमै-जह ६, नमी स. हॉब्-वॉग्र २० प्राप्त २० हॉड ६०, हीहिन ६० बालिसु-पाछं ८, पासं D ४, पासिस १० साइन १० साई ८० साई ८०

२८ तत्तिका—तत्तवि ४, तत्तक्षण ० ४, तत्तका ७, तत्तका व ४, त्त्वच न्युड ४, तुरुड ४. हाव न्यां ८ ४० व्यक्त ५० की ४, व्यक्त ५० की ४, व्यक्त ५० की ४, व्यक्त ५० की ४, व्यक्त ५० की ४० की ४० व्यक्त ५० ४४ व्यक्त ५० ४४ व्यक्त ५० ४० व्यक्त ५० व्यक्त ६० व्

२९ सभी बाकपुर-मणी बाकपुरि B, भणी जालोर O, जालपुर सणी D, अणी बालस्र F G, जालस्र र तथी J, अणी जालस्र E. सीक्सम्प-चीधासी D E, सीचीसण O, सीचासण J. साई-चीर B D, देशे 7, वर्ष C, पहुँ E. अपूर्णाणति C, जहुआंग D, जाहुआंग F, जहुआंग F, जहुआंग D, जाहुआंग F, जहुआंग F, जहुआंग G, जहुआंग D, जाहुआंग F, जहुआंग F, जहुआंग G, जहुआंग F, क्षा पुळत को F, इस पुळत के F, इस पुळत के F, इस पुळत को F, इस पुळत के F, इस

३० झुरताव्यति - झुलतावनी D, सूरताव्यती G, झुरताव्यती K, लिले झुरताव्यी J. सावी-सात O, सीवी D G
J. झुबी-ब्यड झुवी O, स्वाती D. स्वात-स्वात CD ₹ G J. प्रथान-परसान B, प्रयान D J K, परिसान ₹
स्वावदी-काइनवरे D, कांन्दवरे ₹ K. पालिसाइनी K-पातवाइनी B, पातवाइनी CD ₹ G, परिसान ₹
स्वावदी-काइनवरे D, कांन्दवरे ₹ K. पालिसाइनी K-पातवाइनी B, पातवाइनी CD ₹ G, परिसान ₹
स्वावदी-काइनवर्षिण D, प्रित्तवायी J, स्वातवाइन्द्रियान काइन्सवाइन्द्रियान काइन्सवाइन्द्रियान काइन्सवाइन्द्रियान काइन्सवाइन्द्रियान काइन्सवाइन्द्रियान प्रथान काइन्सवाइन्द्रियान प्रथान काइन्सवाइन्द्रियान काइन्द्रियान काइन्सवाइन्द्रियान काइन्द्रियान काइन्सवाइन्द्रियान काइन्सवाइन्द्रिया

कहर प्रधान, अवधारज राय, सोरठ अणी तुरकांणव जार ।
वीजी भूमि दोहिला घाट, पातसाह मागर प वाट ॥ ११
सभा सिद्ध रा बोलर मर्म, प तां नहीं अक्सारज धर्म ।
जिहां भाजर गाम झालियर बान, अवला तणा श्रीडियर कान॥ १२
जिहां पीडीर विग्र नर गाय, तिहां वाट निव आपर राय ।
वल्या प्रधान, न सीयजं काज, हियर घणी जपनी लाज॥ १२
वीनवीया जर्र्षनर सुरताण, कान्हडदे निव मानर आण।
चडी वात घणेरर प्राणि, नीसासज मेहलु सुरताणि॥ १४
॥ पवाड ॥

[ वडड बीर विष्यात वदीतं महिमुंद साहमु केंद्र । सर घीर अनह सपराण पातसाहि तव तेद्र ॥ ] ३५

३१ कहरू—कदीर B, कहि ODFGJ. प्रभान-प्रयांन J E. जबचारठ-उदाह B, अवधार ODJ, उदयार F, उदारह G, अवधारठ DJ, उदयार F, उदारह G, अवधारठ E. राय-राह B G. सोरठ अणी-अणी द्वरठ B, सोरठ अणी D, अणी सोरठ G, सुरक्षणंड-तरकांप B G, सुरक्षणं D, तुरकांप D, सुरक्षणंड-तरकांप B G, सुरक्षणंड-तरकांप B, सुरक्षणंड-तरकांप B, सुरक्षणंड-तरकांप B, सुरक्षणंड-तरकांप B, सुरक्षणंड-तरकांप B, सामक्र पुन्त प्रमान चित्र प्रस्ताव प्रमान चित्र चित्र प्रमान चित्र चित्र प्रमान चित्र प्रमान चित्र प्रमान चित्र प्रमान चित्र प्र

इ.२ Gomits vs 32. सभा—सुमा ह. सिख्—सम्प ह, माहि व, झदि ह, सहित ग्रह. रा—राव O D ह, राह ह. बोळहु—बोळ ह अ, बोच्च O. समें—स्पस 0, सम्में D. यू जो—ए ता ○ ह. सहि—नहीं ह. सम्बाद—अझात ह ठ उ, सद्यारी ठ. भर्मे—पस व, ए भर्म D. किंद्र माज्यु—सालि ह, भावि 0, सावहं D, आबह ह, माति J. सास—गांग В J D. झाळियह—झाठीइ В O, झाळह D. बाव—वानि D ह, बोन ह. झाठीह बाय—बोत झाठीइ J. स्वच्छा राज्या—बिंद्र सम्बच्चान 0, स्वच्छा तणी D, स्वच्छा तणा ह. स्रोसियह —भेनीइ क ह, महि C. जोबीड D, स्नान—बोग D. पत्र प्तां प्रां ड खाडी बेद समुद्र साम्राव्य

३६ पीक्षीक् -पीक्षीई D, पीलिई K. किन नांद्राण J. नक्ट-नि BJ. गाय-गाइ BJ, गाई G K. वक्षि-न 7. कारक्ट-आपि B G G J, प्रवान-प्रशंन D J K., पर्यान F. सीवर्ज em-चीचू D J, चीचु G D F, वीचु G, चीच G K. क्षियक्-दर्शनिव पणी B, हहेलामांहि O, हीड वळी D, हीलामाहि द्व F, इहए वणी G, हीलिंड J. करवी-उपनी O D K.

१५ ववाहु—चाकि B, पवाडुं D, वेकि वाक P, वालिवंच G, वाल पवावाड़ J, वाल पवावाड़ी सर्वेस्पंयू K. B G K Omit vs 35. ववट—वडु o D.1. विष्यात om—विवात O, वप्यात D, विद्यात म J. व्यक्तिक— वर्षीत o D, विषीत P. मिहंपूंच साहजु केड्र—महर्प्ट्स सह्य केड्र D, महिस्य साहजु केड्र J, महिस्य साहजु केड्र J, महिस्य साहजु केड्र J. सूर वीर...वव केड्र o-व्यक्तिय सक्तुंद वेर्ड महुक्ताहि तेवावट D, अख्यायान वलवंदु वेरड मुहस्ति सामिक्ट तेवट J, व्यक्तांन वलवंदु वोड् महरूमाहि तेवावट D, अख्यायान वलवंदु वेरड मुहस्ति

सामुक्तन वस्त्रोतातः वंदन तास दीखं फुरमाण ।	
गूजवित उपरि वल नूंच्या, बीहर्ज यह सुरताण ध	\$6
माचव यहत्तव साथि मोकल्यव पोसातु परधान ।	
मोदा मिक गीर मेछावि दीवा पोजा पान ॥	इ७
अळावदीन पातिसाह मोटन, कान्हडदे चहुआण ।	
गढ जालहुरि हुउ गढरोहउ, ते हूं करूं ववाण ॥	३८
गूजराति सोरउ सोमईया वाहरि विसमूं बीतूं।	
मिडकिमार संबंधि हठ कीघर, अलूबान दल जीतूं ॥	₹९
डहिली दोर साबाण सिराचा कटक तणा सिणगार।	
घ <b>डीया</b> जोणी सांदि पस्हाणी पूठि परठ्या भार ॥	80

हे के स्वयुक्त - अब्दर्शन D 0 J K, कब्बेत्व - स्ववं ह CD F G J, बंदु G G x-बंदु B, जापी 0 F, संबंधि D J, ताल शिंदुं em - तात थैं उं B O J, ताल थैंच टे D द (क), तात इकंड G, ताल शिंदुं स. पुरताल - फरतान 0, पदांन D, फरतांग O J, पुरतांग K. गुरूतांन-गुरतात F F, पुरतात K, क्यंदि-चन्दि O, क्यर G, ग्रेंचा-चेचां O J, न्यंचिं D, त्यंचा F, वास्त्रों G, रंघां K. श्रीवंडे em - मीविटे B, सीबुं O D, मीवंड F J, वीवंड G K. बाद-वि B O, शिंदु D, श्रींच G, श्रींकं J. सुरतांग-सुकतांन D, सुरतांग G, सुरतांग J, सुरतांग K.

कुछ जुहरत-महितु BODFJ, महितु G. मोकस्यत-मोकस्य BOFG, मोकस्य D, मोकलित J. प्रेसास-पेशांता प्र. परधान-परिधान F, परधान J K. मलिक मीर-मीर मलिक ODFJ. मेकाबि-मेलाबह DFK, दीवा बोजा-बोजा दीधा K. पान-पांत ODGJK.

हैं ... काकाव्यीन-अकावयीय K. पारिसाइ-पारशाह B, पारसाइज C, पारसाइ D F G, ते साहित J, पारिसाइ K. मोराइन-मोर्ड B GD F. काक्ट्रवरे-काह्नवरे D, काहोनवरे द, कांव्रवरे में स्वाह्मण-नद्दराण B, काह्यांच्य D, नुक्रसांण K. काकाद्वरि-जालहर D, वालहर D, वालहर F, वालहोर द, वाहादर J, वालोर K. क्राह्मण E, कालोर स्वाह्मण-वर्षाय B C B F D, रोरंड F K, के हूं -वेददं Q, देव E D, तेर्ट F K, के हूं -वेददं Q, देव E D, तेर्ट F K, के हूं -वेददं Q, देव E D, तेर्ट F K, काह्यांच्य D K.

Re adds foll two vss after vs 38.

क्षेत्र- बांब्रेडी-बहली D K. होर-बोर K. साबाण-साना B, सवाल C, सर्वाल D, साबंल J, सिराब्ध-सराबा C G, सराव D, सरावा F. सिराबार-स्वारा C G, शावरार F J. वर्षीया-स्वांबा D B J, वर्षी G. कोमी-दोवक B D, बोवर्णी J. सांवि-सांकि D F. परवाली-पहलील D, पराणी D K, पावर्षी J, प्रि-मुर्टि D, वर्षी C F, प्रदिख D. परवाल-परिदेश D, परिवाल J, परिदेख J,

कोटइं घणा चूचरा वाजह, रहकारी असवार ।	
पहिलक् टमकि पेसरक चाल्यु, बडीय व काई वार ॥	४१
फारकमाबी अनइ हक्सी, बीहामणा बंगाल।	
पाला पलइ पटायत काहर, भोई नइ बलबाल ॥	४२
रांध्यां घान चालता पाइ, मठीआरा तवार ।	
चाल्यां कटक पेसरा पूठि, मांहि मेछना छात्र ॥	४३
मदि माता सबगल सिणगास्ता, पृठि चक्या पूंतार।	
<b>कीभी पापर नइ कठवंजर, घंटा रणझणकार ॥</b>	88
<b>उपरि <del>पड्</del>या न अंकु</b> दा मानइ, प <b>इवा</b> गज रोसाछ ।	
सवे सारसी करंता चालह, जेह्बा परवतमाल ॥	४५

ध्य फारकभाषी-भारकभाषा B, फारकहाणी D J, पारकभाषी G. सनह-अति B J, अक्षद O, तह वकी D, ... P. हबसी-.. F. चीहामणा-नीहामणा O, बीहामणा O, बीहामणा G, बच्च क्वाक-चाल G, पक्क -बुलि B, पति O, फीट्टे -बोह D J. एटायल-पटाई B, पटाइत O, पटाहित D, एटाइता O. काहर-काहल B, कहीह O, मोर्ट्ट-बोह B G, पटाइत D, बच्च का G, बिलियाल D, बहुवाल G, बंबाल J. K omits VS 42 D.

धरे संख्यां-राज्या D, रांचां d, रंज्या ह. थान-थांन D G E. बाह्य-वान्तां B G J. बाह्य-वार्ट् D E. अधिकात-सिवारा B, आदिहरा E. ब्याय त्याव B C D F G J. बाह्या-पार्ट् B, जाल्या D F. चेहरा-पेयव B. पृढि-पृढि B D J, पृढि G. आंह्रि-माहि F G. लेक्कना-लेक्टना C, मलेक्कना D, स्लेक्कना J. स्लेक्कना J.

क्षेश्व मिह्न्यत् उ. सबराक-मेतल छ, महराल क्ष. सिष्णाका-स्ववनाका छ, शष्यवाका छ, सिण्यात छ, सामगासिता उ. पृष्टि -(तृष्टि छ, पश्चा-निक्ष छ, पश्चा छ, पश्चा छ, प्रतार-पृतार छ उ. क्ष्रात छ, कीची -तीवां छ, कीची छ, सीचा कि. नह्न-निव छ उ. कार्यकार-प्रत्यांतर छ, प्रता-पदा छ. रणकायकार-पणरकार छ उ, रस सम्बन्धर छ छ छ, प्रतास्कृतर छ.

%' प्रवान-पश्चित B, पश्चा D, पश्चा J. व वीकुश सामद्र-न अंकुश सानि B, अंकुश निम्म सक्द D, व स्वीक्ष स्वीक्ष प्र व स्वीक्ष स्वेक्स D, अंक्ष निव सान्त प्र, व जोकुश सानि G, न सानि अंकुल J, न अंकुश सानि E. प्रवान-प्रदा P. सवे-सवि B G K, वे D, हाकि P. सालसी-स्तीनी D, पारशी C. करीता स्तात D J. पाण्यु-पालिक् B, पालि G J. केस्या-जेद्दिनी C D, वोड्डो P. प्रवासक्ष-प्योगमाल G J E. B drops the last quarter of vs 45 and the first three quarters of vs 46.

9

घोडा तणी फोज जुर्जूई, तेह न लाभइ पार । ऊवट वाटि ऊपक्या चालह, चान तणा तोचार ॥	४६
बरगां डोख नफेरी वाजइ, काइख नइ नीसाण । जिहां जिहां झाझां वड नइ पाणी, तिहां दियइ मेस्हाण	॥ ४७
आगलि विका कुदाला चालह, भली करेवा वाट । आरहिडा पाइण घण भांजी, कीधउ माधवि घाट ॥	४८
आगिल विकां वागङ्क साविज, वेडई नाठां जाइ। विसमी भूमि छेई देसाउत, चिह्नं दिसि घाडां घाइ॥	४९
दीघी बाट समरसी राउछि, आच्यां कटक विनास । गूजराति बूंबडिया पहुता, ततकिण पडियउ त्रास ॥	५०

क्षेद्र बोचा-चोडां G K. फोज जूज्यूर-फोज जूनई D, फोज् जोई F, जूजूर फोज G, जूजूर्र फोजे K. न डाजद्र पार-विवालीमा पार O, न लाभि पार G J. कबट-कांट O, उवट D बाटि-वांटिइ D, बाट G K. क्षरकता-करहांगां O, करहांगा F. चालड्-चालि O D G J. वान-वान B D J. तामा-तागं D.

७७ बरमाँ-वणमां В 0, बरमा म, बरम् स. बाजब्र-माजिद B, वाजि 0 D 0 J. बाहळ-कान्द्रल स. रण J. बाह्-ि B 0 D, लिं 0, बाहळ उ. मीसाण-निसांण D, नीसाण J, नीसांग स. बिद्दां जिद्दां-जिद्दां २ B 0 D G, जिद्दां J. हाबतां-हासा D, यह जन पाणी-वल्सल पाणी B, यह ति पाणी 0, यह न पाणी D, यहपाणी G, विसे वह ते पाणी J, यहपाणी स. तिव्हां-तिहा २ B 0 D स. विष्यद्-चीर B 0 म G J, करे D. सेव्हाण-मेहलांण D G, मेल्हांण J

ध्रंद विका-सक 00 E, वी F. कुदाका-चुंदल D. चाकड्-चालिइ B, चालि 0 D G J. सली-सलीइ D. करेबा-कराबि B C G J, करावह D F. बार्गहिका-आरहन B, आदीरना 0, आरहिक D, आरहा F, वज चाक J. पाइक बचा सोजी-पाइचे कम मानी D, पीहांगा पगता 0, पाइम पचि मांतो F, पाइम क्या माजब G, पोइम चच मांती E. कीशव-नीनि B, कीशी 0, कीशु F G J. साचवि-माधव B C D G J. E reads as iv gr: साचवि कीशी बाट.

४९ विकर्ध-पिका 0, पको 0, बका ह. बागहु-वागठ 0, वागह ह. साविज-सावज B E. वेक्टू-वेटि B P G J, वेदी 0, वाटि D. वाको-नाठा F G E, नाहाठो J. बाहु-वाय D, बाहु G, बाहूं E. कूमि-मुझे D, मुद्भा 4. कोई देसावज-कांद्र पिट्टू सिंध B, वेठ कीवंता 0, तमें वेदु ते D, वेदु ते F, लोड वेदु ते G, कीड देसह तत्र J. विद्यू विसि-हत्यी B, विद्यू तथि 0, वह विशे D J, विद्यू विष्ट F, वृहू दथि G. बादां-धादा F, बादां G. बाहु-जाय D, धाई E.

पं॰ दीची-देते ह. राहिल-ताहिल ह. बाह्यां-भाष्या ह क ह ह. करक-चरक ठ. विचास em-विचासि ह. एकि पासि ०, बनास क छ, बनासि ह र, पीतास ह. गुवासी-गुवास ह. गुवासी साहि ०. दुंचविया-दुंचवीट ह. दूरीत ०, दूरीया क. दूरीत ह दूरीया व र, दुंचविया ह. पहला पुरत् ०, पुत्रुत ह. पहुत ह, पहोना छ, पुत्रुता र. काविया-ततववि ह, ततक्षण व ह, ततवियि र, ततवप ह. एकियह ह-पक्षित हक है, पुरिच ०,

उ.डी वेह बयूं मंघारूं, गयणि न सुझइ भाण ।	
बाडी दल मुहहासइ आन्यां, हमहमीयां नीसाण॥	48
आस्या सुणी म्लेख मूखाला, रणि राउतवट कीघी।	
बतड भणइ पहिला पाउ छेत्ं, अन्नप्रतन्या कीघी ॥	42
आगइ अहा बरांसर बीतर, हिवडां छल नवि छांदूं।	
असपतिनां दल साहार चास्यव, छेई ऊघारवं वांड्र् ॥	५३
दीठा तुरक रह्या रिण थोभी, पहिछ् कामा सारह।	
चक्यउ रोसि रिण पेरण मांडइ, मारी माग दिवारइ॥	48
घडी विच्यारि घणउं दल थोभ्यउं, वीर वावरइ लोह ।	
तुरक बचा मूंगल करकटीया, ऊपरि पड्या समोह ॥	<b>લ્</b> લ

५१ वर्ष्-थर्षु 0 D G, वर्ष F, थयत K. लोबार्क-जंपार्व F G J, अंपारत K. गयिन-गयण D K, गयत G. सूत्रह-प्रि B C, सूत्रहे D भाग-भांग D G J K. वाकी -वालीज F हक -कटक B C. सुद्रवास्त्रह em-सुद्रवारि D, सूद्रवारि D, स्वत्रमीया D, उसद्यमीया D, उसद्यमीया E, जैस्ताण-नीसांण C D G d. नीताण K.

५२ बाच्या-आवा त, आ उ. सुणी-अणी त, सुणीह उ. स्वेख-मेख B F G, स्वेच्छ त, मबेख D, सबि मेखेख उ. स्वेख स. सुखाका-मुखाला B C D, सुशाला त. स्विन-एणी D, रिग स. रावतववट -राजतिवट म, रावतवट उ. स. बत्तव-बेतंड D, राउत स. अणब्द-भणि B C G J, पहिला-अवेदे त, साहमा ठाससु उ, पहिल्ड स. बाद-चा B, घाव G, चाइ स. लेस्ट्र्-व्येतंज D, केस्ट्र में, केसिचै उ, केस्ट्रा स. बाद-चा केस्ट्रा स. स्वर-चा म, प्रतस्या त. स्वेच में, केसिचै उ, केस्ट्रा स. क्या अंतर्या D J, प्रतंन्या म, प्रस्त्या त. स्वेची कीसी B D F J K.

पेड़ बाराब्र-आगि B C G. बाब्य-असे K बरांसड-वरांसु B D, वरंसु D, वरस्तु F, विरास्तु J. बीराब्र-वर्धी द्व B D F G J. बिबर्श-हिंग B C बाब्य-वर D, बाब्य-न D, डांब्र्स-डांड् D, डांड्रं D K. ii qr in D is: ड्याल अगह नवि डांब्रं ोा F ड्याल अगह नवि डांब्रं आदारियों - कास्तुपति D, अस्पतिना F JK, अस्पतीना D, सांब्रं पु D, सांब्रं D, सांब्रं D, सांब्रं पु D, सांब्रं D, सांब्रं पु D, सां

पक्ष दीका-राजत स. तुरक-तुर म. तरक G. रक्षा-रहु D. रक्षाउ म. रहिच G. रहिया J. रिण-रिण B D म J. रण G बोजी-पानी D. पहिल्लं-पहिला B. पहिल्लं Dम. पिहिल्लं D. पहिल्लं G. पहिल्लं स. कामा-काम O. कामज स. सारद्द-सारि B. समारि O. सारी D. सारि J. क्लाब रोगिर em-विक्तं रोगि B. रोस चल्का O. रोगि चिक्तं D J. चल्का रोस म स. चित रोगि G. रिण-रिण B D म. रण G J. केषा-विक्त B. सांबद्द-मार B. सांकि G G J. सांबर्ट D. कीचुं स. सारा-मागह म. रिवारद्द-वेदारि B G J. वेवारद D. विवासक स.

पं, बही-पांढे D. विष्यारि-विच्यार C K, बस्यार G. वण्डे em-पांडे D J, वर्षे 0, वर्षे हैं, वण्डं द्वारे की किया है, वोश्यंड em-वोश्युं है, वोश्यंड D J, वोर्थं है, वोश्यंड स्ट. वावरह्-वावरि B O G, वावसा स्ट. वुरुष्ट-तरफ O D G, वया-वर्षो D. श्रीगळ-मुगळ O, ग्रीगळ G K. व्हरकरीया-करहरीया D, वश्यंड है, रहिंदी में E, वश्यंड स्थारिक है, रहिंदी D, पश्यंड है, रहिंदी में D, वश्यंड स्थारिक है, रहिंदी D, पश्यंड है, रहिंदी में स्थारिक है, स्थारिक है, रहिंदी में स्थारिक है, रहिंदी D, पश्यंड है, रहिंदी में स्थारिक है, रहिंदी D, पश्यंड है, रहिंदी में स्थारिक है, रहिंदी D, पश्यंड है, रहिंदी में स्थारिक है, रहिंदी में स्य

मारी म्छेच्छ पढंतर दीठर, बतड बचावर चानि ।	
जयजनकार हुउ सरकापुरि बहसी गयड विमानि ॥	५६
धन्त्रं बांद मुहुडासूं भागूं, गामे घाली लाइ।	
गाबि मामि खूसइ खूदावत, दूडी घाडां घाइ।।	७
भागा देस काहानम चरोत्तर, बावननइ वेडार ।	
मूकरातिनव बोक्रव भाषव, अजीय न आवइ पार ॥	46
चक्यां कटक दंडाहि दाहोत्तर, धाणधार धंधोलि ।	
<b>ऊडी बीबी वाउस् आब्या, पाटणि दीघी पोलि</b> ॥	५९
दीधां रषत जई दरवाजइ, सजा थया झूझार।	
माधव मुहत्तव आगलि कीधव, जाणइ मागनिसार ॥	Ę٥

५६ मारी-मारीच B, मारि K. म्डेक्ड-मेछ B F G, मालछ D पर्वतन्त-परंतु B C D J, पर्वतर् F, पर्वात्त्र G, हेकड-परंतु B C D J, पर्वतर् F, पर्वात्त्र G, हेकड-परंदु B C D J, पर्वतर् F, पर्वात्त्र G, हेकड-परंदु B C B, हार्वियद K बालि- बालि B G D G, रार्ट् J, अवकस-जय C D F G J K. हुड-हुउ C K. सरगापुरि-लस्पोपुरि B, सरगापुरि C, सरगापुरि-लस्पोपुरि B, सरगापुरि C, सरगापुरि-लस्पोपुरि B, सरगापुरि C, सरगापुरि-लस्पोपुरि B G J, वर्ष्ट F विसालि-विमाले D, विसालि G K J, वर्ष्ट F वर्ष्ट F वर्ष्ट F वर्ष्ट F वर्ष्ट F वर्ष्ट F वर्ष F वर्य F वर्ष F वर्ष F वर्ष F वर्ष F वर

पं अवसां-पंका D ह, परीया G, घरी K, परिया J. बांद्-बान C D G, बान ह, बंद K. सुदुबार्सु B J-सुरादु O, सुदबीर्सु D, महदाब ह, सुदबार्सु G, सिन सासन K. आगो्-आर्यु O, आर्यु D G, आगों ह, आगन K. सामो-पार्यु O D, आर्यु G, आय् J, आर्यु S, आर्यु G, आय् G, आय् G, आय् G, आय् G, आय् G, आय् MI मासि मासि -पासि २ B O, गो र D F, गोगों गोसि O, गोगें गो में K सुद्धाव खुटायव ह -सुवि सुदाह ह, स्वायन स्थित C, ख्रीवें सुदाह D, खर्टि स्टायन O, स्वि सुव्याया J, स्वट्ट स्टाई K स्वी-हुडा B, त्यु दृत्ति G, दृद्ध ति C, द

Note-In p vss 69 & 70 precede vs 59.

६० द्वीको-धीचा D K, रक्षत-रुक्त D. बाई-वई वई F, वह G, दरबाव्या-दरबाजि B O G, दरबावा J. सक्ष-सब D G. शुद्रकर-महितु B G G F J, मिंदि D. कीवव-चितु B G G J, कीर्च D. स्वाब-वाबि B G, बांवद D K, जालि J. सागनिसार etD-मागनीसार B D, मार्गसार G, मार्ग्ससर F J, मार्ग्सवार G, मॉर्गनिसार K.

मेल्बर्च बगर रह्या गढ बोभी, खड्यमा तीर लिक्टर ।	
माघव भवाइ कर्ण जा नासी, कांड्र मरह अणबुदेह अ	€ \$
पाडी पांडि कर्ण राउ गाउड, खडी जाइ राजी।	
पाए नवी डाभसी च्चइ, रहीव न पीवइ याची ॥	६२
किस्यां रूपफळ राउ अवधारङ, राजी मनि संदेह ।	
बीलां बोर कहर इंगोरां, माधवनां कळ एह 🛭	ĘĘ
नाठत कर्ण पछड् गढ भेल्बड, भक्ता कीया भंडार ।	
अलूपानि आबी छोडाच्या, वालि तणा खोकर ॥	६४
पहची बात हुई नवि होसइ, अणहरुपुरह मझारि ।	
जीणइ अमि हुंतां देहरासर, बांगि दीयह सिहारि ॥	Ęų
अलुपानि पाटणगढ भेल्यन, पूठइ कस्त्रनं वपाण ।	
अलावदीन पातिसाह केरी, तु वरताबी आण ॥	ĘĘ

ह१ सेक्चर्ड em-मेल्यव қ. मेल्रं B. भेल्रं g. भल्क् D. मेल्यं ह. मेल्ल्डं g. मेल्य्रं ह. सक्का-त्सव ह ह. रहीया G. मक-रण G. राय D. रिणे ह ह. गोढे G. साहामा-सोका G. साहमा D. सामा ह. साम्हा ह. विकृदर-महरि B G ते मिहरि ह मेल्या-सोके B G G S. अगोई ह क्लो-करण G G S. मासी-मासी D. नताती ह. कोक्-को D. तें साथ ड. फल्ड व सरह-मोरे B G G S. वम्मूबर्ट - मासी-हा हि. प्रतिकृद्ध G G ह. वम्दुद D. Note-Folio 3 in ह (from vs G1 iv—vs 86) is missing.

Note--- a MS commences from vs 62.

६२ प्राथी-पारीय छ पांकि-कोट A G, पाणि B, पोलि C, छीड़ूं D J. कर्ण-करण A C G J. राख-रा B G, राय C D J. मादव-नाठो B, नाहाठव J, न्हाठव K. पार्टी-पाणीक C. आह्-आप D, आहं K. नाबी-राणि D J पाए नवी-पाए नेकरी C, पाइ नवी G, पाए J डाक्स्सी -डायसिखाई A, हामकाब ते J. पृथा-पृथि B D J. पुछर तहीय -रही C D G J K. च-वुं D, विश्वा-पीठ A B G J. पीछे , मुण्यी-पांणी A D S

६६ किस्ता-किसा A K, किशा D, कस्मां G, किसां J. कप-स्त्र B J, रुत्र G. सक्त-कर्त्रा D. राज्ञ-राव O, राद o K. स्वय शास्त्र-उपारि B J, अवभाद O, उपार D, उपारद G. रावनि-राजी A D J, राजीव O, संवेद्द-स्वेद J. बीको-सीडी G J, बीज K. बोर-बोरि O कहर-व्यद A, करण B, अदि O J, अन D. हेर्नोटो-दिनिर्दे B, होगे O, हमोरा G, हैरोरा J, हेगोरा K. साथववनी साथव A, साभवता D K.

६४ माठड नाढु B C. कर्म-नरण B C G J. पण्डर्-पिक्ष B C G. सेस्पर्ज-मेलिड A D G J, सेल्यु B, सेल्यु C. प्रतिक्र प्रतिक्र

६५ पृश्वची-पृहतीय B. बाता .G. हुई-हुह G, त हुई J. कबि-न DIJ. होस्तह-होसी B DJ, हुसिह B, कहीह होसि G, होस्तर B, क्याहकपुरह-व्यविक्षपुर J. कालावपुर B, कालावपुर C D G, कालहिकपुर J. बीमाइ-कोल B D, जीवि C J, केतह G, जीवे K. कालि-काल D J. हुंत्रले eno-हुंतर A, हतां B C G, हेंद्र D J, हुतां K. वेहरासर देरासर A K बॉबि-बाता B C D G. दीबाइ-बीह A B D G J, हेई C. सिक्कार-किकार D, केतार C D, केतार C D, केतार C J, केतार C J, केतार C D, क

६६ मब्बुपाल - अद्भार्तान DGJ, अद्भान K. श्रेश्मव – मेलिज A, जीपु B, श्रीठलं D, दिल्ल D, श्रीठल GJ. चृक्ष-पृष्ठि A DJ, पृष्ठि C, पोर्टे B, पण्य G कशार्ट- स्त्रह. A, कर्रे B D, सर्व C, स्त्रीर G J. ब्राह्मस-स्थाग DJK. पातिसाह eID-पातिसाहा K, पातसाह A DGJK. तिहां C, प्र G, तब K. बरताली –ताती C. आग—आग A DGJK.

भणी कटक उपक्यां असाउलि, गढ मांहि मेल्हिनं धाणाउं	1
गूजराति मांहि गडअडर, तहीय लगर तुरकाणवं ॥	६७
आसाउछि भुछकूं पंभाइति, सूरति नइ रानेर ।	
बीजां नगर केतलां कहियइ, कांपइ बांपानेर ॥	٩ć
तडीयां नगर सबे धंधोस्यां, दीठां सायरपूर ।	
सोनां रूपां अनइ सावटू, काचां छीयां कपूर ॥	६९
मारइ देस, फिरइ घण फोजइ, अनइ छ्स्यह धान ।	
वालइ ठोरधार सपराणा, माणस झालइ बान ॥	90
गूजराति मांहि तापति की घी, सहूय समेटी लीधरं।	
वाजी सान वान सोमईया भणी पीआणउं दीघरं॥	७१

६७ अभी-भागी 0, वर्ज J. करक्यां—कसीयां A, करक्यां B सताविल-असाविति A, साहण K. साहित्स्य साहि A, साही G, साही J मेसिबुं--मेबबुं D, मेबबुं G, मेबुं G, मेबुं

६८ बासाबालि-असाजिल BCDGJ, आसेरनह K शुकक् पुलक्द A, शुककु OG, शुककुं J, भोलको K. बंबाइवि-अंभूब्द A, पंभायत OJ, पंभायत D, पंभारत K. स्रति em-अंगहत A, झरति BDG, स्रत OJK. ब्रम्-...A, नि BOGJ, नर्द D रातर-रनिर AJ. बीजा-बीजा D, जीखा J केसको-केती संक्षा J. किहबाह em-कहिबे K, कहिद ABOGJ, कहिदे D. कांगह-संरद A, वंदि BJ, कांगि O. क्षायतिर-कांग्रेस A. चौपानवर D. चौपानेर GJ.

६९ तडीवां-तडीजा B G J, तथीया D. पंजोस्था-धेगोला B D, धेगोलियां J. दीहां-धैठा G E. सावरद्दर-तायद्द E. सोनां रूपां-सोना रूपा B, सोना रूपा D, तोनो रूपा J, सोना रूपा E. बनवू-अनि B C, नई D, तद G, रहा J. सावदू-चायद D G. कालो ठीवां-क्योदिया B, काचा ठीया C, काच ठीया D, कांची ठीयां G, काचा ठीया C, काच ठीया D, कांची ठीयां G, ताची ठिया E. Note-In D vss 69, 70 precede vs 59, the vs order being 58, 69, 70, 59.

्ध भारत् -मारि B C G J. देस-देश J. फिराट्ट -फिरी B J, फरि C D G. खल्य-रण C. फोजब्ट-फोजदे A G, फोजे B J, फोजे D, खेल G. कनड्-कांन B C J, अनहं D G. खुल्यह् CD-न्दुस्सं E, दुस्ताह A C, खुद्धापि B G, खुराय D, स्टंताह J. धान-धान C D J K. खाजड्-वांति B, वांकि G J, साजि C. फोर-वोंज C. धार-वाह A, चेर B, बोर G, बोर J, राई G, यार I, (ल), आदिहं K. सपराणा-परारांजा A G K, सपरांजो D. साण्या-असी J. झाजड्-सांति B G, झालां G, सांहि J. बाल B C-वांत A D G K, बोसी J.

98 मुक्यति-मूदरात a b J, वुजराति K. माँहि-माहि AG K. वापति कीची-जान बरतावी A, तवत न कीची a. सहुच-सह pop a JK. iqr in J leads : इस रतन वादि किचेयां, समेदी-वाचेतें 0, सांसदी D 9, कीचेंदी, प्रति कीचेंदी, कोचेंदी चार कीचेंदी, प्रति कीचेंदी, प्रति कीचेंदी, प्रति कीचेंदी, कीचेंदी, प्रति कीचेंदित, प्र

सोरठ मांहि मेगलपुर महूजा, वर्ली ऊना नंइ दाख । पडी हाक नीसाण असुक्या, लोक वहोदिसि नाठा ॥	હર
राषद्र जीव दीव मांहि पहता, वरतद्र हालकलोल । तुरकां पासि दैव म म पाडिस, विर घाले ब्रहवोल ॥	७३
हुई हाक कोलाहल सुणीइ, दीसइ घूम विकराल। पडड़ बूंबरिण काहल वाजड़, जाणे कोप्यव काल।।	ଜଃ
षारिक द्वाष नालीयर नीलां, फोफल अनइ षिजूरां। वारू वाड सेलडी केरा, वाडीनां केलिइरां॥	<b>૭</b> ૫
आदां सुरण नइ पींडाऌ, वढी पोसातां पान । कटक मांहि जु ताषति आवइ, कोइ न षाइ घान ॥	<b>ভ</b>

धर माहि-माहि G, मां J. मेराकपुर-मेकगपुर BG K, गूंगल O, सवगलपुर D, महिराकपुर J. मह्मा-महाग BD, परवरीया O. कमा-मोरि IO, उना D, जेता J, कर्ता K. मह्म-ति BD G J,...O, वाचा-नाठा O, बीठा G, काठा J, बीठा K. पढी-पाडी D. तीसाव-नीतांग DG आयुरक्या-अस्पक्त ▲ O, स्युरक्या G. सुवीक्तिल-वेहरीयि BO, रहस्ति D, दरस्ति G, सुदुर्शि J, दहेरस्त K. काठा-नीठा K, महाठा J.

**७३ रावक् A** G K—राषि B D J, राष्पा O श्रीव—जिन D. ग्रीव—वेन B. माहि—माहि A G K. पढ्डा— पिंठा B, पिता O, पयंठा D G. बरवाह—गरित B B, परित ट O, करता J. हाकककोक—हालकालेल A B O, हाककालेल J, हालकीलेल K सुरको—गुरक B J, तरक D पासि—विस O, पांसि K. देव—वेन B K. स.स.— स B O D G, तुंस J. पाकिसि—पादिस A, पांदे B, पांदेसि O G, पांक्सि D J. बरि—वंगरि O, वर K. बाले— वाते G. सूर्वकोक—पृक्षितोक B, सूर्वलिंठ O.

७% हुई हाक-हुद हाक A, हईआवक B, हीया प्रणि D, हद विषे G, हदेवा प्रणि J. धुणीह-वरतिव G, स्प्रीह G, धुणीई E. दीलाइ-रीवर्ड A, फीस B C G, प्रण विकासक—धू विकरात A, भूम वरात B, प्रण विरात D, प्रम विरात D, प्रम विरात J, प्रणा विरात ट, प्रण विकरात E. पक्दू-पारि B J, पढि C G, परे E, धूंचरियकृष्ट्रपत B G J, वृत्रपा D G, दुंवरिय E. साजह-वाजि B D, विज्ञ J, जाये-जाये A G J. कोज्याद emकृष्ट्रपत B G J, वृत्रपा D G, दुंवरिय E, कोजीय G E, Note-D transposes ii and iv qrs;
the order of qrs being i iv iii ii.

अन्य चारिक-वारिक B, वारक o D, वारिक G. नास्त्रीवर-नास्त्रेयर A, नास्त्रिकर B, नास्त्रेयर O, नास्त्र-कार G. बलबू-नि B G J. पांन o, नह D. कियूर्रा-वृत्यर A, प्रव्यूरा B, वीजोर्रा O D G J. बाक्र-वाह G, नास्त्र स. बाव-वाहा D, नास्त्र स. केरा-केरां G R. बाहीवर्ग-वांधी A, वाखी माहि B, वासीह o, वासीवर p, वासीवर D, केर्यूर्य G, वाहीवर D, केर्यूर्य G, वाहीवर D, केर्यूर्य प्रवास केरा B, नास्त्रिकर D, केर्यूर्य G, केर्य G, केर्यूर्य G, केर्यूर्य G, केर्यूर्य G, केर्य G, केर्यूर्य G, केर्यूर्य G, केर्यूर्य G, केर्यूर्य G, केर्य G,

सोडड माहि सह को नाठडं, अस्त्र देस लूसाइ । माजड् नगर असंग आगिकां, साडड़ कोड़ न याह ग	७७
कीषढं सूत्र क्रस्डीयां साहण, वण नीसाण वजान्यां । भांजी देस देवकह पाटीण, दल देवंत्वं आन्यां ॥	૭૮
नगरिनवेसि बारमङ् दीघी, नवा सिराचा सम्या । घोडा तणी पायमङ् दीघी, तरूअरि मयगल बंभ्या ॥	৩९
दीभी कोलि हुउ गढरोहउ, कीभर्ड घणउं पराण । नगर मांहि पोसाता पायक, तेह न मुंकइ माण ॥	٥٥
आबी पाद्रि सहंफलनं मांख्यनं, लीधा चनपट घाउ । सोरठीया राउत सपराणा, न दीह पाछा पाउ ॥	८१

७७ असेश्व-माहि A G K. सङ्ग-चहुर 6. को-सेर् K नारतं-नार्हे B, नार्ड 0, नार्त् D I, नाहार्द्र J, मारत K. भक्का-मरिपा A, मरित D I खताइ-स्सार्द र आवड्-आजि B C, आगाद D, आणि B, मक्का बर्मात नम्पर देव D I, अर्थन नगर J बार्गिका-आगिला A, अगासा B, आगात Q, आगलीया D, अगिला G, ब्राव्यनीमा I, बारह-नार्दि B G J, आरो C, आंद्र D, आरत K, साह-नार्य स, पार्ट D K.

ध्धं कीष्यं कीर्ष् ह ग्र कीर्ष् त झ, कीर्ष त झ, क्व त हच व ट र , सूत्र स् क्व त , क्व त , क्व त , क्क त . क्यक्वां - क्यक्वां स्वावीयां में त , क्यक्वां स च्या-कटकिं म, चल व त , चल त , चल त , चल त , स्वावीयां म त व त , चल त

अर विवेसि-विवेर्त के तिवेस के कि तवेस के तिवेस के तवेस के विवेद के सामक वायद के 13 बारिन के नवेसी अ नवा-आंजी नवा सामान A, प्रगा कि तिराया—शरावा के अ तरावा कि कि करवा- A वो बा-वेसों के के कि पावनाइ—पाइति के व, पाइनाइ स, पायति अ, बारिन के वीची—कीनी के कि उत्तवसि-तत्व्यि के के तरुवित्व की तल्कति अ, तरुवर स. स्वाबक-नेगल के, इनेवर अ, महानक स थे-वा-वेसा व, यूच्या 13, वेच्या अ, वर्षा तरुवति अ, तरुवर स. स्वाबक-नेगल के, इनेवर अ, महानक स थे-वा-वेसा व, यूच्या 13, वेच्या 3, वर्षाया इ.

८० दीनी-पीर्यय B. पोलि-पर्यति स. हुन होत G, हकता J. महरोहब-महरोहु B O D G, महरोहा J. क्षीवर्ड-कीर्यु म J, कीर्यु O D सर, कीर्यु O L क्याने न्यायु B D J, च्यु O E, च्यू G. बरावा परीसांग D, पर्याय O G E J. साहि-साहि A G, सा D. पोसारा-पीसता K. पावक-पायम G. तेह न-ते निवि A E. सुंबह-मुक्ति B O J, युक्ति G, सुंबह स. साल-साग D, साग G J E

८९ बाबी-बाबि 0. बाबि-पिर D सांक्षकार्व em-साइकार्य A, स्पेक्त्रं घ, सीकर्त्व 0, सिर्म्यकारे D, साइब्र्य 6, सिर्म्यकार म. साइब्र्य em-साइब्र्य ह, साइब्र्य म. साइब्र्य क्ष्मिन्त्रं ह, सिर्म्य के साइब्र्य क्ष्मिन्त्रं के अध्यक्त के स्वयंग्य-सुद्ध B D G J, वउपरि क्ष्म साइब्र्य साय D D A क्ष्मिन्त्रं के साइब्र्य साइब्र्

वाका बाजा जनह चेठूजा, चूबासमा नेकावह । असवतिसेनसमह फळटीयां, उपरि चांपी आवह ॥	æ
कटक मांहि हाथी पापरीया, पटा दंतूसकि घास्या । बीटिजं नगर तुरी हणहणीया, पोक्ति पाधरा चाल्या	II 63
पादि शिका उत्तरीया राषत, कांई न कांधर काम । दीची पोकि फारकि वडीया, म्हेक्ट मेल्झर माग ॥	
असण ऊख्यां होल प्रस्क्या, घरहर घरणी कांपी कक्षुं पराण ऊडम्या हायी, तुरक चन्या गढ चांपी	
वरती भेल देवकड् पाटणि, पाड्या पोलि पगार । नगर मांहि जु लंका लूसड्, पान तणा असवार ॥	۷۹

८२ बाका बाजा बनह जेडूबा-नाजि वाजां अनि जुद्ध हुयां छ, वाल्या वाज अनि जेडूबा 0, वाका बाक्स अन्द लेडूबा D, वाला वाजा अनि जेडूबा 0, वाला वाचा नि जेडूबा J, वाली वाय तुरक तुरंगम K. च्यावका मेकाबद -जुद्ध र र्यूबा मेलावि B, आव्या समि मेलावि 0, च्यावसा छे आव्य D I, चुद्राचया मेलावि G, च्यावसा नेलावि J, सवक देन तिहां थाया K. बावपि अन्यपित C. खुमाह A K-तपुत्र B O D G, समूह J. कब्बीबों-कल्टीडें В J, कल्टीडें C D, कल्टड G, कल्टिला K. कपपि -जपि K. चपि -चपि छ, चोप्प C , वापि J, बावष्ट टा -जावि J, वापा K.

८३ साहि-साहि A F G E. पापरीया-पापरीका G J E. देव्हलेड-नंदछल G E. बाल्या-धाच्यां J. सीटिड-नीटील A, तीर्जु B, नीटर्ज D, नीटर्ज B, चीट्रो E. नमर-नगर C. द्वारी इणाइकीया-पापरी दुरीबा B, तरी इणाचीय B, दुरी हणाइकीया G. पोलि-पोकिंद D, पोलि G. पाचरा-पाघर E. वाक्या-चालिजा E. Note: = Es commences from vs 88 b

८४ पादि किछा-पादकों A, पाद क्का BOG, पाद क्की D, पादि क्का E. कसरीवा-कसरिता A, कसरीवा B, सस्ता (), उसरीवा G, उसरिया J E. राजव-रास्त J E. कोई-सिई G, कोई D E, काई G, काइट-काधु B O D G J. कारकि eD-कारकी B O D E, कारकी A, कारक G, केरकी J, कारके E. क्यीवा-क्यीवा A G, क्यीवा B, वर्षोवा O, वर्षिया E. स्केक्ट-क्योका A, केळ B, सकेळ O, सकेळ D, स्केळ E, सेळ G, स्केक्ळ J. केंद्रवा-नीलेंट A, नेस्ट B, नेस्टिंट O B J, सहस्वाती D, नेस्ट्यु G. आता-पात O.

८५ बहाब-बारा B, कार्स्ट C, कटक D J, कार्सा B, आस्त्रि E. कार्कवां-वात्तर A, कार्यो B G, कार्यो B G,

८६ वरदी-करतो ७. सेक-शीकि ह, तेकि ०६ र. वेकक्ट्-चेवकि छ ०६ र. वाकवा-पाणीया ৯, पाणी ३, पाणि ०, पर्वार र. पर्वार-पाणार ৯. माहि-माहि ४ छ ८. सु-नो ०, प्र. p, वर छ,...र. कंका-मोदां छ. सहस्य-सहस्र ४ D र, प्रति छ ०६, सहस्र ह. पाल-पांच छ D छ ए र ह. कस्त-तपां छ.

देव तंजह भासादि चिट्टं दिसि राष्ट्रति दीया हाथ । करी समीन वरी सिरि तुल्सी, सरण कसल सोमनाथ ॥	60
देव तमा महबह चहराती, तेह पटाड बाह । बाजी हाक उदस्या हाथी, साध्या चडपट घाइ ॥	66
रणि वाडला दोट ऊछीना, वालति साहमा चाल्या। करकटीया हबसी पात्रले केरी कुंडह घाल्या।	८९
रोसाला राउत रिण सुंख्या, नषी नाए फतास्वर । अनस्थ क्यांड मूळ चे द्वंतर माधव मुहतर मास्वर ॥	۹.
किम गोहर सांई दिवराह, भंगि एतली आहि। मारी म्लेक मांकडा मुंगल, पछइ पक्या रिण माहि॥	98

८७ म мs commences again from vs 87 तण्य-तणा A, तमि B C G J, तण्य K, प्रासादि-भारास A, प्रसादि C, प्रासादि E, सादि K चिट्ठ सिंद AB J K-चिट्ठ परि O, चिट्ठ परि D, स्विच्च परि D, स्विच्च परि D, स्विच्च परि D, स्विच्च परि D मा त्रि इसे E, चिट्ठ परि P, चिट्च परि AD J, राजत D, स्विच-चिट्ठ D मा में प्रदेश परि च स्विच परि च स्वच पर च स्वच परि च स्वच पर च स्वच परि च स्व

८८ तणा-दांत 0, तणे 0 J. सवबह em-मव्यो A B O F, सवबह p, सब्बे ह, सुब्बह o, संबंधि उ, सब्बा K. चडरसी-चुराबी B O D B F G J. तोह-तेहू A E g, तोहे त, तिहां J, ते K. चडाड-प्यक्तिः A O, प्रस्ता B D F, त्यसा B, रण्यात G, उपर स्वा K. चाह-पाव A, हाप O K, चाहे D, चांई ह, सावी-पागी J, हास-वाह G. व्हस्था-उब्या A B O D R G J K सावया-आध्य K चडपट-चउपरि A, चुन्ह B O D B F G J. साह-पाव A J, याद O D F G, माहं ह, हाप K.

्र रिकि-एग G, रिवि ४. बाडका-एउत A, राज्य ४. दोट-देवि A, दोटि छ, डोट О छ ४. क्रिकि-एग उड़ी राज्य छ , बाकर छ ,

्रक राजव-पास्त 0, राज्य है, राज्य राज्य राज्य राज्य (२० स्थि-रिय A.K. ब्रिक्शा—र्यूक्स A, स्थ्या है, द्वक्या है, स्थ्या है, स्था है, जिहे छे गाइ-गाई है, कारावाड-कारावा के, स्वताबड-कारावा कारावा के, स्वताबड-कारावा के, स्व

वे वर् नहीं न्यान नर् बीरन्ति, क्यह कालि बैक्टिन ।	
सोमतायनी चाडि मरंता, वे प्रहुता सुरकोकि ॥	९२
पडी मेल प्रासाद देवनइ, भांगां कूंची तालां।	
इल्डल करी पोलि मांहि पड्डा, लीयां डोल फंसालां ॥	९३
ईडे जन्म असर मारहिटा, बेगि वायरह माण ।	
पासा तणी पूतली भाजह, भूमि पढह पाहाण ॥	९४
सांधिइ सांधि जूजूई कीघी, थर पाडेवा लागा।	
उत्परि थिका हाथीया घोडा, घण तणे घाए भागा ॥	९५
प्रतर्थ सांनि लानि लोहडानी, प्राण करेवा कागह ।	
इकहरू करी बिहुं पनि विख्यह, मोटी मूरति मांगह।।	९६

९२ जे-बे A. वद-पिट ह, फल J. नहीं-हुइ 0, नहीं हुया D, नहीं हु 0 J E. ज्यान सह-यान सह A दान कि B C G, बंगा नह D, याननहं ह, यागि नह ह, अठसठे J. तीत्थि-तीत्थ A B C D है, हीत्थी ह, तीत्यह G, बच्चा-थो A D G, वणि B, चना O, हेन J. शुलि-यान C E, दोन D, दानि G, त्तन J. शैकोबिट-सेवोसिय B, त्रीलोकि D G, वे मुँठि J, त्रिलोकि E. बाबि-वार्डि B, चाबिई D, चाब्ह ह, वाब्ह है स्तर्वा-स्त्रीता A, सत्ता B C D, सत्ता E G, ोंं। प्रा II J. देवकार्य देह एय. ते युहुवा-ते A, ते पोहोता ह, ते युह्ता C D G, तेद पुतना प्र,युहुता ते J, ते युहता K. सुख्लोबिट-युरलोके A, प्रत्लोक ह, स्तर्लोक G, नीक्ष ह, न

• १ वर्षा-प्यांत्र म. लेक-मीकि B. लेकि C J. मालाव-प्रासारि C B. प्राचाद स. वेक्क्यू-वैदनई A D B. वेदानि B C G J. श्रांता-मानां B C D B G. लागा J. क्षेत्री-कृती B K. कुंबी O D J. लेख G. साका-ताला D F J. इक्क्यूक-इक्क्ष A. इल ९ O D B K. करी-करी D. की G. लांकि-माहि A F. साक्षिद B. माति G. वृद्ध-वित्र B C G. प्राची D. कीवां -लीवा A D J. लगा B. लीवां F. लीवां B. किसा में लीवां A D J. लगा B. लीवां F. लीवां G. कोवां के किसा में लीवां A D J. लगा B. लीवां F. लीवां G. कोवां के किसा में लीवां C D J. केवां के F.

६५ हैंडे-...A, हींडि ३, इंट ८३, हेंडि ८३, हेंडि ८३ हेंडि १९ इंडे ८. चकार-चर्ममा A, चर्चा ८, चाहुच-महा ८ कारहवार अस्ति १८ कारहवार ८ कारहवार ४ की क्यांचित ४ की क्यांचित ४ की की की की वाद्या नावार के ८० ८३ वाण-चाण ८०, चर्चा ३, इंड १९ ४१ चर्च ८ ६. पासा-मासाद ८, पास ०, पासा ३, चांचाइ ८०, भांचाई ४. च्यांचा ४. च्यांचा ५०, मामा ३, भांचाइ ८, भांचाई ४. च्यांचा ४, मामा ४, मामा

९५ संबिद्ध संबि-साबिद्ध साथि A, संबि संबि B J, संबि २ C E, साथि २ D, संबिद्ध साबि अ, सीचि साथि प्र G, बुद्ध है-जुद्ध दें, जुद्ध है. सर-सरक E, यांत्रस-पारवा D, विका-क्सं A प्र, बक्त G E, कसा G, हासीबा बोद्या-दार्थीया योगं A, ते थोग हासी O, जे हाथी थोग D J, हायीका केश प्र, हासीबा भोग G, हासी ने योगा E. पण-व्याह F E, स्वी-त्यां प्र, तिव E, बायू-वाह A E F D, वायू D, पाए J,

पेन्नी प्रवाद-सरित 3 0 3, सर्ती 0, राजि परतर p, प्रराह तानी x, कांनि-सराव x, कांनी-आर्थ d, ... p 5, जांनि 3, सच्छ 3. कोश्वामी-नेवानी 0 3, कोश्वामी 6, कोश्वो x, प्रावम-शंच 0 8 3, जांनी 2, प्राव 4, कोर्या 4 3-लागी 3 0, कांन्य 5, कांग्य 4 3, कांग्य 4 3-लागी 3 0, कांन्य 5, कांग्य 4 3, कांग्य 4 3-लागी 3 0, कांन्य 5, कांग्य 5, कांग्य 5, कांग्य 4 3, कांग्य 5, कांग्य 5,

विकर्ष वात वरतेवा छागी, कछितुम करह विछास । हववी तणउं पीठ मेस्हीनह, देव गया कविछास ॥	<b>ę</b> ७
अख्नानि पहतुं फुरमायूं, मढ रहाबर स्नर । ढीली भणी भूत चलावर, तिहां करेस्युं चूनर ॥	९८
हाला अथा यूत चलावड, तहा करन्तु चूनड । छोहरह जडी फरक नह रहिकल, वली जणाव्यां गाडां सोमनायनचं लिंग चढाव्यउं, आणी उडम्यां आडी ॥	**
काला भूंछ तेबीया भोई, गाढे लिंग चडाव्यरं । आगलि घणी जोतरी त्रीयल, ढीली भणी चलाव्यरं ॥	१००

५७ विक्यू-विक्य 6, विसं .. बरतेवा - बरतका O B 60 J ह, वरिता म . किस्तुग-वृत्तसुग 0 D, कास्तुगी 3, क्यूय-विस् B 61, व्रतिक 6, कास्तु - क्यूय-व्यक्ति कार्य करित कर विकास - विकास 6, क्यूयरी - प्रश्नी D B 7, क्यूयरी - प्रश्नी D 80 ते क्यूयरी-व्यक्ति कि 0 टी, व्यक्ति कि 10 टी, व्यक्ति

्८ श्रम्भानि - मञ्जानि D J, अञ्चलि है, अञ्चलकानि P, अञ्चलि G K. पृहर्षु - पृहर्ष A E, पृहर्षु B J, पृहर्ष P. फुरसार्थु - फुरसार्थ्य - फुरसार्थु - फुरसार्थ्यु - फुरसार्थु - फुरसार्थ्यु - फुरसार्थु - फुरसार्थ्यु - फुरसार्थ्य - फुरसार्थ्यु - फुरसार्यु - फुरसार्यु - फुरसार्यु - फुरसार्यु - फुरसार्थ्यु - फुरसार्थ्यु - फुरसार्थ्यु - फुरसार्थ्यु - फुरसार्थ्यु - फुरसार्थ्यु - फुरसार्यु - फुरसार्यु - फुरसार्यु - फुरसार्यु - फुरसार्थ्यु - फुरसार्यु - फुरसार्

९९ कोब्रब्द-लोब्र्ड A, जोब्र्डा B, लोब्रे O, लोब्रे B, लोब्र्ड G J. जबी-ताणी B, लोब्र्ड G, जब्बा K, काइन्द्र A, इस्ट्र D, इस्ट्र D, इस्ट्र B, स्वाच्य के प्रतिकृत त्या, व्याद्धकी D, तर्न रहकत E, वकी-त्वी D. कावाच्यां काता ते, अलाखा O F J, अलाख D J, आलाब्यां E, सावां-नावा O D F, गांवां O. सोसलाव्यार्व-नोमनाच्ये B O D F G, सोसलाव E, सोसलाव्यार्व-J, तोसलाव्या-क्ष B, किना-प्येग O. ब्याव्यार्व- DH-प्याव्यार्व- कात्यां B D F G, सोसलाव D F, व्याव्यां O F, व्याव्यां D F, व्याव्यां O J, व्याव्यायं S E वाली-लोशी B D J, लांवि K. क्रव्यां—कात्यां A, देवा B, क्रव्यां D F, व्याव्यां O J, व्याव्यायं S E वाली-लोशी B D J, लांवि K. क्रव्यां—कात्यां A, देवा B, क्रव्यां D F, व्याव्यां O J, व्याव्यायं S E, बाली-लोशी B D J, लांवि K.

६०० काका-माल प्र. चूंक-भूक 0 प त, भूत 1, भीच प्र. तेवीचा ओई-तेवीका ओई 3 प्र. ओई तेवाच्या त, तेवीका ओई 0, तेवीका ओई 7. चार्ड-माने 8, गांवे तेवाच्या त, तेवीका ओई 0, तावेड-माने 8, गांवे तेवाच्या त, वावाच्या र माने का प्रतास्त्र के प्रचारका ठ, कारण प्र. माने का प्रचारका ठ, कारण प्र. माने का प्रचारका ठ, कारण त, वावाच्य र माने का प्रचारका ठ, वावाच्य र माने का प्रचारका ठ, वावाच्य त वावाच्य र माने का प्रचारका ठ, वावाच्य ठ, वावाच्य

जागह रुद्ध धणह कोपानिक, दैस्य सबे तहं बास्या । १०१ तहं पृथ्वी सांहि पुण्य वरताच्यां, वेषजोक सब दास्या ॥ १०१ तहं बास्थि काम विदुर विष्यंतिक, पवनवेगि जिस तृत्व । पद्मताभ पृक्ष सोसहंया, केष्ट्रं कस्यतं त्रिस्त ॥ १०२ बास्यां गाम देस उजाब्या, घणां नगर विष्यंत्यां ॥ १०२ साहिया जोक वंभ नह बालक, नारी वर्ण जदार । साहिया जोक वंभ नह बालक, नारी वर्ण जदार । १०४ बंदीबातुं साथि बलाव्यं, तुरक कह्या तसलीम । वाजी सान पान जतरीड सोरठीयानी सीम ॥ १०५-

१० ६ बागब्र-जागि BOG J. राष्ट्र-राहि A.F. रहिउ O, रीह D, रोहि J. वणब्र-जाग BGJ, क्युं O, क्युं E. कोपालक्षि-कोपालक D, कोपालक G. दैस्य-देत E.E. सक्षे-स्त A, शवे F. ताई-ताइ A.F.K, से B.J, ति O.J. तिई D, तिइ G. वादबाा-चालक B. ताई-ताइ A.F.K, ति B.J,...O, तिई D, तिइ G. क्यां E. प्रत्यों B. माबिट-माहि A.E.F.G. स. पुण्य-पुष्य A, पुण्य G.E. व्यावाध्यों—ताती B. व. राताव्या O, दातालिंड D. B, वरताल्या F. वेबकोक्ति—दैतकोक D, देवलोक G. सथ-अह K. दाव्या-वानियां A.

्रेट्ट क्ष्रं-तह A F K, तिं B G, ति D G J, बालिज - बाल्य B F, बलल D, बालि J, बाल शियुर- शियुर काम A, बाल शियुर D, कंत शियुर E, बालि शियुर J, बिध्यंसिट-विश्वंद्व B, विश्वंस्य B, विश्वंस्

दै० हे बाक्बो- बाल्या Å, बाजां D, बाला F, व्यत्या K. गाम बेस-नेस नगर Å, गोम देस D G, नगर गांध ह, गाम नगर देस F, गांम देस J. कमाख्या—कवारीना Å, कमाखित C D D, कमाख्या F, वर्ज्याख्या J, वर्ज्याख्या Å, वर्ज्याख्या Å, विश्वीखां ने विश्वीखां में किए कमाज्या Å, विश्वीखां ने विश्वीखां में किए कमाज्या Å, विश्वीखां में किए कमाज्या के किए कमाज्या के किए किए कमाज्या के किए किए कमाज्या के किए कमाज्या किए

१०% साहिष्या-साहिष्या A, साह्या B F J K, साह्यां O D, साहाला G. कोक-यांन C. यंक-यस G. सह-मि B G J, नई B. बारकक-यादिक J. वर्ण-तरण B O D. साझे-याध B, साधि F G, साथे K. हाकरां-हाकर O, हाकरें B, हाकरा J, सांच्यां J. कीकां-यांच्यां F, हाकर J. वाल-यांन A O G K, यांच B, यंदि J. काब्युक-मासि B G J, पाद-याल A.

६०५ केरीबाई-बंधीबाई A, वंधीबांत् D, वंधीबांत टंड, वंधीबांत टंड, वंधीबां टंड, वंधीबांत टंड, साधि-साथ K. चंडाचुं-चळाविटं OD B, चळावं ट, चळावं O, चळाव्यं ट, चळाव्यं स. तुरक-तुरके O, तरकं E J, दुरक O. कका-कटा G, कलां K. वंडाकीस-संस्थीमा D. सास-सांच A B G J K. बाय-बांच A D B G J K. बाय B. स्वारीड-अतरीया A B, अतरीया ट, अतरीया ड K. सोस्टीबासी-सोस्टीकार्या वाह बाह बेढि व्य बाह्यह, तेह घति ब्यूं करीह ।
तिक्षि परि तुरक सरवक्षा आवह, कहत किहां करिया ॥ १०६
यूनव गढ गिरनार बुलीत, काछ तनी भूदं कारी ।
कांचनेहडी अनह परकर, उद्दूं बरहर कांपि ॥ १०६
अल्ड्यानि आपणपूं दीटर्ज, कींघत गर्व अपार ।
वाट पाधरी मारू बांका, नावह चींति उनार ॥ १०८
आगाइ पातिसाइ अवगणीत, कान्हित वाट न आपी ।
ते रोस हीया मांहि आणी, छेस्यूं सोनगिरि बांपी ॥ १०९

६०७ ब्रुवर-चाइ BODFGJ, ज्वाड इ. जुनड इ. मिस्तार-गिरनारि AJ, गिरिनार Dइ. गरिनारि ८. दुर्कीय-वाकीय 0, तेर्चुद्र 0, वयकिषद स. काइ-च्छ छ इ. साच DI, इस्ती J. सूर्य-पुर A, मुझे ह, भूमि 0, औं DJ, भूद्र इ.स. कांपरी-चिंपि इ. चांपर Dह, वंदर ह, वांपी इ. कांपरीवारी . स्वाच्या माहेती A, कंपरीव गिद्ध गि. कांपरावि D, कांपरीवारी . स्वाच्या माहेती A, कंपरीव गिद्ध गि. कांपरीवारी . स्वाच्या माहेती अ, कंपरीव गिद्ध गि. कांपरीवारी . स्वाच्या माहेती अ, कांपरीवारी चींपरी कांपरीवारी माहेती अ, कंपरीवारी माहेती अ, कंपरीवारी माहेती के स्वाच्या कांपरीवारी के स्वाच्या कांपरीवारी के स्वाच्या कांपरीवारी के स्वाच्या कांपरीवारी के स्वच्या कांपरीवारी कांपरीवारी के स्वच्या कांपरीवारी के स्वच्या कांपरीवारी के स्वच्या कांपरीवारी कांपरीवारी कांपरीवारी के स्वच्या कांपरीवारी के स्वच्या कांपरीवारी के स्वच्या कांपरीवारी कांपरीवारी

१०८ बद्यापालि-माद्यानि A, अस्त्यांन B G K, अनुसांन D, अस्त्यांन E, अस्त्रमानि F, अस्

है ०९ बागब्र-आंगह A, आगि B G J, आगि एक O, पालिसाब्र-पालसाह A O D F, पालसाह B J, पालसाह B J, पालसाह G M कारणीव - अवपूर्णीव B O F J, व्यवस्थित E. कारणीव बाट - संस्कृति के D. A. के स्वेद D F J, पोलस्वाद B, पाट अंदनन के D, काहोज व बाट O, कांन्द्र बाट A, ब्राह्म के B, पाट अंदनन के D, काहोज व बाट O, कांन्द्र का E, व ब्राह्म C, की B, के से B F B E, अंदी D E, कालीक B D E, कालीक B G J, के से C, कि D, के R E, कालीक B D, को से C, के R E, को R E, को से C, के R E, को R E, को से C, के R E, को R E, को से C, के R E, को R E, को से C, के R E, को R E, को

अस्पनि एश्र्रं तवि जार्ग्यं, जे शर्वेत्स्य पार ।	
दरि दरि नवि गोह प्रगटहं, किहां नीसरह साप श	880
तीन्हा तेबी तुरक तारवह, बिरद आपणां बोछह ।	
बरमां बोल नीसाण अस्कड़, हगमग डूंगर डोल्ड् 🛭	१११
मारूआदि मांहि कटक पुहुतां, मली जाइगइ छीची।	
महल माँद्वि बहसीनइ मोटे मलिकि मस्रति कीघी ॥	११२
करी मंत्र बालहर कान्हर भणी प्रधान चलाम्यन ।	
इसुं कहान्युं - मांटी थाजे, अलूपान गढि आच्या ॥	११६

१११ तीम्बा-पीना B D a, तीनां B, तीषां J. तेषी-तानी A, तुरी 0 J E, तीर D, तरीय B. तुरक-तरक 0 B, तुरक a. तारबह्-वादरह ए A, तारिव B O D J. विरद्-विदर J. कादणां-कायणी B, आपण् D, बारणा F J E. बोक्ट नीति B O J. बोळहं D, बोळाड् च. बरागां-काया B,0 वरंगां B J, रूराग F, बरागां G, दरानू E. तीसाण-नीतांण D E G, तीतांण K. अञ्चकद्-अग्रदन्ता A, अस्कि B O J, दर्सके D G, अस्कि P. कासमा-टगमण B D E G, विगमिश K. दूंशर-ह्यार F G, इंगर स. क्षेकट्-नोकि B O D O J.

११२ सासकारि—नास्त्राहि ABB, मास्त्राहि OGJ. सांहि—साहि ABPG, मांहि B, ते J. पुहुलां—पहुतां BJ, पुहतां OD, पहुतां B, पहुता P, पहोतां G, पहुता K. जाइगाइ—नाहिन B, जाइगि O, जायगद DP, सायगि J, जाइग G, जादगय K. महरू माहि—मुहोल माहि B, माहोमाहि O, सुदूल माहि D, माहोमाहि B, सादि मुहाल P, नाइल माहि G, महरू मोहि—मुहोल माहि—निवांगि BJ, विचीन ए O, वेदिन ट्रं D, व्यवीन हं D, व्यवीन ट्रं D, सहिमाई B, स्वादी मुहालि P, वियोगि Q, स्वावीन हं K. सोटे—सोटेर P, महिलकि—इसी A, मलिके O, सलकि D, साविक EPK, गालिक G. सन्द्राहि—विमासण A, समति G.

११२ वरी-कार्र D, करीज F, करीय E. लंक-मब्दरित B O F. जाककुर-दारक A, जालहित B J, व्यक्तिर O, करकुरस्यों E, प्रणी F, जालहित G, कालहेर E. करकुरस्यों E, क्रान्ट D, इंड्रेक्ट B E, क्रान्ट के हें कर के कि स्वार्ट के मानित के के

माहरा दल साहबं कुण मांडइ, देपि हमारी वात ।	
आणी मुहिम देस वि जीता, सोरड मह मूजरात ॥	११४
कीधा बंदि भूत मि तेरा, करी सजाई आवे।	
मांटी हुइ तउ घांटु बांघे, सोमनाथ मेहलावे ॥	११५
हैई मेटि कइ मिलवा आवे, कह पुरुषारथ दावे ।	
कइ ताहरूं भळपण जाणीसिइ घर आपणपूं राषे ॥	११६
तिणि दिवसि हुउं सुपनंतर, द्वंतइ प्रगट विहाणइ।	
पधारीयां गंगा नइ गौरी, कान्हडदे इम जाणइ ॥	११७
पूछइ वात - राज कुणि दीघरं ? कान्ह भणइ-ईसानि ।	
गौरी मणह - ताहरण स्वामी तरके महीउ वानि ॥	११८

११५ कीचा-कीचो B F J K, कीजा G. बंदि मृत-भूत वंदि B O D J, बंद मृत K, सि-मह B F K, हेरा-ताहरो B J, तेर्दा E, क्दी-करीय A, स्त्रणाई-सजाह G K, मांटी-मांटी F G हुए  $\pm$  B, हुई E, होह K, उत्त-तु B C E F G J, ट्वे D, बांट-चाट्ट A, पाटी G, पाट्ट D, घांट ट E, घांट ट F K, बांट-ट D, वांचि-वांची B G, बंघे G D, सोमनाथ-सामनाथ F, सेहकाचे-मूकाचे A, छोदाये B J, मुंखये G, मेहलाचे G, मेलावे K.

११६ केंक्र्रे-केट С G K. नेरि-भेट C K. कर्र-कि B C B G J. . K. सिकवा-मलवा O D B, साहयु J, सलांबर K. कर्र-कि B G J. दुक्वारथ-पूर्वारथ D, परवारथ E F G, पुरवारथ K. कर्र-कि B G G J, वार्क्स-साहर्स B, ताहर्स G J K, ताहर्स B, ताहर्स G आणीसिष्ठ C m-नाणेस्ट्र A, जाणीसि B, जाणीसि C D, जाणीसिह C B, जाणीसर P, जाणीसर C, जाणीसर K. बायणप्र्-आण्युं ज A, आप्युं B, आप्युं G D, काणीसि R, जाण्युं K. बायणप्रें क A, आप्युं B, आप्युं G D, काणीसिंह C M, आप्युं G, आप्युं G D, काणीसिंह C M, आप्युं G, आप्युं G. M

१९७ तिमि नतेमि B, तिमि कि 0, तामि D, तीमह x P, तेमी 0, तीमि J, तीमेह K. विचरित—अवसरि A, केसि B, विचरित—अवसरि A, केसि B, विचरित—अवसरि A, केसि B, विचरित—अवसरि A, क्षार्य C, क्षार्य ट, क्षार्य C, क्षार्य च प्रत्य ट, क्षार्य ट, क्षार

चना भणह – काठ अजरासर, अचा विमासन काह ।	
ताहरा देस मांहि सोमईउ, असप्ति लीपइ आह #	११९
एक कर आगइ दैत्यथु रामइ रुद्र मूकाव्यव ।	
नीजी बार बली बैरोचनि भगतिबिशेष जनाञ्चल म	१२०
छीजइ मोर त्रिहं ऊहाणे, जाणइ कान्हहदेख ।	
म म करि जेड वीर - इम बोलड़ गंगा गौरी बेड ॥	१२१
॥ राग रामगिरी ॥	
वे अवजा बोल्ड् इस्यूं जे असुर असंभम कीध।	
चौद लोक स्वामी प्रह्या ते प्राणि पेषंतां लीघ ॥	१२२
विख्वइ वे सती कीजइ कंकण भंग।	
उछड़ नीरि जिम माछली तिम विरह दहइ अम्ह अंग ॥	
विखवइ वे सती ॥	१२३

१९९ गंगा-गौरी ABP, गोरी G अणाह-अणि BCG कठि-ळठढ़ G. बाजरामर-अजरामर G. बाबी-अणि D, हुजी BGJ, विसारण-विसारि BGO, विमारत DK, विमान्त P, विसीरण J. कॉर्स्-जॉह BJ, कॉर्स इ. काइ PG. लाहरा-ताहरा G. देव-देश J मॉहि-माहि ABEP, सा G. सोम्प्रेड-वेब सोमईड B, सोमक्ष G, सोमॉझज K. ख्रीबड़-ऑिपि B, लीपि GGJ, वीपई B. बाब्स-जाई BG, जाइ E.

॥ द्वपद् ॥

१२० r reads as i qr: आगह एक नार दैत्यपुत जागह—जागि B J. O, जागह K. दैकाह—देखे बांच्य A, देखा मिड B, देख ने जीतु O, देखारी D, देने B, देखायु O, देखा मिडी J, दैकास्यु K. समास—प्रीम B o P, रामि D J, रामि B, राम O, रामस कर सुन कर, तो ट D, क्यान्याव—न्हाल्यु B F J, मेहलाब्यु O G, स्ंकायित D B, मुकाय्य K. वस्त्री—लेह E. वेरोजान—पेरान A B O G, वीरोजान D K. अमारिकियेल—पाराविक्षेय B, अमारिकियेल K. आपास्य करी G, अमारिकियेल T, अमारिकियेल K. अमारिकियेल K.

६२२ तम बासनिरी-राग रामगिरि D, राग रंगनिरी ब G J, रामगरी राग ह. वे सबका-भावका वे ह. संकाद-भाविक के, सोक G G J, पोलंड ( ) इस्त्रुं से EUT -दिसर्च ते A, अस्त्रुं त्री के, इस्त्रं हे, अस्तुं के ह, इस्त्रं के, इस्त्रं है, स्वर्द्ध ते G, इस्त्रं ते ह, इस्त्रं है, स्वर्द्ध ते के, इस्त्रं है, स्वर्द्ध ते के, इस्त्रं है, स्वर्द्ध ते हस्त्रं ते हर्ग ते हस्त्रं ते हस्त्

है २६ इपय-...B O D F G, विश्ववद्य-विकास B G, इस निवास C, सिववर्ड D E. से-बिह उ, सैर्स उर सरी-स्था रे.ज. कीमह-सीचे B C G J, सिवाई D, कंकम-स्थान B. वश्युट सीरी-बोबड वार्ड A, डुळ सीर B G, वर्सि नीर G, तक्कमीर B, दुव्हि भीर F, केब्रि नीर J, कब्र्ड नीर स.असक्सी-साम्बास छ F J. क्रिक्ट्र- जि को बंधन छोडवइ खामी तेह पातक छंडर पूठि । वेदवधन अम्हें सांभल्यां तुं कान्हडदे कि ॥ विजवह वे सती ॥ १२४ छोडिब खामी अक्क तणत तुं मूंगल म्लेछ विहंडि । कीरति लह कान्हड घणी तुझ नाम हुसह नव बंडि ॥ विजवह वे सती ॥ १२५

॥ पवाडु ॥ फठिड बीर मोडीजं आठस, कीधड सुपनविचार । सोमचंद्र ब्यासह इम कहिंड, म्लेष्ठ तणड करि मार ॥ १२६

बिरहु 0, बिराई D, बिराई 0 J बहरू—दर A, दिह BD F J,...0, दही 0. सम्ह-...D J अंग-अंगि A O F G विकवह वे सती-विराधी। ऑपकी। B, इम॰ 0, आंचलीः D, बिलबह वे सती कीजह कंकण अंग B. बिरक्क वे सती G:...J विरुद्ध वेट सती K.

ত interpolates the foll vs in faulty Sanskrit after vs 123 : एकत्र ( एकत १ ) कृतव ( कतव १ ) सर्वे समाप्तवरक्षणा ( दक्षिणा १ )।

एकतो भयभीतस्य प्रांणनां (प्राणिन ?) प्रांणरक्षणा (प्राणरक्षणम् ?)॥

१२५ कि को-कोई B, य को C, जे को D E G J, जह कोई E, बंधन-चथन G, छोडबह-निछोडवर A, छोडि B J, छोडावि O, छोडावि D, न छोडि G स्वामी-...B C D. तेह-ते B C पाकर-पाता O, मालित D F, पाकित G J, छोडि C, छोडि C, छोडि C, छोडि C, छोडि C, प्रिक-पृति C D E, पुरि ट, इरि ट,

स स्त्रेक (श्लेक. १) सारतजनमार्जितं (सारजन्मार्जितं?) पापं मोचजन्मुत्यतं (मोचयन्यूत्यतं १)नरा (भरः १) ॥ १९५५ को इसि-स्रेडाले व व्हासी-स्वामी D J K तणव-तयु B D D E G J ते सूंपाल-तुं मंगल AG व स्वामी-स्वामी D J K तणव-तयु B D D E G J ते सूंपाल-तुं मंगल AG व स्व B J सूंपाल पुं, संपाल पुं, सुंपाल-तुं स्व के प्रतान के B D E F G विदेशि तिवेह G कहु-ति B G,...C, त्याह D, तयों 3, त्याह K. कारहान्य त्याह देव A, कारहान्य B, कारवेह C , कांसू ह F K, कारहान्य G D प्रणी-पंणी E. सुझ-तस B, तुम G नाम-ताम D G J, नाम E. हुस्स-रिहे B, हुस्ति C D, सा S, हुस्स F, इसि G, रहर I, त्यां J, होसी K. त्या पंत्रि-नव यंत्र B E, त्यां J, होसी K. सिक्यह से सी-तिवाह से सी ती के कि सी-तिवाह के सी ति B, सिक्यह से सी G, सिक्यह से सी-तिवाह के सी ति B, सिक्यह से सी G, सिक्यह से सी ति J, सिक्यह के सती G,

१२६ पबाबु—चन्पर्द A E K, जुने B, जुन्दे पनाडु O, जुन्दे ह. G, पनावज J. i qr in a is. आकस मोबी कठित. कठिव —कजु A, ठठीज F, कज्जज K. सोबीकं-मोडु B, तन मोबी O, मोबीठ DF, मोबी J, मोबीनइ K. बालकस-बारुद्द B. कीश्य—कीपु B C G J, लियु D. युपन-जदा B, सपन D E G. विचार-जदार C, सोबीचं J, मोमबेद ट्यासि प्रमुद्द क्यासि D J, सोमबेद ट्यासि E, सोमबेदि स्मारि E, सोमबेदि स्मारि B, सोमबेदि स्मारि E, सोमबेदि सम्बोकं-मोबि D, सार-मार्द A, सरि G, स्मार-मार्द A, सरि G,

सोमनाथनी चाड करेजे, बडी छोडावे बानं ।
असपतिना दछ थिकत तेतलड़ गढि आध्यत परधान ॥ १२७
सभा मांहि जई राउल मेट्या, दीधां आसन मान ।
कह् एरधान – कान्ह अवधारत, इस्पूं कहान्यतं वान ॥ १२८
मारी देस नेस कजाहिसु, तूं पणि करे पराण ।
गढ तलहटीय सरीत आवी, अम्हे देस्पूं मेल्हाण ॥ १२०
राउल भणह – वीर आफणीह आपणपूं न ववाणह ॥ १२०
राउल पुरुषात्य करीय दाववह, तत सह को इम जाणह ॥ १२०
अल्वान पहुं संभालत, अम्हे पराणतं करेस्पूं ॥

१५७ सोमनाचनी-सोमनाय D. चाष-वाहार BG I. करेजे-करजे 0, वरेजे G. बान-वान AC D B G JK असपरितेषा-असपतिनां J. असिपतिना K. चिकड etm -चकां A, चिक्र BD R F J, क्की O K, चक्र G. तेतळह -तेतळहं A, तेतिि B D G J, तेतळह D, तरकनठ E. सांक्यड -आव्या A O, आविउ B D R, आवाह FG J. परवान-परधान A J K, भयान G, प्रधांन D E, परिधान F.

६२८ E drops out समा...परपान. समा-सुमा F K. मोहि-माहि A D F G K. आई-जईनई D, जै F, जह G, जाईनंद K. राडक-... K. मेक्या-भेव्यत A, मेटिर्ड O, मेंव्या E. दीधां-चीचुं O, धीपा F K. सासन-अंसन G, आरण स. मान-मांन D G J K. कहदू-चब्द A, वहि B O D F G J. प्रत्यान em-प्रत्यान A, प्रभान B O F, प्रयांन D G J K. कान्द-कान्द A, संज्ञ D K, कांद्रांन G. स्वयम्द-अस्याद B O D J हर्स्य-द्से A E, असुं O, दस्युं D G, दस्य F, देश्चं J, दुधं K. कहाव्यर्व-कहांने B G J, कहांनिव' C D, कहाव्द स, कहाव्यों F, स्वट्स्यूं K. यान-पानि A O F, यांन D B J K.

है के सम्बद्ध-अभी B J. बीर-ले बीर B. बाक्समीह-आंपर्ली A, नहीं ने B, आक्समीई D E J, आप-हिणी P, आक्समीरह K. आपमाई-आंपर्ली O P C K, आपमार टें E, न-म A D, य B. बचाव्य-चवाकि A B O, वाकी D, उपलोग E G E, हिचाकी J, अब्द-च A B O D B O J. पुक्रस्य-पुरादार के, परदास्य E P G. करीच दाचवार्-करी दायवज A, देवाकि B, करी दायांवि C G J, करी दायवह D K, करीज दाववह P. दक बहु को-सहुद त A, ने सह को B, त सहुद 0, दें बहु को D, तु सहुद को R G, तु सहु को P J, सव सह हो K. K, इस-नाई A...B B G, होंझा O, वाक्सम्ब-वालि B G O, अलि D J, जोगड़ को

१६१ सहसाय-अहसानि 0, अहसानि D, अस्तानि D, अहसानि E, अद्धलयान F. प्रकृं -एई A, एहर्जु C G E, ईस D, एहर्ज F. संसाकड cm-चंगाले A D F, पंत्राह B, पंत्राणि D, प्रांत्राले B, सांस्त्राले D. सम्बे-सम्मी E G E. प्रसामार्ज-परागले A, पराणु B, प्राणु O, पराणु D B J, प्राराणि B, परिगणे F, परापु E. करेल्यू-करिंचे A, करत्यु D, करेतु C E, करेतु E F, करिंचु F. एकविट्ट-एकविट्ट B, विदे निर्हे C, एकविट्ट D, एकविट्ट B, एकविट F, एक G. सांदि-साहि A E F, साही G, सां J, साहि E, जाकवि-जालि B, सकवे B, जालिको F, पलि-एक F. कावी-कावे E. बाद — वा B E F, दा C. केव्यू-केविट A G J, देवर्ड B, विद् ट्री ट्रो क्रियं F, केवं F.

जई प्रवानि यान बीमविया, डींडू वेखि फरेसाइ ह	
कान अणाह - सहूह सज बाच, ए अकवां दाव देसह ॥	१३२
करी सजाई दीयां दमामां, बीजइ दिक्स विहाणइ।	
अलूनाननां कटक तेतलइ, चाली गयां शिराणइ R	१३३
पापलि कस्या काठगढ पाई, नदीव लिगारइ माग ।	
घोडा हाथी रहह पाषस्था, किम छहेसह लाग ॥	१इ४
जइत देवडड लपण सेमटड, ल्एाकरण बोलाञ्या ।	
सारहु सोभतु बलवंत राउत, लसकर भणी चलान्या॥	१३५
सरपे घोडे साथि मोकल्या सातवीस असवार ।	
दीघी सीय – जाई दल जोज्यो, तुरक केतलड पार ॥	१३६

१६६ वाई—ते F G J, जाह K. सथानि—तथान B F, प्रधाने C, त्रवांन D R. वाना—दंस बांन D R. वाना—दंस वांन C, वांना—वां R F J, वीनव्यां G, विद्यां G,

१३३ करी-करीज P. समाई-सजाद Q. सजादं E. दीयो-कृता E, दीवा P, दीको G J, दीका E. दंगली—द्वर्तमा A, दर्माना B, दर्माना C, दर्माना D Q, दर्माना E, दमाना P, दमाना E, स्कीता—दिवा B, दिवा Q, दिवा E, दिवा B, दिवा Q, दिवा E, दिवा B, स्कित्तवर्तिः E Q, किंद्राल E D. स. स्कित्तवर्तिः के दिवा B, दिवा Q, दिवा E, दिवा B, स्कितवर्तिः के स्वर्त्तवर्तिः के स्वर्त्तवर्तिः के स्वर्त्तवर्तिः A, अद्धर्यानतं D E Q J, अद्धर्यानतं D E, अद्धर्यानतं P E, स्वर्त्तवर्तिः A D E, दोतक्षिः B D G J, साईनि-जादं A, वाडिन-जादं A, वा

्षेश्च पाषष्ठि—पाषणि B. कसा—रुर्ति A O, करह B, करिया J काठगढ़—कटकाछ E. बाढ़े—वाही B, बाह् G K. सहीय—नर्ति B D B., नहीं O F G J K. किमारह्-कमारि B O G J, कमारह D E F, कमारह £. बोबा—बोबी D E G. रहृद्द em—रिहे A B O D, रिहेर B, रहा F K, रहिरण G, रव J. वावर्षणा—पार्याया A J, पाषरीजा O, पायको D K, पार्यारों B. किम—कीम A, किम्म B, कशण E. क्येंदरह्—केहेंसि B B J, कहिलद F, कोईंड O, काहसि D, कोईसिंट G, कोईसार्ट K. काग—नाम E K.

१३६ B omits i qr. सरचे-सरिचे F. सोकस्था-नोकस्थां A. सालकीस-चारह वह ж. साई-चाई छ ठ В Р ж. जस् D G. कीवानि वाई J. रक-एकि D ड F G. सोक्यो-वाह B, जालुं D, जालर B, जालुं F, जात G, जोयो J. हारक-सटक B O D B P G J K. केतलड-केरोई D, केतल D P G, केतले झ. ई J.

कटक मंदि परचान पुष्टता, दीउउं दल मेस्हाण ।	
हेक्कमह परदार नकीने मांहि कीवर्त जाण है	१३७
अळूपानि जूजूना दिवासां, तेंद्र सविद्वंनइ जमाम ।	
सोनां रूपां अनइ सावदू, तीरी आप्या द्राम ॥	१३८
अख्वानि वहवूं फुरमायुं, करत विकेद म जेंडत ।	
जे प्रधान कान्हडवे केरा, मुहलि माहिलङ् तेडच ॥	१३९
एक भणइ - कान्हडदे टाली, अवर न करूं प्रणाम ।	
बान भणइ – आघा तेडावउ, बरि मन करउ सिलाम ॥	१४०
करी मेटि राडले प्रधाने, पूलइ बान मलाई।	
कटक तणी कान्हहदे आगिल किसी बात बोलाई।।	१४१

१६७ लाहि-माहि A R P G. परचान-प्रचान O, प्रधान D B, परघांन J E. प्रहुता-पहुता B D B F J, पुहता O R. दीवर्ड-पैटां A, चीट्र B, वीर्ड D P, वीट्ड G E, वीर्ड J. सेव्हाण-सेहलाण E G J, लेल्लाण E. हिचला है कि हो कि स्वार्थ-सेहलाण E G J, लेल्लाण E. हिचला है कि स्वार्थ-सेहला है कि स्वार्थ-सेहला है कि स्वार्थ-सेहला है कि स्वार्थ-सेहला है कि सेहला E B, स्वार्थ B, कीच्छ ट B, कीच्छ ट J, कीच्छ C P, लिक्ट्र D, कीच्छ G, कीच्छ E. जाण-जाण B J E.

१६८ बाख्यानि-अव्यक्त B, अव्यवानि D, अव्यवानि B, अव्यवान B, अव्यवान G K. जूणूना-कृक्षां B, जूलूनां G. दिवास्तां -दिवासेता A, देवास्ता B D, अपाध्या C, देवास्ता B, स्विद्वान B, सविद्वान B

१६६ व्हीं-क्वील प्र. सेकि-सेंट A B K. शब्दों-एवं G, राउल र. सवाने-परवाने B, त्रवाने O D G र x. प्रश्नु-पृष्टि B O P, पृष्टे D. वाव-वांन B O D G K. सव्हाई-समहद G K. बान्द्रदे-कार्युटरे A, स्वंह-नददे C, बान्द्रे D, संहानददे G, बान्द्रे K. विश्ती-किश D, त्रिवील F, वर्षी G, बोक्ट्रॉ-बॉकाई Ç। K. चाव अरदासि पासि तुम्ह दीघी, जे कान्हर्डदे राह ।
कहह प्रधान - पान अवधारज, सिहां सिलाम लिपाइ ॥ १४२
जड वैस्वानर तावव थाइ, पश्चिम उत्पाद दीस ।
नारायण टलतव कान्हर्डदे किह न नामह सीस ॥ १४६
पान भणह - कुणि कारणि आज्या, कहत तुम्हारजं काज ।
कहह प्रधान - रावल आएसह, कटक जोएस्यू आज ॥ १४४
अलुपान आयसि पूंतारह ततिषण गथवर गुडीया ।
वालि तणा तेजी पपराज्या, मलिक मुहुल माहि तेख्या ॥ १४५
तुरक बचा मूंगल करकटीया, तेहे मांडी हारि ।
परधाने सामणिरी दीठी कटक तणी आपारि ॥

हैं श्वर बाउ-दित ACG, दिते हैं, यु D, जे J व्यवहासि-भरताय BODFGJK. पासि-पास F, पास J, तुम्द-तास GF, तम G जे-जे जे G. कान्द्रवदे-कान्द्रवदे ACK, कांश्वंतवदे G. राह-रात AJ, राहे BD, रास GF = कहरू-किंहे BODFGJ आपा-प्रधान DGJK. साव-पान G GJK. काव्याहर-काव्याह BODFGJ, अवयारों K. तिहा-तिहा DFG सिकास-सलाम AB, सर्वा GG, सिकांस D, सलाम F, सिलाम जि J लियाइ-लियाई A, ज्याई B, न लियाई G, लियाई D, पाइ J

१४४ पान-पांन BDG J K. सम्मद्द-भंगि BGG J, सम्मद्द D, इनि-कुम B K, किगि 0, इंग D, किग प्र, क्ष्म वि. क्षम वि. ते व्यक्ष का माने वि. ते वि. क्षम वि. क्षम वि. क्षम वि. क्षम वि. ते वि. क्षम वि.

१६५ і qr in J is: अञ्चलानि तान तन कीशी. महालान-अञ्चलान A, अञ्चलान C, अञ्चलानि D, अञ्चल अञ्चलि प्र. मामसि-आहात A, आहात B, आगार्थ () आएसि प्र. आगार्थ G K. पुंतारह-पुंतारि B, कृतारा C, पुंतारे D प्र. कुतारे G, पुंतारे K. स्वरिण-नत्तिक्षिण A, तत्त्रकृणि B, तत्त्रकृण C, तत्विणि J. मण्डल-नामस्यर B C प्र G, गर्वर प. गुडीचा-पुक्रीका A B, गुञ्जा D, गूडीका G, गुडिका K. पद्रशस्या-परुज्याच्या A G, पद्मणाच्या B, पाररीजा J. सच्चिक-...A. सुद्वक माहि-सुद्ध माहिल्स् A, मुहोलमा B, सुद्दक माहि C, सुद्धक माहि D प्र G, महुक माहि K. तेक्या-नोकीया A.

१ क्षत्र चुरूक-तरक B 0 0. बचा-चड़ा D. सूंगळ-तुंगात 0 D ह ह, सुगल त. करकविषा-करिकटीला ह, करक्टीला त J ह. तेहैं –चेणे B 0, तेहती J अर्थाकी माणि B. हारि-हार D. परचाले-परचाले A, प्रचाले B 6, प्रचाले D 1 है, प्रचाले J. सामाणिरी-सामाणी B, वांगारी 0, करी सामाणिरी D, सामाणी G, कीवी सामाणी J, सामिरारी ह. वैकी-... प्रचालि-व्यास B 0 6, लागिले J.

कीघी सान पानि मूंगळनइ, सींगिणि परठ्यंड तीर ।	
ताणी गयणि पंषिणी बीची, पेषइ मोटा मीर ॥	१४७
तडंग समेति तेतलइ लक्णइ राउति भइसु आहणिउ ।	
कस्यउ विषंड घाइ पांडानइ, अऌ्षानि वयाणिउ ॥	१४८
पूछइ पान – कान्ह घरि केता ताहरी जमिल कहीजह।	
लषणच भणइ – सहस चनबीसां पूंठइबाज लहीजइ ॥	१४९
तूठउ पान भणइ – तूं हीं हू मागि न करूं पसाउ ।	
कहरू प्रधान – रीझ नवि लीजरू, लाजरू कान्हड राउ ॥	१५०
एक गांति पूरवड अम्हारी, कटक चिहुं दिसि जोस्यूं।	
मन जाणिस्यु वरांसु वीतु, जे रातीवाहु देस्यूं ॥	१५१

१६७ सान-सांन О G J, सांज D बानि-पान B, वांनि O D G, वांन J K. सूंराकनह् e ED-मूंरावनाई A, मूंराविन B J, मूंरावानि O, सुंरावनाई D, सुंरावनाइ F K, सुंराविन G सींगिशि—सींगियि A G, सींगियि B, ततस्य C, सींगियि प J, शोंगियि K. परस्वाद -परठव A, परठ B, परिठेव O, परिठेव D B J. सांची-तांची OD J K. गयाचि पेचियो—सिका गराविष्यो A, गराविष पंचाय B K, गराविष पंचिय C. सींची-सींथी B, वेची C G K. पेचह-मेचि B C G J, पेचई D मीर-सीर J

१४८ तदंग—तदिग A, तर्णग B O J, तणग F, तेण K. समेरित—समेत B D J, सहित O, समेता O, समर् K. तेतव्ह—तेति B O J, तेतव्हें D. खण्याच—व्यामी B O G, व्याम्हं D, राउति F, व्यामाण J, दाइति— राउति O, व्याग्हं P, राउत K. भइड्य—महस्त A, मिंद्र B O, असाइ F, सिद्ध J, भहंस्य K. बाह्मिय=-हणींंद A, आसाइ B, आह्य्य D, आह्य्य F, आहायित G, मारित J, आह्य्य K. क्वय-करित A B C G, कींउ K. विषंड—विहाट A, विसंघ D, विसंधि F, विसं G. बाह्—माय B O, साद F J, पाइ G. बाह्मिय= पंदानाई A, यांवाने B J, बांवानि O G, यांवान्द D, पंदानाट F ब्याह्मिय—अव्यागित D G J, अव्युश्याति F, अव्यागित—व्यागित—वयागित G G, यांवान्द D, व्याग्य F, वयाण्य S,

१४९ एक्ट्-पृष्ठि B C J. बान-यांन A B G K, बांन D कान्ट्-कान्ट A K, कोहांन G. बारी-जर B, पर K. केता-केते O, केतला K. ताहरी-ताहरी B G, ताहरि D. जमस्टि-जासलि A D. कडीजा-स्टिह A, केहीलि B C J. कबणव-कण्ण B C F J. त्याणे D, लगन व. भणाट-भणि B C J. सहस् व पडवीसां-गीर चुनीस B, सहस जुनीसां O, सहस्य जुनीसह D, सहिस जुनीसा P, सहिस जुनीसह G, सहिस जुनीसह J. पूंठरबाल-पूठिमा A A D F G, युष्टा व्यापा B, पुंठिबाल O, गूर्वा चुतता J, पूर्ट्यना K. कडीजाट्-व्हालि B O, कीजि J.

१५० व्हन्-दुङ B D, तुठा K, बान-पांग o D J K, बाहान व अगब्द-आवि ह, अगि o G J, अग्ब्र्रं D, स्थित D K, द्वास o, तुठा हाँबू-वीद A D K, द्वास o, तुठा हाँबू-वीद A D K, द्वास o, तुठा हाँबू-वीद A, अगि हु, तुर्धि के हु, व्यक्ति के हु, व्यक्ति के स्थान के उद्दार के क्ष्यु o, तक्षि D ⊁ J, काहि G. अथान - अगि o, प्रभान D J K. रीझ-दीसद D, री Р विकास o, ति G. स्रीआद्-जीविद D, अगि हु, काहित दिवास के प्रभाव के स्थान के

अक्तानि क्या साथि मोकस्या, देवाक्यूं मेस्हरण ।	
घोडा हायी ढंट पोठीया, बेसर सूढि परहाण ॥	१५२
मलिक तणा जूजुआ मरासब, मांहि भला झूझार १	
दल जीयंतां दीस आधम्यच, तुहि न आवइ पार ॥	१५३
बंदीवाळ् घणा सीदाता, दीठा पाडह डाढि ।	
दीसि अगासइ तावडि दाझइ, रातइ वाइ ताडि ॥	१५४
थानविक्रोद्धां बालक रोवइ, दीस्रइ सरपां दूप।	
कामइ एक टलवलइ तिरसइ, बीजी छागइ भूप ॥	१५५
एक मांदा, एक न सकह ऊठी, एक अणूहाणा ऊघाडा ।	
दाणा पांच छहइ नवि पावा, एक तणइ पाए छोहडां ॥	१५६

१५२ बादुसानि-अद्याति O D G J, अहाअपानि F, अहार्शन K. जण साबि-आपि O, जण साबि D. ओकस्वा-नीकल्यु B, नोकलेड O. वेपाब्यं em-देवाडिंट A O, देपाब्यं B, देपाब्यं D K, वेपाब्यं P, वेपाब्यं e, वेपाव्यं B, देपाब्यं D K, वेपाव्यं F, वेपाव्यं G, वेपाद्य J. सेस्हाण-नेक्षाण B, सेहलाण C G, सेहाण D K, कंट-स्ट A B, सेट O D K, उट F G. सेवीबा-नोठीआ O F G J K, पोटिया D. वेसर-नेलरी D प्री-पृष्टि C, नि J. परवाण-पलाण A, पहलांण G, पर्वाण F.

१५३ तमा—तर्णा म. ज्ञूला—जूल्ला В D. सरातच—महाप्तर B, सुरातच K. सांहि—माहि A D F G. जोर्बता—जोतता A O F, जोजता D G, जोतता J, जोजता E, दीरा—दिवत B K, चीह O, जायस्मय — जाय— В B D G, जायस्मय D, जायस्म F, आयस्म G, आयस्मा J, आयस्मो K. तुहि—तुहह A,तुहू G, तवही K. जायस्म D, जायस्म D, जायस्म D, जायस्म D, जायस्म D, जायस्म जायस्म जोता B D G J.

१५५ बेदीबाल, बंदीवाला B J, बंदीवाल O D G, बंदीवाण P, बंदीबाण E, बगा-च्युं C, घना G. सीदाला-सीदाता D G, सीज-चीठां A G K. पावड्-पाके B C G J, बार्कि =वारि A B J K, बार्कि C, दाकि D, बार्कि G, सील-चीलिंद J, पीसि D, सील P G स्वस K. आनासङ्-आगसि B D D तु देह ते J. सावकि सामब्-दामक् सावकि A, तावि व दाग्नि B, तावि दान्नि C G J, तावि तावि तावि दान्नि C B प्रकार K. साव्-वाति D, सावकि सावि A D P G J. सावकु em-राति A D P G J, राति B D, रातदं K. बाब्-वातद D, बाव P, आवर्ष E, सावि-चानि B D D P G J.

१५५ भाग-बांग о D G J K. बिकोबां-विकेशा ० F K. विक्रेसा ०, विक्रेसिया J. बाक्कर-बाक्कि G J. रोबह-तेंद्र A B O F G, रोर्ट D, रोवि J. दीसब्-तीस B O G J, वीसंह K. सरवां-सरियां B, सरवां G, सरवां F, सरवा G, सरीवो J. सरीवा K. ब्यु-दुव B, दुव O J K. बातव्य-काणि B O J, आपक्षि G, बार्य K. स्वक्वक्यु-ट्यनिकि B G J, टाक्वर्कर K. तिस्सब्-तरिवर्ष B, तरिवे O G J, तरिके D, तरिवर्ष K. स्वत्य-काणि B G J, कारोर्ट K

१५६ पर-... १, इस ४. मोदा-मोदां А. प्रक-१२ ४. सकड्-सिंह BOGJ, सकड् D, सर्वेड ४. काक्षे-उदी ६. एक-१६ ६ ४.५... B.६. बणहराणा-अण्डागां А, अण्डाम B, अण्डानं 0, अर्ग्हाण D, अण्डानं G ६, अण्डानं J. कमावा-क्याच्या D, उपादां द. इयाया-दीगां А О D, इति त ६. प्राच-देव द. कुल्ड् क्रि-न लहि BOJ, लहि तीने FO दावा-वालांति C. तक्बाइ-त्ये BD FGJ, तथि C. बायु-यद A, क्रि ठ, पाद त ६. कोड्डॉ-लोडरां O, लोहां F, ओहां G.

एक ज्ञान राज्यां कीयां, वाजर यांच्यां आकर । एक जोक नायवापविकोदां, एक वादीका आकर ह	१५७
नरी विकोह सूक्षां कीओं सवि नारी गर नार् । बाक वृद्ध रक्षवक्तां दीवां, कडकि कक्की थाह ॥	१५८
एक अन्नह्र - अस्हे जसमि आनिसह हींच्यां निस्यूं अण् तुरकां पासि पासीका वैकि, बहरी दीवरं पूर्क ॥	हं । १५ <b>९</b>
कूबी सापि कई अम्हे दीबी, कह चडाव्यां आतः। कह जजनी उन्होंगे रमंत्रां वान विज्ञोह्यां वाठ ॥	१६०
नाइ तर्गा कह गोक्ट पेड्यां, कह छोप्ता आकट । कह अम्हे जई जंगकि ग्रुप कीचां, कह किहां पाटी गट।	। १६१

१५७ एक-एकि A. जून्यां-जून्यां B D, जून्यां C P. हाक्यां-हाकरे C, हाकरा P. कीवां-कीका G P. वामहं E. क्षेत्र में स्था B D F. वाधि D, वापर G, वाक्ष्र E. क्षेत्रभा-वाधा A, बांच्या B D G K. काक्ष्य-आके B G P, कालहं D, आकि G. 1 iq r in J is अपने कोई वाई वाच्या पर-एके A,...J. कोक्स-कोई J. माक्ष्य मानाप A G. विकोदां -विकोधा P K. क्षेत्रें होत्र वि, विकोद्धिया J. एक-एकत G D. पार्टीका-व्यवेका A K. पार्टीबा B, पर्वेचा G D, याद्येका G J, वाक्ष्य E A, याद्ये B G P, वाक्षित G J, सुद्धात्वर K.

१५८ करी-करित B D, करिया O, करि F, पब्दित O, कीत J, कर्बु K. जूजूकां-जूक्सा B, जूक्सा C B F K. कीथां-कीथा D O, सर्वि-नरिव F, .K. नह नाह cttt-नरताह A B F, नि नाह O D G J, नद कके ताह K. इंड-क्सि A, तथ G, टकककरां-जनतता K. दीठां-वीचि U, दीठा F, कटकि-कटफ G J, कडकी-उडकी C G.

६ ५९ सण्यू—भणि B O G J. बन्दें—भहें B C D,.. F, मि J. जबसि—व्यन्ति B, कम्म O D, कनम F B K,...J. बामिक्यू—भागिक्य B, भागांक CJ, भागाव्य G. हींब्बा—हींब्या B, हींब्य प्राप्त B, क्षेत्र D, कियां F, कियां G, कियां D, होंबर E, होंबर प्राप्त B, कियां G, कियां J, कियं E, ब्याब्हे—वर्षकं A, क्यां G, कार्य B, कार्य E, कार्य E, ब्याब्हे—वर्षकं A, क्यां G, कार्य B, कार्य E, व्याव्य में कियां D, पार्वि B, वर्षकं B, वर्षकं B, वर्षकं B, वर्षकं B, वर्षकं B, वर्षकं B, प्राप्त B, प्राप्त B, प्राप्त B, प्राप्त B, प्राप्त B, वर्षकं B, वर्रकं B, वर्षकं B, वर्षकं B, वर्रकं B, वरकं B, वर्षकं B, वरकं B, वर्यकं

्षेक् कह कार्ये - महो कि छ, नहों कि 0.7, वहीं नहां ह 0, बन्हें नहें हैं. कह नके छ 0.7. व्यवस्था ने वास्त्र के छ 7, व्यवस्था के छ 9, व्यवस्था

हैं है, साह—साब OD F 5, बांह G, बार्ग-ताबा F J K, बाह्-कि A B G, ते F, कि J. पोहबर—सोक्स D. पेबर—सोक्स D. पेबर—सोक्स D. पेबर—सोक्स B J, केब्स IF K, बाह—का B D J. कोब्या—सोवाया F, फोर्डिका G, बार्य—कारा G, कीर F G, बाह कार्य—कोंग्रे कि B, कि कारों G, कर F, कि कोंग्रे G, कि मि J. कोई बायि—कोगित B F K, कोई पोताय G, तार केबिक G, ह्या—साह B B J K, बांई G, सर F, वाय G, कीवी—कीशा & F, बीचूं B, कोंग्रे कर E, कींग्रे B, कोंग्रे कि G, कोंग्रे कि G, कोंग्रे केवें D, की कींग्रे G F. कह अन्ने सम्बाग निव मान्या, बेदवचन क्याप्यां।
कह अन्हे एकांद्रक्षी निव कीची, विमदान निव आप्यां॥ १६२
कह अन्हे फुळआन्यार छोपीज, कह संमेडा छाया।
कह पर आच्या अतिय न पूज्या, तिरस्यां नीर न पायां॥ १६६
कह परनारीगमन आचकां, कीचां पातिक पंच।
पाघां धान उळवह बहसी, छोक कीचां वंच॥ १६४
मक्यां सरोवर पाळि उसासी, पीपिछ दीधा घाउ।
देव तणा प्रासाद पडाच्या, कह हरि छाउ पाउ॥ १६५
छाप छुण तिछ बुहक्षा वीक्या, कन्याविकय कीचा।।

१६३ कड्र-कि BOJ, बन्दे-अप्ति A. कुळनाचार-कुलावार BC, कुलवाचार अ कोषीड-लेप्पा BF, लोपुर्य J. लोपियो K. कड्र-कि BCOJ कड्र-कि BCO, DJ नाम्या—आव्या A.K. कालिब-अरीप BC, जो कलिव D, अरीन G, अरीय J, लालिब K. तिरस्तां—तरस्या BC, तरस्या DGJ, तरस्या F. न-नि K. पार्या-पार्या A.B.F.K. पार्या C.

१६४ B reverses the vs order as 165, 164. G reads as i qr. परनारी कह नमने आवर्षा, कह-कि BC । परनारी-परनारि G बाबलां-आवरीया A, आवरीयां BC, आवरीआ F, आव-रियां J. कीचां-कीचां F. पारिक-पारक A BU, पारिता D F पार्था-पाचा F. घारा-थान D G J K. सक्क कियां-कियों कि ती की ती तो अंगार C, रात्रि आपार्ट D, उन्जब वयसी G, रात्रि अंथारी J. कोक-अर G G, कह लेक E. कीचां-कीयों A, कीचां B C D F J K

१६५ मखां-अखा A.K., मरिया B, कि भरीयां O, कह सर्यों D, भरीयां G. सरीबर-वारोकर C. पालि कक्षस्थी-सकेवां C, पालि उसारी G. पीपिक-पीपिक A.K., कि पण B, तस्त्रार D, तस्त्रार J. दीखा-पालिक B, दीणों K. बाव-याय O. वेच नाया-वेव तयां B K प्रास्तार—स्वार C, पद्याच्या-विचाखा B, पद्याच्या D. च्यू—करी B, कि O J. कह G. हरि—..उ B, हर G खाव-कगाव्या C, लायु D G, न सागु J, ताला स. पात-याय O G. Iv Qr in A is: स्व बिक दीभी ताह.

१६६ काच वहण-काच मींणे दंग D, काच P, काच काच K, बुहबवा-बुहरीया A, चुहोरी B, बुहरी D, कुछा -कहिला B, कैन्या D P J K. किवा-किहरा D, किन्य D. किवा-किहरा D, किवा-किहरा D, किवा-किहरा D, किवा-किहरा D, किवा-किहरा B, के C. स्विच-किवा-किहरा -किवा-किहरा B, किवा-किवा-किहरा B, किवा-किवा-किहरा B, महादोग के K. कीवा-कीवा A P.

कहं विश्वासपात जम्हे कीया, कह जबगुणीयां वात्र । कह वन प्राणि पियारां हुंद्री पामर पोष्यां गात्र ॥	१६७
जन्म लगह जेहनां धन खीजह, तेह चाडि संप्रामि । कह आपणा प्राण जगास्या, रूंध्यन मेह्रचन स्वामि ॥	१६८
कइ अम्हे स्वामिद्रोह आचरीया, कीषां आसवपान । कइ अम्हे बम्ह घात को कीषा, कइ पाक्या वंघान ॥	१६९
कह अन्हे नीचसंग आचरियड, कनक चोरीया कापी। तुरक तणह वंधानह पढीयां, कहड अन्हे केहह पाषि॥	१७०

१६७ कहू-कि BOJ. विश्वासभात-विश्वासभावन B, वीसासभावन D, वीसासभावन DG, विस्वासभावन F, विश्वासभावन E, अपने कीभां P, कहू-कि BOJ. अपन् गुण्येषां -अस्पुणीया FFJ, अस्पणीयां DK, अस्पणीयां G BCOMMENCES àgain from VS 167 D. कहू-कि BOJ. अप-भिन J, प्राचि-प्राण BG, प्राणि DEJE. विवासं-पीयार्ट B, वीआरो OG, प्राचा DJ, पीयारा P, पारक E, सुंदी-सुंदी P, सुद्दी JE पासर-पासरे A, पांसर GEGE, पायरे F, पारि J, पोस्पी-पोष्पा BDP. साम-पाप्र AEE.

१९८ कम्बर-जनस ह म G J K. कमाइ-जिस B C G J, कर्मर E. जेइना-जेइना म. कीजाइ-जीजिर B, क्षिण G G J, क्षेणर D, क्षेपां ह. तेस-जेइना A, ते B, जर तेष्ट E, ब्लाव्ट संसामि-जावि स्थापि B, पाप बहुत A, जार तंमामि G G, जारण ह प्रिमि D, जार कंपासि B, जर दे प्रमि E. कह-के B, कि G G J, कापणा-जापणां A G, आपणा B, आपणा B, आपणा E, प्राप्ता -क्ष्मापीयां A, क्षमावि B, द्वापाला G, व्यापिता ह J, कमावां म, कमारियां G, व्यप्यव-क्ष्यु B, व्यप्ता -क्ष्मापीयां A, क्षमावि B, द्वापाला G, क्षमी J, रूपय E. सेहुसाव-मृत्यित A, मेहल्यु B, मेहली C D E G, सृत्यित D, क्षमी A, क्षमावि B, क्षमावि G D E G J E, क्षमावि मामि B, क्षामि G D E G J E.

१६९ कहू-कि B O J, केह D. बाबी-काड़ों B B. खाबि-खामी B O, खाबि D B E. बाबरिया-आणीव O, बाबरीव D F J, आवरित E, आवरियों E. कीचों बासव पान-कीचों आसव पान D, कि कीचों सुरापान O, कीचा आसव पान P, कीचों सरहापान O, कीचों विषयान J, कह कीचों आसवानंत E. कहू-कि B O J, बाब्दे-काड़ों B B, ... P. कब्बू-नहा B O D E F E, तापस J. बाव्य-हला J, को-के A, ... J. कीचा em-कीचों A B E G J, कीचें O D B F E, कबू-कि B J, कोई E E. पाक्वा-वायों A, पादिया B, पाक्वा B, पादियों D, पादियों B, प्रदेश की B आप की B मार्च की आप की B मार्च की आप की B मार्च की B मार्च की B आप की B मार्च की B मार्य की B मार्च की B मार्च की B मार्च की B मार्च क

हुं ७० कहूं – कि B J, कि C. बार्ये – जातो B R. बीच – नीच B. संग-संग संग D. बार्यास्पड em – आन्त्रीस्था A, आन्दरिया B, आन्दरित D B G J, आन्दरित म P, आन्दरित E. चोरीखा – नोरीखा C B, चोरीखा D P G R, चोरीखा J. कारी – काप B, काप D B F G K, आपि J. हुवस् – तरक B, तक्क्यू-नार्थि B G G J, तक्यूं D. केवाल हु – चेपल – क्षेप B, चेपले D, वेपलि D, येपलि D, येपलि ट J, वेपलि — क्ष्युं — अस्त्र प्रवेक्षा D F R, पार्थित J F, पार्थिता G, पार्थिता J. कहट – कहु B B D G B, कुतु J, अन्दे – अस्त् B F, केब्रुट् – केहिट्ट B, केहे B, केहि G J. यार्थि – पार्थित E. iv Qr LD G B: कि तोस्था द्वारायी. खुजतीकानि कार कार प्रत्या, कीववना वाल नार्यो । १०१ संगा हो व का का केयां, कह अन्हे काहरि वाली ॥ १०१ संगा हो ह कह अन्हे कीया, कह अन्हे काहरि वाली ॥ १०१ संगा हो ह कह अन्हे कीया, कह अन् प्रता कीयां ॥ १७२ कह अन्हे सा विसन आपरीयां, कह परनंदा कीयां ॥ १७२ कह अन्हे सानदा नवि पाली, लांच अगुगती लीयां ॥ १७३ एहवां वचन सामणां बोलह, बिहुं कीर पीटह आप । १७४ एहवां वचन सामणां वोलह, बिहुं कीर पीटह आप । १७४ एक जगह ए हुंतर अरुंतर, वे कोर साम प्रमा ॥ १७४ एक जगह ए हुंतर अरुंतर, वे कोर साम प्रमा ।

्थ्र i qr in J is: श्रुभ सेनेत्र शिवह न पूज्या. शुक्रमीशाबि-तुल्मीपविषय त्र कुल्मीपांत्रि Q आसी प्रदित्ति D, त्रल्मीपांति B G, त्रतीपांति P, तुल्मीपांत्र E, क्रम्मू-काल्द A B S, देव D, चांत्रीच G, क्रम्मि-स B D, क्रमीच्य्रांति B E G J, अगीच्य्रां D, अगीच्य्रां P, शरीच्या S, आह् कोच्यां — क्रमायां A B, के लेयां प ) को कोयां D, कह ओपीया B, को लोयां F, कहो लोयां J, कहा लोयां E, कह्न-कि B C J, अगीच्यां P, कहा लोयां B E S, कोत्रांत्र D, कहा लोयां F, कहा लोयां B E काल्द J

१७६ कह-कि छ । बन्दे-अक्षी ह सस-यमत A E J, सात G, विद्वब-व्यवस B D E J E, बार्चिय-व्यवस B D E J E, बार्चिय-व्यवस अपने कार्यक्षित 50. व्यवस्थ-व्यवस अपने विद्या D E, पुत्रविद्या D E, पुत्रविद्या D E, व्यवस्थित D E, पुत्रविद्या D E, विद्या क्षिय-त प्रदेश G B, J E, दीववसा-वीवस्था E, विद्या B, व्यवस्थ-व्यवस्थ F J, व्यवस्थ-व्यवस्थ D, व्यवस्थित B, अध्यस्थित B,

्थं भारती नहां ते, पहचा BD F. चामणो ED-द्वासणा ABC J, वांसणो DBG K, ह्वासणा P. वोंक्यू-पीक्षे BC J, वोंक्य D. विद्वानित्र हैं ते हैं है, वे CD, विद्वार, विद्वार, किंद्रों G, क्षेत्र , ख्रीट्र , विद्वार, किंद्रों G, क्षेत्र , ख्रीट्र , विद्वार, क्षेत्र , क्षेत्र , विद्वार, क्षेत्र , क

ऐथीय स्थान-पृति स. वाया-नामि स 0 J. म बुंतत - वे हुंतत A. बुं प्यत् B. म स्ट 0 B. मुख्य A. अस स्त J. म स्त्रे A. स्वस स्त J. एक्टल K. मचेतात का-नरांतर A. जार्थ त. व्यत्य (B. मा स्त्रा अ.) स्वस्तात् का A. स्वस्तात् का A. स्वस्तात् का A. स्त्रा स्त्रा का B. J. स्वस्तात् का A. स्त्रा स्त्रा स्त्र स्त्रा स्त

## क्रूरनज्ञात करह निजाराष्ट्र, इनह कामरह कामह । जन कम्प्यून्टने नहीं क्रीसाना, राजा सदी बुरकामात्र ॥ १७६

इसी वात सांभली प्रधाने, बान विगूचतां दीदां । कटक माहि डांगुरु फेराव्यड, कथन कहाच्यां मीठां ॥ १७७

पडवड कटक करी मेळावड, कान्य खेळळा धावह । जग्या सुर तणड जड सावडं, सही बान मेल्हावह ॥ १७८

रया प्रधान काम्हडरे आग्नीक, आल्ल्कन जीकलावी । हेस्यूं घाउ रहेज्यो मांडी, दिवस बिहुं मांहि आवी ॥ १७९

्रेशक् सहस्माहरा-सरसङ्गी к. करहु-कर्र BOJ, करहं D. विवासस्य-निवाधि BOG, विशास्त्रं D, विशास्त्रं D, विशास्त्रं D, विशास्त्रं B, करावि आवि BOG, विशास्त्रं D, विशास्त्रं D, करावि आवि D, करावि स्वाधि B, करावि आवि D, करावि प्रति B, करावि स्वाधि D, करावि प्रति B, करावि स्वाधि D, करावि स्वाधि B, असावि B

१७० इसी-इंपी ?, इशां ह. बाल-क्वन ह. कांबली-बांगलिय ८, कांगली ?, बांगलयं ह. बाक्सने रावांत क ह. प्रवांत क ह कांवांत ०, परवांत क कांवांत ० कांवांत

१७८ पश्चयः नवतु छ ८ त उ, पश्चुं D. कटक नाटके ह. सेवानयः नेतानव ८, येकालु छ ० छ छ ४, मेकालरं Ж. काल्यु-काल्युट А, काहान छ, काल्यु क, काहांव छ, काल्यु ह. काह्यंव छ क्यान्युट काल्युट काल्युट काल्युट काल्युट काल्युट काल्युट काल्युट छ ८ ४, काल्युट काल्युट काल्युट काल्युट छ ८ ४, काल्युट काल्युट छ ४, काल्युट काल्युट छ ४, काल्युट काल्युट काल्युट छ ४, व्यव्यान्युट काल्युट छ ४, व्यव्यान्युट ४, व्यव्यान्यु

९५९. चर्चा-नवर A B O O J. प्रथम-करावन A, प्रयोग B J E. कम्ब्युचे आसकि-कांगुकोर श्राप्तकि A O B, पदि बावहरि क, वार्तानवर्ष सागति D. वास्तुका-व्यक्तात B D B G J. आक्षात्रका ह, आक्षात्रका ह, स्वाचनिक स वोक्काती-वेद्यामी D D. वेद्युच्चेत् A, तेव्ह ठ, वेद्युच्चेत के क्षात्र के तेव्ह ठ, वेद्युच्च, वेद्युच्च, वेद्यु पदि D. दोच्यो-चिद्योगे O D, देवेच्यो D, त्यां दुव्ये J. बिहुं-निहूं E D, निर्दे ट. सर्विच-मार्थिक उसक्र व स्था

जई प्रधानि जालहुरि कान्हड कटकत्वकप जणान्यर्ज । पाटण विकल देव सोमईल दीकी भणी चलान्यत ॥	१८०
कटक सनाहु हाथी घोडा, साहण संव न पार । गूजराति सोरठीयां माणस, झाल्यां वान अपार ॥	१८१
करी प्रतन्या राउल कान्हडि – तउ जिमीसइ धान । मारी मलेछ देव सोमईउ अनइ छोडाविस बान ॥	१८२
लेष लिषाणा आयस दीघां, फिरइ दिशि ऊपहाणा। करी सजाई पुहर पाछिलइ, तेड्या राउत राणा॥	१८३

१८० जाई-जह © प्रवासि-प्रपान А № 0, प्रपाने 0, प्रपाने 0, प्रपान ह J к. जाकबुरि em-जालंर A, आकर्षे स मि हा, जाकबुर 0, जावबुरि 0, जावबुर 8, जावहर 6, जाववर 6, ....), जाववर ह к. कावबुर के जावबर 6 हा, जावबुर 6, जावबुर 7, जावबुर 8, जावबुर 8, जावबुर 8, जावबुर 8, जावबुर 8, जावबुर 9, जावबुर 9

१८१ म MS ends at हायीणेडा, 181 a. к omits vs 181. सनाहु-सनाहु A स. सनाह ०. सैन्यई इ. सनाई म. सनाहुं म चेच A स. सनाह ०. सैन्यई इ. सनाई म. सनाहुं म चेच A स. संच्य 6. सीव 1. लनाई इ. गुकराति मुजरात A B D S. सोवरीयों —तीरिया ह. सोवरीओं 0 D J. सोवरीया G. सामान्य में A D B G, सोवरीया ह. सोन म कामि पार, in D is बान न कामि पार, in D is बान न कामर पार, in J is बान न कामि पार.

्रेट्र к omits vs 182. प्रतन्था-प्रतक्षा त, प्रतिक्षा B D, प्रतिन्या J काल्युकि em-कान्तुकि A, कािंक्ष D, क्षिक्ष D, कािंक्ष D, कान्त्र हैं है, कािंक्षि D, कािंक्ष D, क्षिक्ष D, कािंक्ष D, कान्त्र हों R, कािंक्षिक्य—गीमीनाद A, यमीऽ B, वमीद C D, किमीद D L S प्रत्य-चािंत C D B D, स्वर्तिक्य E, स्वर्तिक्य D, स्वर्तिक्ष D, कािंक्ष B D, स्वर्तिक D, स्वर्तिक D, स्वर्तिक D, स्वर्तिक D, स्वर्तिक B J, अठद G, इति D, कां D, कािंक्ष B D, स्वर्तिक D, स्वर्तिक D, कां D, कािंक्ष D, कािंक्ष D, कािंक्ष D, कािंक्ष D, कां D, कािंक्ष B, कािंक्ष D, कािंक्ष B, कािंक्ष D, कािंक्ष B, कािंक्ष B, कािंक्ष D, कािंक्ष B, काि

राजवंस छमीसर मिलीया, बांडा ठाव विच्यारि ।	
एक एक पाइड् सपराणा, जिहि मुजि नावड् हारि ॥	१८४
पाणीपंथा नइ पुरसाणी, एक तुरकी तुरंग।	
सूडापंषा नइ किहाडा, एक नीलडा सुरंग ॥	१८५
पंचवर्ण तेजी पापरीया, कूंकूडोल पहाण ।	
सोनां तणां सांकलां पाए, हणहणीया केकाण ॥	१८६
प्राणि पुरातिले धरणी पूंदइ, एक न मानइ साट।	
बारगिरी तेजी दिवराणा, चालइ ऊवट वाट ॥	१८७
सावलोह पापर नइ चामर, घणी घूघरी घमकइ।	
पाणी तणी ढलकती छागल, नीचां फूमत मुंकइ ॥	१८८

१८४ राजर्बस-राजर्बस B J, राजर्बित D, राजर्नस K. डाडीसब् -डिजीसि B C G J. सिडीया-सिडीका C D G J, सिडिजा K. बांडा-वांडा A J, बोडां B, पाला C. विष्वारि-निस्पारि A D, विस्त्रार C, विष्यार G. पाइब्र-पाढि B G, वांडि C D J, पांडिहं s, पांड्ड K. सपराणा-सपराणा A D B G J K. लिहि-जे B J K, केंद्र C D E. श्रुवि-शुके A K, अबि B, अबि G, श्रुवि D B,...J. नाबा्ड-नावि B G, नवि सांति J, न आबड् K. iv qr in G is बार्ल फ्रांट बाट.

१८५ पाणीपंचा-पाणीपंचा ○ D B J K. नह-ते B, ति O J, नी D, अनई E G पुरसाणी-पुरासाणी O D, परसाणी B J, पुरसाणी O K पुरसी-नुरको B, तोरकी D G, तुरेकी B.... K. तुरंग-नरंग E, तोरंग G. सुराणेवा -सुराणेवा A, सुराणेवी B J K. नह-नि B C J, नई E, अनद G K किहाबा-कीहाबा J, पुरसोणी K. नीकडा-नोरकी K. सुराग-नुरंग O K, पुरेगा D, सूरा G, रंगि I.

१८६ वेषवर्ण-यांनदरण A, एकतर्ण B, पंतररण G G, पाररोबा-पावरीआ C, पावरिया K. कृ्क्डोक--कृंद्रेलेल B J, कृंद्रलेल C G, कुंकुलेल D, कृंद्रलेल L, कृंद्रलेल K. वृह्याण-पात्रण A, पहलाण B, पार्ट्राण D, पार्वाहण G, पार्वाल K. सोनां-सोना B D B G J K. वरणां-ताण G, सक्का-सांकला D, पार्ट्-पाक D G, पारिरोध B, कृपक्षणया-कृत्रहण्याआ G, केकाण-केकाण C D B G K, तीवार J.

अंगा बीप केमाजी पांडां, देवो परा पतारी । सींगनि जोड मनी सक्यारी, कीवड सार विकारी श 256 छत्रीसह वंडाक्क्स कीयां. पर्राण प्रक्यां विणि वार । आस्वापरी स्कृति कर जोडी, राजकि करीन खदार ॥ 260 पुजा करी कुसम नइ चंदनि, एक राउत पाप लागई। आखापरी कान्य जीपाडे. कडी आसिका मागड ।। 868 ॥ अथ महाउली ॥

राजा कान्स्टर्द तणह कटकि पाछिलह प्रहरि कसाहि चरहे । बाज पहलें । सिंहचि बीडां । प्रवाहि घोडा पडवता न सहर । थानांतरि वहिलां

१८९ क्रीता-आंगा B D # J. रेबाक्टि-स्मावित B # J. क्रीको-क्रांडा O G #, बाडो J. क्टा-पाट #. सींगांब-सींगण B. सिंगणि C. सींगणि D G J K. सींगिणि B. जोड-जोडि G. जोझ I. असी-...J. तरुवारी-तक्त्वारि B. तक्कारि Q G. तक्त्वारे D. तक्त्वारि B. तक्कारिड मिसरी J. तक्कारि K. लीजह -लीजि B Q G J. क्षीज्यह K. विकारी-बसारी B. विधारी C. वीसारी D

१९० **अज्ञीसक -**स्त्रीलि B C G J, दंबायुध-दंबाउध A, रंबायध D G J, दंबायध R स्त्रीधां-सीधा त क्टाकि-पडण B C E G J K, पडणा D पडवां-पडीया A, पडिया C, पड्या D G, पडिया E, पडि J, पाक्यों स. तिली बार-तंस्थारि A. तीणि वार B. तेणी वार C E. तिणि वारि D J. आस्वापरी-आसायरी A B K. आज्यापरी D. आशापरी E J. आसापरी G. सकति-शक्ति A, शंकति B D J. शिकति E. कर जोडी-सिद्धां खंडारि D. राजकि-राउल U K, कान्हड J करीज-करिउ B k G, करि C J, कवाउ K, खंडार-जोडार J. iv or in D is: राउँ चक्या तिणि वारि

१९१ क्रसम मह चंदनि-क्रपुम नि चंदन B, क्रसम नि चंदन C, चंदन नि क्रसमिं D, क्रसम नहं चंदनि E. कसम नि चंदनि G, कुंकम नि चंदन J. एक राउत-एक राउल C, एक राउत B. पाए-पाय D G, पाइ K. कामड -लाने B C G J. कास्वापुरी -आसापुरी B, आस्यापुरी D, आशापुरी E J, आशापुरी G, आस्यापुर K, कारक कोन्छ B K, कोहांन G, जीपाने-जीवांडे B, जीपाने K, iii qr in A is , कान्हड जीनड आसापार देने, कारी करी B, इस कही C, कहि D, इसी K. आसिका-आधिका B D R J, साराष्ट्र-मांगह A K, साली B G G J, मागई D.

अप भडाडली-अथ भिडाउली A G. अथ भहाउली वर्णनं U. भटाउली: D. सिडाउली हु...वं. **अध** भिडाउछि वर्णनं K.

- 1 demend-mireck A, direct D, migirack G must-min B O D G J. maille-mas A. क्टिक 0. कार 8 G. पाक्रिकह-पाछिलि B, पाछलि C D G. प्रस्ति-प्रदृति B, पहित B, प्रस्ति के, प्रकार स. ककाडि-कडाई 0. चकड़-चड़ई A. चकिइ B. वंदि 0. चकि D G.
- 2 बाज पदर्श-...B G K, बीजिंड D. बाज पनिहं B, ज पहि G.
- 3 सिंहिंग em-संहिय A, सिंहिंग B, साहिशा C D G, सिंहिंग B, स्वहत्त K. बीडा-... B, बीडा G.
- 4 अवाहि-अनाह D, अवाहि ह, प्रवृद्धि ह, बोका-कोकां A B, कोकां D E, प्रवृक्ता-प्रदर्शा ह E, स्वतः तिक्यां वंध्वतां G, न-नि C, नड D. बाहद CED-तहरं A. सहित B, सहिता O, सहि D G, सक्रिये E. THE E. JES versifies Il 1-53 of the Bhadauli, J reads for 11 1-4 .

राजा कान्युक्षे तनि कटकि । क्याहि क्यारे अहर जीकि ।

सोझ पढि वित्री सविकटिनी । सद्विष बीडां रीकि ध

## ं - अवासण चास्यां । 👵

कंत्रलीवा किरवा<sup>®</sup> । भंडार बरीया<sup>®</sup> । आलोचि आत्मानइ आव्या<sup>®</sup> । भंत्र श्रुहाडि द्वर्ष्ट्र । शेह्रथ तीपामण हुई<sup>®</sup> । गोत्रवेच्यानइ नैवेच जीपनां<sup>™</sup> ॥ सूरा सुभट पित्री तणे घरे पोडा पाठव्या<sup>®</sup> । कत्रीस वर्ण तणा घोडा<sup>®</sup> । किरवा किरवा घोडा<sup>®</sup> । उजारा<sup>®</sup> । गहरा<sup>®</sup> । कत्रा<sup>®</sup> ।

- 5 धानांताहे—यानांतार B, स्थानंतारे O, धानांतारे D B G K. बहिकां—बिहलां A, पहिला B, बहिता C, बहिला D, बहिल्यां K. सुधासण—अशासन B, सुब्बासने C, सुधासने D, सुधासने E, सुरवासनां K. बह्यां—याला B, बास्या C D, बालां G.
- 6 A reads as 16 कीला लीया कंठा कंडा-कोटा 0. स्टीबा-रीआ C, कीयां E, कीआ G. किस्सा-कीला A, कासि O, करयां E, कशा G, करयां E
- 7 भेडार-अहंकार A, श्रेडारी C. अरीया -भक्षा B K, भिक्षा C, शरियां E
- 8 c omits 1 8. बाकोचि-आलोच BEG, आलोचिइ D. बास्मानह-आत्मानि BDEGK. बाच्या-आया E. G transposes Il. 8, 9, the order being 9, 8, Jreads for Il 5-8.

सुषासिण चकडोल पालकी। राणी इरसवि विक्ति। सर्वी समांगी सरसा रेनि। ओनि कान्द्र सबि लेसि॥

- 9 संज-मंत्रि o, संत्री D. शुद्दाबि A ह-सहीदे B, शुडाधानि o, साहि डाहे D, शुद्दवि G, सहा K. हुई-दुई A,..B O D K, हुई G.
- 10 शिक्क्षय-वेल्हत ह,...०, सेलहब D, तेल्हत ह, तेल्तहत छ, सिलहत К. सीपामण-सीपामण O D E G, सीपामण-सीपामण C D E G, सीपामण-सीपामण C D E G, सिपामण K. हुई-हुई A Q, देह छ, देई K. After I 10 B adds : पटण पट्यां, G adds पटण पट्यां,
- 11 देश्यालह-वेष्याति A B G, देश्यालह D B K. नैवेश्य-नैवय D, नीवेर B, नैवेर G, नैवोश K. नीपना-नीपना B. J reads for 119-11:

गुरु गोत्रजनि सबि देवता । पाय लागी चहुआंण ।

- 12 स्त-सुरा 0, सूर ह, सूरा 0. सुभड-सुभट p, सभट ह, सूरा 0. विश्री-क्षित्री ह, क्षत्री 0 G,...к वरे-वरि ह. बोबा-बोडा B E. पाठस्था-पाठस्था ∆ E.
- 13 Bomits I 13, avn-avi D.
- 14 किस्सा किस्सा घोडा-किसा २ वर्ण तणा घोडा ४, किस्सा २ वर्णना घोडा पाठव्या ४, ते बेहा २ ०,... ०, किस्सा घोडा ४, कस्सा २ ६, किसा २ घोडा ४. J reads for ll 12-14: सरा समर पित्री साथ तेरिक । केंग्रमां अतिक्ष परांण ॥

वर्ण छत्रीसि अञ्चल आण्या । ते हिंब ५०० कृण कहीड ।

- 15 डजारा-उजहा A, उजहोहा B, ऊजरा C, उजरा घोडा D, ऊजहा 9 E, उजहा G, उकर 9 E.
- 16-17 सहरा कारा-गृहरा कारा B, कीरा गुकरा O, काला केहावा ह्ववरा D, शहरा २ कारा ३ B, गहवरा करा G, गुहरा २ कारी ३ B.

तोरका" । भारिजा" । सींधूया" । अहिबाणा" । पहिठाणा" । क्करदेसना अंदिरा" । कनुजरेसना कुठया" । मण्यदेसना महयडा" । देवगिरा" । -देकंगरा देवाडा" । कंबरा" । देवाणा" । संख्याणी" । पाणीपंथा" । अराहा" । होराहा" । काळीकंठा" । किहाडा" । करडा" । करडागर" ।

- 18 लोरका-तारका А. तरकी В. तारका в В. तोरकी в К.
- 19 आरिका-भारिना ५ ह, आरिका ५ ह.
- 20 सींभूषा em-सींभूया A, सीभूया B D, सिंभूया C, सींभूया ६ E, सीधूबा C, संसुया ६ E.
- 21 अहिबाजा-अहिठाजा B, अहिबांजा C, अहिबांजा D, अहिबांजा v E, अहिठांजा G, अहिबांजा v E.
- 22 पहिडाणा-पहिठांगा A, पहठाणा B,...D G, पहिठाणा ८ E K.
- 23 इसर-उतर A. देसना-देशना B, देशना ९ इ. दक्षिना घोडा D. कंदिरा-उंदिरा B G, उदसा C, कंदिरा D, कंदिरा २० इ. उदरीया ९ K.
- 24 कन्ज-कोत्र D G, कर्न्ज E, कन्उज K. देसना-देशना B, देसना फोडा D, देसना पेडा D, देसना पेडा D, करूपा हासला योडा D, कुरुवा १२ E, करूपा G, कुरुवीया १० K.
  J reads for Il 15-24:

उज्जरा अति काला किहाडा । गुहर तुरकी सहू हाय ॥ भारिज वीच्या हींबाणा । पहिठाणा उत्तराही । चोडा केविरा कराज देशना । करुष हांसका मज्याही ॥

- 25 सम्ब−संच्य 0. देसवा-वेशना B O E, देसना घोडा D. सहूबडा-सल्ह्डा A G, मुह्डा O, सल्ह्डा १३ ध. महुडा १९ ध.
- 26 वेबिगरा-वेबिगरा A, देविगरा 0, देविगरा जोडा D, देविगरा १४ H, देविगरा १२ K.
- 27 देवनसः—देवगर A,...B U D G, देवगीरी १३ K. देवाळ—...U D, देवाउ G, देवाळ १५ E, देवनिराज १४ K.
- 28 केवरा em-रंबर A B, शंबरा B, उरंबरा C, ...D, स्वक G, संबर K.
- 29 बेबाणा-बेबाण A, पठाण B, . D, बेवाणा १६ K, बेचाण G, बेबाण १५ K.
- 30 संभाणी-संभाणीमा B, संभाणा C, ...D, समरांणी १७ पुरसाणी १८ E, सुभ्रणा G, संभाणी १६ E.
- 81 पाणीपंचा-...D, पांणीपंचा E G, पांणीपंचा १७ K
- 32 जराहा-जरुहा B,...D, जरहा E, उराहा G, उरीहा 96 K.
- 33 शेराहा-शिराहा B. सेरहा G....D. सेराहा G. जोरहा १९ K
- 84 कालीकंडा-कालीकांठी A E, गंगाजला D, कालीकंठि G, कालकंडा २० K.
- 35 किहाला-उदावा B, G D, किहाल २९ K. J reads for Il 25-85: महत्र वेसाणि हेतां। इंदर नेवाणा खेटा । सवाणी अनि गंणीर्थमा । हेराहा उराहा ॥ सेराहा सरका बाहरीया । इंदाहा केमणा ।
- 36 करवा- ...B, करेडा G, करडा २२ K.
- 37 करवागर- ... a D, करवा २३ K.

नीकवा" । नवहता"। इरीयवा") अपिताः । श्रेक्कतां । येत्र इरायाणीं । बाहददेवना बोरीयाँ । कहिंदुवां । गंगेदीयां । इंसजावर''। करणकामर''। कथला कोरणां"। बामक वरण विसीणें । बाकिहोत्रि प्रतिष्ठाः । विशेष गंहि करहें । मतस्यूं बाकहं । पवनस्यूं तरहं । पाटीप पग देई कतस्ह ं । कक्षण मनि धरहं ।

- 88 शीखवा~ ...O D. नीलवा २४ K.
- 39 सन्दर्श-महत्रका B,...O D E, सुद्दश G, महत्रा २५ K,
- 40 इतिबस-इतिश A B G,...O D, इतिबस २६ K. In A ll 40-42 follow l 25; the order being 25, 40-42, 26. In o 41-42 follow l 33; order being 33, 41-42, 34.
- 41 शरेपंडा-विकरता B, सरवंडा CG... D, शरुपंडा २० K.
- 42 द्वकना-घटकञ्च B, उंटकना C,...D, द्वेककना B, ट्वकना G, हुंककेना २८ K
- 43 पुरासाणी-वरसाणी A, पुरसाणी D, वरसांणीना B, वरासाणी G, पुरसाणी K.
- 44 बाह्य-बाह D. देखना-देशना B C E. बोरीबा-बोरीआ A. बोरिया K.
- 45 कहिटचा-लहिटआ А. इकड्या В. लहिटआ О. लहिल्या В. लायदेसना लहिटरिया К.
- 46 वंगेरीया-गंगेरी B. गंगेहंजा C. गंगेरिया D. . G. गंगापारना गंगेरिया K.
- 47 इंस्कार्र-इंस्कादरा B K, इंस्काद घोडा D,...E.
- 48 **करणभ्रमर-**कंडणभ्रमर A, उडणभ्रमर O K, जडणभ्रमरी D,...B, कडण पड ते G.
- 49 कथलां—उदसा B, उदसा O,...D B, उचसा G, उचसा E. फोरणां—फारणां A, फोरडा B, फेराका इंसला गंगाजका O,...D B, फीरणां G, फोरणा २९ ईसला ३० गंगाकल ३९ K.
- 50 चपळ-चफळ A, चपल ३२ к. चश्ण-वर्ण O G, चीरण D. बिस्तीर्ण-विस्तीर्णः चरण A, बस्तीर्ण D, विस्तीर्ण १३ к.
- 51 আভিছাৰি-আসিছাসি A, লাকিব্ৰাস B K, লাকিহাস O, লাকাহাস D, লাকাহাস B, লাকাহাস G. মনিছা-মনিছিন B, মনিছা O, মনিছা D, মনিছ K. বিৰো em-বিবো A K,...B, মুব্ধ O, বিব্ধ D, বিবিধ G, বিবিধা ই v K.
- 52 विशेष-वशेष D, विशेष G. गलि-गमन O, मति G. करड् -करई A, करि B O D G, करड ३५ K,
- 53 समस्यूं-सनस् ∧, मनशु 0, सनस्यु D, मनसिर्व ह, मनसि G, मनुशु ह. चाकह-चाळि В U G, चळह D. चाळक ३६ ह.
- 54 प्रवागस्थु-पवनर्स् A, पवनश्चं O, पवनस्यं D, पवनस्यं E, मनस् G, पवन जिम K. स्टब्स्-तरहं A, तरिह B, तरि O G, तिरह K.
- 55 पाडीप्-पाटि 0, पाट D, पाटली K. पग-दगपना A, पन इन ह, पर K.
  वेर्क्ष-वेड G. वे K. करवाह-कराई A, कराविष्ठ B, करावि 0 G, करावेड D, करीवड K. The order of
  - बद्ग-बद्ध G, प K. करायू-अतरपू A, अतरपू B, अतरा C G, अतरपू D, अतरपू K. Line Order of ll in ≜ B G K is 49-54, 43-46, 55-58, 47, 48, 59. J reads for ll 36-53: जनमा मंगाकल कराया । जागण कि किलोणों ॥
    - वेत्र पुरा भनि पुरासांगी । बाह्बा बहुटा नि गंगेट ।
    - इसवादमा अवग्रमस्य । सामिद्रोत्रप्रतिष्ट ॥
- 56 कक्षण-लवण B. समि-सुति B E. सुति B, गति G. परक्-वरहे A B, वर्ति B, C D omit l 54,

. संबुद्धः सांहि क्या" । केवद्दी कर्या" । ते बोडा पृथवी पुरतालई" ॥ ः वाचनाजींका व्यारि व्यारि विजया छड्ड । किरि जाणीड् आकाशि जन्म भागत कर्वति" । अध्यक्ष-वाताल तथां पाणी प्रगटाविति" ।

ते घोडा गंगोदकि कार्म कराव्या"। तेह तणि सिरि श्रीकमिल पूजा

तेह तणी पठि पंचवर्ण पाषर ढाली"। किसी किसी पाषर"। रणपणर"।

- 57 सम्बद्ध स. मांडि-माहि A R G K, मांहिं B,...C, बस्या-वश्या D, वसा G, तिरह K.
- 58 **बसवटी-क**स्ट्री B G, कसटीई C, कसोटी D, कसउटी E K,
- 59 बोबा-चोडे D K. प्रथवी-पृथ्वी B C K. प्रथवी D E G. बुरतालक्ट्-बुरतालक्ट्रं A, बुरातालि पृंदि B, बुरतालि C G, बुरतालक्ट्र D, प्ररातालक्ट्रं K. 1 reads for ll 54-59.

जातिसुजाती अनि सुविसिद्धाः। रदिवृद्धिः कर सोहः। श्रयकर्ता स्त्रोभितवर्णः। दृष्टि कपनिः मोहः॥

हवि भट्टाई ॥ वार्ता ॥ ते घोटा बीसि किशा । समुद्रमांहि वशा । कमटीई किशा ।

- 60 opjomit ll 60-62. बाबबालीया-नाषानालीई B, वाषवालिया B, वाषवालीया C, वागवा कीमा K ज्यारि व्यारि-असनार B, ज्यारि २ E G. बिक्रमा-वलगा A B E G. स्टू-र्स्ट A, शि B B G
- 61 किरि—... B, करि B G K. जाणीयु—जाणे B, जाणीयु B, जाणिये K. बाब्बाखे तणां-आकाश B, आकास G, आकाशने K. गमन-गमत G. करिस em-कर्राध ≜, करिस B G, करिसे E, करिसे K.
- 62 अध्या-... B G, पाताल-पातल R. तणां-तण् G. पाणी-पाणी B K. श्रगदाविश-प्रगटाविश्हं ▲, श्रगद हुति B, प्रगटाविश्व G, प्रगटावर्थे K
- 63 तै-तेह उ. बोबा-बोडानई ह. बोडां उ गंगोदिक-गंगोदिक छ, गंगोदिक तणां ह, गंगादक्द ह. जान-स्नांन D ह उ कराव्या-कराव्या ह.
- 64 तेब्-तद इ. ताब-नि A, तणे D E G K. सिति em-मले A,.. B E G K, शिरि O, सिरि D, शिरि J श्रीकमले -निरम कमाले करीनइ A, कमल C D J, श्रीकमल G, श्रीकमले E. पूजा कीची-प्जाल्या J.
- 65 लगी-तांग B J, तणे D, बोडा तणी G. पूरि-पूर्ति B, पुंठि C, पूरे D, पूर्ति E, पुरुद्द K. बाबना-बाबनां A, बाबनना B, बाबन E J, बाबना G. तणा-जा B,... D. दीधा-निस्या E, निशा G.
- 66 वर्णी-चेदा तमें D. पूर्ट-पूर्ट B D. पुंठि O, पूर्टि ह, पुरुद् K. पंचवर्ण-पंचवरण G. पायर-पायण G, पायर K. ब्राकी-वर्णी A, पाती D, पर्वी G, पाली K. J reads as 66: कवी पातणी वरित विभिन्नाई कीची।
- 67 किसी किसी-किबी २ ∆ ड, किबी २ ते B, ते कवी २ 0, कवी २ D G, किसी ते J, किबी किबी ⊈. पावर-...G
- 68 A transp. 68, 69. रणवयर -रजपन्यर B, रणवयर A C D H J.... K.

जीणगर " । गुडिपवर" । कोइपकर" । कातकीयाकी यापर" ॥

तेह क्षोडा तणी पृष्ठि पंचवर्णं पस्हाण पच्चां" । किस्सां किस्सां पद्धाण" । इ.की कुंक्ट्रोल" । बोडीया नागकणा" । वाजती वक्षावली" । वेस्तां बहिरयों" । बलबलारा गृंछों" । आहांस्यां ऊक्रहा" । पुहुली पातली पटाट" । दलकती छागल" । पीतलहर पागडों" ॥

ते**डे घोडे** किस्या किस्या पित्री चडीया<sup>8</sup> । पंचवीस वरस ऊपहरा<sup>9</sup> । पंचास वरस मांहि<sup>90</sup> । छघसंघानीक<sup>91</sup> । वीराधिवीर<sup>91</sup> । आकरणांत

- 69 जीणपवर-जीणवधर A C D E, जीणपच्यर B
- 70 गुडिपक्र-मृडिवपर A O D E J,...B, गुडीपपर K.
- 71 सोहपपर-लोहवपर A C J, लोहपप्यर B,.. E
- 72 कातलीयाली-कातलीवाली CDGJ, कातलीयारी ह, कातलियानि к. पायर-वयर A, पच्यर B, पयर к. Note-a ms ends at 172; n ms commences immediately from 173.
- 73 H MS starts from 173, तेष्ट्र-तेहज C, ते A B. बोबा-बोडां A J. पुटि-पुटि B, पुटि C D, पुटि B, पुटर्ड पंचवणे पापर पाली K. पंचवणे-पंचवणों K. पंचवणे-पंचवणों R. पंचवणे-पंचवणों R. पंचवणे D, पलाण H, पहलांच D, पलाण H, पहलांच J, पलांच K. पंचवणे-पांचवणे B, सोवियों C, साच्या D, जड़ी H, सांच्यां । वैद्वर्यं सणे जब्द्यां J, पच्चा K.
- 74 कियां कियां कियां कियां २ के ८ क्ष. कियां २ ते के, कियां २ ठ, कियां २ म, कियां २ उ.स. पण्डाण-... के म. पल्डाण ८, प्रकाण ठ, पक्षण ४.
- 75 कुली-करी B B,...O D J, कुलि H, कुली E. कुक्सेफ-कूकूलेल B J, कुंगोलेला O, कंकलेह पहलांग D, कंकरोल B, कंकलेल H, कुंतलेल K
- 76 बोडीया- ... A B E H, बोडीया J, बोडिआ K, नागफणा- ... A B E H, नागफणां D J.
- 77 ৰাজনী—ৰাজনী A E, ৰজনি B, ৰাজতী J. ৰজাততী—ৰজাততী A H, ৰাজাততী B, ৰজাততি C E, ৰজাততী D.
- 78 वेसरो-वेस्रां A E,... B C D J, वेस्रां H. वहिरवां-वहिकां A E,... B C D J, वहकां H, वहिरवा K
- 79 थक्यकारा गूड़ां-छलवरा गूड़ां A,...B C D J, थलयलारा गुड़ा B, यलथलारा गुड़ा B, बलह गुड़ा E, In H 179 follows 181.
- 80 **भारतियां उकदा** , B C D J, आंहांस्यां सकत्यां B, अहांस सकटा H, स्वांतस्या सकटा E.
- 81 पुहुली -पिहुली 🛦, कटी पुहुली B, पुहुली O, पुहुली D H, पहुली E K. पातली -.. B, पतली H. पटाट-पटाटि B पटाव E K
- 82 दलकरी छागक-सलकता फूमत मुंबया B, दलकरी पांणीनी छागल D. J omits 1 82,
- 83 पीतकहर-पीतलम् A, पीतलम् O, पीतलहरां B, पीतलहरमङ् E. पागडां-पागडां वसकसाट वाजि O, बाजता पागडां D.
- 84 तेहैं तेणे 0, तेह गृतिहि ६. किरुवाकिल्या-किरसाय क्राप्त क्षाप्त युष्ठण क्षरताय ग्राप्तियान पित्री–विज्ञीक 0, सुत्रीक्षा क्षरा क्षरा क्षरताय क्षरीया—यच्चा कष्ण क्षरा वृत्तिया क्षरताय क्ष
- 85 पंचवीस-पचवीस H. कपहरा-कफरा B O E H, कपरें D, कपहिरा J, उपहरा E.
- 86 मोहि-माहि A R H K, माहिल्या J.
- 87 जुजसंचानीक-लब्बुसघानी H. जब्बई संघानीक K. B C D R J omit 1 87.
- 88 BODJK omit 1 88.

मुंक" [ मानिप्रमाणं कूंब" । उदार सुसार" । इईर सुनिवार" । योवरं केंकड्रं" । अनसिनं तिरह पवनसिनं चाठर्रं" । कीर्ति विसारर्'' । पंदनारीसहोदरं " । संप्रानि सघर" । बोठावी मारर्" । नारी मरर्'' । आंपणं स्वानी राण्ं काज करर्'ं । छत्रीसह दंढायुध धरर्'ं । हबीबार बावरर्'ं । पञ्चानर् शब भणी नमस्कार करहं " ॥

तेहे राउते चालते इंते<sup>164</sup> । इसी गुडीया<sup>105</sup> । तुरी पापरीया<sup>166</sup> । रख जाना<sup>107</sup> ।

- 92 इक्केइ-हीइ A, हइइ H, हियइ K. सुविचार-सविचार B, सुवचार H. B O D B J omit 1 92.
- 93 सोडर्ड-मोई 0, सोई D B, सोइ H, घोडा J, सोटंड E. सोकह-बोलर्द A, बोलि 0, बोर्लि H, बोल्पा J. B omits ll 93-96.
- 94 अनस्तिकं-सनस् 🗚 अनसे о н к. सिरह-... А ह. तरि ०, तरह D, चालि н. प्रकासिकं-... А ह. पवनसे о н к. चालह-चालहं A, चालि о D, तरह н J omits 94-95.
- 95 कीर्ति-कीरति o, कीरित к. विकारह-विस्तरई ∆, विस्तारि o D, वस्तरि н.
- 96 परनारी-परनारि A, ते परनारी J.
- 97 संप्राप्त-संप्रामे ः, संप्राप्ति ः, संप्राप्ति ः, संप्राप्त ः सथर-महाधरः ः,
- 98 बोडाबी-बोलाबीज O. मारइ-मरइ A E, मारिई B, मारि O D J.
- 99 मारी-मारीनि 0, मारीनिई D. नरह-मरि 0 D H J, मारह A B omits 199.
- 100 The order of ll in H is 103, 101, 100 स्वामी तर्णु-सामीन् A, सामी तर्णु O, सामी तर्णु D H J, सांभीन् ह, न्यामी तर्णा K, काज-कारिज D, कार्च B H J K. करह—करहें A, सारि C, करि D H J. B omits ll 100, 101.
- 101 क्रजीसङ्-क्रगीस  $\Lambda$  H. दंडायुध-दंडाइध  $\Lambda$ , युद्ध D, दंडायध E, वंडायुध E K. धरङ्-धरई  $\Lambda$ , बाबरि O H, सरम करि D, वाबरह E. J omits B1 101—136.
- 102 BODHE omit 1 102.
- 103 पड्यानह-पच्यानि 0 H,...BD, पच्यांनई E, पच्यांत्रई E. स्व अणी-विव अणी AEK, सूर्व अणी B, विवनई D, सब अणी H, करकु-वरई A, करि B 0.
- 104 तेहें-तेह в о н, ते D, तिहि K. राडते-राउत C. हूंते-हुते A, छाक्या B, बके C, बके हुते D, स्थिके हुते B, यके हुते K,...H.
- 105 इस्ती-हिल ह, हथि K. गुडीबा em-गुज्या A B D K, गुंब्या 0, गडिया E. H omits ll 105-107.
- 106 तुरी-तुरीय A, तरी E. पावरीया--पाचका B D E, पावरिया □ E.
- 107 जूवा-जोतस्था D

<sup>89</sup> बाकरणांत-आकर्णत C D J, आकर्णांत E, आकरणांतक H. सृष्ठ-शुंच्छ C, सृक्षि D, शुष्ठ H, सुष्ठ K. B omits ll 89-91.

<sup>90</sup> गासिकसाण-नामित्रमांग DEJK. कृष-कृष AK, कुछ CH, कृषि D, कृष्ठ J.

<sup>91</sup> बदार-सदार D K.

रावत चडीवा<sup>13</sup> । सनाह जीघा<sup>111</sup> । केरका किरवा सनाह<sup>13</sup> । जरहजीण<sup>111</sup> । जीवणसाठ<sup>131</sup> । जीवरवी<sup>131</sup> । जंगरवी<sup>131</sup> । कहांगी<sup>131</sup> । कहांगी<sup>131</sup> । कहांगी<sup>131</sup> । कहांगी<sup>131</sup> । समस्त संनाह जीघा<sup>131</sup> । सम्रत्त संनाह जीघा<sup>131</sup> । सम्रत्त हजा<sup>131</sup> । युगर तणा खूंगार पढहडीया<sup>131</sup> । रतनावजी झठकती<sup>131</sup> । गोजां कठी कसकत्ती<sup>131</sup> । गाय स्ववती<sup>131</sup> । वाघ बजावजी वावी<sup>131</sup> । साहण फढहडा<sup>131</sup> । केपकार मत्तकारनी फेणावजी<sup>131</sup> । अपकार प्रतिकारनी फेणावजीं केप प्रतिकार प्रतिकारनी फेणावजीं केप प्रतिकारनी केप प्रतिका

- 108 राउत-राउत к. राउत к....н. चढीचा-चच्चा в D н к. चट्या о. चढिया к.
- 109 सनाह-समाह в о, संनाह н к, स्त्रीधा-लीघां в в, कीघा н.
- 110 किस्सा किस्सा-किसा २ ८ ), किस्सा २ ८ ०, किसा २ ४ ४, किशा किसा ४. सनाइ-सनाइ ८, सनाइ ४. ॥ म omit 1 110.
- 111-112 **जरहजीण जीवणसाल**-जरह जणसाल्या ह<sub>ँ</sub> जरिह जीणसाल 0, जरह जीणसाल D, जरिह जीणे जीवणसाल ह, जरिहेजीण जीणसाल H, जिरह ९ जीणसाल २ K.
- 113 जीवरपी-जीवरपी ३ K.
- 114 अंगरची-आंगरची A. अंगरची ४ K.
- 115 करांगी-...C D K, करावी H.
- 116 ब्रष्टांगी-...O E, बजागी D, बजांबी ५ K
- 117 कोइबद खुकि-लोइबद गुढि B O, लोइबंध लुडि D, ...E, लोइबंध लुडि H, लोइबंध लुडि ६ K.
- 118 समस्य संनाह कीथा-समसंनाह A, समस्य सन्नाह B, समस्य सन्नाह कीथा C, समस्य सन्नाह कीथा D, समस्य सन्ताह B.
- 119 सजीमूत-तालीभूत A, राजीभूत D E H. हूजा-हूपा A E, हवा B, हीआ H. C omits l 119.
- 120 **झुगट लणा**—सुगटना A, सुगटनि B, सगटना E, शृंगार—सणगार B, श्रंगार E E. धवाडीया-धवडक्या B D H E, धवडिया E, धवा रोसि धवडक्या C.
- 121 रचनावली-स्थाउलि C. अकबती-सलकी BCDHK, E omits l 121.
- 122 मोजां की कसकती-मोजडा तणी कसकती B, मोजा कवी कसकती B H, मोजडा कसक्यां K. G D omit 1 122.
- 128 राग रसंबद्धी-राग रसंबद्धी है, रागमस असी में, राग रासावली वसी है, BOD omit ! 128.
- 124 वास वासावली-वास बाउली B, वास वजाउली E, बाजी-वागी B H,...E, C D omit 1 124.
- 125 साहण-सांहण A, साहणना C, साहणना B, साहना H, संनाह साहणना K. फडहडा-फडहडाट C, फडहण्या D, फड़डडी H, फडहडी K
- 126 फेतकारनी-फेरकारनी в. केणाउली-फेनाउली в о, फेणीउली к
- 127 वसकि-आसण в, असण о, आसणि н к. कही-उदी с к.
- 128 रज रमीं-रज B, रज रमी C D, रज रमी रुपहार हुं H, रज रमा E.
- 129 मर्चकड-मगर A, प्रवर्षु B, प्रवर्तितं O, प्रवेतितं D, प्रगतितं B, प्रवत्य B. रूप हारण्यत-संपद्धार प्रवर्तावर A,...B B, रुपहार द्वं O, रुपहरे तृ D, रूप हारतु B.
- 180 सूर्व-सूर्वि A, स्वेदेवता H. वेड्डि करी-वेड्डि B, वेड्ड करी D, वेड्डि करी B, वेड्ड करी E. आकासट-काहिड B O, काडु D, आकाहिट B B, आकासाड E.

: जिस्सिक दंबायुष जीधां "। तहे राउते चाळते बंदीजल विरदावळी : बोडह छह्" । सूरा राउत चडीया" । हावी हावीबस्सं । घोडा : बोडहक्तं "। पाठा पाठास्यूं "। वडण तणा वाटक" । वेडां तणा आटक" । : तरुवारि तणा झाटक" । धुतुष तणा घोंकार "। वणी तणा अंगार "। : बाष्ण तणी वृष्टि" । इसी सरा राउत तणी सौर्वष्ति "॥

- 181 н omits l 181 जनीस-छनीस B. दंडासुध-दंडाउथ A, इंडासुध D K, दंडासघ E. स्रोधा-स्था B K. In K l 182 follows l 186
- 132 तेहैं-तिहि ह, H सहते-राउत ()... स बाकते-वाकते छाके हुंते ह, बाल । त D, वाकरे ह,
  ... बंदीजब-वर्धजन D, अनेक वंदीजन B, ह बिस्दाबकी-विस्तावकी B, बरतावकी D,
  विस्तावकी B, वया जय सबद B, विदाबकी वंदीजन E बोकह खहू-बोले B, बोकते (), बोकह D E.
- 133 с D в н omit ll 133-136 चढीया-चडिया в, चड्या к.
- 134 हाबी-हाचिए K. हाबीवासूं-हाबीस्यूं B, हाबी K.
- 135 **बोडा-**घोडउ ∧, घोडे к. घोडास्यूं-घोडास् ्र, घोडा रयह रथ к.
- 136 पाका पाकास्यूं-पालच पालास्ं А, रथ रथस्यूं पाला पालास्यूं В, पालइ पालउ К.
- 187 वृद्धम तथा-वृद्धमना A B, वृश्ववलता पाडानां H, ते वृद्धम तथा J, वृद्ध तथा K. वृद्धिक-वृद्धका A, वृद्धिका C, वृद्धम D, वृद्धिक H, झाटक K.
  - 138 वैदां तला-वेडाना ∆, वेडा तला в О Ј, वेडा तलां D, वेडाना № Н. आटक-संटका 🛦, सांटिका О, सरक D.
- 139 तक्यारि तणा-तस्यारिना A.E. तस्थारि तणा D. तस्थारिना H., तस्थारि तणा J. तस्थार ताणा K. साटक-सटका A. कटेक D. C omits 1 139.
- 140 **शुद्धव तणा**-शुनवना A, शतुष तणा В С J, धनय तणा D, शुतुषना B, धतुषना H, धनवना K. धोंकार-धोंकार D, धोंथकार D, धोंयाकार H. The order of ll in н is 141, 140.
- 141 अणी तणा-अणीना A E H, अणीअ तणा J. अगार-आगर A E.
- 142 **बाण तणी**-बाणनी A B, बांणतणी D H K, वाणनी B, पडछेदाना पडाउत बांण तणी C. K adds foll ll after 142:
  - अणीसर फूटइ सेल । देवता जोई बेल । जोइ सम्रामं । गणनल व्याप । नत लिप्पर बेटज नह बाप । त्रैवक वाजह सान । ढोल प्रसुक्द । क्वेंगर कंपर । सिंहेजह साम्हा धसद ।
- 143 इसी-ईसी J, इसा K सूरा राउत तणी-स्रा राउतांती A K, सूरा राउतांती B B, राउत तणी O, स्रातनी D सौर्वेद्रि-स्रिक्ति A, सौर्वेद्रितः B, सौर्वेद्रितः O, स्रव्हर्ति D, सौर्वेद्रितः B, सूर्वेद्यति E, सूर्वेद्याता J, स्रव्यिति K.
  - o adds foll l after 143 : राजाश्री काम्हरूदे तथि कटकि इसी फोज प्रवर्ति.

#### ।। पवाद्व ॥

आसापुरी आसिका आपी, बंबिक वाजी सान ।	
होल असुकड़ डूंगर कंपड़, चडीउ राउल कान्ह ॥	१९२
जपरि थिकां सांचरइ साहण, वेगि पुहुतां घांटी ।	
नह वाजी धमधमी धरणी, तरवरीयां तलहटी ॥	१९३
जइत देवडइ करी वीनती - बीडवं करव पसाव।	
राउल कान्ह प्रतापि तुम्हारइ अम्हे जई लेस्यूं घाउ ॥	१९४
मान्यउ बोल देई सीपामण इम कान्हडदे राइ।	
पइसी प्राणि असुर मारेज्यो, रषे इसारथ थाइ॥	१९५
कटक उत्पडीयां करी दमामां, विख्या जई तुरकांणइ।	
आब्या हेरू वात जणावी, छड मेल्हाण सिराणड ॥	१९६

१९२ पबाहु-चउपहें A, चुपहें B E, अथ पबाहु O, पबाहु D, . H, पबाहा J, चउपहें । पबाबा डाल K. आसायुर्त अल्लापुर्त D J, आशायुर्त E, आसायुर्त E, आसायुर्त E आसायुर्ज E मुस्ति E D, इस्कि D, इस्कि D J, इस्कि D J, इस्कि D प्रकृत E होते E , बोलि O, कापि D H, कापह E, असि J, कार्य E, स्वाहि E चार्य E, कार्य E, कार्य E D, कांह्रान H

१९३ विका-पक्षं ≜ म., नेका B, यका O K, विका D. सांचरह-पंजसा B, साजका O K, सांचरि D, सांचरियां झ J, सांचरा H. साहण-नाहण A. बेरी-चोंगं B E J, बेग K. पुहुतां-पहुतां A, पुहुता B, पुहुता B, पुहुता B, पुहुता H, पुहुता K बांदी-चांदी A. स. नद- E काली-वार्ताया A तांकी B J, वागि O, वाजीट B, वाजीला H, वीति K अमस्यी-पस्पतीं D) समस्यि J, समस्यक्तं K. क्रक्ली-पर्याते O, सरण S. सक्वी-पर्याते A H, तत्वरिया BD E J, तत्वरिया E. तकहृदी-तलहृद्दी B K, तलिहृदी B

१९४ जहत वेषबह्-जित देनिह BH, जित वेसडु C, जहत देगडु D, जहत् वेशवर्द B, जयत् देशि J, जहत्वेद-वह E. करि-करि O, करह D. बीहट-सीई B, सीई O, बीबा D, बीबां B H J K. करट-सह BO D H J, पश्चा-पसाय O H. राडळ-रावल K कान्द्र-कांन्द A J, कान्द्रवर्द B, जाव्त D, कांक्तां H. महापि-प्रसादि Q, प्रसादि D, तथी J, प्रसाद K. तुम्हरदु-त्यांति B H, तुझारि O D, तस्तार्द B, प्रतादि J. कर्यु-अहसे D, हमे J. कार्डु-ज K, जह H. केर्स्यु-केर्स् A B, केर्सु O K, केर्सिने D J, केर्सु H बाउ-पाय O D.

१९५ मान्यउem-मानी A, मानिउ B, मान्यु O J, मानु D, मानिउ B, मान्यउ H K देहे-धीइ O, देह H. सीवामण-सीवामणि D, सीवामण H, सीवामणि K हम-ईस D E, ईस J कान्द्रवर्दे-काहुन्तरे D, कोहान्तवरे H. साइ-राय A O E K, राई B, राउ D J. पहसी-पिसी B D, किसी J प्राणि-माणि O D H, सामिण करी J, प्राण K. कादुस-अस्तर H मारेक्यो-मारेयो B D, मारयो H, मारञ्जो K. हसास्य-हासारय A K. शाह-याय D K.

१९६ कपडीचां-कपडियां B E, कपड्यां O H K, कपटा D, करी J. करी-कपड्यां J. ब्रमामां om-इत्तां A, स्वामां B E, द्वामां O D, द्वामां B, द्वामा II, द्वामा J विकस्त कुष्ट, कहें विकस्तं A, कह्तूं कुष्ट B, बिंड कुंद 0, बक्ति कुंद D, बक्ति कुंद E, बक्ति के H, बक्दं, कुंद J, विकिद्य कुष्ट K. कुरकाण्य-दुक्तिकि B J, तरकांकि C, दुक्तिकि D H, तरकाज्य E, तुरकाण्य E. हेक्-हेरी B H, हेस्स् 0, दिर्ग J. कण्यांकी-काणांकी A, कणांकि D J, जणांकी H. कहु-कक्कर A H, 68 0 J. मेक्क्स्या-नेत्वांण 0 D H, मेक्क्षिण J, मेक्क्सण E. सिराण्य 600-सिरांणह A E, सिरांकि B J, किरांकि O, सपराण D, सिरांवाई B, सरांकि B.

करी केडि तुरकांणा पूठि, ए जाएस्यइ दूरि ।	
पूठि मिल्या तारच्या तेजी, जई आधिमतइ सूरि ॥	१९७
दीवी सहस विच्यारि करावी, नइ वाजइ रिणकाल्ह ।	
कटक थिकउं उरामणइ पासइ कीधउं झाकझमाल ॥	१९८
जांगी ढोल सातसइ वाजइ, बीहामणां नीसाण ।	
मांटी सबे मूछि वल घालइ, कायर पडइ पराण ॥	१९९
करी वि फोज मालदे राउल, ग्यु आथमणइ पासइ।	
पइठां कटक काठगढ भांजी, चउकी रह्या ति नासइ ॥	२००
पडी भेल बुंबारव वरत्यु, हीटू कीधी हाक।	
जडी ऊंघ नइ एक दिसि मुहुड्या, काने पडीया ढाक ॥	२०१

१९७ केकि-केड к तुरकाणा-तरकाणा B, तुरकाणा С J, तरकाण् D, तरकाणा В, तुरकाणा H. पूडि-पूर्वि B, पूंडि C D, पूर्वि E, पूट्ड K. ए-ए तु С जाएस्वह-जाएसि A, जासि C, जायसि D, जाएसिइ E, दूरि-स्वि C, पूर्विइ E, सिस्था-मिस्या A, मन्या H. तारच्या-तारवइ A H तेजी-ताजी D. आई-जईइ J, जह H K कार्यिमतह-आयिमतिड A, आयमति C D J, आयिमति II, आयमतह K. B omits vs 1.97 b

१९८ в omits 198 в. सहस-सहिस к विच्यारि-विच्यार ОН к, विचारि ह. नह बाजह-बाजह A, अनि वाजि С J, नह बजाव्या D, अनह बाजी ह. जह बाजह K. रिणकाव्ह e DI—रिणरिणहर A, रणकाव्ह o, रणकाव्ह o B z J, रणकाव्ह b, रिणका ह K विकड e DI—यकी A, तीले в o J, यकं D, विका ह, विक्रं म, वर्कु स. कमानव्ह-कमानवि в o D J, उपनम्पह к. वासह्-पासि в o D J. कीचर्च-कीचर A, कीयु В Н J, कीयु O, किञ्च o महाक्साच-सामस्माल к.

१९९ जांगी-जंगी µ, जागी म सालसह-सातसि µ, सातसिइ µ सातसिइ ॥ सातसि म J, सांतसिइ ॥ बाजह-बालिइ ॥ बाजि ० J, बागा ॥ बीहा-सणा म, बीहा-सणा ४ ० ॥, बीहा-सणा ८ J, बीहासणा म, बीहा-सणा ४, मीसाण-नीवाण ॥ नीवाण ग ॥ मारी-नाट ॥, साटी ० ॥, सोटी ॥ स्वेच-वर्ष ॥, सवि ०, सिव ॥ सुवि ।, सुवि ॥, सुव ॥,

२०० सि-मे D. राउक-राउत B, राउकि OD H K. रचु-गयु B O D H J, लिव B, खुं K. बायसणाह-कामाणि B, बायसणि O H J, अरावसभी D, आरिश्मण्ड B. प्रस्तु-न्यासिड B, पासि O D J. पाइटो-एटो B H J, पित O, पित्र D, प्रट B, प्रदा K करक-केटोल, प्रदासि E K. कारावस्थानायाल ८ भारीन-पाई C, भाजई D. चठकी-चुकी B O L H, जूकी D, चुकि J. रक्का-रहीया A, रहिया B B, रहिया J. सि-ने B O D B H J, नास्त्र EUD-नासाई A B, नासि B H J, नाशि O, नसेंद्र D. iv qr in K is चठकीथी हाक (वर्ष प्रश्न 2011 it qr).

२०१ K omits vs 201 a. सेक-भेलि B K J. ईवारब-युवारत B, बेवारव D, यूंबारव E J. बरायु-सितित B D B J, वरलि D Bी, वरित्त B, हिस्स J, कीमी-लीड H, शाक-सित . कसी केम-लीड तुरक B, उसी डीप ए, उसी कि H K म सु पह-वर्ष B, तुरक D B, मूर्स एक B, तरक H, तुरक्ती J. पिसि सुहुक्या-दिस मोझा A, दिशि सुडुच्या B, दस मोच्या ए, दस शुक्र्या D, दिशि सुसुक्तिम B, इस मोच्या H, जारे J, हिले सुख्या K. काने-काने A D B H K, कान J, प्रशीका-परीठ B, प्रसीवा, प्रशीका BJ, जीर J, हिले सुख्या K. काने-काने A D B H K, कान J, प्रशीका-परीठ B, प्रसीवा, प्रशीका BJ, जीर J, हिले सुख्या K. काने-काने A D B H K, कान J, प्रशीका साम्य-परीठ B,

२०४

२०५

गमे गमे दीसइ अजुवालां, म्लेके छांडी छाक । आपोपरि असमुहीया ऊठइ, कटकि पडीउ बलकाक ॥ 202

ऊंचे हाथि घाहि पोकारइ, बोलावड किरतार । आणीवार किम्हइ ऊवेलइ, करइ अम्हारी सार ॥ 203

जिरहजीण लिबराइ अवलां, आंगा सींगिणि बाण। ऊतावलां घलाइ अवलां, तेजी पृठि पहाण ॥

कीधी पनिर पान आगलि जई, एहवरं कहड पवास। फिरी बीटि दलि हींदू आब्या, लसकरि पडीं त्रास ॥

२०२ गमे गमे-गमे २ C J. दीसह अजूयालां-अज्याला वीसइ A. वीसि अज्याला B. वीसि अजुआलां С Н J. वीसड अजुआलां D. देसे अजुआलां к. स्टेडे-मेहे В Н. मटेडे С J छांडी-मांडी В. छांकी н. छाक-धात J. आपोपरि-आपोपि B, आपोपि O, आपोपरह E. असमुहीया ऊटइ-ऊठि दिशि मुहोच्या B. दिशि महत्त्व्या कठि C. कठइ असमुखा D. कठइ असमुहिया E, कठइ असमोह्या H. कठि दिसिमुख्या J. उठइ असमाह्या K कटकि-कटक B J, पडीउ-पडिउं B, पडिउ O B, पड्य D H,पड्यां J, पड्य K, बलकाक-बलिकाक B, बलबाक O H, बलकके D, बलकाकि E, बहु भात J. बलबाक K.

२०३ ऊंचे-अने A K, उंने D. हाथि-हाथे B O D H J K. भाहि-भाह B D J, करी O, दाह B, भाह н к. पोकारइ-पुकारिइ в, पोकारि О Ј, पोकारइ D, पुकारइ к. बोलाबइ-बोलावि в С н Ј, बोलावई D. किरतार-करतार A K. आणी-आणी O D J, इणी K. बार-वारि J, वारइ K. किम्हह ऊवेळह-अम्ह ऊवेळे A कहि जगारे B, किहा जगारे C, किम्ह उनेले D, किमहि उनेले H, किम्हिई उनेलि J, किमइ उनेले K. करह-करे AODEH, अकह K. अम्हारी-अहारी BCDEJ, अमारी H. सार-सर K

२०४ जिरहजीण-जरहजीण B C D H J, जिरहजीणि E, लिबराइ-पहिराइ B, लेवराइ ट H, लेवराइ D. लबरोइं B. लेबरावां J. लिबराइं K. अवलां-अमला A. लागां J. अवला K. आंगा-अवली B. अंगा O K. आगा H, सींगिण-शीगण A K, सिंगण C, सिगण D, शीगण B, सीगण H, सीगण J, बाण-बांण DHJK, बांणी B. कताबळां-कताविं B, कतांबिल D, कताविल HJ. बळाइ-घालह A, घालि BH. देवराइ C, लेवराई D, घलाई E, घलाई E. अवकां-अमलां A, अवला ते B, अवला E. पुटि-पृटि O D. पुँठि ह, पुठिय J, पुठइ H, पहाण-पलाण A, पहांग C D J, पहलांग E, पलांग H K,

२०५ वबरि-वबर A. वान-वांनजी D, वांन ह H J K आगालि जई-आगालि D. आगालि जह H K. पहचरं-एहर्ड BDJ, एहर्ड OHK, कहड़-किह BODHJ, कहिड B. फिरी-फेरी BJ, फरी QBH. बीदि-वेदि B U J. विटि D, वीटि B, वाटि H, वीट K. हीतू-हींद् B D B K, हिंदू C. U transposes as हिंद दक्ति, कसकरि-समकर B R J K, स्टब्बर O D, पढीड-पडिज O, पढीआ H, पडियद K.

अलूपानि हाथी पपराच्या, पहणाच्या तोपार ।	
इल इल करी भणी अजूयालां सांचरिया असवार ॥	२०६
आपपिराया विगति न लाभइ, दहु दिसि हीदू आवइ।	
बइटी मूटि म्लेछ मारंतां गांडाना घा फावइ ॥	२०७
तीन्हा तुरी ऊडवइ राउत, भला वावरइ भाला।	
माझिम राति म्लेख मारंतां दह दिसि हींडइ भूला॥	२०८
सपराणा सीनिणि गुण गाजइ, तीन्हा तीर विछूटइ।	
जरहजीण आंगा वीधीनइ अंगि सूंसरा फूटइ ॥	२०९

२०६ बहुसानि-अङ्ग्राने p, अङ्ग्रानि E, अङ्ग्रानि E J, अञ्ग्रान K. प्रदास्था-प्ररास्था J, पाष्टास्था K. बहुणास्था-प्रशास्था J, पहणास्था J. स्वर्णास्था J. स्वर्णास्था J. स्वर्णास्था J. तेष्यस-हुदार p, तीवर K. हढ हळ-हळ- २० D K करी संधी-सणी ने करि o, करी कीयो J. बजुवाळो अञ्चाला A B, अञ्चाला D J, अञ्चाला B, अञ्चाला K. सांबरिया—सावरिया B C, सावरिया B, सावरिया B C (सावरिया B) सावरिया B (सावरिया B) स

षुदा २ करी पोकारि हिंद् मारि घाय । मरि मलेछ रोम नि मृंगल कटक मांहि हलो थाइ ॥

२०७ कार्याचेरासा—आप लि पर B, आपसीआरा O, आपशा पीआर D, आपस्परा स SJ, आपस्पर H, आपणपती K, किराति—समति O B, नेगति D, तीगति K. स कामह्—न जालिह B, नकि लामि H, न लामि J. वृद्ध सिंत प्रत्न हिति क K, रहो रवि O, हृद रवि D, रहु रवि E, रहु रवि HJ. ही न्—विंद B DD. कामह—जाल्या B, साबि OJ. वृद्धि—सिंत B D C HJ, पाठी E मृदि—मृद्धि OB EJ मृदि H, मृदि K. मन्त्र मन्त्रेल A C J, मेह B H मार्रात् —सार्व A), सादि A, सावान—वीहना A E, वोहन K. वा—वाह D, ब्राह्म E, कावान—स्वाह D, ब्राह्म E, कावान—स्वाह A, कावान—स्वाह

एक ऊँपाला हडबरी ऊठि मूंकी सबे ऊजार । इम करता जे साह्या आवि भाला हहेया माहि वार्ड ॥ एक ऊठी जंगल माहि जाह पूंठि न जोए पाछुं । हिहुए कहिन्ने थुं अद्धे आवश्चं ते तु पर्युं सार्चुं ॥

२०८ तीन्द्रा-तीना B E H, तीन्द्रा C, तीन D, तीपा J. तुरी-तुरिय A K, तीर C. उदबह em-उठवह A K, उठवि B H, उदबि C J, उठवि D. राउत = हाथी C, राउत B मका-भलो K. बाबर्य-वाबरि B D H J बाबर्द D. साका-त्रिस्ता C, भाला K साहिम राति-माहिम राति B D स्टेक्ट-मलेळ A J, मेळ B H, दुस्क C. सार्वा-मारंता B K, मारीता H, मारता J. दह बिसि-दशे दिसि B, दशे दसि C, दुह दसि D B, दह दसि H J. हींबर्-टीट् A D J, हीवि B H, हिंद् C, हीट्द K

२०९ सपराणा-सपरांणा A R J, नपराणी 0, सपारांणा H सींगिषि-सीगिषि A J, सींगिषि 0, सींगिषि D, सींगिषि B दींगुण K गुण-गण B D J. गाजह-गाजि B C H, तालि J. सीन्दा-सीन्दा A, सीहला B, तीला E H, सीणा J, सीला के तील्दा E H, सिहर टे D, सिहर्ट J, सिह

मोगर बास पश्चि समरंगाण टोप करि चकच्चर । फरसी तथे प्रहारे सबछे असूरा माहि सूर ॥

जंगोअंगि पटे अणीयाखे प्राणइ पापर फोडइ । वांडा तमे घाइ सपराणे सांधिइ सांधि विकोडइ ॥	२१०
रणि राउत वावरइ कटारी, लोइ कटांकडि ऊडइ । तुरक तणा पाषरीया तेजी, ते तरुआरे गृडइ ॥	२११
माल तणी परि बाथे आवइ, प्राणइ विलगइ झूंटइ। गुडदा पाटू दोट वजावइ, भिडइ पहारे मोटइ॥	२१२
ऊपरिथा पूंतार विछूटइ, भूतिल भाजइ पाउ । बाढी सूंढि ढोलीइ ढांचा, घरणि वलइ नीहाउ ॥	२१३

२१० पटे-पटा O D, पढे K कार्याचारे-भणीयाला O, भणीजाला D, भणीजाले K J, अणिजाले K J, प्राण्ड D, प्राण्ड D, प्राण्ड D, प्राण्ड D, प्राप्ड D, प्राप्ड

२६१ к omitis vs 211 a रणि-रिण म स. सत्तव—ातव J. वाबरूर—ावार म 0 स म, वाबरूर D. कटांकट D. कटांकट D. कटांकट D. कटिकट म, काटके B. करके स. कद्दर—ावार A. वाजिर B. कर्सिं O J. बाजह B. कड़ स. तुरूक—तत्त्वह झ. तुरूक स. पाष्टीया तेजी—वायरीय तेजी B. तेजी पायरीया O. जे पाष्ट्रका तेजी D. वायरीया तेजी B. तेजी पायरीआ J. पाष्ट्रसा तेजी E. ते वरुआरे—ते तत्त्वार A. ते तरुआरे B. तरुआरे ते O. ते तरुआरे D. ते तरुआरे B. तेजी पायरीआ J. तुरुद्द—ावुद्ध A. माजि B. मूर्वि O J. पुष्ट D. युद्ध म. तुरुवा K o interpolates the following verse after 211:

सिंचाणा परि योध झडपि पाकि भूतिल भीत । कड २ इंतकली करकी न अबि अंगोऑग भीर ॥ Note—Verse-order in J is 211 a, 212 b, 212 a, 211 b,

२१२ जाबह्—आवि B H J, आवर् D. माणह—प्राणि B, प्राणि O D H J, प्राणिह B. विकाह—वलि B O, बको H, विलगि J, ब्रह्म् em—स्ट्रेंट A O D E H, झ्टिड B, जब्दे J, ब्र्टेंड. गुब्बा—गब्दा B O D B H J. पाह—पटा H. बोट—जोट B O D H, जोव J. वजावर्—जाविट B, वजावि O J, सिबह्—सङ B, अवि O H, अवर्ड D, मेटि J. सोय्ह्—जोट A O K, मोटि B J, मोटा D

२१३ कमरिया-कारीशी A F, कारी यका C, उपरिया D, कारी थिका J. पूंतार -पुंतार D J, कृतार H, पुतार K. विष्ट्य-किट्टि B J, वहटि C, विष्ट्य-केट्टि B J, वहटि C, विष्ट्य-केट्टि B J, वहटि C, विष्ट्य-केट्टि B J, वहटि अंग कार्य-वाणि B C J, मीज H L, पाउ-प्याप C J, वार्षों देवि-वार्की एकि A, वार्षों देवि B J, विष्ट्र में देवि D, वेदि B, वार्षों हों कि L, वोर्क्सिट वांचा-वोर्कीं हांचा A F, बोलि वांचाल B, वाल तिहां वांचि C, वार्किट वांचा D, वोर्क्सिट वांचा D, वार्क्सित वांचा D, वार्चित वांचा D, वार्क्सित वांचा D, वार्चित वांचा D, वार्चा वांचा D, वार्च

भाजइ कंध पडइ रिण माथां, घगड तणां घड धाइ। माहोमांहि मारेवा लागा, विगति किसी न लहाइ॥	२१४
हीदृए मारीथल कीधन, पग मेल्हणन न जाइ।	
लोही तणा प्रवाह ऊल्टीया, दीसइ विहाणा मांहि ॥	२१५
दोर सिराचा फेरी पाडइ, डहिली तणा बंधाण।	
वादी चंब जुजुआ कीघा, नइ छोडाव्यां वान ॥	२१६
घोडा हाथी ऊंट पोठीया, सवि ऊदाली लीधा।	
सादल सीह मलिक वि मोटा, बंदि जीवता कीधा ॥	२१७
अलुषान एकलंड नाठड, जे ह्रंतंड संपराणंड।	
सादी मलिक ऊंबरड मोटड, ते रिणषेत्रि मराणड ॥	२१८

२१% जाजह-भाजि BOJ, भाजई D. कंश-र्षण B, संघ C. पडहू-पडई A, पिडे BOJ. रिक-रिक BOD BJ, रण H सावा-मांथा H. धराब-पड़रा D. सक्यां-नणा A BK खाहू-थाई OD, धाई B, धाई K साहोस्माहि-माहोस्माहि A B, माहोस्माई D. सारेखा-विकग्वा B, सारवा OBH. खाना-कानइ D. विकास-वनति H, विनत K. किसी-कसी BOH. व—नवि BOJK लहाहू-कहाह A, जाणिह B, बाहि C, ति लहीह B, जयाह H, कहीं J, होई K.

२१५ बीक्प-हिंदुए 0, हींदूए D E, हीदूह H मारीयळ-मारीनर थल A, मारी नि यल 0. कीचड-कीचु B J, कीचु O D, पन-ए H. मेक्शनड-नेव्हण B, मेहल्ला O, मेल्लाण D, मेहल्लान B, मेहल्ला H, मेहला J, मेल्लाम K. बाह-नाई A K, जाय H कोडी-लोह B. जलटीया-डसटीया B, ऊंसटिया O, उक्सटिया B, उकस्त्रा H K. दीसह-वीलि B O J, दीसद जिम E. बिहाणा-वाहणा O, ब्याहणा D, बांला E, विहाणा H. मार्थि-नाहि A D E, मोहि B.

२१६ सिराचा-सराचा 0 म, शराचा J, शिराचा K पावह-पाडि B C J, फाडह E. हाहिकी-डहली A D. तथा-नो B E H E, देराज C, जा D J. वंषाण-मधान C, वंधांन D E, वंधांण H, वंधान E. वंब-वंध A K, जसे B, जांव H. जुल्हां-जुल्हा B E, जुल्लो H J. कीचा-नाला B E H K, गार्ली D, कीचा J. जह-वंदी A, ति B, अति C H J, अतंद D, अतद E. छोडाच्यां-मेहलाच्या C, छोडाच्या D K, छोडायिता B, छोडावि H. बाल-वांन A C D B H J E

२१७ घोडा-पोडी к.J. कंट-कट А. Н. К., अनद ह., अनि J. पोठीचा-पोठीआ О.D. Н. पोठिआ К. सि—ते О.D. म. से К. कडाली-उदाकी D. स. कटा К. स्टीधा-तीधां А. Н. J. लिघां D. सादक सीह सिक-सादक सीह तीक A. सादक सीह सिक्ट O.D. सादिक सीह सिक्ट क. कि सोटा-वे मोटा А.В.О.D. В., मी बेटा J. बेहे-बेची ह.J., बंद स. कीचा-कीचां J.

२१८ कास्त्रान-अस्तरांन D R J K. प्रकार – एक्स न B D J, एक्स O H, एक्स जि ह, एक्स जि K. नावड – साई B, ताले O. हुंबर em-हुंत A, हुद्व B H, हुंद्व C R J, हुंद D K, हुत्त K. सम्प्रनालक स्था-नारांगल A, सरायु B C J, सरायु D, सरायुं B B, सरायुं B B, सरायुं B S, साई-साइस के, साई-साइस के, साई D, हा सी ह, सारी J. सर्विक-सर्वंक K. कंबरड-कबरड A K, कंबर B D J, वंबर C. मोटड-मोटू B C H, मोटू D, मोटो K. स्थितिस-एवविंश B H, रिवेश्व C J, रिवेशिंत D B, रियोग K. सरायु लाट-सरायुं A R K, सरायु B D, सरीयु D J H.

एक नाठा जाइ दिसि मुहुक्या, जिसी वीवी अपार । करस्यइ केडि मारेस्यइ हीतू, कवेछे किरतार ॥	२१९
बीजइ दिन राउति रिण सोघिउं, दीठां पक्यां पल्हाण । हाथी तणी पांजरी भागी, घरणि ढल्या केकाण ॥	२२०
षेडां पांडां पड्यां जूजूआं, भाठा सांगि कटारी । भागे कणद्दी पडी तरूयारि, म्लेख मांकडा मारी ॥	२२१
कंध कवंध पड्या रणि दीसइ, कीधड कचराबोह । सोमनाथ मूकाब्यड राडलि, पछइ पषालियां लोह ॥	२२२
नवइ लाप बान मुकाव्यां, वरत्यउ जङ्जङ्कार । धन्य धन्य राउल कान्हडदे, कृष्ण तणउ अवतार ॥	२२६

२१९ वृक्त-एकि ह. नाठा-ना भ, नाहाठा J. जाह-जाई O.K. विस्ति सुदुक्या-दिसि सुहाध्या A, दिखि सुदुक्या B, दस सुद्ध्या O, दिसे सुद्ध्या D, दिसे सुदुद्धिया E, दिसे माइक्या भ, दिसे महाक्या K. ऊडी-क्टी A O E. बीदी-चिति O, बीदील D, घाह भ, वर्ती K कस्त्याह्-करिसे B O D E H J. केडि-लि O. सम्प्रेस्बह्-मारेसई A, मारिसे B O H J, सारसई D, मारेसि B. हीद्-हींस्, B, हीद् O D E H J. कदेखे-कलेकि J. किरावार-करतार A H K.

२२० बीजह-बीजि BOJ, विजइ D दिन-दिनि BOD BJ, दहन H, दीन K. राउति-राउते B, राउत EHJK रिण-रण BOD EH, रिण J, रीण K. सोचिंड-सोचर्ड A, सोच्यूं B, सोच्या O K, सोच्या DJ, सोमिंड H. दींठो-चींठा K पक्यां-पधीयां A, पढियां D E, पक्षाण-पजांण A, पराण O, पत्र्वाण D B, पहलांण H, नेस्हाण J, पलाण K आगी-मांजी O. धरणि-घरलि A, धरण K. बड्या-बळीया A, विलिस B. केसामा-केताण D B H.

२२१ वेडा बांडां-वेडा वाडां A O, वाडां वेडा B, वेड्यां वांडा D, वेडा वांडां K. प्रवर्ण-प्रयोक्षा A, प्रविश्वां B B, एक्शा C. वृत्कां-वृत्वां A B B, ज्व्ला K. भाका-वांडां K. स्रांति-सींतिले B, सींगले O, सींतिले D, माति B, सात K. कटारी-कटारी A. कणाके-कणते B D J, कणावे B, कस्तंल K. तक्क्यारि-तक्कारि पत्रो ते A, तक्कार्य D, तक्कारी H, कटारी J, तक्कार K III Qr In O is: उंट भागा को विद्यार्थ कीरी. क्षेत्र — स्थेख — स्थेख — स्थेख A D, स्थेख D, मांकडा—सात्र B (हा क्षेत्र — स्थेख —

२२२ क्षेत्र क्षेत्र -कायपुच A, कंपसंत B, कंपसंत D, कंपकर्तपकंप B, कंपसंघ K. पक्का-पकीया A, पिता B B, पक्कां J. रिल -रिल A K. दीसह-वीति B C H J, कीतुं D. कक्पाबाह-कालोह K. स्काम्बट-म्हलाचु A, गृंकाल्यु B, सोकलाव्या C, शुंकाल्यु D, गृंकाल्यु B, मोकलाव्या C, शुंकाल्यु D, गृंकाल्यु B, मोकलाव्या C, शुंकाल्यु D, गृंकाल्यु B, मोकलाव्या C, शुंकाल्यु D, गृंकल्यु D, गृंकल्यु D, गृंकल्यु D, गृंकल्यु D, गृंकल्यु D, गृंकल्यु D, प्रावित B H. पळ्ड -पित्र B, पित्र C H J, पित्र D प्रावित्य प्रावित्य सि A, प्रवास्य D K, प्रवास्य D

२२३ नवह-नि BHJ, नव CD. बान-बान ARHJK, ज्वांट C, जो बांन D. सुकाम्यां-सुंकाव्यों BEJ, सुंकाव्या C, सुकाव्या K. वरशक-वरत्यु ADHJ, वरतित BOE, जहबबहुकार-जह २ कार A, जयश्वर BCD EJ, ययजकार H, जहबबकार K. अन्य धान्य-कर AC प्रम अंग B, अन्न C, D, यन्य २ EJ, धन पन्य H. राडक-राउत B. कालहृदये-औं कान्द्रवे A, कान्द्रीया C, कांन्द्रवे D EK, कांह्रीनवे H. कुष्ण-कान्द्र DJ, कन्द्र E. वजाव-त्यु BDD H, तथि J, बाबवार-अववारि J.

#### ॥ चउपई ॥

चाहुआण कुछ पुण्य अपार, पुण्यह घ्येष्ण्य करित संहार ।
पुण्यह पक आरोगह पान, पुण्यह घरि सांपडह निधान ॥ २२४
पुण्यह हुह सुकुळीणी नारि, पुण्यह तेजी बाहाह बारि ।
पुण्यवंतनह सह को नमह, पुण्यहीण नर भूळा भमह ॥ २२५
पुण्यह रोग न आवह अंगि, पुण्यह पुरुष रमह मनरंगि ।
पुण्यह अंगि न आवह रीस, पुण्यह विव्र दीह आसीस ॥ २२६
पुण्यह वाह्वां नहीं वियोग, पुण्यह हुह सजन संयोग ।
पुण्यह पहिरोह बारू चीर, पुण्यह हुह सुठरां सरीर ॥

२२५ करपरे-चुरी в J, जुपरे O, जुपरे: D,.. E, जुपर H. बाहुबाल-बाहुबाल A B, बहुबाला O, बहुबाल B, बहुबाल B, बहुबाल H, बहुबाल J, बहुबाल B, कुछि-जुलि B, कुछ A, जुपर म, जुपर B, जुपरा-बुद्धान C B, जुपरा-बुद्धान C B, पुणिक पुणिक B, जुपरा-बुद्धान C B, जुपरा-बुद्धान C B, पुणिक पुणिक B, जुपरा-बुद्धान C B, जुपरा-बुद्धान C B, पुण्या D, जुपरा-बुद्धान C B, जुपरा-बुद्ध

२२५ प्रकार-पुल्स B J, पुलि ह, पुनह H, पुल्स स, सुष्ट-धरि O, हुई D, होह J K. सुष्ट्र-कियी-सुकर्तनी A J, सुक्रहील D, सकरीली E, सुंकरीली H, सक्रुनीली K नारि-नार D. पुण्यक्-पुलह A, पुल्सि B J, पुल्स D E, पुलि H तेकी-देवंत O D E J, तेलि H बास्स्-वाधि B O, बक्ते D, बाहि H J. बारि-बार A, पुल्यकेत कु-पुल्यवंतन ह, पुल्पवंति B, पुल्यवंति है , पुल्यवंति B, पुल्यवंति पुल्लाकी पु

२२६ प्रण्याह-पुन्यह A, पुन्यि B, पुण्यहं D E, पुन्यह H, पुन्यि J आवश्वह-लगाह A, आसि B O H J. अगि-अमी B, सी J. पुण्याह-पुन्यि B, पुन्यहं D E, पुण्यहं D E, पुण्याहं D E, पुण्याहं D E, पुण्याह E, पुण्

२२७ दुम्बर्-पुंच्यद A, पुष्पि B J, पुष्पई D B, पुल्पि H, पुष्पेई K. बाह्नो-बाल्हों A B K, सक्त O, साहला M, साल्हा J स्वी-नहीं B B, नहीं D कियोग-नयोग H पुरुष्य -पुष्पेय B, पुल्प O, पुष्पई D B K, पुल्पस H, पुष्पेय J, इस-दूर A, होई J. सजन-वाराज A, युजन B, सजन O, संबोग-संपंत्री A, संबोग K. दुष्पाइ-पुष्पि B, पुल्पि C, पुष्प्य E, पुरुष्प A, पुष्पेय L, पुष्पि J, पुष्पि C, पुष्प्पंद D, पुष्पेय B, पुष

पुण्यवंतनां दुसकृत टल्ड, पुण्यवंतनइ बामर ढल्ड ।
पुण्यवंत सिरि छन घराइ, पुण्यवंत निव पाला जाइ ॥
२२८
पुण्यइ मयगल बाझइ बारि, पुण्यवंत भुज नावइ हारि ।
पुण्यइ हुइ नित नवला रंग, पुण्यइ हुगीह वेणिमृतंग ॥
२२९
पुण्यइ प्रहैं ह तलाई बाट, पुण्यइ कीरित बोल्ड माट ।
पुण्यइ प्रहैं तलाई बाट, पुण्यइ हुइ पुत्रसंतान ॥
२२०
पुण्यइ परि निव पुटड घान, पुण्यइ हुइ प्रमसंत मधान ।
पुण्यइ करी राय दीइ मान, पुण्यइ हुद पासरा मधान ।
पुण्यइ धरीइ सोनासार, पुण्यइ प्रहिरीइ मोतीहार ॥
२३१
पुण्यइ परि त्रिणि वार अद्वोत्तरसन्न मंगलवार ॥

२३० प्रण्यह-पुष्पदं A, पुष्पि B 0, पुष्प D, पुष्पि H, पुष्पि J, पुष्पेई K. स्हेहं न्त्हेंथ A, सह B B, क्षेद्रं H, स्हें J, स्ववह K. तकाई-त्ववह H, तुलाह K. बाट-वाटि O. पुष्पयह-पुष्पिदं B, पुष्पि D B, पुष्पि B, पुष्पि D J, बोकह-नोलि B H J, बोकर्ट D. D transp Bs बोकर्ट कीरित. पुष्पयह-पुष्प A, पुष्पि B, पुष्पद B K, पुष्पद B K, पुष्पि B, पुष्प J, बारे तिवि-निव पिसे H. पृट्यह-पुट्टं A, पृटि B H, पुरुष्प J, पुष्प B, प्राप्प B K, पुष्पद B, पुष्पि J, बारे तिवि-निव परि H. पृट्यह-पुट्टं A, पृटि B H, पुष्पि B J, पुष्प B J, पुष्पि B J, पुष्पि B J, पुष्पि B J, पुष्पि B J, पुष्पे B J, पुष्पे D B H J K, पुष्पवह-पुष्प A, पुष्पि B J, पुष्पे G D, पुष्पे B J, पुष्पे D B H, पुष्पेतान J, पुष्पे B J, पु

च होरे पुण्यह -पुष्प A, पुष्पि B, पुण्यहं D B, पुन्पि H, पुष्पि J, पुण्यें K. करी-... E J. राज-रा B, य H, रा K. तीह-दें A, चिर D, ताजं हुद B, है H, वे K. साल-नानि AD H, बहाना J, पुण्यह -पुण्यक A, पुण्यें B, पुण्यहं B, पुण्यें B, पुण्यें B, पुण्यें B, पुण्यें B, पुण्यें R पाया-नानि B, स्वर्ष्ट K. सभाल-मानि D E H K, निरान J. पुण्यह -पुष्पि B J, पुण्यें B, पुलि H, पुण्यें K. करीहा-करिह D, प्रदे हों दें K. क्षेत्रसारा-नानित्र D E K, पुण्यवट-पुण्य A, पुष्पि B, पुण्यें D B, पुण्यें F B, पुण्यें B, पुण्यें D B

२१२ युष्पद्द-पुष्पि छ , पुष्पि ०, पुष्पद ०, पुष्पद ४, पुनि छ, पुष्पे ६. पानीव्-नामइ ०, पानीव् छ , पानिते ६. युष्पद्द-पुर्या ४, पुष्पि छ १, पुंच्हें ०, पुष्पुदं ४, पुष्पुद छ, पुष्पुद ६. हुद्द-रोह १, हुई ६. स्वीरति-कीर्ति ०. युष्पवेत-पुग्यर्वत ० छ, पुष्पवेतनि । विक्वि-निव्हि ४, त्रणि छ ०, त्रिव्हिद्द ६, त्रहृह छ, निक्कृद ६. वार-वार इ. बहुश्वरसव्द-नाठोतासु ४ छ, महोतास्य छ , मठोतासु ० छ ४, मठोतास्य ० छ ४, पुष्पञ्च मुचि कूबर्ड निव चवड, पुण्यवंत पृथवी मोगचड ।
पुष्पञ्च पुष्प करह आदरी, नितु दीवाली पुण्यह करी ॥ २६६ जे जे आण्या वानर वीर, पुण्यह पायर तरीया नीर ।
पुण्यह अणयुगर्तु संभवड, रामि राक्षस हणीया सवड ॥ २६४ कूरव कूढ न सीघर्ड काज, पुण्यह पांडव पान्या राज ।
पुण्यमसंता पुहुवि करी, पद्मनाम पंडित विस्तरी ॥ २६५ कान्हढदेनह पुण्यह करी, जिंग जय दीघर आसापुरी ।
वस्यां करक आणंदिर्ड सह, कीरति बोलह बंदिण बहु ॥ २६६

२३३ प्रकार-पुंचार A, पुष्पि BOJ, पुष्पार DB, पुलि H. सुषि-मुखि AB, लिप्प D, सिली J. पुण्यस् प्रक्रिय-पुष्पत्त K. कुब्रद लिंकि न कुटल टी, कहुत लिंकि, कुद्ध निलं C, निलं कुटल D, न कुट से, न कुट स, निलं कुद्ध J, कुटल निलं E, च्यार-पुण्यस् A, प्रविद B, च्रिक प्रक्रियः, प्रविद B, पुष्पत् प्रयो R. प्राप्यक्त पुण्यस् D, पुष्पत्त प्रयो B BJ, सुर्वत पूर्यो K. प्रोप्ताक्त में निलं कुटल टी, किंदि प्रयो D, प्रयो B BJ, सुर्वत पूर्यो K. प्रोप्ताक्त D, भोगति BJ, पुष्पद्द D, पुष्पद्द

२६५ क्रूप्त -इरत A, कूबर B O, कोरत D, कोरति H, ईरत J, कोरत E. क्रूष्ट -क्रूबी D, क्रूंड B, क्रूष्ट H. सीवर्त-चीर्ष्ट B D B J, चीर्ष्ट O, चीर्ष्ट H, चीर्षो E. काळ-स्तत E. पुण्यह-पुन्यह A, पुरिय B J, पुर्चिष O, पुण्याई E K, पुनि H. वांडव-पांटांते A, पाटव E. पास्था-पान्यते A, पान्या O B, पास्था E, पाम्यत E. पुण्य-पुन्य A H, पुष्यि O, पुंष्य D, पुष्पई B, पुष्पि J. मस्सा-पान्यता E. पुष्टि-पुर्वि A O B, पुष्टित B, पुर्विष्ट D, पुहुविर्द B, पुरुवा E. करी-चारे D. पष्टमास-पर्ननाम A H J, पर्ननामि E. पिक्रील-चीरित B.

२६६ कान्यवर्षेनय्-काक्टवेन BO, काहनवर्षेनद्र D, कान्यवर्षेनद्र B, कान्यवर्षेनद्र J, काहानवर्षेने J, काहानवर्षेने स, प्रमास-पुरिष BOJ, पुण्यद्र E, पुन्य H, जाम-पुने B, पुषि H, जाम-जास A, ज्याज H, O transp BB ज्या जास. वीपक-पिपु BOD H, रीपो E. जासायुरी-आसायुरी ॥ वटप्दे ॥ A, आवायुरी B BJ, जालायुरी D, वावयां-विकट माणिवर-जायंवित A, आनंविदे B, आनंत्रुरी D, आंत्रेष्ट्र H, आर्थिद J, आर्थ्य E, सह्-पद्धं O, बहु J, बोव्यू-बोके BOH J, बंदिंग E. वेदिण-वेदी O, बंदिंग D, वोदंग D, वावस्र B, वदिंग म, बहु-पद्धं O, बहु J, बोव्यू-बोके BOH J, वंदिंग E. वेदिंग-वेदी O, बंदींग D,

नगर सणी सांचरीज राज, तत्त्विण बिंडज जीसाणे घाज ।
मेळ्या रुद्ध न लाई वेब, नगर मणी पघराज्या देव ॥ २६७
जीतज कान्द्र वात इम सुणी, नगरलोक घाइ बद्धामणी ।
मदनमेरि मूंगल भरहरह, वर्ण जतारह जय जय करह ॥ २६८
सवि तलीयातोरण मुख्युल्य, नगर माहि गूडी ऊळ्ळह ।
फल्या मनोरय पूगी जास, जामि जीमि दिवराह रास ॥ २६९
नारी करह लुणलुल्यां, नगर माहि मांच्यां पेषणां ।
मारिन नवां पायशां चीर, फूल पगर परिमल जबीर ॥ २४०
पद्मानाभ सवि हणि परि भणह, आल्या राय नगर आपणह ।
बीजा छह जे राणा राव, आपापणे आवासे जाह ॥ २४१

२३७ सांचरीड-सांसरीया 0, सांचरीया 10, संचरीया 13, सांचरीया 14 13, संचरीया 14 13, संचरीयो 15, राज-राय 0 10, स्वरिष्ण-तातिक्षण A, तात्वयि 15, तातक्षण 0 15, तातिषण D, तातिषण J, ब्रालंड-बल्या 0 10 15 15, व्यक्ति 15, सीसाण-नीसाण A 15 14 15, नीसाण B, निसाण D, बाज-बाय 0 10, सेक्या-नेटीया 14, सेटिज 15, मिटिया 0 15, स्वर्क-स्व 11 14 व स्वर्ध-न आव्या 14, न लगी 0, नालीइ 14, वक्ता 15, वेष-लेख 15, प्रकाराजा-प्यारीया 14, प्याच्या 15.

230 साथ कांग्रेस तोरण-ताथेया तोरण साथ B B O, साथी ताथेया तोरण D, साथ ताथेयां तोरण B, साथ ताथेया तोरण B, ताथेया तोरण साथ J, साथे ताथेया तोरण B, सकडाइक सम्बन्ध A, सकडाईक E, सकडाईक OB B. मार्कि-माहि B E. गुली-गुली J. सकडाइ-सकडाई A, कांग्रेस B B J, उठाई O C, गुणी-गुरी O, इसि इसि कांग्रि-माहि B E B, होंग्रेस O D B J. विकास -विकास -विकास को प्रेसर (D B, वेसराई B, वेसराई B, वेसराई B, वेसराई B, वेसराई B,

२५० करत्—करि В О Н J, कर्स् D. खुमलुक्कमां –खण्लंकमां A B, खंगलंकमां C D E J, खंगलंकमां H, ब्राम्बक्कमां E, स्वास्त्र मार्थ में प्रस्त कर्मा निकास D E, नेवास E, वेवसां—पेवसा E, स्वास्त्र —पेवसां —प्रस्त में प्रवादि D, परविष्ठ में, पाविष्ठां D L, परिष्ठ — प्रवादि D, परविष्ठ — प्रवादि D, परविष्ठ — प्रवादि D, परविष्ठ — प्रवादि च मार्थ में प्रवादि D, परविष्ठ — प्रस्त मार्थ में प्रवादि च मार्थ मार्थ में प्रवादि D, परविष्ठ में प्रवादि च मार्थ मार्थ में प्रवादि मार्थ मार्य मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्य मार्थ मार्थ म

२७१ पद्मवाल-पदमनाभ त 0, पदमनाभि ह, पदानाभि ह. कवि-पंकित त,...0, कहि स. हृति परि-इस ८, एणी परि छ स. ईणी परि ०, ईलि परि ०, ईली परि ह. र सम्बन्ध-समिह छ उ, समि ०, राष-राए छ, सगर ह. सगर-सगर किछ हिल करि १, रास ह. कापणह-कापण्डं ८, कापणि छ ० स उ, छन्-छि छ ० इ. इस छ. से-ये ०. ० र स्टबाइक कहे वे छि. राष्ट्रा-पंचा ८ ह, राणो छ छ, राष्ट्र स. वापारणे-कापणास्त्री छ, स्वापासी 0, अपनाप्त्रे छ उ. बाहासी-वरे सहू ४, वर्षर सहू छ, आनाते छ, संबेदि सहू ४, छन्-वाद छ छह- ं पांडव दीह चासणी चाण, वालि छेई बांध्या केकाण । सविकहि हियह हरव न माय, माहिलह मुहलि पधारीया राय ॥ २४२

॥ राग धन्यासी, घुछ ॥

मांडवि मिलिय सुहासणी, सबी उद्वणि नवरंग घाट कि ॥ जीतउं सहीय वधामणूं ए ॥ २४३

हियडह हरप अपार कि, सभी बोल्ड मालदे वीर कि ॥ जीतउं सहीय वधामणूं ए ॥ आंचली ॥ २४४

हार निगोदर बहिरषा, सषी नेउर रणझणकार कि ॥ जीतउं० ॥ २४५

२५३ ह мя stops at राग धन्याची शुळ o мя omits the entire song, i.e. vs 243—249. राग धन्याची, शुळ-राग घवज धन्याची हा , राग धन्याची शुळ: D, राग धन्याची छ. ता धन्याची छ. सांबंधि-मार्थवर्ष A. क्षिल्य-मिर्छाई A. क्षिलि छ म. क्षिलई D, क्षिल्य E. सुद्रास्त्रणी-सुद्रास्त्रणी कि ती अ. क्षिल क्ष्यां प्राचित्र करियों के क्ष्यां करियों के सुद्रास्त्रणी म. सोद्रास्त्रणी ए अ. स्पी-स्थि A, सखी इ... स्ट. उद्योग वर्षरा कि कु संद्रास्त्रणी कि हा सुद्रास्त्रणी म. सोद्रास्त्र करियों के स्ट. स्ट्रास्त्र करियों के स्ट. स्ट्रास्त्र करियों के स्ट. स्ट्रास्त्र करियों के स्ट्रास्त्र करियों करियों के स्ट्रास्त्र करियों करियों

२४५ वियोदर-नगोरर H. बहिरवा-राववीए J. सपी-...J. नेवर-नेवरला A, नेवर D, नेक्सिए J. रण-सणकार-समकार A J, रुणस्एकार K. बि-किह A,...H, तु J. बीलर्ड-जीतुं० A, बीतु B D J,...H, वी Қ. त्राट करु करि कनकमइ, सबी मोतीयडे पूरु चुक कि ॥ जीतरं०॥ २४६ तिलक करु कंकम तणां, सबी तिणि रंगि राज वधाव कि॥

तेलक करु कुंकुम तणां, सभी तिणि रंगि राउ वधावु कि॥ जीतउं०॥ २४७

समुर दली घरि आयीज, सपी शंकर छोडीन बंध कि ॥ जीतनं ०॥ २४८ कान्हडदे जीवे घणूं, सपी बेलिइ मालदे वीर कि ॥ जीतनं ०॥ २४९

### ॥ चउपई ॥

सरसां संबळ नइ पहिरणां, पाछां बान चळाव्यां घणां। अवळा विप्र दीइ आसीस, कान्हड जीवउ कोडि वरीस॥२५० सोमनाथ आराधइ कान्ह, नितु नितु पंचामृति सनान। पूजा तणा सोळ उपचार, चंदन कुसम तिळक झूंगार॥ २५१

२४६ ब्राट-प्राट K करू करि-करि A, करूँ करि D, करीय ते J, करी करि K. कनकमरू-रलीयामण्ड A, कनकमि B, कनकमर ए D, कनकमि ए J, कनकमै K. सपी-सखी B, .. J मोतीयदे-मोतीबे A B D H, मोतीव्यदे K. पूर-पूर्क B, पुरु K, जुक-चउक K. जीतउं-जीतुं∘ A, जीतु B J, जीजु D,...H, जीतुं सिही० K.

२४७ कह-इसन A, कर्र B, कर्र D H, कर रे J, करी K ईक्डम-इंकम A D K, केंकू H. तर्णा-तर्णू B, तर्णू पु J, तर्णा K. सर्पा-सर्वी B, . . J. तिली स्ति-तीली स्पि A, रेति B, तेणि रंति D, नवरिति K. क्यासु em-व्यातित A, वधाव B H J, वधाव D, वथावद K. कि-वह H. जीतकं-जीद्व o A B J, जीट्र D,...H, जीतन K

२६८ बहुर-अस्र H. वृत्की-भंती H. बाबीड-आवीया J. आविया E. सपी-सबी B....J. तापी E. शंकर-संकर A H. तरकता J. छोडीड-छोडचु B. छोड्यु J. छोड्यु E. कंघ-वंदि A. वध H. जीतर्ज-जीतुं॰ A. जीतुं॰ B. जीतुं D. जी॰ J.. .H. जीतु सही E.

२४९ कान्यबर्धे-मान्द्रवर्धे A J, काहनवर्धे D, काहानवर्धे H. बर्ण्-यस्स H A, पर्ण् H, पर्ण् V, पर्ण्ं V, क्लिंक्-बोक्स् A, बेलन्स् H, बंधव J, बोलर्ट् नर्द् K. Li Qr in B is सली पूर्जो आसापुरी आस कि. बीतव्यं-सभी नवर्धाट नाम रहावीं कि I जीतुः I A जीतुः B J K, जीतुं D,...H

२५१ बाराबर्श-आराबि BOHJ. कान्य्-कांन्द्र A, शहान B, कांब्रांन HJ. नितु नितु-तित २ A BHE. देवाब्युक्त-वंत्राहार्ति A, वंत्राव्यत BOJE, वंत्राव्यत D, वंत्राव्यत स. स्वतान-स्तांन AODE, केसे सानांन प्र-वंत्रान स. बज्जा-त्यां D. वंपत्राय-अभ्याय A H, क्रमवार O. इस्ताय-कुमुझ B O. इस्तार निवास-विकन्न कुंक्स D, वेशक इस्तम JE. स्वाग्त-विजयार B, स्वायार O, स्वत्यार प्र, क्षेत्रार स. नितु जितु पूजा हुइ सवनवी, सह जुहारह भगति सावी ।
नवे बंडि कीरति विस्तरी, कान्हिंड वात असंभम करी ॥ १५२
नरकपात उत्रेष्ठह जेड, मोटा संकट छोडिड तेड ।
स्रति पांच एक लिंगयी, छठी तास जमिल को नयी ॥ १५३
सोरठ भणी पशरान्यज लिंग, एक भाग वागडि छोहिंसँग ।
आबू उत्परि थाहर भणी, स्रति एक तिहां मोकली ॥ १५५
स्रति एक जालहुर मांहि, तिहां प्रासाद कराच्यु राइ ।
वेडल एक सहंवाडी मांहि, पांच ठामि शंकर पूजाइ ॥ १५५
पांच लिंग जे पूजा करह, गर्भवासि ते नवि अवतरह ।
पद्मनाभ पंडित हम कही, पहिला बंड समापति हुई ॥ १५६

२५२ लितु लितु-नित २ क. निख ०, नितु २ ० ४, नतानित म. नित नित स. हुइ-होइ ४ स. हुइ म. मबनवी-निरस्ती ०. सहू-महु ० स. जुडासह-जुड़ारि ४ ०, जोहारि ४ समारित-मिक ४, ममारित ४०, ममारित ४०, समारित ४०, समारित ४०, समारित ४०, काम्हु ४ करी ०. नवे वंधि-नाव पढ़े ४ ० ४, वे वंधे ० म ४ काम्हु ६-कोन्हु ६ ४, काम्हु ४ ० स. कोम्हु ४ ०, कोन्हु ४ ०, कोम्हु ४ ०, को

२५३ नरकपात-तरकपातक B H, नगरपात O, तुरको पालि K. क्रवेडङ्-कवेलिट B, कपाबि C, क्रवेडि H J. कोट-जेंद्र B D, तेंद्र C, तेंब H, तेंक K. मोटा-मोटा B H J क्रोबिट-लुटे B, क्रोबि O H J, क्रिक्सा K. तेंड-तेंद्र B D, देंद्र C, तेंव H, तेंक J, तेंच K, मुस्ति-मृंति K. पांच-पंच B. किंगाबी-स्पंगबी H, लिमाबी K. तास अवस्थि-अवस्थि लास B, तास आवस्थि O D H, वर्षी-मृद्धी A.

स्पेश्व सोरड-मुत्त D, स्रत H. पश्चाम्बद नप्पताच्या A B, पश्याख्यु o H J, पश्याख्यु D. सिंगा-ति 0, स्थ्रीम H. पृक-एग J. बागावि-वागवि मोकल्यव A, िह B, वागव 0, वागेवि D. कोहस्तिन लोहस्तीि B, कोहस्ता लेहस्ति मा J E क्योरि-कर्योति 2, सिंहा-ति व्य-एक मह्यति J. तिह्ना-ठामि 0, तिह्ना D, J gives tho foll vs order. 255 a, 254 a, 254 b, 255 b.

२५५ सूरति-महूरति J. जालहुर-जालोर A. जालेहर B. जालहुर H. जालहुर J. जालेरह E. सोहि-महारि A. साहि B. साहि E. तिहा-लिहा D. मासाबर-प्रशाद B C D J. कराष्ट्र-करावि B. कराविउ O B., कराव्युड E. राह 600-राय A B O D J. A., राउ H. देवज-देखल O, रउल H. एक साहै-एक छह साई A., एक सि B. एक सु O J. एक स्व D. असाविल H. एक छह स. सोहि-माहि A. योच-यंव B. ए पांच O. डासि-लांसि B O D H J. बांकर-संकर H. पुलाह-पुलाव H.

२५६ पांच-पांचे O D K, पांचि उ किंग-लिंग त, लिंगई D, त्यंग H, लंगे K. जे-... उ J K. करह-करिंद B, करि O H J. पांचेवासि-गरमवालि A H ब्यवसह-विस्तरिंद B, जबसरि O H J. A B D H K omit 256 b, O reads as 256 b: परमागि वात ईम वहीं पहिला पंच समापति हुई; J reads as प्रयस्तास पंडित हैम बहि प्रथम पंच समापति काई

Note-The colophons of the first khanda are:

इति प्रथम पंड समाप्तः ॥ A B; इति श्री कांडवरेरुवायो प्रथमपंडमच्चे पुजराति सोरत हिष्णा संद नव-काच तोसंद देव कें गाँउ जालहुर पासि शिराणि दरु जान्यां कान्तवरों श्रीला अधिकारे प्रथम पंटः 10; इति तानुवरों च्यूपंडंच प्रमापंड समाप्तः । D ; इति प्रथमपंडः । E ; इति श्री प्रथमपंडः समाप्तः ॥ J ; इति श्री कोन्द्रों चलपंडं प्रथमपंड समाप्तः ॥ ९ ॥ E.

## द्वितीय खंड

## ॥ चउपई ॥

बीजा पंड तणड प्रारंभ बोल्ड पद्मनाम कि वंभ ।
राजरित उच्छव नवनवा, साचइ न्यायि लोक पालिवा ॥ १
के जे तुरक नासी जवस्या, एक ठामि जई जंगिल मिस्या ।
एक उचाडा वच्चविद्याण, शुधा करी एक थाइ पीण ॥ २
एक घूमता जाइ धाइ, एक डोली उपाच्या जाइ ।
एक तणइ सुषि टोईइ नीर, पाला पुलड ऊंबरा मीर ॥ १
रानि कलंतां थया दिन घणा, ढीली नयरि गया जगणा ।
अल्रुपान अंधारूं करी, वच्च एक सुषि अंतरि धरी ॥ ४
इसत वेष निव भावइ भलज, नगर मांहि प्हरुव एकलव ।
भागां तणी वात इम सुणी, ठामि ठामि रोइ तुरकणी ॥ ५

१ A adds before vs 1 'बीजा खंडतु प्रारंभ लियीई छह।।. H adds ई नमी गुण्यत्त्रये नसः। All Mss omit the name of the metre, बीजा-बीजा J लगड-लगु छ ० D स J, सारंध-सारंभ D स. बोक्ड -बोकि B ० उ पद्मताभ-पदमनाभ A ० स, पद्मताभि K. रिरंड-अहिंद A B ०, रिश्वे D स् रिश्वे स. बच्चा-चळव A B H K, उत्सव ० नवनवा-नवनना A. साच्य-दाशिव B ० J, साचा D. म्याई-न्याह A, नाह ह, न्याय D H, न्याई J, लोक K. लोक-न्याव K. पाल्डिया-पालिवा A, पालवा B ० D स J.

श्रे के ने वे थे 0. तुरक-तरक स. नासी-नाहाती र, नासि स. कवस्था-उवत्था स. एक-एकि स. कामि-उसि B 0 D H J. ऑक्-ते A. . 0, जे स. जद स. सिक्या-मत्या H. B J transp as जेनकि जैसे. क्याबा-उवादा D. विद्योण-विद्वीन B J. वदीन C H श्रुपा-भूषि O J, पृष्ट D, क्षणा स. करी-कारी B. O transp as एक भूषे करी. थाक्-व्या B O J, वाई स. पीण-कीण B, यीन O.

है क्ष्व-इक स. घूसेवा-पूराता B, धूसता O, घूसता D. बाहू-जार्थ A, ओह C J, जार्ट्स स. बाहू-चार O D H J, यूब-एक स. बोर्डी-डोजीए B, कोल्ड O, कोलेई J. कराक्या-अराविया A, पाव्या B, उसांकि H, कसाबी J. O transp As कराव्या कोल्ड. जाह्द-जाय O D H. तवाडू-तिण B C H J, तले E. सुवि-सिंव H, सुव K. बोईब्र-टोर्ट B O D H J, ठोई K. पुकबृ-पुलि B, पलि O J, पलंड D, पल्ड H. कंबरा-कवरा A, कंबरा B, वंबरा O B, वंबरा D.

ध रानि-रानि A D J K. रहंतर्वा-रर्जना B O D J, रहता H, रहंत K. थया-प्या D. षणा-पणां D. रीकी-सिकी C, ककी H, दिखे K. स्वरी-नारर A, नगरि O D K, भणी J. पया—ग B J, कायणा-सुर्यमा B, उच्चणा O, उनणां D, करणं गया J, भारता L. स्वरुद्धान स्थारित A, अवद्धानं D H K, स्वद्धानि J. स्वरार्क-संपार्व C, अंगार H, अंगारो K. श्रुपी-सुख B C, हुर्षि D. स्वरीति-अंतर B H J.

दोलें टोले पडइ करांषि, नीर प्रवाह वहह जिम आंषि ।
एक फाडह पहिरण सूंयणी, पाप नेजरी भांजह घणी ॥
६
एक नांषह एकाजिल हार, एक जतारह सवि सिणगार ।
ताणह बीणि विछोडह दोर, एक ल्रूला दिसह बंदोर ॥
७
एक निष रहह पुहर नह घडी, एक आछोटह आडी पडी ।
स्यु विषवाद पान नह फुलि, एक रोआवि मुहुगि मुलि ॥
८
एक तणा बांधव भरतार, एक तणा फुटरा कुमार ।
जो जे हता रिणवाउठा, एक तणा मह्मा माउला ॥
९
अल्लुपाननह ग्रह सवि शाप, एक तणा रणि मारिया बाप ।
मांधविसाहणे पडीया वार, नगर मांहि दिवराणां हार ॥
१०

६ शोके शोके—बोके वोके A, टोके २० म. टोकर २०, टाके टोके J, टोको टोके स. एकक्-पक्ड A, प्रविद्ध В, पर्वित 0 म. करि J, फिरर ह. करायि म. करायि 0 स. वर्राके D. सवाद वहाद—प्रवाह 4, प्रवाह बहै हि 0 म J, प्रवाह बही D किस—ते 0, किस J. बारि—व्यक्ति च म. काडबू—वावि 8 0 म J, प्रवाह पहिराण—पहिराण B 0 D J, पहिरि म. संपर्णी—विश्णी B, स्पर्णी D, सर्णी H. Lii Qr 1D B is : एक पहिराण कांकि वीशी त. पार—वाटि B. नेवरी-नेवर D J K. आंकक्-माविह B, वाजि C, माजई D, साजि म, साजि J, सोर्क ह.

प्रक-एकि A H K. स्विष्ट em-नांचर, A. नांचि B, नांचि C H J, त्वचर D, न्हांचर E. कतादा-का B C H J, उतादर E. स्वि-विव A सिणागर-राज्यार O, स्वचार H, श्रांचर J. साज्य-तांचि B, तांची O, तांचर D, तांचि H J, तांचर E. कींचि-वींचे O, विचि D, वींच E. चिकोदार्-चिवोटिंड A, विकोटिं B C, चिकोर्ड D, वांजेंडर H, वांचेंट J सेर-चेंगेर A H K, एक दोर J. खुक्सा दीसार्-भांने व्हता B, व्हसा वींचें O, अंग्ले व्हात H, अगर व्हार्स K. चेंदोर-चेंदोर D K. iv qr III J 19:एक नांचि आभरणह सोरि. A omits iv qr

८ A omits i, ii and iii qrs. एक नलि-एकनइ к रहाई em-रहि во н л, रहाई D, बिरह к. पुहर-पुछोर в, पुहर ा, पुषर к मह-नि в н л, न к. मालोटह-आलेटि в л, आलोटई D, अलोटि म, आलेटह к. माती पदी-पुछोर नि पायी В, आती पढि म, आढि चारी л. पुत्र-चित्र छ, पायु 0 л, धु म, स्वाद к. विषयाद-चित्र ह, विव л. पान-पान D म к. नह-नि в 0, ह म, समुक्ति л. फुळि-फूक в 0 D म,... ते लेवाचि-रोयावर्द л, रोवि ते л, रोजावह к. सुद्विश em-सुहुगे л, सुद्विग в, सुचि 0, सुद्विग D, मुह बाई म, सम्बद л, सहराइ к.

९ बांधव-नंघव O D J, वंधव K. कुमार-कमार H. जे जे हता—जे हता त A, ये ये हता C, जे जे हुता त J, जे जे हेता K. रिण-रिण BOD, रण H, रणा J, रिण K. वाउला-नावउला K. मासा-मारिया A HJ.

१० व्यद्धपानम् ६००-अल्हपानन् ४, अञ्चपानि ४, अल्हपानि ० उ, अञ्चपानि ० उ, अञ्चपानि ० उ, अञ्चपानि ४, अञ्चपानि ४, अञ्चपानि ४, अञ्चपानि ४, अञ्चपानि ४, इ.स. १८०० ४, स्थाप ०, आप ४ तथा-तथा ४ उ.स. स्थाप ० अप ४ तथा ४, तथ

पके एकि सुणीजह सगह, जाली वात पातिसाह लगह ।
आक्वा जे जीवता निदानि, ते तेडी पृष्ट्या सुलतानि ॥ ११
अल्हणन पयह भडवान, किम चहुआणे दीघन दान ।
बोल्द्र तुरक धामणह सादि, आगलि रह्या करह फिरीयादि ॥ १२
वषन अवधारज अलपति राह, जे जे वीगुं उसकर माहि ।
योजन सीदा गारीया पान, नवह लाप छोडान्यां बान ॥ १३
मह्या योहर पास पवास, वैद युलाणे छीधा धास ।
बंद गुलाम को तिणि वार, समरंगणि पाक्या परदार ॥ १४
हण्या हक्सी पांडाधार, मृगल वचा न लामह पार ।
हाषी सबे उदाली ठीया, तेजी तापति छंडावीया ॥

११ एकड् एकि-एक एक B, एकएकी O, एकाएक B K, एकाएक B K, एकाएक B B, सुक्षीजब्द-समीजि B D, समस्य O, समिज B, सुक्षीजि J, सुकी के K, समङ्क-साई A, सिम B J, चिम D, मह B. साई-बोली B, चली B पातिसाइ-पातसाइ A B O D B U, पातशाइ J. कमड्र-लगई A, लगिइ B, लगि OD B J. जीवता-जीवित D. लिदानि-निदान O, निदानि B J. पूळ्या-पूछिया B. सुक्तालि-सुरताण B, सुरतालि O, सुरतालि D, सुरतालि

१२ अख्याम - अञ्चलं A D H K, अञ्चलं B L प्यञ्च-एवड A, एवड C K. सदयाड-अडवाय B C D, भदवात H, अदिवाद K. यह्यां ि P स्वाच-पांच A B, चहुलाले D K, चहुलाले D दीशवड-वीड़ B H J, वीचा C. इंडि-चा B, पार C, दांड D, पार H, दाऊ J. बोळह-बोळि B C H J, तुरक-तदक B H. चालणाहु em-द्यालणाइ A, द्यामणि B D J, द्यांनणि C, यानिले H, यहमाल्यास K द्यांन-पांक A, रहिया B, रहा H, वालि H, यहमाल्यास K द्यांन-पांक A, रहिया B, रहा H, वालि H, यहमाल्यास B C H J, करियादि D K.

१३ समधारड-अवधार B O D H J. राष्ट्-राउ A J, राय B O D H. जे जे बीतुं-एक जीवंतु B, ये ये बीतुं जो जीवंतु D J, जे जीवंतु B, जे बीवंतु ल क्रक्किल-क्ष्मर O D, छि लस्कर J. माहि-माहि A H, सिंहि K. बीजल-बीजान O, बोजा D, मांन J, बोजिन K. सिंहा-सारी A, स्वा, सीवा H, रहीत ते J, स्वंतु K. सारीचा-मारिया B J, माझा O D K. बान-पान O H J, यांनि D. नवा काष —मन नव लाप A, नवि लाष B J, नव लाव O D. खोडाच्यां-लेटाल्या B D. बाल-यांन A B J K.

१४ मासा-मारी A D, मीरां B O B J. बोहर वास-बोर वान B, बोजा वास C, बोर वार D, वोषर वास B, वासा J, सैव-सेवर O, सर्द B E, देर J, झुळाणे-मळांणे C J, मळाणे D, सुळांणे B, सुळांणा K. क्रिया-सेवर D, वेद K. गुळाग-गुळांग C D J. सवै-सिंव B, तिकि वार-तिका बीर A B J, तेणी वार O, तेणि वार B, सावा D, वरदार-द्वार C D, दरकार B, सावा D, वरदार-द्वार C O, दरकार B, सावा D, वरदार-द्वार C O, दरकार E.

१५ इण्या-इणीया A. बोडाचार-पांडाघारि A. H. पाडानी घार D. सूगळ-मूंगळ B. सुंगळ 0, सुगळ H. K. बचा-बचा D. ब-नवि O. काजडू-कानि B. H. J. सवे-सवि G J. सवे D. रहि H. कदाळी-वदाठी H. कीचा-किया K. कीजा H. तेजी-तेजि D. कंडाबीया-वंडाविया A. K. छोडाबीजा H. कंडाबीयां J. स्त्राकी कीयां इषीयार, बान तणा ख्ला मंडार ।
बिह कपिर बाव्हिमनइ हेज, पातसाहना वे भाणेज ॥
स्वरू सीह मिलक जे हता, प्राणह बंदि कला जीवता ।
दीटउं इस्यूं अस्हारह नेत्रि, सादी मिलक पिड रिणषेत्रि ॥ १७
बात बात केहि करह सलाम, केता मिलक न जाणं नाम ।
एकमना मारह रजपूत, हीदूनन कोडाव्यन सूत ॥
स्वर्ताणी वात रणि कीयन रोल, पातसाहि नांच्यन तंबोल ।
सुरताणी योडा हायीया, कान्हडदे कदान्ती कीया ॥
१९
मीर मिलक मान्ह्या रिण माहि, इसी बात देसानरि जाह ।
दीली निव वहसह दीवाण, बाहरि सुहल न दीह सुरताण ॥ २०

१६ कदाकी-कपाली к लीपो-लीपा ВК. हबीबार-हबीआर ОНЈ, हिम्यार К. पान-पान ВОНЈ. हणा-तणी А. खुखा-लिका А. लिपा В. खुखा कु. छुत्या D. खुखा к. भंडार-तीपार О. लिह्-जीह В D Н Ј К, के О. बालिहमलह्-वालिहुउ मन А. बाहुल प्राप्त प्रत्या सन О, वाहा सनि D, वाहाल सन Н, बाहुलो मन Ј. हेक-जीह В. पालसाहना-पालिसाहना К. बे-वि В С D, वि Н, जे К. आणेज-भाणेज D К. iv Qr in J is: सालिया पालसाह माणेज

१७ साबक सीब्र-साव्छ सीब्र ८, सावेळ सीब्र ४ मिळक-सबळ ८. हवा-बुंतर ८. शाणह् em-माणेब्र ४, प्राणि ८, प्राणि ८ छ ४ , प्राण्ड ६. बंदि-बंधि ८ कला-स्टर ८, करिया ४ छ ४ त्रीबतात-जीवरत ८, जीवता ८, होकर्ड-सीद्ध ८, प्रीटर ८ , प्रीट् ४, प्रीट् ४ हस्प्र्-वर्स ८, व्ह्य ८, अब्रु छ , अस्ट छ ४, च्यां ४, स्टंड ४. कल्वारह्-अक्षारि ८ ४, जापणि ८, अव्सारे ७, क्यारे ४. नेत्रि-नेत्र ४ छ ४. सावीं ८. सावीं-सांदि ८. मिळक-सिक्ट ६. प्रविद-प्यीट ३, प्राचीं ४. सिण्येष्ट -एणेश्र ४ छ ८, स्विचेश्र ४ ३, स्विचेश्र ४ ३, स्विचेश्र ४ १,

१८ बात बात-बाति बात A, बात २ С D J. छोहि-छेह A D J, च्हेहि ए, छोह H, छो K. काह्य-कार्र B C D H J. सहास-स्टाम A D H, प्रणास J, सिलाम K. खाणवं-जाव्यू B, जार्लु D K, जार्लू D, जार्लू B, जार्ल्य J. नास-पार A, नाम B D H J, ताम C एकस्ता-प्रत्येत B, एकस्ता J सारह्य-माल्ला B, सारि O H J, हीस्तुन्व-होर्ग् त्या B, हिंदुर्ज ट, हिंद्जं ट, हिंद्जं ट, हिंदुर्ग प्र, हीद्तं J. छोडास्थउ-छोडाव्यु B, छोडाव्यु D, छोडार्लु D, छोडाव्यिउ H, छोडाव्यू J, छोडाव्यु S स्कूट-धुत D

१९ सुर्णी-सुषि ०. रणि-रिण ४ К, मनि ४ कीचड-कीचु ४ ० छ । यालसाहि-पातसाहि ०, पातसाह J, पातिसाह ६. नोध्यड-नायु ४ ०, नाषिउ ४, नाषिउ ॥, नाषि ३ सुरवाणी-सुरताणी ४ ६, सुस्ताणी ०, द्रस्ताणी ०, क्रमाणी ०

२० सांखा-मारीया A D, मारी B, मारीआ H. रिण-रण B O H J, रिण D. सांख्रि-सांद्रि A H K, मांढ्रि D, इसी-अवरी ए जाब-जाय O H. डीकी-विज्ञीद ए, रिक्की K. नांचे-न ए, न वि D. बद्दसद्द-विस्ति B, विश्व C, विद्य D, वचती H, नियद J, बद्दसद्द K. दीचाण-मुस्तांण ए, वीज्यांकि H, वीजाकि J, वीवांण K, बाह्य-बाहिद्दे प, बाहिद K. सुरख-सुदुल B, महुल K. न दीष्ट्-निह् ए, न विद्द p, न बद्द K. सुरखाण-सुरतांण H, सुरतान J, ग्रीतेर्गा K. अलुपानि विसमाहिनं काज, कटक मरावी आञ्चन आज। करह वात इम सारूं राज, अलुपानि जो आणी लाज॥ २१ इसी वात बोलइ परधान, रपे गुहल माहि आवह पान। अलुपानि विणसाहिनं काम, पातसाहनूं लूण हराम॥ २२ [अलुपाननन जाणी दोस, पातसाह मनि आणिन रोस॥] २३

### ॥ पवाडु ॥

पातिसाह मिन वात विमासी नाहर मिलक बोलाव्यव । साथि थिकउ भोजलु षांडाधर ग्रुहल आगिलह आब्यव ॥ २४ करी मसूरति देई सीपामण, नामजाद स्वव साथि । माहुआडि ऊपरि ग्रुरताणह बीलउं आप्यवं हाथि ॥ २५

२५ पवाहु-वाल A B, पवाहु: D, पवाडा बाल म, रास बाल पवाडानी K. पातिसाह्-पातसाह A B O D H J. मले बात-इवि मनि O. विसासी-विमांसी J, बमारी H नाहर-नाहार B, नाह H. मलिक-बान J, बोकालपड-बोलाविव B D, तेवाबिव O, लेकाल्यु H J, बोकावव K. सायि-नाल्य A. पिकड-पक्ट A, पक्क B O, विद्वाध J. मोकलु-मोजलव A, भोजल K. बोकायर-विचायर A. स्वाध्य नावायर स्वाध्य में स्वाध्य मे स्वाध्य में स्वाध्य में स्वाध्य में स्वाध्य में स्वाध्य में स्वा

२५ मस्तरि—मञ्जूति ≜ J, मसुरति K. देष्ट्रँ—वेद्र H. सीषामण-सीषामणि D K, सीषामण H J. नामजाद-नामजद D, नामजाद H J. स्वयं—स्व A, स्वित B D, दब O, स्व H, ठीव J. साथि—साय D, सायद K. नास्क्रमादि—मास्त्रमणि B, मारुआदि H. सुरवाण्य oDD—सुरतारि A, दक तुंत्र्यां B, सुक्तामि O, सुरतािय D, सर्वारिय H, सुरतािय J, सुरताेण्य K. सीवर्व-बीबूं B J, बीढुं O, बीढुं E K. सान्यर्व-आव्यूं B, सवद D, कायित H, सम्मुच्यं, अस्तुं स. साम्यर्व-साथ्यं D K.

२१ बाबुदानि-अनुसान ० ह. अनुसीन D H J विकसाडिड-नगताक्कूँ छ, नगसाडिड ठ, नगसाडि ठ, व्यसाडिड ठ, व्यसाडिड ठ, व्यसाडिड ठ, व्यसाडिड छ, विकसाव्या ह छ, आविड D स J. क्ष्यू-व्यस् B ठ ठ, नदद स इस-अज्ञ छ, इस D. सार्क-ताह छ, साह स. साहं उ राज-कांज स. बाब्दानि-अनुसानि A D H. अव्यानित उ, अव्यान ह जी-जु छ स,.... उ, जी स. काणी-अणावी ठ, अणी D स ह, आवी री.

२२ हसी-असी B, हैसी J. बोलह-जोलई A, जोलि B O H J. परचान-परधान O H J K, प्रधोन D. सुहल-मुहुल B J, महल H, महल K. साहि-नाहि B, महि K. बालह-जाति B O H J. पान-पांन A D H J K. बद्यानि-अद्यानि D H, अद्यान K. बिणसाढिंड-ज्यालाक् B, ननसाढिंड O, वणसाढिंड D, क्यानि-अद्यानि D H, अद्यान K. बिणसाढिंड-ज्यालाक् B, ननसाढिंड O, वणसाढिंड D, वणसाढिंड H, विणसाढां K. काम-काम A D H J K. पानसाहत् J. पानसाहत् J.

२३ अलुपाननं em-अलुपाननं h, अलुपाननं B, अलुपानि D, अलुपानि H J, अलुपानि उ к. आणी-जांणी h H J K, मि जांणी D. पालसाइ-पातसाई B, पातसाइनु H, पातसाइ J, पातिसाइ K, आणिड-परीड Å, ऑगिंड D J, आणी H, अंणी K o omits vs 23.

मोटा मलिक सबे तेडाच्या, साहण करच सजाई।	
सोननिरास् विग्रह मांडज, मारूआडि मांहि जाई॥	२६
पाणी धान चलावउ साथइ, सोबति वाहु अपार ।	
आपआपणा मरातव छेज्यो, मांहि भला झूझार ॥	२७
नामजाद मयगल मदमाता, ल्यड साहण सपराणूं ।	
साथि घणूं पायदल पालबं, वेगि दीउ पियाणवं ॥	२८
करी कूच जाई नइ छेज्यो मारूआडिनूं पासूं।	
पातिसाह एहवूं मुपि बोलइ, वली रवे हुइ हासूं ॥	२९
करस्यूं काम विछेदइ जाई अम्ह आयस परमाण।	
नाहर मलिक पातिसाह केरडं सिरि कीघडं फुरमाण ॥	₹०

२६ तेबाल्या-तेज्याच्या к. करव-कर B O J, कर D. सवाई-सजार H. सोनिगरासूं-सोनिगरिस्ं A, सोनिगरिस्ं O, सोनिगरास्ं D , सोनिगरास्य H, सोनिगरास्ं J, सोनिगरास्ं K मोडव-माड B, मांडे O, माडिव H, मांड्र J मास्त्रमाडि-मारिआरि A, मार्ग्याट B, मार्ग्याट O H. माहि-मांडा J, माहे H, माहि K. बाई-नाइ H.

२७ पाणी-पाणि D, पाणी J धान-धान ADHJ, चलावड-चलाबु BHJ, चलाव्यां O D. सायह-साथि AOJ, साथि B सोबति-सोभति D बाहु-बहर AK, बहि CDJ, हवि H. बापकापणा-आपाणां A, आपापणा DK केडपो-केजे B, केंद्र o, केयो DHJ साहि-साहि AOK, साही H.

२८ नामबाद-दरमदार (, नामजाद D II, नोशजाद J सरवाक-स्पाल A, ति सवपाल C J, न्ह सवपाल D K, मेराक H. सदसाता-मिंद माता B, माता C D J K, क्या ट-किड B II, डीलं त, हिलं D, लेख J, लेख JK, स्वी K. साहण-सीहण A D स्वयरार्थ्य-स्थापां A, सरपाणे G, स्वपार्थ D II, स्वपारा J K. साह्य-साहिष्ट स्थाप्त स्थाप्त प्रकार में प्रका

दर् करी-करिय A J क्व-च्छ A, इक B D J, कुठ H, क्वं K जाई सद्-नार्द सि B, सि जोई 0 J, न जाई D, जाद ति H. लेजनी-जोवो A, लेजो B, लेजो O D J, लज्जो K. मास्क्रमाविन्-सार्व्यादिन्द B D, मारक्जाविन् G B, मास्क्राविन्द K पार्च्-पार्च O B, पारत D, पांचू F पारिस्ताइ-पारताह A B D D B, पारताह J प्रवृत्त्-पुरुवर्च A, इस O, एएल्चं D K. सुचि-सुचि B, सि B, O transp As शुचि इस. कोकद्र-नोलि B O B J, वकी-वलि D, रचे-राचे A. O transp As रचे वली. हृद्द-पाइ O, हार्च्-हार्खे O B K, हारांचे

३० करस्पूं-करसत A C, कासित D, करस्तुं H K, करहां J काम-कांम D J. सिकेद्द-विकेद्दरं A, सिकेद्दे B D J, स्क्रीद H. बाई-जात H. क्यन-कांद्र B D H. कायस-कांद्र B K, कार्यस D. प्रस्तान-फुरसान A, प्रयांन D, फरमांन H, फरमांन J, पुरावान K. बाहर-नांद्र H. सिलेद्रास-पातास A, B B B, प्रात्तक A, प्रदेश केट कि कर के K, केट B, केट D, केट H, केट J. सिरि-सिर A K, सिर H, सीर J. क्रीस्ट-कियू B, किर्च D, फीसु H, टीपूं J, कीयत K. फुरसान-फुरमांन A, फरमांन D J, फरमांन H. O omitte vs 30. हल हल करी कटक सामहणी, मल्ं महरत कींघर्ष ।
करी सिलाम बलिवं सह पाछवं, पछड़ पियाणवं दींघरं॥ ११
पातिसाहनी आण न मानह, हींदू करइ पराण ।
सामतसी राउलनु बेटन कान्हडदे चहुआण ॥ १२
जालहुर गढ विसमन अछड़, लेस्यूं माणि मारी ।
कइ तलहटीइ घोरि जई पहुंच्ं, पणि नवि आवनं हारी ॥ १२
बोलड़ बोल मलिक सपराणा, भिडतां किन्हइ न भाजइ ।
कींघरं कूच जपडीयां साहण, ढोल अस्कह बाजइ ॥ १४
भागां झाड बीड थिनं पाघर, कादव कींघां पाणी ।
कुंगर तणां सिवर जिम चालड़, तिम हाथी सुरताणी ॥ १५

३१ इक इक-हल २ A B O D J K. सामहणी-सामग्री B, सांमग्री O, सांमग्री D, सामग्री D, सामग्री J, सामग्र

३२ पातिसाहनी-पातसाहनी АВОРН, पातशाहनी Ј. काल-आंण DHJK. सानक्-सानि ВО, सानइ DK, सांति HJ हीव्य-हींद B, हिंदू О करक्-स्टेर BOHJ. पराण-परोण АОРНЈК. साम-क्सी-सांसतसीह A, सामतसीह BH, सामंतसी O, सामंतसी J. राडळचु-राउततु H, राउळनो K बेटड-बेटु B. कान्द्रवर्दे-कांन्टवरे A, काडवरे BO, काडनडे D, बीद् स्ट्री H खहुकाण-चहुयाण A, चहुआंण OH, चहुयांण D, चहुआंण K

३३ जाकबुर-जालेर A, जालहोर O, जाहालुहर B, सोनिंगर J, जालजर K. विसस्य - विससु B D J, वससु D H, जावह - अल्लं A, अलिङ B, अलिङ D, वीसर D, लि पणि H, अलि J. ठेर<del>न्यू - वेस्</del>सू A, ठेर्सू O, ठेर्सत D, फ्रेसिट B, प्रमित्त B, पणि ठेर्सू J, पणि ठेर्सू K, प्राणि – प्राणि B, प्राणि D, प्राणि D, प्राणि J, प्राण्य K कडू - कि B D J, कडू D. तकहिटी H. कोरि जाई - वेरि B B D J, कडू की तकहिटी H. कोरि जाई - वेरि B B D J, उन्हें D, जाई गोहर लि D, कोरि जह H, तुरस्त J, जोर जाई K प्रार्म्स्-पिर्स् B, पिसुं D H, प्राचित D, करसिंज J, प्रस्तुं U B K, आल्युं D. करसिंज J, अल्युं U B K, आल्युं D.

२६ बोकब्रु-बोलि BOBJ. सप्टिक-मीर K. सपराणा-सपरांणा ABK. श्विद्यां-भिडता AB, भवता 0, पदता D. किसब्रु-विद्या B. किंद्रा 0, किसद् D K. किसब्री H. किसब्रि J. साज्यु-भाजि BOBJ, साह K. कीचर्ड em-कीचु A, कीचूं BDJ, कीचुं 0, कीच्य K. क्यूच-कूळ A, कुल B, कूंच D, कुछ B. कपक्रीयां-अरविद्या B, अराज्यां DD, अरबीजा B, उपक्या J, अरब्जो K. स्वक्क्ट्-अरवर्द A. दमाना B, प्रस्कृत C, दस्क्ट D, ददाना B, प्रस्के J K. बाजब्रु-वाजदं A, वाजि BOBJ.

३५ बिस्ट-वृत्तु 0, स्यु H, करत K. काइब-काइस K. कीवॉ-कीया B H K, कीयू D. पार्ट्स-पार्था D J. इंडस-वृत्तर A, इंगर O H, इंगर K. तर्णा-तत्त्व O H K. सिपर-शिक्तर B, सपर O H, शिवर J K. बिल-विन D. पार्ट्स-चार्किड B, चालि D H J. सुरकाणी-सरताणी D, सुपराणी H, सुरताणी J.

तुरक तणा देस कतरीया, वाजंते नीसाणे ।	
बुली वाटघाट गिरिकंदर, कटक गयां समीयाणे ॥	₹Ę
रीसाविड राउल भन्नीजड, तही लगइ छड् थाणइ।	
सांतल सीइ तणी परि गाजइ, सबल बीर समीयाणइ ॥	३७
जाणी वात देसि दल आव्यां, बूंबिबूंब सुणीजइ।	
सांतल भणइ करड मेलावड, जाई चुपट घाड लीजइ ॥	₹6
जोई वाट राउल कान्हडदे, अजी नगरि को नावइ।	
कटक भणी तर वाहरि चडीअइ, जर सांतल तेडावइ॥	इ९
षित्री तणउं तेज सपराणउं, सांतल करइ वाहार।	
गमे गमे मेलावा आवड़, जेह भला झूझार ॥	80

३६ J reverses the verse-order as 36,35 तुरक-तरक n n, तरकूं H, तुरक्षं K. वणा-तथां A D. कररिया-कतारिया A, जर भागा H, कतिरिया K. बाक्ते-वानीत 0, बाजते D K, बाजता J. बीसाओ-मीसाओ B, नीसाओ D D H K. दुस्ती-चोजी D, विज्ञती J, (ख), तुर्जय J, वज्जी K बाटबार-चाट J, मिस्केद्द-तिरक्ंदर A, मिर्सिकंदर 0, निर्मेकंतर D, विरिद्ध कंदर J, निर्मेकंदर K. कटक-दुरक J. गया-गया B D J K. स्वीयाओ-वसीकाणि 0 H, समीयाणि D, समीयाणि J.

हेफ रीबालिक-रिसाम्बर A ह., रीसाणु ०, रीसाणु ग्र. सावळ-रातत ग्र. अम्बोजक-मानीवक ०, कि माने कि

हैं८ जाणी-जाणी D H J K. देसि-देस D H J K. दुस-दुस्त D J K बाज्यां-आव्या D K. वृंबिब्र्य-वृंबिद्य A. वृंबिद्य B. दृंबिद्य G. दुंबर द्व D. दुंबरस H. वृंबिद्य K सुणीजह-सुणीजिह B. संणीजि C. सणीजि D. स्पणीज H. सुणीजि J. संगळ-सातल A B. सांतलसीह J. सातिल K. सण्या-भिन्न В В В В. सहि J. करव-संक B. कर DD HJ. सेलावव-मेलायु B O H J जाई-जई B D D J, जह H K. युपट बाद-वय A. युपट बाद B. वयरट यांत O D. युपट या H. युपट बाए J. वयपटि बाद K. क्षीजा्-लीजिह B, दीजि C, केसिर्व D, लीजि H J, लीजगह K.

३९ जोई-जोह BD H. शतक-राव O DJ, राउरल K. कान्हवर्य-संन्दरदे A K, काहदर्ये B O, संत्रांनदे H. अर्थी-स्था D H J. नगरि-नगर D. J. नगरी K. को-जोह J. नावा्-नावां A, न आदि B J, नावि O H, नावि D H मणी-नगी J. तव-तरं A, तु B H J, जु O, तुं D. बाहारे -वाहारे A J, सावि U, नावि D मणी-नगरि A J, सावि U, नावि D H मणी-नगरि A J, सावि U, नावि D H, तेवालं D, सोति U, त्री D H, तेवालं D, सोतिस्थी J, सेवालं —विश्व B D H, तेवालं D, आवि J. सोतस्थी J, सेवालं —विश्व B D H, तेवालं D, आवि J.

ध्रे० विश्वी-विश्वी Å B O, विश्वि D, क्षत्री H. तमर्व-तम् ृष्ट J, तसु O D, तसू H, तमर्व K. स्वराण-विश्वी Å B O, समृद्र O, समर्वाण H, स्वराण-विश्वी हो B D J, समृद्र O, समर्वाण B, स्वराण-विश्वी के स्वर्ध-स्वरी B D J, विवार O, विवार D J, वृद्धार H. यात्रे मामे नामि प्राणि B, माने २ O J, माना २ B, माने पो से K. लावार-व्याप्त Å, जील K. स्वृद्धान-व्यक्तार O.

करी सजाई सह सांचरिङं, पाषरीया तोषार । जरहजीण टोप रंगाडलि, वली लीयां हचीयार ॥	88
नाइर मलिक तणइ दलि मिलीया मंजोहरि चहुआण । हुऊं जाण जे हींदू आन्या, बलभलीनं मेल्हाण ॥	૪૨
भिक्यां कटक रिण काहल वाजइ, वाहइ वांडाधार । सांतलसीहि सांफलनं जीतूं, मारिया म्लेख अपार ॥	४३
नाहर मलिक उत्सरीउ पाछड, हुई असंभम वात । तुरक तणा उदाली लीघा तेजी सह छ-सात ॥	88
मारी मलिक अवाला कीधा, मचकोडिंड तुरकाणडं । दुडी नइ छंडाच्या थाहर, वेडि गया विहाणडं ॥	૪५

४१ सजाई-सजा६ म. सहू-सह D. सांचरिउं-साचरीडं В J, धंचळाउ к. पाचरीचा-पाचरिया A K, पाचरीया B, पाचरीआ म आहर्जण-जरहिसी B, जिरहर्जण к टोप-मह टोप A K, कुली O, कोठा D J, कोठळा H. रंगाडलि-रागाउलि B J. कीवां-कीया B, लियां D, लीआं H, लीआ J, लिया K. द्वीचार-देवीजार O B J, हथियार K

धर नाहर-नाहार ए, सन्या J. सिलक-निल माहरि 2, सिल्क K. तणह-निल B o D H J. र्हिन्य...J. सिलीया मिलीयां A, सिलीया ए, सरीया D, सरीया II, सिलीयां K. संबोहिर-हम बोलड A, स्वांस के प्रमुख्य के स्वांस के सिलीयां सिलीयां के सिलीयां सिलीयां

धरे निक्यां-अविधा म, भव्यां 0 म, चव्यां D, चव्या J. रिण-रिण म, रण 0 D H J. बाजाइ-वाजिइ B, वाजि 0 म, वाजे J. बाइइ-वाहि B H, आणि 0 J, आजंड D. बांधावार-वंडापार 0 J K. सांकडरीहि-साराव्यांडि A, साराव्यांडि D, सांतव्यांडि H, सांतिव्यांडि K. सांकडर्-पंडाव्यं B, सक्छं 0, सइंकड्रं D, सहस्रक म, प्रेच्यं J, सांकट्यं K. बीर्य्-वीतुं A 0, जीत्युं B, बीत् H, जीतव K. आरिया-मारी B, साच्या 0 D J K. स्वेड-मरेवेड A, सेव्ड B H, स्वेच्छ 0, सेव्ड J.

४४ नाहर-नाहरि म. कस्तरीज-उसलु B, उसरिउ O D J, उसरीउ H, जंसकाउ K. पाछज-पाछु B O J, पाछढ़ K. तणा-राणां A. कदाळी-उदाली O, कदालीमा H, हाबी कदाल्या K. कीचा-लीघां A, वी B,... H, किया K. तेजी-रोनी B, हाबी O. सङ्द-सि B O H J. छ साव-ळड्सात D, सात K.

४९ मिळक-मुस्क B. कवाका-अनाला A, ति वम्स्तु B, वनेसा O J, अवला K. सीचा-कीर्चू B, श्रीमा B. मक्कोबिंक-मन्त्रोक्ष्मुं B, मन्त्रोक्ष्मुं O J, सन्त्रोति B, सन्त्रकोक्ष्मं S. सुक्काफर्ट-पुरस्तृं B J, दुरुक्तुं Ø, तस्त्रोत्ते प्र, तुरक्तुं k. हुवी-हुवत्री O, टुबी B, मांत्री K. नदू-ति B C B J, स्वास्था-संद्राधिया A, स्नेत्रस्था B, अंदरस्युं O. सन्दर-साथी A B. सेचे-बिंदें B J, वेगि O, वेदद K. गया-गार्थ A H. सिद्दाफर्ट em-हुर्न मिद्दांच्यं A, सिद्दांचिद्र B, समीआणे O, निद्दांच्यं H, सिद्दांच्यं J, नीहांगद K. D omits vs 45.

घोडा सवि जारहुरि मोकल्या, सरसां संबल देव ।	
सांतकसीहि सांफलुं जीतुं , हरण्यउ कान्हडदेश ॥	४६
बली मलिक सूंडीनइ आवइ, देषु कखाउं अम्हारुं।	
एक वार बरांसड बीतड, वली अम्हे किम हारुं॥	४७
समीआणे गढरोहड कीधड, सांतल न करइ जाण।	
बीजे राउते तेडाव्या कान्हडदे चहुआण ॥	84
सवा लाप पांडायत सरसु, पापरीए केकाणे ।	
समीआणे राउल कान्हडदे आव्यु छडे पीयाणे ॥	४९
एकड् गमइ ऊतरीउ सांतल, घणु मेलावउ लेय ।	
बीजइ गमइ कटकि जई विलगु, राउल कान्हडदेअ ॥	40

७७ सुंधीनह em-सुंधीनई A, सुंधी B, सुंबीन OD HJ, सुंधीनइ K. बावहू-व्या B, आव्या OD BJ K. बेहु-देवि A, देवे OK, देशुं D कश्यदं बन्द्रार्च em-अन्द्रारंच कम A, कर्र्स हमार्च B, करियं अन्द्रारं O, कर्स हमार्च B, करियं अन्द्रारं O, कर्स हमार्च B, करियं अन्द्रारं D, करि अक्षारं H, कीक्षं अक्षारं J, क्युं अन्द्रारं K वरांसड-व्याय B OD B, विरांषु J. बीवड-विस A, बीवु B OD H J. बर्छी-.. J. बन्द्रे-अक्षे B OJ, अक्षों H. किस-निव A H, किसिंह निव J. हार्च-हार्स A B.

ध्रंट समीकाण-सह्वाणे A.K. सैवाणि B. समीवाणह D. समीकाणे J गबरोहड-गबरोह A. गबरोह B.O.H., महिरोहुं D. गबराहु J. कीखव-कीधु B.O.H. J. कीधुं D. सांतल-बातल A. सांतलि B., सांतिल K. स-...B, सह D. कस्प्र-कीधु B. किर O.H. J. जाण-जाण A.D.H.J.K. तोबाब्बा-एउ तेवाच्या O. ते तेवाच्या D. J. तवाबित H. काण्यवर्ध-कान्त्वदे A.J. काहवदे B.O. कोहानव्दे H. बहुआण-बहुसाण A.B. बहुआंण O.H.K., बहुआंण D.

४९. बोडाबर-दंशयत B, वंडायत D K, वांजयत H. सरसु—सरिसु O J, सरीसु D, सरिसा K. पावरीष-पापरिया K. केळाणे-काला A, केडांण C B J, केळाणे D, केळाणे E. सरीमाणे-सरमाणे A, तेवाणे B, समीयाणे D, समीयाणे B, समीयाणे J, सयवाणे K राउल-...A कान्द्रडर्-कांन्ट्रडरे A J K, काळ्डरे B O, कोइंग्डरे स. बाल्यु-आव्युं D, आविड H, आव्या K. वीयाणे-पीयाणे जाणे A, वीआणे C, वीयाणे D, वीआणे B, प्रयाणि K.

पंत्र पृक्ष का — एकई ४, एकि छ म, एक ० छ ा. गासह नामा ४, गामे छ छ ा, गामे छ करावा च क्रावा छ, उत्तरीय ०, उत्तरीय छ, उत्त

गमे गमे मारेवा कागा, मलिक सवे विश्व कीचा ।
जंगोअंगि बहुं दिले सारहा मलिक उपला दीचा ॥ ५१
सींगिणि गुण सपराणा गाजह, सारहा आवह तीर ।
उद्ध्यां ठोह बीज जिम झक्कह, भिडह ति मोटा मीर ॥ ५२
बिहुं गमे चलवंता हींदू, बृढी एकजि चार ।
बीजा मलिक केतला कहीयइ, मारिज मलिक नाहार ॥ ५३
राजत माहि घणज सपराणज, सींघल कुलि सपराण ।
भलज भिडिज रिण सारहुत चाल्यज, सुहुडह छांब्या प्राण ॥५४
आज लगह सहू को जाणह, समरंगणि सपराणज ।
भिडकमाड भोजलु पंडाधर, ते रिणवंत्रि मराणज ॥ ५५

५१ गमें गमे-गमे २ B C D J, यमे H, ठामे ठामे K. विश्वि-विश्व C J, वर्ष D, वर्ष H. सर्थे विश्व-आरोडीक B. सीचा-तियां K. अर्गावेसि-अन्योकन्य H. विष्टुं-वह B, वेहु C H J, व्रिटि-व्ल B C H J K, साब्दा-सांब्द्रा A, साहसु B, साझा C D, साहमा H, साहमा J. मिटिकि-मिटिक A B J K, मिटिके C, तर्क H, अर्थका—उत्पर्ण A, उत्पर्ण D, उपला H, दीधा-तिया D, ठीया H.

पद्म सीमिणि-हीमणि A, सीमणि BO K, सीमणि H, सीमिणि J गुण-मण BD, गणि C. सपराणा-सपरीणा A BJ K, सपाराणा D. साजह-माजिह B, गाजि GJ, गाजई D. साज्वा-चान्हा A, साहवा B, साझा G D, साहामा H, साहमा J. आवह-आवि B G H J, आवई D कक्यो-कवीया A, कविह B, कच्चा O, उच्चा D, उदियां H. सवक्ड-सविकेट B, सक्कि G, सर्क्कर D, सर्वि H, सर्वृक्ते J, सिंडह्-मिंड B G J, अवर्ष D, तबि H. सि-ते G J, त D. सीर-वीर H.

**५३ विट्ठं**-सबिट्ठं D, बिट्ट H. हॉब्-हिंदू O, हॉब्- DHJ. बुटी-बुट्टी A, बाही K. एकजि-एकज B O DH, इचिरज J. क्टीबट्ट em-क्टीड् A B D H, क्टीइं O, संबाति J, क्टीबर्ट K. सारिड-साखु D J, सरिड H, साखड K. सखिक-सिंठ A. संविकत J. नाहार-नीहार B. नाहारा D. नाहर K

पश्च राडव-एव म. साँदि-वाहि қ. बणव टाप-पणदं А, वर्ष् ह म ग, प्लं ० ग, पणा қ. қरदाणव-सपराणा ह, सपरालं ०, संपरीलं ७, एसमांग म. एसरालु ग, सपरांग ए. साँदिण-दांग छ ० ग ग ह, प्रियक्त म. इक्टि-नालिक ह, बंधा स. सपराण टाप-सपराण ठ. मुसाण ह, सपरांग ० ग ग ह, प्रतांग स. अवड-चळा В О П स ग, सिद्ध қ. सिबिड-भविड ह, सबी ० स ग, सिबी ० к. रिण-रिण В О Л, रा स ग साम्बद-साम्बदं ठ, सास्सु В म., सांखु ०, साबु ०, सांहु ग, शास्त्व ६ स. बास्त्य-चाली ८ ह, चास्तु ० ०, चारित्व स л. о transp ठ क सांबु एके सान्यु; ० व. का साद्ध रोण चालनु. सुवदद-सुवदं ठ. सुवंदि ह, सुवंदि ७, सुवंदि । स्वादि थ म. सुवंदि ग, स्वादि ० म. क्ष्या ह है इस्ते हैं स्वाद्ध है । स्वादि ० म. क्ष्या है । स्वादि थ म. सुवंदि । स्वादि ० म. स्वादि ० म. क्ष्या है । स्वादि ० म. स्वादि ० म. स्वादि ० म. सुवंदि । स्वादि ० म. सुवंदि । स्वादि ० म. क्ष्या ह मार्च ० ० म स ।

पंश्व बाज-आमि B म. स्वाह्-जिम B O H J. सहू-सहु A, सहूर D. को-कोई K. जाग्ब्र्-जालिह B, जाि J, जोि J, जोग्ड K. सरराणव-सरराष्ट्र B O, सरराष्ट्र D K, सरराष्ट्र B J. सिडक्साह-सब्द्वाद B, मेक्क्साल O, सिडकिसाद K. मीजाहु-भोजन्तर A, भोज्छ H, नोजन्न K. पंदाबर-पांतावर B O H. रिन्नेकि-एपेकि B D, रणवेत्र O H, रिनेवेत्र J, रिणवेत्र K. सराणव-मराष्ट्र B, सराष्ट्र O, सराष्ट्र D, सराष्ट्र D, सराष्ट्र B D, सराष्ट्र D, सराष्ट्र B D, राष्ट्र B D, र

10

जीता तजी वधावी वाजी, मीर मलिक सवि मास्या ।	
भागां कटक राय बहुआणे, तर जाव्हुरि पश्चका ॥	ષ્ફ
जाणी वात सांदीड आब्यु, जे हूंता सपराणा ।	
नाहर मलिक भोजलु षंडाधर, वे रिणषेत्रि मराणा ॥	५७
इसी वात सांभली सुरताणि, जे चहुआणे जीतुं।	
नाहर मलिक तिसी परि कीची, अलूपान जे बीतूं।।	46
वारइ वारइ हारि सांभली ततिषण हुउ हराण ।	
किसी बलाइ ऊठी तुरकांणइ, इम बोलइ सुरताण ।।	५९
पानज्यांह नइ मलिक इमादल, मलिक नेव ए च्यारि।	
कमालदीन मलिक तेहान्या, ततिषण मुहल मझारि ॥	ξo
माहिलइ महिल मसूरति बइसी, बात करेवा लागा।	
जे जे मलिक कटक लेई जाई, ते चहुआणे भागा ॥	इ१
The state of the s	

प६ जीता-जीला B बचाबी-वधावणी A, वधाई K वाजी-आवी A.O. सांव-सवे तिहां A, सवे D H. साखा-सारिया B, तालां K भागी-भागा B K, भाज्यो J. रास-राधि A, रात H. बहुबाणे-बहुबाणे A B, बाहुबाण D, कालंतरदे H, बहुआंणा K. शब-तु B O H, तुं D, पछि J, तव K. बाबुद्धरि-जालीर A, जालहुरि B D H J, जालोर K. राधाका-प्यारीया A, पश्चीरया J.

प्रश्र जाली-जाली A D J K. सांडीड-सांबिया K. जान्यु-आविड B, आल्याउ K. जो - वे C. हूंचा-हुद्ध B H, हुंदा D, हुद्ध H. स्वराणा-सपराणा A D J K, त्यराण्य B, स्वरार्थ H. सर्विक-रांतिक K. ओजाह-भोजकड A, भोज D J, भोजल K पंचारवर-पाडार B C H J. वे -ते B C J. रिपरीक-राचीक B, रिवेदेद A, राजीवि D, राजेद स स्वराण-सराया A K, सराणा D, सराख J.

५८ इसी-असी ८ सांभर्की-सांभर्कि , जाणी B, जाणी B सुरवाणि-सुरतार्थि B, सुरताबि , सुरताबि D B, सुरताबि J, सुरताबि B B, सुरताबि J, सुरताबि B B, सुरताबि B, सुरताबि B, सुरताबि B, सुराबि B, मेरिक प्रतिकि B, जीर्यु , जीर्यु B मार्कक-मार्विकि D, मीरक K सिसी-तीयि B, तणी O, सी स स्वास्त्र-सांकार्य-सांकारिक B, स्वास्त्र-सांकार्य-सांकारिक B, स्वास्त्र-सांकार्य-सांकारिक B, स्वास्त्र-सांकार्य-सांकारिक B, स्वास्त्र-सांकारिक B, स्वास्त्र-सांकारिक B, स्वास्त्र-सांकारिक B, स्वास्त्र-सांकारिक B, स्वास्त्र-सांकारिक B, सांकारिक B, सांकार

प९ बारह बारह-बारहे २ ८, बारोबारि ८, बारि २० ४, बारह २ ०, बारि म, बारह बारे स. हासे-ते हारि ४, हार स. सांस्की-वास्त्रीह ०, स्तरिकी-तास्त्रीह ०, स्तरिकी-तास्त्रीह ०, स्तरिकी-तास्त्रीह ०, स्तरिकी-तास्त्रीह ०, हार्च ०, स्त्रु ४, हुई ०, स्त्रु ४, हुई ०, हुई ०, हुई ७, हुई ०, हुई

६० पानज्यांह cm-पांनजांद A, पांनजिदां B D J, पानयांहां 0, पांनज्यांह H, पांनज्यांह K, स्तूर-... B, ति O D H J. मिलक-पाठक 0, मल्यक H, मिलक K हमायक-र्सायक A, अंतारक 0, अमायक D J, मायक K. मिलक-पाठक 0, मिलक K. नेव प व्यापि स्ति के प्रति के प्रत

६१ माहिक्यू-मुहुक B, माहिक्य O D H, माहिक्य J. सहक्षि-मुहक्षि O, जुकि B D H s, जबकि स. सब्दर्शन सहस्रि H. बहरी-बदा A, वीजी B, कीजी C, वर्रक्ष D, जिली s, जो जे-ने वे O, व्यक्ति-सक्य s, स्व्यक्ति स. केंद्र-वे K, केंद्र H. जाई-मना O, जाए D. जहुमाने-जहूराले A, जहूनाके B, पहुसाने B, पहुसान

पातिसाह मूख्य वरु घाडी विसमा बोल्या बोल ।	
चे को माहरी आण न मानइ, चुकड़ ठाम निटोल ॥	६२
गौड चौड गाजणंड कनूजंड, मरहठ महं वसि कीधा।	
खाड देस नइ सिंधु सवालय, गूजर सोरठ लीधा ॥	ξ₹
मइं क्रीधा मालव चंदेरी, मांडव सारंगपुर।	
रिणधंभोर चीडोत्र भळा गढ, वली लीउ नागुर ॥	६४
मि पूरव दिसि जमणापुर मथुरां, वली ति अंतरवेध ।	
मइं काकपुर भोजपुर उडीसा, प्राणइ चांपी लीध।।	Ęų
पूरव सागर लगइ कटक लेई, आगइ दीलं पीआणूं।	
मइ दुडी राय देस छंडाच्या, तिहां अम्हारउं थाणूं॥	६६

६२ पालिसाह-पातसाहि A B O, पातसाह D II, पातशाह J. सृष्ठह-मृद्ध A, सृष्ठ B, सृष्ठे O K, सृष्ठे D, सृष्ठ B, सृष्ठे C K, सृष्ठे B, मृष्ठे C K, सृष्ठे B, मृष्ठे C K, सृष्ठे B, मृष्ठे C K, स्विक्त प्रकार B C, मान्दे D, साति B J, मानदे D, साति B J, मानदे K, B transp as आण न मानि माहदी, B transp as आण न माहदी मानि. सृष्कृद-चूले B B J, ते चूके C, ते चुक्के D, हास-माण C, ठांम D, आण J, निटोक्ट-न टोल E.

६३ D omits vs 63. गीडचीड-मोडवोड स, गीडवेड स. गाजगड-माजगू छ ग्र, गाजगु नई ०, गाजगु स. क्यूबर-कन्द्र छ, कन्द्र ०, केनोड स, कन्द्र ६ स्थू-में ६ ०, सि ४, सि ८, सह स स. कसि-क्यूबर स्थ्री अ. काड-काट ६. वेस-वेश छ. नइ-मद ०, ति छ स थे. सिशु-सिंध ०, सिंधू ०, सभू स, सिंधु ₁,... स. स्थालण-स्थालग ०, सवालगि ३, गुल्स-गुलरत ०, गुलर ह.

६४ नई em-नद्द A, मिं B O, मंद्र D, मिं J. छीथा-छीथा D J माछब-मांडव A. चंद्ररी-नद्दं नंदेरी D. मांडब-माजब A. सारागुद्द-सारिगपुद B J. सारागुद्द K. विश्वभंगर-नद्द रिणयंभर द A, रणयंभर BD, मिं चित्रोब O, मह रणयंभर B, मिं चीत्रुड J. चीत्रोब —गोडीय A, चीत्रुड B, रणयंभुर O, रणयंभर J. माडा-सिया O, मेलिड J. गढ-.. A O J. चळी-गढ J, विळ K. छीत्र-छीधुं O, छीउं B, छीधु J, छीयो K. माह्यस-नागोर A K, नागुद्द B.

६५ मि-सिर्द छ, मिं ०, मेई D, मद к. प्रत्य-पूर्व D. दिस्त-दिश्च छ, दिसि D, दिल म. अमणापुर-अमणपुर B D, अमणापुर 0, यमणपुर म. यमुनी ग अधुरो-मधूर्व छ, मधूरी О छ, मधुरा к. वकी-विक ऋ सि-ते O D J,. к. सर्व-मिं B, मिं 0 J, मद स к. काकपुर-काकपुर A. ओजपुर-ओज ०, ओजपर स. वकीसा-कीमा A. इमीसा B, दीसा D J, उबीसां К. प्राण्यह-प्राणि O D स J, चापी छ. चापी-पूर्व B, कीच-कीमा A स J к. ठीद О.

६६ पूरव-पूर्व ह, मि पूरव स. ब्लाइ-...० ग्र. हेलाइ स. कटक-नटकज ग्र. लेई-लेइ स.स. i qr in в is : समार केई का दुरुक केई. काराइ-आगई A D, आणि B O स ग्र. दीर्च-लीके A ग्र. मि लीचे है, लीचे क्की ठ, रिच्च ह. पीआपॉ-रिवालों के, पीयार्च B, पीआर्च D, पीआंख D, पीआंख स. प्रपाण के. काइ-...क, सि ठ, सि त्र कुकी-पुर्व A, हुक्बा B, हुदबंध ठ, इसे स. साथ-श्चेष्ट B. देख-...क, देख ग्र. खंडाक्या-लेडेस्था स. कब्दारवे-अकार B ग्र. शहार ठ D, शहार स. अवार ट. आर्थ-यांगर्व A, आर्थ ठ, वार्थ ठ क्र आयह स.

हींदृस्थानी धनइ पंडूआ, वली जालंघर लीघा। मइं कासमीर कामरू हिमाचल, गौड लगइ वसि कीघा॥	Ę
षुरासाण मइं बुरतिल चूंग्रड, प्राणि लीउं निधान । मइं मारी मूंगल दल भांज्यां, लीउं ऊच मुलताण ॥	<b> </b>
चीण भोट दंडूर देसपित ढीली जलग स्यावह । ढोरसुमुद्र लगइ मोडोधा अम्ह घरि दंड ले आवह ॥	
कलवर्गुद्र नइ आनागृंदी, बेदर देस तिलंग । बुहुरइ सान पान जिहां पहिरीइ, वाणी बोल्ड चंग ॥	90
एहवी भूमि विषम मई चांपी, षांडा प्राणह लीघी। देविगिरि जे राउत रामदे, तिणइ वेटी दीघी॥	७१

६७ हींबुस्थानी em-हींद्यानी A, हींबुस्थानी B J K, हिंबुस्थानी D, हिंबुस्थानी D, मह हीब्यानी H. सन्दर्भ B, अन्दर्भ D, अन्दर्भ D, मह हीब्यानी H. सन्दर्भ B, पहिल्या B,

६८ शुरासाण-पुरासाण A C J. मर्बू-मइ A K, नि B, पर्व C, मि J. शुरतिष्ठ-पुरातिष्ठ A, पुरतिष्ठि-पुरातिष्ठ A, पुरतिष्ठ-पुरातिष्ठ A, पुरतिष्ठ C, पुंच J माणि-माणि D J, मंगह K स्त्रीर्थ-सीक्ष J, लिखुं K. मिश्रास-मामात A, निर्मत D J K. मर्बू-मइ A, मि B, मि C J सूर्यत्वन्त A B, सुंगल D K. मर्बू-मस A, मि हो से C J, सि B, मि C J सूर्यत्वन्त A, क्षाच्या O, मांच्या J, माजी K सीर्व-सीठ C, सीर्व-पीठ J, स्त्रियों K. स्वय-सेव C D, ख्वा से सुरतिष्ठ C, सि B, मि ट प्रतिष्ठ C, सि B, मि B, मि ट प्रतिष्ठ C, सि B, मि ट प्रत

६९ बीण-बीग A. दंहर-हगर A, लटिउ B, वहर C, इंगर J. देसपति-देसपति O, देशपति J, दशपति K. हीली-बीही O, विले K. डाल्म-उलग A K. स्यावह-आवह A, आधि B O, त्यावि J. बोरसमुद्ध-पूरव सुद्ध A, लोरसमुद्र C D K, डोरसमुद्र J खगह-लिग B O J. सोबोधा-सुद्धभा B D J, सुवाधा C. सम्बन्ध-अद्ग B D ट वृद्ध-पेसक C, दंश D, टंड J. ले खावह em-ले आवह A, लेहे आपि B J, लाबि C, लई आवह D, पटावह K.

७१ एड्वी-एडी A D K. मूर्पि-मूर्मि B, मोभि J. विषय साई-विषम् A, विषय मि B J, विषय मि C, विषय में स्थापिट के प्राण्य कि B, माणि C D J, प्राण्य स. कीषी-कीषा B K, कीषा C वेषणिट ने दिन ते प्राप्य कि B J, वेषणिट के कीषा C वेषणिट ने ते प्राप्य के देवां कि देवां कि देवां के ते प्राप्य के प्र

जडणममरा माहि चे विसमा दरीया भीतिर चेट ।
सिंचल्दीप तणड चे राजा हाथी पूरह मेट ॥ ७२
कूषी कल्हय जावामंदिर, हरमज विसमा ठाम ।
तेह तणा माल अम्ह धारे आवह, ते अम्ह करह सिलाम ॥ ७६
सेतबंच रामेस्वर सुणीइ, वानार बांधी पाज ।
यरतह आण तिहां जण माहरा, हमूं अम्हारूं राज ॥ ७४
विषम दुर्ग मई सवि पालटीया भरतपंडि भडवाट ।
जालहुर गढ विसमत सुणीइ चाहुआणनव ठाउ ॥ ७५
आगइ बार विच्यारि हराल्या, तुर्क न लाधउ लाग ।
मोटे राजि लाज अम्ह आवी, एहतु हुईह बहराग ॥ ७६

प्र p omits vs 72. उद्दरणसम्रा-जन्नणसर B D, जंडणसमर J, जडणसमर K. माहि जे-माहि A, सिंस B, साईस D, साहिस J. विस्तान-विष्मा D J दरीया-द्विया D, दरीया J, दरिया K, सीसिस-सीतिर K. ii qr in B is: जस सीतिर वेह. विस्वच्छीय-सीहल्यीप A, सीमळ्डीप B, सीमळ्डीप D. सीमळ्डीप J, जणड-तण B D J. जे-ते B, पर्य-कहे ते B, पर्य J, मेट-सेट J.

७३ कृषी em—कुली A, कुंची B, कृंची c D, अब K. कलहब्य—कलहत्य A J, कल्यम C, कुलहुब K. आवासिंदर—जावासिंदर A, लावासिंदर C, जावासिंदर A, लावासिंदर E, हरसब—हिराय D. विकासा—किता A, लीवा C, वसमी H. डाम—ठात D H J K, ताम C. बाहा बरि—विर A D, सुस बरि C, व बारे H. बावाइ—आवाँ A, आवि B C H J ते—तेह C. बाह्—कार्य परि B, अबा C D J. करइ—कारे B C H J. तिलास C M—विकास A, सलास B C, सलांस D H, तिलांस J K.

७७ सेतर्वच-वेदावंच छ, खेतर्वच о र ह. सेतर्वच म. रामेख्यर — रामेदर छ र खुणीहू-सुणीह प्र, झुलियर द. बानारि-वानरि ४ म र, बानरे छ, बानरे ०, बानरि छ बांची-वाधि छ. चरवा-चरवि В о н л. बाजा-बाजा о D н र स. साहरा-नाहारा छ, माहरी छ. इस्ं-दस्तुं о छ, इस्रं प्र. बाबार्क-म्यार्थ छ, जवार्य ० छ र, अध्यार छ, अस्तुरो ह.

७६ बागाइ-आगि BOHJ. विषयासि-विवार BJ, वेग 0, विच्यार H, विच्यार K, तुरकि-तुगके B, दुरके ODK, खाषड-आप्र BODH, लहिव J, सोट-सोटि 0, वर्षो J, मीटव K, राजि-एके B, राज K, काल बाइ-लाज A, कांद्र लाजज J, जाबी-आपि BH, लागी J, पर्दुत दुर्देड-एवर हुद A, ट्रॉड्स् खु B, पुत्र बोकि दुर्देड 0, पद्धे हुद्दे B, पूर्ट होंद्र H, पूर्ट हुद्दे K. बद्दागा-विराग BOHJ, कराराग D.

आणि बार आजहारे जईनह, तेज अमहारा दार्ष् ।

कह सोनगिरि पालटूं प्राणि, कह अमहे आयुष नार्ष् ॥

णातिसाहि जन करी प्रतिज्ञा, नह दीघरं फुरमाण ।

पाटण हुंतु पान तेडाबन, हम बोठह सुरताण ॥

७८
कासीद तेडी छटे पीआणे, पाटण भणी चलाब्यन ।

थाणदार जन साम्हन आवी, सिरि फुरमाण चहाब्यनं ॥

७९
वांचिन ठेष सजाई कीधी, तेडाब्या सोनार ।
सोना तणनं करान्यूं मंदिर, वारू पोलि पगार ॥

द०
वावन मण सोना तिणि लगा, पानि सरीसन लीघनं ।

ढीली नगरि जईनइ भेटह पातिसाहनइ दीघनं ॥

७३ आणी-आणी D н. बार-नारि В л. जाकड़ हि-जाइति ∧, जाकड़िर म., जाइडिंग्र , जाकडरि म., जाइडिंग्र , जाकडरि म., जाइडिंग्र , जाकडरि म., काइडिंग्र , जाकडरि म., काइडिंग्र , जाकडरि म., काइडिंग्र , काइचार के मार्थ का एकडरिंग्र , काइडिंग्र ,

७८ पालिसाहि-पातसाह A, पातसाहि BCH, पातसाह J, पालिसह K. जब-जु BCDHJ. करी-करीय A, करि D प्रतिक्षा-प्रत्वात A, प्रतन्या CHK जह-नि B, अति CHJ, अनह पाटक-पाटिल J, हिंदै D, हिंदै D, तेषु H K, हर्बुं J. फुरमाण-फुरमाण A, फरमाण CDJ, फरमाण H. पाटक-पाटिल J, पाटक K, हृंत-हुंद A, यह C, हुंद्व D, हुद्व H, हुंता J, यक्ट K. वाल-पान BDHJK. तेबाबब-तेबर्खु B, तेवाबु CHJ, तेबाख्यु D, तेवाध्यु X. बोलह -योलि BUHJ. सुरताण-सुरताण CDHK, सुरतालं-

प् कासीव —कासद B C H, काशिद D, काशद J. तेबी —तेक्या C, तेबि D, वक्यउ K. पीलाणे—पीयाणे A B, पीलाणे C H, पीयाणे D, पिलाणे K. चकाव्यउ—चलाविउ B, चलाव्या C, चलाव्यु D, चलालु H, चलाव्यु J, चाण्यार—पीण्यार C D J K. जाउ—चु B C H J, ज्यु D, तच K. साव्यु च em—सीव्यु A, चाहामु B H, साहमु C, साह्यु D, साहमु J, साम्ब्रु K सिरीर—शिर A H, धारे J, सिर K. फुरलाज—पुरमांण C D J K, फुरलाज H च चडाव्यु ट H, चडाव्यु D, चलाखु B H, चडाव्यु E,

८० बांचिउ-बल्यु A, बांची O, बांच्यु D, बांची K. सजाई-सजाई H. कीची-किसी D. सेबाक्या-तैबाब्यु Ø. सोना तणाई-सोना तण् B J, सोना तण् Ø K, सोना तण् D, सोना तण् H. कराव्यूं-कराव्युं Ø K, कराव्यूं D, कराविउ H. बाक-वाह Ø H. पोळि-वेळि K.

८१ बाबन-वायक सहं 0, बांबन ध सोना-सोनां ध. तिलि-विण A, तेणि 0 D. कामा-लागां ध J. बानि-वांति A D J, पांति B, पांन ध K. सरीसड-सरं 0, सरिर्ध D, ससु ध, सरीस् J, प्रतिषुं K. कीचर्ड EDL-वीच्य A, लीर्ध् B J, लीर्ध O D B K. तीकी-बीलि 0, किंकी K. बारिल-वांति B, नगर J. बांबाट-वोंति B C J, करेंद्र D, पेट D, मेटि ध, मेदिव J. पांतिक ट J, पांत्र वांत्र प्रतास के स्वास के स्वास के प्रतास के स्वास के प्रतास के स्वास के स्वास के स्वास के प्रतास के स्वास के स्वास के प्रतास के स्वास के स्वास के स्वास के स्वास के प्रतास के स्वास के स्व

चिहुं नमे ऊपस्हाणा घाया, पातिसाह फुरमाणि । राणा राथ मखिक मुडोधा, चान बोलाबी आणह ॥	૮ર
गमे गमे सहुइ दलि आन्यरं, चडी चास्यउ सुरताण ।	
जिहां मुकाम दीइ तिहां कंघड़, सात कीस मेल्हाण ॥	८३
हाथी सहस विच्यारि पाषरीया, घंटा घूघरमाल ।	
पाए सांकडां करइ पद्का, कुंभस्थल सुविसाल ॥	68
श्रावण मासि ऊनया दीसइ जेहवा काला मेह ।	
गयवर ठाठ चालंता दीसइ, जोतां नावइ छेह ॥	64
सालिहोत्र जेहनी कसुटी, तेहवा कोडि केकाण।	
गढ जालहुर भणी सांचरीउ साव दल्ड सुरताण ॥	८६

८२ चिट्ठं -चिद्ये स. गमे-गमइं D. उरण्हाणा-उरलाणा A, उरलाणा D, उरलाणा H, उरलाणा J, पर्कणा स. प्रापा-केला J. पारिकाह-पारताहि A, पारताह BDDH, पारताह र. फुरसाणि-फुरसाण A, फुरसाणि O, परार्थाण A J स o' transp as रायराणा; स as रायराणा सकिक-मलि D H J सणा-राणा A J R o' transp as रायराणा; स as रायराणा सकिक-मलि H, सुपोधा-सुद्धणा B D J, सुटापा ए, जोटोपा स. पार-पान A O D H K, पान J. बोकाणी-बोकरास स. क्लाक्-वाणई A, जाणि B O, जाणि D H J, अंगि स.

८६ तमे गमे—गमे २ в о о о सहृष्ट्-सह् о н ग्र. सह्हं к. इलि—दल в о н л, दलमां о. बाल्यर्ड— काविटं क, बाव्युं о о к., बाव्युं ग. बढी—वती в о ग्र. चीह स. बाक्यर्ड—चालिटं А, चाल्युं ठ, चाल्या ग्र. पुरुवाण—मुदाराणं ग ४ स्ट्राराणं म. किहाँ—यहा о. सुकाम-चुकां प о म ग к. दीष्ट्—दिइ ग, वह к. तिहाँ— तिहाँ о तिहा प्र. तिहं к. क्ष्यष्ट्—कगार्ं А, कंधि इ, कंधि ०, रुधि म, कंधि ग. सात—सात सात स. कोस—सोत को से केहाण—मेहाण в, सेन्द्राणं о ग्र. मेहमेहलां म स.

८५ सहस-सहिस B K. विश्वार-विश्वार O H J K. पाषरीया-पापरिया B, पापसा H D, पापरीआ J. पृथासाल-पुपरात A, पापरात B, पुपरातंत K. पापर सोकलो-पय साकती B, पाप सोकल H J. करह् चल्ला-पन्तर्द A, किर वहता B J, कोर पलकता O, यरा पढ़क्द K. कुंभस्थल-कुभस्थल H K. सुविसाल-स्विताल A, वृत्विशाल B D D J, विसाल H.

८५ कनवा-कंतवा 0 J K, उनवा म. दीसह-धीसई Å, पीसिंद म, पीसिं 0 H. जेहबा-जेहा Å D, येहवा 0. काका-काजी A B. मेह-मेहा D, मेच J. सम्बद-महद Å, स्थार B, सहसर H, स्थार J, माने से से K. ठाठ-भाट Å, ठाठि B, भाट K. चाकंता-चालता Å, चालता O, चालती J. दीसह-धीसिंद B J, से K. ठाठ-भाट Å, जोता-जोता O, जाता J. बाबह-नामि B O H J. In K vs 86 precedes 85.

८६ बालिबोम-साल्बोत्र A, शालिबोत्र B, सालिब्रत H. जेइनी-जेहे B. कपुटी-कसटी A, कपुटीए B, इसकी R. तेष्क्य-...B, तेब्हा D E, दिशा H. केब्राण-केबंग O D H E. सब-गढि O, जालहुर-जालोर A, जालहुर O, जालहुर H, जालहुर H, जालहुर B, वालेजर E. सांचरीड-सांचरिया A, सांचरीड O, सांचर्का J, संक्रीर B, सांच-एहिं O, सबे D. व्यक्ट-चिंड B, विले O D H J, वर्ज E. सुरताण-पुरतांग O J, सुरतांग E.

भोई मेहर अनइ ठाठीया, चाल्ड काहर कमाणी । च्यारि सहस साथइ सांचरीया वहद प्वाली पाणी ॥	८७
त्रीस सहस कटकीया वाणीया साथइ वस्तु चलावइ। गाडे चडी चालती घाणी घांची वेडत आवइ॥	66
मोची गांछा नइ सत्आरा, साथइ चालइ माली। दरजी बाबर ऊड चालीया, च्यारि सहस तंबोली॥	८९
बगनीघडा कावडि चालड, भाठी वहह पमार । पांच सहस चालड् भठीयारा, घाटघडा लोहार ॥	९०
सवे सिलावट सांचरइ साथि, छोह वहइ चूनारा । चालइ बुहरा कागलकूटा, हीर तणा तुनारा ॥	९१

८७ भोडूँ-भोड़ म. जनह-नि в म. जाने ० J. नह к. ठाठीथा-ठाठरीया В. ठाठीआ 0, ठाठीआ म. अठिआरा к. बाकड्-चालिड В. चालि ० म J. काइर-कार А. काहर В О. कमाणी-कमाणी 0 म. कमाण 1. क्यांकि स्वार प्रस्त सहस-सहित к. सायष्ट्र-कारीयर साथि A. साथि В. म. साथि 0 म J. स्वारीय-पार А. पारी В. म. संवरीय साथि 0 म J. स्वारीय म. पारीय А. पारीय करायीय म. पारीय करायीय के प्रयाखें मा अंगि पारीय साथि 0 म J. स्वारीय साथि 0 म J. स्वारीय म. पारीय करायीय के प्रयाखें मा अंगि साथि 0 म J. साथि 0 म J. स्वारीय मा अंगि साथि 0 म J. साथ 0 म J. साथि 0 म J. साथ 0 म

८८ त्रीस-पीस B. सदस-सहिस B.K. कटकीया-कटक्ट्रं K, कटकीला H. वाणीवा-वाणीवा 0, वाणीवा B.K. सायह-साथि A.O.H. J. साथि B, साथिइ D बल्तु-वज्ञ A.K., वत्तर H. चकावह-वलावि B.O.H. जबी-चढी C चाकती-चार्कती A घाणी-पोणी O.D.J.K. घोषी-पाची B. वेडत-वेदता B.O. और तायह-आवादं A, आविद B, आवि C.H.J.

८९ गोंछा-गांछी К. मह-ति B, अति C H J, अतह K सत्कारा-सत्थ्यारा A, सत्यारा B, सत्कारा B, कत्वारी K. सायह-साथि A C H J, साथि B D वाक्ट्र-वालि B C H J, बाल्द्र बांत्यह बात्य के साबस-नावि R. कह-थेट B, ऊंट J, छींगा K. वालीबा-नबीया B, वालीबा H, वालीबा J, वात्या K. व्यारि —व्यार C H, च्यारी D. सहस-चहिस H. लंबोली-ते बोली H, तेवाली K.

९० बगानीचडा -वरनीथडा 0 H, बगानीचीडा D, कावबि-कावडे A, कावडि B D, कावेडि H. बाकडू-बालिड म, बालांडि C, बाल्डे D, बालि H J, माठी-माठा K. बाड्डू-वांडि A B D D H, चांडि J, बाग्रास-बुझार A, बांच-चौर H. साइस-साहिस B K. बाल्ड्डू-वांडि B, बाल्डि D H, बाल्डेड D, बालिंड J, स्कीबारा-स्रतीकार प्रच-वोत्तर K. बाट्यबडा-चाटहिडा H, बाटबडि J, कोहरा-सोनार B.

९१ सिकाबट-सलाबट BOB, सलाट J, सिलबट K, सांचरह-सांचरि BBJ, वाकि 0, सांचरई D, संवर E. साचि-साथि BD. o टिस्काष्ट्र D as साथि चालि; E AS साथि सवर, कोइ-चाले केइ B, बहर-चाहि B BB, वहर D. चुनारा-चुनार B, चुनारा 0, चुनारि E. बाकह-चालई A, वाकि BOBJ. सुद्दरा-चुद्दरि B, कोदर D, सुद्दरा BJ, बहुरा BJ, बहुरा K. हीर-हीरां E. कथा-चला D, तथि J. व्यवस-चौतार A DD, वृतार BE, तैनार J.

# छाप विष्यारि वाणिज् चाळह, बार छाप ढळगाया । कहकटीया हबती भाषाहत, करतीघर छपराणा ॥ दळ चाळंतां घरणी कांपह, सेव न झाळह भार । सायर तणां पूर ऊळटीयां, जेहवां रेळणहार ॥

९३

6.5

**९२ विष्यारि** D, विच्यार H, विच्यार K. वाणिज् -वाणज् A, वाणज् B, बाहिकि D, वाहिण D, वाणिज् J K. चाळड्-चाळहं A, चाळिड् B, चाळि D H J. O transp as चाळि वाहिकि. चार काव-वार सहस o J, वाठि लाथ H, असी लाव K. वक्ताणा-चणाणा A, उंज्याणा B H J, उल्याणा C K, उल्याणा D. कर्ण्डवीया-कटक्टीया D, कर्ण्डवीआ H, कनडा K. आधाह्त-भाषायत O, अधाहत D, अवायत H J, अनह भयाहत K. करसीचर-करती वहर A, फरती घरड् K सपराणा-सपराण A C H K, सपराणा D. After vs 92 H interpolates the foll vss:

हिमलां हुइ अंति आगला मिमता दीति पुगला । रोगी हवती सीदा रांन मीर मिलक ति बोजा बांन ॥ धाइ भागि मद पीइ सलार आपकापणु न जांगि पार । बोजी गवर ववर पारती नेवा झवकि दिस आरत्ती ॥ बीडा मार्चा निद्रा पाय जांगे वन माहि दुक्या वाच । जांधै गवरन नांनी अपि गगांते अमंता मारि पंषि ॥ नांधि तीर खेश शुंद बहि तेहिन पुष्प कुण करुर रहि । जरहिजांग पूरो दंजोह आंग क्यू अमाहिट कोह ॥ मोटा मिलक तस्तुं भवद तीरतीतारे रोती चवर । मारि मीरक किर पण यान भागतिला दो अंथा पाइ ॥ बालिव दक सुक्तानी ठाठ न गांगे कवर न मांगे बाल वालि दल पातवाह त्या विद्या व्यापीतार पुरवा क्यू ॥ पुरताकि परती बच्छां कि तां स्वापान घरती चित्र । गांम तीम जु जाणु बाट तु जालुद विचिठ ठाठ ॥ सर्जी सुति की पात इसी तथा संग्यार । अंतिक्षक आ रोगि क्यार एहवा सकीवा जाव भवार ॥ सत्ति मयता अस्तायद सिमलकीय तथा सोरंग । अस्तिका आ सी क्यार पहला सकीवा जाव भवार ॥ सत्ति मयता कर्या पारी कलक देताला ककीवा समारे अंवासी नेजा सदत स्माह रिक्र छातु वार त्या साथ साथियी नादि योगा सिंह असी मेहसी हवार ॥

९६ चार्कचां—वालंता म. चरणी—घरती म. कांचर्—कांपरं A D, कंपिर B, कांपि O H J. खेच-खेच B D B. झारुष्ट्-शांकि B O H J, श्लीकर् I. सावर तर्णा—सावरला B, सावर तला K. प्र्र−शिर H. सक्कीचां— सन्वर्तीयों A B, सल्ब्र्लीकां H, उल्लेटीकां J, उल्लेटिवां K. जेक्ब्यं—जेक्वा B H, जांचे O D J K. - ---- Arter arte tron-

जांगी डोल नीसाण प्रसुकड्, सुणीड् जोयण बार ॥	९४
पडइ त्रास भडवाय तुरकनइ, देस दहोदिसि नाठा । घणा दिवस दल मारगि चाली मारूआडि मांहि पइठा ॥	<b>લ્</b> ષ
झाझां नीर सरोवर मोटां, दीटां वारू टाम । पहिलां दल समीयाणे आव्यां, कीधउं पादि मुकाम ॥	९६
असपति राय इस्ं गुषि बोलह, आ गढ लीजह धुरि । पाडी मेलि मेल्हीह थाणुं, तउ जईह जालहुरि ॥	९७
लोक सबे नासी गढि चडीया, तुरके तलहटी रूंबी। गढ उपलिजं राहवणं वारू, भली सजाई कीघी॥	94

९७ बरनार-वणमां B O, बरंगा D, बरंगा J, बरगु K. बोरू-बुंबि B. बाजब्र-वाजि B O H J. सायब्र-सार्थि B D J, साथि O H. राइस-चिंद्रत B K. जोगी-जागी H. गीदाण-नीसाण B, गीदाण O D H, नीचां K. प्रबुद्धर-प्रमुक्ति B, प्रस्कि O J, प्रकुर D, इस्तया H. खुणीइ-खुणीइ O, स्पीद H, सुनिदं K. कोचण-नोकण H K.

९५ पवह-मंदि B, पिट C H J. जास-जालि B. अहवाय-भववाद A C, सववाद D, सविवाद K. पुरुष्ण्य-तारकाद A, दुरुष्णे B D J, दुरुष्णे 0, तरको H. देस-देशह A,...J. ब्होपिस-व्हरिष्ट A, स्थादेश B D, व्हर्षे H J, दुर्दृष्टिस K. गाठा-नाठो B, नाहाठो जाह J. बणा-वणो B, वणी J. विश्वस-विश्वाद B, दुरुष्ट H J, दुर्दृष्टिस K. गाठा-नाठो B, नाहाठो जाह J. बणा-वणो B, वणी J. विश्वस-विश्वाद B, वणी J. व्याद-वणो B, वणी J. व्याद-वणो B, वणी J. व्याद-वणो B, वणी J. व्याद-वणो B, वणा B,

९६ साक्षां-साक्षा B. सरोबर-सरोबरि H. मोटां-मोटा C, धैठां H. दीटां-मोटां H, बारू J. बारू-उपम J, बारु H. डाम-टोब B H J K. ii qr in C D is: बारू जो वर्डा ठांग, विश्वां-पिश्वंह B, समियाले-स्विधंत A, हेवालि B, स्वांजेल C, स्वांतांजे D, हिवाला E, स्विक्षेत्र K. स्वांन्य-माव्या B, स्वेच्डं-कीर्यु B J, धैर्यु C, विद्युं D, कीर्यु H, कीयड K. वाहि-यांटि B. सुकाम-शुंकांम C, शुक्रींन D H J K.

९७ इस्-रस्यूं ह, १६६ं ८, १स्तुं ८, १स्तुं ८, १स्त्र १, १सर ६. सुनि-मुलि छ. बोक्य-नोलिस् छ, नोकि-मस् मा-ए स. गय-गिष्ठ स. क्षेत्रब्-जीक ८०७, जीव्यक् स. श्रुरि-मूर्ग स. पाती-पार्वस् ८. नोकि-मस् D म प्र स. नेक्यिक-मेहर्स हर छ। अनेवाई ८, मेसिइस् स. पान्य-पायुं ४ ८ ४, वालुं छ. स्व-पछि छ, द्व С D म J. कोश्य-जस्त् म, जर्मय्द स. जाक्युदि-जालोरि ४, जालसुरीर छ, जालसुरार्थ म, क्युद्धारि प्र

९८ गासी-नार्शीनासी म. नाहासी J. गारि-गव D. गिरि J. वारीभा-नदीया B O, विश्व D. वारीभा H J. विश्वा E. तुरके-तुरके D. तुरके H. तक्कारी-तत्कारि A. तकारिटी H. कंपी-तसी A. कंपी C D E. कंपी H. क्यांक्रिक-स्थारि शेंच A. क्यारिल B. क्यारि O, क्यार्च D. उपलिख H. कस्तु E. राह्यवर्ष em-राह्यकर्य A. स्थायण B. रहावयुं O, रहवर्षु D, रावण H. रहिटांणज J, राह्युं E. बाक्र-बार्स G. सकार्य-सवास H.

साढि बरस वावरतां पुडुचड् धान तणा कोळर । समीयाणे सांतळ सपराणव, मांहि भळा झुझार ॥	९९
सुका वड चिणानी पूली, कोरडि कडव अपार। पांच सहस सांतलनी वालि बांध्या चरह तोषार॥	१००
काठी रूण वरस सु पुहुचइ, ऊपरि भली सजाई। पहिलइ पुहरि विपुदरे सांझइ, साद पटइ भूंजाई॥	१०१
पाणी भरियां सरोवर ऊपरि, नीठइ नहीय लगार । जब आकासि मेघ वलीचइ, तुहि न आवइ पार ॥	१०२
गिरि ऊपरि गढथाहर विसमी, विसमा पोलि पगार । ऊंचा कोठा घणी फारकी, वली ति विसमा मार ॥	१०३

९९ साहि-सिंह म. बरस-वस म. प्रहुवष em-पुरुवष्ट A D, पुरुवि B म J, पुरुवि c, गृहुवष्ट к. वाल-का BoDH, पांच J L MS commences from vs 99 ii प्रा. स्वतीयानी-वैत्रणे B, स्वतीयानी-त्र), स्वतीयाने D, सद्दावण्ट म. स्वयानी स. सांतक-सातल A H E L. स्वयाणाव-स्वयांणव A स. स्वयाख्य B, स्याख्य B, स्वयाख्य B, स्वयाख्य B, स्वयाख्य B, स्वयाख्य B, स्वयाख्य

२०० बुका-सुक्तां ०, सुक्तां ० स ग्र. चक-वरनह ८, कर ०. विष्णाणी-चेणानी ०, वणानी ०, बीणाणी म्, विष्णानी ४, वर्णानी ४, प्रशीनां ८, प्रशीनां

१०६ पाणी-पाणी 0 D J K. मरिवां-भरीया Å, भक्षां 0 D, भरीज E, भक्षा K L. सरीवर-सरोवर 0. मिक्ट-नीिठ B O E J, निठह K. महीच-नहीं B, नहीं 0 K L, नहीं र D, नहीं स B J. खनावर-कमारि J, कियार स, कमारिद L. बात-जु B O E J, जु D, जो L. बाकारी-आकारि À B, आकारा D J, आकार K L. मेच-नेह D L, मेग H. दकीचह-उठींचीर Å, उल्लेचि B J, उल्लेचर Ç, उल्लेचरई D, स्त्रीच B J, स्त्रेचर Q, उल्लेचरई D, स्त्रीच B J, मन्यद K, सर-चार E, M, वह E, तु है L. व-नह D,...H K. बावह-लामर Å, आपि B J, मार्व K, सर-चार E, D.

१०६ मिरि-मड ८ हे, गिर प्त ८. कपरि-वगरि प्त गड वाहर-विश्वित्ता ८, गिरि वाहर हे, गड लिख्यु ८. विश्वयी-वाहर ८, मिर्स्यु ८. विश्वया-विश्वयी ० छ प्त वाहर-वागर ४, वगारि ८. iii पूर in ४ कि क्षेत्रा स्टेंड के व्यव चेल्डर, कंपा-करा ८ प्त, कंपा-करा ८ प्त, कंपा-करा ८ प्त, कंपा-करा ८ प्त, क्ष्या स्टेंट रंक प्रकार ४, विज्ञान निश्वया ४, सार-वार ४, ब्रह्मार ४,

चडी त्रिकलमह सांतरि जोयूं, रीठवं वल सुरताणी।
गढ सल्हरीह सरोवर पालि हाथी बांच्या भाणी!!
ठामि आमि साबाण सिराचा, बहिली नह एक चोई ।
जंचे थांमे बारगह रीधी, तेह तणी परि जोई !!
अलंब नेजा घणा मरातव, जोतां पार न आवह।
सांतलनह मनि साहण देषी मोटवं अचिरज भावह!!
४०६
कटक तणी सामगरी दीठी, सांति करिवं वचाण।
धन्य धन्य दिन आज अम्हारत, जे आच्यत सुरताण !! १०७
कोठह कोठह कहां रचोपां, मोटा गडा चडाच्या।
चाहुआणि चिहुं पासे भीति भला यंत्र मंडाच्या।

१०४ वाडी नवडी В С L जिकल्साइ - जिकलिस B, जिकलिस C, जिकल्साई D L, जिकल्से J सांसाली-साराल A, शांतलि O, सांतल B, सांसील E, जोंचूं-जोर्ड A, जोंचू O D K, जार्जु H, जोंचह L. शींक्टं-सिट्ट B, शींट्र J, शिंट L. सुराताणी-सुल्ताणी A, सुराताण O D K, सुराताण H, शींताण L. सकड़दीह - सकट्टीय A, तक्क्ष्ट्री O D J K L, तकहिंटी H. सरोचर - सारोवर H, सरोवर L. पालि-पायलि A, पालि B D, पालह K, पालिस L, सौंप्या-साधा A, साया L. सार्णी-आणी A O D H J K.

१०५ कामि कामि-ठामि २ В Н L, ठामि २ С D J K सावाण-सावाण С H, सावान J. सिराचा-शिराचा В L, सराचा С D H, शराचा J. बहिटी-वहली A K, ठहि B, विहेली J, वहल L. न्यू-ति С H J,...L. एक-रह K, कसते L. चोट्टे-चोर B H, छोट्टे C D J, सोर्ट्टे L कंचे-उंचे C, सन्वे H, तेय L. सोने-ठामि C, यांकि K, थेम L. बाराक्-वारांकि B C J, बराव्ह H, बरारीसी L. दीपी-टीस्ट्रिट B, दीठी D, धैचा L. परि-प्रति A, परि C, जोड्डे-जोड़ B H L, जार्ट्टे K.

१०६ बार्डब-ऊंबा O D J, आर्डब सि. नेजा बणा-नेजा वर्गो A, क्या नेजा O D J, तेज बारा L. सराबर-सुरातक A, सरातक L. जोदो-नेजा O L. जावह-जावह A, आदि B O H J. सरावज्जह-सातकनह A K, सांतज्जि B H J, गांतजकि C. साहण-साहण A J K, पाइण B. मोरडे-नोट्टे B J, मोर्ट O H K, मोरो L. क्षिरक-ज्यानेक O K, अनिर्देश D, अन्दर्श H, अन्दर N. आयह-नाशि B O H J,

्रेटण कणी-ती L. साक्ष्यस्री-लांभिषी A, तांभगी B, सामगी D H L, सजाहें J, सांभगी E. सांतरिट-साति A, सांतर B H J, सातर L. करिटं-नीटं A, अरि B J, बर्लु D, करिट H, क्यड E, क्लीड L स्वया—वर्षाण C D H K, व्यावा L. अन्य धन्य-पन A, धन पन B का च र ट J L, पन स् च D, धन स्वया— H, स्वया २ E. विन-रीह A. लाज-एहट A, आव्यु C. व्यवहार ड-अझार B D J,...C, असाहर स J, अस्ट्रारों L. जै-जोता O, जो L. बास्यड टाप-वास्य A, आविट B, आव्यु CD, आव्या J, अल्याव K, वर्षों L. क्री-जोता O, जो L. बास्यड टाप-वास्य A, आविट B, आव्यु CD, आव्या J, अस्तिश E, स्विताण L

१०८ कोठह कोठह-बोठह २ A D, गोटां B, कोठि २ C H L, कोठि J, कोटह कोट K. कलां-कीठे A, किया B, कला C, करीजां H, कीजां J, होइ L. रणेपां-रगोपुं A, रगोपां C L, रगोपां अनोध्य J. मोहा-मोदां B. पहाच्या पढाल्या C L. पहाइनांकि em-पहादांकि A, पहुचांकि B, बहुव्यांकि B, बहुव्यांकि B, सहुव्यांकि B, सहुव्यांकि B, सहुव्यांकि B, सहुव्यांकि B, सहुव्यांकि B, सहुव्यांकि B, सहित्यांकि B, सहित्यांकि B, सिंठे D H K L, मोशि J, संहाच्या-वराव्या A.

जतावली दीकुठी जपरि पासे मांडी मुंकी ।	
आपापने ठामि सहूर् नित राति जागर् चनकी ॥	१०९
जपरि थिका जतरइ हीं हू, विलगइ रातीबाहि।	
दीहरू वली सहंफलुं मांडरू, आवर चरपट बार् ॥	११०
नित नित सुंडीनइ गढि आवइ साव दल्ड सुरताण ।	
नित भिडइ रोसाला राउत, नइ सांतल चहुआण ॥	१११
हीदू तुरक पडइ पोसाता, नित नित वेढि ऊतारइ।	
नितु ऊठवइ एकमना राउत, रोसि चड्या रणि मारइ॥	११२
वानर तणी परि झडपीनइ एक चडह गढि धाई।	
माभ्रिम राति कोट उपरियी आवड् कटकि हवाई।।	११३

१०९ शीकुकी-बीक्की в D मृ J L, विक्रित O कपरि-पापित B. पासे-पास्ट्रि L. मांबी-माधी L. मांबी-सुकी B. मुंकी K, मुंकी L बापापणे-आपआपणे B J L, आंपापणे K. ठामि-स्त्रामि A, ठामि B, ठामे C D H, ठामे V K. सहस्-... ९, सह K, सह L मित-.. B, तिर्सि C, तितु D, नत H, तितु र J, तिति K. शासि-रासि B, रातिइ D L, रासि K, जाताइ - चामि B H, जाइ C D, तिहां J, जाहे K, जागो L. चवकी-चकी B D H J.

११० चिका-पक्षं A, पका O K L, पिका J. कतरह-कति B H J, ते कारि 0, ते कतरहं 0, उतरह L. हींबू-धीट्र D, तीट् म L. विकाश-पालिश B, वाली O H J, वालाई D, लागर L. शतीवाकि-तारीवार B, रातीवार C, रातीवार D, रति वाहर B, रातीवार K, रातीवार L. वीख्यू-धीट्ट A C H, चीट्ट B, चीट्ट B, चीट्ट L. साईपलंद em -सांच्छं A, च्रीप्ट B, सिफंद O, सइफंट D, चिफल H, लिफल्द J, सांफलज K, सदफले L. मांच्यू-मार्विट B, मांकि O J, मार्कि H, साव्द L कायबू-आवि B O H J, बक्यू-चुचट B H J, चयर D, चोपटें K, चोपट L, आवि Em-पाल L D J, पार्ट B, साव H L, पाड K,

१११ निज निल-नित २ В Н К L, नितु २ 0 D J. सूंबीनह्-य्योगह् A L, सब सूंबीन् B, धुंबीन् C, स्थित H, सुबी J, सुबीन् K, सांढि- D, स्थित J, गढ L. आराब्द-आर्थि B D B, आरोब्द J. स्थल्ब-राशि B, स्थित D H, स्थारि B, देखिर L सुराला-पुरातीण D DJ, सुराती M, पुलिता M, पुलिता L. निज -नितु २ B J, निज C, निज D, अला H, नित २ K L. निबद्ध-निक्दं A, अर्डि B H J, मबद् C D. रोसाखा राइव-रावत योशाला B. स्यू-नि B, अल्या C, हस्या D, अंति H, देष J सांतब-स्थारक A L, सोति C, सीत्व-ट, सांतिक C, सीत्व-ट, सांतिक C, सीत्व-ट, सांतिक C, सीत्व-ट, सांतिक C, सीत्व-ट सांतक A L, संतिक C, सीत्व-ट, सांतिक C, सीत्व-ट, सांतिक C, सीत्व-ट सांतक के AD, संतिक (सी. सी. सी.)

११२ हीब्-हींब् B, हिंब् C. तुरक-...C, तरक H. पडब्ट-पिंड B C H J, पडब्रे D. पोसाता-पोसाता माहि c, पोसांता K. मित मित-नितु A C D J, नित १ B K, नित L. बेढि-बाड B J, बाडी C L, बाडे D, बाट H. कत्तरह-ऊतारेंद्र A, फतारि B C H J, उतारि L ii-iv qrs in K are: नित २ फिट बिहाज्य । सादिक राक सपरोणव बोच्ट हीयई हुषे वे बांज्य ॥ नितु-नित A B H L. ऊठबब्ट-फिट B H, उत्सवि C, फटफी J, उठब्द L. एकमना-एकमना J, इस्कना L. रोसि-रोस H L. चक्का-बचीया A, चिक्कां B, चक्का C L. रिमि-सिण A L, रण H, ते J. आरह-मार्स्ट A, मारिड B, मारि C H J.

११६ कावर-बानर он ы. परि-परः ४, परिः ८, शक्योतह-शक्य वेहेलिह छ, योच सक्योति ० उ, यो सक्योतियं प्र. क्रांतित्र ६, ते सरुपं ८. बक्द-बांति छ ० उनकं छ, चित्र छ, साहि-माहि छ, सक्र ८, बाह्य-बाह् ० अ, बाह्र छ, शति-रातहं ८. कोट-बोट ८. कररिबी-करिर वर्षेत्र ६, कररबी ध. बावब्र-कावि छ ० ४, आवर्ष छ, कस्यिक-करक छ छ ४ ४. हुवाई-हुवाह ध. उपरि चकी बीकुकी ढालह, लोडीगडा विकृटह ।
हाबी घोडलं जावह आवह, तेह मरह जणपुटह ॥
हींग परि जालवह हींदू, हिंठ चडील खुरताण ।
बरस सात कख्यल गढरोहल, छंडान्यल चहुआण ॥
११५
गढ उपरि नितु हुइ पेषणां, सुणीह बेणि मृदंग ।
नितु जछन नितु पालल नायह, नितु नितु ननला रंग ॥
११६
चडी त्रिकलसह सांतल वहसह, बिहुं पषि चामर ढालह ।
कटक मांहि सिंघासणि बहुटल पातिसाह निहालह ॥

१९४ कपरि वकी-कपरिवा B D, उपरि पकी H K, कपरि पिकी J. डीकुछी-डीकरी B K L, विकडी O, बीकडी D H J. हाल्ब — डालिट B, बालि O H J, बाल्ब L. छोदीगवा — लेटीगवा B, लोदीगवा O, कोदीगदा D, टालिप टु J, टालिप टु J, वाल्ब पेता — सिक्ट — वालिप टु J, वाल्ब पेता — सिक्ट — वालिप टु J, वाल्ब पेता — अविष् D H, वाल्य D, लावा K L, बाब — लावि O H J, लावि C H J, ला

Note-The verse-order in H is 126-130, 116-125, 114, 115.

१९५ कृषि परि-एणि परि A, हंणी परि B, हंणी परि ता 0, हाँग परिह म, हण परि ह, हणह परिह नित L, वाक्षकर्यु-वालकर्द A, वालंगि B O H J, वालकर्द व D. हींरू-हीई B, हिंदू 0, हीरू D J K. हरि-हींठ J, हर K- करी-विच D, व्यवस्था A, वालंगि L, व्यवस्था A, वालंगि L, हरिताल D K, हरिताल D H, हरताल J, हारिताल E, वरस-वर H, सात-वीरस A, एक्सीस 0, वीत H K, पीट J, कक्षक em—कीच A, करित B, कर्स 0, इन्हों D, कर्स H L, ...J, कन्सनं K, गवरीहर-वारोह A B O H, गवरीह D, गवरीह हुट J, गवररहों L. ईवाच्यव-एंडाल्यु A J, छंवाचित B, छंवाचे 0, छंवाच्ये D, हंवाचु A, इक्साच-वहराण A B, वहरूलाण D H, दातालि का स्वार्थ D, करावू L, क्ष्यूक्षणा—वहराण A B, वहरूलाण D H, दातालुक्षण E

१९७ चडी-चडी О J L. विकटसब्-विकासिक B. विकसित ते, विकसित J. स्रोतक-सातक A L, सातिक K. चारवर-विविद्ध D. विते C J. वस्ति D. वस्ति L. विद्यु-विद्यु D. विद्यु में हैं प्रति के A L, सातिक K. चारवर - विद्यु विद्यु के प्रति के स्वाप्त के स्वप्त के स्वाप्त के

पडइ साद सारही तेडाणा, बोलइ असकति राउ ।	
गढ उपस्यूं पेषणूं जे भांजद आपूं बहुत पसार ॥	
मलिक अमादल केरउ बंदउ, नाम हवाषु मीर ।	
पाटन बांधी जन सर नांबइ, तुहि न चूकइ तीर ॥	
सीगिणि तणां वि कोसां मेळी प्राणि तीर विछूटउ ।	
इस्तक धरि सोलहीनइ वाज्यु, अंगि सूंसरउ फूटड ॥	
पडी धराति ऊसर भागूं, रोसि चड्यड चहुआण ।	
सांतल भणइ सारही तेंडल, जेह न चूकइ बाण॥	

११८ पब्बह्-पिं B H J L, पांची O. साय-साट B, सादह L. तेबाजा-तेवाविया B, केरा H, तेवाजां K, तेवी L. बोक्क्य्-चोलि B O H J, बोलई D, बोलई K. राव-राय B O. कम्प्लं-क्सरियं A, क्सलिटं B, क्यारिं G, क्सप्तुं D, उप्युं H, कर्स्य K, उसर्प ते D. सेवर्ण्-पेयलार्ट A, पेय्णुं O, पेयाजट K, बेयां D. को सोबाह-को भाजित B, भाजि O, भाजह D, जे भाजि H, भाइ J, भांजह K, बोजह L. बार्य्-तस आर्पुं A O, आर्पु D K, अरु H, तिह आर्पु L. बहुत-बहुत O, बहुत D, बहुत H, बहुत J, बहुत L. पद्याव-स्थाय B O.

११९ सखिक बसावक-मादक मिक A, सिक कसावल B, मिक उंगावल B, मकि स्थावल B, मिक मादल E, मिक मादर L बेदर-बेंद B, केर O D J, तथा H, बेदर L, बेदर-बेंद A,...B, बंदू D, बेंदू J, बेंदू J, केर में B, नामि O L, नामि J. इसायु-द्वाप A, इंग्लंड में तदे हुंग J, इसाये E, हाल L. और -इसायु-द्वाप A, के मीर B, Bomits vs 119 b, ini qr in A is: कव जावर तब बेंधी किर लोक पाइट-पाइट O D, जु पाइ H, ओ पाइट L. बांधी-बाधीनद L. कड-जु O D J,...H L. सर-कर D J, संबंधी-बाधीनद L. कड-जु O D J,...H L. सर-कर D J, संबंधी-बाधीनद L. कड-जु O D J,...H L. सर-कर D J, संबंधी-बाधीनद L. कड-जु O D J,...H L. सर-कर D J, संबंधी-बाधीनद L. कड-जु O D J,...H L. सर-कर D J, संबंधी-बाधीनद L. कड-जु O D J,...H L. सर-कर D J, संबंधी - सुकंध D J, सर्वाप्त D J, स्थापि D J,

१२० सीरिमि-सीनाभि A H, सीनामि B, लिनामि O, सीनामि J K, सीनाम L. वर्णा-तणा K. वि कोसां-वि कोसा A, वे कोसी D D, वि फोली H, वे कोसा K L मेली-मेलिया B, मेल्यां H, मेल्या L. प्राणि-प्राणि B, प्राणि O D J, प्राण H, प्राणह K, प्राणिह L. तीर-वाण B L, वांग H. विक्टव-विक्टूट B, वक्टवर्ड O, विब्रुट D, वक्ट्रेट H, विक्टुट J, विक्टर K L. इसक ब्रिन-इसक घरी B, इस कार घरी O, इस्ति करी घरी D, हाते वपरि J, हस्ति करि घरी K, इसक घर L. सोल्डीनह्-मोल्डीह A, सोलडी B H L, घोल्डीनि O, पात्र वांचरी J, बाल्यु-वांगू B, बायु O, बाजर D, बायु H,...J, वार्च्य K, बाया L. क्रीन-कांच L. सुंसरक-संस्थान B, संसर O, संसर D, संसर H, संसर L, सुंसर K, ग्रंसर L. फूटव-फुट्ट B, पुट्ट D, फूटर J, फूटर K, कूटेड L.

१२१ वर्षी-पत्नीय A, पिंट D. शरातिले-चरा L. कसर-उसर BODJE, उछर H, तसर L. सार्यू-भागु DDH, जुआलु J, भागव EL. रोसि-रोस EL. वक्काव-पत्नीउ A, चिटित BJ, चाहित D, चव्यूं D, चढु H, क्कार L. सार्वूकाण AB, बहुआला D, जहुआण EJ, ज्ञांतम E, चहुआण L. सांतक मंचका D. सांतक D. सांतक मंचका D. सांतक D. सांतक मंचका D. सांतक D. सांतक मंचका D. सांतक D. सांतक मंचका D. सांतक मंचका D. सांतक मंचका D. सांतक D. सांतक D. सांतक D. सांतक D. सांतक मंचका D. सांतक D.

रामसीह राजत रोसाळज ततिषण मागइ बीडजं । सांतळबीह प्रतापि नुम्हारह म्ळेळां बाहर फेडजं ॥ १२२ लीजं बाण सींगिणि गुण परिठेज, नाषंतां गुण गाञ्चल । भीर हवाषा कंच विळोडी बीलच पाटइ वाज्यत ॥ १२३ दीठज नुरक पडिज सुरताणह, ततिषण ळांडिजं ठाण ! मरण तणह भह सह को बीहह, वली आवेस्यह बाण ॥ १२४ नुरक चडी गढ साहमा आवह जठवणी असवार । सामहा सींगिणि तीर विळूटह, निरता वहह नलीयार ॥ १२५

१२२ रामसीह-रामसी B L, रांमसीत H, रांमसीह J K. रांमसीह उ C. रोसाछड-रोसाछ B O D J. क्रिकिन-त्रिक्षिण A, तारमधि B L, त्रांम K M होड टे. मागह-मागि B C B J, मागह K. बीढ टे- मीई B J, मीई C, मिंहू D, मीई D, मीई D, मीई D, मीई D, मीई D, मीई D, मागि मागि B L, मांतिक मीं B B J, मोल कि मी B L, मांतिक मीं B B J, मोल कि मी B L, मांतिक मीं B B J, मोल कि पी B L, मागि B J, मेल छ J, मेल छ C D, मेल B J, मोल मागि B J, मेल छ J, मोल मागि B J, मेल छ J, मेल छ D J, मेल छ D J, मेल छ C D, मेल छ J, मेल छ D J, मेल छ J, मेल छ D J J, मेल छ D J J मेल छ D J J मेल छ D J मेल छ

१२६ कीर्ड-कींड B H, लींचुं D, लीकं J, लीवज K, लीवो L बाण-बांग D J K. सीसिणि-सीमणि A B, सिराणि O, शीमणि H J K, सीमण L. गुण-कर्ष A B, मण D. वरिट-मरिलेड A, परव्यक्र K, परव्यक्र L, मामची-मोर्बात B, मोर्बात D, लावंता D, नावंता L. गुण-राण B D. साउपड-माज्यु A D, साविद्व B, मार्विद्व B, मार्विद्व C, मार्विद्व B, मार्विद्व C, साव्य B, साव्य B,

१२% दीढब-बीट्ट 10 D. तुरक-तक H. पविज-पहर A, पर्का D, प्रकाद K. खुरताणह em-सुरताणह 4, खुरताण ह D, खुरताण D, छुरताण D, छुरताण D, छुरताण B, छुरताण E, खुरताण E, खुरताण E, खुरताण B, छुरताण E, छुरताण E, छुरताण E, क्यांचे के कि ही ही छुरताण E, क्यांचे के स्वाह—सुर्व B, अप G D, सह H. सह को—सहर A D, सह H. स्वाह—सिंह B H. र साविज्ञ में साविज्ञ में

१२५ तुरक-तरक म. चर्बी-चर्बी म ०, चच्चा ४ गड-गाँड ४ साहसा-सांग्हा ४, साहसा Þ, साहसा म, साम्द्रा ८ कावह-काविह म, आवि ० म ४, आवर्ड ४ ऊठवणी-२०३वणी ४ ० ४, सरकार-कावार्ड ४. साम्द्रा-साहामा ४ म, साहसा ० ४, साझा ४, सांग्री ४ सांग्रिकी-सांग्रीक ४ ४, सिगकि ०, सिंगिकी ०, सिंगिकी ४ १, सांग्रीक ४ ४, सांग्री जपरि विकूं दीवज थाइ, झाडवीट सह भांजह ।
हाड गृद सुष करह काचरां, पटतउ पाहण बाजह ॥ १२६
आणिवर्ण करंता आवह नाल्ह नांच्या गोला ।
भूका करह मीति भांजीनह, तणणा काढह डोला ॥ १२७
यंत्र मगरवी गोला नांषह, दू सांधि सूत्रहार ।
जिहां पडह तिहां तरूअर भांजह, पडतउ करह संहार ॥ १२८
पडह त्रास भटकीयां विलूटह, नह चूपूह निफात ।
बीज तणी परि झलकती दीसह, जेहबी उठकापात ॥ १२९

१२६ कपरि-कंपरि ह सिर्कृ-पक् A, पकी ते 0, विक्रं D H J, यका K, पकी L बीबज-वीबजर A, वीबज B, बीबज C, वीबज B, वीबज K, वैराजो L बाहू-पाई A K, वाहि O, वाहर D, साबि H, साइ L सावबीब-लंगोअंगि B, साद O D, कीवबीड K. सहू- B, सपकांड O, सहूर D J, सिव H, सहु K L सौजाद-साजिव B L, साजि O B, सांति J, भाजड K. हावर्युट-सावजूट A, होवबुट K. सुख-मुक्त B O, सुवि D, सिव J, ... L. करह-करिड B, करि O H J, करहं L कावरां-कावर B, काविरा J, कावरां K, कावरह L. पदटाउ-पादतां B O L, पवर्तु D, पवर्तु D, पवर्तु H J, पवरता K. पाइण-पाइणे J. बाजाइ-वाजिह B, सावि O H, सीजि J.

१२७ काशिवर्ण-अगनिवर्णि A, आगहंवगे D, आगवर्ण L. ऊडंता-ऊडंतां B K, ऊडता H, उडंतां L. काबद्-आविद B, शैति CJ, शैतद D K, आवि H, वाज्दं L नाकड्-नाति B D, नावि CJ, नावे H, नाव्दं K L नोखा-नावि C, नाव्यं D, नाव्यं D, नाव्यं H, नाद्दं K L नोखा-नाव्यं L क्रूबा-मृक्षिउ B, मृत्यं L, मृ

१२८ समारवी-समरवा B, समरावे D, समरवे B, समरवी K. मोका-नावरं L. नांवह-वाकरं A, नांकिर B, नांवि O B J, नांवरं D, नांवे K, गोका L. ii qr in A. ii: सह वाह सित वंड. सू-हु J, वात K. सांचि—वांचि B, सांचि 0, सांचे D, सा वांचि B, प्रवाह स् स्वस्तात-स्थार B, स्तार O, सुत्रार D, छहतार H, स्यारि L. विद्यां-जिहा L. पडह-पडि B O H J तिहां-तिहा L तरूवर-पड्य A B, तरूवर B, सरक्षार L. सांजाह-मार्विह B, आजि O B, भांति J, भावह K पडवड-पडत A, करतु B, पडट O B J, जिस्तु H, जिसेतो L. करह-हुद A B, करिर B, वरि C J, करई L. संहार-सिहार A O D, संवार B, संकार L.

१२९ पडबूर-पिक BOJ, परह D, पाटइ L. जास-...A, जाज B अटकीयों-जाटकीया A, अटकीया B, अटकीयां L, अटकीयां ट, अटकीयां ट, अटकीयां ट, अटकीयां ट, अटकीयां ट, सिक्टूट D, सिक्टूट C, पूर्वर D, पूर्यूट L, पूपर L. विश्वात-वात O, नकात B, नकाति J L. सककरी D L, सुक्कृत D J, सरकरा D D, सिक्टूट D, सककरी L. दिस्सूट-विस्टूर A, चील B D B, सिक्टूट D, सरकरापात D,

षणे दिहाडे छांडी जासह, तुरके जोयूं पडवी।	
मारूप सुरताणी साहण कीघरं वावाविलवी ॥	१६०
बे कर जोडी करी बीनती, आसापुरी अवधारि।	
सांतल भणइ भांजि तुं संकट, असुर सवे सिंहारि ॥	\$ \$ \$
हूउ पसाउ अंबिका तूठी, दीठउं प्रत्यक्ष रूप ।	
बांह धरी दलि जई देवाडिउं, नीद्रिइ पडढ्याउ भूप ॥	१३२
दीठां नयण त्रिणि मुष पांचइ, कपिल जटा सुविसाल ।	
रूंडमाल दीठी करि तुंबा, दीठउं ब्रह्मकपाल ॥	११३
जटामुगट मांहि गंगा दीठी, अंगि भसमीअ घूल ।	
वाघचंब पांगुरणे दीठां, दीठउं वली त्रिसूल ॥	१३४

२३० बणे-पढ़े ह. तिहाड़े-पीहाड़े ○ D. डांडी-छंडी ह, हाडी L. जासड़-जासि В С Н J, जासि D, जासी K, जासि K, जासि K, जासि K, जासि K, जासि C, पड़ाडी-जासे K, जासि K, जासि K, जासि E, पड़ाडी-जासि K, जासि E, जासि C, पड़ाडी-जासि K, जास्त्र-जासि C, पड़ाडी-जासि K, जास्त्र-जासि D, जास्त्र B, जासि C, जास्त्र-जासि D, जास्त्र B, जासि C, जास्त्र-जासि D, जासि C, जास्त्र-जास D, जासि C, जास्त्र-जास D, जासि C, जास्त्र-जास्त्र D, जासि C, जास्त्र-जास्त्र D, जासि C, जास्त्र-जास्त्र D, जासि C, जास्त्र-जास्त्र-जासि D, जासि C, जास्त्र-जास्त्र-जासि D, जासि C, जास्त्र-जास्त्र-जास

१३२ हुच-हुक्त B, हुउ D K, हुनु J, हुउ L पसाव-पसाय B O K त्ही-न्द्री L. शेटडं-पीभू B, पीट्रं D K, पीटें J, पीटरं L. शेटडं-पीभू B, पीट्रं D K, पीटें J, पीटरं J. शरका-परतिष O, प्रतक्ष D H L, परिक्ष J, प्रतथ K. बोह-बाहि B, बोहि O J, बाहा B धरी-धरीनरं L विल-दक B O K L, जि J. आहे-जे A D, जह B, दक J. वेवाकिं-देशाई D K, वेवाइं J, वेदावाचा L नीविह-नीविं B, निवारं O, नीविं D, नीवं B, नीविं J, नीवं B, नीवं B, नीवं B, नेवारं O, नीवं B, नीवं B,

१६६ In H vs 185 precedes vs 133. वीठो-वीठा B O L. वयण-नवन B D H. विशि-त्रणि O H J, तृत्ते L B transp as त्रिणे नवन; H transp as त्रणे नवन; k as त्रिणे नवन; L as तृणे नवण L. सुब-मुख B O, मृष H. वांच्य्र-वंच A, पेक्ज B K, पांचि O H J, पांचिइ L. क्यांच्य-वेक्साल L. क्या-क्यी H. सुविसाल-मुख्याल B O D J, स्थिताल H, सुविसाल L, क्यांच्याच-वेक्साल में इस्ताल-वेक्साल में इस्ताल प्रत्याल स्वाच-वेक्साल में उपलेखाल स्वाच-वेक्साल में इस्ताल में इ

१६४ कटासुगर-जरामुकट छ उ, जटासुगट ८, जटासुगट ८, जटासुगट ८, साहि-साहि छ स. स्रिस्ट स्ट्रांस छ असि छ १, (स), अंग ति ४. सस्तीच-असमी ८, असम छ, परिवर्ष ८, अस्सुं छ, असम छ ४. प्रच-पुळि ८ छ छ, धुसि ८, पुष्टच छ, दुष्ट १. सावर्षच-वापनमं छ ४, प्राप्तमं ४ ४, प्रापुरिय-पोगरिष छ ८, प्राप्तमं छ ४, प्राप्तमं ४ ४, प्रापुरिय-पोगरिष छ ०, पांगरण छ ४, पांगरले छ ४, पुष्ट छ ४, स्वाप्तमं ४ ४, प्रापुरिय-पोगरिष छ ०, पांगरण छ ४, प्राप्तमं ४ ४, प्रापुरिय-पोगरिष छ ०, प्राप्तमं छ ४, स्वाप्तमं ४ ४, प्राप्तमं ४ ४, प्रापुरिय-पोगरिष छ ०, प्राप्तमं छ ४, प्रा

#### ॥ दहा ॥

चित्ति चमक्यस चिंतवङ्ग, रंगि रहिस सिर नामि । पदमनाभ पंडित तणस, सांतिल दीवन स्वामि ॥ १३५

## ॥ पवाड ॥

रुद्र रूपि सुरताण अवतरिन, किम घाळीजइ घान । हियइ वात विमासी सांतिल पाछन दीघन पान ॥ वळी विमासी पासइ हुंतन, गुर्ज छीनं अहिनाण । विण संकेत कहीइ केतल्डह, नहीं मानइ सुरताण ॥ आसापुरी तणे पाए लागी, गढि आच्यन चहुआण । सकल सरूप जाणीनं सांतिल, तुहि न मुंकइ माण ॥

१३६ १३७

१३८

१६५ In H vs 135 precedes vs 138, and the order of the correspose is 135 b, 135 b, इहा-... हे हुए D H J, खेल L. विश्वि-चित A, विश्व O J K, चीति D, ज्यंति H, विश्व L समस्यवा- समस्य A, उपलिङ B, समितिक D, वस्तवे D, वस्तवे D, चमतिक H J, चसित L. विश्ववह-चाहिक B, वीतिब C, वीतवह D K, वकवे H, चीतिव J. रेगि-रिग H, रंग E रहिज-रह्म A, रहिज H, रह्मा E L, सिस-चित्र A, ह्वा B J, शिर C, वामि-नोमि D J K L, तानि H, पदसवास-चप्रनाम B D, परसनामि K, पपनामि L, कणव-अमित्र B, भीति D J, अगह D L, तलु H, सोविक-सातक A, सांतक J, सातिक K, वीवक-विद्व B D H, स्वामि-कामि D B J.

१३६ पबाहु-श्लेक A, जुपै B, पबाहु: D,...H, पवाडा डाल E, पावाडो L. सह्र-स्ट L. स्थि-श्लेप E, स्थ E L. स्थि-श्लेप E, स्थ E L. स्थि-श्लेप E, स्थ E L. स्थाना J E, स्थाना J, श्लोताण L. बबतारेड-श्लेवतरीड A, अवताई D, अवद्ध H, अवताई E, अवताव्य E C, स्थिन्य E, साठिश्य E, पावीजि B H, पाठीद C J, साठीद D, साठीव्य E, साठ-याव B C. स्थिमस्थी-विमांची J, स्थीविमांची L. साठिश्य E, साठिश E,

है कि किसासी-विमासि B, विमासीनि O, हैंह विमासी J. पासाह बुंतड-पासह हतड A, पासि हुंतु B, पासाझ O, पासाझ D, पातसाह हुतु B, पासिशु J, पासा बुंतड K, पासह हुंती L. शुक्री A H, गुर्ज B K, गुरूज J, फ्रीडे-किंड B C B J, लेलू D, लिमो K, लीमो L. क्यहिनाल-सहिनाण D, आहिनाण H J K. स्केट-संकेट L. क्यहि-कहि A B, कर्नेट D, कहह H L, कहे J, किंद K. केटकक्ट-केतलिड B, केतलि O H, केटके J, केतला K L. क्यहि-नाहि A B. सानह-मांनइ A D H K L, मानि B, मानि J. सुरवाल-सुरताण O H K, सुरतान J, गुरेरोलाण L.

१६८ बाखापुरी-जाशापुरि B, जास्यापुरी O H L, जाशापुरी D J. पाय्-पाय A D H K, यय J. काली-कापु L, बाब्यब-कावित B, बारुश्व O B H J, आयो L. यहूबाण-वहूयाण A B, यहूबांग D H J K, यहुबाग L. सक्य-कारम B O J, सर्वि H. जालीटी-जांगीटी D, जांगिटी J, जांगिरट K, जांगीसी L. संकाठ-साराकि A B, शांतिक O, सारिक K, सारक L. तुक्षि-तुतु A, तुद्दि D, तुत्दि E, तोही L. स्काट-गुंक्ट A D, गुंकि B O J, गुंकि B, गुक्ट E. साल-सांग A D J K. कहड़ प्रधान एक परि कीजड़, अवधारत सुरताण ।
गढ ऊपरि छड़ एक सरोवर, तिणड़ करत बिनाण ॥ १३९
छाष बिच्चारि गूणि नइ त्रापड, दीकी थकां अणाच्यां ।
कार विच्चारि गूणि नइ त्रापड, दीकी थकां अणाच्यां ।
१४०
पारी तणी वात सी कीज्यह, जेहे विणासी गाइ।
गूणि ऊपरि यंत्र मंडाबी, ठेहें नांषी जल मांहि॥ १४९

॥ चउपई ॥

धयुं प्रभात तव तुरणी नारि, गई सरोबरि पाणीहारि । आगइ आछउं हुतुं निरवर्ण, दीठउं पाणी छोद्दीवर्ण ॥ १४२ गाणा सत्तक अछि तरह, कांठह कोइ न दांतण करह । पाणी महि होष एवडट, पाणीहारि भरड नवि घडट ॥ १४३

१३९ कहरू-कहि ВОДНЈ प्रधान-प्रधान DK. कीजरू-कीनित B, कीजि स J, कीज्यह K. काफारट-अवधार BODJ, अवधारो L सुरताण-सुकताण A, सुरताण DK, स्र्ताण B, सुरताण B, सुरताण B, सुरताण B, सुरताण B, सुरताण J, स्रिताण L, क्यरी-किपीर L. छ्य-छि BHJ निष्यु-तीणिद A, तिहा B, तेणि D, तेणि D, तेण्य B, तिणि J, तीणाई K. करड-कर BDH, कीज्य D, करिट J, करो L. विनाण-विनाण DJ, करोण H, बनाण E.

१५० O D Omit vs 140. बिच्चारि-विच्यार स қ, बिचारि ८. गूंबि em-गुंबि त स, गूंबि हा, गूण к ८. नरू-. В Ј, नि स. चालव-नापडा в, जापडां Ј, नपडां қ, तापडा. दीती-विक्री ह. व्यक्ते-विक्रा В स J, पक्की к ८ कणाव्यां-जणावर ठ., बणाव्या ६, बणावो ८. चीति-नीति छ, औति ६. छात्री-छोत्तो ∧, छाता छ Ј ८, छाता स, छात्र ६. लेड्डे-लेड स ८. सति-येत्र в, राति स, गडिहे उ, राति ८. संद्राच्यां-संद्राच्या छ स, च्वाच्या उ, संत्राच्य ६, संत्रावर ८

१४१ पापी तथी—पाणी तथी मा तथी शा तथी था वाब सी—बात किम म B मा, सी बात व, सी बातज D. कीज्यह—किंद्र में, कीजिंद्र B, करीजिं O, कीजंद D, कीजिं H J, क्टीयह L, केंद्रे—तेणे O, तिहां J, जेंद्र K L. किंपासी—किंपासि K. बाह—सांद्र G, बाव D म, साम L मूर्ल—गुण C K, गुणी D, गुणी मा मूण्य L. करारि कर्मारे D, जपरि तथा, अपारे तिलि J, उपारे K. C transp As उपारे गुण. बंज्र—ते यंत्र L. मेक्सारी— कथाबी K, मेंडाल्या L केंद्रे—के में केंद्र H, तो L. नांधी—नांधी L. जक्ट .... J. माहि—माहि मा K. L.

१४२ चनपहे-चुनै घ र, नुपर्द O र, नुष्द ध, नजपही к, बोपर्द L. बर्चु-चर्च A, चिव छ, बर्चु ध र, ध्यु к, बर्गो L. प्रभाव-प्रभाति छ L. तव-चर L. तुरबी-तथी ध, तरुगी र к. नारि-नारि छ पाहे-गद्द छ L. स्तरिबरि-स्तेवर О ध к L. पाणीहारि-पाणीहारि छ, पाणीहारि र र к. नागह-जानि छ О छ र, बाणार्ठ-आहं छ र, नाहि के अनं ध, आलज स L. हुन्दुं-तुर्त A, हर्त् छ, हर्तुं O D B, हुर्त् र, हत्तद к, हुनो L. बिरबर्च-नीदबर्ग ए, निवर्ग D ध र, निवर्ग к, निवर्ग स दिवर्ड-वीट्र छ र, बीठ्ठ र, बीठ्ठ र फ. पाणी

१५३ साइ-माय DJL. तथां-तथा L. मखक बांठि-मस्त बांठि A, जल मसाक B, मसाक बाद O, बाद मसाक B, मसाक बाद O, बाद मसाक L. कांद्र-ताह B, को ती DJL, त्र दे त्रीया-दात्रण B H. कांद्र-कांटि B, को ति DJL, त्र दे त्रीया-दात्रण B H. कांद्र-त्रीय A, करिट B, करि DLJ, पर्याप-दाय्या B H. कांद्र-त्रीय A, करिट B, करि DLJ, पर्याप-दार्या DDJ, पर्या H, पर्याप-दार्या DDJ, पर्या H, पर्याप-दाया DDJ, पर्या H, पर्याप-दाया B, त्रीय L, वर्षि-मिट, त्रीय BDJ, त्रीय पर्याप-दाया B, त्रीय L, वर्षि-मिट, स्वर्ष-भिट BOJ, न H, त्रीय L, वर्षि-मिट, स्वर्ष-भिट B, स्वर्ष-भिट B, स्वर्ष-भिट B, स्वर्ष-भिट B, स्वर्ष-भिट B, स्वर्ष-भिट B, स्वर्य-भिट B

पाठि कारी जोइ ठोक, हईइ आणइ क्रतिह घण सोक । पाणी विश्व तणल आधार, पाणी सविहुं जीवाडणहार ॥ खे हुइ मोटा राजा राइ, तेहे जल विण षिण न रहाइ।	१४४
सांतल इसुं विमासी करी, तेडी पूछी अंतेजरी ॥	१४५
राणी भणइ विमासं किस्यूं, अम्हे सवे जमहरि पइसिस्यूं।	
हीदू तणइ मानीइ गाइ, तेहें तणडं छोही जल माहि ॥	१४६
जीवतन्यनी आस्या टली, ए पाणी नही पीजइ पली।	
राणी बात विमासी घणी, लिष्या लेष कान्हडदे भणी॥	१४७
चाहुआणनउं गिरूउं राज, रूडउं अम्हे भवाडिउं आज।	
राणी बोल इसउ ऊचरिउ, इम जाणेज्यो जमहर करिउ॥	१४८

१४४ पास्त्रि-पार्लि B D J, पारुह K L. जाबी-जावह L. जोब्-जोई D K, जोवह L. इहेब्र-हीह्  $\Delta$  H, इहेब्र्ह D, हिस्ब्ह K, हीस्ब्ह L. आपाद्य-जापि B, आंगी D, जांगि H J, अंगिंड K, आपी L. ब्राह्मिक प्रप्यु B D H J, अति चग O, एवंडे K, एवंडो L. o transp Bs अति चया जात्र सोक-चोंक BOD JL. पाणी-पांगी A D H J K. विश्व-विरंश H K L. वण्यं -त्यु B O D H J. बार्घार-जायांि L. पाणी-पांगी J K. सिंबर्ट -होंह B L, जीव O, हुई D H, कहीह् J, हुंदें K. जीवाबणहार-जीवाधार A, औवाबजहारि L.

१४५ को हुइ - जेहे छ ह, जे होइ 0 उ. ह, जेह ते छ. मोटा-मोटा छई D. शाला-राणा A H E. साइ-राय A BOD H J E. ते हे-ते लि 0, तेह D, ते जे उ, ते र. किण-विण D. किण-विण D, पिण D, पणि L. स-निष् L. सदाइ-रहाई A, रहिवाइ B, रहिवाय 0 J. स्तंतळ-सातळ A L, सातळवीय O, सीतळि D, सातळि H, सातळवीह J, सातिल E. हुर्च-इस्पूं B, .0 J, इसी D H E, इसर्ज L. विमासी-विमासी B, विमासण D D H E, विमासण J. सेवी-ते छ E.

१४६ राणी-रांणी A D H J K. अणब्द-अभि B O H J. विसासव-निवासद A. विसांस्त B J. विसास D H. विसास्त्र D किरमूं em-किस्त A, कर्यं O, कर्यं O, कर्यं D, कर्यं B H. किस्तुं J. क्रिस्त K. क्रिसर्च L. अमरे बचे-अन्ते सबें दें A, सबे अन्ते B, अन्ते संत्र (0, असा सवे J. अस्तरि-असदि C K. L. प्रदिस्ति-प्रसरस्त्र A D, पिसस् B, पिसस्ं D, प्यसस्त H, पिसलिकं J, पदस्तिः K. पदस्तिः C . हीत्-हींदू B K, हिंदू O, हींद् D. कण्यु-निर्ण B O H J, तणींद L. सानीय्-मांनीद D J, को सानि H, सानित् K, सानीव्य L. माम-नाप D L. कण्यु-निर्ण B O H J, तणीं B L, तणे D, तण्य H, तणक्ष K L. सानि-सानित B O J. सांक्षि C.

१४७ जीववण्यनी-मीवितव्यनी B D, नीव्यतव्यनी J L. जाल्या-आर्या A D, आशा B J. यू-एइ B. पाणी-पाणी O D H J K. नहीं-नहीं B D, न O, पीजि J, नवि K. पीजङ्-पीजि B O, पीजङ् D, नहीं J. पक्की-क्की A O D H J. iii qr in J is. बात बिमांची राणी तणी. राणी-राणी A D K, राणीए O. विसासी-विसासि B ि छण्या-रुव्या C H, नाप्या L. लेष-लेख C. कान्द्रड दे-कांन्ट्ड दे A J K, काइट दें B O D, कांड्रीनव्ये E.

१८८ बाहुकाणनर्द em.—बाहुवाणन्ते A, चहुवाणन्ते B, चहुकाणाते O, जहुकाणाते B, वहुकाणाते J, बाहुकाणन्त D, चहुकाणन्त D. शिक्ट-महर्ष्ट A, गर्ये B, मिरुट H, गिरुट J, मिरुट K L, स्वर्ध-स्वर्ध B J, रईं O, सईं D K, रुह H, हरों D कार्ड-अमे B, अते J. सवाविदं—सवावृष्ट , अवाव्यं D, अवार्द B, अवार्द D, सवाव्यं D, सव्यं च MB R, स्रप्ते चोल D, इसिट कोल B, इसिट चील A, कोश्चि इसिट B, वचन इसिट O, इस्तुं चोल D, इसिट कोल B, इसिट चोल J, इस्त्र वोल M, इस्त्र वोल M, कार्योच्या B, वार्ष्ट्य अविदे D, उपलब्ध D, उपलब्ध B, उपलब्ध B, इस्त्र वोल M, इस्त्र वोल चे D, इसिट कोल B, इसिट चील चे D, इसिट कोल B, इसि वार्णेजे J, इस्त्र वार्णेज चे D, कार्येच B, वार्ष्ट मार्थेच B, वार्ष्ट मार्थेच B, वार्ष्ट मार्थेच B, वार्ष्ट मार्थेच B, इसिट कोल चे D, इसिट कार्येच B, इसिट कार्येच B, इसिट कार्येच A, इसिट D, इसिट कार्येच B, इसिट B, इसिट

कान्हरुदेनी घरणी हती, तेह अणी लिषी बीनती ।

फमादे नइ कमलादेवि, जइतलदे नइ आवलदेवि ॥

१४९

इस्यूं कहिउं अम्ह बीत्ं जेह, हवइ बीचत्यइ कालि तक्ष तेह ।

अम्हस्यूं मीति आणेज्यो घणी, आणाइ जमारइ मोकलवणी ॥ १५०

इस्ं कही निव लाई वार, राणी सिव कहा। सिणगार ।

चंदनकाठ आणीउ घणउ, तिहां परिवार मिलिन तेह तणव ॥

१५९
साहस प्रभावि पतली आहि, राणी पहरी जमहर माहि।

राम राम वाणी उच्चरइ, सजन लोक सवि आंस पिरइ ॥

१७९ काल्युच्येनी-श्रान्त्वयेनी А J, कान्युवयेनि 0, कांत्रान्वयेनी H, कान्युवयेनाई L. धरणी-धरणि D, धरणी H, क्ली J, लिपी-व्ली B D H J, से लिखी 0. क्यांदे-व्याये B J, क्रेसाये D. नाह-...B, नि D J E क्यांव्ये विकास के कि B D H J, से लिखी 0. क्यांव्ये च D J, क्यांव्ये विकास के कि च क्यांव्ये विकास के कि D J, क्यांव्ये विकास के कि D J, क्यांव्ये विकास के कि D J, स्वायंव्ये विकास के विकास के कि D B, भावक्ये प्रायंव्ये प्रायंव्ये प्रायंव्ये विकास के कि D B, भावक्ये प्रायंव्ये प्रायंव्ये विकास के मामक्ये प्रायंव्ये विकास के कि D B, भावक्ये के D B, भावक्ये के

२५२ इस्तुं-स्ट्रं ह D, अर्थे O, स्तित म, स्ट्रां J, स्ट्रं म, स्ट्रां म, क्रही-ब्योनह A J, अणी B H. क्राई-अणी O, लाइ H K. पाणी-राणि D, राणी J K. सिंद क्यां —िमा सि A, सिंदूं क्रिट छ, व्ये कव्या C B, स्वे क्रां सि म, सिंद क्रां म, सिंद क्रियों म, स्टिंग्यान स्ट्रणार B D, शिवापार D, घणार H, द्वीरार J, क्रांसि L. अंदि स्ट्रं क्रांसि L. अंदि क्रांसि L. अंदि क्रांसि म, अंदि क्रांसि L. अंदि क्रांसि म, अंदि क्रांसि

॥ दूहा ॥ आपआपणे प्रीउ तणे कस्मिनि रुम्मउ पाव । खांमी दौसज अम्ह तणा पमयो करीय पसाय ॥ राणी सांतरुसीहनी वर्ज २ नांमि सीस । वियोग म करसिउ क तमे पमयो अक्षाची रीस ॥

१५२ In J vs 153 precedes vs 152. प्रमाणि-प्रवाहि स, प्रमाण्य स, प्रमाण L. प्रवाहि प्रहाटि D. सार्थ - जाहि p. सिंगी J. रामणि-प्रणि D. D. पहरी-पिठी BO E.... J. प्रमाणि के D. स. पहरी-पिठी BO E.... J. प्रमाणि के चामह पाति के प्रमाणि के प्रमाणि

#### ।। दहा ।।

जल विण को जीवइ नहीं, जल जीवन जग माहि। पदमनाभ पंडित भणह, जल विण विण न रहाह।।

१५३

## ॥ राग सिंधूडउ ॥

सात वरसनइ माजनइ, गोरीडां दछ घण घाइ। गढपति गढरोहइ पडिउ, चउपटमछ चहुआण माहि॥ ॥ द्वपट॥ समीयाणे सरताणी साहण आचीयां ए॥

१५४

कुंयि कोडाली बेटडी, वली मेलावउ कवण वलामणि। भाईलि मेद देपाडीउ, सरोविर करिउ विणास। एह पाणी नवि पीजीइ, असुरां हवि पूरी आस॥

समीयाणे०॥ १५५

१५३ तृहा-स्त्रेष A...B J. Homits vs 153. i qr in J is: जल बिना किम नीवीह. जहा-पाणी L. क्षिन-विणे L. जीवह-जीति B. नहीं-नहीं D. जीवन-जीवण O. जल माहि-जग माहि A. J. हुण महि К. पहमनास-पदानाअ B D. पहमनासि K. L. पेक्वि-पंडित D. सणह-भावह B. मणहं D. भावं J. जहा-जिंदे L. क्षिण-विणु O. क्षिण-विण A. विणु O J. हहहा-दहाँ 4. एडिवार B. ऐडिवार O. रहानाय J.

देशक्ष o omits the entire song, i.e. vss 154-158. सिंग्ड्ड-सींश्ड B म. सिंग्डं D, सिंग्डं J, सिंग्डं L, सिंग्डं L बरसन्त्र-स्तिन B J, मारिन म. माजन माजिन B, साजनह D, माझिन म, सालि J, गोरीबा में प्रीरा B J, गोरीबी म., गोरिबी म. माजनह-माजिन B, साजनह D, माझिन म, सालि J, गोरीबा में प्रेरा में प्रमुख्य में प्रमाद L, माबरोइड माजिन में प्रमाद L, माइति हैं दे हैं, मच्छा D, मिंड में, किंउ J, कक्सट में, करीं B, नवरीहुं J, गवरीहुं E, गवरीहों L, पिंडं -रिहें दे हैं, मच्चा D, माजिंद में, किंउ J, कक्सट में, करीं में, क्षावरमाझ-में प्रमाद माजिन में, सुर्वाण में में, सुर्वाण में में, सुर्वाण में में सुर्वाण में माजिन में सुर्वाण में सुर्वाण में में सुर्वाण में में सुर्वाण में सुर्वाण

१५५ कुंपरि-कुंपरि ८, कुंपरि В Ј, कुंशरी В, कुंशरि ६, कुंशर Ь. कोबाकी-कोटबी В, वेबाकी उ. केबबी-कुंटबी В В В К, पुरति Ј, कुंटली Ь. मेकबब - पुरति В में अलाव В В л हो काल उ. क्रयण-क्रयण В В В К, क्षामिण-कुंशा भीव В, वकामिणे । समीआणे • आवली: В, वकामिणे । सुपर उ. माइकि В К, माइक

जल विण पिण किस जीवीइ, जे जल जीवन जग माहि। जिणि दिनि जल नवि पामीइ, तिणि दिनि देहदी कुरुमाइ॥

१५६

पिंड प्राण हुइ प्राहुणा, दोइ दिवस पांच कइ सात। सांतल कहइ सुणि सुंदरी, हिव हुई ति सचराचरि वात॥ समीयाणे०॥

१५७

सांतल तणी अंतेजरी, नारिंगदे निरवाणि। पाविक प्रेमादे चडी, सइं दलि सुणीउं सुरताणि॥

गाण ॥ समीयाणे० ॥ १५८

## ॥ चउपई ॥

अवधि एतलइ पहुत्त काल, ग्या आकाशि धूम विकराल। सातल भणाइ गुरज मोकला, पातिसाह कहिस हुं भला। १५९

१५६ बिज-लिगिह L निज-तिण A L किस- D, निव J जीबीह-जीवीई A, जीविइं K, जीविवड L जी-...B H J, दे D J, जीववन D, जवा-जुग H, युग K, साहि-माहि B H J L तिणि-तिण A K, जीविव जीवि B, जीव B, जिल्ह L हिन्दि मिंत ट्रिन स K L पासीह-पोसीं दे D, पासीह J, पासी ह, पासीख B, जिल्हा के तिण्ड D, तिण H K. दिनि-दिनि ते A, दिगी D, दिन दे H L, दिन K. देहबी-देवि दे A, दिगी D, दिन दे H L, दिन K. देहबी-देवि दे A, दिगी D, दिन दे H L, दिन K. देहबी-देवि दे A, देविण B, इस्ताइ-प्रस्ताइ D, फरासाव D, करासाव H, इरसाव J, इसलाइ K. समीवाणे-सहसणे A, देविण B, स्वीन D, ... स्विशा ह

१५९ जबपहे-जुपे छ J, जुपहें C, चूपहें D, H, जोपहें L अवधि-अविधि H, अवध L. प्रकार प्रवृत्त परिति पुरु B, पुरती प्रति C, चूपहें पुर D, एतन पुरता प्रति पुरति प्रति J, पुरु एताई L, प्रवृत्त प्रति प्रति प्रवृत्त प्र

इस जाणे सायह अहिनक्षण, मह नवि सारीत निश्चह जाणि ।
पारीतसाहि इस कहावी बात, सांतलनह आपर्य गुजरात ॥ १६० जु अम्ह आवी सांतल मिलह, मरण तणव सब विश्वह टलह ।
आपुं प्राण नवि मुकूं माण, काजह साथ तणी चहुआण ॥ १६१ कोक वतारीया करी वपाय, राउत सबे पढ़ाऊ थाह ।
पहिस्तुं पूज्या सालिग्राम, हईह धरिडं राममुं नाम।। १६२ करी सनान ऊगन्या वाल, कंठि धरी तुलसीनी माल ।
राउत सबे एकमना थया, चाली कटक तोरकह गया॥ १६६ कटक मांहि तेजी पापरीया, हाथी आणी साम्हा धरीया। आज्यव पारीसाह सहं दलह, हींदू तुरक वे टोले मिलह ॥ १६६

१६० इस-रंग D. जाणे—जाणे A D H K, जाणि J साज्य -साजि B H J, साजु C, सहुत्व L, क्राहिमाण-अहिनाण C, अहिनाणि H J K, सहिनाण L. सह-स्रि C, महं D, स्री J, स L, मालि-तिवि L, सारिव-सारिव D, माल्य S L. सिवह जाणे-निवि जाणि A, तिवे जाण B D, निते जाणि C, निवंद जाणे E, नित्सर्थ जाणे J, निवंद जाणे K पातिसाहि L, पातिसाह B J, पातसाहि C, पातसाहि C, पातसाहि B J, सार्वका B D, सांतका B D, सांतका

१६१ खु-जउ ह, जह L. बनबू- अन्दिन A, अझा H, सुंस L. स्रोतक-सातक A H, सातिक K L. सिक्यू-सिलाई A L, सिक्यू-सिलाई A, सिक्यू-सिलाई A, सिक्यू-सिलाई A, सिक्यू-सिलाई A, सिक्यु हे, सिक्यू हे, सिक्यु हो, सिक

१६२ बजारीथा-कतिरंगा B, कताक्षा O D J, कतारीओ H, कतक्षा K L. बगाय-कराय O D, वराइ B, क्यां टे. प्रवाक पाइ-एशके चाई A, क्या उछाय O, प्रश्त वाय D, प्रश्त वाय J, परिवा उयाइ E, कक्षा सनान L. परिव्दं-एशके पाई A, प्रकाट L. प्रचा—पूरी A, प्रचा H. सार्विक्रास = चालिमां B B, चालिमां H J, व्हांद-हीइ A, देविंड B, व्हाई D, देह H, हीओंट J, हीई K, सुव L. धरिवं-धृ D, प्रस्त B, घको K, उचरइ L. एसम्-एगु B B, रामर्ट् O D, रांसर्ट् J, रांमन्ड K, तिहां हिस्त L, सार्य—मंत B D J.

१६६ वरी-करीय L. समाल-सनीन A D H J, झान O. काणवा-स्त्रावीया B, क्राम्केला O D J. साक-नालिक L. कंट के द्वार. करी-टभी B, घरि D, कुक्सीमी-तल्लीनी D, तुल्लीके स. कुक्समा-रूपमा L. पाकी-चालि D, वली H. कटक-कटले B D H, जुपट J. वोरकब्-तुरस्क् A, तुरक्ति B, तुरक्त मार्ट, पाकी-चालि D, वली H. कटक-कटले B D H, जुपट J. वोरकब्-तुरस्क् A, तुरक्ति B,

१६४ करक-..... संबि-साहि a D, सांहि B, सांहि L, तेबो-तेजी ते L. पाण्टीया-पाण्या B O D K, पाण्टीका B, पाण्टीया J, हाती कार्यो-दार्था कांगी a B J, तिहां हाथी O D. साल्या-दांग्दा A, साहामा B I, साहारा वह ए जो सवारा D, लाहामा J, पाखा E. व्यक्तिपा-परिया B J, पण्या O D K, प्रदेश E. बाव्याच-सावित B D, ब्याब्यु O J, कस्यु B, कारजो L. पालिसाह-पालसाह A B O D B J, पालिसाहि L. स्वर्ध-सह अव्यां लोह न लांभइ पार, रावत भला करह ह्यीयार ।
जिस्यूं युद्ध रावण नइ राम, जिसवं देव अग्रुर संमाम ॥ १६५
हीतू सवे एकमना भिडह, पोसाता पायक रिण पडह ।
त्रिणि पुहर दल साहस भिड्या , घणे बाए सांतल रिण पड्या ॥१६६
साहस प्रभावि एतली आहि, रावत भिडी रहा रिण महि ।
सांतल तणाउं रुधिर सुरताणि बांघाउं वीरायतन वर्षाणि ॥ १६७
पटमनाभ पंडिति मति कहीं, बीजा चंड समापित हुई ॥ १६८

A H, सि B, सि J. दर्क्य-दिन्ध्रं A B D, दलि O J. इंद्यू-हीय् A H J L, हिंदू O. दुरक-तरक O H. वे-वि H J. टोल्डे-मोटा A L, टोवे D, टोलि H J, लोहे K. मिल्ड्-सिट्ड् A L, मिल्ड् B, मलि C, मिल्ड् D. मिलि H J.

१६५ कल्बां-फदिवां A, ऊदिया B, ऊष्णू D, कल्बाठ K, कल्बां L. काशहु-लामि B O H J. बार-पारि L. सक्बा-मलां O, संलां H. करहु-स्टरि B O H J, करंटि D. हवीबार-विश्वार O H J, हथियार K, हविबारि L. किरद्-लिस् A, लिखें O H. लिस्टी D, वसिया J, लिखठ K, लिसरे L. शुक्र-युव A O D L, ज्या H, जुद्ध K. राचण बहु-रामण बहु A L, रावण नि B O D H J, रावण ने K. राम-राम A D H J K. किरसर्-लिख B, तिसें O, लिम D J, जिलेट H, तिसठ K. देव कसुर-वेवाइरि A, युव अस्टार O, बाहुदेव कसुर D J, देवाइर H, जिस बाहुदेव h(ल), असुर सातिल K, देव अदुरा L. संप्राम-सामि A, संप्रांम D H.

१६७ साइस-साइण म. ममार्थ-प्रभावि B D, प्रभावह K, प्रमाविह L. ब्याहि-आहि D. किसी-मधी B D D H J. रधा-स्ट्रीया B H J. रथा-पण B O D H J. रधा-स्ट्रीय A, रहिया B H J. रथा-पण B O D H J. साहि-माहि B O D J L. स्वेचक-सातक A, बाति K. सावक-तण B, रणी O D, तर्ण, H J, तणत K, रखाउ L. स्वेचर-स्वेप L. सुरशाक-छुक्तामि B, ख्रुताण K, ख्रुवर्ची व, छुत्ताणि D J, स्त्ताणि B, ख्रुताण K, छुत्ताणि L. बांचक-प्रदेश B, सांदिव O H J, बांचुं D, वेच्या K, संवर L. सीरायक-सीरातन A O, रावत तर्ण B, वीरासत H J(ख),तीररावर्गि J, तीररासतन L. व्याबि-व्याण B, बांणि D, निवाणि H, विवाणि K. Ø interpolates the following line after ve 167. सती वह च्यार पांचव हुई ख्युरानि तिहां व्यवत्व अहे.

१६८ पदमनाम-परानाभ B D, परानाभि K L. पंडित-गंडित B O H J K L, पंडित D. सर्ति-ह्स O K. क्डी-स्ट्र K. बीजा-बीजो K L. वंड-संड O J, पंड K. समापति-समाप्ति △, समापत L. ह्र्रे-ह्र्रेर D, पर हुद H, हुर्र K.

Note-The colophons of the second khanda are:

# तृतीय खंड

## ॥ चउपई ॥

त्रीजा पंड तणउ प्रारंभ, बोल्ड एद्मनाभ कवि वंभ। समीयाणे चडीउ सुरताण, जिहां हुंतउ सांतछ चहुआण॥ १

लीधन गढ आणीन अमिमान, कान्हड भणी मोकल्या प्रधान। पातसाहि पहुर्व कहावीनं, एक तुरंग महं प्राणइ लीन ॥ २

कइ अम्ह आवी करइ सिलाम, कइ प्राणइ छंडाविसुं ठाम। ग्या प्रधान सिरि धरीय पसाउ, जई मेटिउ सिंभरिनड राउ॥ ३

द स्त्रीभव - लीधु BOHJ, लीधु D. बाजीट em - आंगीट A. आणि B. आणिट OH, आंग्यु D., आंग्यु E. स्त्रीसान - अभितान A O D H J K. कारहर - अंतर्दर A. ज्ञान्द B O D., कार्यु E. प्राप्त B. प्राप्त B

है कह्-कि B C J. सन्तृ-अस्टि L. करह्-करे A B D H J, सरे C, करव L. सिकास-समास B C L, सिकास D J E, समास E, कह्-कि B C J. आन्नह-आसि B C J, प्रोणि D H J, प्रोण E, क्रेसारिक्ट-कंप्यांति J, क्रीस क्षेत्र में प्रकारिक प्रमुख्यांति J, क्रीस क्षेत्र का मान्यांत्र B J, क्रीस B J, उत्ति L. स्वा-स्वायं B D D H J E L. स्वान-प्यांत D H J E L. स्वान-प्रवांत D H J E L, क्रीर C D, सरे D H J, सर J, तिर स, विर L. स्वीक-व्यंति B J E L, क्रीर C D, सरे B H, स्वाय-प्रवांत C B, स्वायंत्र J, स्वायंत्र H E R, क्रीस B J, क्रीस B J, स्वायंत्र B J, स्वयंत्र B J, स्वायंत्र B J, स्वा

आच्या सुरताणी परधान, सभा सहित राष्ट्र दीर्घू मान । तव प्रधान पूछ्या चहुआण, किस्यू वचन कहाव्यू सुरताण ॥ ४ इस्यू प्रधान कहड् तिणि समइ, सुरताणी दल कुण आंगमइ । जास तणउ भृतलि भडवाय, जिणि वसि कीधा राणा राय ॥ ५

जास तणाइ नवनिधि भंडारि, जेह भिडतां नवि आवड हारि॥ ७

॥ दहा ॥

पद्मनाभ पंडित भणह, जिह तृदङ जगदीस । तास तडोविंड हुइ किसी, अंगि म आणड रीस ॥ ॥ चउपई॥

॥ चउपइ॥ जास तणइ तेजी लघ आठ. जास तणइ घरि गयवर थाट।

8

ध खुरवाकी-झुरतांगी D J, स्रतांगी H. वरवान-प्रयांन A D H, प्रयांन J K समा-समों H, हमा K. सहित-सांहि A, लिंद्र D, संघ म राह-पांड B O, राय D J K ही पूँ-पुँचे A, पुँचु O D, पिंदु H, पीचों K. साल-सांन A D H J. 48 ilb L is "इस सहित राउ पीचीं उ सान एक्या राउत वाले सान, प्रयांल-प्रयांत B, प्रयांन D H J K पुक्वा-पुळ् A, पुळिया B, पुळि J बहुसांग-बहुसांग A ह बहुआंगि C J, बहुआंग D H, बहुआंग K. किस्पूं बचन-किस् वचन A, वचन किर्त् B, किसिंड वचन O, किर्तु वचन D, किस H, किर्डु बचन J, किर्डु वचन K, किसर्ड वचन L कहार्ष्यू-कहाविड A H L, कहार्षु B, कहास्विट O, कहार्ष्य D, बोस्ला J, कहार्यंड K. खुरसांग-झरनांग A, झरतांग C, झरतांग D, कहु स्ट्रांग

प इस्स्-सर् A, असुं 0, इस्तुं D, इस्तुं म, सल्तुं J, इस्तुं K. प्रधान-मर्थान D H J K. करह्य-कर्द A, स्मिं B O D H J, कर्याट K. सिक्ति-तीय A, तेण B O D. समझ-सम्दे A, सिल् B, सिल D H J, सुरालाणी A, सुरालाणी A, प्रकाली 0 D K, स्दालाणी H, क्रालाणी A, सुरालाणी B, आगमि D, आगमि H J. 5a in L reads: इसिल वचन करह्द प्रथान छोरालाणि रच खोजा पान. जास-जस 0, जाड्य L. त्याच-त्याच B O B, तथ्ये D, तणि J, शृति B. अस्ति —अस्त के स्थान छोरालाणि स्ट खोजा पान. जास-जस 0, जाड्य L. तथ्येल—जिल A, जीणि B, जेलि O D. वस्ति—विव A, जीणि B, जेलि C D. वस्ति—देव 0, क्षान् J, मिला ट K. किला—जिल A, जीणि B, जेलि C D. वस्ति—देव 0, क्षान् J, मिला ट K. किला—जिल A, जीणि B, जेलि C D. वस्ति—देव 0, क्षान् J, मिला ट K. किला—स्ट प्रचार प

जेहनी आण मानि वेवेंद्र जेह बाल धूजह ताराचंद्र । रायरांणा सबि सेवा कारे मेघाटंबर छत्रज घरि ॥ ६ o d j omit vs 6. वृहा- ..स. पश्चनाअ-परमनाभ स, परमनाभि к, परानाभि L. अणह-कहर्

A, भणिह B, भणि H. जिह-जिहि A, जेह B H. त्उट-तुरु B, रूठउ K. तास-ताशु L. तडोवडि-तडोवड L. इड-को H. इर्ड K. किसी-भिंती H. किसे K. बाणड-आण B H

७ चठपई-हिर चठपई A, जुपे B,...C D H J, चौगई L. जास—तास A B L, जास D. दण्यह—तिथ B C H J, तणई L. कष बार—आठ लाप D, लख लाठ H L. तण्यह—तिथ B C H J, तथिइ D, तणई D, तथाई L. बीर—. O D B J S L. मायदर—सम्प्रत B H, गंबेशता 0 J, गीमरत D, गढ़पर चिर स. गढ़शीर चीर प्रदे बीर—ठाठ B O D H J, चीटि L. जास—जास D K, जास्तु L. तण्यह—तीथ B C H J, तथिइ L. वण्य—जिल A. क्रियि—निष्य D H. अंदारि—मंदार A B O D H J, अंदरि स., अर्थार L. वेश्व—जे C H,.... मिलवार— मार्या B C, व्यंता D H, महता जेह J, निवंता L. विष्यावद्द—नावह विष्ठ A, विष्ठ आदि B D, नावइ D E, गार्व स, मुक्ता में J, बहर्स—हिर स, हार L.

o interpolates the following additional verse after 7: जेड्डॉन द्रव्यतली नहीं मणा कटके योच संघान चणा। हाची अच संट नहीं पार अवस्ति रायरामां सामार॥ बेह सरिख हठ निव मांबीइ, कीजइ मेठ बेढि छांबीइ।
पहचूं वचन कहिं सुरताणि, मई समीवाणड ठीघन प्राणि॥ ८
तीणिइ परि सोनिगिरि स्वोस, हिव मन भणित माहरु दोस।
बोठाइ रास सुणत प्रधान, बोडाइ बिंट मोठां अभिमान॥ ९
सांति सुरताणी दठ विठ्यं, सात वरस समीवाणे रिठेतं।
पातसाहनइ एवडी आहि, पठ वावरितं सहस पठ माहि॥ १०
सरवरि उठ पीघनं पोपटइ, जोन मान केतठनं घटइ।
कान्ड बोठ सुषि बोठाइ इन्यं, समीवाणाइ पुरवार्थ किर्मं॥ ११

ट तेब्र-तिङ् क्र ते B D सरिख-सरिस् D, सि म, सरीख्न J, सरिस्व K, हर-वेडि J, निवे L. किथ-हरि L. स्रिडिय-नारीस् O D, संदीड़ म, सरिवर K, सादीब्रद L. कीजब्र-विक्रि B D H J. केब्र-सिक्ट L. केंड-हर A, हरि L. कांडीब्र-व्यंसेंट O D, छरीड़ म, छारिवर K, छारीब्र E. प्रदूष्ट्-पूर A, पूरतुं B O B, पुद्व D, पूखा K, इसिट L. क्यब्य-वय D. किट्ड-व्हूं B, सहुं D, यहिंट H, स्झा K, किट्ड L. सुरवाण-वेखपा सुरतांणि O D J, स्ट्रताणी B, छुरताणि K, छुरेताणि L. सर्थ-मह A H K,...B O, मी J. स्प्रीयाण-वेखपा गढ़ B, समीआणु O, सर्वाणा D, संदूष्टाण H, समीयाण्ये L. कीयड-विध्या B B, छीउ O, छीचुं D, छीचूं J, छीचें। K, झाणि-वरपाली O, संगि D J K, पराणि H. iv Qr in L is. एक गढ लोगड सम्बद्ध माण.

च. तीलिह em-तीणीई A, तील B, तेली C H J, तेलि D, तीलह K, तिलि L. परि-परि B, परिट्वं L. क्षेत्रिमीरि-सीलिंग्ड B J, सीलिंग्ड C D, सोलिंग्ड C, सीलिंग्ड C, सीलिंग्ड C D K. मन-तीलिंग्ड A, हुं लोग्ड B, क्षेत्र D K, क्षेत्र L (च.) लेंग्ड C, क्षेत्र D, हिंद C D K. मन-तील A, A B G, मनमे D, ईस J, मत K, ममें L. अधिसि-मणित्त A, मणित B D J, अणित C K, अधित B, ज्ञित्त L. माहद-के अब्द A, अक्षांत B, तताइट H, माहदे K, अस्मारि L. क्षेत्र-तील J. बोक्ड B, ज्ञित्त D, माहद-के अब्द A, अक्षांत B, तासाइट H, माहदे C B D J, क्षांत्र-चुण B D, वर्ष D, सुण्य H, क्षांत्र B, तासाइट H, माहद-के प्राच D D H J K, परिपान L बोक्ड स-बोक्ड A, के कि B H, वोई C D, योई J, धोक्ट L. ब्रिट्ट टि A, दल D C J, वोल्ड B. मोददं -मोदूं B, मोदं G J, मोदू H, सीटव C B, मोद D H J K.

c interpolates following two vss after 9:

असपति राहूं बोलिंड छुं दुरु समीआणे कीचे छुं बुळ । जु आवसि इहां दल मिली तु आवर्षन करहूं बली ॥ बोलि बीजी बार प्रधान कान्हडदे सुंकु अभिमान । सातलसीहिं करी धण मारि नेटि सांतलिन हुई हारि ॥

रै॰ सांतर्कि-सातिल A.0, सातके D., सांतल स., सातिल A. सातल A. सुरताणी स्ताणी अ उप स्ताणी मि. सुरताणी मि. सुरताणी

बाद आवसह पातसाह वर्ज, तव आवर्षन करियूं भंडी।
बाद गढि नावह करीय पराण, तु स्वर भंद्य करह द्वारताण॥१२
कान्हददे बोलिंच हिंठ चढी, वस्या प्रधान न ठाई घढी।
तव प्रधान अवगुणना हुई, पातसाह जुहारिज जई॥
३६
जागिल रही करि अरदास, चाहुआण राज ठीठविलास।
जाउ सावर वडवानल समइ, तव कान्हड तुरकांनह नमइ॥१४
कान्हददेवि कही परि धणी, किसी वात समीवाणा तणी।
केहद गर्व तुम्हे मनि धरद, सात वरिस ठीधड डूंगरड॥१५

१६ वड-जु B D H J, जो L. बालसह-आवित B, आवित D, आवित B, आवि J, बालसह K, बालह L. वालसह-पातवाइ J, पातिसाइ K, पातिसाइ K, पातिसाइ K, चड-जु B D H J. बालजेल-आवंका A D, बालपंजन B H K. करियुं-करलें B, करितेंं टी H, करतेंं प्रति के सि L. O reads as 12 a: एहा गुण हुं जु श्वि भे भे लाहों आवि जु संदीपण. जड-जु B O H J, बड L. कालि -...D, गढ K. वायून-न आवि B, नावि O J, आवि H. करिय-करी B O D J K L. वराण-पर्यंण D J K. यू-... K L. यूय्य-अपर प्रति C H, स्वयं K, स्वरंष K, स्वरंष K, स्वरंष A, भक्त करि B, भक्त करि C H J, अपस्य करि D, सुराण-प्रति C H J, अपस्य करिय प्रति C H J, अपस्य प्रति C

१६ कान्यवर्द-कान्यवरे A J, काहनवरे D, कोशनवरे H बोलिज-बोलह A, बोलिज D, बोल्यु H, बोल्यत K, बोल्यो L. इटिन्युट A O K, इटे B. B transposes as इटे बोलिज. वदी नदी L. प्रवास-प्रवास D H J K. स-नति D, लगारी J. काई-लाइ A, कागी O D H K, नावि J. तव-्यु B H, तर L, सवास-प्रवास H J K, प्रयाने L. सवगुणना-अवगलना A H, अवगुणना D, अठगुणी K, अवगुण L. हुई-दिंद A, होइ B J, हुई D, सही K, नदी L. पालसाइ-पातशाह J, पालिसाइन K, पालिसाइ L. शुइगोर्द-शुद्धारी A, शुद्धारी B, शुद्धारा J, वातज K आई-जीह A, जोइ B, जद H, कही K, जाई L.

र्ष काम्बर्विक कान्द्रवरीय A, कसी कान्द्रवरे B, कांन्द्रवरे C, काद्यनवरे D, कांद्यन तथी J, कांद्र्यनवरे B, कान्द्रवरे L. कसी वर्षर-पर्स वर्षी B, कहीइ परि D, परि कहीइ J. किसी-कशी H. समीवाच्या B, समीवाच्या B, समीवाच्या B, समीवाच्या B, तहमे D, किसी B, किसी B, किसी B, में स्वर्ण कर के किसी B, के स्वर्ण कर के स्वर्ण कर के समीवाच्या B, समीवाच्या B, तहमे D, किसी B, मान्य-मा H, परव-पर B D D J, व्यव्य L, समीवाच्या B, सार्वे D, कर समीवाच्या B, सार्वे B, कर सार्वे D, क्षेपर B, क्षे

संतळसीह हुंतड झुहार, तिणह कटक करित सिंघार।
कान्हडदेनन किसन वपाण, हिंदि चडीन हाकह सुरताण॥ १९
हूं चालकुं बुद्धि आपणी, जालोरन गढ नाचूं वणी।
सूर उपंतह दीवन जिसन, साम्हा गुरह सुयंगम किसन॥ १७
साम्हा सीह किसी गजमाल, संपह दन जिम वर्षकाल।
सेन तणी परि वाळूं दोट, मारी माणि पालळूं कोट॥ १८
साव दलह चालिन सुरताण, बार सहस वाज्यां नीसाण।
चाल्यां कटक दुदामां करी, वेह तणी दीसह डामरी॥ १९

१६ सोककसीह-सातकवीह A C L, सांतकवी J, सीतिकवीह K. हूं वड-हुंतर A, हुत B O D J, हुत B, हत K, हुतो L. स्रामर-अंति हामर J, सामारे L. तेणव्य-तीण स. तिणिय B, तिणिय D, तिणिय D, तिणिय B J, तिण L कट-करिक A. करिंद नकेंद्र A B, कीवर D L, कवर A. तिण्य-तिहार A B O, कीवर B, से सेपार J, तेपार K L. कान्युवदेत जिल्ला केंद्र केंद्र से, कान्युवदेत J, कोन्युवदेत J, कान्युवदेत J, कोन्युवदेत K, किवर -किर्स् A B, कर्त O, किन्नु D K, करते B, किन्नु J, प्रामण-वर्षण D D J K, करते B, किन्नु D, विवेद B, किन्नु B, कर्त O, विकेद B, किन्नु B, कर्त O, वर्षण D, विवेद B, किन्नु B, हाकि O B J, सुरवाण -सुविवेद B, सुविवो L. हाक्यु-किन्नु किन्नु B, हाकि O B J, सुरवाण -सुविवेद B, सुविवो L. हाक्यु-किन्नु किन्नु B, हाकि O B J, सुरवाण -सुविवेद B, सुविवो L. हाक्यु-किन्नु किन्नु किन्नु B, हाकि O B J, सुरवाण -सुविवेद B, सुविवो L. हाक्यु-किन्नु किन्नु किन्नु किन्नु B, हाकि O B J, सुरवाण -सुविवेद B, सुविवेद B, सुवेद B, सुविवेद B, सुविवेद B, सुविवेद B, सुविवेद B, सुविवेद B, सुव

१७ ई-ई A D, इ. H. इ. K. पाडवाई em-चालाविस A, चाई B D, चालर्सु C H, चलाई J, चाहखु K, चालर्स्ड C L, इदिल्-चृषि D H K L. साथवी-जांपणी D. जांब्रीस्ट-चालोहर B, जांल्डुर D D, गांड खाडहुर्स्ड H, जांह्युं S, जांल्डेर D D, मांड खाडहुर्स्ड H, जांह्युं S, जांल्डेर B, जांलुं C D L, नांधुं B, जांलुं C D, आसति B, असतह L. देवाल-चेंक्ष्य B B H J, चांतुं S, चिलंड D, जांलिंड H, जिलेंड J, केलांक् L, B omits iv qr. साल्या-जांक्स्य, साल्यां B, चांतुं B, चांतु B, चांतुं B, चांत

१८ साम्बा-सांम्बा A, साहामा B, साहमा C D, साहा H, साहंगा J, सीह L. सीह-आमिह L. किसी-जापी I, किसी से प्राप्त में से प्रमुद्ध की प्राप्त में सिंद के सीव C B J, सांच B, सीव C B J, हों से B, सीव C B J, हों से B, से से C B J, सोव B, से से C B J, सोव B, से से C B J, सोव C B, साहं-साहं B D, सांच B D,

१९ वक्ड्-दिलं B, दलि O D H, दलिंड J. चालिक-वालु A, वालुट H,...J, जात्वो K. शुरधाब-झुरतान B, सुरतीण C D J, सुरतीण H, श्रीरतीण K, श्रीरतीण L. वास-चाटि K. चाल्यो-चाना B H J, बागा O, वालद D, वाल्या L. मीसाल-वाली D H J, नीसांण K. चाल्यो-चाल्या O D L. काल्य-चटक A. चुवालो-चर्माणो B J, दर्मामा O K, वदामा D, वदामां H, दुमाला L. वेब्-वेद O. दीकाक्-करी B D J K, वाली O, धीसि H. सामरी-चांसरी A O H J K. ामे ममे घण घाडां घाडा, नाठा छोक दहोदिसि जाडा ।
शालह एक पाधरह फेरि, कटक पुहुतां बाहडमेरि ॥ २०
ज्याप्यां राठ घणाड अम्हे नहींच, मारू देस घणु ऊजिंड ।
जाई त्रामालंड आवित हेरि, पढ्यां हाथ तव बाहडमेरि ॥ २१
पातसाहि दीघां फुरमाण, लूसी नगर दींचं मेल्हाण ।
ब्राह्मण सहित पंचतालीस, पृथियी देव अवतरीया जैस ॥ २२
भणवा सणंड ने आणाइ पेर, अंग सहित छह च्यारह वेद ।
ब्राह्मण तणां भलां आचरण, जिहां बरतह आठह च्याकरण ॥ २१

२० गसे गसे—गसे २ B D L. चण—भड B O D H J L. चार्डा—पाडा C K L. चार्ड्ड—जाइ A, धाव C H J. नाडा—नाठा B, नाठा J, न्हाठा L. इसोहिलि—रहोगेबि C, इट र्सक D, रह रिले म, रह स्थित म, रह स्थित है, जाइ —जाव C J चार्ड्डिट—चार्डिट B, बाल्यों C H, चार्डिट, जाक E, चार्ड्ट L, र्युड—कटक H, इक E. याच्या नेति—याचरा फेर A B, पाधीर फेरि C, पाधरा फेरी H J, पाधारड फेर E. कटक—जेली H. सुद्धता—पुरता A, पुदुता B D, पुदर्ता G, पुदर्द D, पुरता H, पुद्रता J, पुद्रता E. चाइडकोरि—चाइरलेरि A, चाइडकोर B D K. साइडप्तेश H, वांचानिर J.

२१ Bromit vs 21. In K vs 22 precedes 21 जाण्यरं-जाण्य A, जांणु 0, जाण्य p, जाणिरं B, जाण्यं J, जांण्यरं K, साड-राय D BJ K. चण्यं कारहे-पण्यं कारहं A, कारहे चण्यं 0, कार्यं का D BJ K. चण्यं कारहे स्था कारहे चण्यं 1, पण्यं कारहें कार्यं कारहें K. साझ-साइ 0 H. चेंद्र-चेंद्र 0 D H. चेंद्र-चेंद्र 0 J. चण्यं चार कार्यं कारहें कार्यं कार्यं कारहें कार्यं कार्यं

२२ पातसाहि -पातसाह B D H K, पातशाहनूं J, पातिसाहि L. दीचर्ड-चीर्चू B, दीचुं O D H, ह्यूं J, दीचुं K, पीचड L. दुरसाण -पुरत्यां D K, रुप्ताण I J, कुरियाण L. ह्यूसी-व्यतिथि A, हरेवा D, ह्यूयां J, स्वर्ताण मा J, कुरियाण L. ह्यूसी-व्यतिथि A, हरेवा D, ह्यूयां J, स्वर्ताण D, महिलाण H, साहण D J, महिलाण B, मेलहण D J, मल्हाण D, महिलाण H, साहण -माइण A B K, जादाण D, महिलाण H, साहण -माइण A B K, जादाण D, महिलाण H, साहण -माइण D, पीवतार्थित प्रत्यां D H, ... प्रत्यां D L , प्रत्यां D H, ... प्रत्यां D L , प्रत्

२६ अक्का-मनर्द्या D, भणह K. कणड-तणा B, तणु ODH J, बात K, तणो L. व-तह K. बाण्य-वानि D, आर्थि O LJ, आरह D, आरवर K. वेर-केट J, देप L. अंत-कार O, अंगी D. सर्विट-स्तित D, सर्वत L. अर्था-कार केड विकेट प्रेस D, प्रतिकृति D, सर्वत प्रस्ति D, सर्वत L. अर्था-कार B LJ, अर्थ-वेदे L. अञ्चल-व्यक्ति D, अर्थ तो D, प्रतिकृत प्रति D L, अर्थि D, स्वाच्या D K, निप्त H, प्राप्तण D, स्वच्या कार्य-वादि D मार्थ पर्वाच्या प्रस्ति D, अर्थ पे D, वार्ष्य D L, वार्ष्य प्रस्ति प्रस्ति D, वर्ष्य कार्य-वादि स्ति स्ति स्ति प्रस्ति चीटि प्रति L, स्वाच्या—व्यक्ति D BL, प्रंप पूर्व D Bis: बार्ष्य अभिने कि स्ति स्ति प्रंप पूर्व D L is: देश क्षाव्यक्ति प्रस्ति प्रस्ति प्रस्ति प्रस्ति प्रस्ति चीटि प्रति प्रस्ति क्षाविष्ठ प्रस्ति प्रस्ति

भिन्नमालन्ं किस्यूं ववाण, विद्या चन्नद अहार पुराण । आनुर्वेद भरह संगीत, न्योतिष पिंगल विषय विनीत ॥ २४ बाजी नाटक विद्या घणी, ब्रह्मपुरी चहुआणा तणी । श्रीमालीनां गिरुआं गोत्र, घरि घरि अवस्य अग्निहोत्र ॥ २५ स्मृतिविचारना जाणइ मर्म, नितु नितु आचरीइ बर्ड्कमं । इंद्रादिक देवनउ विभाग, भिन्नमालि नितु कीजइ ज्याग ॥ २६ भेट्यां पातिक जाइ नासि, घोती ऊगाइ आगासि । साजां त्रंबाल् छह हाथि, सन्य भणंता जाइ साथि ॥ २७

**२५ बाजी**-विजया  $\Lambda$ , बीजी B L, बीजा C, पानी II, बाजी J जाटक-गाटिक C D H J विचा-हंदा B, बीचा D, बच्च II, महत्यपुरी A, महत्यपुरी

२६ स्कृति-समृत D, रमुल H, रमुत K, समृति L विचारना-विचारन् A, विचारन् B D H J, विचारन् प्रत K, विचारन् B D स्त्र त्रिष्ठ कि प्रति है स्त्र है स्त्र सिद्ध नित्त १ A B D J, नित्र २ C, नित्त नित्त म, नित्त २ K L, बालस्टी, आवस्ति प्रति अवस्ति है ), आवस्ति प्रति के अवस्ति है अवस्त

२७ मेळवां-मेटीयां A, मोटा B, मेटि O, मेटे D, मेटियां H, मेळ्या J L. पातिक-पातक A, पातिम D जावू-नाइं K. नासि-नाश B J, नाशि L. घोती कमाइ-पीती कमाइ A, कमाइ धोतीम B, घोती जमावे ते O, घोतिकं कमाइ D, उसाइ घोती H L, घोषती कमाइं K. मामासि-आकाश B, आकाशि D, कालाशि D, काणाशि H, आकाश J, आमाप L साजां-साशा A, साहि B, माज्या O, स्माज्या D, साज्या H, सांज्या J, साज्या J, साज्या J, साज्या J, साज्या B, सांज्या J, साज्या L, श्रंबाल्य-नाशक्या B, त्रांज्या J, साज्या C, सांक्य-काल्य-नाशक्या B, त्रांज्या J, साज्या B, सांज्या B, सांज्या B, सांज्या D, सांज्या D, सांज्या D, सांज्या D, सांज्या B, सांज्या B, सांज्या E, सांज्या K, सांज्या E, सांज्या B, सांज्या E, सांज

सहस अञ्चासी आगइ सह्या, जाणे वठी तेहिज अवतह्या।
ि उपमी तणाउँ इसुं बरदान, पह घरि चूटह नही निधान ॥ २८
भिक्तमाठि श्रीमाठी वसह, पद्मनाभ पुहृविह वर्णवह।
भाषरियह ते करिजं वषाण, हियह वात धरह सुरताण ॥ २९
गोरी मिठक दीजं फुरमाण, रूडड भायछ आगेवाण।
साम्ही रातिइ आगिळ थयज, भिक्तमाठि आज्यड बूंबीड ॥ ३०
फेरिज वीर पाडीज त्रास, विप्र विछेदि करज्यो नास।
कीजइ होम दोहीइ गाइ, तठ नासीजइ ब्याहणा माहि ॥ ३१

२८ सहस-सहस्र प्र. सहित्र स. आगाइ-जानि BCJ, जागे D, जागई L. सस्या-सरिया BJ, सरीवा B, सस्या L. साच्ये-जानि AOBJK, नि गुण D. सस्त्री-चानि D. तेहिल्ली ने हिन्दू कर तेहरू विध्य L स्वात्र स्वात्य स्वात्र स्वात्य स्वात्र स्वात्र स्वात्र स्वात्र स्वात्र स्वात्र स्वात्र स्वात्य स्वात्र स्वात्र स्वात्र स्वात्र स्वात्र स्वात्र स्वात्र स्वात्य स्वात्र स्वात्र स्वात्र स्वात्र स्वात्र स्वात्र स्वात्य स्वात्य

२९ मिस्रसाहि - भिनमािल A, सुखवाित B, भीनमाल C B J, भीषमाल D, भिषमाल L. श्रीसाहित-मिस्रसािल B, श्रीमार्ली K,...L. बस्ता - बस्स् A L, विक B J, बिरालि C. प्रधानाम-पदमनाभ C J, परसमािम E. प्रद्वािक-पुर्वित A C, पीवित B B J, पद्वित K, पुरवे L वर्णवाह-वर्णवाई A, वर्गविह B, इस अलि G, वर्गवित B J, भोषिरिय J, माप्तिह B, भाषिरी B, भाषिरीई D, भाषिरी B, भोषिरीय J, भाषिरें B, ते-तिहां B, तं J करिडे-कर्र B D, कर्स्यु J, कस्वर्ड K, कर्र L वर्षाण-वषािल G, वर्षाण D J K, ब्रालि L. विक्ट-तिह A, हुई B, हुई C, हुंबिड D, हुइस B, हुई कि J, हीवइ L. बाल-वात ए B. धरह-परि B, परि G D B J L. श्रुरताण - सुरताण A D K, सुरिताण B, सुरतािल G, सरतािल B, सुरतािल C,

३० गोरी-गौरी B, गोहरी J. सिलक-मिलकनर A, मिलक L. दीर्ड-पीउ H, पीर्ड J, दिवड K, पीयो L. फुरसाण-पुरसाण A D K, फुरिसाण B L, फरसाण H J, रूबड em—इदर A, रक B, खुद O D J, रूक H, रूब K, स्तराण स J, रूबड em—इदर A, रक B, खुद O D J, रूक H, रूब K, अगोर्वाल D, आगोर्वाल D, आगोर्वाल D, आगोर्वाल H, अगोर्वाल J, अगोर्वाल प, अगोर्वाल D K, आगोर्वाल H, अगोर्वाल J, अगोर्वाल प, अगोर्वाल D K, आगोर्वाल H, अगोर्वाल D, अगोर्वाल D K, अगोर्वाल H, अगोर्वाल D, सामिश्री-साहामी B, साहागी O K, साहादी D, हांचमी H, साहागी J. रासिश्च-साहि A D H J, रासि B, राउत D, रातर K, बालाल-बालि H, साहायी D, सामिश्र D, सामिश्र D H, अगोर्वाल B D H J, भीरमालि D, सिक्सालर K, भीरमाल L बाल्यव-आगोर B D H, आह्यु O J, आलाव्यो C. गूर्वील L, वूर्वील L, वूर्विल L, व

३१ केरिड-फेसल A, फिरिले B, फेरिले O, फेस्सा D, फिरी E. बीए-जीर A B C D L, बीट E. पाडीब-पाडियल E, पाडियो L. विश्व-विश्व D विकेश -विकेश A, विन्केश C, वेशि D, वोडोर H, विकेश E. स्वरूपो-करेपो A, करवो B C B J, करवो D K, कराज्यल E. जास-जास B E, जायास D, जाशि L. कीराज्यल -कि की B, वीव C H J, वीवर D. होम-हाम D. दोहोह-वोडीलि J, वोहियर E, जायीय L. वायु-की D, जाया H J, गाय L. वर-तु B C D H J. वायीवयु-नावीर च A, जायीर B D, नावीरि H J, मार्ची-व्यद E. व्याद्व का A, विवास मार्ची-वावीरि C J.

आच्या तुरक पाड्रुऊं कीरेडं, सूर्तुं नगरि सह को धरिडं । गोरी मलिक घणेरी हाम, तापति करी लगाडिडं गाम ॥	इ२
बल्यां कटक नइ उत्थव भाग, गढ जालहुरि हुवं तु जाण।	33
कान्हडदे राउल इम भणइ, हवइ ऊगरइ किसिउं आपणइ॥ पातिसाहनी जोउ वात, देहरासरि कीधउ उपघात।	२२
बाक्षण जई मूकावरं आज, जीवी किस्यूं करेवरं काज ॥	₹8
हिव आपणनइ आवइ षोडि, बेगि मसाहणी घोडां छोडि । सारुहुड सोभड अति बळवंत, लषणड सेभटड अति जड्डवंत ॥	इ५

है २ ब्राच्या-आस्था ६, आव्याट । तुरुक-अस्ट स. पाइके-पहल В त., पाइके 0 D स. आपाई ह. कस्टै-फीट A, करिउ B स., करि D त., इन्हें स् सूर्व-सूर्व D त. स्वित स. सूर्य, सूराड र. साराड-समारी-समार B 0 D J र. सह-सह ह को-चे ट. घरिडे-घरि D, घरिट स. करि 7, चर्छ है, पक्केट से तोरी-मीरी B, गोहरी J सल्कि-मिलक चणेरी-पणेरि D द्वास-हांस 0 D स उ. ताचरित-ताचलि स., सापिट ह, तासिट है लिया डे टे A, लगाडि स. लगावित ट. कमावित ट.

है बक्बी-बलिट क बन्तीट L. बहु-नि BO H J. वर्ष D. क्रमब्र-क्लीट B D H, उस्पु O J, उस्पद्य к. आगा-आंग A O J K. बढ़-गड़ि A. आकड़्ति-जालीर A, जाङ्क्तिर (D, जालीर K, जारील L. क्रम्बर-वि B, ट्रांग, इट स L. कु-त A, ते D, तो B,.. J K, इई L. आगा-वांग O D H J K, जाली L. क्रमब्र-वे-बांग्डर A, काहर्वेट B, काहर्वेट O J, काह्नव्ये H. क्रमब्र-वे-पा. सण्वद्-भणिद B, भणि O J, भण्यं L. क्ष्या-व्य A, क्रिस B, इवि O H J, दिव K L. क्रमब्र-त्य A, क्रारिट B O H, कर्तार J, क्रमब्रे B, क्रमब्र D, अग्रित B O H, किर्त J, क्रिस K, क्रमब्र L. J transp Sa क्रियं, क्रमरि J, स्वर्ण O, कर्ति D, आग्रित B L, आग्रित C H, क्रिस J, क्रिस L, क्रमब्र L. J transp Sa क्रियं, क्रमरि M, क्रम्ति D, आग्रित B L, आग्रित O H J

से ध्र पासिसाहसी-पासाहसी A O D, पासाहसी B J, पासिसाहिसी L जोब-जदए D, जोवर I, जोक J, जोवर L, जोवर J, जोकर L, वेरासर R, वेरासर B J L, बुझ बेहरामर O, वेरासर E, वेरासर K, वेरासर E, प्रसिक्ट-लिखु B O J, कीची D. उपधाल-जात O, अपपात E माझल-आहाल A D E, नोझल O J, जई-जई-जु ज B, ते O J, नई D E, नाही H, स्कावर्ड-मिक्ट B, कुंसरों O, स्कावर D, म्हावु H, मूंकार्जू J, मूंकार्जू K, सांति—जीसीह A, हिंव D, जीवीं D B, किस्टि-लिख, A, किस्ट O, किसीं D H, ध्री, मिक्ट K, किसींच L, क्यान्य—जीहें E, किसींच D, क्यों ची H, कीकी J, करीसर E, किरोच L, क्यान्य—जीहें E, किसींच D, क्यों सी H, कीकी J, करीसर E, किरोच L क्यान्य—जात A, कस K.

देप, बिद-हिन BODHJ, इन्ह K. आपण-आपण A. जह-नि BHJ, पुँ O. जावह-आसि BOHJ, बेलि-चोंसी J, वेस L. सस्तावणी-स्तापणी A. HJL, सस्ताणी D. K. चोडों-साहल BH, बोडा OJK, साहिण L. क्षोचि-छोट K, जोहि L. सालवुड-साहलु BO, साहलो D, भावल BH, साह J, साहण L. सोभट-सोमिल A, सोभद्र B, मोलु O, सोभ D, सोसु D, सोसां D, अलि-जानि B, घतु OJ, पुर्व D, तिहां K, तूं L. क्यांच-चलांति L. क्ष्मांच-कलांति L. क्ष्मांच-कलांति L. क्षांच-कलांति L. क्षांच-कलांति L. क्षांच-कलांति B, घतु OJ, पुर्व D, तिहां K, तूं L. क्यांच-चलांति L. क्षांच-कलांति L. क्षांच-कलांति L. क्षांच-कलांति L. क्षांच-कलांति L. क्षांच-कलांति L. क्षांचित्र कलांति प्रस्ति कलांति कलांति स्तांचित्र कलांति प्रस्ति कलांति कलांति कलांति स्तांचित्र कलांति स्ता

महिप जइत देवडउ वषाणि, ए राउत सपराणा जाणि ।	
पह तणाउं वल जाणाइ राय, ततपिण बीडां करइ पसाय ॥	३६
राउल भणइ महिए मन जेडि, राजवंस छन्नीसइ तेडि ।	
चाहुआण राय आयस दीइ, सवे वाघेला बोलावीइ॥	३७
सोलंकी राठउड प्रमार, जाणे झलहलमल झूझार।	
बलवंता बारड नइ हूण, तेह तणइ मुपि मांडइ कूण ॥	३८
चाउडा हरीयड डोडीया, वेगि करी रायंगणि गया।	
जयवंता यादव वीहल, नर निकुंभ गिरूया गोहिल ॥	३९
तं श्रीगिरणइ वांची वही, सवे बारगिरी तेजी लहइ।	
चाचउ सुद्दड सह रहीउत, चउरासीया तेड्या सेलहुत ॥	80

देस महिष्य-महिष्य L जहत-जित B O D, जसत H J, जसति L. देवहड-देवहु B O D J, देवहुं H, देवली L. J transp as देवहु जयत. L transp as देवलो जयति वाषाणि-वाषाणि D H. सपराणा-सपराणा A O D B, सपराणु B, सपरांजा B, सपराजाणा L, जाणि-वाषा H, जाणि J E. एह-दहा K कप्याज-तर्णु B, तर्णु O, तणा D J, तज्ञ K L. जाणह-जाणि B O, जाणह D H K, जाणि J. राय-राइ E B. तसिण्या-नतक्षण A O, तत्रपणि B, ततिर्थण J, ततिक्षण K बीडां-चीहि B O, तीटा D H K L कस्यु-कर्स्ड A, क्सिड B, किटी O, किटी D, क

३७ In H vs 88 precedes vs 37 सडळ-नाउन D J, राज्छे L भणह-नाव B C H J मल-मस C, न D, म J, मनि L राज्येस-राज्येत B J K, राज्युनी C छन्नीसह-छन्नीसि B C H J, छन्नीसी D C H J, छन्नीसी D C H J, छन्नीसी D C H J, एने प्राप्ति D C सहमाण-आने बहुराण B, चहुआण C J K, चहुआण C J K, चहुआण L स्वय-एउ A L, रा H मायस-छन्न स K. दीह-धियं K L. सबै-मिंव A L बोलासीह-बोलाबीर D, बोलासियं K, बोलासी लाबीसह L.

देद साठवड-राठोड A, राष्ट्रड B D, राठड H समार-परामार B O D B J, पमार K L, आणे-आणे A C, जाले B, जीणे H, जाणि J, साठवुट-प्राण्डलना O D J, साठमहरू H, करवु L. माह्य-माठ B H K,... O D J साम्रान-प्राप्ति L बाराइ-पाटट I, बाद K, बोरड L, बच्च-नि H D, इस J, नई L हुण-चि हुवण B, दूषण D H, कूण J, हुणि L तेव-तोह D तणाइ-तोण B O H J, तोव K सुषि-मुक्ति B, मुंचि O सावह-माठि B C H, मंबड D, पिसि J, कूण J, D, कुण B O H, कुण J,

खंडउ नइ रीछाउत पतु, अरसी मेर विजयसी सतु ।
त्रिणिसङ् साठि गंगाजल तुरी, ए राउत चडीया पाषरी ॥ ४१
धांधुलोज सोमन सुविचार, जेसल लघमण झूझणहार ।
इम्यारङ सङ् किहाडा तुरी, ए राउत आप्या पाषरी ॥ ४२
मूलराज नह माङ लाणि, अरत्यन वीहल वली वचाणि ।
वापल महीडउ मांटी भला, एक सहस पीया चांपला ॥ ४३
धुंचलीउ नरस् वेयसी, करमणीउ माल्हण लुणसी ।
पन्नस्सङ् पाषरीया चंग, एह दीधा काळ्या तुरंग ॥ ४४
सोमाउत पांचउ अडवाल, लुणकरण जगसी जगमाल ।
एह राउत आपीया सुरंग, एक सहस नीलडा तुरंग ॥ ४५

धरे खंद्रक -बंदर A, लाह B, लेधु C, लुबन D H, कीवन J, लड़ K, ख्टू L. नह-नि B H J, नह D. रिशायत-रिशायत B L, रिशेय H, रिशायत K, रीसाय J, यनु-पुत्र A, प्यु C, प्यु D, पुत्र K, प्यस्ती-हरती B, कसी अनती C, अनेसी D. मेर विजयासी -मेर वजेसी A, मेर विजयती B J, मेर विजयती C, मेर वर्षेता II, मेर विजयती K, मेरि विशिव L सातु- C, पुत्र D. श्रिण्यास-नीर्तार B, त्रिण्या C, विणयत्त - प्राव्या D, त्रवृत्र प्रस्तु च C, वर्षेत्र प्रस्तु च प्रविचा - निहंपर के D, व्यक्ति H, त्रिण्या B, वर्षेत्र B, वर्षेत्र H, वर्षेत्र आच्या K, वर्षेत्र II, वर्षेत्र H, वर्षेत्र आच्या K, वर्षेत्र II, वर्षेत्र H, वर्षेत्र आच्या K, वर्षेत्र II, वर्षेत्र मान्यिन-वर्षि C, वर्षेत्र मेरिन-वर्षेत्र प्रस्तु D, वर्षेत्र H, वर्षेत्र आच्या K, वर्षेत्र II, वर्षेत्र मान्यिन-वर्षि C, वर्षेत्र मान्यिन-वर्षेत्र प्रस्तु मान्यिन-वर्षेत्र मान्यिन-वर्ष्ट मान्यिन-वर्षेत्र मान्यिन-वर्ष्ट मान्यिन-वर्षेत्र मान्यिन-वर्ष मान्यिन-वर्ष मान्यिन-वर्ष मान्यिन-वर्ष मान्यिन-वर्ष मान्यिन-वर्ष मान्यिन-वर्ष मान्यिन-वर्ष मान्य मान्यिन-वर्ष मान्यिन-वर्ष मान्यिन-वर्ष मान्यिन-वर्ष मान्यिन-वर्य मान्यिन-वर्ष मान्यिन-वर्ष मान्यिन-वर्ष मान्यिन-वर्ष मान्यिन-वर्ष मान्यिन-वर्ष मान्यिन-वर्ष मान्य-वर्ष मान्य-वर्य मान्य-वर्ष मान्य-वर्ष मान्य-वर्ष मान्य-वर्ष मान्य-वर्ष मान्य-वर्य मान्य-वर्ष मान्य-वर्ष मान्य-वर्ष मान्य-वर्य मान्य-वर्य मान्य-वर्य मान्य-वर्

४२ J L omit vs 42 घांचुकोन्न-पापल्त B, घाघन 0, घांचलन D H, घांचलोन K. सोसड-सेनु B, तोसु C D II सुविवार-सिनार B H जेसल-जेयु B C, रूपसण-ल्यावा K. सूद्रमाहार-शति ह्राहार o D इंग्याद्व सह-स्थारिस B, क्यार सहस 0, अध्यारमई D, अस्यारिवर्ट्स H. ए. राडव-एहे राउत C D, माण सहित II, आप्या-चर्यवा B, चळा ८, चळा D, यह H, चली आव्या K. पायरी-मकी K.

धरे स्वराज-मुहराजा II, मोलिराज र्र नह-नि B II J, नई D. सारह-साह L. जाणि-जाणि D J K. भरजन-जीतु B, अर्जन C D J, अर्जने D. वीहळ-चाळ Q, टीह K. वपाणि-वपाणि Q D H J K. बापळ-बावळ B, वारट ∪ D J, वापल H, वापिक K. महीडज-हींद् D, वाधु G, वाधु D J, महीडा H, महित्यक्ट K, महीजो I. मोटी-माटी C D L अळा-माळा A, अल्ड B, अल्ड ट एक सहस्य-एक सहिस B K, त्रिणि सहस्य O, एक महत्य D, पनरद सड L. दीभा-टीषु B जोपळा-वापळा A, वापळ B, जापळ B , वापळा D D.

४४ पूंचलीत - पूज्लीत ० रा, पुज्लीत ० , पोपरीत म, पूज्र स, पूज्लीयो म. नरसू-नरसु В ० म र, नरसुत p, लीचत к, नरसित म. बेचसी-वेहसा A, विजवी B, वेमसी ० रा, वे हस्या D म, वेजसी म, त्रसित हैं पेतती हैं, नेरसी L करमणीत-करमणीत A, पंचीणी B, क्रस्मण o, कर्मणी म, करमणीत इ, क्रमणीयो L, मास्त्रण-जारकुण A L, काल नर 0, आहल्ण H. खुणसी-खण्डी A, ख्रंलमा D H J, लुंगसी K. प्रकारसू-पंनरहार A, प्रवर्रित B, पनरसि C, पनरस्त ट, एक सहस म, पनति J, पनरवार स, नरहसा L पायरीया-पायरीआ H, पायरीया K L गाइ-वेहा A B K, एक्ट्रें 0, एहा H दीषा-रीया A काखुआ-काखुया A B, काळुआ D, काळ्या K सुरा-देश A, तोरंग B, तोरिय J.

स्थ- In B vs 46 precedes vs 45 H omits vs 45. सोमाजब-सोमाईत B, नेष सोमाजत J. पोचड-मोगइ A K, पानसु B, पानु O D J अवडाह-अटपाल B, उवाल J, अवाल J, अवलहण-इंग्लकों C D, व्यंत्वरुष, हुंपनरूप K, त्युपकों L जासाल-अटपाल B, रिपमाल L. पट्टाही, विले B, ए D, देवा K. राउटा- B, आपीया-आपा B L, कृटरा O, आयु D, आपीका J, आपिस K. सुरंग-ते सारंग B, सुवंग C D, सोरिग J, शुकंग L, एक सहस-त्रिकी सहस O, एक सहिस B K.

मेषन छोलु नइ देवाइत, मूलराज महीबडत जाइत ।

बाकि मांहि जो तेजी भला, एक सहस दीघा हांसला ॥ ४६
आन्हणती बीरु सोमसी, सामंत नइ सहडु मीमसी ।
सास्ट्र महिपत नइ महिपाल, बीरम वली स्लेळनत काल ।
दीघां पाषर पृठि पत्हाण, पत्रस्तक बोरीया केकाण ॥ ४७
देवसीह भोजन भट बेन, अणतन घटसी तेजन जेन ।
एक सहस पत्हाणा कीघ, एह हरीयडा तेजी दीघ ॥ ४८
गुहिलुत्र कान्ह नइ भाण, भुंजा धारा करूं वचाण ।
देववंस जे तेजी हुआ, पस्रस्तइ दीघा जांबुआ ॥ ४९

ध्दे 0 omits vs 46. मेथड-नेप A B H, नेपु D J, सातल L. कोलु-सोम A B H, लग K, सोमाइतइ L. मह-नि B H,...D J L. देवाहण-देवाईत B D J, देवाहण K. सुकराज-मुल्लाजनी B H J, मृद्ध तालु D, सुकराय K. महीयबड-मोडि D J, महीआ D, महीड H, महियल ने K. जाइट-जाव्हर्स A, जीत B, जत D, राउत J, जबत K, जवर्स T. बालि-वाल K L मोहि-माहि D H K L अखा-सात A. एक सहस्र-एक सहिस B K, एक सहसा L. दीधा-दीधा D होसला-हांसला A, वापला D, वांपला J,

849. o omits vs 47 a. The order in D is 470, 48a, 47a, 47b, बाल्ड्यम्सी-भारताक म, सामक्रवा L, बीर्ड-बास B J, बीरड к, बीरी नड L सामंज-सामंत A, सामंज B, सातक म, सामत्यी स, सामक्र L, सामंज D J L, सब्दु H, साब्धु—साल B, सामक्र L, साम्ब्र-पाल B, सामक्र L, महिष्ठ - D J L, सब्दु H, साब्धु—साल B, सामक्र L, महिष्ठ - D B J, महिष्ठ - B B L, महिष्ठ - D B J, बीरस—शिषा B B L, महिष्ठ - D B J, बीरस—शिषा B L, प्रकार - B B L, महिष्ठ - D B J, बीरस—शिषा B K, Q, बीरी D L, पाष्ट-पाष्टी B H, महिष्ठ - D B J, बीरस—शिष्ठ B H, महिष्ठ - D B J, बीरस—पाष्टी - चीपा B K, Q, बीरी D L, पाष्ट-पाष्टी - चीपा B K, Q, बीरी D L, पाष्ट-पाष्टी - चीपा B K, Q, बीरी D L, पाष्ट-पाष्टि - चीरिं B U, पाष्ट - पाष्टि - चीर D B J, स्वर्ण - B J K, स्वर्ण - B J K K, स्वर्ण - B L K K, स्वर्ण - B J K K, स्वर्ण - B L K K,

ध्दे वेबसीह-देवसीड B. भोजड-भोजु B C D H J, भोजो L बेड-बेय C D H, भुळु J. बणलड-बणतु B H, अनंत C, बणंतु D, आजो L. धब्दी-नव्तरी B तेजड-धार B, तेजु C D H, तेजो L. जेबर-अंबर A H, तेय C D, तेज K Li Qt II 13 घटवरींब ति एक्छ. एक सहस-एक सहिस B K, त्रिकी सहस्त C. पक्डाणा-सप्त्राणा A K, पन्हांच्या C, पहलाणा H, पहण्या J, उपत्राणा L. कीच-धीच B, कियद L. पुर-इंडा, 4, एक B, एदे C, दंद L इरीवडा-हरीयादा A, इरीवडा H, इरियडा K, हरियाडा L.

पातल पूनराज रिणमल्ल, सामतसाह नइ साहणमल्ल । एक सहस कुलथवना तुरी, एह राउत आप्या पापरी ॥	५०
बाहड बूजड नइ हम्मीर, सींघल भट्ट मीमउ बीर । जीण घरी साहणता गया, एक सहस सेराहा दीया ॥	५१
भांझण नइ पातु पडिहार, घीरउ वीकउ सांतल सार । पाणीपंथा पूठि पल्हाण, एक सहस दीघा केकाण ॥	५२
पूनउ भारमह भुज प्राणि, मूंजु राजु वली वषाणि । बाहर समइ कोपि धडहब्या, ए काछेले तेजी चब्या ॥	५३

भक् पातक — पातक A, पोतंत अ, पातंत क स्व—पूंचन A, पुत्र अ, पुत्र स, प्रक—रात A, पात्र क अ। प्रति के स्वित्य — राज कि कि स्वय कि स्वय के स्वय कि स्वय

पर्र 0 omits vs 51 a. बाहड - बाहड A B K, वाहड D, चाहल R ब्लाड - बाहु A, बजूड D, बुजु J, बज्रु R L, बाहड K जाह-नि B J हस्सीर - हसीर A HJ, हंसीर D, तीह हसीर L सीवक-सिद्ध B, विचल D, सीचल H, हांचल J, सीचल K अस्-मलाजु B, आहु D, आगुष्ठ H, आहु J, अल्ड नह k, आसी L. सीमड-सीमु B D J, आगो L B omits vs 51 b. जीण-जाक G J L, जके D, वाच H. साहण-साण D, साहड J, साला L ला - हिंसा C, हिंसा D, ज्ञां J, हत K, दित L एक सहस-त्रिल सहस G, एक साहिस K, सेराहा - सेराही G J, सीरोहा K, सेराहर L दीवा - खीजा H, दिया K.

५२ ा omits vs 52 a. नह पातु-नह पात A, नि पातु B H J, पातु नि D, नह पातो स, नहं पातो L. पिहतूर-पर्योहार B, परीकार H J, पिहपार L. पीरव-पीर A, पीरव B L, पीर्च D, पीरक उ J, झाइस K. पीकड-बीकम A, बीकु B, बीर D, बीरव H, बीकड J. स्वीतक सार-सातक सार A, सातक सार B, सातक सार L, पाणी-पाणी A B H J, पाणी D K. पृठि-पुंठि D, पृठि D. पण्डाण-प्रकाण A K, पत्रहोण O D J, पहालोण H, पत्याणा L. पृक सहस-एक सहित B K, पंतरसि D. शिचा-पीर्च B, केक्शा-केवंश B O D H K.

पहें 0 omits vs 53s. प्लच-प्लड A B, पुंतु D, पुंतड H, पुंतु उ, पुंतु ठ ह, पूर्वो L. वास्माइ-आसम्ब A म J L. मालि-अंशि स, प्राण L. वृंद्ध-मुळ B J, सुल्य B, पुंत्र B, मुंत्रा स, मृंत्रा स, मृंत्रा स, स्वय-राम D, पाल H, पासस्य I, पासिस्य J, राह स, पाल L. व्यक्ति-विश्व A, सम्बल्ध D, सम्ब ह, मुली कह L. व्यालि-व्यालि D म J E, वृंद्धां प. वाहर-वाहड D, वाहार H, वेचे L. समझ-चिन B म J, पूर O, समई D, राहर प. कोपि-कोप स, कोपिस L. अव्यक्ता-पड्डिया A, अव्यक्तियों B, व्यक्टवर D, प्ले टी B, पुके O, राहर प. कोपि-कोप स, कोपिस L. अव्यक्ता-पड्डिया A, अव्यक्तियों B, व्यक्तिया D, प्रवास्त्र B, प्रकास्त्र L. तेवी-मुर्पार्स D, प्रका-पश्चित्र B, व्यक्ता L. उपरणसी साल्हड भारसी, भारड मूंजिंग नह पदमसी।

एकाएकि नाम ज्जूआ, इहां आप्या तेजी सिंधुआ।

५४

मेरड तेजड नह सामंत, बारहीड गोल्हण बलवंत।

एह आगिला बुद्धिबल प्राणि, सवि चडीया करडह केकाणि॥ ५५

स्रुख बीजल लींबड मण्ं, कडूया पीमा मांटीपण्ं।

पृहिङ् पंचवर्ण पल्हाण, एह आप्या अवरस केकाण॥ ५६

बीरड भडसी नइ मोषसी, कुंअरपाल लोलड पेतसी।

पवनवेगि जे चालह चंग, ईहां दीधा तोरकी तुरंग॥ ५७

पश्च C omits vs 54 a. लाष्णमी-लाष्ण . साक्द्र - साव्ह b b, साव्ह g u, साह्य वा , सु कि , सु क

५५ 0 omits vs 55 a सेरह तेजड-मेह तेजु BDHJ, अमरी तेजो L जह-नि BHJ, मई D. सार्यन-सार्यत AK. बारहीड-सरहठ A, बारही K, बारहीशी L. मोहक्य-गहुल मु, मोहल म, बोह्य J, मोलण L. सकर्वत-ओत वर्ज्यत A, अयंवत DJK एह-ए BL, GDJ. सारिशः—आगह A, आगांकि O, आगांको D, आगंको J, अगंड L बुद्धिक्य-स्थलंता A, पुरि वर्धन O, वर्षी बुधिक्य D, वर्ष्याम् म, बुद्धिक्यह J, बुचि K, ब्यब्युलि L मार्कि-मार्कि CD, प्रमाणि H, प्रमाणि JK. सर्वि-संवे CJ,...D. क्यांचा-वर्षा O, वर्षिआ सरका D, कर्षीका HJK, संविक्षा D, कर्षाक्ष D, कर्षाक्ष BJ, क्यांचा-वर्षा O, वर्षिका सरका D, केक्शण OHK, केक्शण L.

५६ B C K Omit vs 56 सूरउ-एड D J, सीरो L बीजल-बीजट A D. डॉबर्ड-सींबु D, डांबु H, कहुउ J, डीबो L. अर्थ्य-अराव A, अर्थु D, अर्थु H, कहुउ म, कहुउ D, स्व म, कहुउ D, स्व म, कहुउ D, प्री म, कहुउ D, प्री म, कहुउ D, प्री म, प्री मीडी D L, प्र्यू माज A, प्रश्च D प्रह-पृद्धि D, पृष्ठ H, पृष्ठ J, प्रवास-पंचर्ण A प्रहाण-पंचर्ण A L, प्रहाण D J, केलो पहलांग H एड-इंस A D, ए H, आप्या-आरस्य H, अवस्य-अवस D, आवरस H, हबस I, अवस्य J, केला-केलोग D H J

प्पा o omits vs 57 s. बीरड-बीर B II, पीर्च D, पीर J, बीरो L. सबसी-नड़वी J. नह-नि B J. सोबसी-पीमारी J, मावर्षी K. कुंबरपाक-कुरपाल A, कुंदपाल B, कुंदपाल D K, कुंबरपाल B, कुंसपाल पु. कुंसपाल E, कोंक्ट-लेक्टि A B D H, अब्ह J, बेदे D. केशसी-वीपसी B, व्यस्ती J, लेहरी D. पब्बर्विम-वक्तवें D, पान्ति तह के लेन्द्री C,... E L. बाब्द्-बाडि B D H J, बाब्द् ते K. L. हैवी-हृद B, एवं C, एट D H J A, होत E. हीचा-जाप्ता A. बोरकी-तोरका A, तुरकी B J L, करहुआ C. बुरंग-तोरंग B H, तोर्देग J, तुरंग L.

जइतकरण पूनउ जगमाल, दृदउ घडसी दुरजनसाल । षुरासाणि पिति चूंदइ प्राणि, तिस्या तुरंगम आप्या आणि ॥	५८
कुंभउ करणउ सापु नइ फणउ, फणगर अदउ कर्णदे भणउ । मालु वींछीं अरजन जाणि, वीसु देमु वलीय वषाणि ॥	५९
चाचु मांडण राघव हभु, राणु शाणउ कडू्रु नभउ ।	
हापु हरदास नइ सगर, सूरु मूलराज नइ फणगर ॥	Ęo
हरराज देभउ नइ विजपाल, रामु रीछउ नइ नरपाल ।	
सादउ दूदउ नइ सिवदास, मलकू सादूल नइ हरदास ॥	६१

पद O omits vss 58-65 वाहतकरण-जितकरण B, जईतकरण D, जडतकरण H, जयतकरण JL प्रव-प्ंतर A, पुत B H J, पुत D, प्तो K L. असमाल-जगमाल A. दूवर-वि. B, इद्दा D H J, इदो K L. असमाल-जगमाल A. दूवर-वि. B, इदो D H J, इदो K L. असमाल-जगमाल B, इंग्लेसाल D, इंग्लेसाल D, इंग्लेसाल D, इंग्लेसाल B, इंग्लेसाल D, इंग्लेसाल B, इंग

५९. कुंभव करण उ-कुंभु करण B, कुंभकण D, कुशु करण H, कुंभकरण J K, कुंगवे करण उ L. सायु नारू-सायउ A, नि सायु B, सायु H, सायु नि J, सीयउ नह K, सायद L. कपाउ-क्ष्म A B H J, क्ष्में D, फ्लड K. फणगर-फर्प H कादव-काद् B, अहु D J, अहु H, उदह K, अरो L कणोई-करणहें A B K, करते EL भणाउ-भणाउ A K, भटु B, अलु D J, भणु H. माखु-बालु B, सालउ K, सालो L. बींकी-बीछी B H L, बींछी D K, विद्यों J. करवान-अर्जुन B J, अरोन D, उर्जेन K, बाली-जाणि D H J K. सीयु-बासु H J, बास K, बीसल L. देशु-देषु D J, देव K, देते L क्लीय-बली B D H J K L. वषाणि-वाणा D H J K.

६० चाजु-वाळ्ड J, चाचड K, चाचो L. सोहण-माहण L हसु-जाणि A, हतु H, भळु J, हरत्तस K, हैंब L. राणु-राजु A H, राणड J, राणो L. साणड-जोलड A, राजु B, राण्णु D, आलु H, शाणड J, जालप K, राजन L कहूड-कान्ट्र कहूड A, कहुउं D, रामजी L. नमंड-नमंड प्राणि A, मुद्ध B H, मुद्दे D, तल्ड J, विण्यास K, देव L हाणु-देषु H, हाढ़ K, हाणो L ह्वरास- L मह सम्बर-नवच्छा विच्च A, नि सगर B, अनह सगर D, अनि सागर H, नि सारिंग J, नई ईगरसी जाणि L. iv qr in A is बीरस अबड वीकु साग चापु गड्ड in L 18 रियमाझ नह रिवेगल बणाणि. After iv qr A interpolates सीह सिंच नह वणवीर (cf vs 62 iii qr) सुक-मुले K स्कराज-मुळ B, सुर K, नइ L. मह-ति B J,...H, अनह बळि K. फणगर-फरारंग J, अगर K.

६१ इस्साज-हींद् राज B, हराज D H J, हीरीराज K, जसक L देशव e $\mathbf{m}$ —सीभज A, तेमु B D H J, देसव K, देसकत्र L, सह—.. B H K L, जि J. सिक्या-सिक-निजयराज A L, जिपाल B, त्रवास्त H J, विकाराज K, सामु—रांमु A H, रागो L, रागो L. रीक्य-सिंह B, रीक्षु D J, रीक्षे K, क्यो L नव् $\mathbf{c}$ —ति B D H J, ते K. नरपाज—रिपपाल A सादय—स्ट्र A, सीव्, B D, साद् H J, सादो L वृद्य-स्ट्र B D H J, देर्दो L. म्यू-ति B H J, नई L. सिक्युल—सिवरास B L, स्वयास H J, स्क्रम्—सिक्त A, मैस्ट्र D, सेक्स J, सिक्क द L, साव्याः H प्रत्यास्त मिक्स A, मैस्ट्र D, सेक्स द L, साव्यास्त मिक्स द L, साव्यास मिक्स द L, स्वास स L, स L, स्वास स L, स्व

15

### कान्द्रक्षे प्रवस्थ

सीहु मूलग नइ वणवीर, देपन केल्हन नइ रणघीर ॥	६२
राजु बीरमदे देवसी, लष्मु उदयसिंघ षेतसी। गांगु गाजण नइ समरसी, लालु लादु नइ वइरसी॥	ĘĘ
सोभउ सुहडउ सछ कर्णदे, वीकमु सुटू कुरपालदे । कुझउ झांझण सलबुसिंघ, जागु घरणिग नइ नरसिंघ॥	Ęy
गांगड गाजण नइ रामदे, छांछड वाछड नइ मीमदे । मोकल भादड राजधर भीम, वेलाउत पेथड नइ षीम ॥	Ęų

च्यु. 1 omits vs 62 क नडचण—नवकण A, तुक्ण B D H J सिवड-सी A, सांदु B, शिवु D H, श्रवु. J सीरड— A. तीरस B, तीर D H, तीर J, अच्यु. B, अच्यु D), ति अचु H J, तह अजो K, चांकड—A. A, तीर B, सीर्य S—सीर A, सांचु B D, तीकु B L, सीर्य S—सीर्य A, सांचु D H, सांचु. D H चांचु S—तांच A, सांचु D H, सांचु. J A Interpolates iii qr of vs 62 after iv qr of vs 60. सीकु—वजु J, सीरो K L मूळ्य—मिंच A D, श्रवु H, श्रेषु J, सीयो K L स्वर्ण—निंच A D, श्रवु H, श्रेषु J, सीयो K L, केवहड—केल्डु B, केल्य D, केब्रु H, केव्यू E, के

६३ L omits vss 63-64 राजु-राजड J, राजो к बीरमदे-वीरमिन D देवसी-देवशी ८ छवसु-असन स. उद्दर्शस-अनुस्ति हु, दुर्शस D, उरशसंब म, उद्दरस्व K गौगु-गागु म, गागन K गाजजा-गाजजा D, गागन K नद्द-नि ४ D J, म समस्सी-गमसी B कालु-जेल B म J, लेले D, लेले स. छादु-मोजु B म, देसु D, रुसु J, हुसो K. नद्द-नि ४ D म J बदुस्सी-राजसी B D J K, राससी H.

६५ सोभड-सोधु B D H J. सुद्दबन-सहर A. मुहर B, सोहद H, सोहद D J. सक्ट-मह B, जेसल H, सल J, सब्द E कर्गोद-करणदेव A, करणदे B H, कराये D, क्योदेव J क्रीक्यु-वीकस B D H, सोक्षण J, वीकसी से, स्ट्रिट्-मीड B, मुट D, महानि H, मुड I, मट J,...K. कुरणवाके-दे करणवाके दे कुरपालांदि A, कुरपालांदि A, कुरपालांदि B, कुरपालांदि A, कुरपालांदि B, कुरपालांदि H, कुरपालांदि J J Omits vs 64 b, कुक्कड-स्टु B, कुछ D, खेखु H, कुउछु K, हासिया-साक्षण K सक्ड-ति लुपु B, सलक्षण K सिया-सिव्य A, सिंस B, क्षंप H K. जागु-जोग A, जोगु B H, जोगु G K. प्रस्तिया-पुत्र A, परणा B. नहु-. .A, ति B. नरसिंख-परणिग A, नरसिंद B, नरसिंख-परणिग A, नरसिंद B, नरसिंख H, परणिग नद नरस्थं K.

वर्डी विजेसी ऊदउ जाणि, भीरउ नह हरिपाल वक्काणि। पद्मनाम नवि जाणइ पार, राजत सवे सवल झूझार॥ ६६ तुरी पुरातल घरणी पणइ, अनोपम हेकारव हणहणइ। वायवेगि चालइ केकाण, पुठइ पंचवर्ण पल्हाण॥ ६७

तेजवंत निव मानइ साट, वाहर चालइ ऊवट वाट । दल दीपंतां घणा असवार, पायदल तणड न जाणडं पार ॥ ६८

मिलक सबे भांजेज्यो भिडी, हुई सीष दल चाल्यां चडी। होल प्रसुकड़ धरा धूजंति, चाली कटक गयां रेवंति॥ ६९

६६ c omits vs 66 a बर्की-वर्ती L विजेसी-विजसी B, वेजेसी D, वेगड़ J, देवसी K, वजेसी L जड़द-बहु BD H, दृद्ध J, जट्टर L जाणि-जाणि AD H J K. चीरट मह-बहु खुट B, हीह ति D, चीर ति J, चीरी नह K हरिपाल-हररागड ABD H J, हरिपालि L बचाणि-वचाणि B H J, वचाणी D. Linterpolates the following vs after 66a

कटक तपाउ नवि लाभइ पारि रागउ राग मिल्या झझारि । सहू भिल्यो पालउ परिवारि सवा लाप मिल्या असवारि ॥ Jomits vs 66 b प्रकास-परमनाभ A 0 H, परमनाभि K, प्रधानाभि L जाणह्-जाणि B, जाणि 0 H, जाणाइ D. लाभइ K सबे सबक-सबल सवे B. सवे बल 0.

६७ J Omits vs 67 a. तुरी-द्वरीय A. तुरी म, भरी к. तुरासळ-सवे बुरा A. पूंति В. धराति С D К. पराति म धरणी-धरणि A D. धरण B. पण्य=भाणि B. पण्य C H. पण्य К. अनोधम-अनोपसि
८, अनु च हेपारच-हेपाति ८. हीपारच H. हिपारच К. हण्य=ण्य-हण्यांणि B. हण्यांणि С H बायवेणि— सविति B. सायुर्वि च D. वायुर्वि म सायुर्वि म स्वाच्य=भागि В С H J. केकाण-केकाण С D H J К. प्रतु प्युर्वि ८. पुर्वि ८. पुर्वि ८. पंचयणं-भंववरण A B, पांचवरण K. पश्चाण-प्रकाण A L, पर्वाण С D J. पुर्वि ८ पुर्वि ८. पुर्वि ८ पुर्वि ८ पुर्वि ८ पुर्वि ४ प्रति ४ प्रति प्रत

६८ तेजर्बत-दोजर्बति । विश्व-ना रा. सानद्-सानद् अ.० к. र. मानि ४, सांवि स. र. सार-साटद् र. बाहर-ताहरे अ. बाहरे (), बाहरे र. बाहर-वाहरे अ. र. देवें के अ. चीपते र. चीपते र. चीपता ४, विपतो ४, विषते अ. चीपते ४, विषते ४, विष

६९ बहिक-मिकक L. सबे-सबि L. भांकेज्यो-भांजप्यो A, भाजेज्यो B, भंजेबा 0, भाजेबा 3, भाजिबा 3, भाज

कीधउ कृष पीयाणइ नवइ, आच्यां कटक घाणसे सवइ । बिहु पहुरे रिणकाहल देई, कटक तोरकइ विलगा जई ॥ ७० मलिक नेव बलवंत अपार, आगइ भड सांचरित शिकारि । तीणि वेलां दीधज दात, बृडलीइ जई लीघत घात ॥ ७१

॥ पवाडु ॥

हाजी मलिक मलिक भड़ ताजन, वहीय मलिक साबाज।
मलिक बूबनु मलिक कबीरु, मलिक सम्ब अबूराज।। ७२
करी हाक हीटू दल साम्हर, ऊठिउ मलिक रसीद।
मीर ऊंबरा आठ सरताणी, फोजड मलिक फरीद।। ७३

पठ की घड-की चू B O D J, की घु H कृष-कृष 0, कृट H पीयाण इ-पीयाण् B, पीयाणे C D L, पीआणि H, पीआणां J, पयाणा K नषद-नांवा B, नवे 0 D, नवि H, सते J, नजि K काष्यो—आप्या B D L L आणले स्वाप्ते 0 D J, क्षाण के स्वाप्ते के टक्ट स्वाप्त के सि सुद्धे 0 D J, कुण K, रवा L 6 comits vs 70 b बिहु—बिहु B J K, वि D पहुरे-पहुरे B D, तो से H, पुद्धे 3, पहुर K, पुदरे L रिण-एण B D H J वेहें—वेड H K, देव L कटक तो सक्व —स्वाप्त कर कर के किया — वरणा B, वरणा D H J वाहें—वेड D, वाह से लेश K, तेव L किया —वरणा B, वरणा D H J वाहें—वेड D, वाह से लेश K, तेव L

७१ मिलिक — सबक K. नेव — के D. ते H. मिलिक L. बलवत — बिलवेत A. K. बापार — अपारे CD. बापाइ— आणि Bo J. आगई D. अप — निवह L. सांचरिट — माचित दे A. साचुरो B. साचरिट G. साचलु D. साचरिंद H. सोचलावाड K. साचित L. किसारि — सकार B. दूर्वा K. हाकार J. किसार L. हिसार के साचरिट — सकार H. हाकार J. किसार K. हिसार L. मीलि — तेणी B C J. तेणि D. तिणि H. तीणि F. बेला— वेला इस A. बेला E K. बेला इ C. बेला इल H. बेला कि स. चेला इ. सेचल चेला इस A. बेला E K. बेला इ C. बेला इल H. बेला कि स. चेला इ C. बेला इल H. बेला कि स. चेला इ C. बेला इल H. बेला कि स. चेला B. पूरती C. पूरतीओं H. पूरतीय J. साचर K. सेच चंडी L. जाई – के A. बाड C. वल H. जाई K. नइ L. कीचड — कीचा B. जीवु C D. धीचु H. J. लीचा K. धीच उ C.

पुर प्याबु-वाल A, B H K L, प्याबु D हाजी-हाजीअ J. सप्टिक-सिलिक L सप्टिक-...J, यहा L सह पाजन-भरदात B स्त्र स्वर L स्वर प्राव न प्रव प्राव में स्वर में स्वर प्राव में स्वर प्राव में स्वर प्राव में स्वर प्राव में स्वर में स्वर प्राव में स्वर में स्वर

७३ B omits 73 a. In 173 b precedes 73 a. करी-कीवी म,.... हाक-हाकक ०, हाकद्द र. हींबू-हिंदू. ०, हीर् D, उठिंद हींद्द J, हींद K. दक-दिंक उ J सामझ-आज्ञा ०, साहामु D, साहामु H,... J, सांच्या K, साहामु D. उत्तहंच उठिंद ठे, - उठिंद ०, उठको फ, उठका L. मलेक-सिलक L. रसीव्-राशि A, सर्वीद ०, हमीद J K, सर्वे पममयां L. मीर-मीर A, к. ऊंक्य-उठकर H. बाद-आव A, आंकि B, आंकि प्र. B, सर्वे क्यांच-कररा H. बाद-आव A, आंकि B, अंकि क अंकि के अंकि के

जरहजीण जीवरंषी आंगा, ऊघाडां हथीयार । तुरी पाषरीया गयवर गुडीया, आच्या झूझणहार ॥	୬୪
लोहडां तणी काटकडि ऊडी, यंत्रि पुद्दतउ स्र । समरंगणि नीसांण धसुक्यां, रणकाहल रणतृर ॥	હપ
पहिली तुरक तणी ऊठवणी, रणि वाउला विङ्गटा । घोडे साट देई हींदूनी फोज मांहि जई फूटा ॥	৩६
विलगइ वयरि देव दैत्य नइ, वात करंतां वार । कीधा घाउ भुजाविल प्राणि, वेगि वल्या असवार ॥	৩৩
वीजी ऊठवणी हींदूनी, तेजी दीधा साट । मारी नइ मचकोड्या मूंगळ, म्लेङ मेल्हाच्या वाट ॥	હ્

७४ जरहबीण-बरहजीत ०, जरहिजीण ० म, जिरहजीण к, आमा-आमा ०, आमा म अ कवाडो-कवाडा ० к ८ हथीया-व्यक्षिणर ० ० म म, हथियार к ८ तुरी-तुरीय ८, त्री छ, तुरीअ ४, तुरैय ८. पायरीया-वापक्षा ० к ८, पायरीआ ॥ ३ मयवर-गयमर ७ ०, गदमर म, गहरव ८. तुरीया-गुरीआ ० ४, तुरिवा ह ८. क्राच्या-आच्या ८.

 $\mathbf{U}^{\mathbf{u}} \in \mathbf{Comits} \ vs \ 75$  छोहर्श-जेह D L, लोडा H, लोडा J, लोडा K सर्णा-तणा D. काटकिश-कटाविट B L, काकाटिक D, काठकि B H, कारिक D, काठकि B D J, ज़रह L, ऊठी K. यंशि-यंत्र A, लोडा पंत्र म प्रतुत्र प्रतुत्र प्रतुत्र L, सुद्धा L, सुद्धा J, स

७७ Comits vs /7. विख्याह्-वलगड A, बलली в н J, बिल्गाई D बबार-वलर A H, बिरि B, वहरी J, पैर K, देवा टेंबा ट्रेंब ट्रेंब-देवा टेंत A, देवा ट्रेंब D, देवा टेंबा K, देवा ट्रेंबा L. नह-ति B, ति स J, करतो-करता A K L. कीचा-कीचा J K, कीचा L. अध्यावकि D, भूत्र्यावक H, भुशाबक K. प्राणि-प्राणि B, प्राणि D स J, प्राणह K. किप-विसे J, बल्बा-विख्या B. अल्बार-वालर J.

US बीजी-बीज़ी जो D. उठवणी-उठवणी О H. उठवणी D. हॉब्रूनी-टीव्सी A. हॅब्सी O D. होड्र तणी H. हे सैंड्र. तेजी-तेहें A. दीचा सार-बीजी साट A D J. बीचा चाट B. बीचा साटि L. नह्-नि В Н J, नई D. इस K. सचकोड्या-सचनोतीरा A. सचनोतिरा B. सचकोडा H. स्ंगड-मीन्ड D K. सुगळ H. सुगळ L. सेड-सरेड A J. के B B H, स्टेस्ट्रे O. सेस्हाच्या-मेल्हावा B, मेहली C, मेहालाव्या H. सेह्लाब्या J. मेह्सबी K L. संद-माग B.

गयवर थाट बेसरा हीदू बलदल भाले बांडह ।	
बालइ बइरी घाउ सपराणा, ते रण पेरण मांडइ ॥	90
वीरहाक वाजी गयणंगणि, सींगिणिना गुण गाजइ।	
भाला अणीय कणस तस्यारइ, ऊछीना घाउ वाजइ।।	60
बीज तणी परि लोह झबूकड़, थरहर कायर कांपड़।	
पाछउ पाय न मूंकइ पायक, भूमि आगिली चांपइ॥	८१
हींदू करइ वेढि सपराणी, भिडतां लाधड लाग।	
मारी कटक अवार्ल्ड कीर्धू, म्लेख मेल्हाच्या माग ॥	८२
असुरां पूठइ एक भड धाया, एक पइठा मेल्हाणि।	
मारी म्लेंड भींड बलवंता, बान छोडाव्यां प्राणि॥	८३

८० बाजी-बाजि B O, बीजी B, बाली प्र वर्षणविश्व-समरंगलि B, गवर्णगण L सींगिकिया-सींगिलना O K, सींगिकिया T, प्रीगणना L ग्रुण-गण D J, गाजइ-गाजई A, गाजिइ B, गाजि G B J, माजा-गण A, माजा क्ष्मीय कामत-अणी करारी B, अणी कराण C K L, अणी करास D, अणी करास B J च चचपा C K L, अणी करास D, अणी करास B J च चचपार्य स्त्राहि B, तस्त्राहि B, वाजि G B J, वाजई D.

८१ सब्देश्वर समृक्ति है, सन्कि 0 J, सनुक्त D, सन्वर्ह L कांगब्र -कंग्ड्र A D, वंगिष्ठ है, कांगि 0, वंगिष्ठ है, कांगि 0, वंगिष्ठ है, स्वाप्त -कंग्ड्र A D, वंगिष्ठ है, स्वाप्त -कंग्ड्र A D, वंगिष्ठ है, स्वाप्त के प्रतास के प्र

टर हॉब्र्-हीद A H, हॅब्र्, 0, हॉब्र्ं K कर्ड्-क्स B O H J, करे D. O transp as बेढि करि. सरराणी-सरराणी A D H J K, सपराणा 0, सपराणा L मिडली-मंदिता A, मदतो B O D H J, मिड पाता L. काखड-लगु B O D H J, K reads uni qr as काखा एठ्ड एक भड़ चाबा (cf vs 85 iqr) नवार्क एक-जवार्क A, निराले E, B, आवर्कु 0, आवाले D, अवाला B, अवेक्ष्र J, निराले L. कीर्यु-कीशु A, कीर्यु 0, मेरे मेरे किए मेरे कि

८३ सञ्जरा-जल्लर B, अस्तां म, अल्लरा J, अल्लरां L. एक्ट्-पूर्ट A B, पूंठि O, पूठि D H J. एक्ट-एक् H. अर्ड-मुक्ट O D J. घांचा-च्या O, एक्ट-क्क L. पहल-पहले B, पिटा O J, पटल D H. सेक्ट्राविट-सेन्द्राजि D, सहराजि H. मेहराजे J, मेहराज L. सारी-माला J. स्टेळ-सेक्ड B H. सटेक्ट O, सटेक्ट J, स्टेडि-पूछ B, सीक्ड D H J L. सकर्वता -वकस्ता B. बात बांत A D H J K, बांद O L. क्रोडान्यां— क्रोडावि H. क्रोडाल्या J, नेन्द्राच्या K, क्रोडावी L. सालि-प्राणि B, प्राणि O H J, प्राल्ड K.

सपराणा सुरताणी बंदा आठ मूलगा पाड्या । कीषी केडि असुर जगरता, ते सवि रानि भमाड्या ॥	८४
छोडीयां बान सांचह्या पाछा, ऌ्साविउं मेल्हाण । विसमे ठामि वालही बांध्या छोडाब्या केकाण ॥	८५
बगतर तास लीयां ऊदाली, पक्चउ पजानइ हाथ। तरकस तीर चीर हथियारइ, लूसइ सघलउ साथ।।	८६
वि सइं हाथी रुलिया सुरताणी, ऊदाल्यां नीसाण । वाजी सान वल्या सवि हीटू, तु मेहल्युं मेल्हाण ॥	৫৩

८४ सपराणा-सपराणा АОН. सुरताणी-सरताणी ह, सुरुताणी म, सुरताणी म, सुरताणी म, हारताणी उ. हारिताणी है. हारताणी उ. हारिताणी है. हारताणी उ. हारिताणी है. हारताणा उ. हारिताणी है. हारताणा उ. हारत

ट्र५ छोडीयों-छोडिया B, छोड्या O, छोड्या D, छोड्या K ग्रे लेड्या K, छोडावी L बात-बांन A B D H, बाद L. सांबद्धा-मानदीया A, सानदर्श D, सानदीशा B, सांवदिया J, छंनदस्य K, सानदिया L. पाडा-गंछा H, गाछा K रहसाबिक-स्प्रांवि B C, इसाव्युं D B J, रहराव्युं B, इसाव्या L. मेरहराज-मेरहर्याण C K, मेरहाज D K, मेरहाज L किसमें B B तांने D K, ... मेरहाज D K, मेरहाज D K, मेरहाज D K, मेरहाज D K, मेरहाज L केरा D K, ... मारा B, बांचा K, बाराखी B, बांचा K, बाराखी B, कांचा K, बाराखी B, बांचा K, बाराखी B, बांचा K, कांचाही से केराज J. C reads us 85 D . यह से बनावा परवना लोगा वह कोषा केराज

८७ वि साई-न्सद ४, दस В н ८, सि नेय ८, वि सि उ, दल ८. हाथी-हाथीत स. सचना ४. ० transp as हाथी वि वेय. किल्या-हरीया ४, तीया В ८, रोलीया ७, रोलाया १, रोलया ७, सुरताणी म. सुरताणी

माह्य जइत दवडव पाहलव, कदक रावला चार ।
आगिल करी पायदल तापति, वेगि गया जालहुरि॥
तिणइ दिवसि अमावस हूंती, पूडलीई तिणि कालि।
लषण सेभटउ साल्ह्ड सोभित, रह्या सरोवर पालि ॥
आंगा जरहजीण ऊतास्वां, सीतल छाया लीघी।
तेजी तणां पल्हाण हलान्यां, षाण चासणी दीधी ॥
मास्या म्लेख सइंफलउं जीतुं, अंगि हूउं अभिमान ।
हाथे डाभ ऊतारी कोटइ, कीधां नीर सनान ॥
॥ दूहा ॥
पद्मनाभ पंडित भणइ, जेह कुछि जे आचार ।

पद्मनाभ पंडित भणइ, जेह कुलि जे आचार। छोप न कीजइ तेह तणु, मरण न बीजी वार॥

९२

८८ ८९ ९०

८८ महिष्ठ-महिष्ठ А. म. महिष्य В. О. Ј. Д. महिष्य Б. जहत-जिन В. С. हेउडु Ј. जयत ८ देवडड- देवड А. В. D. H. देवडा С. राउत J. देवडी ८ पहिलड-पहिला А. В. В. Ц. पहिलु С. पहिलु Ј. राउलो А. राउले А. रावे के प्राचित प्राचित के प्राचित प

८९ तिणक् em—तीणइ A, तेणि B H, तिणि G J K, तेणई D, तिणिइ L विवस्ति-दिवस L असावस्त-असावस्ता C D J, असावित B, असावास्ता K हूँगी-हुँगी A K L, होती O, हुँती D, हृती H युव्कडीई—पिक्स साव हुँति D, हर्ती H युव्कडीई—पिक्स साव हर्ति ह, युव्वडिंद D, युव्कडिंद D, युव्कडिं

**९० भांगा-आगा L. जरहजीण-**नीण जरह C, जरहि नीण D H, जिरह नीण K **ऊतावरां-**जतारीयां A, ऊतादिया B, ऊतादिया B, उतादिया B, उत्तराय A L स्वद्वाण-पर्वज A, पव्हाण D J, पहन्त्रण H, पव्लाण L. हलाव्यां-हलाव्या K L **पाण-पाण** A C D J, **पारत्यो**-व्याणी E द्वांची-व्याणी E द्वांची-व्याणी स्वर्णी-व्याणी स्वर्णी स्वर्णी-व्याणी स्वर्णी-व्याणी स्वर्णी-व्याणी स्वर्णी-व्याणी स्वर्णी-व्याणी स्वर्णी-व्याणी स्वर्णी-व्याणी स्वर्णी-व्याणी स्वर्णी स्वर्णी-व्याणी स्वर्णी स्वर्णी-व्याणी स्वर्णी-व्याणी स्वर्णी-व्याणी स्वर्णी-व्याणी स्वर

९१ माखा-मारी J. म्लेड-मेछ B H. म्लेच्छ ा, मलेड J. सहंफलबं em-सांफर्ड A, सुंकली B, सिंफर्ड O, सहंफर्ड D K, सीफर्ड H, सिंफर्ड J, सहंफलब L. जीतुं-जीत्युं B, जीत्र J, जीतु L. हुई-हुई B, हुउ D L, इक्ज H, हुई J, हुउ K जीका-अभिमान OD H J K. हाथे-हाथि B, हाथिइ L. कारी-क्रत्यित D H J K. उत्तरी D. कोटब्-कोट B, कोट O, कोटि D, कोटि H L, बीटी J, काटइ K. कीचां-कीचा L. सवाल-सनांन A D H J K.

९२ वृद्धा-बुट्ट: D,... H. J. प्रधानास-पर्यमताभ C H., परमताभि K., परानाभि L. अग्रह्-भागिद B, भ्रांत J, भ्रायाः L. जोष्ट्-जोट A, ते -जे -जे ट्विट, होह C आप्वार-आप्तारि L. क्रोप्य-लोप्द D. ब्लाप्य-आप्तारि L. क्रोप्य-लोप्द D. ब्लाप्य-साम्प्रकारिक क्षेत्रक्ट क्षेत्रकट क्

जे नीसाण तोरकां तिहां सिरि पांडवि घाउ वजाविउ ।	
विसर वाजंतां वेगि सुणी करि मलिक नेव तिहां आविउ ॥	९३
तुरी सहस छत्रीस पाषरीया, साथि हाथी त्रीस।	
मलिक नेव बलिवंतउ बंदउ, आब्यु आणी रीस ॥	९४
दीठउं कटक बलि ऊतास्मा, अछबां हीद्र आच्या ।	
आठ मलिक मूलिगा मराणा, लोक सबे मेल्हाच्या ॥	९५
रुंड मुंड रडवडइ रिणंगणि, लोही तणा प्रवाह ।	
ऊमे हाथि असुर पोकारइ, पाषिल पाडइ धाह ॥	९६
आव्या मलिक सरोवरि देषइ, हीटू करइ सनान ।	
फेरी वीटि ऊडव्या हाथी, कीधां बाण संधाण ॥	९७

९३ पवाड-चउपई A, चपे B, पवाड़ C, पवाड़ D, H J, पवाडा ढाल K, ढाल पवाडाकी L, जे-जेह H. नीसाण-नींसांण A. नीसाण B. नीसांण D H K. नासता J. नीसाण L तोरकां-तरका B. तरकना तेजी J तौरकना K, तरकी L. तिहा-ते D J, तेह H. सिरि-सर B D, सिर H J, शरि L पांडबि-पाडिव B, पाइन D. पहह J. पिंड L. घाड- . D.J. बजाबिड-बजाबिन B. बजान्य D.J. बजायन K. बजायो L. in ar in B is : बाजा सिहरि मणी बेगिं, 111 ar in L is ते सबि बाजता श्राणिय बेगि करि, विसर-पिसरि H. विसरि K बाजंतां-वाजंता D, बाजतां J. बेगि-वेग K सुणी-सुणि D, सुणी H. H transp as स्णी बेंगि करि-करी J. आविड-अब्य A. आब्य D H J. आयउ K. आयो L C reads as vs 98:

तरका ये नीसाणज होता सरोवर पाछि वजावि । इणि अवसरि मिछक नेव ज कटक छेई तिहां आवि ॥ ९४ तरी-तरीय L सहस्र-सहिस K. सई L छन्नीस-चवीस H. कज़ीस L पाषरीया-पाषरिया B H J. पाषस्या D K L साथि-साथि B D, साथइ K, साथंइ L श्रीस-छत्रीस B, सि श्रीस C, सहस H, कत्रीस L H omits vs 94 b. बलिवतउ-बलवंतु B O D J, बलिवंतर्ड L. बदद-बादु B, बंदु O D J. आह्यू-आविड B. आव्यं D. आव्या J. आव्या K. आव्योड L. आणी-आणी J K.

९५ ए reads vs 95 a as. बीठा तुरक आवता साहमा पूछवा वयण विचारी दीठडे-बीड B D J K. रीटर H L, बलि-सबल B K, बलइ D H, लेई L जताखा-कतारी A L, कतरीर B, कतारा H, कतिया J. उतारई K 11 gr 10 L 18 कटकिइ रिण सोधाव्या, अल्बां-अथवा H. अल्बा J. हीव-हींद B H. आख्या-आव्यद A. आड मलिक-मलिक आठ O, आड मिलक K L सृतिगा-मृत्या B O D H J K L. महाणा-मरांगा A K, मास्त्रा C, तराणा H, मारी J. सवे-सवि D. मेस्हाच्या-मेठाव्या B, मेहलाव्या H J. iv ar in ए is: हिंदए बंधि बिसारी.

९६ रुंड-रंड B J. रुंड O L. सुंड-सुड H, मंड J. रहवडड़-रडवडड़ं A L, रडवडि B J, रमि O, रहड़ H. रहबिडिया K. रिजंगाज-रजगणि B H J, समरंगणि C, रजगणि D, राजागिणि K, रिजंगण L, छोडी-छोड B. कमे-कम C. हाथि-हाथे B C H J K, हाथई D, हाथ L असूर-असूर H, अधूर L, पोकारड-पोकारड A D, प्रकारिइ В, पोकारि О Н J, प्रकारइ К. पाष्टि-पायल L पाडह-पाडि В С Н J.

९७ मान्यर-आविड B, आज्यु O D J, अविड H, आज्यो L. मलिक-एक B, मिलक L. सरोवरि-सरोबर BOHKL. देवड-देवी BHL, देवि OJ. हीव्-हींद् AB, हिंदू O, हीर्द D, हीद् JKL, करड-करहं A, करि B O H J. सनान-सनान A D H J K L. केरी-फेरि B, वीदि-वेहि B, विटिएं O, विटि D. बाट H, बीट्या J, बीट K, कड़ब्बा-उठव्या B L, उडव्या D J, कीशां-करियां B, कीदा O, करिया H, कीच K, कस्या L, बाण-बाज O D H K, संधाण-संघांज H J, संधान K L. 16

वेडां तणी ठाठरी मांडी, धुरि हबसी आव्या ।	
करी हाक बूंबारव वरत्यज, तज हीदू बोलाव्या ॥	९८
<b>ऊठ्या सुहड सवे सूंडीनइ, नीर गर्छतां चीर</b> ।	
घोडा लगइ न जावा लाभइ, वेझां वींधीइ वीर ॥	९९
धाया सुहड भाले फूटंते, लोह अंगमइ प्राणइ।	
वाजइ घाउ अंगि ऊघाडे, तउ चडीया केकाणइ॥	१००
एक सुहड ऊठइ एकमना, झालइ अंगि प्रहार।	
भाला अणी कणस तरूआरइ, वाजइ पांडाधार ॥	१०१
एकवीस ऊथिला सपराणा लषण सेभटइ दीधा ।	
साल्हइ सोभित अति सपराणे घाउ घणासुं लीधा ॥	१०२

९८ चेबां-पोड़ा B 0, चेड़ा स J L साबी-वाची स J, वाची L धुरि-पहिल्लं B, धुरि जो 0 D, ध्रिर स, धुरि तिहा प्र इवसी-इवसी चण A ii qr in L is तुरक सबे तिहा आज्या. करी-वरीय L. व्याया-चुंबारव OD K L, बुवारव H. वरत्वाड-वरत्यु A D, वरतित B C J, वरशित B, वरलो L वड-दु B C D H J, तो L. शिव-विष्ठ B, शैर C D K

९९ कामा-आध्या A, उठिया C H. सुबड-सुदुङ B J, शुद्ध L. सूंद्रीनह-स्दीनि B, सूंदीनि O, सुवैति J, सुवैतर K, स्विन६ L. मीर-नीरि D J. सावती-मावति B, नीपवता O, सर्वता D H K, सवता J. सर्वेतर हिंदी हैं। अवाद-अवास B स्वाद में कि नति हैं। अवाद-अवास B स्वाद में कि नति हैं। अवाद-अवास B स्वाद में कि नति हैं। आवाद-अवास B स्वाद में कि नति हैं। अवाद-अवास B स्वाद में कि नति हैं। अवाद-अवास B स्वाद में कि से ति से स्वाद L से स्वाद L से स्वाद L से सिंदी हैं। अवाद R से से सिंदी हैं। अवाद R सिंदी हैं। अवाद R

१०० घाया-भाड B सुदड-भल B, सुभट C D, भड B J K, भला L आले-भड L. फूटंते -फुटते C, फूटंते E, सूटंते L. लोइ-लेल C, लोह J, लोही L लंगमह-लगमि B L, शांगमी C, अगमी D K, आगमी B, अगमी D L, आग A, प्राण्ड K, बाजइ-वालि B C, वालई D, सालि B, वामी J, वाल L, वाय -पाल C, वाय J, वाल L, अभि-अग B C K, अमें D क्यादे-शहारे C, क्याडा E, उचावाई L, वाव -पाल A, तु B C B J, तु D, तो L वाडीया-विल्या B D K, वाडी B H, वाडीया C, वाहिया L, केकाण C, केकाण C, केकाण D, केकाण B, केकाण C, केकाण D, केकाण

१०१ सुद्दब-सद्द A H, सुदु J, शुद्ध L. बढ्दू-कठिया B, कठि O H J. एकमना-एक्मेना D, इकमना L, इकमेनो L झालबू-सार्च A, झालि B H J, झलकि O, झालिई D. क्रिन्टिन्सिंग D, क्रंग L. महार-आरो C. भाला-भाला A, भला H, भला E, कार्या-कोरा L. क्राया-करण A B O K L. कंक्सार्यु-तस्मारि A, तस्मारि B, तस्मार्यु-तस्मारि B, तस्मार्यु-तस्मारि A, तस्मारि B, तस्मार्यु-तस्मारि B, तस्मार्यु-तस्मारिक स्मार्यक्रमार्य्यक्रमार्यक्रम

१०२ क्रिक्श-जिम्मा A, जगला BCDJ, क्याना B, ज्या स, ज्यानी L. सपराणा-सपराणा A, प्राणि D, पराणि BJ, पराणइ K, पराणइ L. जपण-व्याणे C, अवसगा J. सेवरह-सेवरि B, सेवरि C, सेवरि D, सेवर्ड B, सेद J, सेवरिट E, सेवरि D, सेवर्ड B, सेद J, सेवरिट E, सेवरि D, सेवर्ड B, सेवर्ड B, सेवरि D, सेवर्ड B, सोवर्ड B, सोवर्ड B, सोवर्ड B, सोवरि J, सोवर्ड B, सेवर्ड B, सेवर्ड B, सेवर्ड B, सेवर्ड B, सेवर्ड B, स्वरंड B, स्व

803

80%

सास्ह सोभत ते समरंगणि, उपण सेभटन बीजन । रिणवटि रहिउ अजेसी माल्हण, मांहि मूलिगड त्रीजउ ॥ च्यारि सहस राउत रिण रहिया, मारी फेडिउ ठाउ। करिवा सन्दि न को जगरीन, जई जणावह राज ॥

॥ चउपई ॥

मलिकड लोही लपणा तणउं. लेई निलाडि कीउं वांदणउं। कीची वली प्रसंसा घणी, धन्य धन्य माता तुझ तणी ॥ 204 हीद तुरक नहीं को इसउ, रिणि राउतवटि लपणं जिसंख। जे समरंगणि साम्हा मरइ, तेह सुर सिद्ध वंदणा करइ॥ 908

१०३ सास्ट्र-साल्ड A K L, साहलु D H J. सोभतु-सोहित A, सोभायत C, सोभाइत D, सोभुतु H, सोम J. शेमटउ K. सोमतउ L. ते-नइ A. . B C D. त्रणि H. ए L. समरंगणि-सपरांणउ A. समरंगिणि D. मरंगणि H. सपराणा L कवण-लावण B. लवणु C. लवमण J. सेभटउ-सेभटु B. सेवट C D H. सेवड J. सेभट डं K, बीज ड-बीज़ B C D H J रिणवटि-रणवटि B C D H J, रिणवट K, रिणवटइ L, रिडि-रहीया A, रहु D, रहिउं H, रहिया J, रह्या K, रहाउ L. अजेसी-जेस B, अजिसी C. अजयसी J. अजैसी K. माल्हण-मोल्हण B, महलण D I₁(ख), माहालण H, मल्हण L. माहि-माहि A H K, मुलिगड-मूलगु B H J. म्गल O, मुलगु D, मुलगउ K, मुलगो L श्रीजउ-श्रीज B D H J, बीज C, श्रीजो L

१०४ L omits vs 104, ज्यारि-च्यार C. सहस-सहिस B K, सहस्र C. D transp as रण राउत. राउत-रावत J. रिण-रिण B C H J. रण D रहिया-रहीया A B D. रहीआ C. नहींआ H. फेडिड-फेडिया B. फेड C. फेडेट D. फेरिट H. फेक्सर K. ठाउ-ठाय B C D. वार K करिवा-कारवा B. करवा C H J. करुवा D. करेवा K सुद्धि-शुद्धि A, सुद्ध B, सद्धि D, सिथ H, सिथि J, मुथि K D transp as सद्धि करुवा : J AS सिधि करवा, न को-के न D, को नवि J, कोई न K, उत्गरीउ-उत्गरिउ A, उत्गर D, उत्तरीउं म, उत्तरीयउ K जईं-जि को A H, जे जई C, जेह J, ज को K, जणावडू-जणावि B C H J, जणावह D. राज-राय B C D H.

१०५ चउपई-चउपही A, चुपै B J, चुपई C, चुपई D,.. H, चोपइ L. मलिकह em-मलिकिड A. मिलिक B, मिलिक C, मिलिक D H J K, मिलक L, लोही-लोहि D कषणा-लेपणा B, लपणां H J, तजाई-तर्णु B D J, तर्णु O, तुं H, तणउ K L लेई-लई D, लेड् H. निकादि-निलागि B. ललाटें D. ललाटि H J. ललाट K, निलाट L. कीर्ड-कीर्ध B, करिडं O H, कीथर्ड D, कीर्क J, कखाउ K, करइ L. बांदणरं-वादण्रं BDJ. बांदण C. बंदण H. बांदण K कीभी-कीश L. बली- B. प्रसंसा-प्रससा कीथी B. प्रशंसा J. प्रसंशां K. धन्य धन्य-धन २ B O D, ध्यन ध्यन H, धन्य २ J L, धन्यं धन्य K. तुझा-वली तुझ B. तुह D, जे तुझ H, तूंह J, तेह K, तुम्ह L. तणी-तणीं K.

१०६ हीव्-हींव् B D K, हिंद् O तुरक-तरक D. नहीं को-नहीं एकू B, कोय नही O. इसरड-इसु A. तिम B. इसिड O L. एस्पो D. स्रा H. इक्स J. रिकि-रणवटि B, रिक O D H J, रिक K L. राउतवटि-राउत B, राउतबट D H, राबतबट K, राउत ते L कथणड-लावण B, लवणा O K L. लवणां D. लवण н, लबमण J. जिसर-तिसु в, जिसु С, जलिउ D, जसु н, जिञ्ज J, जिसर्ड L. समरंगणि-सरंगणि D समरंगण L. साम्हा-सांम्हा A K, साहमा B O D J, साहामा H. मरह-मरिड B, मरि O J, मरई D L. मरिं म. तेह-तिहां A. ते DHL तेहनड K. सुर सिव-रुधिरिकर O. सरवेड सिर D. सरि सुध H. सबेड सुर I, सबि सूरासुर J, सुरसिव K, श्रुर सरग L, बंदणा-वंदना B, बंदन O, वंदण D J K. बंदणा H. sient L. ses-wes A D, with B, wit J.

पद्मनाभ ऊखरइ प्रमाण, माणस वंदह किसउं वषाण ।
बस्यु मिलक निव कीपी जेडि, हीतृ वली करेसि केडि ॥ १०७
पातसाह आगलि परि सुणी, गयन रवारी वद्धामणी ।
पिहला हीतृ आब्या जिसइ, मिलक नेव निव जमलन तिसह ॥१०८
सरोविर विसरि सुण्यां नीसाण, पछइ मिलकनइ हुऊं जाण ।
छोक्यां बान सुणी परि नवीं, आब्यन मिलक तुरी तारबीं ॥ १०९
हुई वेढि सरोवर तिणि वार, राजति भलां कीयां हिषयार ।
चनपट घाइ एकमना भिक्या, लक्षणन नह साल्हन रिण पक्या ॥ ११०

२०७ पश्चनास-पद्मनास पंडित A B, पदमनास C H J, पदमनासि K, पद्मनासि L. उच्चरक्-ऊचिरह् A, स्मित्त है, क्रवरि C J, उदरह H L प्रमाण-प्रमास A, B, पुराण D, प्रमाण H, पुराण J, माणस-मानवर्तुं O, नीप D, मोणस H J चेतृद्व-वाहिट B, C, विदेट D, विंदि D, विंद D, विंदि D, विंद D, विंदि D, विंदि D, विंदि D, विंदि D, विंदि D, विंदि D, विंद D, विंदि D, विंदि D, विंदि D, विंदि D, विंद D, विंद D, विंद D, विंदि D, वि

२०८ पाससाइ-पातचाइ J, पातिमाइ K, पातिसाहि L परि-पुर D. सुणी-धुंजी C, ईलि D, स्पृणी H, क्षाप्त - पात्र B D H J, लांगे D, मार्ग L बद्दामणी-व्यातणी A, बदामणी CL, बजामणी B D H JK, पहिला-पहिलो L हिंतु-हींदे B, हिंद CD किवाइ-निक्षी B, जींस C, जींस D, जींस D,

२०६ सरोबरि-सुरोबर B, स्रविर D, सरोबर L बिस्तरि-तिहा A, परसिर B, ससुर C, बसर D, सरसर H, मिलक J, सिर L. सुष्यां - ह्यांचा A, सुष्या D , सुष्या D , ह्याया H K, ह्याया L. सीसाण-मीसाण A D J, मीसाण B, मीसाण D, मीसाण D, मीसाण M, नीसाण B, मीसाण B, सुरे CD, हऊ H, हुट K L आपल मीसाण B D J K, अंत्राण H, आणि C D J K, अंत्राण H, आणि C D J K, अंत्राण H, आणि C D J K, अंत्राण H, साम चीन A D H J, साम L सुष्यां परि च. सुष्यां परि C J, सुपरि D, सिहुणी परि L कार्यों चनिनारि B H, आपसी C J, आया D, आया D, आया K L मासिक चीन B H, आपसी C J, आया D, आया D, आया K L मासिक चीन B, सिरक L. सुरि च.नेती D J, पुरी H. वारबी-नावरि D.

मिलक नेव जीतन संग्राम, पातसाहनह करिन सिलाम ।
तन आणंदिन असपित राज, तसु आप्यन पंचांग पसान ॥
१११
हुई वात जालहुर माहि, सुद्धि पृष्ठह सोनिगिरु राह ।
जीतह फलड़ न आज्या वही, राय भणह को सारनं रही ॥
११२
दृह्वण राय घरह तिणि वार, ज्यास भणह निव टलड़ हुणहार ।
श्रीमालीनी चान्ह मूआ, देवलोकि ते राजत हुआ ॥
११३
बेटन महिप देवना तणह, कांधिल माह मितिह इम भणह ।
भोजन वारि कांसीआ तणन, त्राट महार म वालिसि घणन ॥ ११४

१११ स्वरिक्त-मलक D. नेब-नेबर्ड ८, नंबेब D, ते थि H. श्रीवह-नीवृंद्वे D H, जीव B J L. संज्ञास-संज्ञान D, संप्रामि J. वातस्याह-पातिसाह H, पातचाह J, पातिसाहि L. सह-नि B, ति D H J, त्र १६, छह L. सरिड-कर्ट, A, कर्ट D, संक्षेत्र J, क्रप्रड स, क्सार्ट D स्विच्या-स्वाप्त A B C L, सर्लम D, संप्राम D, स्वाप्त स्वित्तम K. तड-वृद्व B C H J, त्रे D, नव K, तो L. आणीहेड-आर्थच ट K L. साड-राय C D, राउं L. तसु- A B K, तस C आष्य-आपि B, आपु O, आपिच D, आपीच H, आपु J, आप्याच तब K, आपार्च D स्वाप्ताच B C प्रचान K

१२२ हुई नहुँ ते С D, हूद H, हूदेय L जालजुर-जालमेरद A, जालजेदर B, जालुर O, जाहबुर J, जालजर K, जालजर E L माहि-माहि O D H J. सुनि-छाँद B, सिप D H, सिप J, हीचे K, हाचे L. एकड्ड-पूछि B C H J, पुछंद L सोमिसिक-सोनगिरड A, सोनगिर B, सोनगिर C, सोनगिर D J, सोनगिर B, मीनगिर C, सोनगिर D J, सोनगिर B, मीनगिर C, सोनगिर D J, सोनगिर B C H J, राज्य E M कि ही सिक्क ट जीति B C H J, राज्य E M कि सिक ट में सिक्क ट M के सिक ट में सिक

११३ D J omit vs 113. राव-राइ B. घरह-भणड A, घरी B H, घरि C. o transp as घरि राव, K L transp as घरइ राव ितान-तिण A, तेलि C, तेणी B, ति L. वार-वारि E. भणह-भाल B O H, टक्क्ट-टिल B H, टाल्म C, टेल्ड् K हुणहार A, हणार B, हार C, हणीहार A, हुज्यहार L श्रीमालीनी-नहागाइनी H चाडह-चाहि B, चाहि C H, चाविङ् L. सूमा-मूंसा A, मूबा B. देवलीक-देवली H, देवलीक L, से-तीह K. हुमा-हुसा B, होना H.

१९४ केटड—चेंद्र A B H, चेटह D. देवबा—देवबी D. तणह—तमि B C H J, तणत L. कांचिक माहू— तात B, कांचिक C D J, कांचिक व्याय H, कांचिक माय L मतिह-प्रति तात B, प्रतिक्षा तो 0, प्रतिहें, तेत तेत D, प्रति ते, प्रति हे, स्म—हंणी परि E. सणह—स्मोह B, मणि 0 J. L omits vs I14 b. तारि— बार D H K. कांसीआ—कांसीओ A, कांसीया B, कांसीया C, करीया D, कांशिआ K. तणड—तणत A, तर्फ B, तण्ड C, तर्ण D, तर्ण H. आट—जाटि B K. महार—महारि A, स्पक्षर B, मखाइ C. म बालिसि—म किंकि A, म बाके C D, सा बालिसि H, म बिके K. बणव—कणते A, वर्ण B D, व्णु C, वर्णु H, ∤ reads 114 b as: ओव क्यों करही करती बाजु वारी करही, मुद्दिक.

नासीनइ जगारिज आप, लोह तणइ भइ बीहह बाप ।
तव लाजिउ महिपउ देवडउ, किम सांसहह बोल एवडउ ॥ ११५
तउ महिपइ मोकलाञ्या राय, चढीउ कटक राडद्रह जाइ ।
मिलक सरूप बिहुं सह साथि, मिहपइ हणिउ आपणइ हाथि ॥ ११६
मिहपा साथि पद्या पंचास, तेह हुउ अमरापुरि वास ।
हियइ रोस पातसाहि धरिउ, गढ जालहुर भणी सांचरिउ ॥ ११७
जास तणाउं सीताई नाम, आगालि ऊमी करह सिलाम ।
जाती समरण काकरुत लहुं, शुक्रन सरूप विमासी कहं ॥ ११८

१९५ Lomits i qr नक्-नि БС J, नर्ट D कमारिउ-क्याल्ं A, कमारिज B, कमाल्या D, कमारिउ H, किंद्र H, कमारिउ H, कमारिज H, कमारिउ H,

११६ तड -त त. तु छ छ छ, तच ०, तुं ० महिषद -महिषि छ उ, महिषे ०, महिषदे ०, महिषो ८. о transp ८८ महिष्य तस मोककाच्या -मोककाच्या ८ मोककाच्या ३ मोकि ३ मेकि ३ मोकि ३

११८ जास-जाड J वर्णवं-तणी p, तर्णु O K, तर्णू D, तण् H, तिण J, तण्य L. सीताई-सीतांसमां H, श्रीताई K. नाम-नंति D H J K, जामिल-जागर्य A, श्रीयांक L काइर-करि B O H J. सिकास em-प्रणास A, तीलास B, सर्वाम O H D, सिकास J K, सल्य L. जाती-जाती K. ससर्यण-स्वारि A H, सस्त् B, सस्त्रिति O, सर्वि D. कोइला-काइन्दत B, काकस्त D, काकस्त D, काकस्त H K L, कागस्त J. काइर-लाई A, लाई O D, कहू H J, हुं लाई K. धुक्त-शक्त B D, हुकन D, शकुन H, सङ्ग K. सरूप-इक्त्र B K, शाक्त J, रूप L. विसासी-विवारी B J L. काई-काई A O D K L,

निव अवतारि देव अवतस्त्रा, जीणइ असुर सवे संहस्ता । चाहुआण कुलि दसमी वार, आदि पुरुष लीघन अवतार ॥ ११९ पंष सहित बालड़ निज अंग, जन दीवइ जद्द पत्र पत्र । जन चाली जाइसि सुरताण, सही कान्हडदे लेखइ प्राण ॥ १२० बोल न मांन्यन असपित राइ, गत जालहुर भणी दल जाइ । तिणि अवसरि बहरी उन्होंनी, कुंयरी वात करइ मनरंगि ॥ १२१ आम तात सांभिल अरदास, बीरमदे छह लीलविलास । स्व वेष वय सरीषद्द भावि, कान्हकुंयर मुझनि परणावि ॥ १२२ बोल्यन पातिसाह परि करी, गहिली वात म करि कुंअरी । ताहरह मनि कुडन उन्हाह, हीलू तुरक नही वीवाह ॥

११९ मधि-नवे A D H J, नव K L अवतारि —अवितारि B, अवतारे D J K. अवतस्था—अवतरिया B J, अवतरीआ H, अवतस्थो L. जीणह्र –तेणि B, जेणि O H, जेणि D, जिणि अवसरे J, जीणह्रं K, जिणह् L असुर म, असुर H, अस

१२० चंष-पंच L. बाळह em-वालिट A, वालि B म. जु वालि C, जु वाल्ट्रं D, जु वोलि J, कह बाळह ६, बोल्ट्रं लित L बिका ...O. D J к. और -अगि A. जर-जहीं B, जु CD H, जिस J होश्यर-पेण्य A, चेचि B C H, दिवलि D, चैवलि J, ज्या-विम A, ...B D, जुंट C, अ की L. बहर-पिल B CD H J. जब्द जु B C H J. जाहरि-जास् A, जासि B C H J, जाहरित D, जाने L. सुरताण-सुल्लाण A, सुरताण D, सुरताण H, सरताण J, सुरताण K, शुस्तिवि L काल्युट्ये-लॉन्ट्येट A J, कोहीलट्ये H, इन्युट्येट L, केवसु-केस्ट, असे B L C H J, जेविंद्द D, केटी L साण-नाशि A, आण OJ, प्राणि D L

६२६ सांस्थड-मान्य A, मानि B, मानि C, मानह D, मानित H J, मान्यत K L. राष्ट्र-रात A, राब B C D H J K. जाकहुर-जालोर A, जाल्होर C, जाल्हु D, जाल्हर H, जाल्वर K L. र्वट-ते C. जाष्ट्र-जाय C J, तिणि-तिण A, तेण D, तेणी H, सबसरी-असरार ति L. व्यक्ती-तियी B, निती C B J, विद्ती D, व्यक्ती K. त्रवंशी-जल्लंग C, त्रवांनी D, त्रवंशी H, त्रवंशी J, उत्पंशी K. क्रंबरी-कुमरी C D J, कुमरी H, कुमरी K L. वार्श-वांति L. कर्यु-कही B, कर्ड्य O, करि J. मन-माने A L L. रीसि-रंग C.

१२२ कामा-कहा B, आम J. सोमिल-संमिल E L. करदास-अरदाशि A, करदाशि D. बीरसबें-कुंकर से 0. कहू-कि B J,...○, विरादे D. कर बेच-कपि J, हरवेष प्र, हरनेत E. बच-वि B, वे C, वह D, कि J, देवी L. सिंदबु-क्षिंगि B, दिपि Q. संदेप D, सरियह प E, संदिषि J, सरस्य L. साबि-सिंठ J, संवि L. कान्यु कुंपर-कांन्यु कुंपर A, कान्यु कुंपर B, कोहन जुनर C, काइन जुनर D, कोहान जुनर प्र, कोन्दुबंदे J, कान्युक्त E, कान्यु कुंपर L. सुक्ति-सम्बस्यूं B, गुंसनइ D, सुक्षन D L, सम्स सिंत्र H, सम्बन्धि J, सुम्बंद्र L. परणाली-न्याला L.

्रेस्ट्र बोक्चड-बोल्ट्र A, बोलिंड B D J, बोलिं O, बालिं D, बोल्यांट E, बोल्यों L. पातिसाह-सातसाह A, पातसाह B C D H, पातसाह J, पातिसाहि L. करी-बारे C D H. पारिकी-सिह्ती H. स-...B J L, करी-बारी J, कर्डर L. क्रेसरी-इंग्सरी A O, क्रूंसरी B, ईबरि D, अलिं B L, क्रूंसरी J. साइस्ट्र-साहरि B C J, ताहारि H. क्रूड-एवडी B, क्रूड्ड C H J, कुल्ड E, ए क्रूजी L. उक्डाइ-आहि B L, जसाह C. होंस्-बीर्स् A, होंस् B D, हिंदू, O, होंस् E. सुरक्ड-तरक H. बाही-बाही B, जुदि O J, न हूंच D. वेसाइ- C. नथिर थोगिन मुसलमान, जे साहजादा मोटा पान ।
ताहरइ चिंति गमइ वर जेह, करनं बीवाह अणावनं तेह ॥ १२४
कुंथरी भणइ तात तुम्हे सुणन, हीदू तुरक आंतरन घणन ।
भोग पुरंदर हीदू एक, हीदू जाणइ वचन विवेक ॥ १२५
हीदू भोजन भाव अहार, हीदू तणा भला सिणगार ।
तुरक कोई वर नवि सांसहं, विर हं तात कुंआरी रहं ॥ १२६
कह कुंयर वीरमदे वरूं, आम तात कह निश्चद्द मुलं ।
कुंयरी बोल कहिन ए जिसइ, गोल्हण साह तैलाविन तिसह ॥ १२७

२२४ जबारे—नगर В С D J. बोशिनी—भोग्य छि B, जोशिनी D, जोगनी H, योगनी K L. अवस्थान—प्रस्तक्यांत A D B, शुस्तक्यात B, शुस्तक्यात D, शुक्तक्यात J, शुस्तक्यात K, मोटा बान L. जो—थे O, D J. सत्वावाद A, शादा जो B, स्थाद्यादा C, सादाज्यादा H, साद्यायादा H, साद्यादा H, साद्यादा

१२५ कुंबरी-कुरवी ८, कुंबरी ८, कुंबरी घ ८, कुंबर ८. अणब्द-आणि ६, अणि ४, कुंबर ८. अणब्द-आणि ६, अणि ४, कुंबर ७, कुंबर ०, कुंबर ७, कुंबर ०, कुंबर ७, कुंबर ०, कुंबर ०,

१२६ क्षीब्-श्रॅंद, B, हिंदू, C, हींदु जागह D. भाव-भोजन भाव D, भार B, भावह K, भक्ष L. ब्रावार— भारा C, आहार L. हींब्-श्रंद C D, हींदू E. तणा-तांभी J. सिण्यार-ट्रागर A, स्वयार C, शियारार D, शायार J, शृंगारि L हुरक-ट्राका A, अस्ट H, तुरका L क्षीक्-यो B C J, भोद D K,.. L वर-परि B, O J transp as : तुरक वर को. सांसह्-सासही A K L, साहि B. हूं —हुं A K L,... B. ताल-तात L. कुंबारी-कुंबारी A B, कुंबारी D, कुंबारी J, कुंबारी H L रहूं —हुं A C K, रहि B, रहू H.

१२७ कह-कि BC, विह DJ, कहह K. कुंबर-ई वर C, कुंबर D, कुनरी J, कुंबरी K, कुलर L. बीरसवें-वीरसीत C, वीरदे D. वर्क-वर C D K, वह H L. बास-वांग C, कि लाम J. कह-कि B, हु C, के हु D, हुं L. किस—वीर्थ BC, विश्व D, तिवाई H, निवाई J. सक्-वि C K L, मत्तर D, स कर से कुंबरी—कुंबरीई C, उमरी D J, कुजरी H K L, बोक-वोल इ A. कहिड-कहिडे A, वहीं B DJ, कुजरा K D transp as ए वहीं S, L transp as ए कहिड. किस्स-निवाद B, तिले C, जिसर D, जावर K, तिलि J, तीर D, तीर कि कुंबर के तिले C, जिसर D, जावर A, तिलि J, तीर B, त्री C, वीर कि कुंबर के तिले C, जावर D, जावर D, तिल्ला J, तीर B, त्री C, वीर कुंबर के तिले C, जावर के तिले B, ति

पातिसाह बोलड़ परि घणी, बेगि जान कान्हडदे भणी।
कुंअरी अम्हारी वर ताहरन, कान्ह विछेदह बीवाह ज करन ॥ १२८
जन कान्डदे बोल मानसङ, तन देस्युं के मुषि मागस्यह ।
गोल्हण साह जाल्हुरि गयन, जई बेगि रानल मेटीन ॥ १२९
सभा मांहि सह को मुणह, गोल्हण साह इणी परि भणह ।
पातिसाहनी बेटी जेन, ते वर मागह बीरमदेन ॥ १२०
जासह कटक आपणह ठामि, गूजराति आपसह अनामि ।
करि वीवाह मनि आणी रुली, छपन कोडि घन देसह बली ॥ १३१

१२८ पारिस्ताइ-पारतसार A B H, पातसाई 0, पातशाह 4, पातिपाइ L. बेकड्-बोलि B H, OD J. परि-पारि कीपी O D, परि करी J H transp as परि बोलि, बेसि-विमि L कावर-जा H J. काल्युक्टे-कान्द्रके A O JK, काह्तिक्ट H, कार्युक्टे D, क्यां -पानि D. A repeats the ii Qr. कुंबरी-कुर्स A, कूपरि B, कुंसारि O, कुंपरि D, कुंसरि H, कुंसरि K, कुंसर L. जाहरव-ताहर्ष A, ताहर BOD J, काल्युक्ट C, काह्ति H, कोहर A, हाहर BOD J, किसी C D H, किसी J L, किस C A, काहत्तक D, काहत्त H, कोहर A, काहत्त B, ककिस J L, किसी C D H, किसी J L, किस K, काहत्तक D, काहत्त H, कोहर A, काहत्तक B, ककिस D J B, किसी J L, किसे K, कीहर क-विकार B, किसी C D H, किसी S K, कीहर B, कहर B D H J, कर B, क

१२९ जड-जा B, जु O D H, जो L, कान्यहर्ष-काशानर B, काहनदर D, कोहांत H, कोन्यहर्ष J, कान्दर K, हानदर L, बोल-जोलिंड H, कोन्दर्य J, बोल्ड R, K, मानदर E, मानदि C D, मानदि H J, मोनदिस K, मानदि B, सन्तर्य A, चेतन्दे B D, ते प्र पु G B, दि E, स्थान्ये दे L, केरे के B O H, वेर्ड, J, वेरेलर L के - A, के D, जा H. जुल-मुंति B O, सुष्प L. मानव्य E, मानदि C D, मानदि B O, H, मानदि D, मानदि E, मानदि E, मानदि B O H, मानदि B, मानदि

१३० समा—सुना म. छुना म., छुना म. साहि—साहि क स. सहू—सहु D स. सहूह म. सहूं प्त. को-कोई B K, को यम O. सुणह्- सुनिह B, सुनि D J, सृनि म. गुणह् प. गोव्हण-तिस गोव्हण O, गोहरूण D, गोव्हाल्य म., गेल्हण J, गोल्य D. साह—सह स. हुणी—रूप A, हुणी B D, एणी म. ते हुणी J. स्वयह— सिन्ह O B, भण्ड O, भाणे J. पालिसाहनी—पातसाहनी A B O D H, पातशाहनी J, पालिसाहिनी L. लेक्ट— केह O B, जेव D L. iv Qr in B reads: बीरमंदे परणानु तेह. ते—तेव L. सानाह—सानि D J, मांगह K L. बीरमंदेड—बीरमंदेय O L, वीरमंदे D, शीरमंदेश म.

१३१ जासक्-जासि B O H J, जासि D, जासक् K, जासे L. आपकाक्-आपणि B D H J. ठासि-ठामि B O J. गुक्कासि-गुक्रात A B, गुक्काति O J L, गुक्कात K. आपसक्-आपसि B O H J, आपसिट D, आपस्य K, आपसी L. कवासि-सनाम A, कानोमि H J, इनोमि L. करि-करी D H, कर B. वीवाक्-वीवा L. आपणी-आणे A, आणि O, आणु D, आपणि H, आणि J, आणे K, आपकार L. करी-रकी D H K. कवन-कप्पन B D, क्प्पल O. वेसक्-वेसि B H J, वेसि O, वेसिट D, वेस्स K, वेसी L. बोरिज बीरमदे मिन इसी, पातिसाहि परि मांडी इसी। पातिसाहनज इस्वज निवेस, इणि परि मांडी जीजइ देस॥ १३२ निवे देस्युं वेवादी मान, नही आवइ तुरकांणइ जान। मेरु सिक्र जज बूटी पडड़, चाहुआण चजरी निवे चडहा॥१३३ हायेवालइ हाथ निवे घडं, नही बहुस्ं जिमण माहिरूं। चाहुआणनजं कुल निकलंक, जिस्चज पूनिम तणज मयंक॥१३४ स्रिज तणइ वंसि हुं आज, वडा पुरुषनि नांणूं लाज। गोल्हण तुं मिन इंपिसि आल, हिव लाजइ माहरूं मुहुसाल॥१३५

१३२ बोलिड-बोल्ड A, बोलि C, बोल्यउ K L. पालिसाहि-पातसाह A D H, पातसाहि B C, पातशाह J, पातिसाह K हूसी-तियी L, कसी H पालिसाह-पातसाह A D H, पातशाह J, पातिसाह K, पातिसाहि L. नद-मु B C D J हस्पड-रहा A B, इसिउ C D H, स्पउ J, एह K, इसउ L. निवेस-निवेसि L, नवेसि H. हमी-प् A B H K, एह C, एणि D, इह J. स्ट्रीजब्-लीभा A B H L, लीजि J, लीज्यह K. देस-देश B J, देशि L.

देश द्वायेबाखर-दार्थ हाण स. हथेबालि B. हाथेबालि C H. र्रा हाथेबाल D. हिंपे लेल S. द ताय-नेलि A. हाथ-नेलि A. हथे D. स. प्रस्ट-माई C D. स. प्रस्ट D. किस्प, उसे C D. स. स. प्रस्ट D. किस्प D. किस्प, असे D. माई C D. स. माई C D. स.

१३५ स्प्रिक-र्यं BODJL, स्र्जि H वणाइ-तण B,...0, तिथि JH बंस्सि-वंश B, वंशी O, वंशि DK, वंशि H, वंसि L B transp Bs स्पर्य वंश त सु, वंहि B, हुवा O, हु D, हु H, होइ L, बदा-ववां A HJK. पुक्वलि-पुरावि A, पुराव ति D, पुराव ति B, पुराव ति L, वांचूं-वां A HJK, पुराव ति B, पांचूं D, सांचूं D, सांचूं D, सांचूं D, सांचूं D, सांचूं D, सांचूं D, तें लांचूं D, तें लांचूं D, वांचूं D, वेंचूं D, तें प्रित D, सांचूं D, प्रतावि B B D J, हविंद D. B transp As सांदूरं D, सुक्षां D, प्रतावि B, लांचि C, सांचूं D, सांचूं D D J, सांचूं D, सा

कुंबर घणी मनि आणह रीस, ठाजह राजकुकी छत्रीस ।
एकवीस जे पृथवी राज, तिहां नीर उतरह आज ॥
१२६
ठाजह राजगीत्र अहिठाण, ठाजह चाचिगरे चहुआण ।
हूं तां नहीं विटालूं आप, हिव ठाजह काम्हडदे बाप ॥
१२७
गोस्हण तुं मिन निश्चउ जाणि, इसी वात निव सुणी पुराणि ।
कृंअरि वात विमासी कही, आगह हुई न होसह नहीं ॥
१२०
अमृत हाथ थकूं फिम डोठीह, भहर काल मरह सह को हा ॥
१२९
जनम मरणना असुर मांहि, आची पाछी घडी न थाह ।
चाहुआण नवि मूंकह माण, रुठउ किस्यूं करह सुरताण ॥

१३६ कुंघर-कुआर 0, कुआर 14, कुंआर 1, कुंआर 16, कुंगा कुमर 12 वणी - 12 आगणाइ-आणी 13 0 H 1, आगणाइ-आणी 13 0 H 1, आगणाइ-आणी 13 16, काजाइ-आगणाइ 18, काजाइ 18, काजाइ-आगणाइ 18, काजाइ 18, काजाइ-आगणाइ 18, काजाइ 18, काजा

१३७ जाजह-लाजि В СН Ј राजगोत्र-राजागोत्र A, गोत्रराज L, बहिदाण-अहिदाण A D H J K. छाजह-लाजिह B, लाजि О Н Ј चाचिगदे-चाचगदे В О Н Ј L. चहुमाण-चाहुयाण A, चहुमाण B, चहुमाण L, हूं-हुँ A L, हु स. तो-ता О Н, तुं L. बही-जह B, नहीं D K. सिटाल्ट्रं चिटालं B K, चटालुं O D, चटालूं H, सिटाल्ट्रं L, हिंच-हॉर्वे B, हिंचे С Н Ј, हिंबें E, हिंचें C H J, हिंबें E, हिंचें C H J, हों है L. जाड़ें च से छाजह-लाजिंद B, लाजि О Н Ј, लाजहं L काम्ब्वदे-चान्त्रें A, काहनवदे D, काहोनवदे H, कोन्वदेदे K.

१३८ गोव्हण-गोलग प्र, गोहोलग म प्रं-त्रं प्र मिन-मन प्रस्त निश्वड-निसच्च A, निश्वड, O D, निस्यु J, निश्वह K. जाणि-जाणि D J K. इसी-दिंग D निश्च- A L. सुणी-द्युणीह A, सुणीह O J, स्णी म, द्युणीयह L. पुराणी-जाणि A, पुराणि O, पुराणि म, पुराणि प्रस्त, पुराण प्र. क्रूंबरि-कुर्योर A, इंबरि B, कुंबरि O K, इंबर D, कुलीह म, इंकर L. बाल-चीत D. विमासी-सासी म, वर्णवी J. क्रूंबरि-कहीं B. बामाह-जाणि B O B, जाणिह D, नियं J, हुईं-हुटं A, होंड म, होंर J. निने स J. होसाइ-होसि B O D स J, होस्स K. नहीं-नहीं B, वजी स. L reads iv qr as: इसी बात तब बोलह रहित

१३९ द्वाय-हाथि BODJ. यर्कु-थिकुं BDJ, यर्कु-0 ह, तु H, सिर्ज L. किस-नहीं B,...0, निर्व H L. दोलीकु-डोलीई D, डोलिस्ट ंह, डोलीस्ट L. सब्दू-सिर्ज ABDHL, आ सव 0, एकि सिर्व J, सब्द E, सब-भित्र ABDHL, आ सव 0, एकि सिर्व J, सब्द E, स्व-भित्र ABDHL, सह 0, से सिर्ज सि, स्व-मित्र सि, स्व-भित्र सि, सि, किस-नहीं B,... J, आप L. बोलीकु-नोलीट द, बोलिक्ट से लोलिस्ट L. गोलिक्ट —गोलिस्ट H, गोलिस E. विसासी-विसासि D, सिर्माची J. औद्द —जोत 0, पूरद -पृटि BOH, पृटिड J. काल-कॉलि B, कालि 0DHJ. सस्व-मिर्ट B, मिर 0J. सकू-दिव L कोइ-कोव DJ, कोई H.

१४० जनस-जन्म Вор L. सरणना-सरणनां K. बाहर-अण्यार K, श्रीक्षर L. स्रीहि-साहि å D. बही-स्त्रीक्ष J, बात L. ब-निय D. बाह्-बाहं O, जाह D K, बाय J. बाहुमाण-वाहुनाण A, बहुनाण B, बहुभाण D B, बहुलाण J, बाहुआंण K, बाहुआंण L. स्रेक्ट्-एस्ट À L. स्रीक्ष B J, स्रेक्ट O, स्रुक्ति B. स्त्राण-पीण O B H J K. क्ट्ड-स्टिंट B, स्टट O, स्टटें D, स्टिंट J. किट्सूं-किस्र्ं À, किस्रं B, किर्सु O K, क्सेंसर B, किर्सु J, केसरे L. करह-स्टास्ट À, करहा B, कीर O H J, करहें L. सुरशण-सुरतांण O D J K, स्रुरशांण B, स्त्रीराण L, मुंग कोरी मांहि रहह सदैव, कर्म न छूटह तनही जीव । कीथां कर्म सह पामसह, पांचमि सिरिज छठि नवि हुसह ॥ १४१ आबी छाज हुउं अपमान, बोछ न मान्यवं विष्ठ प्रधान । कटक मांहि जई कीधवं जाण, गोव्हण तेडावित सुरताणि ॥ १४२ गोव्हण भणह पातिसाह सुणत, मानह नहीं बोछ आपणत । साम दाम विधि च्यारि उपाय, महं संभाव्यत सहंभरिनत राय॥१४३ महं बोछीया बोछ गंभीर, राय भणह तुम्हे पूछत बीर । छोभ तणी परि महं सवि कही, बीरम बोछ सांभछह नहीं ॥ १४४

१६२ साथी-आंबी L. काझ-लाल B. हुर्च-हुत B K. हुर्च D, हुत्त H. होऊ J, हुत L. अप्रमाल-उपमांत A D, अभिमाल B, उपमाल O L. (ख), अप्रमाल B K. साम्यर्ड-मांत्र्य A, साह B, सांतित C, मार्त्र D, मांत्र्य J, मांत्र्य J, मांत्र्य E, मार्त्र्य L. बिल्ड-न्दार Q, त्र्ल्य D H. वर्ष्य E, वर्ष्य L. प्रयाल-प्रयांत B J K. सांदि-माहि A K L. जई-जइ H, जीई L. कीवर्ड-कीर्य B J, कीवुं C D H K, कीवा L. जाण-जांग O D H J K, जांगि L. सोबह्य-मोहल्ल H, सिल्य C नेहासिक-तेहास्त्र D J, तेहास्त्र B, सीच पूछा L. सुरक्षांत्र-सुराताणि B, सुरतांगि D स, सुरतांगि B, सुरतांगि D B, सुरतांगि E, सुरतांगि B, सुरतांगि B, सुरतांगि B

१४६ गोवहण-गोहण ह, गोहळा О Н. सणह-भिण В С Н Ј, अह D, कहह L. पारिसाह-पातसाह A D H, पातसाह J, पारिसाह L E, स्वाप्त - अप्र B D H J, खेषु D, हुणर्ज L. सानह्-मातह A E K, माति В, मानु U, माति H, माति में स्वाप्त में स्वाप्त में स्वाप्त में स्वाप्त में स्वाप्त में स्वाप्त में सामदान-सामदाम-दासदाम - प्रास्त में सामदान B, स्वाप्त में सामदान H, सामदा L. विक्रे-विष H, विष L, स्वाप्त में सामदान - प्राप्त में सामदान B, सामदान B, सामदान D, प्रकार J, पाउ L. माई-मह A D H K, मि B, मि D J, मी E, स्वाप्त स्वाप्त सामदान B, सामदान D, स्वाप्त में सामदान B H B D J, मी E, स्वाप्त सामदान सामदान सामदान प्राप्त सामदान सामदान सामदान प्राप्त सामदान सामदान सामदान प्राप्त सामदान साम

१४४ मई-सि B, सि O H J, मह K L. बोलीया-बोल्या छह A, बोलिया B, बोलीया H K, बोल्या J, बोल्या L, सण्यह-मि B O H J, तुम्हे-तोहो B, तहा H, जहे J, तुम्ह K, तुस्हि L. पूछ्य-पृष्ठित B, पृषु O D, पुखे H, पृष्ट्य K हणी-ताही J, महं-सह K K L, सि B O, सि H J, सिल-वित H. H transp as सि सि; J transp as सि सि; J transp as सि सह, कही-कही B, iv qr in C reads: ईम्पर बीरल ते निर्मे कही. कीस्स-वीरले D K L, बीरलोहों J, स्रोच्छ मुन्ताविह B, सोसह H, सोस्सि L, मांचु J, सोसह L, सोस्सि L, मांचु J, सोसह L, सोस्सि L, मांचु J, सोसह L, सीलाहे L, मांचु J, सोसह L, सीलाहे L, मांचु J, सोसह L, सीलाहे L,

भव आपणड चिति निव घरह, चाहुआण बीवाह निव करह । इसी वात बोल्ड परधान, मछरीक मोटलं अभिमान ॥ १४५ हुई हु रोस पातिसाहि घरिज, चाहुआणस्ं हुट आदरिज । दल ऊपच्यां राडद्रह ययां, जांगी ढोल दमामां दीयां ॥ १४६ बापडुद्रि आच्या सुरताण, बीजह दिनि गोअलि मेस्हाण । तरूअर छांहि निरमला नीर, आज्यां दल सुंदरला तीर ॥ १४७ करी वालि बांच्या केकाण, पालह दीघां मयगल ठाण । ठामि ठामि फोल राहबी, भला काठगढ पाई नवी॥ १४८

१४५ सब -बोल A, शु B H, कहिंउ L बापणड - श्रीपणउ A K, श्रापणु B C H J, श्रापणु D, श्रापणड L. विति -विति A, विति D, चेति H, चीति K, चिति L, घरइ -चिरि B, धरि H J, चाहुलाण -वाहुवाण A, चहुलाण B, चाहुलाण E, बीबाइ -जो नीवाइ C, विद्वा D. निल्ताही A, निहि D, करइ - काहिंद B, करि H J, इसी-अनी C, इनीय L, बोल्ड -बोलि B C H, कही J. पश्चान-प्रधान A C H K, प्रधान D, प्रधान J, परिवान L. सोटर्ड -मोर्ट A, मोटु B C H, मोर्टु D, सोटल J K L. बालिसाल-अमिसाल A D H J K L.

१४६ वर्षेत्र-वीह A, देह B, हरेहें D, दूरह म, दियह K, हीयह L. पातिसाहि-पातसाहि A C B, पातासा B, पातसाह D, पातसाह J, पातसाह E, पातसाह E,

१४७ बायद्वदि—वापलग्रह A, बायद्वित 0, आप रद्वित 1, बायद्वित ग्र. राहस्तह L. बाल्यव— आख्यु A J, आसित B H. सुरवाण-सुरताण 0 ह, सुरतांण म. सरतांण J, ध्रुतिताण L. बीव्यू—बीव्य В O D H J, सैक्टि—दिन D H J म., ... L. बोव्यिट—सोक्टि B J, बोर्ड D D H E, दोवर्च वर्षी पा. सेब्ह्याल—मेद्दाण B, मेहलाण 0, मेहलांण D H, मेलहांण J. वस्त्र्याल—तस्त्रण A, तस्त्र्यात B, तस्त्रण 0 H, तस्त्र्या J, क्विट—साथा B, ध्रेद्दर्ग C, छांदि D, छांदि H, छांद E, छांद L. सिरस्या—निरम्लेद A, निर्मेल B D, निरम्ल O H J. बीर—नीरि A J. साथ्या दल—जांवा वाली B, आय्वा दल L. ध्रेद्दरका—से्त्रला A, ध्रुर B, विदला O, ध्रुरत्या म, सरत्यां J, ते द्वारा L तीर—तीरि A H, वीर O.

१४८ वालि-वालि D, वांल K, केंद्र करवाल L. बांच्या-वाचा A, वांच्या D J, याया L. केळाव-केळांव O D H K. पाक्यू-पायलि A, पार्लि B D, पालि O H J. दीर्घा-चैया A, चैया O K L, चैठा D. स्वयस्थ-सेगल A H, सदाल L. काज-सेरहाण A, ठांण D H J K. रास्ति रास्ति - रासि ट L , ठांसि ठांसि B O J, ठांसि २ D K. कोच-चुंद्र है, एवंच K. राष्ट्यी-रहायी A H, रहायीं ट J, ते चरी L. सका-भल H. क्रस्ताव-क्रक पांति B, वार्य-याही B, वाद स. वयी-करी L. असपितदल निव लागइ पार, पाषिक फिरतां कोस अदार । पाससाई। दल दीठनं जिसह, रानिक गढ सिणगारिन तिसइ॥१४९ पहकूल मेघवकां कह्यां, कोठह कोठह विमणां धह्यां। १५० पर्त्तजित चंद्रुआ थिकां, दीसह मोतीनां ह्यंबणं॥ १५० उपित वली विकलसां वणां, इकलत दीसह सोना तणां। तारा तणां किरणस्ं मिलह, कोसीसे दीवा झलहलह ॥ १५१ गीत गान सांभलीइ घणां, कोठह कोठह हुइ पेषणां। को वर्णवी न जाणह मान, जेहतुं इंद्र तणनं विमान॥ १५२

॥ राग अंदोला धन्यासी॥

लंक त्रिकूट सिरीपडउ रे, गोरीअडे गढ दीठ। कनकसकोमल फुदडी ए, विचि विचि रतन बईट॥ १५३

१७९ श्रासपति-असपतिनां B. निष-न B लामब् -लामि BO J, लिम H पावलि -पावलं D, पावल L, फिरारो-फिरता O H L, फरता D. कोस-कोश O पालसाही-पातसाह A, पातसाह B H, पानसाह J, पातिसाह K, पातिसाह L सैंघड-पीर्ट् B J, बीठां O, सैंड D, सैंड टें B J, बित्त O, बिल्याही-पातसाह J, स्वार्ट म L किसस्-वित्तिह B J, जिसे O, किस्त D, लासई H. शाडलि-राजल H J L सीरणामीड-तिशयाहे B, सवागीदेउ D, सिव्यामाह्य D, शावगारिउ J, सिव्यामाह्य B, सिव्या

१५० पहरूक - पटकूल D H L. नेषवचां— मेणवना B D J, मेणवचा O, मेणवंता H, मेणवंता K, मेणवंता L. क्यां—किरती B J, कवा O K, करिया H, पच्चा L कोट्स कोटस—कोटि र B, कोट र DL, कोटस्र र D, कोटस्र कोटसिंह र D, कोटस्र कोटमा C अस्पना—साहत्य B, सिर्माण O K, वमणां D, वस्तणां L, वमणां L चर्चा—करियों B J, पच्चा O K L, कमी L. राजवित—राजवित B J, राजवित O H, राजवित J, राजवित L क्यां—कर्मा—विद्वं पासि B , वेद्या O, वेद्या D, वद्या L विका—पिका A, यका O H L, जच्चा J. स्वान्त्य-विद्वं पासि B , वेद्या O, वेद्या D, वद्या L विका—पिका A, यका O H L, जच्चा J. स्वान्त्य-विद्वं पासि B , देवसा O H J, मोतीना—मोतीना H, मोती J , क्षंत्रपं—स्वयां A B, हंत्रका O L, हंत्र-र र को D, हर्स्तक B, हंस्त्रण रच्चा J.

१५१ त्रिकळसां-त्रिकलसा C L. वर्णा-पणा O L. सरकस्त-सल्प्रति B K. दीस्त्यू-दीसि B O H J. सोना-दोगों B D K. वर्णा-त्यणा O, पणो K. तारा-द्र्ये K. वर्णा-तणा O H. तणे J. किरणस्-किरणस्ट्रे B D, किरणपुं O, करणपुं O H. किरणद्रं J. किरणां B K. सिख्यू-मिलिट्र B, सिल्ले O J. सिले H. कोसीसे-चेत्रीसि B, दीवा-चैता K. सम्बद्धक्-सन्दर्शिट B, सन्दर्शिट B J. III-IV qrs III L are टामि २ हुइ पेषण । कोसीसे ते बीचा बल्द । उत्परि एकी ज्यां उद्धक्ता

्षेत्र गाम-गान ABDHJK. सांभाजीह-सामजीई D, सामाजियह K. कोटक् कोटक् कोटक् र A, कोटि र BD, कोटे र O, कोटि कोटि HJ हुए-हुई B, निद्र हुए O, हुई D, होर J, हुइ K. को-कोर्ट D, किटी J, वालावी - गांवा B, वालावी J, वालावि - वालावी J, वालावि - वालावि BJ, वालावि - वालावि BJ, वालावि - वालावि BJ, वालावि - वालावि

९५३ शान-गीत। राग ४८४ स. अंदोका-धवरु ध. अंदोसा J. अदोल ध. धन्यासी-......., धन्यासी अवस् अदोल गीत L. र्डफ-स्कि B. त्रिक्ट-त्रिर B. त्रकूट ध. सिरीवकड-विरोधड उ. ४, सरीवह B D, सरीवहां ए

तरछ त्रिकलसां झलहलइ रे, घज घरीइ विसाल ।	
रचीइ चंद्रुआ चउफला ए, मांहि मोतीयडे जाल ॥	१५४
पंचवर्ण पटेंज्ञडां ए, रचीइ परीयक्रि चंग ।	
धवल धउलहर पेषीइ ए, विचि विचि चित्र सुरंग ॥	१५५
पंचदाब्द हुइ पेषणां ए, नाचइ नाटिकपात्र ।	
गीतसंगीत सळूणडां ए, सुणीइ स्वर सात ॥	१५६
कान्हमेरि कोठा घणा ए, दीसइ दीपकमाल।	
चाहूआण चामर ढलइ ए, कान्हडदे कुलपाल ॥	१५७

॥ चउपई ॥

पातसाह मनि अचिरज भयउ, कमालदीन ते<mark>डी पूछीयउ।</mark> आगड श्रृष्टि सुणीड बि बार, वली श्रृष्टि सी त्रीजी वार॥ १५८

H. सिरीबड़ J. सरीबड़े K. सरीबो रे L. नोरीकड़े नगीरीब B, गोरीबड़े D, गोरबीए H, गोरीबड़े J L. दीड़— रीठड L. कूरबी ए -फूलबी ए A. फुटबी रे B. फुटबी रे D. कुटबी रे J. पुरेखी ए K. सीयल L. सिथि लियि— विचि २ B, विचि २ D K L. विच H. लाइ रे J. राज्य—का B D J. वॉ्ट —बाइठ B H K, वइटडे L. C MS omits the entire song ,i e vss 158—157.

१५५ तरळ-कनक D J, निरमल K. त्रिकलसां - त्रिकलसां A, निकलसां L. सळहळाडू रे-सल्हिल ऐ ह, सळहिल रे J, सळहळाटू L धरीब्र - धरीब्र - धरीब B, धरीक्ष H, स्त्री K, फरहर L. विश्वाक-विशाल ह J, खिलाक D. रचीब्र - स्वीता B, रचीब D L, रची H, रिवेर्ड K. चंद्रका-चंद्रता B, चंड्रला D K, चरीब्रा L, चंड्रका - चुकलां A B H, चुकलां D मांब्रि-माहि A B K. मोतीबर्च - मोतीबर्च A, मोतीबरा B, मोतिबं D, मोतीबर्ग B, मोतीबर्ग B.

१५५ पंच्यली-पंचरण म. पटडलडों ए em-पटोलडों A, एडलडों ए B, एडलडों ए D, एडलडों ए D, पड्लडों ए D, पडलें हो स्पिद्धिक प्रियोणिक ED, परिलोणी में प्राप्तिक ED, परिलोणी में प्राप्तिक ED, परिलोणी में प्राप्तिक ED, परिलोणी में प्राप्तिक स्वाप्तिक स्वाप्

१५६ पंचावस्य-पंचात्रस्य म J L. हृष्य-हुई D, हु म, होइ J पेवणां-पेवणा H K L. प्-रे म,.. L. माच्यू-माणि B H J बारिक-नाटक A K. सहरणारी em-सहदर्श A, तोहामणा B, सर्वेणारी D म, सद्धरणा J, सर्वेणारा K, रसाहद्या L. प्-रे H. सुणीय्-मणीर H, हाविष्यई K, हाणीय् E L. स्वर-जे स्वर B, सस्वर D, सस्वर J, ते सवि L. साव-सार D, हानित म, सावि J L.

१५७ कान्युमेरि-कान्द्रबमेर A, बहुमेरि B, कान्युमेर D, कांडानमोर H, कनकमेरि L. कोडा-कोटां B. बणा-चणां B. दीसब्द-पिरि B H J, दीरी D. बाहुबाध्या-चाहुयाण A, नद्दायाणी B, नद्दाश्याण H J, नद्दाशाण H J, नद्दाशाण K, नादुक्याप A, कान्युबने E, मान्युबने मान्युबने कि B H J, प्र-रे V, कान्युबने कान्युबन, कांड्रान्ये H, कान्युबेर K, कान्युबने L. कुक्यपाल-कुर्याण D, कुरपाल H, कुंत्रपाल J, कुंत्रपाल E, सविवाल L.

१५८ चडपई-हिन चउपइ ब्हीह छह ৯, जुपै B J,.. 0, जुपहै: D, जुपह H, बोपही L. पाताबाहु-पातशाह J, पातिसाह K, पातिसाह L. ब्राविस्थ-अवरिज O K, अबिरत D H, अवदिख L. संघड-भंड Å, मंतु B O D H J, असो L. बनावहीन-बनाव्यी B, कामळाहे L. पूर्णीवड em-पूर्णीड षंदह इसी करी अरदास, इणि गढि राउलन छह वास ।
विसमन गढ विसमा झूझार, ऊपारे विसमा पोल पगार ॥ १५९
इसत बोल जब बंदह कहित, पातसाहि तिर कंपावित ।
मालदेव नह बीरमदेत, रातीबाहि ऊतारिया बेत ॥ १६०
बाई बूरि घणे विनाणि, काठ तणत गढ भांजित प्राणि ।
एकह रातिह तुरकां तणा मृगल बचा बारसह हण्या ॥ १६१
निति काठगढ बाई करह, रातीबाहि निति ऊतरह ।
दीहह तुरक करह जेतल्लं, नितु हींदू भांजह तेतल्लं॥ १६२

Авн л, युकीयुं р, पुख्यिय к, पुख्यि L. आराम्-आगि вснл. आर्थ-सिंध घर, ओर н. स. सुणीम्-सुणी во, ग्रामित् р, सुणी н, ग्रुणी т. कि बार-कि स्यारि ह, वे बार ए, वी चार р, विचार к, वे बारे т. क्की-नवी внл, विकार आर्थ-स्टार во, ओर врк, ओर т. सी-ए л, युं ए,... स, को т.

१५९ संबद्-शंदु A, बंदि BOHJ, बंदह KL. इसी-असी BH, सी J. करी-करह A, कही L. कररा-अरदाति A, दरदास D. इसि-इस A, इंसी BJ, इसि D, इंग्रह D, एर्फेस H, इस्प्रह K. राज्ञकान्द-राज्ञ स्ताप्त A, राज्ज्व BDHJ. क्ष्य सास-निवास A, कि बास B, ए बास O, बास J K लिसस्य-विससु BOD, सिसमि HJ, विससुत L. करि-प्रति BOD, सिसमि HJ, विससुत L. करि-प्रति L. करि- चर्मार DHH HJ, प्राप्ति L. करि- चर्मार DHH HJ,

१६० इसव-स्तु A म, इसिव B 0, इस्तुं D, इश्च J, इसर्ज L बोख-चोल K. H Ms ends here. कब-तव J. बंबह् -बी B 0 J, वंदर K. कब्रिक-च्यूं D, करिव J, कश्च K, कब्रिके L. वासलाहि-पातदाह B D, पातवाह J, पातिवाह K, पातिवाहि L. सिर-चिर 0, तर D, तर J, सिर है. कंपाबिब-कंपाब्यु B, कंपाबीं ठ D, कंपाबीं ठ D J, कंपाबिव E, कंपाबिय L साळवेब-माळदेउ O, साळते D, साळते दे L स्वाच्य B D, सीर सिर है B, वीरावेब L. सालीबाहि em—रातीराहि A, रातीबाह B K, रातीबाह B K, रातीबाह E L. कळतिथा—ऊताबा A J, उत्तका O, ऊत्तबा D K L, केद-चेव B L, चेक. प्रे केद प्रदेश B D, क्षा केदि केदि चार प्रतिवाह D, रातीबाह B, क्षावा D, स्वाचा D, स्वचा D, स्

१६१ वाह्र-काढी 1. ब्र्री-तरी J, ब्रुरी L. बरो-यित BO, वजड L. विनाणि-विश्वाणि A, विश्वाणि O, एरामि J, विनाणि E, विनाण L. वण्ड-रामि B, तखु O D,...J. गड-गढि B. स्रांकिड-सांज्यु D, सांजीड J, अंजियड K, आंज्यो L. प्राणि-प्रांमि O D K, विनाणि J L Omits 145 b. एकह्-एक् A O, एक्टि B, एक्ट् D, एक्ट D,

१६२ क्रिकि-निता A. K. नित्त D. कराइ —क्षिर B. कर्स D, कराई D, वाले J. रातीवाहि-रातीवाई O, रातीवाह C. क्षित-निति A. नित्त अ D D. निता K. कारण्य-जातिह B. उतारि O, उतारि C. कराइ टि. कराइ D. ताल कराइ -क्षाइ B. उतारि O, उतारि O, कराइ D. ताल प्रतासि B. उतारि O, कराइ D. कराइ -क्षाइ B. कराइ -क्षाइ B. उतारि O, कराइ D. कराइ -क्षाइ -क्षाइ

तुरके हीटू नवि आंगम्या, सात दिहाहा ईणि परि गम्या । पातसाह ईणि परि भणइ, कवन सवे सीताई सुणइ ॥ १९३ आधी राति देवकीनंद, स्वपन मांहि दीठा गोविंद । शंप चक्र छड़ करि हरि तणइ, पीळां पट्टकूळ पहिरणइ ॥ १६४ माथइ मोरपीछनी घडी, काने ळोळि रक्तसं जडी । १६४ माथइ मोरपीछनी घडी, काने ळोळि रक्तसं जडी । १६५ चित्र तणजं सामळं सरीर, किट मेपळा शब्द गंभीर ॥ १६५ चित्र मांहि हिव निश्चय घरिज, सावज बोळ हुउ ताहरउ । कान्हडदेवि भगति आदरी, ततिषण तुठी आसापुरी ॥ १६६ कोळाहळ संभन्यज अपार, कटक मांहि इठ अंगार ।

१६६ होतू-होतू B D, हिंदू C. आंगरबा-आंगम्यां L. विहाडा-बीहाडा A D, वरस K. हेणि-हणि B L, इणी C, हेणी D, हेणी J K पालसाह-पातवाह J, पातिसाह K, पातिसाहि L हेणि-राणी A K L, राणी B, इणी C, हेणी J परि-प्रति A B K L अगह-अगिड B, अगि J. कथव-करवन A. सुणह-सुलिह B, सुन्नि J, इणाह L

१६४ आणी राति—आचा रातर ह. देवकीनंद-देवकिनंद D, केम्कीनंद L स्वपन-स्वप्न  $\Delta$  B O, सपन D, grow L, माहि—.  $\Delta$  माहि B, मिल्न O, माहि E, दीठा—देवर  $\Delta$ , आव्या O, बीठउ J L, बीठ L, मोर्बिद—। मोर्बिद — गोर्बिद L, रावि—शंव O, संव L, बक—वक L खह—ि B D O, अछि J. कि हि—हि दि से B, हि J तण्यु—तिश्व D, तण्यु C D, ताति J बीको—पीला B D L, पीली D. पहण्डळ—पटलूल  $\Delta$  L. पाहि—राज्यु D0 हि D1 पहण्डळ—पटलूल  $\Delta$  L0 पाहि—पर्याद्व—पहि—पित्र D1 पहण्डळ—पटलूल  $\Delta$  D2 पाहि—पर्याद्व—पहि—पित्र D3 पहिंचि D3 पहण्डळ—पटलूल D4 प्रावि—पर्याद्व—पहिंचि D5 प्रावि—पर्याद्व—पित्र D5 प्रावि—पर्याद्व—पराद्व—पर्याद्व—पर्याद्व—पर्याद्व—पर्याद्व—पर्याद्व—पराद्व—पर्याद्व—पर्याद्व—पराद्व—पर्याद्व—पराद्व—पर्याद्व—पर्याद्व—पर्याद्व—पर्याद्व—पर्याद्व—पर्याद्व—पर्याद्व—पर्याद्व—पर्याद्य—पर्याद्व—पर्याद्व—पर्याद्व—पर्याद्व—पर्याद्व—पर्याद्व—पर्याद्व—

१६५ सायह—साथि BOJ पीछनी - थिंछनी A, पिछनी B, पिरूछनी O, पीछनी E. धर्षी—छत्ती L, धर्षी— धर्मी AOD E. कोकि - होति A, कोल OD E, कालि J, कुंडल L. हबर्ष—रूल सिउं O, रक्कां, J, रूलई E, हिरे L. B transp as रल कोलिखं. जणारं-नाणुं BJ, तणुं CD, तणार E, येह L. सामार्ख्ं—सामार्खं O, सामारुं D, तामार्ख्ं J, सामारुं E, दमामार्था L. सरीर - शरीर BOD J. कारि सेवच्छा—कटिंदि मेपला O, कटी मेपला D E, कटि मेखला J, कट मेपला L सारुर्य-शयद J, सपद L. गंभीर-गीमीर A J.

१६६ विच-चिति B, चित D, चिति K. माहि-माहि A L. हिव-हीर A, हिवि B, हिवे O J, न हीचे D, मित्र B, निक्रम-निवड A, निवि B, निते D, निर्मु J, संका K. घरिड-चर्च O D, घर J, घरउ K, घरउ L. साच्य-साचे B, साचु O J, साचू D, साचू L. सोळ-साच्य बोल A हुउ-...A, संबे B, सहू O, हिसे J, हुँउ L. ताहर उ-ताहर B D J L, ताहर O, ताहर उ- K. कान्वरदेचि-कान्यरचेचे A, कान्यरचे D L, कान्यरचे R A माहि-भक्ति A B O L. तविचय-तिविण A, ततिविण B D J, तत्वरण O, तत्विण L. चुठी-दुठी D. मासापुरी-माधापुरी B J, आसापुरी O L, आस्पापुरी D.

१६७ सांमक्यब-सांमलित A B, सांमलु O, सांमल्यू D, सांमलि J. बवस-असारि L. सांहि-...A, साहि D स. बृद्धब-सुद्ध B, दूढ़ो O, दूढ़ा J, सुधा L. अंगस-असारि L. A B K omit vs 167 b, साहि सह-सह ते D. वपीर्क om-वपीर्व D, दुर्शकं J, दुर्क-हुउं D, वर्ष J, बोक्ट्-बोका D. सालस em-सांह सह-सह ते D. वपीर्क om-वपीर्व D, दुर्क J, O reads as 167 b: सांगस वोबा जर हासीका तेह सवे कवि किया बया; L reads as 167 b: देवचरित्र नहीं कद्वपार जाह अबस्थान खेळाहक कहा.

## ।। दूहा ।।

पुण्य तणाउं ए पारचूं, जे दिन रूडइ जाइ। पदमनाभ पंडित भणइ, तउ सुर किंकर थाइ॥ १९८ इय गय सुहड सारथ सवि, जड मदि माता होइ। नीर पवन पावक तणी झड नवि झाळइ तोइ॥ १९९

॥ चउपई ॥

उलकापात हुउ विकराल, विषम धूम धूंधूइ विराल । चिलंड कटक छांडिंड मेल्हाण, ढीली भणी चाल्यउ सुरताण ॥ १७० सोनगिरि जु छांब्यु घाट, चली मोकलिंड गोल्हण भाट । भाट भणइ राउल इम जाणि, वीरमदे तेडिंड सुरताणि ॥ १७१ बीवाह तणी न करसि वात, करी मेल देसह गूजरात । कान्हडदे अवगुणना करी, गोल्हण साह आविड ऊतरी ॥ १७२

्रेश्ट बृद्धा-तुहा D, बृह् K पुण्य-तुष्य A, यून्य L लगड-तर्णू B J, तर्णु O D K प्-जे L. पारर्थू-पार्लु A, पारितु C K, पारत्यों L. जो-जड A. रूडरू-रूडा B, विट C, रुट्ट D, रुट्ट J, रुट L. जाह-जाई o, जाय J. पदसमास-पदानास B J, पदसनामि K, पदानि L. सण्यक्-मणिह B, भिल J, भारत्य J, रुट्ट ट, रुट्ट ट, उट-टु B,... J K, तुख C, तह D, ता L. सुर-तुर ते J, सुरनर K, उरि L. थाह-चाई D, वाय J.

१६९ Domits vs 169. सुहड-.. L सारथ-समरथ A B, समर्थ 0, मछ J, साहण L. सबि-सबे A, बर तुरी L. जड-जु B 0 J, जो L. मिंद माता-मिंद मना J K नीर-नीरि L. पावक-पातिक L. सड-

झिंडि O L झाळइ-लाइ B, झालि O J, लागइ K तोइ-तोर B, कोइ C, तोय L.

१७० चन्नपहे-चुरे B ८ J, जुपरे D, चोष्टं L. उककापात न्यकाराता त , इकनात к. हुन -हकत B, हुने स. किसाल- किसालि L. पूरा-ध्वेन O. L. पोष्ट्-धेयुं B, पोष्टेर् D, घ्यूप्ट J, ध्यूप्स L. किसाल-अपार A. D, साठ B, किसाल स. चलिने- नकती D, नव्ये J, कव्यत स., चाल्या L. करेन्द्र नृत्य स. डाविट अ छोती A, मेलिवर्ट B, छांडर D, छाविट J, छेब्बाट K, छाल्यो L, मेलहाण-मेहलांग O D, मेलहांग J K. डीकी- किसी C, षास्यह- यालिट B, गयु O D J, गयट K, चाल्यां L. धुरताण-सुरतांग O J, सुरतांग D, सिरोण K, छारितांग L

१७१ सोनमिरि-सोनगिर B O, सोनगिर K, सोनगिर L खु-नव K, नो L. खांब्यु-छंडिव B, छांबव O, छांबिव D J, छंब्यव K, छांब्यव L घार-स्राताणि A, घार D. सोबलिव गोरहण-गोल्हण मोकलिव B, सोबलिव वीजक D D, सोबलीव वीजक J, मोकल्यव बीजक K, मोहल्यव सील्हण L, आर-भाटि M, सार-प्रद A, माटि L, अण्यु-प्राप्ति B D J. रावळ-राविट L इस-देस J, जाणि-जाणि O J K, बीरसरे-बीरसदेस A, सार कंडर D. तीबिव-वेतव A, ते कि J, तेक्यव K, तव्हर L सुरताणि-सुरताण A, सुरताणि C, स्रताण D, सुरताण D,

१७२ बीबाइ-बीह्बा B. हिहबा D. न-म A....O. कर्सी-किंग्सि A. क्रेसि O. कर्सी K. कर्से L. स्वरूत-रेस P. होषि O. सेता D. देसाई K. देसी L. एक्सर-गुद्राती पू. पूर्वा प्रक्रात K. पुज्रात E. पुज्रात है. पुज्ञात है. पुज्रात है. पुज्ञात है. पुज्रात है. पुज्ञात है. पुज्रात है. पुज्रात है. पुज्रात है. पुज्रात है. पुज्ञात है. पुज्रात है. पुज्रात है. पुज्ञात है. पुज्जात है. पुज्ञात है. पुज्जात है. पुज्जात है. पुज्ञात है. पुज्जात है. पुज्जात है. पुज्जात है. पुज्ञात है. पुज

छडे पीयाणे पाछव विल्ड, कटक जई वालहीह मिल्डि ।
तिहां विकां साहण उपडी सुंद्रडीइ आब्यां सिव चडी ॥ १७३
चाल्यज सह दीयूं फुरमाण, बीजह दिविस गढइ मेल्हाण ।
तिणि अवसरि कान्हडदे राय शकति तणइ जई लागउ पाय ॥ १७४
तुझ वीनयूं आदि योगिनी, पाछां कटक आणि तूं अनी ।
हमीररायनी परि आदरूं, नाम अम्हारजं उपि करजं ॥ १७५
शक्ति भणइ जज गढथां चडी, जासइ कटक हिवह चजकडी ।
आशापुरी कही परि घणी, जासइ कटक मेडता भणी ॥ १७६

१७३ B omits 173 a. पीयाणे-पीआणे c, पीयाणे p, पीआणे J, पियाणे к, पीयाणेठ L, पाछउ-पाछ C. प्रिट-प्यट K L, फ्रड्स-फ्टिक C. वाई-पड़ A B J K, जाईन्स् L. आकरीह em-बाल्ह्री A B, बार्जिंड ए. वांजोंहेर p, बार्जिंद प्र, बार्जिंद क, बेगो L. सिल्डिड-मिस्यड K, मिलवर्ड L. तिहा-तिहा p, तिहा L पिका-प्या A, पिका o, यका K, यकड L. साहण-वाहण A D उसकी-उपले D, उसका प्र, प्रका L. साहण-वाहण A D उसकी-उपले L, उसका प्र, प्रका L, साहण-वाहण A D उसकी-उपले D, उसका प्र, प्रका K, मुस्तीय L. आध्या-आध्या B D K L. सार्व-...B, यो L. वाई-चियो D, A reads as Iv Qr सांव संदर्श आव्या चढी; D As सुर्वीद प्रति आप्या चढी; L B से मुस्तीय आया चढी.

१७४ चाल्यद -चालउ ८, चाल्यू छ ४, चालिउ ०, बलिउ छ, वाल्य ६, चाल्या ८. सहू-सहूँ छ, सहुँ छ ८ वीर्यू-चीर्ज ६, हुउ ७, हुउ ७, हुउ ७, हुउ ८, हिदा ६. फुरसाण-स्रताण छ ४, फुरसाणि ६. बीजह-बीजि छ ०४. दिवस्ति-दिवस ८ ६ दिवांदर् ४, ताब्द-सुद्ध ४, ८. छ, ताढि ८ ४, तव छ, तव जाव ६. सेस्हाण-मेहलाण ८ ०, मेल्हाण ४ ४. तिण-चींति ॥, तिणि ०, तीण ६ ४. लबसि-दिवसि छ ० कान्वहर्च-कान्वदे ४, काह्यबर्च ४, कार्लुबर्च ४ ४ राय-राउ ८ छ, ताह ४ ८ कात्यु-लाउ ४, लायु ० छ ४ ८ ६ वस्ति ८. सण्ट-तिण छ ४, तो ०. जह-के ४, जह ४, जाह ४. कात्यु-लाउ ४, लायु ० छ ४८ ६ थान्य-पाइ ४ ६.

१७५ Dhruva's fragment, R Ms, commences again from vs 175 a. तुस-तह A, ति म, तुं गा, रोहं स सीनबूं-बीनव्यर्व A, वीनजूं B, सीनबूं C, सीनबूं B, सीनबूं C. साहि-आदि D, अदि L, सोनिती-जोशिती A, जोगती L साझ-पाछ A B K L, पाई B, स्वस्थ-करिक सामि प्रें के सामि प्र

१७६ बाकति-चिक्ति A B, सकति O. सण्यह-मणि B J. जड-जाउ B,...O D J, तुं B, जि K, ते L. मध्यी-चित्र B, गवसा O, सुदा ध्या D, गवि जा K, सुदाया J, गावा L. K L omits iv qr. स्थी-चित्र D S J, वरी L. जासद-जास B C S J. कटळ-किटक E. विद्याद-दित्र B, हिंव O D J, विहापह E. O transp as हिंव स्टक्ट. चडककी-चित्रं ध्यी B, सुक्ती C B J, क्लिंग D, K L omit iii qr. कासापुरी-आसापुरी O E, आरापुरि D. कर्यों L D, करीह J, परि-जाते D, ते J. जासद-वारि B O J, जाशिह D, जाशी K, ज्यासुर्य K, जाशिह L. कटळ-कटिक E. सेंबता-नेरता E.

तिहां फेरणूं करज्यो जई, पाछां करक आवस्यह सही ।
मालदेवनह आयस दीनं, सारूं करक राजलूं लीनं ॥ १७७
आज्यां करक पूनलह वही, आठ फोज जुज़ूई रही ।
एकह मालदेव जई रहिज, बीजीह बीरमदे गहगहिज ॥ १७८
त्रीजीह अणतज सीसोदीज, जहत वाघेलज चन्नथी रहिज ।
करक तणज महिमा एवडज, फोजि पांचमी जहत देवडज ॥ १७९
लुणकरण माल्हण छह सही, छट्ठी फोजह जहमल जई रही ।
सोभित देवडज फोजि सातमी, सहिजपाल फोजह आठमी ॥ १८०

१७७ केत्रबूं-केरण A, फेरणां B, फेरणुं O B, पेरणुं D, फेरइ L करवयों—करवो A B J, करेज्यों O, करिज् D, दुरकनह L. कहें-जैहें A, वहीं B, सहीं J. पाछां करक-करक पाछा A, पाछूं करिक B, पछीं करक ते J, पाछा करक E. कावल्यक्-वावद् A, आवशि B, आवशि O, आवशि D, जाशि J, आविश्व L. साकडेवनह—मालवेदनि B, मालवेदनि D, मालवेदनि E. कावल्यक्-वाहकदेवि B, सालवेदनि D, मालवेदनि J, मालवेदनि L. कावल्यक्-वाहकदेवि B, होते B, होतु B, होत

१७८ लाक्यां-आविया प्र, आच्या D L. कटक-कटिक प्र. प्रस्कृ -पूत्रते B, पुनिति C, पूंतर् D, पूंतिति र, पूरक् D L. कही-कही J. काठ-आउह K. फोज-भोज A. युज्रहें-जुड़ाई K, हुई L. एई-व्हें प्र, एई-व्हें प्र, एई-व्हें प्र, एई-व्हें प्र, एई-व्हें प्र, एई-व्हें प्र, पही-व्हें प्र, प्राक्ट्य प्र, साक्येय L. साक्येय - प्रक्रि-एकि B D D J, एक्ट्रं प्र. साक्येय - साक्येय - साक्येय - प्रक्रि-एकि टेंट प्रतिवृद्ध प्र, साक्येय - क्यं-व्हें प्र, जह प्रतिवृद्ध प्र, प्रहित्य प्रक्रिक प्रक्र

९७९ जीजीह-जीजी A O J K L, त्रीज B, त्रीजि B. क्षणतर-अगलो B, अगल G D, आगंद B, क्षणतु J, आगंत L. सीसोदीव-पीख़िंड B, सीसोजीड J, सीसोदिव K, दीसदेवीयो L. खहर वायेकड - वित्त वाधिक B, असत देवड G, असत वाधेक D J, असत वाधेकड B, क्यत देवड G, असत वाधेक B B J, दुर्चा B, क्षण्य - सिंह-- गयु D, राज्य K L. D omits vs 179 b and 180 B. क्षण्य-क्षिट B, साथ-तायु B O, सेवि L. साहिस्मा एवड B D, महिस्म देवड B, महिप्से देवड E. साथ-तायु B O, सेवि L. साहिस्मा एवड B D, महिस्म देवड B, महिप्से देवड E. साथ-तायु B D, क्षण्य - प्राथमी प्रायमी B D B, पीचमी फ्रोज़ K, पांचमीस L. आहल देवड B त्रा देवड B, प्रायमी फ्रोज़िक देवड E, प्रायमी क्षणि देवड B प्रायमी फ्रोज़िक स्वाप्त क्षण्य क्या क्षण्य क्षण्य

१८० खुणकरण-दाणकरण B, होलकरण O K, खुणकरों E, साब्हण-साहरूल O. छट्ट-छि B O. छट्टी-छठी L K L, छद्ध E. फोबा-पेश A B, फोजी L. जदमक बंद-क्सिल जे A, जसलि जो B, यस O, जसस्त्रा B, जस्मल्य जद K, ते जसली L. सोमिल देवबद-दोतार्वय B, सोश्चत देवद O, सोमित देवद D, सोभो रावत J. फोजि-दुइ B, छ O, छट्ट D, बे B, पोज J, जदत L. सातसी—पानो D. सहिक्यार्क-सह्वाराक A, मोदीपा O, चिंदितारक D, साजपाल J. कोजब्र—सोजि A, पोज BODJ EL, बादसी—सामी D. पुहर पाछिल्ड ग्या संबरी, बीटीन पान पांषिल फिरी। त्रिणि सहस मारीया अईयार, प्रश्न कटक न लाई बार॥ १८१ घोडा लीघा नव हजार, तापति तणन न जाणनं पार। समसपान नह जुंजा हता, हींदृए झाल्या जीवता॥ १८२ राजडीन भाषाइत जेन, नह केल्हण रङ्गारी बेन। राज्य भणी गया परि सुणी, बेगह मागह वधामणी॥ १८१ भली वात सह को सुणह, किणि परि जीतन राज्य भणह। कही वात राज्य अवधारि, चवकडी इग्या हेरू स्थारि॥ १८४

१८१ ब्रह्म-पोहिर B, पुतुर E J, पहुर K L. पाछिळहू-पाछिळ B O B, पाछिळह D, पाछिळि J, पाछ्यक् L. स्था-पोलि O, अस्यारिक B, गया J, स्था K, संस्थीर-सास्त्री O, सांस्री D L. शीटीज-सीटिया B B, सीटिउ O, शीटउ D, सीटिउ J, शीव्यठ K, पेव्या L. यान-यांन A B O J K, यानने L. पायख्ळ-पायखिं D, पाष्ठिज तट, पाष्टक L. फिरी-फरी B. शियील-त्रिण D B, त्रीस J, गुण L, सहस-सिहर B B. मारीया-मारिया B J, सांख्या O D K L, सारिआ E व्यहंपार-देशार A J, असवार O, अहंआर D, एआर K, हैलार E. L transposes 181 iv qr and 182 i qr. यहा-पिटा B, पिठा O D, कटकि J, कटक-कक्क D, करिक B, पिठा J, कटिक K. छाई-लाइ L O transp 11i and iv qrs as: पिठा कटक न लाई बार शिली सहस माख्या असवार

१८२ पोशा—पोडो A J K. कीथा—कीथो J K. D transp as कीथो पोडा; J K transp as कीथों पोडो, सब—नवह A, निवि B. तायति—तापित L. तणाव—त्यु B G J त्यु D. खाणांउ—जाप् B E J, लासि D, जाप् D, जापंउ L. समस्यान नह em—समस्यान A, समस्यान ति B J, समस्यान ति G, समस्यान कह D K, समस्यान नि B, समस्यान नि G, समस्यान नि B, समस्यान नह D K, समस्यान नि B, समस्यान नह D K, समस्यान निवि D, समस्यान निव D

१८३ राजबीज-राजबीज E, राजबीजो L. आधाकृत-भाषायत A, भाराजत B, भणांजत O, पायहत D, भणायत B J. जेव-जेवा O L. मेंच E. मह केक्सण-किल्हण नि B, केलणीज O, तेर केहल्ली D, केलणा सा म, नि कील्हण J, केल्हण L. रहवारी-राजार A B O D E J L. बेद -बेव O, तेव J, बीजज जेव L. साया-नाई E, परि सुणी-पूर सुणी D, वपामणी E, परि सुणी L. बेबाह्-बेलि A O, बेसिंट D, बेसिंट D, बेसिंट D, स्वारम्स्माम्सामि B O J, मांगह K L. बाजास्मी-वधावणी A, बद्धामणी B, वघामणी D J K. E Omits iv gr.

१८४ सब्दी-वाळी J, बीली L. सङ्घ-सहूर A. को-लोई B B K. सुणत्-सुणि B J, स्लि O, स्पार् D K, हणी B, सुणत् L. A. interpolates after i qr. नव हवार तेवी हणहण्ड. कियी-लिंग A E, कियी O, किये D, केलि D, केणी E. कोलड-जॉल् B, जॉल्लं O, जॉल B J J. सरब्द-रास्ट E. स्थान्-सिल B A B J, कोली O J, हों कि D, केली D, केणी E. कोलड-लिंग E D J K, कोली D, केलि D, केली D, केली E J, स्वार्ट -स्थारि-क्यारि A, अवपार L. स्वार्ट B J, स्वार्ट B J,

सहेट पूनळू बोळी छतइ, पातसाह तहींइ मेडतइ। सिरसा बीस सहस असवार, समसपान आवीव शिकारि॥ १८५ मोकळाणि सरोवरि हुतव, हरम सहित आण्यव जीवतव। साहमु राउल मांडहीइ गयउ, मालदेव सिर नामी रह्मउ॥ १८६ आधी राउ जुहारइ सहू, कीरति बोलइ बंदिण बहू। कान्हडदेइ इसी परि करी, राउतनइ सवि आप्या तुरी॥ १८७ एह्युं आयस लहइ प्रधान, ऊदलपुरि फतारव पान। सरिसा एक सहस भाथाल, राजडीउ मेल्हिड रपवाल।।

१८५ सहेद-सहब ह, सुरह 0, सहर D L, सहस J प्लाइ-पूरोली ह, बुंलि 0, पूलिल ह, पूंतल L, स्वांत प्रस्त ह, पूलल L, बोली-बोलह ह, बोलबी L छानू-अर्थित ह, छति 0 D J, छत् ह, छतितह L सास्ताह-पातस्याह ह, पातशाह J, पातिसाह ह, पातिसाह L तहींहर नहेट A, स्वाह 0, हह D, ते ह, सिंहीं j, तहिबंद ह, गयो L. मेडलब्र-मेडिंत्ड ह, मेडिंत 0 J, मेडलंड D, मेटलंड र तु ह स्विरसा-सरिस्पु ह, सरसा O E ह, सिरसा ह, सरस L सहस-सिंहिंग ह К. स्वस्तावा—समयान A B D J K, स्वस्त्यान C क्सास्तावा ते ह, शहरवाच ट काबीड -आवंड A, आवंड O J, आवंड D, आवंड E, काबरिंद E E काबरिंद -आवंड A, स्वस्ता ते ह, सहस्तावा L काबरिंद -आवंड A, स्वस्ता ह L काबरिंद -आवंड A, स्वस्ता ह L काबरिंद -आवंड C J, स्वांत ह K, स्वस्ता ह L काबरिंद -आवंड A, स्वस्ता ह L काबरिंद -आवंड A, स्वस्ता ह L काबरिंद -आवंड A, स्वस्ता ह L काबरिंद -आवंड B, स्वांत C J, स्वांत K, स्विता K, स्वांत L

१८६ सोक्कराणि-सोक्टीनह A, सोक्ट्या नई D I, (ख), सोक्ट्यालह E, सोक्टालिन J, सोक्टाला K, सोक्टिनह L, सरोबरि-स्टोलर E L. हुन्त = स्तु B D D B J, हन्त E K, हुन्त E L काण्यव e m-काण्यु A, काण्यि B B, आण्यु O, साहिं D, आंग्राज J, आण्यु C, आण्यो L कीव्यत-नीत्त B D B J, जीवर्तु D साह्य B, साह्य B

१८७ माची-सहुउँ L. राज-राय B, राउलि C, राउल D J, को आवि L. खुद्दारङ्ग-जुद्दारि B, जुद्दारिउँ D B, जोहारि J, जुद्दारिउँ C B, जोहारि J, जुद्दारिउँ L. सहू-सहु D, सहूं E L. बोकह्-योलिड् B B, बोकि C J, बोकर्ट D. बेरिया-संदीजन O, बंदिण D, बेरण L. सहू-सहूं E कान्ह्रवंद्द्र-कान्ह्रवंदिव A J, कान्ह्रवंदेर्र B, कान्ह्रवंदेर D, कान्ह्रवंदेर L, इसी-असी D, अली B, सी J. शाउतनह्-राउतिन B, राउतिन C J, राउतनह्-K, राउत L. साब-शत J, सबेनह् L.

१८८ पहर्ष-एतनं A, एहला C, एहर्न् B, एहल्न J, एतला C, मानस-आइस B K, आलुल E, कह्रहर-क्रिह B B J, ख्री O, च्यर K. मधान-परायो O, प्रथान D J K, परिधान L. कंट्रकपुरि-कंटरपुरि A, इस्तिपुरि O, क्तरपुर D, अरेल्युरि B, उत्तरपरि J, उत्तर दुन्दे K. क्तारट-क्तारिया B, क्तारीया O, क्यार्ति D J, क्यारिट B, क्यार्तट L चान-चांन A OD J K सरिवा-सर्ख A K, सरिवु B J, सरसा O, प्रसुई D, सरसी L. सहस-सरस B, सहस्र O, सह J, सहिस K. भायाक-मात्याहळ A, असवस्र C, ईमाछि K. राजवील-राजमाणस B, राजवीलु J, राजविकी K, राजवीली L. मेखिल मेहिकेड O D J, मेखा B, मेखाळ K, सेमस्र L. एक सहस पायकस्यूं गयज, वली सक्ष्यूज जमलज रहाउ । विवस एक तिहां अवलंबीज, सुरताणी दिल गयज बूंबीज ॥ १८९ समसपान मोकलड हतज, हरम सिहत साहिज जीवतज । हीतू वात असंभम करी, बीबी लीला सरसी घरी ॥ १९० त्रिणि सहस मारिया अईयार, घोडा लीधा नव हजार । वीरमदे दिल आच्यज चडी, मोटा मलिक भांजीया भिडी ॥ १९१ एहवी वात पातसाह सुणइ, बुंजा लाडण ईणि परि भणइ । आम तात अरदास अवधारि, भव आगिला तणड भरतारि ॥ १९२

१८९ सहस्त-सहिश в К. वायक-पाइक К. स्थूं-सूं A, पुं O K, सिउं D ह, इं, J, च्रां L, गयड-गाउं
A, गावु В D В J, य्यु O, गायो L. सकद्यु ट-स्वर्येष्ट B, सगावु O, सकदु ट D, स्वरूट ह, सकद्यं J, सक्ति-स्व K, सकत्व L जमलव - जिसल्ड B, युल्ड O, तमल्ड D, विमण्य ह, जमलु J, जमलवं L. रक्कट-रिहेड
A В J, रितंदै D, रखाउं L विदास एक-एक दिसस O, देवस एक ह. सिहा-...В. अवकंबीव-विकंबीव O, अविकाश्चर J, अवलंबीव स्व K, अवल्यीयो L सुरताणी-सुरताणी D J K, सिताणी ह, द्वारिताणी L, इति—...В, दल ह K L गावड —आविड B, गायु O J, गायू D, गिव ड, स्यव K, गायो L, व्याउ-सूच्युं क

१९० समस्यान -समयान A B D J K, समर्स्यान C, समस्यान नह ह भोककड् भोकिकड B L, मोकड C, मोकडी D, मोकड E, मोकि J, मोकियर E हतड-स्टु B C D R J, हवो L. सहित-सति E साहिउ-प्रदि C, साहिउ D, प्रदि E B, प्रसु E K, प्रसु L. जीवतड-नीवरु B C J L, नीवत् D. हीव्-हीत्ए B, हिंदुए C वीवी-वृद्ध B D L, वृंदा J. लीला-नील K, अला L.

१९१ त्रिणि-त्रिण A, त्रिण E, त्रण L. सहस-सिहेस B E K. सिरिया-सिरीया A, साखा C D L, सिरिया B, साखो K. अईयार-ईयार A, असवार C, अईआर D, ईआर E, ऐआर K. बोडा-चेडो A J. फीबा-ओडो A J. क्या-मिडो B E दिल-मोडो C, तर्लि D, वर्ली B, दल L आव्यव-आव्यु A U J, आविव B D, आविव्य E, आव्यवं L. चडी-चिडि D, चडी J L. सिल्फ-मिलिक E, सिलक L. सांबीया-सारिया रिण B, ते अंजि C, मांजवा D, रिण भीजिया E, आजेवा J, आज्या तिर्ण K, आजेवा L. सिडी-भणी B, मडी C D E J.

१९२ प्रची-एक्की A E K. वाल-बाति L पानसाइ-पातसाहि A, पातस्याहि B, पातशाहिइ J, पातिसाइ K, पातिसाहि L. सुण्यह-सुणी A D J, मुणि B, मुणि C, शुणी L After i qr E interpolates foil: हाल गई सत्तक अपी. कुंबा-बोज A O, पुणी D, बोजा B, जो K. काल-जाविष B, स्वक D, ताजन L, कुंबी-कुंबा-सूच A, पणी B O K, हंणी D E. परि-परि D. अण्यह-अणी A D, अणिह B, अणि C J, अणाई L B interpolates after ii qr foil . एक वात सुलतान जा शुणह. बाह्य-आंस B अवदास-अप्रदासि A E, अस्ति D D, क्वारी E, अपना C D J, जाणि E D, मुणा प्रका B, ताज्य क्वारी B, अपना C D J, जाणि E D, मुणा प्रका B, ताज्य कि D, मुणा प्रका B, ताज्य कि D, मुणा प्रका B, ताज्य B D B, ताजिई D, ताजि J, अस्तावि-अस्ताद A O, अस्तावि D, अस्तावि D, अस्तावि D, अस्तावि B, अस्तावि B,

षक्षां बहिने बहिनेवी बेज, स्वज जीवतां जालहारि छेज ।
सिव अहिनाण आगिळां कही हुं मूंकावी आविसि सही ॥ १९६
पातसाह बेटी प्रति भणइ, किम भरतार बीरम तुम्ह तणइ ।
जाती समरण भेद सवि लहह, ते वृतांत पिता प्रति कहह ॥ १९४
पहिल्ज बापलरा सुत यह सिंघराज जाणीजह जेह ।
हुं जइबंद तणी कुंअरी सुरजनदे नामि अवतरी ॥ १९५
विहुं वेवाही मिन उछाह, नयर योगिनी करिज वीवाह ।
अंतरवेध छह रूयडा देश, तिहां करिज मई अगनिप्रवेश ।
सतीधमें साच्य अमिमान, अंतरवेध इंज अवधान ॥ १९६

१९% पाकसाइ-पातस्याइ ह, पातशाइ J, पातिसाइ ह, पातिसाइ E, पातिसाइ E, वेदी-वेटि D, मिन-प्रति D, मण्ड-प्रति D, स्वाप्त D, स्वाप्त D, स्वाप्त D, स्वाप्त D, मण्ड-प्रति D, स्वाप्त D, स्वाप D, स्वाप्त D, स्वाप्त D, स्वाप्त D, स्वाप्त D, स्वाप्त D, स्वाप्

१९५ पहिष्ण्य-कहिन B, पहिल्ल G K, पहिल्ल D B, पहिल्ल J, बापल्या सुन-वाप ल्यमसी A, बांपल्या सुन B, बां तरस्ता C, राव सुन वापल B, बापला राइ सुन L पहु-एम A, देव G, एक E, एस K, विवासन-पंस्पाणी A, सिंहराज B D, स्पराज G K, ते पहिले D. साणीजह-हुं हुंती A, जाणीजि B J, जाणीजि C, बाणीजही D, आणीजह K, जाणिजह L. जेह-तेट A C, एह B, जेट B, तेट J, जेस K हुं-हूं B D J,...O, हु B. आहर्षाद-निचंद B, जयनंद राय G, स्वयंद D J, जयनंत B K, स्वयंति L, तणी-तिणी E, क्रुंकरी-कृतरी A B, कुंत्री C D. सुरक्तादे-सुरक्ताते A, सरवणदे C, सरकादे D, विरीक्षादे B, सुरकादे J, शुरका L, क्षासि-नांवर A, नांगि C, नांगिर E, नांगिह हुं L.

१९६ विर्धुं-वेहु B, विर्दू O L, विर्दु D, बहु B, विर्दू J, वेचारी-नीवाद A B L, सिन-हुउ A, सिन्
हुउ B, सन O D, हुउठ B, सोनियउ K, उखाइ-उखाई A, उच्छाइ C, वनर-नगरि A, नगर B,
बोरिनी-कोरोरिट D, वोरिनी सि, उज्योगती K, विर्देश केटि A J, D, क्षतर B, कंसर केर कोरावेद B C, अंतरि वेय L, ख्यू-...B C B K L, छेद D, छि J, स्वयड -स्युड B B, स्वयड C, रुद्ध D,
स्वयु J, स्वयड K, स्वया L, वेस-देस A B J K L, करिन-किर B, कर D, कीयु B, कीउ J, स्वयड K,
सिर्ट L, साई-सि A, सिंद B, लक्षे D. सागीनवेदा -विरायित सि, प्रति प्रति चेता B, कीउ J, स्वयड K,
साई C L, साई-सि A, सिंद B, लक्षे D, सावाद B, साउ J, साचे L. क्रिसाल-कोरिया O,
सांकरांस D, आहिरांग B, असिमान J K L, औरत्यंच-अंतर्षेद B, अंतर्षेच D J, अंतर्येच B, अंतर्रोध L,
इक्ट-हुउ A B, हुँट D, साई B, देखार्थ L, खबचाल-अविद्वान A, अपसान B, अनिवान O, अपवांत कासीपति घरि बीजी वार, बीर तणड केल्हण अवतार ।
अजयपालनी कुंतादेउ, ढीलीइ परणाच्यां बेड ।
अंतरवेध रूयडउ देश, तिहां करिड मि अग्निप्रवेश ॥
१९७
वासुदेव घरि त्रीजी वार, वीरमदे लीधउ अवतार ।
महंगराय तणी कुंजरी हूं मयणा नामइ अवतरी ॥
१९८
माणिकराय घरि चटची वार महीपाल लीधउ अवतार ।
योगादे घरि हूं जुंजरी सरूपदे नामइ अवतरी ॥
१९९
पृथ्वीराय पांचमी वार देवराज लीधउ अवतार ।
जइतलनइ घरि हूं कुंजरी नामि करी सहिज् अवतरी ॥

१९७ Lomits vs 197. कासीपति—कासीप्रति D, कामीपति J, कासीपति K. वारि—... B. बीर तणड—वीर त्यु B C B J K, विरस्पे D, केक्ट्रल—केकण O, केट्रलण D, केट्रल B J, कीश्य K. अवयासकी—केवण D, केट्रल B J, केश्य K. अवयासकी—केवणित्रं B J, कि प्रति च केट्रल A B, देद B, देव J. डीलीट् -डीलीट् B J, कि प्रति क्षित्रं C, किवंद K. परणाव्यं—परणावि B, परणावि B, परणावि J K. वेड—वेव B, के B, अंतरवेष J—सत्वेद B, अत्वेद D केव्य S —क्ष्य B, स्वाइ C, छे स्तु D, छि स्वाइ J, स्वाइ C देश —केत A K. किरि—कीश A J, करिड —के B A J, करिड C D, कर्लड K मि-मि B, अग्र D, मद K. अधि—अपनि J K. प्रवेश—नेस A C L, B omits 197

१९८ बाबुदेब-नारतेव ह K, वाहुदेव L चरि-पुरि L. त्रीजी-चीजी A B, त्रिजी D क्लीभव-चारे वर्जी B, वर्जी कीउ C, क्षीपु D B, लीउ 3, लीयब K, बीजड L. ब्लवसार-अवतारि L K omits 198 b, सर्वस्तार-व्यवसार त्र, अस्ता ना ह, महर राव C, महिरा D, सुद्ध रीव B, क्षिपुर राजी J, मुंबेद राव L, कुंकरी-कूबरी A, कुंबरी B D, कुंबरी E, कुंअरी E, हुं करी B, हुं C, सबजा-सरुवेद B E, मालहणदे C, मीजा D J, मदय D नामह-नाति B, नामि C J, नाम D, नामह B, नामिह L, अबबरी-अवतरी L, E interpolates after 198 b. बेच वेबाही मीन उछाद । न । अ । तिहा ा. [ न appears to stand for नविर. बीवाह, अ for अतरवेव ... देव, तिहा for तिहां ... प्रवेस ]

१९९ o omits 199 b and gives 199 a atter 201 b. к omits 199 a. साणिकराय-माणिकरायनी के, माणिकरा 0, माणिकराय 3, स्वर्ण-चुनी के अ, सातमी 0, नोचि n. माणिकराय 3, स्वर्ण-चुनी के अ, के स्वर्ण-चुनी के अ, स्वर्ण-चुनी के के के प्रकार के स्वर्ण-चुनी के के प्रकार के स्वर्ण-चुनी के कार्य 200 b. है केम्सी-कुमरी स्वर्ण अ, है केमरी b, है केमरी b, असतरी s, है केमरी J सहस्वर्ण-चुनी के सहस्वर्ण अ, सहस्वर्ण अ, मामह-मामि क, नामिइ D L, नामई E, नामि J, नामइ E. B interpolates after 199 b: बेहु-नय-अंत-विद्याल-

सोनेसर घरि छट्टी बार पृथ्वीराज छीधन अवतार ।
पास्हणनइ घरि हुं कुंजरी पदमावती नामइ अवतरी ॥ २०१
तिणि अवतारि पाप आदरिनं, गाइ विणासी कामण करिनं ।
साधिन मंत्र गर्भि गाइनइ, चिक्ति विकार हुन रायनइ ॥ २०२
राय वसि कीधन छोपी लाज, हण्या प्रधान नीगम्यनं राज ।
धाधि नदी तीरि राय सुणिन साहानदीन सुरताणइ हणिन ॥२०३
सतीधिमं करि राज उधरिन, अगनियनेश अजोध्या करिन ।
तेह पुण्य नवि लाभइ पार, मोटइ कुलि लाधन अवतार ॥२०४

२०१ Lomits vs 201 सोमेसर-सोमिशिर ह, गोमेशर त, तोमसरि D, सोमरेव J, सोमेसरि K.

कट्टी-क्की A E J K फु बेरिशन पुश्योत ह ते प्रथ्यतीराज D क्षेपव-लीव ह, लीख त D अंतुव E,

प्रवश्यान-वाद्यान हे, पावदणि B J, माहल्यानि त पाहल्यान ट्रे व्यक्ति से हैं------ है

В О В J. क्रंबरी-कृसरी A, क्रंबरी B E, इंजरि D पदमावती-पद्मावती B, परमा E नामइ-नामि B, नामि

О J, नामिर D, तिर्ण नामद ह, नामद K. अववरी-कृसरी B After 201 b c interpolates

vs 199 a.

२०२ तिथि-तिग A, तिण B, तेणह B. अवकारि - अवसरि D E J K आदरिउं - मह किरीउं A, आवरिउ B, आदरे D, आदरिउ B, आवरि L. गाहू-गाई O, गाय D J L. विध्यादी D. B, आदरे D, अर्थरेज B, अर्थरेज B, कार्यर D, मिंदि के स्वाधिक विधारि D, त्याच B J L. विदेश के स्वाधिक विधारि D, त्याच B J L. विद्यादी D, त्याच ते B, त्याच B

२०३ Jomits 208 a. राम-रा ० E, राज K. बसि-विश्व B E L. कीश्वड-कीशु B 0, कीशुं D, कीशुं D, कीशुं B. कोषी काज-चे लोकपाल L. इच्या-नाणी L. मधान-भ्यान A D J K L. बीतम्बर्य-नीतम्यत्व A, नीतम्य ह. मा तृत्व के प्रतिस्थान के नीतम्य ह. मा तृत्व के प्रतिस्थान के स्वास्थान के प्रतिस्थान के प्यापन के प्रतिस्थान के प्यापन के प्रतिस्थान के प्यापन के प्रतिस्थान के प्रतिस्थान के प्रतिस्थान के प्रतिस्थान के प

२०४ सती-सतीरा A, ती B, सती B. घाँमैं-पर्म A B, घर्मि O, घर्मम D, घर्में E. काँर-किसइ A,...
В О D J L, मइ K. राव-...A, राय B D E J, रा E, राई L. उचारेव-अवतारि A, उदारेउ B, उद्धारि O, उचारेक D, उपस्था K, इक्सउ L. काणील-अगि B O E, अग L. मवेच-प्रमेश A, प्रमेशि L. काणीच्या — कारीच्या A B, अयोध्या E O, अयोध्या E J, अञ्चार्था L. कारीव-दक्षउ K. तीद-तीई B, तेदल L. एवच-वृद्धा A, प्रच्य L. चारेच-म B L. काशार्-लामि B O J, लागई L. पार-पारि L. सोट्य्-मोटि B O J, मोटे D, मोटो L. कार-पारि C. मोट्यू-मोटि B O J, मोटे D, मोटो L. कार-व्यवस्थारि A, लाधु B O, जी D, डीधु B J, डीपच L. कावार-व्यवसारि A, लाधु B O, जी D, डीधु B J, डीपच L. कावार-व्यवसारि A,

[ आम तांत विर्हुं पापि करी तुरक तणइ कुछि हुं अवतरी । ] कान्हडदे घरि सातमी वार, वीरमदे छीघड अवतार। आम तात बेटी ताहरी, हुं पोजा छाडण अवतरी ॥ २०५

॥ दहा ॥

पदमनाभ पंडित भणइ, जनमंतिर जे रीति । जाति हुई जूजूई, पृठि न छांडद्द पीति ॥ ॥ चवपई॥

२०६

बेटी भणइ अवधारज तात, संवत तेर अठसठइ वात । षष्टी दिवसि मास वैशाप, ते गुरुवार ऊजलइ पाष ॥ २०७ तिणइ दिवसि बेढि मांडिसइ, बीरमदेव प्राण छांडिसइ । मस्तक तणज अम्हारु नाह, जमली रही कराविस दाह ॥ २०८

२०५ D omits 205 (a b c). जाम-आम U E बिहुं-चिहुं B J K L, हूं 0, चिहुं ह. पासि-पारे A K, पारि B, पारिट L तुरक-तरक E. तणह-तिक B D, तणहं K. कुल्टि-पारि A B, परि L, हुं-हूं B O, इ B, इ L कहाइदरि-कार्टन तणहं A, अत्वत्त तथि B, अत्व ह, काहान्य S, अत्वत्त स्थान्य K, अत्वत्त स्थान्य प्रदेश परि हूं E. क्षीपड-कीड A, वकी B, लाघु U, कीयु E, कीयो L. जवकार-अवतारि L. J omits vs 205 c, जाम-कार्म E हुं-हूं B,...O, हूं E. बोजा काहण-युरालम परि A D, बोजा लाहण नामि O, बोजा कहण

२०६ दृहा-हुत: D. पदमनाअ-प्यानाभ B B, पदमनाभ E L. सणाइ-भणिइ B, सिंग J. जनसंबरि-जम्मंतिर B, जमातर O, जमांतर B, जमनंतरी K, जमसंस्ति L. जे-एह B. रीति-रीत A, जाति-जातिज D K, जीव B, जाता L, हुई-हुई छऽ A, हुड पणि B, हुड जु U, हुई D, अवतरिई B, होइ J, हुई E, पणि हुइ L. ज्याई-जुज़ई D L, जूज़्ला B J, पुट-पणि पृंठि C. छांबइ-छाडि B, छंडि U, छाडु D, छाडि J, छंडर् E. सीति-जीत A, जिति D, मीती E.

२०७ षडपहें-...A, जुने B J, जुनहें C, नोपरें . D, जु ॥ E, नोपरें L. सणह्-भिन B J. सबसार-कावपाद B O D B J, शनभार L. तात-नात B. संकत-चर्चत D. सठस्वडू-अज्जराहें B, सठस्वा C, स्रद्धस् ठिंद्र D B, सठस्विं J, बात-नाति L. वर्षी-चंठि B. विवसि-वित्तस A O D, दिवशि E, नात L. सास-मासि E K, दिवस L वैशाय-वैदालि B, वैताणि E ते-....O, से I गुण्यत्त-गुलारि A. कमकडू-ऊनले B D J, कम्बद्ध C, अव्युलाल्ड E, ऊनाल्ड K, ऊनल L पाय-पावि A D E, पावि E.

२००८ तिष्णह्र-चेनि छ, तीनि ०, तिनि ० ३, तीन्द छ ४, तिनिष्ठ ४. दिवसि-दिवशि छ, धीवति छ, दिवस ८. वेदि-वेदे ७, प्रश्चवेद छ, वेदि ८ माविष्णह्य १४४८-मेहिवर ४, मांवर्षिष्ठ छ, मावति ० ० छ, महेति ४, माविष्यक्ष छ, मावति १. विश्वति-वारित्यक्षे ४ ० ० ० ४ ६. मीवरिष्ठ छ, साम-प्रांण ० ० ४ ३ ४ ६, प्राप्ति छ, छांवर्ष्य छ ७ ७ ४ ४ छ। छाविसह्-डांवरस् ४, छांवर्षि छ ०, छंवर्षि ०, छावसिर छ, छोवेशि ४, छांवरस् ६ ४, छांवरस् ४. ४ छातार छ ४, ४८० ४ सावक-मायुक्त ०, मत्विक्ष ०, त्यानि-वार्षि ३, त्यां ० ०, त्यां ४, म्ह्यान-अम्बर्धि ४, अद्वारा छ ४, असी झार ०, अम्बर्गा ८, माह-नाम ५, ने ६०, सम्बर्गि ४म सम्बर्धि ४, अस्त्र छ, स्वर्ध-पूर्वी ४, इसी ४. कराविद्य-कराविस्त ४ ४, कटाच्योस ०, कराविस्त ४, करावीस ४. वाह-विराह ४, वेह ०, षेठ मासि मुझ एवडी आहि, जई झंपाविसु जमना माहि ।

प्रिजवंश आठमी वार, वीरमदे छेसइ अवतार ॥ २०९

यादववंश वटी अवतरूं, भर्तुभक्ति हूं साची करूं ।

सती धर्म साचउ आदरूं, थानकश्चष्ट थिकउ उद्धरं ॥ २१०

वेटी वचन ऊचरइ इस्ं, देवलोक अम्हि वे पामिस्ं ।

देवलोकथा नुमी वार, प्रथवीइ नहीं हुइ अवतार ॥ २११

पृछइ बोल पातसाह इसिज, जनम आगिलउ माहरउ किसिज ।

साचउं वचन साइनुम्हे भणु, किसउ जनम कान्हडदे तणड ॥ २१२

२०९ A omits 209 a. जेठ-जेष्ट B. येठ c, जेठि L. सासि-साम L. सुझ-मझ B, ज D. एवडी-एवड B. जई-जइ ह. संपालिसु-संपातु B. संपाब्योस c, संपाबिस J. संपाबिस L जमना-यमुना B C J K, यमना D, यमनो B. साहि-साहि C B J L. सुरिज-सूर्य B C B K, स्ट्ज L वेश-वेस A L, वंशी C. साहसी-वली आठमी B, आयमणी L. लेसाई-हुसिइ B, लेशि C, लेसि D B J, लेश्यइ K, लेसी L. सवतार-अववारि L.

२१० याद्य - जादव L. वंशा-तंस A L, वंशी C. वर्डी - वर्डी स्त्री से क्षार्य कि स्त्री से क्षार्य के स्त्री से क्षार्य के स्त्री से कि स्त्री से कि से से कि से कि

2११ बेटी-बंदा C. ऊचरह em-ऊचिरह A, ऊचरि B, उन्तरं O, उचरिह D J, उचरह B, उचरह ह, इच्छा हुई L. हर्सू-इर्स्यू B, अनुं O, हिमंद D B, इर्झ्य, J, हुई E, मिन थहं L है बक्तोक-देवलोक A C K. II qr in L is देवलोक बेहु अवतरह आदि है -अग्ने कि B J, अग्ने C, वर्षो अग्ने D, ए जिसि B, अग्हें के K. प्रामीस दूं-पामतुं B, पांमस्यु O, पांसियं D, पांमस्य J, पांसस्य K, देवलोक — L. था-वी A C K, बक्ता L. सुमी-नवरमी A B K, दीनी B L. वार्य-वार L प्रवाचीक् em-पृथ्वी A B K, पृथ्वी B, पृथ्वीई O, प्रवादीं J, प्रवादीं E, पृथ्वी L, वार्द्धी-नहीं B, हि D, हृद्द-दोह J L, हुई K, बवतार-अवतारि L.

२१२ प्रख्रू - पूछि क J, प्रिकेट O पालसाइ - पातसाई B J, पातसाई D, पातसाई B, पातिसाइ K, पातिसाइ K, पातिसाइ K, पातिसाइ K, पातिसाइ C, पातिसाइ C, ह्या J, हर्स S, जबत-जन्म B O B EL जाशिकट-जमापिक B जागिकिट D E, माइर्स D E J, साइर्स D E J, साइर्स D E J, क्या D E J, तुई D C E J, क्या D E J, क्या D E J, तुई D C E J, क्या D E J, क्या D E J, तुई D C E J, क्या D E J, क्या D E J, तुई D C E J, क्या D E J, क्या D E J, तुई D C E J, क्या D E J, क्या D E J, तुई D C E J, क्या D E J, क्या D E J, तुई D C E J, क्या D E J, क्या D

कूंबरी भणइ तात अवधारि, हुंतड कान्ह देव अवतारि ।
आम तात माने अहिनाण, तहींइ असुर हुतु सुरताण ॥ २१६
किखुगि मांहि कान्ह चहुआण, तुं ते अठावदीन सुरताण ॥
पूछइ पातसाह कूंबरी, किछुग मांहि कान्ह सिइं करी ॥ २१४
हूं अवतरीड दानव भणी, बेटी भणइ वात छड् घणी ।
आगइ तारा दीघु द्वाप, विण अपराधि वालिनुं पाप ॥ २१५
बीजु वली न ठाई ताल, थोडह वयरि हणिड शिशिपाल ।
त्रीजुं ईंग्बरनुं वरदान, तुरक तणु छोडिसि बंधाण ॥ २१६

२१५ हूं -हुँ к г. л omts vs 215 अवतरीउ-अनतरियउ к, अन्तरीयो г. दामब-दानव л в л, दांचव о, दांचव к, कान्ह ते г. भणी-भणह л, भणिह В, भणि л. बात-वात г. छह्-छि В о, ित л, छहं г. आलाह-आगि в ол तारा-भवांतिर о, ताहर क दींच-योग कि तीय ह. दांच-आप о в л к, साप कि सिक-दिया त, विणा-दिया त, विणा-दिया त, विणा-दिया ह. दांचिन के अपराधि अपराधि ह. पराधि त, अपराधि हे क, अपराधि ह. ताळितुं - वाळितुं व. साळतुं ह. वाळितुं व. साळतुं ह. दांचित ड ह. पाय-वाय उ ह к.

२१६ A omits vs 216. कीज्र-मीति B 0, बीर्ड् J, बीर्ड प्र, बीर्ज प्र, बीर्ज प्रकार काल-मार B, बाल-पार B, बाल प्रकार के प्रकार L क्रिक्टियल प्रकार B क्रिक्ट प्रकार B क्रिक्ट में हमित्र के प्रकार के

शिय मूंकाविज त्रीजी वार, तेह भणी किल्युगि अवतार ।
कहह सुरताण कान्हडदे राय, कांड अवतरिज जालहुर मांहि॥ २१७
बेटी बात संभालह घणी, सुगतिवेत्र आठम्ं भणी।
बली वात पूछह सुरताण, देवलोकि जासह चहुआण॥ २१८
कल्लियुग मांहि सत्य घूटसह, अम्हे दैत्य किणि परि छूटसह।
पातसाह प्रति बेटी भणइ, तुम्हे भगत छज ईस्वर तणइ॥ २१९
पह जनम पूठह सुरताण, शिवगण मांहि पाससउ ठाण।
पाछज बोल पृष्ठीच वालि, होसइ मरण केतलड कालि॥ २२०

२१७ A omits i-iii qrs. किय-सिन D, तल J. श्रृंकाकिउ-मुंकिउ हूं 0, मुंकाव्य E, ग्रृंकाव्य E, ग्रुंकाव्य E, म्रुंकाव्य E, म्रुंकाव्य D J, क्रिल्ड्रुन K, क्लताच D, क्रांक्य E, क्रांक्य E, म्रुंकाव्य C J K, स्रुंक्ताच D, क्रांत्रुक्त E, म्रुंक्त्य E, म्रुंक्त्य E, म्रुंक्त्र E, म्रुंक्त्य E, म्रुंक्त्य E, म्रुंक्त्य E, म्रुंक्त्य E, म्रुंक्त B D D, क्रांत्रूक्त E, ज्ञान्त्र E, ज्ञाय L. अवक्तरिय E, ज्ञालंद E, ज्ञालंद

२१८ बेटी-बेटि D संमालक्-सांमलि B J, संभाति O, सांसल्ड् D, सांसाद E, सम्रतियह K. सुमाति-सुक D, किल L वेल-बेटि O काटस्-लाटम् ए A, आटमा O D J, काटम् E K, आटम् L. एकक्-पृष्ठि B J, पृष्ठि O, बोल्ड् E. सुरताण-स्ल्लान D, सरिताण E, सुरताल J, स्ताल K, ह्यतितालि L. देवकोसि-वेसलोक L. जासक्-जाति B D J, जास्यद C, जास्यद K, जाते L. बहुक्शण-बहुयाण A B, बहुक्शण D E J K, बहुक्शण L.

२१९ किंग्रुग-कुल्युग O D, कल्युग J. सांहि-माहि A K L. सख-सत्त B, सत O L, ए B, शवा K. प्रदास E का—एटसई A, प्रतिष्ठ B L, प्रदिष्ठ O J, पुरिष्ठ D, स्ट्रिस्ट E, कांक्ट्रे-कांग्रे O D, पुरिष्ठ D, कर्ये E, कांग्रे O D, प्रदास D, केंग्रे B B, किंग्र E, कांग्रे L, परि-परि A, क्ट्रस्ट मूटसई A, क्ट्रस्ट A, क्ट्रस्ट E, क्ट्रस्ट E, क्ट्रस्ट E, प्रतिसाह B, प्रतिसाह D, प्रतिसाह L प्रति केंग्रे मेटी प्रति B J अक्ट्र L, प्रतिसाह L, प्रतिसाह C प्रति केंग्रे B J, अप्रति B J, अग्रे E, प्रतिसाह L, प्रतिसाह B, प्रति B J, अग्रे D, क्ट्र L, क्ट्रस्ट E, कांग्रे L, स्वत-पंति A, अग्रित D L, अर्थ B J, स्वति K, क्टर-खू A B B, छंउ D, क्ट्र L, क्ट्रस्ट E, कांग्रे L D J, कांग्रे L, प्रति K, क्टर-खू A B B, छंउ D, क्टर L, क्ट्रस्ट E, कांग्रे L D J, कांग्रे L, प्रति K L

२२० जनम-जन्म B O B L, जन D. पूळा-पृष्ठि A J L, पृटि B, पृटि O, पृटेह D, पृटि B, घुरताण-पुरताण D, सरितांण B, धुरतान J, धुरिताण K, धुरिताणि L. सिवनाण-सवगुण B, घरगुण D, सिवगुण B L, सवगण J, विवगुण K. सार्षि —गार्षि A K L, सार्ष D. पाससव-पास्तु B O, पासविद D, पासिंदि B, पासिंदि J, पोसिलंड K, पांच L. ठाल-ठाण A O D B, लाहितण J पाळड-पालु B B, पहिल्ड L. पूढीव-पृक्षीचे A, पृक्षित B, पृक्षी K, पृष्ठित L. सार्थि-क्की A, बात L. शेरब्-हुक्द A, हिंसे B, होसे O D J, होवीं K, होतिई L. केवक्द-केटलि B, केतलि O J. कावि-कार्य D, साक्ष L. जड जालहरि पीयाणां करइ, सताबीस विवसि पूं भरइ।
सवि आगिलां वयर वालिया, लड़ अवतार बली सूं नवा॥ २२१
हीली जाइ तु मरण ज अछइ आठ मास कान्हडदे पछइ।
हईइ कान्ड सांभरइ सही, चुटइ पाप अवतरइ नही॥ २२२
साचूं भणि हुइ जेतल्लं, गढ जालहरि आय केतल्लं।
सात वरस को नही आंगमइ, जासइ तुर्ग वरस आठमइ॥ २२२
सीताई प्रति राजा भणइ, हविइ जाईइ ठामि आपणइ।
बेटी भणइ काम छइ घणवं, गुप जोइसुं कान्हडदे तणवं॥ २२४

२२१ जड-ज BOE J, जो D L. जालड्रीर-जालोर A, जालड्र O D, जालडरि E, जाल्डर L. प्रीकाणंड-पीयार्थ B, पीआणु O, पीयार्थ D, शीआणु E, पीआणु E, स्वादी-शिक्स A, दिवस BOE, दिवशि D,.. L. र्त्-तु AO, तु B B, D, तोहि L. सर्द्र-गरु B B, मारे OD J, आगालि मर्द्र L. सिक-दिव E, शिव L आगिलां-जाणिला B, आगाल्या C, आगाल्यां D, आगाल्यां B, आगाल्यां D, आगाल्यां D, आगाल्यां D, आगाल्यां D, आगालं B, आगाल्यां D, अगालं B, अगालं B,

२२२ डीकी-वीलीट B, विजीद O, वीलीर J. जाह-गई O, जाकब E, अह K. सु-त A, ते O, तुं D K, ... B, तो L. मरण ज-मरण A B O, मरण तोष्टि L. O transp As मरण ते बाब्द - खिह म, अधि O, कि J, अप्तर L. काल मास-छिट मास J, अठ मास L. काल्युद- जाकर वे B, काल्युद- चे, काल्य

२२४ सीलाई-सीताई О К. अगह-भि В О J, अगई L. हिषह-हिष A О, हिनई D, अहिष J, इबह K, हिब L. जाईब-जाँद A, जाद B, जादेब E, जादेब E, जादेब E. किस-टॉमि B D B K, धानकि O, टास J. बाएवल्ड-आपि B O J, आंपण E. अगद-काई A, अगिर B, अगि O J, अगिर E, कास-का B, कास D J K, एकस E. छह-छि B O J. बचर्च-क्यों B D J, ध्युं O B, ध्यार K L. सुव-मुख B O. बोसूं U, जोदं U, कास्व-क्ये-कास्ववें A B J K, कास्व-क B, खल्के-ल्युं B J, त्युं O D, त्युं B, रामव K L. कास्व-वें-कांस्ववें A B J K, कास्व-क B, खल्के-ल्युं B J, त्युं O D, त्युं B, रामव K L.

मेटि करेवा छूं आकुछी, बीर तणाउं युष जोइस् वर्छी ।
कर्रु समान कुंडि जावालि, षूट्र पाप केतल्डर कालि ।
धरियां बहिन बहिनेवी जेउ, जई जाल्डुरि छोडावाउं तेउ ॥ २२५
सातवीस दीषी पाल्पी, वापइ साथि मोकली सपी ।
चाली कुंबरी हुई विदाइ, समसपान ल्यावाउं गढि जाई ॥ २२६
कमले आवी कुंबरी सुणी, गयउ रवारी वद्धामणी ।
कूडी वात कुणइ ए कही, कुंबर वीरमदे मानइ नही ॥ २२७
दीइ सीषामण साम्हउ जाइ, बीजड भाट मोकलिंड राइ ।
ऊतारी सुंदरला तीर, आज्या तिहां राय नइ बीर ॥ २२८

२२५ ओरि-मेंट D N J K, मेंटे L. बूं-छर D L, खूं ध K, छि J. तणार्ड-तणूं छ J, तणुं O B. तणुं D, तणार्ड K. प्रुय-मुख्य B O. बोंदिर्स - कोरित B. भोंदा J, ओरित K, भोंदिर L, स्वेद प्रिय हो B J, कोर्ड K, जावित K, भोंदिर L. इस्ट-क्टू D J, सुदि O J, स्टर्ड E, छूट L. केतल्द - केतल्य B, केतल्ड U क्रिक्ट-काल B. A reads as iv qr: पाप सहुद्द तिहा प्यार्क. धरिया-भया O K, धका L. वहिन महिन O, बहिन D, विहिन B, वांत्र J, कोरित U J, कोरित B, कोरित B,

२२६ सात-साठ L. दीची-मोकले J. बायह-बापि A B O J, बापि D, वायहं E, बाय L. साचि-साधि B, सा O, साथ L. मोकले D, वीभी J, मोकलावी L सर्पा-सबी B चाली-बड़ी O. कुंसरी-कुंसरि B, कुंसरी O, कुंसरि E, कुंशरि J, कुंसरी K, कुंसर L. हुई-हुई A, हुर B, हर्देह O, हुं J, हुई K. बिबाह-स्माधं C, वश्ये D, वरा E, वराव J समस्यान-साथान A B J K, समस्यानि B, समस्यान B, समस्यान B B J K, समस्यानि B, समस्यान B B J K, समस्यानि B, समस्यान B B J K, स्वावं L. साख-सम्बद्धान D स्वावं B मार्च B D B K, स्वावं J, स्वावं B D B K, स्वावं D L, जाय J.

२२७ कमले-जुमरे 0, इंमरि D, कमले E, मिलिक J, बाबी-जावसि B, इंबरी-इंगरे B, इमरी 0 B L, इंबरी 3 K, कुणी-पणी B, संणी D, हाणी L. मधद-गयु A C B, सित्र B, सर्थु D, सर्वो L. बदामणी-बदावणी A, व्यासणी 0 K L, व्यासणी तथी D, घरामणी B J, क्टी-कुली O कुणाइ-इक्त A, इंजि B J, सिले 0, इज्लीक E, इंजिए B J, सिले 0, इज्लीव E, इंजर C E, इज्ली B J, सिले 0, इज्लीव E, इंजर C E, इज्ल E B J, सिले D, मही-नहीं B,

२२८ वीस-नेहें 0, १६ D म., विह J, धीयह म., दिउ L. सीधामण-सीधावण A, बीबांमण 0 D H J साम्बर-सांम्डव A K., शाहामु B, साहसु 0 J, साहसु D, सीह्रा B. ब्लाह्-जाहं 0, जाव J. बीजह-वीजिट A D D K. मोक्लिउ-मोक्लीज A D, मोक्ल्यु J, मोक्ल्यु E L. राष्ट्र-पाव A B D J L. क्लारीय A, रत कतारीय O, कतारा बाज्या B, कतारि J. खुंदरका-संदरका A, संदरका B, साईका 0, नगरि म. हुंदरित J, शुंदरका-संदरका A, संदरका B, साईका 0, नगरि म. हुंदरित J, शुंदरका-संदरका A, संदरका B, साईका 0, नगरि म. हुंदरित J, शुंदरका L. तीर-तीरि A J. D J transp a8: तिहां बाल्या. शब-पाइ K. सह-वि B D J, नां L.

जय साहमी ऊठी कूंयरी, ततिषण आडी परीयछ घरी। बोलड् वात कूंयरी घणी, बीती छड् जमारा तणी॥ २२९

॥ दहा ॥

पदमनाभ पंडित भणइ, प्रीति परीक्षा एह । अंग बिहुं जण उल्हसइ, नरनारी नवनेह ॥

२३०

॥ चउपई ॥

बीर भणइ ए साचूं सही, पणि मुष ताहरूं जोइसि नही। तइंस्यूं नही परणूं छइ रोस, बीजूं जे मागिस ते चोस॥ २३१

॥ राग शिषरी ॥

एक पनुती हो बगलडी जी, तेहचा प्रेम अपार । प्रिय पोषड पावसि चडी जी, सुब लीजइ संसारि ॥

२३२

२२९ जब-जब D. साइमी-साम्ही A.K., साहामी B, सांहमी D J, साही B, साम्ही L. कडी-आबी B. कंबरी-कंकरी O K., कुंबरी D, कुंबरी J, कुंबरी L. स्तरिष्ण-तराहण A O, ततपणि B, तति षिणे J. आबी-आहि D K. परिशवड-परीशिष B, एरीशिष O B J, परिश्लि D, परिशव B E transp As: परीविष्क आबी. परिशवड-परीशिष B C J, गोलह D. कुंबरी B D, कुंबरी B, कुंबरी B, कुंबरी B C J, गोलह D. कुंबरी B, कुंबरी B, कुंबरी B, कुंबरी D, बणी-आंत पणी B. बीची-बात B, O, जिंता B, बीतक K. कब्ह-वह के A, कि B J, अकि वीनती O, अवह K. कसारा-अंमारा A, जेवारा B D J, जिसहर O, यसराजा B.

२६० पदमनाम-परानाभ B B, परानाभि K, परानाभि L, पंषित-पंषित D. अणह-भणि B J, अणहं L, प्रीति-पीरति B, प्रीत K परीक्षा-पुरुषा B, परिक्षा D, परीष्या J, परिक्षा L. एष्ट्-एउ J, क्रांग-अंगि B D B J, बिहुं-बेहु B, बिहुं D, बिहुंनां E. कण-...E. उबहुस्ख्-उन्हसि B J, उहरुसक्ष्ट E, उन्हस्सा K.

२३१ चनपहें -...A, जुने घा, जुन्हें ० ६, चूप्हें ०, चोप्हें ६ बीर-बीरस ८ भणह-मणि घा, साचूं-साववं ४, सार्चुं ० ४ ६ पणि-...A, पणि ४०, विणि ६ क्षुय-मुख ४०, सुध ४०. साहर्क-ताहर्क ४, ताहर्ष ० ठा ४, ओर्स ४०, ताहर्ष ० जोर्स ० ४०, ताहर्स ० ४, ताहर्स ० ४, ताहर्स ० ४०, ताह

२६२ राज-रार्ग ह. किकरी-जिसरी A. समरी B. बिराधी गीत 0. किसरी गीत D. केशाय B. सारे गीत J. हिसरी गीत K. इकरी L. पश्चित 'नंदती A. पुत्रती B. प्रवती B. प्रवती B. किट E. हों E. सम्पादकी नामते D. कि. हो हो E. कि सम्पादकी नामते के कि कि स्वादकी की कि सारी-कि स्वादकी नामते के कि स्वादकी की सम्पादकी की स्वादकी की स्वादकी नामते के कि स्वादकी की स्वादकी की स्वादकी नामते के कि स्वादकी की स्वादकी की स्वादकी की स्वादकी नामते की स्वादकी स्वादकी स्वादकी की स्वादकी स

20

॥ द्रूपद ॥

कह सह मनमथ दूहविउ जी, कह हूं निरगुण नारि। प्रीयु परदेसीण बीनवह जी, आपह आप संभारि॥ २३३ कह मह मनमथ दूहविउ जी॥

दिवस दोहिलइ नीगमूं जी, रयणि घणेरी थाइ। विरह वेदन माहरी कहिने कहें जी, प्रीय विण रहिण न जाड

विरह वेदन माहरी कहिनि कहूं जी, प्रीयु विण रहिणु न जाइ ॥ कह मद्द मनमथ दूहविउ जी ॥ २३४

जड जलहीणी माछली जी, जीवइ नही जग मांहि। कंत विद्वणी कामिनी जी, तिम तिम षीणी थाइ॥

**कइ मइ मनमथ दूहविंड जी ॥ २३५** ॥ चउपई ॥

कुंयरी भणइ राय अवधारि, बीजां मागिसि वानां च्यारि । सादल सीह मलिक जे सन्धा, सोमनाथ छटंतइ धन्या ॥ २३६

च देहें इएव् ... A B C D R J K L कह्-कि B O J, क्सड नी B. सह्- A B, स B J, सि O, सहं D, सम्मय L. समस्य - सिन्तमय A, सम्मय D, सि J, सहं L वृहिषित-इहिष्ठि A, वृहिषीं B, वृह्यु O, हृत्यु D, वृह्यु K L. की -... D कह-कि B O J, क्दह E हूं-हुं B D K, छंडे L किरगुल-निराणि C, विरोण D, तिराण J, निराण K, सारि-नारि ॥ दूपर ॥ B मीयु-पीय A L, मीड B O, शिव K, यरदेवति-परेवेटि D, बीनवह-नीनिक B E J, वीनवु O, विनवड D, वीनवइ K कायह-आपि B O D J, आर्स्ड B K, काणिइ L. काय-आव B, आपइ K, आपि L संस्मारि-चीमारिजी A, संसरि K, कह सह समस्य वृह्यिद औ-... B O B J, कह सहे- D, के सन् o J, हो प्रीयवा सुप्त o K

२३४ वोहिष्ण्य—गोहेल A, रोहिल B, रोहिल D J, रोहिल K, तुहेल L. नीगार्सू—हूं नीगार्स् A, नीगार्स् B, नीगार्स् B, होतिल D J, रोहिल B, तुहेल L. नीगार्स् म, तीगार्स् B, होति L खंगीरी—करेती A E, क्योरणी B. साहरी—करास्त्र D, साव J. विषद् निराह्म B, विराह्म K वेदना नी ति ते देवना O B. साहरी—साहरीजी O D J K, . अ. कहिलि लाш—कर्त्य A, B O D J K L, कहि E. कहुँची—कर्तुनी A J, कर्त्य B, ... O D J K L, कहि म, कहुँची—कर्तुनी A J C, रिस B K विष्य—विश्व O, रिस्थ—रहुण A, रहिशुं O, रहण D, रस्पि B, रहिण J K, रास्प L, आह्—आहं A, जाय J. कह् सह सनसम्य वृह्यिक जी-...B O B L, कर्त्र महं D, हिस B J, हो टिसवा शुख् कीज्यह K

२३५ जड-ज A, जिम B, जु O E J, जू D, किम L जलहीणी-जल लिण L. साख्टी जी-साख्डी A, माखिली जी B O B J, रहर माख्डी जी L. जीवह—होने जीव A, जीवि B J, किम जीवर O, मु जीव B, L omits ii qr. मही eun—...A जुण n E, सांहि—साहि A, माहि जार D, कंक—कंज J, तिम के L. विद्वणी-विदुणी D, विदूणी है, विदुणी L. कामिती—कामिती A DJ, माहि माहि में किम के साहि माहि A, माहि जार D, कंक—कंज J, तिम के साहि माहि में कि में किम ती B, नारि L, iv qr in L is राजेवर रिवस बुहेल्ड जार, J interpolates the refrain कि सल after iii qr. तिम तिम—तिम B, सांग सण्ट प, तिम ते B, तिम र J K. चीणी—विज्याणी B, हीणी U, विणी र K. चाल्याय J कह सह मनमथ दृद्धिंड जी—...В O B L, चह सहे ० D, कि सल् J, हो पिवा कुण शीज्यह ससारि K.

२६६ चन्यहे-चुपे B J, चु॰ O B, जोग्ह L. क्वंबरी-कुमरी A, क्वंबरी O K, कमरी B, कुमरी J L. सम्बाद-मित्र B D J. राष-टाउठ O, राज S. बाबचारि-ज्यवगार L. बीजी-नीज्यो B, बीजा D L. सामिसि-समित A, समित D, मामिर D, चामिर D, चामिर

पातसाहनह आवह बोडि, समसमान नष्ट् बुंजा छोडि।
धुरताणी दल आवह जेय, रातीवाहि म मारिस तेय।। २३७
जनम आगिल्ड कामण करिजं, तेह पाप जाएज्यो परहुं।
पातसाह बोल्यउं पालिस्यइ, वीर भणह तन साचनं हुस्यह ॥२३८
देउल तणन न भाजइ रंग, देसि अम्हारइ न करह भंग।
पीडइ नही विप्र नह गाह, सत्य वचन तन पालइ राह ॥ २३९
पातिसाह टलतन जे सह, देसि कटक मोकलच्यो बहू।
साथि कीन करामतन भाण, कुंयरी करिन बोल परमाण॥ २४०

२३७ पालसाइ-ते साह ह, पातराह J, पातिसाह K, पार्ति L. नाइ-िं छ, नई D K, तह छ, नि J, नी L बाबाइ-आदि छ СЛ, आशी छ, एहवी L. समस्यान-धानस्यान A B D K, समर्दान ल. वान्ते छ, नि J, वुंबा-चोत्रा В D J K L, वीची C, ज्यावह K, हात्याणी-सरपिट D J, सर्तराणी E, स्रात्याणी कर प्रकार छ प्रकार के स्वाद्य के स्वाद्

२३८ जनम-जन्म त, जो मिं छ. शामिलह्-आरंपिलड त, आणि छ, आगावि ० छ म, आगावह ८. कामण-कामण त ० उ त. करिट-चीरड त, कसाव ६, करिट छ. तेह द ते ए पाप-प्लाड ६. कामण-लाइजो त, जाज्यो ०, जाह यम ह, जाएयो उ त. जाङ जड ८ गरहुं-महर्स ह, हिषे पर्व ०, परहर्द छ, पर्स उ, पर्द ६, पहुं ८. पास्तवाह पात्साव ६, पात्नाह उ, पातिसाह ६, पातिसाहि ८ कोस्वयं—कोलोड ते , बोलेड छ छ, बोल ०, बोल्युं ०, बोल्युं उ, बोल्य उ त पालिस्काह-पालसहं त, पालसिंद छ छ, पालसिंद ०, पालसिंद छ, पालसे ६. कीर-विरस ०, बीरस ६ ८ अणह-चील छ उ, अणहं ८. तत-तु छ छ, ते ० उ छ, ..., ठ, दु ६. सावयं-सानुं छ ०, सार्ष् ० उ, सार्ष् ७, साव्य ६, साव्य ६ ८ हुस्यह्-हुसाई त, हसिंद छ ०, हसाई ०, हसिंद उ

२५० पातिसाह -पातसाह A B C D, पातसाह ह, पातसाह J, पातिसाहि L, टकरड -टकर्डू A D, वर्क्ट B, चुटकर्ड् B, टक्ट J, के ने C, E. सहु-सह E, सह K, देसि-देस A B, देखि C, देश J, देखि L, दक्क करीट E, इक्ट L मोककरवी - मोकन्यों B C B, मोकन्यों J, वोक्कियों J, सोकिक्यों K, सोककर्य L, वहु-सह K, सांति-साथी C कीड -कर्र B, करिंड C D, कर्रव E, कीऊ J, कक्ष K, रूर्व L, क्रमासट - पर्वणालि A B E, समझ् G, क्यांतु D, उत्तामगु J, गर्वणाल L माल-मोल A D D K, कुंबरी क्र्रेस B, केक्सीई C, क्रमी E, कुंबरी B, कुंसी E, कुंसरी J, कुंबरी K, करिंड -कि वे J, करिंद E, कक्षाव E, करिंड L, व्यसाल-परिमाल A L) प्रमाल B C, प्रसाल D J K, प्रमाल E.

# तु कुंबरी बोली इणि परि सुणी, अम्ह इक्षा गढ जोवा तणी। दीइ सीवामण राउल कान्ह, साथइ मोकलीया परवान ॥ २४१

## ॥ अथ भडाउली ॥

श्रीनगर जालहुर तणी रचनां। गढ सह मंदिर पोलि पगारं। अदालीयां मालीयां टोडडे त्रिकलसां गगनचुंबित कोसीसां। सातषणां धवलगृहं। रस्य प्रवेशं।

# सुकडीया गवाक्ष'। मलयागिरी जाली'। कृष्णागिरी थांभली'।

२६१ तु- ..० к L कुंबरी-कुंबरी 0, कमरी ह, कुंबरी J, कुंबरी K, कुंबरी L. बोडी-बोल 0, बोलड ह, बोल्ड J, बोल्यउ L. इणि परि-परि A B D J, दंगी परि 0, ते परि K. सुणी-धुणी 0, शुणी L. बाब्द E, बोल्ड - कुंबर कुंबर

- ${f J}$  omits the भड़ाउली, **अय भड़ाउली -अय** भिड़ाउली  ${f A}$ , अय श्री नगर जालुर वर्णनं  ${f 0}$ , अय नगरवर्णनः  ${f D}$ , अय गढ जालुर्रनी भड़ाउली  ${f B}$ , अय भिड़ाउलि चालि  ${f I}$  नगर जालउर वर्णन  ${f I}$   ${f K}$ , अथ भटावजी गढ वर्णनं  ${f L}$
- 1 की-...D. नगर-नगुर L. जारुहुर-जालोर A L, जाल्बेहोर B, जालुहर C, जालुहर E, तणी-नी B B L, तणा D, रचना-...D, वाचना E
- 2 पोलि-पोलि D पगार-पाकार A J, प्राकार O D.
- 8 कहाळीचां-अटालीया B, अटाल C, अटाली B, अटालियां K, अटालियां L. साळीचां-मालीया A B L, मालियां B, मालिया K टोबर्ड-तोबिला A, टोडाटोडली योलीयलंड मालमत्वालणा O, टोडाटोबी D, टोडबी B, टोडबं K विकल्पतां-त्रिकल्या A, त्रिकलंपतां तोरण O, कुल्ल्या चणा L. कारान-माणि O B,...L. चुंचिल-चंबित A, संवती O, चुनित R, लंबित K, सोसीस C. कोसीसां-स्थेतीसा O, केसीसां D B, सेसी L.
- 4 सातवर्णा—सातवृणा ▲, सातवर्णी В, सात लाप О, सातवर्णा D, सातविणा L. भवकरमृद्द-रम्य भवलप्रद О, धवलप्रद D №, धवलद L
- 5 रम्ब-राज्ञ L प्रवेश-प्रदेश A B D, घरवेस O, प्राशाद K, प्रवेस L.
- 6 स्कडीया-स्कडिआलां B, सुकडीया D, सुकडीयां E, स्कडियां E, स्कडियां L. गवाक्ष-गवाष्य O, गवाय D, गुवाष्य E, आवास L.
- 7 मळवागिरी-मळियागरी ▲, माळीयागरी В, मेळीयागरीना О, मळियागिरेनी В, मळीयागिरेनी L. बाळी-ळाष О.
- 8 इच्चामिरी-इच्चागरी A B, इच्चागर तथां O, इच्चागर D, इच्चागयीनी B, किसागरनी L. योमझी-प्रह O, स्थम L.

मणिबद्ध काचवद्ध भूमि'। उराउरी वलमी'। पगबीयारां चन्नकीसर चुनाळुआं''। शतभूमिका सहस्रभूमिका सभानी रचना''।

महाराजाधिराज श्री कान्हडदे सभा पूरी बहटड छड्"। सिंहासनि पाउ परिटेड छड्"। मेपवना उठच बांध्या छड्"। परीयछ ढठी छड्"। केतकीना गंध गहगद्दीया छड्"। सोरंभना सोड सांचरिया छड्"। सभा माहि सेरी मेरहाणी छड"। जाड बेठी वाउउ पाडठना परिसल पंचवर्ण

9 मिलवर् - मणिवय B, मणिवंच लंभ O, माणिव्यर्वच D, मणिवुच B, सोभित मणिवच L. काचवर— काचवांचा B, कांचनवर O, काचवंच D, काचवुच B, काचवच L. भूमि-भूमी B, भूमिका L. After 9 L adds foll.

धांमह २ पूतली नादिक करह छहं। पिण ते आवास केहवा छहं। एकशीस भूंमिकाना आवास। सहस्र भूमिकाना आवास। इकसीस सहश्र परि उकुरालांनां गत्र माहि वसह छह। वनीस सहस्र परि विवहा-रीमानां बसह छह। वउराली वउहटा नगर माहि सोभिता छहं। वे सह प्रासादि नगर माहि छहं। उम्मरे देवकरस ध्वा उछल्डर। राजा थी कान्द्वदेवना रोग सोग ते घवा अगहरह छह। अनह कान्द्वदे प्रमुष सर्व चौरारासीया नह विवहासिया तेहनह माणिल्क्य करती छहं।

- 10 L omits Il 10-11 उत्तरति-जरीकरा A, जराजर B, जरजाजरी 0, पगिषाओं है, जरां K. वक्ती-पढकी 0, भलां है, बलीमी K
- 11 परावीचारां—गप्थीया B, पग्थीआरां O D B, पग्यिआरां E. चउकीसर em—चुकासुर A, चुक B,...o, चुकासरि D, चुकीसर B, चउकीसरि E चुनाल्ह्यां—चुनाल्ह्या A, चुनाल्ह्या B,.. O, सलानार्ल्ड्यां B,
- 12 शत-शित A, सात B,...O. भूमिका भूमिक B,...O, भूमिका E सङ्क-सङ्घ D E,...K. भूमिका-भूमिक B, भुमिका D, भूमि E,...K. समानी-स्थाश्चानी A, युवानी K. l 12 in L reads: विका राजा श्री कारवडेवी समानी रचना 1 ते सभा केवडी थड़ा.
- 18 सहाराजाधिराज-साहाराजाधिराज D. श्री कान्द्रवरे-श्री कान्द्रवरेज A, कान्द्रवरे B K L, काह्नवरे B, ए., काहनवरे D, एाउ श्री कान्द्रवरे B, समा-रामा K. पूरी-पुरि D, पुरित B. वहंडव-बिहु B, बेहतो D, वहंडो B. छड़-छिड़ B, छि 0, छडं L, A transp as. छड़ वहंडव.
- 14 K omits ll 14-15 and adds instead पाछड़ नामर दालई छड़. D omits ll 14-15. सिंदासल-सिंदासन B O, सहासन ऊपरि E, सिंपासण L. पाड-...B E. परिंडड-परिज्यंड A, पर्दू B, वहंडो E. छड्-छि B O, छहं L.
- 15 मेचवना-...D, मेघवना L. उरूच-ऊरुच B, उल्लोच C, चंद्र्आ E L. वांच्या-चांच्या ▲ C L, वांचिया E. छट्-छिट् B, छि C.
- 16 K omits l 16. परीचळ-परीयिन B C, परियंचि D, परीअचि E, भीते परियल L. इ.की-हाली B, आडी C, बांबी L. ळह-िल B, घरी लि C.
- 17 केतकीना-केतकीनां к, केतुकी L. गंघ-नास A. गइनहोषा-महिगहिया B, गहगहि 0, गहिमझा D K, महिमया B, गह २ L. छइ-छिइ B, छि D, छंद L. B interpolates 1 22 after 1 17.
- 18 सोरंभना-पुरंभना B, पुरसिना E, क्रुरंभना L. सोच-पुड B, सहस्र O, सोरंग E, भोग L. सांचरिया-संचरिया B E, विस्तरि C, सावखा D, संवक्षा K L, छड्ड-छई A, छिड्ड B,
- 19 समा-समा L. माहि-माहि A. सेरी-सारंस O, सेरि D, सर्वार B, गमनआगसन सेरी L. मेहदाणी-मेस्दाणी A D E, प्रष्य O, बेहळाणी B, बेस्त्री L, खड़ा-छि B D,...O, छ L.

शुष्कज्ञासिमा प्रकर पाथरिया छड़"। गुलाटना गंध गहगहीया छड़"। पडीयां कपूर पाए चेपाइ छड़"। घोडा वहीआठड घाछीया छड़"। हाचीयानी सारसी आगाठि कानि पढिडं कांड नथी संभठातुं"। पंचकाल वाजिल वाजड छड़"। गस्यां पीतठ रतांजणी तणा पपावज घोंकार करंड छड़"। नृत्यकी पात्र नृत्य करड़ छड़"। ततिवतत घनशुषिर पंचवणं घाजिल वाजड़ छड़"। पंचवणं छत्र परियां छड़्"। चामर टिंयजन विहुं पि हड़ छड़"। अमात्य प्रधान सार्गत संडठीक सुकुटवर्जन श्रीगरणा

- 20 बेडि-बेल D L, वेडल K बालड-. B, बालु O B, बालु कर मनकंद दमणु महत्व D, वर्षण L. पाळका। परिसळ-पाळल वर्षक G, पाउल मोगारे केरीती महसप्दर लग्न L प्रक-अनेक र्यच L. वर्ण-. .. B. दुर्फल-पुरस्क A, पुरफ K, कुल L. जातिवा-जातिवा A, तेहना L प्रकट-प्रकार A D, पगर C D, प्राक्तार K, पायरिया--पाठका A, प्यराई O, पायका D E, रच्या L ळड्-लिड B, छि O D, छे L.
- 21 ок omit l 21. गुझालना—गुलाल B, गुलालना D, कृष्णागरनी B, गुलालना L, गंध-मंधि B B, मंधरान D, महनावीया—गदिगहिया B R, गदिगता D, महनावा L छह्—छि B D,...L
- 22 o k omit 1 22. पडीबॉ-पडिया B ह, पड्यां D, पड्या L कपूर-कपुर D, कपूर नइ करत्रीका L. भार-पते B D ह, पा नीचइ L चंपाइ-चापीइ A E, चांपीय D, चंपाय L छट्ट-छि B D, छै L.
- 23 बोडा-बोडो A, बोडोनी L बदीबालड़-बहीबालि B, वहीबालीड o, बालही D, विहालई B, बालि K, स्हासि L, बालीबा em-बजीबा A, जाल्या B, फिरड़ o, झाल्या D, घाला E, हिपारव करह K, इणहणह L. छड्-छि B o D, छ L.
- 24 हाधीचानी-हाथीआनी 0 ह, हाथिआनी K सारसी-सारसी करत है L आगालि-सन्द L कानि-क्षिति A 0 D K, किने B ह, कान L पिंडरे-पिंडरा ह, पच्चाउं K, पव्डित L. कांट्र-... B L, कांट्रे E, कांट्र- E, क
- 25 पंच-पांच A. शब्द-सबद O, शिब्द E, शब्द E, सब्द L बाजह-वाजि B D, वाजे D. छह्-छिद B, छहं D K
- 26 D B omit 1 26 मस्यां-मल्या B. पीतळ स्वांत्रणी तणां प्रयास्त्र-पीतळ स्तांत्रणी तणां मीसाण A, पीतळस्ता मायळनी B, पीतळ तथा स्तांत्रणी तणां पायास्त्र B. धौंकार-पेकार A E. करह जह-करहे छई A, वाजिइ छि B O reads महत्रप्रतिमलक्षे चार करि छइ यूरंग तथा धौंकार सस्य यात्रि छि, L reads स्तांत्रणी पायास्त्र पीतर करहे हैं। वील प्रयास्त्र । रिणकाहलानां करकतार । नफेरी नह सरणाईना तहरुवार हुँ रक्षा छह 1.
- 28 D E omit 1 28.0 reads as 1 28 मह साम्बविवाद करि छड़ नीवाणनिर्धोच पावि छि. तत-ठींति ह, ...L. वितत-वित A, विसम ह, ...L वनञ्जिषर-धनशिषर A, धनविशेष करीयो ह, A, कि B, है L.
- 29 धरियां-धस्तां A C, घस्ता D K, घरावइ L. छड्-छिड B, छि C D, छै L.
- 30 चामर-चामर 0 D, निर ह स्थिजन-विज्ञान A, व्यंजन O E, वंजन D, . L. विद्वं-...O, यह E, पि-पिंब A, पारि B, ...O D, पष्ट L. हृद्द-करि O, उल्टर L. छह्-व्हर्द A, छि B O, छै L. ह omits 130.

# वहगरणा धर्मादिकरणा मसाहणी टावरी बारहीया पुरुष वहठा छड्"।

## ॥ चउपई॥

कोठा नइ कोसीसां घणां, गुष चार मढ मतवारणां । वली घवलहर जोयां चढी, रतनजडित बहटी फूदडी ॥ २४२

राजलोक जोया कुंयरी, जिहां कान्हडनी अंतेडरी। कूंयरि करह केतलडं वषाण, जोया पंचवर्ण केकाण॥ २४३

31 समास-आतमा D, ...L. प्रथान सामेल संस्क्षीक-मंडली प्रशान सामेत B, ...O, प्रथान सामेल मंडलीक D, प्रधान संस्क्षीक B, सामेत प्रथान मंडलीक E, सुक्डरवर्षन- मुक्करणा B, O E, मुक्टरवर्षन D, सुक्ररणा B, D, मुक्ररणा B, स्वरारणा D E, D Evallap As: औपुरुवा स्वरारणा मुक्ररवर्षन E, स्वराप मंडलीक सामेत सामेत प्रथान B E, अरालेख D, स्वराया अंगरहक E, स्वराप मंडली L, मसामाणी - सामाणी B, ममाणी O E, साहण E टावरी-टाउरी E, पटवारी कोटलेर E, स्वरी L, परायाणी सामाणी B, ममाणी O E, साहण E टावरी-टाउरी E, पटवारी कोटलेर E, स्वराप मार्थी- साहणीय-वार्डी A, वारत E, मार्थी- मसाहणी A, सामाणी B, ममाणी O E, साहण E टावरी-टाउरी E, पटवारी कोटलेर E, परायाणी D, पराया E, परायाणी मार्थी आती C, एवंविण परपु D, परचट E बहुटा-विठा E, वहटी C, वयद D, विहटा E, वयटन प्रथान E, परायाणी मार्थी आती C, एवंविण परपु D, परचट E बहुटा-विठा E, वहटी C, वयद D, विहटा E, वयटन प्रथान E, विटा E, वयटन E, सामेल मार्थी मार्थी मार्थी का सामेल सा

२४२ चडपहॅ-हिव चडपहॅ A, जुने B, जुन्हें C B,... J, नीपहें L B reads as 242 a : कोसीसां नह स्रोता चना पत मह संदिर सत्वाराण; L reads वा जालवर कोसीसां चना, पत्किष जालीया है नहिं सन्तार कोता-कोठ D नह्नित B c J, लूटं D. कोसीसां—कोसीसा O बणां—कणा O. गुप-गुध्य D, गवस K. बार-सार A, सरस B, धुनाथ D, वा J. सह-नि B, .. J. सरवारणां—सत्वारणां O, संवनारणां J, संवनारणां D, प्रवनारणां D, प्यापणां D, प्रवनारणां D, प्यापणां D, प्रवनारणां D, प्रवनारणा

चंदेला २८ पहिषणा २९ ज्यावडा ३० सुरमा ३९ वाला ३२ वाघेला ३३ डामीया ३३ (१) सोनमिरा ३४ तंत्रार ३५ हाडा ३६ एहवी जे राजकुळी ते राजाश्री कान्हडदेनी सभा माहि बहुठी छुट ॥

२५३ जोचा-रीठरं 0, जोवरं D, जोवां J, जोयुं K. कुंबरी-कुमरी 0, कुंबरी E.J. कुमरी K. कुंबरी L., क्षाब्दानी-कांन्दरनी A, काहाननी B J, कान्दरनी C, काहनरनी D, कान्दरनी E J, कान्दरनी E J, कान्दरनी L. कुंबरी-कुंबरी A, कुंबरी ठ, कुंबरी D, कुंबरी J, कुंदर कुंबरी K. कुंबर D. k trensp as: कहूं कुंबरी करह-किर्त D, कोर्स ठ J. किर ठ J. कार्ट ठ D. केंसर E. D transp as केंद्र करह; J transp as केंद्र करह; J transp as केंद्र करि. बवाण-ववाण A D E K, बवाणि L. जोवा-जोवां J, केंद्राण-केंद्राण A O D K, कैंकाण B, केंद्राण L.

[ राजरिक दीठी निरमली, राय तणूं सिंहासन वली । ] जोया राजसभा परिवार, जोया राय तणा अंडार । जोई वाडी जोई वाडि, कुंयरी जोवा गई तलावि ॥ २४४ देखल देव जोया सिव फिरी, नगरलोक दीठां कुंयरी । गढ कपरि कुंयरी तिणि कालि, करह सनान कुंडि जावालि ॥ २४५ कुंयरी जोवा आधी भणी, राजलि दीघी पहिरामणी । सोमनाथ लूटंतह लीया, हाथी राजलि पाछा दीया ॥ २४६ जे जे मलिक राह झालीया, ते कुंअरीनह पाछा आलीया । आगेवाण दायवह वाट, साथि मोकल्यन बीजड भाट ॥ २४७ सह साथ बुलावी करी कटक भणी चाली कुंयरी । यु जहिमती हुउ सुरताण, पाछन वलिन दीवं फुरमाण ॥ २४८

२४४ о D J K interpolate राजरिदि.. वली before 244 a A B E L omit it. सिद्धिऋदि O, रिद्धि D, रिशिष K. वर्ष्य्-तणुं O, तणल क सिद्धासन-सिद्धासन D, सिंहासण K. जोबा-जोई O,
जोवां J, जोबों K. समा-तणा B, सुभा B, सभा J, सुभा L परिवार-तिणि वार L जोबा-जोलु O. रायऋष B, राज O J L, प्रांज B तणा-तणु O, तणा D, चणा L. अंबार-कोठार B, परिवार L वाधि-वाच L.
ऋष्य B, प्रांज O J L, प्रांज B, कुंमरी J, कुंमरि K, कूंअर L. जोबा-जोड़वा A K राष्ट्र-गङ् D L, तकाधिताजव O B L.

२७५ देख्यदेव-देवल देव D k, तेव देहरी E, देवलदेहरा L. ओवा-जोबा A, ते जोवा J, जोहसा K. सिंक-.. B D E J K L फिरी-फरी O D कोक-लोक G J से तेवर्स-ते D G J किंद्र D, फिरा E L कुंबरी-कृति B E, कुंबरी G K L, कुंबरी J कपीर-लगरि D. कुंबरी-ते A, कृंबरी B, कुनरी G, कुमरि E, कुंबरी B E, कुंबरी G T A तेलि G J L समाव-स्वात-स्वात-ते B J K L. कुंबर-कुंद B G B J L. कावालि-लगराव C, जादवालि K, जवाल्ह सुमित L

२४६ क्रंबरी-कृतर A, केनरी B, केनरी O, केनरी D, कुनरी E, केनरी J, केनरी K, केनर L. जोबा-जोहना A. बाली-काव्या D J, आवर्ड B. C transp as आबी जोना अणी-वणी B L. राउछि-राउल L. बेली-कीवी B. पहिरासणी-पहिरासणी A L, पहिरासणी D B, वयांसणी J. सोमनाय-नोसनाय B, सोम-नाय L. कृतंत्र-कृतंत्र के ते D, स्ट्रार D, स्ट्रांत B. कीवा-कीया A, कीजा E, मुआ K. हाबी-ते B, हाबि D B. राउछि-राउत L. दीया-विज्ञा O B. हिया E.

२४७ के ले-ते वे ह. मिलक-सरुक D, उसर L राष्ट्-राशि A, राहं B O B J, राव D K L. झार्लीया-सार्तिका B J, सारिज्या K L. ते कुंबरीना इन्यरीनर A, कुंबरीने B, ते कुमरीनर C, ते कुंबरीनर्ष D, कमरीनर है ते कुंबरीनि J, कुमरीनर ते L. पाछी-पा-कारीया A, पीजा O, पीजो D, झारीका B, पीचा J, आदिला K, तरीपा L. बालेबरा-जानेयां A O J K, आपरवार्षण D, जापति क्षांची K, पीचा J, सारिका K, तरीपा L, क्षांचेबरा-जानेयां A O J K, आपरवार्षण D, जापति क्षांची स्वाव्यक-मोक्किड A B D, सोक्छ O, मोकरवा J, मोकरियो K. बीजव-बीलेड A B, बीजल B, बीजल C D J K L. आप्त-आर्ट L. दल मेडता थकां उपक्यां, तु इरस्रीर आईनइ पक्यां।
विह पालपी उतावली, कुंयरी जई सईमरि मिली ॥ २४९
पालि चालि उतावली करी, ग्यां आंबेर कटक सांचरी।
पाल्यां कटक दमामां रीयां, बीजइ दिनि बाइदरपुरि गयां॥२५०
मदनमेरि वाज्यां नीसाण, तु ढीली पुहुतत सुरताण।
पदमनाम पंडित मति कही, त्रीजा पंड समापति हुई॥ २५१

२४८ सहु-वहुर B, सहूर्ड K, सबि L. साथ-बर्जिड À B O, बलिर्ज D J, साथि B, साथिर L. कुलाबी-सजाहे À B, जुदार ज B, बोकाबी D, बजराजुं E, बलाबी L. करहरू-करिक E. मणी-स्त्री B, कुंबरी-केंभरी O L, कुंबरी B, कुंबरी J, कुलरी K. तु-ते A D, तो L. काहिससी-व्यक्तियों A, जो कैमति O, जिहसति D, जहसती B L, हिजसती K. हु-कुट B O, हुँ D, खु B, है R, हुउँ L. खुरवाण-युरताण A, प्रताण O B K, बुरताणी D, खुरिताण L. ोंं। पूर In J is: हर्ष्यति होक सरतांण. पाकड-पाका A, पराण B, पासु O D. बरिक्ड-कांग्रां A, विरुवां B, वर्जि E J K, वस्त्रों L. हीर्ड-योजा B, रीज् J, रीचर K, हुउ L. फुरसाण-केंद्रशाण O J K, मेहरांण D, फरेमांण E, पुरेसगण L.

२५१ सब्बन्सेर-महननेर D ह J. बाज्यां—वायां D J. वायां D, वाय्यां L. जीसाण—तासाण B, वीसाण D E, तीसाण K, नीसाणि L. तु—तु D, तव स. तीळी-विजीहें Q, वजी E, विजे K. वुहुवव-पुस्तक A, प्रदुत्त B E, पुत्तां त, पहुत्ते D, पत्ते व J. पहुत्तक K, पहुत्तो L. सुरताण—स्रताण D ह J K, सुरतां D, द्वारे-साणि L. E interpolates after 251 a: करी स्वानं नह उसा रिद्या आपाणणे परे सह यत्ता. K interpolates: करी स्वक्रा नह उसा रिक्रा आपाणे परे सह यत्ता. प्रसम्पास-प्यस्तानि K. पंति—वाणी D, सर्ति—इस D K. तीजा—प्रीजे K. पंत्र—वंत D. समापति—साणि B. हुई-हुई D, हुउ K. L reads as 251 b: त्रितीयं वह ए पूरी याह कान्द्रवर्ष पत्राहों स्वद्याह L B D J Omit ve 251 b.

# चतुर्थ खंड

## ॥ चउपई ॥

चउथा थंड तणड आरंभ, बोज्ह पदमनाभ किव बंभ। संतोध्यत्र सजन संयोग, तत पातिसाह थयत आरोग।। १ सिरंब काज मि पूगी रहीं, पातसाहन हे बेटी मिछी। ततिथण पूछितं असपितराह, किम तहं मिछि को छाज्या माह।। २ बोज बापनज हईह धरी, सकल फर्म किहें कुंभरी। कान्स्हत है छह मीणह अथ, ते जालहुत किसे छह माय।। १ एहबुं बचन पातिसाहि कहिंं, कुंभरी पीरोजा आयस दींबं। गढनी वात पिरोजड भणह, सावधान थिउ हाजा सुणह।। ४

१ चडपहे-... E J K L. चडथा-चुया B D E J, उचाथा L. तणड-तणु B D D J, तणी B. बार्रमप्रारंस A B D, आरंस L. चोडह-चोंि B D G J, बोंच्छ D, बोंच्छ L. पदमनाभ-प्रदान B, पदमनाभि E K,
पद्मनाभि L. संतौक्यड-संतोष्म A, स्तौध्य B, स्तोथि D, स्तोथि D, संतोष्म D B, स्तौष्म J, स्तौष्म L,
स्वत-स्वज B, सुजन D, सजन K, राजा L. संयोग-स्योगि D B K, समायि J, संतौष L. तड-त A, तु
B D J, त्रौ D, . E. पातिसाह-पातसाह A B D D, पातस्याहिम E, पातसाह J, पातिसाहि L. थयड-चिड
A B, खु D B J, हुउ D, थ्यउ स, थयो L. बारोग-आरोगि A J B, आरोग्य C, आर्सिंग D.

चे सार्षेड-सार्षेड ह, सरिउ उ, कखुं ह, सखाउ र. सिन-मन D उ. रळी-रूळी O ह. पातसाइनाई-पातसाइनि ह, पातसाइनि 0, पातशाइनी उ, पातिसाहिनी र. मिळी-मळी ह. क्विक्ण-तताक्षिण A ह, तताविषि в उ, तत्त्रसण D, तत्त्रपण कः पुकिंडे-पुळि В 0 उ , पुळ्ट D ह र., पुळ्च ट ह. साइ-एव ह D D ह उ ह. एवं र. क्वंद-तह A E र. ति ह... O, ति D उ. सिलेक-सिलक र. छोडाच्या-छोडाव्यु उ, छोळ्याच्या ह. साइ क्वा-माई A. माय В 0 D ह ह र. जाय उ.

है In D vs 4 precedes vs 3 E omits vs 3. बोक-बोस्स्ट L बायमब-बायतु B, बायतु O D J, बायम L इहेर्-बीर A, हेर B, हरेदर D, होआहे J, हिरवर स, हीआर L सक्स-सहस्य B O J, क्रीवर B कहिंदे - क्रीत C L, क्रावर E. क्रिय-सहस्य B O J, क्रीवर D, संदर D, मुंदरी J, क्रुआर L कान्युवरे-बोन्द्रवर A J, क्रावर C B, क्रावर D, क्रीट D, क्रीट D, मोट J, क्रावर G DB, क्रावर D, क्रीट D, मोट J, क्रावर D, क्रीट D, क्रावर D, क्रीट D,

धं पहर्च- एहं ४, एहर्च ४ J, एहर्च ४ L, पालिसाहि- पालसाहि ४ व, पालसाहि ४ D, पालसाहि ४ D, पालसाहि ४ D, पालसाहि ४ कि स्विट — इंग्रेट D, इंग्रेट B, इंग्रेट D, इंग्रेट B, इंग्रेट D, इंग्रेट B, इंग्रेट D, इंग्रेट ट, इंग्रेट D, इंग्रेट ट, इंग्रेट D, इंग्रेट ट, वंग्रेट D, वंग्रेट में अपने क्टरने में ड, क्ट्रिक्ती ४, त्रवास- अपने — कट्टनी छ, कट्टिक्ती ४, त्रवास- विदेश के प्रति च प्रति प्

सह भंद मंदिर परस्कि प्रसारि । वाली वनप्रक्र वाण आकारी ॥

#### ।। दुहा ।।

कणवाचल जगि जाणीइ, ठाम तणउं जावालि।	
तहीं लगइ जिंग जालहुर, जण जंपह इणि कालि॥	ષ
विषम दुर्ग सुणीइ घणा, इसिंख नही आसेर ।	
जिसर जारुहर जाणीइ, तिसर नहीं ग्वालेर ॥	Ę
चित्रकूट तिसउ नही, तिसु नही चांपानेर ।	
जिसव जाळहुर जाणीइ, तिसव नही भांमेर ॥	9
मांडवगढ तिसउ नहीं, तिसउ नहीं साछेर ।	
जिसर जालहुर जाणीइ, तिसर नहीं मूलेर ॥	۷.

पः बृद्दा-दृद्धाः D. कणवाषक-कण्यायिक स. किंगयाविक प्र. जिमि-जुगि A. जाणीह-वाणीह O B J, जाणिई D, जाणिये प्र. जाणियह प्र. ठाम-ठामि A L, ठांम O D J स. ठांमि B. तणार्व-नाणी B, तचा O, तथुं D, तथुं E, तथुं प्र. कालाकि -वालाक A. वर्षी-ति A D U, तेह B. तिहां O, तहुं ब स. कवाह-किंग B O B J, ठांगे D, ठाग्हं स. क्याह-किंग B O B J, ठांगे D, ठाग्हं स. क्याह-किंग B O B J, ठांगे D, ठाग्हं स. क्याह-किंग B O B D J, हिंग क्या कर D L, तीव D, क्यांग्र C B प्र. क्यांग्र C B D J, हिंग क्या कर D L, तीव D, क्यांग्र C B D, क्या कर D L, तीव D, क्यांग्र C B D, क्या कर D L, तीव D, क्यांग्र C B D, क्या कर D L, तीव D, क्यांग्र C B D, तीव D, क्यांग्र C B D, क्या कर D L, तीव D, क्यांग्र C B D, तीव D, क्यांग्र C B, तीव D, तीव D, ती

६ विषयम-निवर्स B. तुर्गे em-इंग्रं A B E J K L, तुरत 0, दूरत D, सुणीब्-वुंबीइ 0, आताइ D, सुण्या 3, जिति है, हुई 0, असिंद D, इंग्रं J, इसी K, असिंद B, इसी E, असिंद B, इसी E, असिंद B, इसी E, असिंद B, क्रांस्त E, असिंद B, असिंद B

७ विश्वकूट-विश्वकेट О ह ह, विश्वकेट D, विश्वकृटि L. तिसव-तिर्ध् A, तिरपु B, तिषु O B, वितिष्ठ D, विश्वक G, तिर्धु J, तिरव G E, वृद्धि में तिरु - तिर्धु - तिर्ध A, तिरपु B D, तिष्ठ J, तिरों E, तिरव L. वृद्धि - तिर्धु B, वृद्ध O, वृद्धि A, तिरपु B, वृद्ध O, वृद्ध O, वितिष्ठ D, विश्वक - तिर्ध A, तिरपु B, वृद्ध O, वृद्धि D, तिरु B, तिरु B, वृद्ध O, वृद्धि D, तिरु B, तिरु B, वृद्ध D, तिरु B, तिरु D B, तिरि B, तिरु D B, तिरि B, त्री B, तिर्ध D, तिरु B, तिरु D B, तिरि B, त्री तिरु D, तिरि B, त्री B, तिरु D, तिरि B, तिरि B, त्री तिरु D, तिरु D, तिरि B, तिरु D, तिर

८ B omits vs 8. जांबव—मांबप a, मंबव a, वंपव a. तिस्तव—तिषु a a, तिस्तु a,

#### ॥ चउपई ॥

वसइ नगर गिरि जपरि घणजं, किसूं वर्णवर्ज तलहरी तणजं । वेद पुराण शास्त्र अभ्यसइ, इस्या विम्न तिणि नयरी वसइ ॥ ९ विद्या वाद विनोद अपार, विनय विवेक लहु सुविचार । राजवंश वसइ छत्रीस, छिन्नू गुण लक्षण वत्रीस ॥ १० चाहुआण राज तिणि ठाइ, अवला विम्न मानीइ गाइ । छत्रीसइ दंडायुध घरइ, हीण कर्म को नवि आचरइ ॥ ११ च्यारि वर्ण उत्तम जाणीया, विवहारीया वसइ वाणीया । वहरड वीकड चालड न्याय, देसावरि करइ विवसाय ॥ १२

९ चडपई-चुपै हा, चु॰ 0, चुपई D ह, चोपई L बस्तइ-वसि ह D हा मिरि-गिर A, गढ ह, गि K खणडे-च्या ह, च्या 0, च्या D हा, च्या कर पि किर्मुल-चुड़ ह, छु 0, स्त्रुं D किस्तित ह, छू 1, हिस्तत A, विंदी में क्यों के ह, वरपुरी 0, नार्चे ट्रा, वर्षा क, ह वण 4, वर्ष्य ट्रा तकड़ ही मिरिता है। स्त्रुं ट्रा, तार्चे ट्रा, तार्चे ट्रा क्या करी मिरिता है। क्या करी मिरिता है। साझ 0, साझ 0 है। साझ 0, साझ 1 माल्यक्ट का स्वास्त्र है। का

to In L vs 11 precedes vs 10 बाद-बेर B किनोद-बिनोदि L अपार-अपारि L छड्ड-किनोद B, लिहि 0 J, लिहि ह सुक्रिकार-बिचार B, आचार J, द्वावेचार L वक्त-संत A O L बद्धान्-वित B O J, बद्दार D E reads as 1v qr কল্লন गुण আणह बनीस छिड्ड-लिंतुं A, छड्डा B C, छर्डु D, छर्नू J, छन्द D गुण-गण K

११ चाहुमाण 6D.—वाहुमाण A, नहृत्याण B, नहृत्याण CJ, चाहुआण DL, चाहुआंण BE र राव-राजा BOD BEL, राय J तिणि-विहि A, तेणि BO, तेण DB, नउ L ठाइ-ठाव OD BJL मानीह-मानीह OD BJ, माणिवह K, मानीय L गाइ-गाय ODL खनास्त-छात्री BOJ वंडायुव-व्हायुव B, वंडायुव J, वंडाविध L धरह-पारेट् B परि OJ हीण-हीन OJ, हाण E कमै-कमें B करस O को निव-न को D, बोह निवे J, निवे से KL खाचरह-आचरह A, आचरिष्ठ B, साचरि OJ, वायदर्द L

१२ च्यारि-प्यार O K, जारि ध वर्ण-नरण B उत्तम A, उत्तम K, उतिम L जाणीवा-जाणीवा A, जाणिइ D, जाणीवा म, जाणीवा J, जाणिवा K विवाहरीया-च्यावहारीया B, विवाहरीक्षा O B, सिवाहरिया D E, अव्यवहारी J, विवाहरीक्षा D चत्तन-चित्र B O J, त्याई D, वित्र ह वाणीया-नाणीवा O, वाणीवा D J, वाणीवा E, वाणिया E 111 QF 1D L 18 चुदर आणि करह विवास चुदरद्-चहिर B, सुदर O, सुदर्श D, सुद्धि E, वहर D, व तरहर K बीकड्-चीकि B, वेचि O J, वीकिइ E चालक्ट्-चािक B R J क्याच-न्याइ B, न्याट J K देसाडरि-देसाडरे A B D, देसाडरी O B करह-करे B, करि O J विवस्ताय-व्यवस्थाय B O B, विवसराउ J K L जलबट थलबट चिहुं दिसि तणी वस्त विदेशी भावह घणी।
वीसा दसा विगति विस्तरी, एक श्रावक एक माहेसरी।। १३
फडीया दोसी नह जवहरी, नामि नेस्ती कामह करी।
विवध वस्तु हाटे पामीइ, छत्रीसह किरीयाणां ठीइ।। १४
नगिर मांडवी वारू पीठ, आश्री वेरा चोठ मजीठ।
पाउसूत्र पट्टूजा साठवी, बुहरह वस्त अणावह नवी।। १५
कागठ काषड नह हथीयार, साथि सुदागर तेजी सार।। १६
तल्यां सुषडों तोठइ मान, नागरबेळि अणीआठां पान।
इणि परि वस्त विकाइ बहु, जे जोईइ ते लामइ सह।। १७

१५ नगारे-नगर BOBJL वारू-चाठ 0, वार्क D, वार J. बाडिनेरा-साजीयार 0, आछाचेरा B, आडीबिरी E, आदि विनेद्द L. सर्वीर-मंत्रीठ B K. पारब्यून-व्वस्य A, पाटब्यून B K, पटस्त्रीया 0, पटस्प R पाटब्यून K, पाटब्यून B K, पटस्त्रीया 0, पटस्प R पाटब्या K, पट्ट्या L, साखवी-सांज्यी A, बाल्यी L. सुद्दार - बाट्ट्या E, सुद्दार B, शुरुरि 0, वहर D, तुरुद्द E, वहर K, वहुर K, वहुर K, वहर E, वहर E

१६ नर-नि B,...L. नाणुटीबा-नाणुटीया B, नाणुटीया O, नाणुटीया D, नाणुटीया B, नाणोटिया द्व, नाणानादीया L. विश्वा-व्यविका A, पब्बा O D J E, पवि B. वेषद्र-वेषि B G J. कोष्ट्रीया-लेहिया A B, लेटीया O, लेटीया D L, लेहियीआ B, लेटिवा E. नत्तु-नि B D.1 द्वांपास-ट्वीबार O D B J, हिप्यार E. साथि-दाश A L, साथि B, साथि O, खुदागर-बोदागुर B, सदरागर E L.

१७ तक्यों –तड़ी B, तत्या O L. सूचवां –र्स्वा A, स्पषी B, युवडो D K, द्वीवडा L. तोकक्न-तोकि B O, तीवर्ष D B, तीवि J. मान-मांन A D B, मानि J, मानि K. नागरवेलि मानिविट AJ, क्योकाको-क्योयाती B, क्योवाला D, क्योवाला B, क्योवाला B, स्वाचित्र प्राप्त स्वाचित्र प्रमान्यति D B E K. द्वीन-स्य A, आणी B, रूपी C, हैंगे D, हेंगी E J K. प्रीर्म-सः B स्वा-स्यु B O D J, वर्तु L. विकाइ-विकाइ A B B, वेचाइ O, विकाई D, वेचावि J, वीकाई K, विकास L. बहु—बहु D K, जे-ज A O B L. कोईब्र-जोई A, जोई O, जोई O, जोई O, जोई O, जोई O, जोई O, जोईवर K, जोईव L. ले-ते L. कामइ-युद्धि B, सामि O J, युद्दु स्तु फ्रांस्ट्र प्रमुक्त स्तु D K, सुर्दू L.

१३ जकबर—जलबिट ह. यकबर—चलबिट ह. चिट्ठं—चिट्ठं ह. विस्ति—चिट्ठं ० हिस्सि ८ ह. रिक्टि ८. वर्षो ८ मणी ह, तथा ८. वर्षो—वर्षो ८ ह. विदेशी ८, विदेशी

घडी घडी घडीवाछे सान, रातिविषसंतुं लागह मान ।

शहुदां चडक चडतरां घणां, ठामि ठामि मांडह पेषणां ॥ १८
सेरी सांध मोकळी बाट, नगर मांहि छोइ पंकित हाट ।

घांची मोची स्ई स्तार, वसइ नगर मांहि वर्ण अदार ॥ १९
गांछा छीपा नह तेरमा, विवसाईया वसह नगरमां ।
आपापणि काजि सह मिलड, चहुदह हुईह हुईंग दल्ह ॥ २०
आसापुरी आदि योगिनी, देव चतुर्धुष गणपित अनी ।
कान्ह स्वामि गिरूआ प्रासाद, हिगर तडोविड लगु वाद ॥२१
आठ पुहर नित पूजा करह, ईवे ध्वजावस्त फरहरइ ।

वलतङ वारि हुई नितु जान, नाटक नृत्य नचावइ पात्र ॥ २२

रेट बड़ी बड़ी-पड़ी पड़ीनी 0, पड़ी २ D K L. चड़ीपाले-पड़ीआले 0 E J K, पड़ीयाले D. सान-सीन A D B J K. रासि-पत L. दिवसमुं-तिसस्तु 4, दिवस तु B, दिवसना 0 D, दिवसन् B, दिवसना J, दिवसना K, दिवसतित्रे L. लाभड़-लाभि B D, लाभि J, लाभई L. सान-मीन A D D J K, मास L. बहुर्ब em.—बुद्दां A D D, चुद्धा B E, चुवदा J, चुद्धा K L. बड़क-चुक् B D D E J, चलेक L. बड़दां-मीतिरंसी B, चुतरा 0, चतुरा D, चुतरां E J, चलता K L. बणी-पणा C K L. दासि दासि-लामि ठासि A B, ठासि २ D D B, ठासि ठासि J, ठासि टासि K, ठासि २ L. सांडइ-मादियों B, मांच्या D, मांच्या J K, हत्वर L. वेषणां-पेणणा K.

१९ सेते—सारी ए. सांच-साय ABK, साथि L मोहि-मोहि AKD छोड पेकित-छोह पीके A, पटणीयट B, चुपक्षत ए, पीटहर B, छोह पीक्त K, पीटणीयट L बांची-पाची L. स्ट्रूं-सहै BOBJ, खुप्तर-स्हाथार B, सीनार KL, वनड्-वि BUJ, मोहि-मोहि AKL L transp as नगर माहि स्वह, खुप्त-करण 03.

२१ B D Omit vs 21. बासापुरी-जासापुरी 0, आस्यापुरी B L, आसापुरी J K. आदि-जाि L. पोनिनी-नोपनी L. चतुर्धुच-चतुर्थज B, चतुर्भच K, चुतुंशुष L गणवति-गुणवति B, कमी-जंनी A. काव्य-इरि 0, कोइन B, कांन्द्र J K, कुंभ L स्वासि-स्वामी 0, स्वामि B J K. निरूषा-निरुद्ध A, निरुत्व 0 L. साधाव-साधारि A L, प्राशाद K. क्षियर-विधिद B, विधारि K, शपरि L. सडोचकि-तडोवड L. छागु-स्वाग्री A, कामा J K.

पूरइ प्रत्या ध्याइ जोक, शृष कृष नह टालइ झोक ।

जोइ जिणालां क्रम विसाल, बसही देहरां नह पोसाल ॥

२२ गढ क्रपरि जलकाम विसाल, झालर वावि कुंड जाबालि ।

वाक वाव मांडही तणी, साहण वावि अति सोहामणी ॥

२४ राणी तणी बावि मोरी, नटरष वावि निरमल नीर ।
सोभित बुजें बुजें काकरउ, नदी तरूअर क्रमाहरव ॥

२५ साल्हा चलकी करहडी जाणि, कान्हमर रूयडव वषाणि ।
साल्हा चलकी करहडी जाणि, कान्हमर रूयडव वषाणि ।
साल्हा वाडी तरूअर चंग, राय तणाउ छड़ मंडण रंग ॥

२६ जीणाइ वसइ जालउरउ कान्ह, राजरिद्धि छड़ इंद्र समान ।
रामपोलि अति रूलीआमणी, त्रिणइ पोलि तलहटी तणी ॥ २७

२६ प्रस् प्रस्था-प्रस्था पुरत् ४, पुरि प्रस्था В Ј, पुरि प्रस्ता थे 0, पुरत् प्रस्था D ह. प्याह् — शिक्ष 0 ह. प्रसाह — शिक्ष 0 ह. रोम 1.. बोह्य—शोव 0 ह. रोम 1.. बोह्य—शोव 1 ह., जे बात्य 1. जह—नि इ Ј, गी 0. डाक्क्ट्-टािंड В 0 ह उ हा स्वीक—सीक 0 ह. रोम 1.. बोह्य—शोव 1 ह., जे ते ह. सिसाक—शिवाक В इ Ј ह. В 0mits iv पूर. देवर — देवर 1 ह. हा हो ह. सिसाक—शिवाक В इ Ј ह. В 0mits iv पूर. देवर — देवर 1 ह. हा हो ह. सिसाक—शिवाक В इ Ј ह. В 0mits iv पूर. देवर — हा सिसाक—शिवाक В इ Ј ह. सिसाक—शिवाक В इ Ј ह. हा सिसाक—शिवाक В इ Ј ह.

हालर-सालपि ह ह. बाबि-बाब र. कुंड-कुंडि A. बाबािल-बावात छ 0, जाबाित उ, जो पीलि ह. बाहर-बाहर L. बाबि-बाब र. सांब्रि-सांबर्वी छ, सावहीं 0, सावणी ह उ र., सावह ह. त. वर्णी-चर्णी र. साहण-साहण उ ह., साहिण र. बाबि-बांव र असि-ते छ 0 उ र. सोहासणी-सोहालणी र छ उ

२५ हाली-राणी D R J. मटरथ-नाटरथ A, नटलथ B, नाटिक O, नटरप्य B, निटर्स J. बाहिस-बावह A. लिसमङ-निर्मेला B, निरसलुं O, निर्मेल D K, निरसलुं E, निरसलो L. सोमिल-शोभित B D E J K, असो स्ता O, सोमि L. बुक्री-चर्च B, सर्वो O, दक्ष D, वर्जा B J L, वर्ष E. बुर्खा-चर्क B B, ...O, वर्ष D, वर्ष B, नक्ष J, वर्ज K, वर्ज L. काकर्ड-जिंक्क B, काक्ष्य O D B, काक्ष्य J, काक्ष्य L. ब्रिश्न-नेशी A L, उद्यक्तमर-निरूप B, तर्वभर O. कसाहर्ड काल्प-निर्माहरू A, माहि वर्ष B, उमाहर्ष O J, फक्ष बावह D, बसाहर्ष B, कमाहर्स E, उमाहर्ष E, उमाहर्ष D.

२६ к omits vs 26 a. साल्हा-साल्ह в. साल्हा C घ, साल्हा L चवकी-चुक В В, चवक С L, साल्हा ठ फ, साल्हा-साल्ह छ В, मवक С L, साल्हा-साल्ह छ В, मवक С L, साल्हा-साल्ह छ В, काल्ह्रि ट, काल्ह्रियेट Б, काल्ह्र्य Б, काल्ह्र्य Б, साल्ह्र्य Б, साल्ह्य Б, साल्ह्र्य Б, साल्ह्य Б, साल्ह्र्य Б, साल्ह्य Б, साल्ह्र्य Б, साल्ह्य Б, साल्ह्र्य Б, साल्ह्य Б, साल्ह्र्य Б, साल्ह्र्य

२५ जीजाइ em—जीजि A, जिलि B, जिलि O J, जेजाई D, जेजाद ह, जीजाई K, जिहां L. जसाइ-विशेष B J, वाइडिंट, जेस्टाइ D, वाइडिंट, जालडेंद K, जालडेंद K,

पोलि फूटरी पाटण तणी, चीजुडी नह हीकी तणी।

बारी पोलि अलेरड भाव, कूंअर तणां तलहटी तलाव॥ २८
सूंद्रर नाम तलावह जेव, भोलेलाव कचोली बेव।
पाणी तणी पर्व अपार, सह को मांडह सन्नुकार॥ २९
के पहिरह मुद्रा कांचडी, आवह जती जोगी कापडी।
हेसंतरि पंपीया भाट, अन्न अवारी पृक्षह वाट॥ ३०
तरूअर छांह परस चववटे, राउत रमह नितु जुवटे।
नगर नायका रूप अपार, नितु नितु करह नवा सिणगार॥ ११
तास तणा मंदिरि वीसमइ, भोगी पुरुष तेहस्यूं रमह।
वावि सरोवर वाडी कुआ, नगर निवेसि ढलह डीकुआ॥ ३२

२८ बोखि-पोल D, पत्रलि L. कूटरी-फुटबी O. बोखुकी-बीज़ोबी A O, तल्वही L. क्यू-नि B G J. इंक्रि-डार्मी B, बोखी O, क्यों-अपनी E. बारी-बार B, बाली E. बोखि-पदलि L. अलेटर-अलेट B O D E, अलेटर J, मेर्स्ट्र K. आब-आबि J L. कूंबर-कुरत A, कुंबर B D, कुंबर O, क्यारे B, कुलर E. क्यारे E D-तमाउ A E J, तथुं B J, तथुं D D, तथु E. तक्वदिवी-तल्वहरी A, तल्वहरी द B, तल्वहरी दं J.

२९ स्ंदर-इंदर ВО D J K, संदर B, इंदर L. नाम-निव O, नामई B, नाम J K L. लकाबह-तकाबा O, तकावर्ड E. जेड-तेह A, जेह B, तेब E, तेब E L मोडे-मोति B O J. काब-मानि B O, काव D J. कचोडी-कचोल B, किवोडी D, कमोडी J. बेड-वेब A, वेह B, वेंट D, तेउ B, वेय L. पाणी-पीणी D B K. पर्वे-पर्व A O, की परव D, व्हं पर्व E. अपार-अपारि L. सहू-संवि K. सांबह्-मांकि B U J, मंबह K, माबह L. सक्कार-सञ्जार O, सजुकार D

३० जे - जेह ह, ये ० ड. पहिरह-पहिरहं Å, पहिरि छ ० उ. सुझा-संद्र Å, सुद्रि छ. कोशबी-काश्मी छ, कंशबी ०. बालह-माने छ ० उ. सालह-माने छ ० उ. सालह-माने छ ० उ. सालह-माने छ ० उ. स. स्वेत छ ० जोशी-चोशी छ ० छ उ ४. स्वेति च दंशांती छ ० छ उ ४. स्वेति छ ३ उ. स्वेति छ ० छ उ. स. स्वेति छ ० छ ४ स्वेति छ ४ स्वेत

३१ तस्त्रमर-तस्त्रमर A. B., तरुवर O. छोह-छाता O, छोहि J. परस-पुरस A. B., पुरस B. L., पर्यु O, पर्ये J. व्यवदे-पुत्रदि B., वाट O, चुनटे D. B. J., चउनटे K. शाउत-राउत्त K. शस्त्र-रिमे B J., नितु O, रसई D. लिद्ध-नित्र टे, प्रमाद O, चिंदा नित R. मिद्ध-नित्र टे, प्रमाद O, चुंदाबरे L. क्यार-क्योरि L. लिद्ध-नित्र टे A. K., नितु २ B O B J L., नितुं र D. करह्-करि B O J, नवा D, करिष्ट B. ववा-कर्र B. D... B., नवा J K. लिक्शाल-ह्यार A. J., स्थार C. कुंदा B. D. करह-करि B O J, नवा D, करिष्ट B. ववा-करह D.... B, नवा J K. लिक्शाल-ह्यार A. J., स्थार C. कुंदा B. C.

३२ वास-तिदां ८, तासु इ. तीणे इ. तासु ध. तणा-तिण छ उ, तेणि ०, तणंह ०,...к, तणां ध. संदिष्ट-संदिर ० ० इ. प्रतिदे ६. सीदसम् ६ तासु थे. इ. तीतमिद छ, वीत्तमि ० उ, वीत्तमे ०, जे वीत्तमह ६, सीतसंद ध. सोगी-भोग छ. युक्य-पुरंदर इ. पुरव ६, पुरव ध. तेह-तीह ८, तिहा ० इ. ध. स्टू-यूं अ ६, युं ० ६, तितं ड ह. थं. उ समह-रिमेह इ. रमे ८ उ, रसई ७, रसइ इसइ इ. सरोवर-सरोवरि उ. इवा-कृता छ ०, कुआ इ. सगर-नगन ६. सिवेदि-निये ४, निवेत ६, तिवेशि ध. वक्ट्-विके छ ० उ. डीक्क्या-बीक्सा इ. विकृता ०, वीकुमा इ. विकेशा थे. गह गिरूज जिसन कैलास, पुण्यवंतन कपिर वास ।
जिसन निकृट टांकणे घडिन, स्पत्तपात कोसीसे जिहन ॥ ३३
धणी फारकी विसमा मार, जीणह द्यामे रहह झुझार ।
झुझवाणनी समदा वली, विसमा वार वहह टींकुली ॥ ३४
गोला यंत्र मगरवी तणा आगह गढ उपिर छह घणा ।
उपिर अन्न तणा कोठार, ज्यापारीया न जाणूं पार ॥ ३५
माणिक मोती सोनां सार, गढ माहि गरथ भरिया भंडार ।
टांकां वावि भखां घी तेल, वरस लाव पुहुचह दीवेल ॥ ३६
जुनां सालणां सुकां पड, ईधण भणी घणां लाकड ।
जालहुर गढ विसमन घणां, चाहूआण रायनूं बहसणनं ॥ ३५

३३ गिरुड-गिरुड ४, गिरुड L जिसड-जैन B, गिन्न त, जेस्तृ D, जिलंड ड, निज्ञ उ, जिस्तड L. कैंकास-कैलाश E, कैलासि J. पुण्यवंतनड-पुन्यनंतन B, पुन्यनंतन त, पुण्यनंतन D, पुण्यनंतन B, पुण्यनंतन उ, पुण्यनंतन प्र, पुण्यनंतन प्र, पुण्यनंतन प्र, पुण्यनंतन प्र, पुण्यनंतन प्र, प्रस्ति च जिल्हा च च जिल्हा च जिल्हा

३५ वर्णी-वर्ण D बिस्सा-बिसमी E. सार-पाट L. औजह em -जीणह A, जेलि E, एणि O, जेलिह D, जेल्ह E, जीणि J, जीलई K, जिजह L. ठासि-ठासि O D B J K. रहद -राहि B, रहिद E, रिहे J. स्वार-स्वारी L. स्वार्याणनी E, स्वाराणनी के प्रतिकृति प्रतिकृति D के प्रतिकृति के प्रतिकृति के प्रतिकृति के प्रतिकृति प्रतिकृति प्रतिकृति D के प्रतिकृति के प्रतिकृति प्रतिकृति प्रतिकृति प्रतिकृति प्रतिकृति प्रतिकृति के प्रतिकृति के प्रतिकृति प्रतिकृति प्रतिकृति प्रतिकृति के प्रतिकृति के प्रतिकृति प्रतिकृति प्रतिकृति के प्रतिकृति क

६५ सगरबी-सगरबा B, सगरवे O K, सागरवे D तथा-तथा B D, तथी K. बगावाइ-आगि B O J, अगरो K. ऊपरि-ऊपरि D, छह्-अति A, छि B J, छहं B. बथा-थणा B D L, वथी K. ऊपरि-ऊपरि D, बच्च-अँग A, अंक B K L. तथा-तथां A D. कोठार-कोठारि L. स्वापारिया-व्यापारीआ O B, वापरिका K. म-नवि O. आयो-आयो-अपार्ट A, आयो O, जोंग्री D, जोंग्र E, जांग्र K. जाणू L.

६६ साविक-मांविक ∆ 0 J K, मांगक D, माणिक्य B, साविक्य L सोनां-सोना B L, सोर्चु o. सार-पार L. सावि-मांब्रि B. सरय-मुश्य A J, छड़ खरा o, गर्य L. साविया -...o, अखा D K L, आरिखा E, बंका-टांकी o D L, बांक्यों J, टांकि K. भवां।-मरीयों A, भरिया B B, अरी L. बरस छाष -बरस लिंब A, काव बरस o B. दुष्टक्य-पुदन्दर A D L, पुट्टि B, पुट्टिप O, पट्टिय J, पट्टर K देशिक-धीनक D, वेविके L.

है थे जुर्लो-पुष्ठां B, जूना D J. साकणां-साला D, चीला J, सालणं K, सालना L. सूकां-पुक्ता A, सुक्रां O, सुंबं K, सुक्ती L. वष-वस्ता B J, वकी L. है ब्रचण-पुष्ठा C, हेवण D, इर्चण E, अणी-अगर O, वर्षा-अली B, पुष्ठा E, कालका L. आवर्ड-कालोर A, जालोहर O, जाहर- हुए B, जालकर K, जालकर L. किसमट-विस्पुट B D E J, विसर्ध O K, विसर्ग L. वर्षायं-वर्ष B J, वर्ष D B B, वर्षाय B, वर्षायं B, वर्षायं B, वर्षायं B B B B J, तिसर्ध O B B K, वर्षायं B B B D J, रावर्ड G, रावर्ड K, रावा L. वर्षायं चित्रं के B D J, रावर्ड G, रावर्ड K, रावा L. वर्षायं चित्रं के B D J, रावर्ड G, रावर्ड K, रावा L. वर्षायं चित्रं के B D J, रावर्ड G, रावर्ड K, रावा L. वर्षायं चित्रं चित्रं के B D J, रावर्ड G, रावर्ड B, रावा L. वर्षायं चित्रं के B D J, रावर्ड G, रावर्ड B, रावा L. वर्षायं चित्रं चित्रं के B D J, रावर्ड G, रावर्ड B, रावा L. वर्षायं चित्रं चित्रं के B D J, रावर्ड G, रावर्ड B, रावा L. वर्षायं चित्रं चित्रं चित्रं के B D J, रावर्ड G, रावा E, वर्षायं B D D B K,

काल्इडदे पाटनज घणी, बीजी सूमि भोगवइ घणी।
राजरिजिन्नूं किसूं वषाण, वालह पंचवणं केकाथ।।
इर्थ सरइ सेलडी साकर द्वाष, अति रूअडा तुरंगम लाष।
पाणीहारि पोलीजा सुआर, दासदीकोलां संघ न पार।।
इर्श श्रीमरणा वहगरणा भला, साणहिता महिता राजला।
नगर तलार देस सेलहुत, देहरासरी विद्र प्रोहित॥
अवघानीया अनइ टावरी, करइ मसाहणी चिंता तुरी।
[इसी अविष वरतइ राजली, त्रिणि वार घोडां जानली॥] ४१
भंडारी कोठारी जेज, पूरइ वरज रालगुनि तेव।
आल्या-स्था-नइ दीजइ मान, बुद्धिवंत राजला प्रधान॥। ४२

दे८ कान्युबर्दे -कान्युबर्दे A B J, कान्युबरेय 0, काल्युबरे D. पाटनव-पाटलु B O D, पाटणबु B J, पाटणलब B, पाटणलब L धणी-पणी K सूर्ति-पूर्ति A B, भोमि J, भोगब्द -लोगिय B O, भोगबी J. रिविद्र्ं-ऋदितुं A B O, रिधितुं D B, रिप्तं J, हिपनच L किस्तुं-किर B, कल्लुं O, कलिंडे D B, किस्सूं J, किसुं K, किसुं L, वयाण-वयाण A O D B J B, वस्त्रं J, व्यालि B, वाल्युं L, पंबद्यवी-पंचवरण O, पाचवणं स. केकाण-केकाण A O D B J B, किलाण L.

३९ चरह-चरि B J, चारि O, चरि E D. साकर-साकर में D, साकर नि J. बांत-अनि B. कबाडा-ह्यडा B, इडा D, इडा B J, इवडा L तुरंगम-दुरंगम L पाणीहारि -पाणहरी B B, पाहाणारी O, पाणीहारि D, पाणीहरी J, पाणिहरी K, पणिहारी L. पोलीआ -पोलीया A B D, पोलि O, पोलिआ K, पउलिया L. सुमार-स्वार A B D, अपार C. दास-दारा D, दावि J, दिस K. दीकोलो-चिकला D, वीकोली L. वेच-चीका D, सी वी.

भेक श्रीतरणा-श्रीपुरणा D, सदराणा L, सङ्गरणण-विराणा B J, बदराणा D, वनगरणा B, सक्का-स्त्रा D, साणदिरा-सांदण A, साणदिना B, साहाणादत O, साणदता D, साणदता B, सेक्ट्रब्य L. सहिधा-मुद्दता इब्द A. नगर-नगरि A. वकार-तल्दार O, तल्दार D, तल्दार J, तल्दार L. देस-चेटि A, वेट स् वेदा O J, दि B, दिन L. केव्हुल-मेक्ट्रब्य A B, सेल्ट्रते B, सेल्ट्रत O, सेल्ट्रब्य K, सेल्ट्रब्य L. चेद्रशासरी-देशासरी A, वेदरासारी B, तेदराशिर D, करद बेदरासर B, करद वेरासरी K, वेदरासारीद L. मोहिल-परोहित B D, विहिट्टब्य E, प्रोतिक J.

ध श जवधानीया-अविधानीता 0, अवधानी DJK, अवधानीआ E. जनह-वीति E, अनि OEJ, अने D, तह L दावरी-टाउरी E, टाइरी J, ये टावरी E, यहादी L करह-कि BOJ, करीइ K. ससावणी-स्ताची B D BJ, ससाहणी B, ससाहणी K. विंता-चिंता JK L, BCDJK L Omit 41 b, शिकी-लिण A को बोर-चेंचा E.

४२ जेड-जेह AD, जेऊ J, जेब L. प्रह-पूरि BOJ. वरड-वर BOD EJ. राख्युचि-राउल ADJ, राउलु O, राल्यूचि E, राउल्युच K, रावल्दं L. तेड-जेह A, वेड BK, तेह D, तेब L. **माल्या-माल्या A.** राचा-मां ABB K, रावा ODJ L. सह-नदं ADB, ति B, ति OJ. दीवाह-दीवि BJ, दि O, दीवाई D. मान ABJ, वहुमांन O, दांन DK, मानि L. दुविबंद-सुपीवंत D, दुविवंत BK. मधाब-नावंव ADDBJK.

नित नित करह राख्यां बतां, पोसातां दीखह कणहतां। चाहुआण घरि आगहं लगह, ठकुराला राख्त चलगह॥ सोलंकी वाषेला सुहड, रोसाला राख्त राठवड।	४६
एक राउत चाउडा हूण, अति फूटरा ऊतारा ऌण ॥	88
जइवंता यादव परमार, गृहिल सवे सबल झूझार ।	
इणि परि राजवंस जे सवइ, उहइ ब्रास ब्राम भोगवइ ॥	४५
तरूआरे सोनहरी मूंठि, करडां वेडां घालइ पूंठि।	
कडिहि कटारी हीरे जडी, पाडसूत्रनी छइ दावडी ॥	४६
मेघवना फाडा बांधिवा, पाए मोजडा पोगर नवा।	
षांडां पटा तणा गजवेलि, अलवि आगिला हींडइ गेलि ॥	୪७

४६ नित नित न A E K, नितु B, नितु र O J L, निर्तु र D करहू-कींखे B, करि C J, नरेट्र D, करहू B, हाइडार्च-राज्यानि B, राजलं L, बता-निता A K L, गीसार्वा-पीर्या K, गीसार्वा-पीर्या B O, गीसि J, गीरार्वा L, गीसार्वा-पीर्या B O, गीसि J, गीरार्वा K, करहार्वा-काहता B, जहुर्याण ते L, काहरूं — जाहुर्याण न ते प्रकार के प्रकार च जहुर्याण ते L, काहरूं — आकर्ष C, आज्ञ C, आज्ञ D, आव्या B, जाहर्याण ते L, काहरूं — विष्कृत B O J, . L. ठकुराका-ठकुराला A, ठाकुर C, ठकरार्वा D, ठकराला B, ठाकुरारा K, राजलं T, ठकरार्वा D, ठकराला D, ठकराला B, ठाकुरारा K, राजलं ते J, ठकरार्वा D, ठकराला B, ठाकुरारा K, राजलं पर प्रकार B O D, राजत L. उक्रगङ् —उल्लाहं A, उक्लिंग B, ते उक्लीं O, ठकरां के प्रकार B D D, राजता B D D, राजता B D D D, राजता B D

४५ सोकंकी-सोहर्कन od. सुदुह-मुहद Aod Ki, मुहोद B, सुदुद E. राटडव-राठोड Ad K, राइड B. राडव-रावत J. चाटबा-चाववा J. हुण-हुण ob. हुण D, नह हुण K, हुण K, हुण L. कूटरा-चक् B, कूटरी J, कूटरा K. कतारा-कतार B, कतार o, कतार p, कतार E, कतारी J खुण-खेण Ad B, हुण K. ४५ वह-च्या Bod Ki, केह L. परसार-परिसार L. मुहिल में हिल के Od K L. मुहिल स

क्षंत्र का इन्जिय BOD BJK, जेंद्र L परमार-परिमार L गृहक्त-माहित BOD EL, गृहित ह, भोहक J. सच-नित्त B, सित O, सबद L. सकल-सबता DJ. ह्यसर-दिशारि L. हिल-दण A, हेणी BJ, इणी OB, एकी D. परि-परि BD. राजवंस-राजवंश BBJK, राववंस O, राजवंशी D. जे—्ये हु....... सक्षा-स्वाद A, सबे BOD JL, उललाइ K. खह्द-लि B, लहि OJ, लिंद D, लहिता ह. झास-प्रास A, पर्यास BOOK, प्रीमाशास B, प्राप्त L. झाझ-गास BD, गांस OJK, प्रास L. ओगवक्ट्-भोगवि BOJ, भोगविह S, भोगवंद L.

धं६ वक्जारे-तस्त्रारे A B J, तस्त्रारे O, तस्त्रारिं ह, तस्त्रारे ह. सोनहरी-सोनानी B D B J L, सोनिरी O. ध्रीटै-सुठ D, सुठि K, मूठि L. करबां-कर्ड B, केरडा D, करडा L. देखां-वेई B, वेडा L, वाक्ट्र-माले B J, माते O, मालई D, जावद L. स्टेटि-सुठ A B D K L. किसीट्-करड A, किट B, कहिंदि O, केरि D, करहिंद B K L. करारी-करीं E. संदेट-सुठ A U मावस्त्रानी C प्रस्तुत्रानी C D, परस्त्रानी B L, परस्त्रानी कर कर्मा कर्मा कर सुठ निक्र में कर करारी करारी B प्राणि D, उन्हों A D मावस्त्रानी B L, परस्त्रानी कर सुठ निक्र निक्र कर्मा B D A द्रावरी करारी करार

५६% नेवास्ता-नेक्शान छ, येथराना D E J, येथराबा L. फाडा-फाटिया ह, फाटा O, फडा D, मोलीकां B, फाटी Mi सिवा-बांचार B O JK, येथरा D, वापकी L. पार-पाई L. क्षोवस-नोकर A D, मोता छ B, मोता छ C, मोता छ, मोता छ C, मोता छ D, पदा-पाई L, क्षोवस-वाप O L, बाट D, फडा-पांड L D, पाट K. कथा-तथी A B E, तथा J. काडकि-अलिवई D, अध्यक्ष छ. कामिका-सामाला № E J L, आगकि O , आगोलां K. हींबह-हींबह A L, हींकि B, हींकि O J, हींबई E, मोलिका-कि E, कामिका-कि D, होंकि D, हींकि O J, हींबई E, मोलिका-कि E, होंकि B, हींकि O J, हींबई E, मोलिका-कि E, होंकि B, हींकि O J, हींबई E, होंकि B, हींकि O J, हींबई E, होंकि B, होंकि O J, हींबई E, होंकि B, होंकि O J, हींबई E, होंकि B, होंकि D, होंकि

सावलोह भाला नइ सांगि, लीइ हवीयार सबे मनरंगि।
नवां सावटू टेसइ पाय, उलगीइ कान्हडदे राय ॥ ४८
रंगि बिरंगां मुहगां मूलि, पहिरइ एक कणयरी झूलि।
भोजन वार मांडीइ त्राट, कीरति बोलइ चारण भाट ॥ ४९
सेव सुंहाली लाडू गल्या, आछा मांडा पापड तल्या।
पाचे पडक सालणे वडी, कूरकपूर तली पापडी ॥ ५०
पंचधार लापसी कंसार, धान रसोई भाव अढार।
अति ऊजलां ढेपालां दही, भुंजाई ए राउल लही ॥ ५१
पान कपूर दीइ थईआत, चोआ सुर तुर चोलीइ हाथ।
मुडोधानी कुंअरी घणी अंतेवरी कान्हडदे तणी॥ ५२

धर साबजोह-सावजोहमय 0, शांवजोह к भारता-भारता है, भारता к. नह-ति В J,...0, ने D. सांगि-संगि 0, कीइ-कि B है, कि 0, किई D, केई J, त्यहं है, केय L ह्यांचार-ह्यांचार 0 E J, हयियार D L, ह्यांचार к. मत-मानि A L कवां-नया 0 D L टेसह-टेसई A, ठेसि B 0 J, ठेसिई D, टेसबह है, वेसह к. प्राच-पाई 0, पह к. वक्तांचार-ट्स डकाइ A, उस्तानि है, डक्तांव्रं 0 D, तात्र उस्तानि है, उस्तानि से, उस्तानिय £ L क्षान्यदेंन-भी कोन्द्रवरें A, काहन्वरें 0 D, कान्द्रवेंदे है, कान्द्रवेंदे J स. राप-पाइ B.

४९ रिपे-रंग D B L. विरंगां-विरंगी D J, विरंगा E, विरंगह K, विरंगा L खुहगां-सुहुगां B, सुहषि O, सुहर्गा D, ग्रैहगह B, महुर्गि J, मेहुगह K, सुरगा L. मुिल-मृलि D B, मूल L. पहिस्ट-चहिर B O J. कणवरी-यरी E. सुक्ति-सृक्ति A. भोजन-भोजनि B. वार-वीर B, वेलाई O, वारि E J, वारह L. सांबीह-मंजाइ B, सांबीई D, सांबिव्ह K, सांबीव्ह L जाट-जाटि J कोल्ड-वोलि B O J. बारण-वामण A, विदिशि E.

५० सेच-सेचे E. स्ट्रांडी-इंडाली A. संडाली B J. स्डाला C. मुहाला K. इंडाली L. काब्-लाई E. मब्बा-सित्सा B, गत्यो K, मुत्या L. बाला-लाखे C E K, लाठा L. सांचा-मांच्या C. पावड-पपड K. कस्या-लिया B, तत्यो D E K. बाले-बारेक C, बालो D, यसीह B, बाले E, बाला L. पडक-पड़के A, बढ़ B, सांकले E, स

५१ पंच-पांच A K. भार-पान K. छापसी-लाकती E, लापकी K. कंसार-कंसारि L. भान-भान B J. स्वोई-स्तान A D J. सोईना C कजकां-चेजल D, कजली E, कजला L देपाला-मेपाला A, सपरा B, देपला D J, पेपला E, डेफाल K, डेफाल L दही-दही B, दहिं C. धुंजाई-म्ंजाई A J, धुंजाइ E. ए-.... A O D J, ई B, सिल K, एइ L. L transp B का एह धुंजाई. साउक-रावति B, रावत ते C, रावत D J. कहीं A, लहिंद D, तणी B, लहिंसी J, लहर K L.

७२ पान-पान DEJK दीह-दीजि B, दि E, दिइ J, यह K, देव L यहैं बात-यहेंवात B D, मेहें बात O, रात K, बहेंवाति L बोबा-च्या B J, चुआ C, जोवा D, जोवा L. सुर तुर-सरसा B, स्रजी O, सरसा D, सरस B, सरत J, सुरतर K, तेव L. चोळीह-चोळी A, चाळि B, जोळीया D, कचोळा B, जोळिये K, आळीवर L. हाप-दाचि A B C, हात B. सुदोपानी em-सुशोपानी A, सुक्शी B, सुश्चानी O D E L, सुश्चानी J, मोशोपानी R. कुंकरी-कुरति B, सुंकरी D, कुररी E J E, कुकरी L चणी-कळी J. ऑकेटरी-अंदेवरि O, अंतेवर J. कान्द्रवर्द-कान्द्रदे A O B J L, काह्य रा B, काह्तवर्द D, तक्की-सिळा J. सिव सुकुठीणी रूपि अपार, माणिक मोतीना शूंगार।
वडह राजगुनि पहची रीति, हीहह सिव रायनह चिंति॥ ५६
कान्हडदे राजा सुविचार, रूपि जिसल अश्वनीकुमार।
बोलावीह नितु परधान, छए दरसण दिवराह दान॥ ५४
मंडिप सुहल दीह भूपाल, नाचह पात्र फगटह ताल।
जाणह जेह भरहसंगीत, पाडप्रचंघ ते गाह गीत॥ ५५
पित्रीवट जे साहस धीर, मालदेव छह लहुडल बीर।
जिसी प्रीति लपमण नह राम, राज अनरेह एहवी माम॥ ५६

भ ३ सिन-सबे J. सुक्रुकीणी-सुक्कीणां A, सुक्किणां O, सुक्कीणां L. क्षिन-स्प B D J K, सुचि L. क्षार-अपारि L. माणिक-माणिक A J K, माणिक्य E. मोतीना-मोतिना D K, मोतीनां B L. क्षांनर-विभागर B D, क्षणागर O, विभागर E, अंगार K. द्यांगरि L क्ष्य-विक B, ववे O D R. राक्ष्युनि-राक्ष्युवि A, राक्ष्युने O, राख्युने E, राउले J, राउल्युन L पृष्ठवी - पृष्ठी A K. हीव्ह-वाल्द A E, हीवि B O J, सिन-स्पेत B O D J K L, सिन ते B. A transp as सिन वाल्युः E transp as सिन ते वाल्युः रायलक्ष्य-राजक्ष्यः D, राउले B, रायले J, राउले S, रायले J, राउले S L, विति—चीरि B E K, सीवि J, विति D,

५% काल्बबर्द-कांन्द्र A, कांन्टबरे C E J, काह्नबरे D. E transp as राजा कान्द्रबरे, श्रुविचार-सिवेचार E, श्रुविचारि L. स्पि-स्पि B, सपिट D, रुप L. विसद-विद्य A, जितित B, यह o, जातित D, सित्त B, लिश्च J. कमसी-अधिनी B O D, अन्तर्न स्थानि की चित्र -बोलावी J, बोलाविय E. क्रेलिड के लिश्च A, उपमा O, नित E K परधान-प्रधान A D J K, प्रधान B, प्रपिण L. अप-कार्य A, В B B, कर D L. स्रस्यण em—स्रिक्शा A, दिस्ला B, स्रवणे O, स्रसननई D, रिर्सिणनई B, स्रक्षन J, दर्शन K. विक्रासु-दिवाब्द A, देवरावि B, देवराड O B, श्रीवई D, देवारि J, देवाई K. सान-दान A D J K, मान B, धान O B, मान L.

पंभ संबपि-संख्य O B L. सुब्दल-सुद्धल B J, माहि O, महल B, महुल E. दीव् -सीद्ध O, दिवह E L. सूपाल-भूपाल L. नावब्-नाचि B O E J, नावई K. कराटब्-उराटीइ B, उपति O, उराटब् D, कराटि B J, कराट् E, टालि-जाल O जाणब्-जाणइ A B, जाणि B O, जाली J, जाणे K. जेब्द-जे A,...B O, स्मिति B, जु J, जेड K. सरब्द-भर्द से द B O. संमीत-सींगीत L. पाडमकंच-पाडमकंच A, पदकंच B, परवर्षच B, परवर्षच D, पाटवंच D, पाटवंच E K, पाटमकंच L. ते-...A, त K, जे L. गाइ-नाई K, गावइ L. मीव-मीदि L.

जिसी मीति हणूना सुमीन, जाणे नही जुजूआ जीव। सीकरि छत्र नगर ढालीइ, सान्यइ त्याइ लोक पालीइ॥ ५७ देसदेसना आवइ माल, कान्द्र माल वि वहरीसाल। मोटिम घरि चहुआणा तणइ, राज करइ थानकि आपणइ॥ ५८॥

राजरिक्डि निरमल सुणी, पुण्य तणइ परमाणि । पदमनाभ पंडित भणइ, सिर भूण्यउं सुरताणि ॥ ॥ चउपई॥

५९

कहइ पातसाह सांभलि माइ, इसिउ दुर्ग किम लइणउ जाइ। कुंअरी तई अणजाणिउं कीउं, जई जालहरि वचन कांइ दीउं॥ ६०

पशु शिक्ति-वसी 0. हण्ला-हण्ला A B, हन्तग B, हनुआ O, हर्तुआ D, हण्मंत K, हर्णुआ L. सुमीच-तमीब B, मुझीब L. जाणे-जाणे A O B, जाणे D, आण्ड्र L. तही-नहीं B. जुज्जा-ज्ञुला A B D, जुज्जा E. सीक्टि-सिंबासील O, सिक्ट D, सींकरि B, सीकिटि J, सीकरि B, सीकट L. क्या-....० समर-क्यार D J, ज्ञासर L. डास्टीह-जालीई O D, हरिले E, ज्ञालीय E, साजह-साजि B O J, साजस्व E, ज्यार-ज्यार G, ज्याय D K, न्यार्ड J, ज्ञाय L कोक-प्रजा B पार्लीह-पार्लीई O D, पार्लिय K, पार्लीवाई L.

५८ देसदेसना—देसदेशना ०, देस २ ना ० ह. देगदेशना ह, देस २ ना ८. ब्लाबर्—आबि ७ ० ८ माळ-मान छ. ब्लाब्र्—कोन्द्र ४ ह. श्री कोन्द्रदे ०, कान ०, काहत ह. काहान उ. साळ-सालदे छ ह छ. ...०. लै—बै ४ ह...०, देर ०. बर्गुसाला—विशेसास छ. हंजिल्झाल ०, वर्ग्यसाल छ. क्रार्सिसाल घ उ. वर्गसाल इ. बर्गुसाला—विश्वसाला—विश्वसाल ७, जहां गाल छ. बहुआणा ०, वाहुयाणा छ. वर्गुसाला च्यानिक च्यानिक ४ ० ह. उ. प्रमुख बहुआण ६. वर्ण्यक्ट-वर्णिक छ. तील ०, तर्णी ०, त्यो उ ६. क्यक्ट-किर छ उ थालकि च्यानिक ४ ० ह. उ. प्रांचक २, व्यक्ति इ. प्रांचिक ६. ब्लावण्यक्ट आपणि ॥ ० ४ ह. व्यक्ति ३ ह. दिस्ट र इ. हि ४ छ । क्यानिक ८ कार्यक्रिक १ व

पर, बृह्या-दुद्दा D. सिर्द्ध--कार्द्ध BOB, सिर D L, सिरा स्ट निसंस्त BDB, सेनम्बर L, कुणी-चणी B, सुंभी D, जी स. कुणी L. युज्य-तुंज्य A, तुन्य O L, तूंन्य D सलाह-तिल BOJ, सरसाकि -स्ताकि A, प्रसालि D, परिसंशि BJ, परिसाण E, परिसाण L युक्तमाम-न्यस्ताम BJ, परस्ताकि E, परसाकि L. सलाह-मिल्ड B, मणि OJ, मणई L. सिर-शिर OK, सर J, सिर L भूम्बर्ड em—भूम्बर्ट A, सूक्ति B, भूल्यु O, बुलिंड D, भूगई EK, भूच्युं J, भूम्णव L. सुरवालि-सुरतांणि OJ, सुरतांणि D, सुरतांणि BK, सुक्तिला L.

६० चवर्ष-चुरी B, जुः 0, चवरी D, जुर्ग्दे B, जुः 1, जवर्ग्य E, कहह-कहि B D D J, कहिइ B. पांत्रसाह-पारास्माह s, पारावाह J, पारिसाह K, पारावाह E, कि के प्रतिकाह E, कि E, कि E, कि D, E K, दि E, कि E, क

कुंअरी भणइ अविध मई कही, तिणि दिनि गढ मेखासइ सही ।
तिणि अवसिर बोस्यउ सुरताण, शुकन बोल ताहर प्रमाण ॥ ६१
राजा भणइ मुहल मांहि आवि, सुरताणी बंदा बोलावि ।
नामि समरकंदी जेहन इ, बोलावइ बंदा तहन इ ॥ ६२
कमालदीन मलिक तेडीय उ, सीह पातलज साथइ गय ।
सादी मलिक मान छह घण्यं, मिलक अमादल मांटीपणां ॥ ६१
निजामदीन मलिक कलांत, मिलक अमादल मांटीपणां ॥ ६१
निजामदीन मलिक कलांत, मिलक नेव जाणे जयबंत ।
मलिक बाहादीन बोलावीउ, लाब लाब साहण आपीउ ॥ ६४
बंदा तणा सबे अईवार, हुंसे मुसे नह बरसुरदार।
अहिमद महिमद नह हाजीउ, आवू बाबू नह गाजीउ ॥ ६५

६१ कुंबरी-कुंबरी A B, कुंसरी D, कुंसरी E, कुंबरी E, कुंबरी L आजह-अलि B O B J, सण्डूं L, सह्-सह A, सि B O J, सिई D, जे L तिलि-दीण्ड A K, तेलि B O, तिलि D, तेलह B, दिनि ... B, दौन K, सेलास्स-नेलांस B, मेलारि D B J, मेलारवा K, मेलारिह L. तिलि-दिण A, तेलि B O, तिलि B, हैंचह E, बोलें J, वोल्या L. सुरताल-दिण A E K, स्कर्ताल D, हैंचह E, बोलें J, बोल्या L. सुरताल-दिण A E K, स्कर्ताल D, स्रताल म D, इक्टन O B J K, सुक्तालि L. सुदताल A E A, स्वरूप A, दावर B, उक्टन O B J K, सुक्तालि L. सुदताल A A वाहरक-ताहर A, ताहर B B J L, ताहरों O, ताहरा D. अमाण-परमाण B, आमण D B K, परिमाण J.

Note-E MS ends here; its remaining folios are missing.

६२ अगह-भणि BOJ. सुहल-मुहल BJL, महिल K माहि-माहि ADK. जावि-.... हुएलाजी-सुरताणी OJK, सुलतानि D, ह्यरेताणी L बोखाबि-तेडावि D. DJomits vs 62 b. नासि-नामि OL, नाम K. सम्पर्करी-सम्बन्धी A, सम्पर्करी K. जोहनह-जेहानि B, जेह O, जेय L. बोखान्य-बोलावि B, बोलाव्यु O, बोलावह K, बोलाव्योड L. बंदा-वंदु O, बंदो L. तेहनह-तेहानि A, वर्ज तेह O, नाहिल माहि तेय L.

६३ कसाकरीन-मालधीन A, कमलधीन L. सिलक-मिलक L. तेबीचड em-तेबी पृक्षीत A, तेबीच BODJ, तेबिचड K, तेबीचो L. पातकड-पातलु BODJ, पातिलड L. साम्बर्-सापि AOJ, सिल्जु B, साथिई, D, सिल्जिट L. यावड-मोक्जर A, गयु B, लीट Q, गयु D, वीट J, गयो L. सिल्क्ज-मिलक L. साब-मान AODJ, नाम K, मानइ L. कह-लि BOJ, कई D. बणवं-पर्न BD, च्यु O, चणां J, पणठ K, पणेड L. सिल्क-मिलक L. बमारुक-ईमारल A, सारुक B, उमारुक O, असारुक D, मारुक E, साविक L. सोवीपणवं-नोटाएएं B, मोटीएएं Q, माटीएएं D, माटीएलं J, माटीएलंड K.

६४ निजास-निजांस AJK, नजांस O, नयांस D. सखिक-मिलक L. बळवंस-अतिहि सब्संत J, बळवंस K. जांचे-जांचे ADJK, जांचे C, जांचर L. बाहादीन-बहादीन A, बाहरीन OD, बाहादर L. बोका-बीठ-बोलामियउ K, बोळांचीय L. ढांच ळांच-ळांच २ DL. साहण-साहण AK. जांचीड-बासीड BJ, बोळियद K, आंचीयों L.

६५ बंदा-बंदि D, बंदा J. तमा-तमंद्र L, तमा D. बहुंबार-अहंबार O J, केबार E. हुंबे-हुंदे O D, कुंबे स. खुदे स. बद्धार स. हुंबे स. खुदे स. बद्धार स. हुंबे स. खुदे स. बद्धार स. कुंबे स. कुंदार C, ब्रेगरतार O, ब्राव्यार J, वरप्यदार E, बर्प्यूरतार L. ब्राह्मियर महस्य A, महिस्मद म, अहस्य B, अहिस्मद म, क्राह्मियर E, क्राह्मियर E,

मीर गदाई ताजन मीर, मोजदीन आराहह पीर ।
साहावदीन पीरोजउ वली, क्यामदीनसूं आज्या मिळी ॥ ६६
दहीरदीन नइ बगस् भणउ, ताजदीन बंदउ तेह तणज ।
नाष्ट्र थाहरू नइ मरगूब, इसमाइल रजब आकृब ॥ ६७
वुळतईयार बहादर हमीद, षहरदीन काळ्ड फरीद ।
समसदीन आदम अभिराम, सालमान अबदल्ज करीम ॥ ६८
आली मीरण मुंमण जिसड, ईझ भीष्ट्र मीठड तिसड ।
चिगुनड चांदउ नइ मारूप, काविल भरमु भयंकर रूप ॥ ६९

६६ और-मल्कि B, मार D गदाई-गदाईत A, गवाई O ताजन भीर-ताजनजीर L सोजदीन-सोजनदान O, सोजदीन J. जाराहर-आरोहद A, आरोहि B, आराहि O D J, आराधाद L पीर-चीर B. साहावदीन-साहपीन A, साहावदीन B J, साहवादीन D, सहावदीन L पीरोजड e123—पेरोसा A, पीरुड़ B, पीरोख O D J, पीराज C, पीराजा L. क्यामदीन-कामपीन B, कमालदीन O, क्यांमदीन D J E. दू-ने B...O, लिउं D, द्रां, मुं K, सुं L जाल्या-सांधि B, सजाई C, जाय D, जाए J, जाई K, आवद L. सिकी-सर्वो D, अलं K.

३७ व्हीरतील-बुररपिन ह, वहरपीन 0 J, बहिरपीन D, हीरपीन K, नारपीन L नह्न-... ह, नि O D J. व्याद्-साह O, बगाई D, बेगस L. अणड-ते अप्त ह, अप्त O, अगर्ज D K, अप्त J, ताजवील-ताइएपिन ह, राजबीन D, दरहरीन L. वंदन-बंद B o D J, वंदो L तेह-तिहां A, तेह K वणड-तणु B O J, तणुं D, तलर्ज L. नाप्यु-तापु A, नीप B, नायु O, नयु J वाहरू-चार B, पत O, पार J, प्राहिस K, आर E, मास्-बारि B J, नि O, नई K. अराध्-सीट हवून O, सर्प्यु - माराम K. इससाइल-इंद्रसाल B L, अवकारी C, ईयसाक J, इससाइल K. रजब-स्ड B, नि साह O, रजब K, नर्दू L. आइक्ट्र-नर्पय O, आवका K. D reads 88 67 b: सिक्ष इकाण प्राह तीर तयु कृष्ट गराई कांद्र.

६८ व omits vs 68-70. D omits 68 a. बुक्कईबार-बुक्तीनार B. दोक्तीकार J. दोक्तीकार K. दुक्तीचार B. हांदर J L. हमीद-हम्मीद B. हमीर J. हम्मीर K. बहरदीव-विरापि B. क्षीर - बहरदीव-विरापि B. विरापि B. क्षीर J. क्षीर K. सम्बदीव-सावधि P. क्षादम-अदिव J. आदेन D. क्षीराम-अर्थाम B. अमीरांम D. अपिराम J K. साक्षमान-सक्षम B. सक्ष्मीन D. सहक्मान J. सक्ष्मा B. सक्ष्मान D. सहक्मान J. सक्ष्मा B. सक्ष्मान B

६९ बाली-कली B L, आदी D, आला J संसण-छियस B, संसण D, पूरण L. जिसद-...A, किलेड B, सब्दे D, तहा J, ताम K, तसद L. हेक्च-देख D, हेब्द K. सीयू-. K, सीर्ड L. सीटड-सींट B, सीट्र D, वृद्धण K, मीड्र D. तिसद-सिंग्ड B, सीट्र D, हिंदा J, स्वात K. विश्वत-सिंगत B, सिताई D, सिताई J, कस्त K, सिंगुती L. चौद उ-चेद्द B, चांड D, चांछ J, चंद K L. तह-लात B, ति J, अनह L, साक्ष्य-साक्ष्य A, साक्ष्य B, तिर K, कांचिक-कांसिक A, कथन B, अरसु-मीर A, महा B, रसु J, वाच K, रामा L. स्व-भूग K L.

बदरदीन नक् सेष नस्य, बाहादर ईसप षक्क ब्रुष ।

मिलक अईयार हासम अंजीर, गादिक कहु कमासु मीर ॥ ७०
तुरकां तणज पार नवि लहुं, हणि परि नाम केतलां कहुं ।

गमे गमे चडीयाता फिरह, डीली नयरि मेलाना करह् ॥ ७१
एक तणी नवि लागे भाष, चाल्यां कटक चडी नव लाष ।

असपति राय तणह फुरमाणि, धानण्यां हराषि दीवाणि ॥ ७२
दोधी सीष पातसाहह घणी, फोज करेल्यो आपापणी ।

चचन दीउं जालउरह राय, कटक न आवह रातीवाय ॥ ७२
मारगि रहेण्यो जुजूह गामि, तिहांया जाज्यो एकि टामि ।

स्यउं असवाब सामटउ अनह, वरस आठ तणह माजनह ॥ ७४

७१ Jomits vs 71 a. तुरकां-तुरकाण в, तरक 0, तुरक D. तण्य -... В, तणु 0 D, तणां L. पार-पारि L. क्यूं-न छूं A, लई 0 D K, क्यू L. इकि-एगी В, १णी 0, १कि D, किशि L. परि-पारि D, पाम-नांम D K, पार L. केराको-हराला A E, केराकट L. क्यूं-ल्युं A D D K. पामें नांमें पा ३ व D, दुरंगम तेनी L. च्यांचाला-चढीयायत 0, चयीआता D, चढीआता J, चडिआता ह, च्यांचा L. किर्यू-व्रिटेश B J, चिरि 0, डीकी-लिडी 0. नयारि -नगारि 0 D, नयर L. मेळावा-मेळाविज B, मेलालु 0, मिलावच L. च्यांच-मिळि B, करि J.

७२ एक-एका L. तथी-तथा L. नबि-ना D, न J. जाणर्ड-क्ट्रीह B, जाण्डं D, जाण्डं D, कार्ष्ट्र D, कार्ष्ट्र D, कार्ष्ट्र D, कार्ष्ट्र D, जार्ष्ट्र D, जार्ष्ट्र D, जार्ष्ट्र D, कार्ष्ट्र D, वर्ष्ट्र D, वर्ष्ट्र D, वर्ष्ट्र D, कर्साणि B, वास्त्रां D, कुरसाणि-कुरसाणि AOK, फरसाणि DJ, कुरिसाण L. चानक्यांह-चानञ्याह A, चानविहां B, चानञ्यांह O, चानञ्या D, चानञ्यांह J, चानञ्याह E, चानजांह L. शिकट-राष्ट्र D, राज्यत K, राज्यो L. दीवाणि-वीवाणि O, चीर्वाण L, चीवाण L.

<sup>93</sup> सीच-सीच к. वातसाइह-पातसाहि BO, पातसाइ D, पातसाइ J, पतिसाइ к. पातिसाहि k. करियो-स्पेश O J, करेजो к. बापावणी-आप्लापणी D. दीउ-धीऊं J, दिख द. वीघड L. आस्वउद्यह-कालोरह A, जालोहोर B, जालहारि O, जालहिर D, जालहिर J. राय-राइ B बायह-आवि BO J. रातीबाय-रातीबाहि J J, रातीबाह L.

७४ रहेजों-रहु A 7, रहियो B, रहीजा J, रहज्यो K, रहेजो L. जूज्यूर-जूज्यू A, जूज्यूजा 9, जूज्यू K, जाई L. मामि-तांम 0, गांस D K, गांसि J, गाम L. सिहांचा-निहाचा B, सिहांची D, तिहलां E, सिहाजी L. जांक्यो-एजो A, जांचो B J K, मिल्लो 0, जाजरे L. एक्टि-एक्ट B, एक्ट D, एक्ट EL E. डासि-टांकि BODJ, स्थर-स्यु A, छिउ B J L, हेर्थ 0, ज्यु D, अस्तवाच-सुदुरात A, समरा B, अख्वाच D, अख्वाच B, समराज L. सांक्य-ज्यु A (छउ B J L, हेर्थ 0, ज्यु D, अस्तवाच-सुदुरात A, समरा B, अख्वाच D, अख्वाच B, समराज L. सांक्य-आणि BOJ, अस्त्र B, सांगद D, सांगद J, सांगद A C K, सहू को B, सांगद D, सांगद J, सांगद A C, सांगद तांची B D, सांगद J, सांगद A C, सांगद तांची B D, सांगद B J, सांगद A C, सांगद तांची B D, सांगद B

ठाष लाष साहणनी वाट, दस दस सहस दीवाणी हाट ।

ठाभइ चावठ मृंग नइ ज्ण, आटा गुळ घी षाइ क्ष्ण ॥ ७५

ठाभइ चांड तेळ नइ मिरी, करइ साळणां ठाभइ सुरी ।

अजमा जीरां ठाभइ बहु, बेसण विरहाली ठह सह ॥ ७६

ठाभइ नवी तिळी नइ विही, कोठीबड़ां तणी काचरी ।

आदां स्रण केळां हुआं, बीजोरां दाडिम ळींबूआं ॥ ७७

ठाभइ चार्रक फोफळ द्राप, वळी नाळीचर ळामइ ळाष ।

ठाभइ साबू नइ कंटोळ, हाटि हाटि छइ निरतां तोळ ॥ ७८

गांघी हाटि पामीइ पुडी, रोग न आवह एकइ घडी ।

साथि आवइ घोडानी ठास, कटक मांहि मांडीइ निषास ॥ ७९

ण्यः क्षाच काच-लाव २ A D J L. साइण्ली-साइण्ली A K दस दस-दस B K, दहु दिल ८, देश २ D, दश वस J, दस २ L. सहय-सिहा B K. दीवार्थी-सीवाणी 0 D, देशाची K. In J № 9 vs 75 b D 90 A are lost. B L omit vs 75 b कामब्-सांभ 0 वाडक-वृत्त 0. सूर्य-सुग A 0, संग K. सृष्ट क्षाच कामब्-सिंग तुर्द छुन में ठ स्थान कामब्-सिंग तुर्द छुन में छुन के छुन

७७ 0 omits vs 77. लामब्द्-लांग В नवी तिलंग-तिली नवी В, नवनात तिली L. नवू-ति В. बिद्दी-लिरी В, सिरी L. कोठीबडां-लोठीबडा В, कोठीबडां L. बात्तुं-भारा D K L. केक्ट्रो-केला E. E. हुम्मी-हुआ A K, बहु B, हुंआ L. बीजोरी-बीजोरा L. वाबिस-दाबीस K. खींबुमां em-बीनूसां A, सीबहुं B, अईआ D, आँडुआ K, जीवुणा L.

UC कामह्-जानि B O. वारिक-वारिक B, वारिक O, फोक्क-दाहिम L. A transp as: फोफ्र वारिक, वकी-जींजो A. नालीयर-नालेर A, नालीयरना ○ D, नालिकर E, नाल्यर L. डामाइ-जानि B O. O transp as जानि नालीयरना, D as जमाइ नाजीयरना, K as जमाइ नालिकर. A interpolates foll line after vs 78 a: जमाइ नाइ कंटीज नाक जोक माप जाना का किता का किया जाना किया कि B, तहां जानि O, को जाने हे D, साबू-जानि B, तहां जानि O, को जाने हे D, साबू-जानि B, जानि O, को जाने हे D, साबू-जानि B, जानि O, को जाने हे D, साबू-जानि B, जानि D, को जाने हो तहां का हिस्स E, हारिक हारिक हारिक हारिक हो कि B, D, L. जिस्तो-निरता O L.

७९ मांची-गांचि D हारि-हरि B, हाटिह L. पामीह-मांचीर A, पामीहं D, पामियह K, हायह L. क्की-बकी B, पदी O D. रोग-रोगर A. ज-नद D. बायह-जावि B O, आवर्ड L. एकह-एकि B O, एके D, एके K. बायब-हुई A, आवि B O, आवे K. आव्हं L. बोबाती-वोडांगी A K. कास-जाति A, त्वास L. सांक्रि-बाह्रि A. सांविक्-मंबाह 8, सांविज O, माविज्य K, सांवीयह L. कियास-पास AB, निवास O, नवास L. छाअइ कापड नइ हवीबार, मोजां कुसि न छाअइ पार ।
एवडड वरड दीवाणज सहइ, सह चनगुणड मुसारव छहह ॥ ८०
हाटां तणउ पार निव छहह, घणा छोक विवसावा वहह ।
थांडां तरकस तीर कमाण, जरहजीण पूरइ दीवाण ॥ ८१
मोटा मिछक गुंदरह वछह, घोडां मरह नवां मोकछइ ।
चास्यां कटक सोनिगिर भणी, पृठह वगनी आवह घणी ॥ ८२
भोई मेहर घणा तवाक, भठीयारा धीवरना छाष ।
ढाढी मरतव गाइ गीत, ठामि ठामि नीपजइ मसीत ॥ ८३
जागिछ उंड समारह वाट, बार सहस सुतार सिछाट ।
माछी तंबोछी सोनार, चाछइ घाटघडा छोहार ॥ ८४

८० कासब्-जामि B, लाभाइ L. नब्-नि B, नइं.र. इथीचार-इथीआर ○ D, इथिवार K. L. मोजा कुस्ति-इस्ति मोजवां O, मोजा क्षेति D, मोजां क्षेत K, मोजा पुंडस L. काभब्-जामि B, लाभेइ K. प्ववब-प्यड B O D, एवडो L. वरड-नेठ B O, वर D, दरो L. दीवाणज-दीवाण जे B, येवाणज D, दिवाणज K, दिवाजज L. सब्द-सिंह B O, सहंदं र. सब्द-सह् K. चवगुणज-विभाग्य A, जुगणा B, चवगणा O, जुगणां D, चवमाणा K. सुदारव-जुशाहरा B, ससंदे O, ससारा D, सुंतार K, सुसारो L. कब्द्र-लीह B, लाहे O,

८९ हाटो—हाट B O D K. तणज-तणु B, तणा O, तणु D, तणा L. पार-पारि L. कहडू-ज्यू B, लाहू O, लाहुं K. चणा-चणां D. विषदाया-च्यवसादेया B, व्यवसादेवा C, विवसादेवा D, विवसादं K, विवहाव्या L. वहडू-चहद A, कहूं B, वहि O, रहह L. वांकां-चाडा O K. तरकर-तरसब L. कसाण-कसांण O D, कसांण K. लहकुणी-जीण रहेत A, जरहीजीण D, जिरहजीण K. प्रव्-पूर्स A, पूरे B O. दीवाज-चीजाि B D. दीवाण D K

८२ सिलक-सिल L. गुंबरइ-गृदरद A D, गृदरि B, गुवरि O, गुंदरद K, गुंदरद L. बळहू-बल्दि B, बिल o, सिल्ह E, बर्लई L. बोची-बोड B O, बोडे D, बोडो L. सरह-मिरि B O, नवो-ते नवां A, नवु B, नवो O L, नवु D. सोकळह-मोकलिंद B, सोकलें, nोकल्डं D चाल्यां—वाल्या B D L. सोनिगिरि-सोनगिरि B D, सोनगिरि O, सोनिगिर E, सोनगिरी L. पूरद्-पृठि A B, पुँठि O D. बगती-वेनि B, बनगर O, बनगर D, बानिगह E, बावह-लावि B, आवी O.

८३ सोई-मोह A, माहि B. बणा-चणो B D, नइ L. सबाक-तवाय D K. भठीबारा-भठीआरा O, भठीबारा D, अधिकारा D, अधिकारा Mटिंग स्थितानो L. बीबरना-च्छीआरा B, डीवर नह K, आवह L. वाही-देवी B, वदी K. भरतम्मागता B, मरति O, मातर D, अमृत K. गाहु-गाई A D, गावि O, गावह K, गाहे L. गीव-गीवि L. नीवि वासि-ठासि २ B L, ठांसि ठांसि O, ठांसि २ D, ठांसि ठांसि E. नीपज्जा —नीपज्जा A, नीपजि B, निपज्ज D, नीपज्जा K.

८% नागलि-भागि B. उंड-उड D, उडि L. समारइ-समारि B C. सहस-सहिस B. सुतार-स्त्रार A, सर्स्वारा B. स्तारि L. सिकाट-सलाट O, सिलावट K. माली-माली K. वेडोली-वेडोली K. सोवाद-तिहां सार O. चारुइ-चालि B C. चाटबडा-घटचडा A, पाटहीडा D, पाटहिडा K, चाटहाडा L. कोइस-ईमार A L, क्रेगर B. कंसारा त्रांबहिडा सबह, चाल्ह कारुनारु नवह ।
तीरंगर बगनीगर वली, पास पवास सांचरह मिली ॥ ८५
भाठी मद वेचह पमार, चउद सहस चाल्ह चमार ।
हाम रोकडा आपड़ हाथि, उरित पूंगडां लीघां साथि ॥ ८६
मिल्क लहह बिमणी किरीयाति, चाल्ह कटक दीस नइ राति ।
जीणह ठामि कटक उत्तरह, वेगि काठगढ पाई करह ॥ ८७
चक्यां कटक सीधामण हुई, ददा सनावर साथह देई ।
दीह सीच कुंजरी तिणि भावि, वीरमदे जीवतं लेई आवि ॥ ८८
एक वात हीयह जाणज्यो, वीर तणां मस्तक आणज्यो ।
संसाल्जियो फूल मांहि करी, छानी वात कहह कुंयरी ॥ ८९

८५ कंसारा-कासा L. त्रोबहिंदा em-त्रांबहडा A L, त्रांबाहड B, त्रांबिडा 0, त्रांबहिंदर D, त्रांबहिंदा E. स्वय्ह-सबे A, सविंद B, स्वांवि 0, कासनार-नारकार A E. त्रव्यह-सबे 0, सविंद B, स्वंवि 0, स्वांकानार-नारकार A E. त्रव्यह-सबे 8, त्रवं 0, नवी E, नवे L. तीरंगरा-तीरंगर B, तीरंगर C D E, तीरंगरी L. साल्यास-वगरीबंद L. सव्यंत्रिक् की A, किली L. सांव्यह-संवोद B, सांवरि 0, योसरा E, सांवर्षा L मिली-वजी A B O.

८६ सब-मध 0 बेबार्-बील B 0, लिगह L. पमार-धंभार D, धूमार K, युमार L चडव्-बीर B 0 D, बवद स. सहस-सहित B K, सहेर L. चालह्-चािल B 0, वास्त्रा L चमार-असवार A, चमार D, वास्त्र L K, समार-असवार A, चमार D, वास-इस A C K, लायह्-आपि B 0 हालि-हाथ L. प्रांची-प्रकां A, पुंगवी D, प्रांची K, प्रांचा L. अविधा-निके A ( प्रांची D, प्र

८७ मिकक-मिलक A. L., मलीक D. लहह नवहर A, लिह B. C, लहहं L. किमणी-विवाणी A. किरीबालि - किमाणी A. किरीबालि O.K., करियालि D. किरियालि ट., बाकह-वालि B. C. कटक-क D. हीरस-चीह C D. K. वह-विक् B. C, वें D, नई L. बीणह eD.—जिणह A., जीलि B., जोली C, जोलेई D, बीणहं K., जिणहं L. किसी-जीह C K. जेंसी D. करतार्थ E. करी D. करतार्थ E. करी D. करतार्थ E. करी D. करतार्थ E. करतारथ E. करतार्थ E. करतार्थ

८८ 0 omits vs 88 a. चळां—चरीया A., चित्रंड B., चळ्या L. सीधासण-सीबांसण D., सीधासणि K. इत्रा—दर्श A. D. जीव L. सलावर—छुनावर A. सलावर D., जनावरि L. साव्या—सीधा A. K., सार्थि B. देहैं—सै A. देश D., देखं K., ठेहें L. सीच—चीधायण O. सिख D. तीधासणि K. किरा D. चीका प्रतिक्र के कि प्रतिक्र के सिच्या चारा कि कि प्रतिक्र के सिच्या के सिच्

८९ बात-बीर B, वनन L. बीबह्-हींद A, तेहि B, हंदेंद O D, हिवे K. जाणज्यो-जाणज्यो A, जाणजे B, आपजो O, जालिजे D, जाणज्यों K. बीस-बीरम O. तणवं E D. स्वयुक्त B. बाणज्यों - आणज्यों A E, आणण्यों B, जाणज्यों A E, आणज्यों C, जालेजे D, जालिजे D, जालोजे D, खोलांज्यों - संस्तिक्यों B, ईसाली O, ईसालिजे D, ईसालिजे D, ईसालिजे D, ईसालिजे D, ईसालिजे D, इस्ट L, इंसरी-जाहि A E, मार्सि B, सार्डि D. काली-काली A O D. बाल-वाति L. कडह्-बहि B, इही O D, करह L. कुंबरी-जांधी O E, इस्ट B.

ठाठ सिराचा तरकस जिहां, मिंठक मसुरति बहसइ तिहां। वळी वचन बोठह सुरताण, अम्हिन होण परि करज्यो जाण।। ९० जोयणि जोयणि पाठा सह बीस, मेन्हां वळी ढोठ च्याळीस। पोडा एक सहस असवार, सुरताणी ढोउ हुई जिणि बार।। ९१ बोठह ढोठ सवे जेतठह, जाणूं पबि अम्हे तेतठह। करक मेडतह चाठी गयां, नवह ठाप एक थाहरि यथां।। ९२ बीउड मोट चाठीठ जिसह, गोव्हण साथि मोकठिठ तिसह। गोव्हण गयउ जाठहुर माहि, तठ अयगुणना कीची राह।। ९३ जोउं मिळकनउं मांटीपणाउं, सज थाजी करिस्युं भेरणइं। छेव छिवाणा पादि पादि, तेडां गयां साचुरि बिरादि ॥ ९४

२० काल-ताल A, जल K सिराचा-विराचा D K, सराचा 0. सरकस-तुरक्त D. किहा-नाह B, बीहां K, लीवा L. मिलक-मिलक L. बहसर-विशि B D, बहसे D, बहत L. सिहा-ताह B J commences again from vs 90 b. कोलह-बोलि B C, वोलिज J. सुरताल-सुरतांच D, सरतांच J, धिरतांच K, सुरितांच K, काहरी-जमह D C J, अम्हर्स K, अनह L. हचि-एग A K, एणी C D, हेणी J. करक्यो-करती B C J, बरिपो D, जमार-जाण D J K, जाणि L.

२१ जोसभि ओयिल-जोजलि जोतिल A, जोतिल २ B O J, जोत्सण २ D, जोत्सण अक्षेत्रण अहेक्स अंतिल क्र.
जोतिल २ L पाका-पजा B, पार्की L. सह-सि B O J, सर्द Þ सेक्स-ने-सिल्ड B, सेक्स्ट O D, स्वस्ट कि स्वस्ट केस्स्ट केस्स्ट केस्स्ट केस्स अस्ट केस अस

२२ बोछह - बोलि B, बालि O, बाजई D. O transp As सचे बोल. जेतलख्द - जेतलिंद्र B, जेतलिंड O, जेतलंद्र D i qr m j is एक सामटो बालि जेलिंट. जाणूं- नांणु A, जाणीह O, जाणूं D K, जाणंड L. प्रविट K कारहे- नहां O, लालो D, स्वेट L. J transp As प्रविट कारों जाणूं. तेतलंड ट. तेतलिंड है, तेतलिंड O, तेतलंड D, तेतलंड J, जेतलंड L. मैडवह - मेजित B O J. चालीं - चालीं K. तथां - पदा L. नवार्- नव B D L, नवि C J. एक-एक B, इक L. थाहरि- लें A, वांहरि O D, ठाल्टि K, चाहर L. चयां- - थियों A, हीवं B, रखां K, सपा L.

९३ भार-भारि L. बालीउ-चालीइ J, चालियउ K, चलान्यउ L. जिसह-जिसि B, बारी 0, विशेष्ठ J, तिसह K, विलिद्दे L. सोकलिउ-मोकलीउ A O, मोकलिउ D, मोकल्यउ K. तिसह-निर्सि B, तिसि 0 J, तिसह D पोश्चला-कि ता मच्च-यु A, गयु B O J, गयु D, गयो L बाकहुर-वाहकहर A, जालोहर B, जालउरह K L. सांहि-माहि A K. तठ-यु A O D, तुरी B, तिहां J. अवगुणना-अवगणना A B O K. राष्ट्र-राप A B O J K.

९४ जोर्ड - छ ह जोतु p, ज्व J, जोठ K L. मिलक्सर em-मिलक तर्ष A, मिलक्स् B J, मिलक्स् C, मलक्सर मस्तर्त् p, मलिक्स्त S K, महीरणं - मारीरणं B J, मोरीरणं O K, पर्षे p, मारीरणं L, साम-साम A, सप्त B, सज्य C, याजो-पायो A B, वाज्यो p, साठ C, करिष्टुं -करिसंद A, करर्ष्ट् B, कर्स्स् p, कर्स्स् p, कर्स्स् J, कर्स्स् K, केरणं-दानंक्स् A, फेरण्ं B J, क्षेप्त C, पर्षे p, फेर्स्पु K, क्षिपाण -क्सांचा p, केलाल B, क्लिपण L, पाहि पाहि—पाहि पाहि B, साहि पाह पि, पाहीर्य B, देशे L, सेबा-सेवा A, तेशे L, साम-माम L, सामुद्द -वाचोरि A, सामित K, वाजवर L, बिराजि—स्राहि D D, स्वस्त L.

काकारिनयर बाराही बेज, कांयगेहडी राजत जेज ।
अमरकोटि नइ बीकमपुर, जेसलमेर गढ वाघणहुर ॥ ९५
पारकर पूगल् मारोट, घाट पोकरणि आसलकोट ।
काछ जांगलज जासेहर, सारणि चित्रा नाहेसर ॥ ९६
जीहलबाङ्क नइ देवेर, कङ्ल्याङ्क गढ बाहलमेर ।
सिंधु सवालय नरवर जाणि, सवि देसुत बोलावी आणि ॥ ९७
वक्षी पमाल अनइ नाबरज, टीकोडडं सोझित बाहरज ।
पाद्माङजं गिरूज रीछेर, डोडिआलि राणिक कालेल ॥ ९८

९६ पास्कर—िन पारकर 0, पारगर J, पाराकरा K, पारकरी L. प्रगल्ल—पूगल B L, पोगल 0, पोगलं, D, प्रगलं, D, पुराक K. आरोट—गाराट A, मतेट B 0 D J 0 transp Bs पोगल मतेट नि पारकर आह—पाफक 3, . L. पोकस्कि—पोराली क. पोगराली ति 0, पुकारण J, पोलारिल K, पुकरनद निक L. जासककोट—आल्लुपुर 0, आल्लुण्येट D J K, आतककोट L काल-छा B, काला D, काला J, काला के काला D, जाला A J K, जामा ह 0, जागलं D, जागलं L जासेदर—जासार D J, नइ जासेर K, ज्योगोसहर L. साराल—सारण B 0 L. चित्रा—चेता A D, चैत्र B, चीता C, चैता L नाहेसर-नि नाईसर B D, माहेसर J, माहोधोद्वर K, महाला C L.

९७ बीहब्बाह्-जीहळवाबइ A, जेहळ्याई B, जीहळवाडि O L, जीहळ्याडा K. लह्द-लि B O J, लई D. वेबेर-वेसे C. वेब्रदर J. बहळ्याइ —कटळ्याइ A, हिळ्याह B, कियळ्याई D, कटळ्याइ J, किटळ्याई J, कटळ्याइ J, कटळ्ळ्याइ J, कटळ्याइ J, कटळ्ळ्याइ J, कटळ्ळ्याइ J, कटळ्याइ J, कटळ

घाटड सीसोदड छवाण, भाइिक्शोरी मोटडं ठाण ।
चंडाउठि चांगु किरी आप, सीमाडास्यूं मांडइ ज्याप ॥ ९९
जलहर पायवरा सातसा, आबू तणा देवडा तिस्या ।
विसीं गर्मू दांतूं भेलडी, वाघेला बारड ग्या चडी ॥ १००
पोसीना नइ भड सेहुर, गढ तारंगउ पाल्हणपुर ।
समीयाणा राडद्रह रोहावि, सिंध महेवा घणी बोळावि ॥ १०१
भाद्राजण मंडोहर तणा, स्राचंदी राउत घणा ।
नवइ कोटना राउत जेह, ग्या जाल्हिरि मेलावइ तेह ॥ १०२
घालीसा नइ सीसोदीया, सोडा नइ सिंधल आषीया ।
ते पंचास सहस असवार, राउल भेटी कस्कड जुहार ॥ १०२

९९ घाटड-याटु B, याटुं D K L, यांचु J. सीसोवड-पीछ्दू B, सीसुटुं D, सीसुटु J, सीसुं तेव K, खैराउ वर्षों L, ख्वाण-हेवाण B, छवाणि K L भाइले हैं-माइल B, भाइले D, भावल J, भाइले K, भोवल L, चौरी-मोरी J, चौरी K, वारी L मोरड-माट्ट B, हां हुं D J, मोटू K, मोटा L सान-डांग D J, उनांकि L, Dunita B, 50 B D 103 खंबाउलि-चुंबाउलि D, वाडाउलि K, चौरा-चौरा B, चौरा E, पौरा E, किरी-इंसे B, किरी L, बारा-वाय A सीमाबास्टु-सीमाबास्ट्र A, सीमाबास्ट्र A, सीमाबास्ट्र L, मोबड्-मांकि B, मोबाह्य L

१०० जलहर-सलहल В D L, ऊहल O, झलहत्या К. पायवरा-वेदराजत B, पाइ सांचका O, पाइवरां D, नवरां द्व, पाहेदरां L. सालवा-जित्सा B, इस्ता O, सातसह K, त्या जिसा L. काब्र्-अब् A, आबु D, वेवडा-दित्तवा L. तिल्या-तिला A, तत्या O, जिसा D, तित्तवा K. त्रिली गर्मु-त्रसीं गर्मु B, त्रिले गर्मु O, त्याता D. तेवडां A, हातत SL. सेळडी-सीलबी B O, लेवडी K. वारव-सांति O, वारत SL. सेळडी-सीलबी B O, लेवडी K. वारव-वांति O, वारत S., वोरव E. ग्वा-वांति O. वारवे B.

९०१ पोसीना-पोदीनंत 1. नह-नि B L,...Q D. अड-अट A, नगर Q, नगर नैई D. सेड्डर em-सेड्डर A, सेड्डर B D, जासडुर Q, सेडरर्ज L. सार्यग्व-नारग्र A B Q, तारगा D, वारंग्र L. पाश्वणपुर-पाल्वणपुर A, पाइळणपुर D, पाव्हणपुरच L. सार्योचाणा-सेवाणे B, समीआणा Q K, समीआणा D. राव्यव्य-राद्धदा B D, राद्धिक Q, पड्डा E. रोहालि-गेहाइ A, रोहिंगे B, सिंच-सरंघ A, खुढ B, सिंधु Q K, संघि D. महेबा-भेड्वा D, बोळालि-कोलके B.

१०२ भाहाजण-भाइना B, भाइाजन O, भाइजोण K. अंडोहर-अंतोयर A, मंडोरह O D, मंडोहर K L. हण्या-तणो B D. स्ट्राचंदी-स्ट्रावंदिरी B, स्टावंदी O, देवस्ताना K, चंदा L. हणा-वणो B D. D omits vs 102 b. नवह-नाव B D, नव L. कोटना-चेटीना L. जोह-जेय A L. K omits iv qr. रखा-स्या A, नया O L. जानहुही-जालोरे A, जाहादुहीर B, आलकर L. सेखावह-चंदीते B, सेलावि O, सेखावड L. तेह-तेव A, ठेउ L.

१०३ बाकीसा-बालीस O D. नङ्ग-नि B O, ना D, ने K. सीसोदीबा-बानुदीना B, सिंसीचीबा G, वीचीदेव्या K, वीसवरीया L. सोबा-चोरक O, सोरतेगा K, सुधी L. नङ्ग-नि B, नि O, नई D. सिंबड़-सीबंब D, वीड़क. बाबीबा-चित्र आदिया B, शाविया K. पंचाब-पंचस K. सहस्त-चाहिस B K, सहस्त Q. सेदी-मेदिया B. कवार-कीर A, करिर B, करि O, कर्र D, कर्र D, क्रस्ट L. ब्रह्मर-ब्रह्मर D. एक जाप पांडाघर वजी, छत्रीसङ् राजकुली मिली ।

शिद्धू पणा जालहुर माहि, कटक कहिउं जई गोल्हणसाहि ॥ १०४
गढ मेडता नह सुंद्रडी, दीयां पीयाणां चाल्या चडी ।
पंचवीस सहस असवार, विमणा पाला झुझणहार ॥ १०५
राउल मालदे चालिज चडी, पुहतु वाडी पट्टकडी ।
मालदेवनूं दल जेतल्ढं, वीरमदेव तणुं तेतल्ढं ॥ १०६
राउल कान्हह आयस दियन, कुंअर वीरम भाद्राजणि गयव ।
एक दिवसि कुंअर दलि भिडह, चीजह दिवसि मालदे चडहा ॥१०७
हीदूण दल प्राणह दम्यां, हणि परि चस्स च्यारि नीचम्यां ।
हीकी भणी लिभी अरदास, हीदूण दलि पाडिज जास ॥ १०८

१०५ वांबाबर-बंबाबर A. कशीसह-व्यासि B J, व्यासहं D L O transp as राजनुकी व्यासह, L transp as राजनुकी व्यासहं, दीष्ट्-वींह B, होंडु O K. बणा—सणा A, घणा जे O, कणा जे D. साकड्सर-साकोदर A, जालोहर B, जाल्दुरि O, जाल्उरह K L माहि—माहि BOJK कटक-कटले A. कहिंद-कट्टी D, कह्वं E, कहिंद L. जाहं-जे A, जे O K, ते D गोस्वणसाह-गोहकणसाहि D, गोस्वणसाह E.

१०५ गड-गुडा L. सेडता-मेडता A. नह-नि B J, अनि ०, नई D. सुंदरी-सुरत्ती A, सुंदरी ०, विवेदि D, द्वारों L. सीचने-रिकं A, रीआ ०, हुआ है, रीया ८ पीयाणो-नियाणुं A, पीआणा ०, पीआणां प्र, पायाणा है, पायाणा है, पायाणा है, पास्त्र ०. प्रमुख्या है, पीसणां के, पीसणां के, पास्त्र ०. प्रमुख्या है, विस्तरा-विवा ते, सेहरणहार D. हिस्सर्थ-विवा ते, सेहरणहार D.

१०६ राडक-राउत A. साढदे-मालदेव J. चालिउ-चाल्यु c, चालिउ D, चाल्यउ K L. चडी-चडी प्र. पुत्रच-पुद्ध B J, पुद्धता P, पुद्धता K, पुद्ध L पट्टकरी-पडोपणी A G, जिहा हुकती B, पट्टकरी D, चांचाकरी K, प्रद चट्टकरी L. D interpolates vs 107 a after 106 a. साढदेवर्ग-वालदेवर्ग B, मालकेदार्ग C, मालदेवर्ग E, मालदेवर L. जेतवर्स-जेतलं B C D K, जेतलठ L बीरसदेव-ईअर बीरसदे E, बीरसदे K. चट्टी-वर्ग B J, ग्रे पणि G, देव B, तथु K, जुत L तेतवर्स-तेतलं B D D K, तेतलठ L.

ए og D transp i and ii qrs, and interpolates them between 106 a and 106 b. सब्बर-उन्होंकि के ब्राह्म एक सिहिंग, कंन्द्र K. साम्बर-आहंद A. ए काहिंग के सहिंग के सिहंग के सम्बर्ध का स्वर के दि कि उर्ज की उर्ज की की के कि स्वर के स्वर के स्वर के कि स्वर के स्वर के

१०८ होब्ए-होंब्ए B 0, हॉर्स्प D वळ-कल L. आणह-प्राण A, प्राण B 0 D J, प्राणह K. वस्थां-दस्था K L, नस्थां B. हाले-हण A, एणी B, हणी O, होंगे D J. च्यारि-च्यार O. नीगस्थां-नीयस्थां B O, नीगस्था K L. ii qr in D is :आठ वस्स हैंगे परि गस्था डीकी-विकी O, हिली K. कियी-किसी O, कथी D. बादशस-अरदासि A. हीब्ए-हींब्ए B D, हिंदुए O. व्लि-ट्ल O D J K, कल L. चालिक-पाच्यु O, पाच्या J, पाच्यत्र K. कटक तोरकह थिउ संहार, सतर सहस पाडिया अईयार ।
मोटा मिटा मिटेक किसी परि करह, हीं दू तणज कोई निव मरह ॥ १०९
बळतज पातिसाह इम भणइ, नवह छाष साहण आपणह ।
छाष दस छह झूझणहार, मारीतां निव आबइ पार ॥ १९०
सहस पंच्यासी हिंदू तणइ, एक छाष साहण सहू भणइ ।
जां हींदूथा विमणा मरु, तां तुम्हे पाछा मत ऊसरज ॥ १९१
वचन कान्ह निव छोपइ सही, रातीवाहि आवसह नही ॥ १९२

॥ दहा ॥

पदमनाभ पंडित भणइ, जउ द्रू चंचल होह। सज्जन जे अंगीकरड, वचन न चुकड़ तोड़।।

११३

१०९ कटक-कटकि A. तोरकह-नुरक B D, तोरकी O, तुरकत् J, तुरक्द K, तुरकी L. B transp as द्वरक कटक; L transp Bs तुरकी कटक, खिज-खुं B, खु O D J, सपद K, कीलो L. संहार-संपार D. सतर-सतर A O, तितर L सहस-सहित B, से D पाकिया-सारीया A, पाक्या O D K L, परक्या J. कंक्यार-हेशार A C, अदेशार D, एशार K, हैशार L सिलक-मिल्क K L. किसी-सी O. परि-वचरि C. कर्स-करि B, करि O J, करहे L, हीव्-तींद B D, हिंदू C. तणव-तिण B, तणुं O D, तणु J. कोर-एक A, कोर O, सत्य J सरह-मिर B, मारे O J.

११० बळतउ-बन्जुं A D K, बन्जुं B O J L पातिसाइ em—पातसाइ A B O D, पातशाइ J, पातिसाइ E, पातिसाइ E, पातिसाइ E, मार्थि E, मार्थ E, मार्थ E, मार्थ E, मार्थ E, मार्थ E, Hiर्थ C J, बबद्द-बि B, मार्थ O J, सब्द - क्यां D . कार्य—व्यां J साइण—साइण K. कापण्य E, अंगण्य A, आपण्य C J, आण्य E, B omits S 110 b. दस-साठि A B, देश C, दश J, एक K ब्रह्—सिंद D, ले J, K interpolates foll line after iii qr बडा माश्री अला ऐशार. सारीशां—मारीशा C J, मारंश D, बाबद्द—आणि C J.

१११ B omits vs 111 a. सहस-सहस ८, सहित к. वेष्यासी-वंजास D, वंजावी L. हिस्-हिंदु O, हींदू D, हींदू K L. तयाइ-तिण D D J सह्य-सिंप D B, सहु ८. स्वयह-निष्य A, सणि ८ J, तांविह L. को-जिहा C, जो L. हिंद्या-हींद्या A D L, हींद्यां B, हिंदुशां G ८ transp as हिंदुशां जहां. विस्तरणा-निज्ञा अ, सर्वाण J सर-निज्ञ A, सर्व B, मर्द B D L तो-तिहा C, तु L. तुवह-त्तरहे B J, हुस्ट L. पाखा-पाछा C. सर-नान B, जा C, मम D, नांवी J, सति L. कसराव-जराद a L, जसह B C J, जरत D.

११२ कान्ह-कान्ह  $\Lambda$ , काहन D, काहांन J. B transp as कान्ह वयन क्षेपह-क्षेपि B J. सतीवाहि- सतीवाह B, सतिवाहि D, सतेवाहि D, सतीवाहि D, सतीवाहि D, सतीवाहि D, सतीवाहि D, आविति D, अविति D, अविति

उत्तम जे मुषि बोल्या बोल पालि पाण किर तृण तोलि। कान्ह बोल ते हीयिंड घरि रातीवाहि नवि कतिरि।।

११६ वृद्धा-वृद्धाः D. पद्मलाभ-पद्मलाभ ह, पद्मलाभि K., प्रधानाभि L. पंषित-पंषित्व L. भण्यह्-भन्निह В. भन्नि С J. भन्ने D. जत-जु A B C, जो D J L. हू-द्रव B, हत्व C K. हत्वि D, हत्वज J, रूं. प्रचण्य-सवि J. सज्जन-सपुरम A, सजन B D J. जो-जन K. C transp as जो सज्जन; D J as जे सज्जन, क्योंकियर्-भन्निकर्स B C J, अंगीकर्द् L. वचन-चन्नि A. चूक्क्-चूर्क् B D J, लेपद D. तोव्-वेद्द B, फोर C, तोद D, सोच J.

24

### ॥ चउपई ॥

गढ छागइ गढवाई करउ, इणी पिर आधा संचरत ।

नित मेस्हाण सर्वे पालटउ, कटिक करउ जलटपालटउ ॥ ११४

एहवी बुद्धि सर्वे आदरउ, इणी पिर आधा संचरत ।

हींदूसूं तुम्हे बोलउ इस्यूं, सरवे दलि आपण झुझस्यूं॥ ११५

ए पंचास सहस मूंगला, असी सहस सींधी भड भला ।

एकाएकइ झुझाडच्यो, मारीनइ प्राणइ पाउच्यो ॥ ११६

मलिक इस्यूं हिंदूनइ कहह, बीजां कटक तडोविड रहइ ।

अम्हे साम्हा आवरं जेतला, तुम्हे राजत भिडच्यो तेतला ॥११७

११४ चडपई-चुपै B, चु० 0, चउपै D, चुपै J, चोपई L. गड-मेहलाणि C. लागइ-आगांछ A, लिग B J,... 0, लागि D, लागइ E. चाई-चाई B O D. करड-करद A K, कि B O D J इणी-इण A K, एणी B D, ईणी J, हिण L. परि-पणि A, परिद K. बाधा-आधा पर्द A, आधा चुन्ह L. संचरठ-चंचर६ A, संचंव B J, साचक O D. O omits vs 114 b. लित-ति D, लितु J L. मेरहाण-मेहलाण D, मेरहाण Rल्हाण L. पालटट-पालटु B D K. कटकि-कटक B K, कटके D, ईणी परि J, कट L. करड-क B J, करी D. ककटचालटट-पालटु B D, गढ पालटु K, लटकर D, टर्फ D. करड-कर B J, करी D. ककटचालटट-सलट पालटु B D, गढ पालटु K, लटकरालटट L.

११५ 0 omits vs 115 s. प्रश्नी-एड्डी A K. ब्रुब्रि-बुचि D K L. सचे-सह D J. जादरउ-आदर B D J, आदरं L क्यी-रण A, एयी s, एयी D, एयी J, हिंग L परि-पर K. जावा-नुस्दें आवा A, तुम्ह आपा L. संपद सपर B, सांचर D, सांचर J, सांचर L. हिंदूस्-तिद्र्स् A, हिंदु सरिवें ८, हिंदुर्से D, हिंदुर्स J, हिंदुर्स K L. तुम्हे-तम्हे B, अन्दें O D J, तुम्ह K, तुम्हि L बोळड-बोळ B, बोळडुं C, बोळिट D, बोळां J, बोळो L. हस्यूं-स्त् A, CJ, हसिवें D L, वर्च K. सरवे-सिये B K, सरवि ८, सरवह L. विटि-ट-कळिं C, रहे D K, मार्ग J, रूट L जायण-आपणा D, ओस J. क्लास्ट्-स्त् स्त्रे क्

११६ सहस-सहिस B K. र्मुगडा-मूलिगा A, मृलगा B D L, सुंगल K कासी-इसी B D J. सहस-सहिस B K. सींची-सीखू B, सिधू U, साचा D, सीची J K, तीचा L आड-इल B अखा-आहा A, मिल K. प्रकारकर-एकाइक A, एकिएक B, एकाएक C, एकाएक D, एकेएक J, एकाएक L. इहानडप्यी-इसाबियो A, इहानव्यो B, इहानडयो O J, झुझडयो D, झुझाडिय्यो L. सारी-माटी B, मारि D, नकारी J, माटी L. नक्-नि B, नइं D, नि J. प्राणक्-प्राणिह A, प्राणि B, प्राणि O D J, प्राणक् K. पाडक्यो-पाढयो B O D J.

११७ मिळिक-मिळक L. हर्स्यू-इस् A, असितं O, इसितं D, इसी J, इस्रं K, इस् L. हिंदुसह्-हींदृति B, हिंदुस्तं D, हीय्ति J, हीय्तर K, हीनद L. कहह्र-किह B J, तही D. बीजां-बीजा B D L. तहोबरि-स्तेवे BA, तरीवर L. सहस्-दर्द A, रिह्ट B, बहि C J, रेट्ट D, कहड् K. बस्टे-अन्टि A, अस्त्रो B, बाहर K, अस्ट L. सास्त्रा-नामदा A K, बाहरा B, G, साहामा J. आवारं-आतुं B D D, आर्ब J, अस्त्र L. सास्त्रा-नामदा A K, बाहरे B, दुरूर L. राहत-रात L. सिक्टमों B D D, अर्ब J, अस्ट L, साहत-नात L. मिडटमों B D D, अर्ब J, अस्ट L, साहत-नात L. प्रांचे-तार दे A, दुरुषे B, दुरूर L. राहत-रात L. सिक्टमों B D D, अर्ब J, अस्ट D J, भिक्ट K, भिक्टो L. सेक्टम-नेतल्स L.

इणि परि बीस दीहाडा हुआ, दस सहस राउत रिण सूआ। वीस सहस मृंगल रिण रह्या, गढ नीपाता आघा गया।। १९८ वली पब्या बिमणा इबसी, वात बिहुं दिसि वाजी इसी। गढ ऊतरह नितु नवतवह, गयां कटक पाडूलइ सबह ॥ १९९ इस्यूं सांभल्यूं कान्इडदेउ, दल रजपृत मराज्या बेड । मालदेव नह वीरमदेउ, ज्यास पांहि तेडाज्या तेड ॥ १२० कटक तोरकां तिणाइ समझ ग्यां उडवाइ वरस पांचमह । इस्यूं कहइ कान्इडदे राइ, गढ ऊपरि जल थोडचं थाइ॥ १२९ व्यास भणइ मंत्रनइ उपाय विहिली वृष्टि हुसइ गढ माहि। गढ ऊपरि गढरोहा समझ वृठा देव दिवस चउदमइ॥ १२२

१९८ हालि-एन A, एणी B O, एंगि D, ईणी J. परि-परि B. बीस-...B, बीसज J. J transp as दिहारा बीसज दीहादा-दिहारा O D हुआ-पाया A, होया B, हुया D. दस-दस्त A. सहस-पिहस B K. रिके-रिके A, रिण K L. हुआ-मृंदा A B, मृदा D. सहस-सहित B K. शृंगळ-मृत्राल A, मृंगल B, सालि J, मुंगल K रिके-दिण A, रिके K रहा-रहीया A, रिहेश B, नहा L. श्रीपता-नीपता B. काल-आयो

१९९ पच्चा-पिटवा B, पाच्चा O. विमणा-विमणां D,...K. हबसी-हबसीह A, हबसी सह सात K, हाबसी L. विद्वुं-चिहूं O हिसि-टिस O D, दिस L. बाजी-जोणी A, जाणी B, वाणी O, जाणह L. ii gr in K is चित्रु दिसि वाजी एहती बात. गड-नाडि A D J. उक्तरह-ऊत्तर A, उसरी B, उत्तरि D J, उत्तरिष्ट D. विद्वु-नित् A, नित B O K नवनवड्ड-नवनवं A, नवनविड B, नवस्वे C, नवनवि J, नवनवे L, गच्चो-नवा O D K L. B transp As चटक गचा. पाइक्डर-प्इन्टर A, पाइकि B, पाइद C, पाइद D, पाइद D, पाइद S, पाइन D, पाइद D, पाइद S, पाइन E, स्विड E. मिस्ट D, स्विड E, पाइट D, स्विड S, पाइद D, पाइद S, पाइन D, स्विड S, पाइद D, पाइद S, पाइन E, स्वे Q, सिवइ D, विवइ K.

१२० इस्यूं-स्त् A, इिंडे 0, इग्नुं J, इहा K, इिंडे प. सीमक्यूं-सीमिल्डे A, बीमल्ड्री K, सीमकीयो L, काम्बुडेंड A, आन्दुडेंच P, कान्दुडेंच P, कान्दुडेंच में, कान्दुडेंच में, कान्दुडेंच में, कान्दुडेंच में, कान्दुडेंच में, कान्दुडेंच L, रेक-सेंबे B L, वेडे 0, केड J, माल्डेंच L, माल्डेंच C, कार्चुडेंच माल्डेंच C, माल्डेंच C, माल्डेंच C, स्वाच्यास-स्वाच्यास्त कार्यों के स्वाच्यास्त में माल्डेंच C, माल्ड

१२१ ठोरकां-तुरकी B, तोरकी O, त्रस्कर D, तुरकना J, तुरकना L, तिणक्-तीणि B, तेणि O J, तेणि D, तीण E K. समह्-सिमेर् B, समि O J. स्वरी-स्वा B, तथा O D L, यथां J, स्वं K. उडवाह्-उडवाहि B, उडवे D, उडवे D, उडवे D, उडवे D, उडवे D, उरवे D, उरवे D, पांचमि O J, पंचम E K. इस्युं-सर्स् A, इसिंठ O, जिले D, इर्गु J, इर्गु K, इस्त L. कहरू-कहि B कहिंठ O D J, कुं K. B. स्वर्त-केलिक्ट A J, काहनडे D, राह-एउ A B, राव O D K. बोडर्ड-बोइ B, बोर्ड O, वोवे D, पोई J, वोवे D. साइ-पाठ A B, राव O D K. बोडर्ड-बोइ B, बोर्ड O, वोवे D E, बोह्र J, वोवे D. साइ-पाठ B, वाव D J L.

१२२ मण्यू-भणि B C J, मणिह L. मंत्रनबू-मंत्रने A B C D, मंत्रिनी J, मंत्रनज L. उपाय-उपाह D, उपाय L. बिविडी-मेर B, बहिली C D J K, बिहली L. ड्रुबब्र em-हुत्तई A, होति B J, होस्वर C K, हसि D, हुते L. माहि-माहि A C D J, मार्बि B. III qr In J IS: गगनि विश्वी बृष्टि ते निमे, शब्द कराई निशे उपति B. रोहा-पाहि O, वाहि D, रोहो L. समब्-समिह B, सिमे C, हुते L. बूठा-प्दी K, बूठा L. वेब-मेप B, वेबि K, पूण L, L transp As पण हुटा विवस-दिवि A, दवि D. वडदमइ-पंचमि B, वीदमि O, वजदसइ D, पांचमि J, वबदसइ K, जीवसह L.

#### ॥ दहा ॥

मंत्र महोषधि देवता अनुदिन पूरइ रिद्धि । पदमनाभ पंडित भणइ, पुण्य तणी परसिद्धि ॥

१२३

॥ चउपई ॥

जूतां घान हुई बलहीण, तिणि करी शयर थाइ षीण। इसी वात राउलजी भणी, बीजइ दिवसि महाजाने सुणी॥ १२४ पहिलडं मंत्र सुपरटु करी, रायंगणि सवि ग्या संचरी। जई रालगुनि भेटणडं करिडं, मोती तणड थाल लेई घरिड़॥ १२५ विवहारीया राय चीनवइ, अम्हे आलहिणूं करिस्युं सवइ। करिज्यो वेहि म लंडड माण. वरस साठि परिस्युं धान॥ १२६

१२३ मंत्र-मंत्रि A J महोषाय-महिष डिज B, महोषाय C K, मारोषाय D, महस्य L जनुतिन-अनिदिन A, अनुतिन B, अन्दरिन D, अनुतिबस L प्रह-पूरि B C D J रिब्रि-कार्ड B C, रीषि D, सिद्धि J, रिवि K. पदमनाभ-पदानाम A B, पदमनािम K, पदानािम L. अजह -अजिह B, अजि C, पुण्य-पुन्य C, प्रसिबि -परिसिद्धि A C D. सिंक रिक्ष J, परिविष्ठ K. K Interpolates foll Präkrita vs after vs 123 - देवाण वर सिद्धाण दरसर्ग गुरनखंदसझाणं। इगई भूम दिव्य नट्टउ पाइयह पुन्यरेहाह ॥

१२४ चडपई-चुपै B. चु॰ 0, बक्तरई D, चुपै J, बीपई L. जूनो-ज्नां A C, ज्ना D J, जूना L. चान-धान A D K. हुई-चुद B C, हुआ D, होट J L, हुउ K. बक्दरीण-बलीहीण C, बल्हीणी K. सिणि-तेणि B C, तिणह K. शायर-चिर A D, देह H, तिरि K, हुट L. बाइ-त्याइ A, धाय D, अंग L. पीचा D. श्रिक्ति B C, राउकजी-राउल अब B, राउल जे D अणी-भवइ D. सीजाइ-पीजि B C J, सीजा D. श्रिक्ति-दिविधि B, दिवस L. महाअमि-महाजन O D K, माहाजन J, माजनइ L. सुणी-सुणी O, कुणह D.

१२५ preverses i and ii qrs. पहिल्डं-पवित्र B, पहिल्ल 0 J K, पहिल्लं D. संत्र-सिष D. स्ट्रुपर B, सपराठों D, सह सेल D, एकर J, सपराठों K, सुपर ट B. स्वराजी - (रोक्साफी D, रोक्सा प्रकार कि D, सार अल्ला D, रोक्सा पर, सिंव प्रकार कि माना सिंव A, ति प्रवा D D D, स्वा प्रस्, ते पवा L, संत्री-सांचरी J, जाई - त्रे A, जाई D. रालगुनि-रालग्रीन A, रालग्रु B O D, रालगुन K, रालग्रुन K, पेडलग्रुन K, पेडलग्र

१२६ विषदारीया-विवहारिया A, व्यवहारीया B, विविद्यारीया L, राष-सफ्ता C,...D, वीमवर्ष-वीनवर A, वीनविद B, वीनवि CJ, ब्रास्ट्र-व्यारी D, अिंह L ब्रास्टरियूं-आलक्ष्मिर्ड A, आलिक्षिपुं C, आलक्ष्म D, ब्रालविष K, आलर्ज L किस्स्ट्रे-करियुं A, करित् B, करिते C, करिते D, करहे, J, करित्य L, सबद्द-तिषद A, सेते B D J L, सिव C करित्यों-करओं B CD D J K, करिते L. वेदि-वेद K. स-में L, क्ष्य-विद्यारीय B D, छाड़ C J, छिड़ियों K L. साण-सीन B C D J, सीण K L वरस-वरसा A. पूरिकार्ड-पूरेस्र B, पूरेसुं C, पुरुष्टिं D, अन्दे पूर्व J, पूरेस्सा K, अन्दे पूर्व L, समन-धीन A D J K. रामसाह फडींड इस भणह, कण कोठार घणा अब्ह तणह।

ग्रुग चोषा जब काठा गई, पूर्ल बलहट आवस लहूं।। १२७
वीरम भणइ ऊपारन जीन, वरस जीस हूं पूर्व घीड।

साग्रं सीष पसाउ अम्ह करड, भुंजाईह पूर्ल बिमणउ बरन।। १२८
जइतसीह दोसी इस भणह, बस्त ब्यारि घणी अब्ह तणह।
छेवा तणी म करस्यउ माठि, कापड पूर्व वरसां साठि।। १२९
मोलउ साह भणइ लिउ तेल, असी वरस पूर्व दीवेल।
बोल एतलड छह पाघरड, वलतह वारि नाहणडं करन।। १३०

राय भणइ महाजनि परि कहीं, कोरडं अन्न जिमाइ नाही।

जमला सापि दीइ परधान, ईधण विण निव पाचह धान॥ १३१

१२७ रामसाइ -रामसाइ 0, रांमधीइ D J, रामुसाइ L. फडींड-फडियाउ K, फडियो L. इम-ईम D, अझ J. भगइ-भगिइ B, भगि 0, तागि J, कण-वता K कोठार-वगारि K घणा-गणां B, अछि J, घणी K. अवस्व-गणिद B, तागिद B, तागिद B, तागिद B, तागिद B, तागिद B, तागिद B, तागु C D K, गाइ-गण्द B, आईट, D K, एकंड-पुरल A, पूर्व B C J K, बकड्र-व्यव्ह B, वागु C D K, क्रक्ट्र-व्यव्ह B, वागु ट क्रक्ट्र-व्यव्ह B, वागु ट क्रक्ट्र-व्यव्ह C D K

१२८ चीरम-वीरससाह  $\Lambda$ , बीह 0. अणह-भणि B J, अणिव C. अजारव-जजारि  $\Lambda$ , उचार B C D, अणवात J, अचारव J, अचारव J, अचारव J, अचारव J, अचारव J, अचारव J, स्वांच्य J, सहं J, स्वांच्य J, सहं J, स्वांच्य J, स्वांच्य

१२९ जहत्तसीह-जितसी B, जयनतसीह O, जयसीह J. हम-ईम J. भणह-भणिह B, भणि O J. वश्च-बबु D, बला J E. बणारि-व्यापार O, बलारि D वर्णी-वणा O, अछि J. समझ तणह-आपणि B J, समझ तणि O. छेबा-ओक B. करस्वा-करसु B, करसु O, करसिंच D, करिसेच J, करिस्स E. माटि-अठ E. काण्य-काण्यु D. पूर्ट- मूं र्र्ट्स B, पूर्व O J, पुंडे D, पहुचवच K. बरसां-वरस B, बरसह C, बरख बी D, बरसज J. साटि-साट D.

१२० मोखड-भोड छ ०, भेलु ०, भोला ग्र. मोलड ४. भणह- भणि छ ० ग्र. खिड-ल्यु ०, त्यत ४. कसी-इवी ग्र. पूरते-पूर्व मे ६० ० ग्र. एतळड-अण्ड ४. एतळ छ ० ग्र. एतळड- प्रव ४. कि. छ ह – एव विके ४. छि В ० ग्र. वायदर-पायत छ ० ग्र. पायते ०. वळत्तर-वळति ४, तकते ० ग्र. ४. बारि-वारि ३. वारे ० ग्र. नाहणवं-नाहणुं ह, नाहणुं ०, नाहणुं ०, नाहणुं ०, नाहणुं ०. सरक ४. कर ४ ० ग्र. वर्ते ० ४.

१३१ जणह्-भाँग во DJ. सहाजनि-महाजन во DK, माहाजन J. कही-कहि D. कोरटं-मोर्स в, मोरें CDK. वष-पान A, धांन D, अन K. विसाह-जीमार A, जमार C, जमाय D, विसाह K. कही-नहीं B. जसका-प्रस्ता BK. साहि-सांग D. वीह-स्वर K. परधान-प्रमाण C, परान DJK. हैच्या-ईपण CD, इपण K. विज-पावि J, निना K. ववि-न J. पाचह-पानि BUJ. वान-पांन AJK. मोल्हणसाह कहह परि करी, वात पतली छह पाघरी ।
पूकडि अगर अम्हारह घणां, वरस त्रीस पूरंड ईघणां ॥ १३२
राय भणह ए साचडं सही, पाष्ट्र घोल न सकीह रही ।
पूद्वसाह कहह परि करी, छासि पहिल्डं आउरी भरी ॥ १३३
वाहणि चडतां लीजह साथि, जोड पारखं आपणह हाथि ।
मीमुसाह हणी परि भणह, देवल मन भांजव आपणह ॥ १३४
वरस अहार लगह त्रापडा, गुल हीकलीह पूरूं गडा ।
तेहु पारिखं जोड राय, गुलनु गोलड विमणड जाह ॥ १३५
वाजह ते नवि पाछल जाह, जीवंतत गुल रोटी पाइ ।
एहसी वात मलिक सांभली, हीली नफर चलाव्यड वली ॥ १३६

१३२ सोब्हणसाह-गोन्द्रगसाह A, गोन्द्रणसा B. कहटू-किह B O J परि करी-परि कही A, ए परी B. पुराली प्रे प्राणी J. कह- कि B O. सुक्कि-सुक्तिय J. अगरा-च्छ J अन्हारह-अग्हारह A, अगशारि B O J, अगरार B O J, पर प्राणी - प्रणा O K वरस-नरसा A. जीस-साठि O D J प्रचं-पूर्व B O J, पर D, प्रच K, द्वाणी-पुणा A D, ईपणा O, इपणा X.

१३३ अण्डर्-भणि BOJ, भणे D. ए-१ D. साचर्ड-सार्च् BJ, सार्च् OD K. पायह-पाणि BOJ. बोक-मोल B, J transp As घेल पाणि सकीइ-चक्द् A, सकि BK, रही-व्ही B, मह रही K, सूद्रव-सूद्र B, सूदी O, सुद्र D, सुद्र J कहरू-किहे BCDJ करी-पी K छासि-छास D पाहिल्डे-पुले B, सुद्ध Q, सिहिक्ष D, पहिल्लं J, पहुचार्चु K. आवरी-आवशी B, आवरी D, आसुरी J, सक्ती K भरी-भरीड J, पुरी K.

१२५ बाहिल-बाहल ВО D J, बाहिल К बहतां-बहता ВО स्त्रीजङ्ग-लीजि ВО J, लीजई D, तीजबई D, तीजबई D, जीज D K, जोजे D K, जोजे J पार्यु-पार्यु B D J, पारियु О लायणह-लायणि В J. स्त्रीस्त्राहर-सीमोसाहर G, मालुसाहर J, सीमउसाह K. हणी-इण A, एणी B, ईणी O, ईली D, ईणी J, सणह-स्त्रीस्त्राहर, मिण C J. मन-सम O D. भांजव-भांजु B O, भांजु D J, भांजद K लायणह-लांचणह A, आपणि B J, जस्म तिण O.

१३५ महार-अभ्यार O. खनाइ-लिंग BOJ, लगई K. आपहा-त्रापटा AODJ. गुख-गोलह K. हीक्करीइ में BO, वीकरीई J. वीक्करीं K. प्रकं-र्युट A. पूर्ड ०० K. पूर J. गहा-गड़ां AD. तेकु-तिकु B, तेकु G K, तेकु D J. परियुं-पार्यु A. पर्यु B J. परियुं D. जोड-जोऊ J. जोर्यु K. गोकड-गोळ B D D. लगोळे K. मिनज-विवार A. विस्णु B O D J. जाहु-जाय D J.

१६६ बाबह्-बाजि B O J. पाळड-पालु B O D. जाह-जाई O, जाय J, बाह к. जीवंतत-जीवितु B, जीवंतु O J. जीवंतु D, जीवंतर к रोडी-गेटड J. बाह-बाई O, बाह к. प्रहर्ष-एडी A, एहबि D, इसी к. सकिक-मिकेक O, मलके D, मलिके J. डीकी-बीजी O, डिली к. बलाव्यत-चलावेड B, चलाव्यु O D, बाहबा J, बलाव्य K. गढ कपरि पहतुं परमाण, सकळ सरूप सुणइ सुरताण । पातिसाह मुषि बोल्ड इस्यूं, बिमणड वरड अम्हे पूरिस्यूं ॥ १६७ दिवस केतला रहिज्यो मांडि, भांजी मन आवेस्यु छांडि । असी सहस तुरक आवव्या, त्रीस सहस हीटू दिल कव्या ॥ १६८ सोमचंद राय पृक्ष्यड व्यास, बार वरस नइ हुआ छ मास । वेढि करंतां वरस सउ जाइ, पणि गढि तुरके कांइ न थाइ ॥१६९ जड भांजी छांडेस्यइ दाम, किम आपणडं रहेसि नाम ॥ १४०

॥ दृहा ॥

पदमनाभ पंडित भणइ, जड जस संपति होइ। अंग तणड आदर किसड, वीर न वंछइ सोइ॥

१४१

१३७ पहर्च-एवर्ड A, एट्ल् J, एट्ल् K. वरसाण-करसाण O, परमाण D, करमांण J, कुरसांण K. सरूप-स्वरुप B J. सुण्य-सुण्डं A, सुण्ति B O, सुण्डं J. सुरताण-सुरताणि A J, सुरतांण D K. पातिसाह-पातसाह A B, पातसाह J, पुण्य-सुष्य B O J, युण K. बोक्डर-बोल्ड् B, बोल्ड J. इस्प्-स्स् A, इस्रं O K, इस्रं J. विस्माय-विवण S A, विश्व B O J, विमर्ख D. वरड-वर B O D J. प्ररिस्तृं em-स्टिंड A, पूरवृं B, एर्ड O, पूरखं D, पूरेखं K

१३८ केतळा-केटल B, केता J. रहिज्यों -रहिजों BOJ, रहज्यों K. सांकि-संकि BDJ, अमि K. भाजी-भाजी O, भाजी J. सम-सम A, नवि OJ, सत K. शाकेखु-आवरणों A, आवस्ति B, शाखेखुं O, आखें y. खांकि-छंडे BJ, छांकि ८ केति में स्वास-संक्षित्र K. शाकेख्या-शावणा B. वीस-वीस A. सद्वस-विहस B K. After सद्वस A Interpolates: राउत रिण प्याया. हॉब्स्-हॉस् A, माहि हॉब्स, B, हिंदू O. व्रक्ति-.. B, दल J K. बळ्या-टळ्या A, पटिया B, पळ्या O.

१३९ सोमर्चद —गोमर्चड ह, सोमर्चइ O D J, सोमर्चिष्ठ K. राष—राज A, मांहि B, राह O. पूक्यड— पूछत A, पुष्ठि B J, पुष्ठिउ C, पूछत D स्थास—यास D. नह—नि B, O D J, हून्ण—हुना A B, क्र मास— स्थ्यास O J. वेदि—वेति त करंतां—करंता A, करतां K. वरस—यरंगा B. सउ—. B, सहं O, घु D, हम J, सद क्र आह्—आई O, जाय D J. पणि—दोष C. गवि—गढे D, गढ ह. काह्—काई B O D J. न—नित J. पाह—थाई O D, धाय J.

දිහුං ශය-ගු BOD J. भांजी-भागी BOD. खांदेख्य-खांदेख् A, कंटलि B, खांदेखु ර, खांदिलि D, खांदेखिंदी J. डास-टांम AD J, टांमि K. किस-तु किम OD, दु J. बारणफे-आंपणर्थ A, आर्ग्यू BJ, बार्ग्युट D, आंपण्य K. रहेसि न-रहिसे A, रहिसि ठ, किम रहिसि J, रहेसी K. बास-नांम DJK. Otransp Bs दु किम रहिसि आर्ग्यु नाम.

१४१ बृहा-हुहा D. पदमनाभ-प्यानाभ A B, पदमनाभि K. अणह-भणिह B, अणि J. बाड-सु B D J, जिमे K. जस-परि B, जय D J, जउ K. संपति-संपत D. श्रीग-अल B. तणड-तणु B C D J. किसद-किसिंउ B, करिंड O, किस्यु D, किञ्च J. वंकह-छंडर A, वंक्कि B O J. सोह-सोव O J.

## ॥ चउपई ॥

च्यास बोलीया वचन विचारि, माठ वीर गढथा ऊतारि ।
विका कटक ऊतारह घणाउं, जिम मुप दीसह तुरकां तणाउं ॥ १४२
राउठि बिहुं सीवामण कहीं, बीरमदे गढ छंडह नहीं ।
त्रीस सहस सरिसा असवार, विमणा पाठा झूझणहार ॥ १४२
राउठ कान्हह आइस दियउ, गढ अंवेरि माठदे गयउ ।
राउठ कान्ह तणह आदेसि, पाउइ सोर तोरकइ देसि ॥ १४४
पातसाहि कासीद मोकल्यउ, माठदे वीर साहु एकठउ ।
कमाठदीन कहिउं सांसठे, विण ठीघा मत पाछउ वठे ॥ १४५
मठिकह तसह पीयाणां दीयां, चिहुं मासे सुंदरका गयां ।
राउठ भणह माठ यय परइ, तउ हजी तुरक तठहटी फिरह ॥ १४६

१४२ खरपई-चु० ०, चुपई D, चुपै J, चपई K i qr m K is aोिल ब्यास आवली शुविचार. बोकीया-बोकीट A B, बोलीआ C, बोल्या हिंबे J. विचारि-विचार B माल वीर-मालबी D, वीर माल J, गहचा-माहबी A, गविचा J. कलारह em-कतारेह ति A, कतारे B J K, कतारे C, उतारह D, कतारो L. चप्पंच-बाई B D J, चुले C, चलार K किस-ज B C D J, तट K मुख-मुख B, मूख D. दीसह-चीति B C J, चीसह D, दुख्लो-दुत्तह B D J, तकार्थ-वर्ण ह D J, तछ C, तसार K.

१%६ राउकि-राउक CD, राउक भणि J. बिर्डु-सह B, बहू CD. सीवामण-सीयामण A O, बीवामणि K. ब्र्ह्स-होइ J. डंडइ-डिंडि B, लांडिउ O, लांडेइ D, लांडि J, बीस-पेचवीन DJ सहस-सहिस B K. सरसा-सिसा-सिस्सा B,...C DJ. विमणा-विवणा A, विमणा D, वीमणा K इस्सणहार-नइ ह्यार A, इंस्रणहार D.

१४४ Breads as i qr. हुद बिदाइ पीमाणू बीउ राउक-राउछि A कान्हरू—क्वान्त्र A, काहद 0, क्वानि D, काद्विती J. बाह्य-आसस 0 D J. वियउ-दीउं A, बीयु 0, दिउ D, बीउ J. अविसि-अविर 0, अवेद J स. गयउ-गयु B 0 D J. कान्द्र—कान्द्र A 0, काहान J. सणह्—तिण B 0 J. आदेसि-आदेस B , आदेसि 0, आदेस J. पाडहु—एट B, पाडि 0 J. तोस्क्ड्-तरकि B, दुरकानि 0, दुरकानि 0, दुरकानि 0, दुरकानि 0, दुरकानि का प्रदक्ति का प्रदक्

१४५ पालसाहि-पाताह 0, पातसाह 1, पातसाह 1, पातसाह 1, पातसाह 1 कालीह-काणक B, कासह 0, में सिंग 0, कायद 1, मोकल्य व्याच-विकाल B 5 का 0.1 मालह वीरा-माल निवारि A, मालती बीर B, मालदे देश 0, मालदे देश 1, मालदे व नहीं के हो के ही 0, कार 5 का विकाल के 1, मालदे 0, सामकी 0, कार्य 1, पिकल्य-पास 1, पात 1, पा

१क्षद्द सस्टिकड्र-मिल्कि A B, सलिक O J, सलकि D. तिसङ् -तिसि B, नइ 0, तसई D, तिसे J. वीव्यावर्ग-पीयाणूं B, पीयाणा O, पीयाणा D, पियाणा K. दीवां--रीजं B, दीआ O, कीला J, दिना K. विश्वं-विर्द्ध O, चुढ़ D, विद्यु K. सारी--तारि D. चुंदरणा-दिरला A, चहलि B, चुंदला C, चुंदरल D. नयां-नायु B, नया O K. सण्ड्य-मिणिइ B, भणरं D, भणि J, साख--यला K. यल-नित B K, गयु O J, चुंत D, वरह्न-दौर A, वर्षिष्ठ B, परि O J, पर्य K. चड इश्ली eDn-नहिल A, तुइल B, तुहि O J, तुहली D, तट इलि K. साख्युदी-तत्त्वदृद्धि B J, तालदृद्धि D. कितह-किर्द्ध A, क्रिक्ट B, क्लिर C J, फ्रीर Ç K. उर्छभा निव राउत सहरू, लितु लितु यंत्र मगरवी बहरू । गोछा वहि नालिण्या वळी, जाठ पुहर वाहरू ढीडुळी ॥ १४७ राउठ आवी रहरू करहडी, फेरी वीटि तुरिक दउवडी । मिलेके तो मिन हठ आदरिज, जमठउ तुरात तठहटी करिउ॥१४८ हेठउ कोई न उतरी सकरू, न को उत्पहरुं चडिवा ठहरू । जेठ मासि जउ जठ पृटिसरू, ठोक भणरू जीवीसरू किसरू ॥१४९ ठाघां सुपन राय तिणि कालि, पहुंच वचन कहिनं जावालि । आगरू देव तणां वरदान, गिंड निव पुटरू पाणी धान ॥ १५० पहुंच वचन कहिनं गंनीर, पछरू उत्पहरां आक्यां नीर ॥ १५९

१४७ बर्कमा-वर्तिभा D. राउव-रावल 0 J. सहद्द-पहि A B 0 J. लितु लितु-नित २ A K. तद्व २ इ. लितु २ 0 D J. वंत्र-वंत्र स. मरावी-वराये A 0, मरावी D. वाद्य-वहि B 0 J. गोखा-गोइला D, गोल K. बहि-वंत्र 0, वहद स. नाविच्या-नाविचा B 0. पुद्दर-पुदुर B J, पुदुर K. बाद्य-वाहि A, वदि B, बाहि 0 J, बाद D. डीकुटी-वंद्विः A, डॉक्टी B 0 D, डीक्टी J.

रेक्षेट आपी-भावित 0, आवह D, आवि K, रहह-रहि B U J, रही D. करहकी कहा कि D, करह हो K, केरी-केरित B, केरि D, फीरी K. कीटि-जीटि A, वेटि B, वेटि D, वेटि D. सुरक्ति-पुरके B G, हुस्त J K. किलके-मिक D, सकते J. सी-नी O, हु J. आवरिट-आरब्स् D, आरब्स K. असब्ब-जसह B C D J. सुरक-बुजे B J K, दुर्ग G, गव D. सबहटी-असंस्था A, तलहटीर B, तलहटी K. करिट-कर्स् D, सबस्ट K.

१५० कावर्ड-लापूं BD J, लापुं O K. सुपन-सपन्त A, लाम B, सपन O D, लापन J, राव-...A, राह B, O tramp as राव सपन. तिमिल-तत B, तणीह D, तिम J. पहर्चु-पहरवं A, पहर्चु J. कोव्रेड-किहि BJ, कर्जुं D K. लागाइ-लानि BC J. तणर्ड-तप् BJ, त्युं O D, तगब K. वरशास-सरदांन AD J K. तरि लिस्-ति ति B, गढेंनि D, गढ निर्दे K. वृद्ध-पृदर्द A, पृटि BJ. पाणी-पोणी AD K, लागि B, पाल-पोन ACD J K.

१५६ व्यर्ड-एस्वर्ड ४, एस्त् ४, एस् ४, एड ४. कहिंड-व्यां Þ, क्यूं ४. गंनीर-गंनिर Þ, गंनीर ४. व्यर्ड-पि ४००४, पास्त्र ४. कप्तर्रा-कक्ता ००४ ४. After vs 151 a interpolates the following line: प्यस्ताम पेवित इन क्यू युव्यवसार समि तिक्रि स्वरू ।

## ॥ पवाडु ॥

•	
तेडाबीउ कान्ह ऊलीचउ, राउल सीष कहावइ। वेगि करी भोलाइनी वाडी लेई कटक चलावइ॥	१५२
दस सहस साहण मोकलीया, ऊदलपुरनइ पासइ। निजामदीन मलिक जई रूंधउ, रषे अवर को नासइ॥	१५३
कलस थिका कान्ह उलीचइ कटकि मोकल्या हेरी । परे विपुहुरे जई दलि विलगा, तेजी वाल्या फेरी ॥	१५४
चउपट घाइ भिडइ चडीयाता, हींदू तुरक अपार । पायक पडइ लडथडइ मूंगल, ततिषण कीधा मार ॥	१५५
तुरक तणां भांजी दल प्राणइ नडी नाद ऊतास्त्रन । निजामदीन मलिक बलिवंतन, ते हींदूए मारिन ॥	१५६

१५२ पबादु-वाल A B, पवादु: D, पवादा वाल K. तेवाबीउ-योलावी A B, तेवाबु C, तेवाब्द K. काक्ट्-कोल्ट A, काल्टवंद O, काहान J, राउल काल्टवंद K उत्कीषच em-तिहा राउलि A, दुलाबि B, लिंबु O, कलेलु D, उलीतु J, राउल K. राउल-इसी A K, राउलि B. कहाबद्द-कहाबि B C J. बेकी-चेकिं J, करी-...B, करि D. भोंकाइनी-भोलांद्वी B J, भोलानी C. iii Qr in A is :वेशि वई विकाय तुरकालाइ; in K is :बेलि जाह विकाय तुरकालाइ. पळाबाद्द-लागाई A, चलाबि B O J, चलाबु D.

१५६ सहस-सहिम к. साहण-अस्वार ८, माहण к. मोकळीया-मोकळीया В D, मोकळीआ С, मोकळीआ J, मोकळिआ к. कदळपुर-उरल्युर J, उस्वैल्युर к. नह्-ि В С J, नई D, जह к. प्रासह-पाति В С J. निवासदीन-निजासदीन ८ J मिळ- ८. जहें-चै B, इहा О, ईहा D, हंदों J, जाह к. क्षेण्य-क्षियट B, रिहेंट C, हेयू J, कंप्यु J, क्यार अवद को-चेंद्रे दे. नासह-नातिह B, नाति С J.

१५४ फिका-पका A, यकी B, पि J, यका K. कान्द्र-कान्द्रं A B, कात्त् O, कान्द्र्द्र D, खांदान J, कान्द्र्य B, कार्त्व B, कार्त्व B, कर्तिच B, क्रिक्त B, क्र

१५५ चनपट-चुपट B O D, चुपटि J, चनपटि K बाह्-धाग O, चान D, चांहे J. सिब्ह्-भिटि B J, सब्दा D, सिब्ह्-भिटि B J, सब्दा D, सिब्ह्-धिट D, सिब्ह्-धिट D, सिब्ह्-धिट D, हीड् J. प्रक्ट-पिट B OJ. क्टबर्यक्ट-लक्टबरि B C, कटवर J, कटवर K, स्त्रीसक-धुपल D K. सत्तिका A, तत्तिका B J. सीम-धीया O D, सीपां J, माझी K. सार-मारि A B.

१५६ तर्णा-तगा O E. संबंध-मानी BO. D E. transp as वल मानी. प्राणाह E. प्राणि B. प्राणि D. E. स्थिति B. D. J. सीव्य-वीद्य A. रू. विद्या प्राणि D. E. सीव्य-वीद्य A. रू. विद्या C. सल्बन-मारित A. B. O. रू. सीव्य-वीद्य A. रू. विद्या C. सल्बन-मारित A. B. O. रू. साव्य D. रू. सीव्य-वीद्य A. रू. विद्या C. सल्बन-मारित A. B. O. रू. साव्य D.

हरम धरी हिंठ घोडां लीघां, बेंगि चडाच्या ढूंगारे ।

रूपकरण माल्हण ग्यंत्र साम्हड, मिलीया ऊदलजुरि ॥

वधामणीज पहिलु चालिज, तीरच मांहि दल स्यावइ ।
सोभित वर्ज कुंड जावालि, बारीई यई आवह ॥

रामपोलि जई राज जुहारिज, अधिक पसाज जिलाधज ।

रामचंद्र हण्यानी परि राइ रिणविट बाधज ॥

वित एतली कटिक सांभली, सिंव साचां अहिनाण ।

वेगि प्रधान मोकल्या दीली, संभाले सुरताण ॥

करी पराण वियुद्दरी वारङ, हीदू आज्या चांपी ।

निजामदीन मलिक रिण मारिज, हरम भीलनइ आपी ॥ १६१

१५७ वरी-वजा 0. हिंद-हिंब к. बोर्चा-चोडा B 0 कीर्चा-कीवा B 0 बेसी-चीर्स B. वडाच्या-वर्षमा A. चित्रया B, जवाल्यत स. बुंगरि-गड करिर A. मंग्री B. बुंगरि O. बुंगर J. ब्रुसिर K. ii qr in J is: बेरि बुंगर जवाल्या खुणकरण-छणकण D, ठणकण J. सावहुण-साहरूप 0. स्वन्ति B, पत्र Q J, खु D. सावहु व M.—सांन्द्र के A. सावहा B D, सावहु O, सांह्य J, सावहु K. सिकीचा-सिकीचा O, सिक्या K. कदक्षपुरि-रक करारि A. क्रेरिकपुरि K. iv qr 10 J is. जई अपितहि बचाच्या.

१५८ बचासणीठ -बद्धामणीठ B O, वधामणीठ D, वधामणीठ J, वधामणीठ ठ. पहिलु-पहिल A, पहिलु D, पाछउ K बाल्डिड-चात्यु O, चात्यु D, वात्यउ K, तीरथ-तीथ B, लिय D, तीवें J K, सांहि-साहि A D K क्यावह-त्यावि B O J, त्यावाह K, सोमिल-सांशित A, शोभित J K. बर्ज-र्जुर्ज A, वर्ज O, वर्ज J, क्यावह-कंप O, चात्यु J, बातिय-वाशिक B, चालि O, वाल्यु D, चाल्यु J, बातिय-वाशिक B, वालि G, वाल्यु D, चाल्यु J, बातिय-वाशिक B, वाहिपेट, वालिट D, वाल्यु J, बातिय-वाशिक B, वाहिपेट, वालिट D, वाल्यु J, बातिय-वाशिक B, वाहिपेट, वाशिक C, वाशिक B, व

१५९ समयोजि-रांमपोछि D J, रामपडिल ह काई-यद B, जाई J. राउ-राय B, राउल C D J, राजक ह क्रुदारिट -जुड़ारिट D, रहीट J, जुड़ाकाट ह. पसाज-समा A B. जिन्हम A B ह, ज J. डाजबर-काडु B O D J. E MS commences again from vs 159 b. रामचंद्र -रामचंद C, रामचंद्र D, रामचंद्र ह. रामचंद्र D, रामचंद्र ह. रामचंद्र D, रामचंद्र ह. राह्नपानी कृत्यानी B, हण्यानी D, हण्यानी J, हण्यानी D, हण्यानी D, एक्ट्रपानी D, हण्यानी D, एक्ट्रपानी D, हण्यानी D, एक्ट्रपानी D, हण्यानी D,

१६० प्रकी-प्टली B, एक्टी J. कटकि कटिक B, कटक L. साथां-साथी A B, साथा L. व्यक्तिग्य-अहिताथ A D J K, आहिताथि B, इत्तांथ C, iii qr in o is: 'किही अणी वेगि मोक्ट्या वेगि-वेग K. प्रभाव-प्रणात A J K, जण D. डीली-वेरी B, डील J. संसाले-सभावित्रं A, सांसक्तिया B, सांसके K, संसाल्या L. बुस्ताण-जुरतांण O B K, सरतांण J, ध्रीताण L.

१६१ करी-केरी L. कराज-पराण ∧ O D J, पराणि L. लियुवरी-णियुद्धी घ, लिहुं युदरे 0, लियुवरे D x, लियुदरे 2, कारह-चेलां घ, साहरी 0, वाहार छ, आच्या J, वाहर घ, साहर ⊥ बीह-हीर्ष, घ, हिंद 0, हींडु D. लिकासरील-नकासरील A, लिवासरील D J. साहिक-सिलकि L. रील-- D, रील C D J, सारिव-साखु 0 D, माझाउ L, माझोउ L, भीक-सीम A, डीर्सू B, हमी L, नह-न B, लि O J, नई 7, ली घ. सापी-साबी

सहस त्रिणि तेजी ऊदाल्या, रिणवटि सुंख्या साबी ।	
मारी म्लेख सबे थल कीघर, लीया रिणंगणि हाबी ॥	१६२
कमालदीन मलिक सीपामण, मोकलीउं फुरमाण।	
साथि वली सिलह दिवराज्या, तरकस तीर कमाण ॥	१६३
षानज्यांह साथि मोकलीउ निजामदीननइ वाहरि।	
पातिसाह बाहादरपुरि आञ्चन मालदेवनी वाहरह ॥	१६४
i) arm crass county i)	

।) राग धवल धन्यासी ॥

बहादरपुर अंबेर कि, अंतरि चनक आलेबीन ए। चनपटि परठीया पान कि, कुण हारह कुण जीपसह ए॥ १६५ एक सोनिगिरन रान कि, बीजन दीलीनन पातसाह ए। कान्डडदेनन बीर कि, मालदेव सुरताणस्यूं जूए रमह ए॥ १६६

रेश्चर सहस्र त्रिणि—पाच सहिस B, सहस त्रिण J, सहिस कि L, सहस्र त्रिणं L उद्शालया—कदाक्षिया B, उदाल्या L, रिणवरि—रणवटि B O D J, रिणवट L सूंक्या—स्ल्या B L, सुंख्या C D J, रुख्या K. सायी—सापि A. स्थेक्ष—सेक्ष B, मरेक्ष J, मिलक L. सर्व—संवि C, सह L. की घड—कि पु B, की घा C D J, डीया—की यो D, समरंगि J, रिणंगण L, राणगण L, हावी—सायी D, राणगण L, हावी—सायी D.

१६३ सिलक-लिलक L. सीबामण-सीवांमण A, तीबांमण J, तीबामण K, तीबाण L. लोक्डीडं-मोक्डीड B, मोक्डीच्रं D, मोक्डीच्रं J, मोक्डीच्रं S, मोक्डीच्यं L. कुरसाण-कुरमाण A O, फरमाण D, करमाण J, तासह K. सिकब्द-सत्तह B J, सिंदि O D. विवास्था CD. दिवस्था A, वेदराब्या B O, देवरस्था D K, वेदरस्था J, वरस्था L. सरक्स-तरस्था L. क्याण-क्याण A O D K.

१६४ वानक्यांद्र—वानक्यांद्र A, वांनजिहां B, वांनप्यांद्र 0, वांनज्यादां D, वानयहां J, वानजिहाज K, वानजाहा L. सामि—साथि B D, सायद K, ते साथि L. मोक्किय - मोकिवय C K, वोकस्यव L. मिक्सिय निवासी के प्रतिकृति के प्रति के प्रतिकृति के प्रतिकृति के प्रतिकृति के प्रतिकृति के प्रतिकृत

१६५ o omits the song, 1.e. vss 165-168. चवक - К. घण्यासी-चंन्यासी J. चन्यासी ॥ ८ ॥ К. चदासपुर-चदास्पुर A, बादासुपुर В. अंतरि-असर D J. चवक - युक्त В J. चूल D, चलके L. साल्योरी द ए. आंक्यीई ए B. आंक्यीई ए D. आंक्यींच ए K. आंक्यींची ए L. चवर्यरिट चूल्यरि A. चुन्दी है В D J, चवरि L. परतिथा-परत्या B, परठच्या D K, परत्या J, परिचा L. वाव-पाव L. कुण-कुण D. दासद-सि J. कुण-कुणी D. औपसद-जीपि J, जीपस्पद K. iv qr in B is कुण विद्वं माहि जीपित

१६६ एक-१६ ८. सोनिगिरंड-सोनगिर B D J, सोनिगर B K, सोनगिरा L राड-राय B L. B omits vs 166 ii qr-vs 168 बीजट-बीज D J, बीजो L जब-जु D J. बालसाइ-पाराहाइ J, राड K, पातिसाइ L. पु-...A, कि D K. कारणुडचें-कोर्डचंडे A J K. जब-जु D J. बीर-बिर D. कि-की D. आवडचें-माजदे D K L. सुरताबस्टुं em-जुरताब्यूं A, सुरताबस्टुं D, सुरताब्यूं J, सुरताबस्टुं ह, सुक्रीताब्युं L. बुद्द-च्यू A D, जुबद्द L. सम्बु-एमें J, रिकेट L.

सोगठडां केकाण कि, गयवर पासा ढालीयइ ए ।	
षांडडे दीजइ दाउ कि, झडप दीइ रिण मालदे ए ॥	१६७
एक सोनिगिरड गढवाड कि, जुआरीपणूं मांडीड ए।	
कइ जीपइ सुरताण कि, कइ गढ जीपइ माछदे ए ॥	१६८
॥ पवाडु ॥	
पानज्यांह दल ताजां ल्याच्यउ कटक आगिला माहि ।	
हींदू वेढि करइ सपराणी, आवइ चरुपट घाइ॥	१६९
जाणी वात मालदे राउति, ततिषण छांक्यउं ठाण ।	
वेगि करी वनाद्रि आविड, ढीली ग्यु सुरताण ॥	१७०
देसि देसि मोकल्या हकारा, सहूइ आबूं आवड ।	
राउ मालदे रोसि आगलु, तेडावइ मेलावड ॥	१७१

१६८ एक-एकसा. D. .J. सोलिगिरड-सोनिगिर D J, सोलिगिर सोलिगिर K, सोनिगिरी L. शब्बाइ-गढाव A, गढवाक D, गराव J L. ज्यारियर्थ-ज्यारीपुण A, ज्यारीपुण D K, ज्यारीपुण D K, ज्यारीपण E L. सांचीद-मांबीट D K, मांबीक J, मांबीयो L. कह-एक J. औरवर-जियर D, जीपि J. सुरताण-सरतांन J, सुरताण L, कि कह-कह A, कि कि J, कि किउ L औरवर-जीपि J. L transp as जीयर गढ. साकदे-मान्वेय D J K. पु-..A K D, D adds as refrain after 168 र फ्ल सोन्; K adds : एक सोन्स

१६९ पश्चाहु—चजर्फ ते, चालि छे, 0, पश्चाहुः D, पश्चाता ग्रं पश्चाता झाला । छ ।। छ, सम्प्रद पश्चाता झाल ८. सामव्याह्—सामव्याह् ८. सामव्याह् । ८. सामव्याह । सामव्याह । ८. सामव्याह

१७० बाजी-जांजी AOD J K. साळदे-साळदेव O, साळदेवनी J. राडित-रांह B, राहं O J, राय D, राउत K, राहं L. स्वतिच्य-तताक्षिण A, तताबिण B J, ततक्षण O. डांड्यर्ड-डांब्यूं A, डांबिर्ड B, डांडु O, डांब्युं D, डांबिर्ड J, डांब्युं E, डांबिर्ड B, डांडु O, डांब्युं D, डांबिर्ड J, डांब्युं E, डांब्य्यं B, डांब्यं B, डांडुं O, डांब्यं E, डांब्यं E, करीनाहं L, करीनाहं L, जांब्यं D, जांब्युं D, जांब्युं D, आव्यं J, आव्यं S, आव्यं E, डांब्यं E, डांब्यं E, डांब्यं E, उंब्यं E, उंब्यं E, इंब्यं B, उंब्यं E, इंब्यं B, इंब्यं E, इंब

१७१ देसि देसि -देसि २ A B D, देसि J, देस देस K, देस २ L. गोकस्था-मोकस्था O D K. इकारा-इकारिया B, इकारा O D K, इकारी J. सहुर-छहू O, सह को J, सहुअर K, सहुअ L. आर्थ्-आर्थू B J, आर्थ्य O, आर्यु D, आर्थ्यू E, आर्थ्य L, बावय-आर्थु B, आशिर्य O, आर्थ्य D J, आर्थ्य E, आर्थ्य C, L सार्थ्य D, सार्थ्य - प्राप्त के O D K. रोसि-रेस O L, रोसाल्य K. बाग्यु-आगर्थ्य D, त्राप्त के D, J. iv qr in L is: अन्य मेम्पल L, सेकाब्यू-वेडाल्य A, तेवावि B O D J, सेडावयु-मेलायु B O D J. iv qr in L is: अन्य मेम्पल के सेकाब्यू-वेडाल्य A, तेवावि B O D J, सेडावयु-मेलायु B O D J. iv qr in L is:

सिंधु सवालष अनइ पारकर, सवे देसुत बोलाच्या ।	
अहारसा सातसा सणा भड मेलावइ आञ्या ॥	१७२
तुरी सहस छत्रीस मेळीआ, लाप पांडाधर ल्याच्या ।	
कटक तोरकां जपरि सूंडी रास्ंधइ दल आव्यां ॥	१७३
आव्यउ सुणी मालदे पडीउ तुरक तणइ दलि त्रास।	
संकटि पड्या असुर ढीलीइ मोकलाबी अरदास ॥	१७४
एकइ पासइ राउल मालदे, बीजह राउल कान्ह।	
बिहुं राउ विचि रही न सकीइ, इम बोलइ परधान ॥	१७५

१७२ (सिंपु-सिंप A, केंधु B L, तिंधु O, तिशु J सवारण्य नतालाय C. बनाइ—नइ A, अति B, ति O J. प्रशब्द—पाप्ति D. सन्ति A L, सन्त D हेसुल-देशीत A, हेसाउति L बोल्या—नेतालाया L, ब्रावास्त्र साराका रणा—अवार सहित्र होस्तर थोडा B, अवारसा मातसा तणा O, अवारसा सदेशा तणा D, अवार सहस्र स्ति तथा J, अवर सातसा तणा K, अवार सहस्त भड मिल्या मिलावर् L भव-चित्र B, सुभट O D, भव बजा K. सेबाल्य काच्या—मेलाले ब्याच्या B, सबे मेलाव्या C, वाली मेलाव्या D, विले मेलावि आच्या J, मेलावाइ ते आयास K. L Omitis iv Cr.

१७६ तुरी-तुरीय A L, आज्या तुरी B. सहस-सहित B. छत्रीस-छत्रीसा A, चुबीस O D J. मेळीआ-मेळी A B, सेटीया D J, मेळिआ E चांकापर-चंकापर A L, यावाघर J. स्थास्या-आव्या A B L, ख्रांचा O, स्याख्य D, आव्या A हात्र के त्रांचा-तुरक कटक B, कटक तोरकी O, कटक तुरकी J, तुरकी L. सूंची-इंगी O D J, सुखी C D J, सुखी L सुची C D J, सुखी C D

१७४ माध्यद-भाष्यु B D J, तिहा भाव्यु ति O, भारिवड K, भाविड L. सुणी-हुणी L. साकदे-साकरे राउत A, सालदेवित O, सालदेव D, सालदेव राउल J. पढीड-वबीड B, पडिड O L, पढीड D,...J, बढीयड K. सुरक रणह-तुरको A, तुरक तिणे B J, तुरकाित O, तुरक त्या L. दिल-...A O, दल L, o transp as: दुरकिति पडिड. झास-जावी L. संकटि-चकट O K L. पळ्या-पढिया B, पढिआ K. सदुर-काशुर L. डीकिश्च-डीलॉई B, डिक्कीन O, डीलीनद D L, दीलीनी J, डिलीअइ K. सोककावी-कराबी L. सरदास-सरदाित A L, उरदास D.

१७५ परुष्-एकि 80 J, एकं D, एक L. पासक्-पाशि 8 C J, पासई D. राजक-राज A, राज J, राजत K. साकदे-साजदेव O D J. बीजब्द-वीणि 8 D, तीलि J, बीजई L. कान्य-कांट्र A, काढ़ 8 D, काढ़ा म J. बीज्य -निदं JL साज -राय 8, राजके D, राजते D, राजत J. विष्य-वीण 8 D J, विषद् म, राही ज सकीब्-निक्रम करारीह A, रहील द D, रही ल ...D, रही न सकि J, रही न सकद K, रही न सकीब्द L. इम-वृंग J. बीजब्द-वोजदे A, बोलि 8 D J, परवास-पराल A J K, प्रमान L. Note-There is a long laouns in MS D after शिले रहील in VS 173. In the left-hand margin of the folio there is a note by the copyist. 'उपराद (⇒ू) पातु २० नर्जा हैने सम्बन्ध वारी.'

असपित राउ भणइ परधानां, आई मिलकनइ कहिल्यो ॥ १७६ आगइ ए गढ कहिउ सदैवत, प्राणह कांइ न थाइ । ५७६ आगइ ए गढ कहिउ सदैवत, प्राणह कांइ न थाइ । ५७७ राउल भणइ मालदे प्राणह जउ थाणउं छंडावह । कोड आपणा किम पुहुचिस्यइ, वली कटक नहीं आवह ॥ १७८ सीव मोकली राउल कान्हह, बाहडमेरुं थाणउं । मान्यउ बोल मालदे राइ, जह द्वडिंडं तुरकाणउं ॥ १७९ आठ वरस मांहि आठज दिहाडा, थाकइ करी सजाई । पाछां कटक सह को चालउ, मिलक सीव फुरमाई ॥

१७६ ससपति-अधुपति O. राड-राय B. भणह्-मिल B, कहि J. परधानां-परधाना A, परधान B, प्रधानां-ए, प्रधानां-प्रधाना A, परधान B, प्रधानां-ए, प्रधानां-प्रधानां A, प्रधान B, अदि O J K. सिल्कनाह्-मिल्क सिब्हेंि A, सिल्किनि B, मिल्किनां B, कहिल्यां-कहिल्यों A, कहिल्यां B, सिल्किनां K. सिल्किनां B, कहिल्यां B, कुंआरी C, कहिल्यां B, पर्छी O J, पछ्ट L. सन—सत O K, सिल्यों B, हिल्लों -रहल्यों A K, रिह्यों B O, हुयों J.

१७० भागाह-आगि 0 J, आगहं L. Q-एह J कहिड – कहह A K, अधि B, कहि J. सर्वेषत-सर्वेवह A, सर्वेषत G K L आणहं L0. कोहं — किसी A, काहे B, कहिंय J, काह K, कोष L साह-पाएं G0. साह-पाएं G1 स्वाह-पाएं G2 स्वाह-पाएं G3 स्वाह-पाएं G4 स्वाह-पाएं G5 स्वाह-पाएं G5 स्वाह-पाएं G7 स्वाह-पाएं G8 स्वाह-पाएं G8 स्वाह-पाएं G9 स्

१७८ राजक-राज A. भणाह-भागि B O J. साकदे-भाग्येव J. प्राणाह-प्राणि A O J. प्रीति B, प्राणह K. बढ-सु B O J, जो L. सामार्थ-थांगर्ड A K L, वार्ष्ट B J, वार्ष्ट O. कंडाबह्-कंडावि B O J, छोडाबर L. बाराबड-बांपरार्च A, आरर्ष्ट B J, आरर्ष्ट O, आराया K. शुहुचेख्याह cm-वह-सेस्स्सर्ट A, पुढोचेति B, पुढोचित O, शुहुचेति J, गुहुचेराट K, पुढेचेशी L. वही-नाहीं B K. बायह-भागिव B, जाबि D J, आर्यह L.

१७९ सोक्टमै-मोकि A. कान्बह em-कांन्डि A, कान्दि B, काहि D, काहि D, कान्दि E, कान्द्र E, कान्द्र E. साहक्रेसै-माइट्सेरि B, बाइट्सेव्ड D, बाइट्सेव्ड D, बाइट्सेव्ड L. साम्बट-माया B J, सार्च D K L. साम्बट-माया B J, सार्च D, मांचे B, मांचे K, स्वयद् L, सुरक्षाव्यं-मुक्ताव्यं B J, मुक्तावें D K, क्ष्रीराम्ब L.

१८० मोहि—मोहि A, मोहि B. बाठज-बाठ B O J K L. दिहाबा-चीहारा A, पीहमा K. मास्क्रू-मालिह तुस्ते B, मालि O, मालाई J, माल K, फोह L. सलाई-चेनाई L. पाडॉ-पाडा K L. को—ज L. मालाइ-चाडा B J, चालि O, बालउ K. मलिक-सिलक A L, मलिके B, मलिके K. सीथ-इसी B J, पुरसाई-फरमाई O J.

जहीं इसीह मलिक गढ ऊपरि, बंदीबाणइ रहाव्यव ।	
सेजवालसुं तहीनड सगपण जण हाथि मोकलाव्यड ॥	१८१
बीकड् नीटरडकनी वावि सीह मलिक तेडाव्यन ।	
आघी राति ऊठी छांनु सहेट मलवा आञ्यड ॥	१८२
बीकड भणइ म पाछा जास्युं, वचन कहेस्युं वेद ।	
जब अम्ह पातिसाह गढ आपइ, तब देवाडवं भेद ॥	१८३
रूद्दर भाइल जमलंड राषी, कखांड बोल परिमाण ।	
मलिक भणइ जे बोल अम्हारउ, ते माने फुरमाण ॥	१८४
॥ चउपई ॥	
सेजवालि गढ कारणि करी, पापी पापवद्धि आदरी।	

सेजवालि गढ कारणि करी, पापी पापबुद्धि आदरी । लोभइ एक विटालइ आप, लोभइ एक करइ घण पाप ॥ १८५

१८१ जहींचू-जईनद A. I., जहि C., जहींदं J., जहियद K. गढ-विव गड A.. L क्योरि-नेवाच्यो L. बंदीबण्य-बंदीबाणि B. J. वीधानि O. बातीपांगद K. रहाय्यद-जही रहायु A. J. रहाविव B. D. केवावाक्युं -क्षेत्रकार्य प्रं. A. तेववाल B. J. तेववालस्य C. शेववालस्य K. सहीवव em -वेवहं B. गृती द्व C. तहींनू J. तती जो K. सुन्नि-हाथि B. मोक्काव्यद-नोकलायु A. मोकलविद B. मोकलवि C. L. omits ii-iv qrs.

१८२ Lomits 182 a. बीकब्र-बीकि B, बीका 0 J नीटरबक्ती-नाटरबक्ती B, कीकाटोडर U J, माइक कर K. बाबि-चाबि B, बीमती K. सीइमलिक-चाइ मलिक K. तेडाक्यत-चडाविल A, तेडावित B O, बोकावित J. बाबी-काधि A. सति-सति B, सतई K कठी छांजु-छांजु कठी A, कठी छंजद B, कठी छांजद K, Brace III पर A interpolates foll: आज्यु छात्र बाहि साहीनद राजत त्याच्युः L after III पर A interpolates foll: आज्यु छात्र बाहि साहीनद राजत त्याच्युः L interpolates सिल्क सचे सिमाबी चाल्या. सहेट श—सहेट A, सहेट B, ज्ञब्दि O, सहट J L, सिहिटइ K. सक्क्या-नेलावर A, सहित ते J, मलिक ज K, मिलावर L. बावयत-आवित A, आज्यु J, आज्यु J,

१८३ बीकड em-बीकु A B, बीकम O J K, बीको L. भागह-भागि B O J. स-... K. वाका-पाड़ों K बास्युं-जास्ं A, जासिठ B J, जाई O, जाजो L. कहें-युं em-च्हेंशिउं A, कहिएं B, क्लोस O, कहिएं J, कहेंदुं K, क्हेंसे L. बेद-ते बेद O, बाद K. जड-जु B O J L. कब्द पातिसाह-भाग्द् पाताबाइ A, प्रताद सुंहित O, पाताबाइ सूंद्रित J, अस्य पातिसाह L. बाब्य-जु A B O J. देवाब टं-देवाई B J, देवाई O K, देवाडों L. सेद-नाद K.

९८५ क्यूड-स्डु B, साह्ल O, सरल J, लहुडउ K, स्त्र्द L. आहुड-भवाडि B, भावक O, भावि J, भाह K, माईए L. बसवड-बसलु B, बसली O, लाजमांग J, जसलोर्ड L. ब्ह्युड-फिर A, ब्र्युं B, ब्र्सर O, कीट J, बरेल L. (प्रसाण-प्रसाण B L, प्रसाण о J, पराणां K. सल्बिड-सिलक L. सण्ड्-सिल B J, कीट ... L बम्बाट-ऑन्ट्राट A, ब्रह्मारि B, हसारा O J, जस्हारा K, ब्रम्हारिड L. सानै-माने A, सातु J, मानंद L. फुरसाण-परिमाण O J, फुरसाण K, फुरसाण प.

१८६६ चनपहँ-चुपे ह, चु॰ त, चुपैः त, चनपहँ ॥ छ ॥ к. सेजबाकि em-सस्ताहि त, सेजबाक छ तंत्र स्रोजसान हर गह-कादि ह, कारमि-कारण हर ह. पापी-पापी त, पापीइ त, चुकि नहीं के क्र, हुप्प हैं, खेमब्र नगित ह, लोगि तत्र किंद्रकड् निदालि ह त, बटाकि त. कोमह-लोगि ह, लोगि तत्र क्या-करि ह तंत्र. छोबह क्क सर छोपह धर्म, खोबह करह बाह्य्यं कर्म ।
छोबह मिछी साल आयरह, लोभइ एक नर बाह्य्यं बर्द ॥ १८६
छोभइ एक विदेसह रुल्ड, लोभइ एक नर बाह्य्यं बर्द ॥ १८६
छोभइ एक दापवइ आगायि, लोभइ बूंदां बाल्ड हायि ॥ १८७
छोभइ एक करह दारिद्र, लोभइ बोर न आवइ निंद्र ॥ १८८
छोभइ एक करह दारिद्र, लोभइ कन्याविकय करह ॥ १८८
छोभइ जमल्ज वासि म वसह, लोभइ एक चूंदाइ सांलसइ ।
छोभइ जमल्ज वासि म वसह, लोभइ एक चूंदाइ सांलसइ ।
छोभइ एक थाइ अन्यान, लोभइ एक ज्यादह बान ॥ १८९
छोभइ एक नर पालइ बाट, मारह विम्न नगारी भाट ॥ १९०

१८६ к omits i-iti qrs. L transp i and ti qrs. L reads i qr as. लेनिस एफ करह कपसे. लोक्स-लेंगि क, लेकि ठ. उ. क्या-परत उ. लेक्झ-लेंगि क, लेकि ठ. इस्ट-लरीह क, इर ठ. इस्ट-लरीह क, एक्ट पर प्रकार क्या-लरा के त्या के उ. After 186 a L interpolates foll line: लोकि द एक्ट पर विजय उ. कि का का कि क

१८७ Jomits vs 187. लोमह-लोमि ह, लोमि ८. विदेसह-विदेसि ८, विदेसह ८, विदेसह ८, स्कह-चिद ह, तक ०, रूल्यू L. लोमह-लोमि ह, लोमि ० एक-एक L. पाका-पाल्य ६ पुल्यू-पुल्य ह, पाल ०. After 167 a k interpolates the following lines: लोमह नत विदेशह ख़ब्द ॥ हुइ॥ ॥ इपर सीम्यड जीवड बांगुं कियु गुलेग । तो न लंबर करवण्या जातह तगर तुमेग ॥ कोमह-लोमि ह, लोमि ०, एक- फ, एक नर ४. दाचवहू-पालि ३०, दापवहं ८. क्याबि-लाय ८. कोमह-लोमि ह, लोमि ०, लोमई ६, लोमिइ ८. क्याबि-लाय ८. कोमह-लोमि ह, लोमि ०, लोमई ६, लोमिइ ८. क्याबि-हाय ८. क्याबि-लाय ८. कोमह-लोमि हता हम लोमिइ ०, क्याबि-लाय ८. कोमह-लोमि हम लोमिइ ०, क्याबि-लाय ८. क्याबि-लाय ८.

१८८ कोजब्द-लोमि B, लोमि C J, लेजब्र्ं फ्रं, लोभिइ L. एक-एक नर L. करह-किर B C J. दार्श्वह-कुक्सी J, ज दाहि L. कोजब्द-लोमि B, लोमि C J, लोभिद L. बोच-लोगि फ्रं, एक L. म-... J K. आवाद-काबि B C, जोह J. मिंद-निव्ह B, तींद्र C, मर्ग J, दुवि फ्रं, नीर L. कोजल-लोमि B C, लोम J. काखि-काम Q, काज L. पिवाद्द-पिवारी B, पीलारि C, ज्यारि J, रियारा K.L. सरद-सर्ट A, मरिस् B, सरि C J. कोसब्द-लोमि B J, लोमि C, लोमिंट L. करद-करिट B, करि C J.

१९० क्षेत्रज्ञ-लोग्ह A, लोभि B 0 J, लोभिई L. वर्ष-परम A, अभ्ये 0, असी J, धर्म E. कोच-लोभि A, लोक 0, विक्रम J, कोम E, पात्र L. बादवर्ष-आदिष्ट B, आदिष्ट 0 J, अट्साट E. कोमाइ-लोमि B, लोभि 0 J. काव्य-मसिंद B, परि 0 J. कोमाइ-लोमि B J, लोभि 0, लोनिव L. कार-ज J. बावा्य-सांकि B 0 J. माराइ-सारि B 0 J. कीमा कारारि-क्सला वाराण L. कोभइ एक नर छांडइ मान, नीच तण इ घरि षाइ घान ।
छोभइ एक तणजं मुव राषि, छोभइ एक दीइ कुडी साषि ॥ १९११
सेजवाल मनि एवडड छोभ, पाप तणज निव आवइ क्षोभ ।
दीया सरिस्रु विमासी जोइ, छोभ समज निव मङ्क्र कोइ ॥ १९२
छोभ विद्वण्य जे नर मरइ, पदमनाभ तस पूजा करइ ।
सीइ मिलक ते रातिज मांहि, सेजवालनइ वेई कवाहि ॥ १९२
वडी छोभ देषाच्या घणा, टंका आप्या सोना तणा ।
करक चलाव्यां कहींड मेल, वेगि गिर्ड पांडेस् सेल ॥ १९६
छाभजं मुपन राय तिणि वारि, ब्राह्मण देषी करीड जुहार ।
पूछइ राय, कवण तुं नर; विम्रवेषि हुं गढ जाल्हर ॥ १९५

१९१ को अब्द-लोिंस B, लोिंस C J, लोिंस इ.L. नर-...L. कांडब्र-लींट B J, लींडि O, कंडब्र्स ६, छाडब्र्स L. मान-मान के J K. मीच-नींच B. तथाब्र-तथि B J, तथे K. पाद-पाई L. धान-धान A J, लोश्य-लोशिं B, लोशिं J, लोशिंद्र L. एक-.. K. तणार्ड-ताथे B J, तथाट K, तथाट L. श्रुच-मान B, सुधि पटइंधी K. साचि-ताथ K लोशब्र-लोिंस B, J, लोिंस L. एक दीब्र-वाट वली A, दींद्र वाली J, एक सरह K, सरह L. क्रूबी-ते कुढी J, O omits 191 b.

१९२ सेजबाक-जेसवाल A. मिन-मिन J. एकडड-एवड A, ए वह B C J, एकडो L. सणड-तणु B C J, निक्ष-मिन B. बाबब्द-नाणु B, आगस् C L, आमि J. क्षेत्रभ-न्योम K, शीभ L. हींचा सरेसु-होंचार्स् A, हैया सरिक्ष B, हींचाहुं O, हर्देशवा स्ति J, हिया सरिस L, हिता सरस L. बिसा-सिमी-विमाची J. जोह-जीव C J. समड-समु A B C J L. महरूव-सिल्ड B C J, महरूवे K, हजो L कोह-स्वेय J L.

१९३ J omits 198 B. बिहुण S. बिहुण G, बिहुण G, बिहुण G. सन्दG G रही B G, सर्द L. एक्सनास-प्रवास A B, प्रवस्तास G, प्रवासि E. G, रही G, रही

१९४ देषाक्या-देपाडिया B, दिषात्या L. षणा-पणा B. सोना-सोनन O.L. तणा-तणां B.L. षणाच्या-चरेबा B, बटावी O K, पटाव्या J, पठाव्या L. कहीत-कहीयल K, वहिल L. सेज-संसेक L. केरी-वैसि B J, वेसह R, वेरी कही L. सहि-गढ O J K L. पाडेस्ट्र-पाटेसि B, पाटेस्ट्रां J, पाटेस्ट्रां K, पाटिस्सां L सेक-सेलि B J, सिलि L.

१९५ कावर्ड-लाघु B, लाघु C, लाघू J, लाघु K L. सुषज-लाम A, सपन O, लापन J, शुपन L. साव-त्य A,...B, राई O, सारि L. तिथि-तेषी B. वारि-वार O K, माह्यण-नाहा A, माह्यण B O K, विम J. देपी-वेषी J. करीड -करिट B L, करि C, कीयु J, करात K. खुदार-जोहार J. पुख्ड-पृक्षि B O, पूष्णु J. तुं-तुं B J. बर-विम K. देपी-वेष O L, कहि J, कहद K. हुं-तुं B O J. जाक्बुर-जालोर A L, जालदोर B, जाकबुर J, जाकबुर K.

चक्या तुरक जो माहरी पूठि, गढ मेलाणड विहेलड ऊठि ।
अछह पाप माहरह जेतलजं, हुं भोगविस काल तेतलजं ॥ १९६
पुण्यवंत प्रीति पामस्यह, वली वंसि मढ ताहरह हुस्यह ।
पाछउ विम्न गयउ सांचरी, स्थपन दिशाहह आसापुरी ॥ १९७
कहह पीठि अम्हे जास्यूं आज, तहं वांछिउं ते सीघउं काज ।
वली वंशि ताहरइ नर कोइ, माहरइ वचनि पामसह सोह ॥ १९८
वली गंगोश ते मुहिणा माहि, एहज वात जणावह राह ।
चयवउं सुपन राय जवलहह, कान्हस्वाभि इम आवी कहह ॥ १९९
एहज वात चतुर्भुषि कहीं, राय विचारइ साचउं सहीं ।
कमालदीन मलिक सुप्रमाण, सेजवाल थिउ आगेवाण ॥ २००

१९६ चक्चा-चडिया ह, चच्चा उ, चच्चा L. तुरक-कटक BOJ. जो-लु BJ, जे L. साहरी-साहरी A, माहरि OJ, माहारी L. एटि-प्रिंट O. सेकणाड-सेलाणड A, मेलणु BOJ, वहिल्ड - बहिल्ल ह, बिख्ल O, बेगि J, बिहल्ज L. किट-जेट L जज्जू - अले B , लिल्ल J. साहरह-माहरि BJ K, माहरे O, माहारज L. सेलकड-जेलल्ल BO, जेलल्ले J, जेतल्ल K ईन्हें BJ,...L सेगाविस-सोगाविस् A, सोगाविस BL, सोगाव्योस O, सोगावेली J. काल-काल्ल L. तेलल्ले 6 UD-चेतर्ल, A J, तेतल्ले BO, तेतल्ल स L.

१९.७ पुण्यवंत - गुंज्यवंत A, गुंन्यवंत O, गुन्यवंत L पामख्यह em-पामखिहं A, पामिष B, पामखह o, पामिष J, पामिखह K, पामिष E, बर्डी-बर्लीय L. बंसि-वंश B J K, वंस L. गव-नाहि B K. लाहरङ्-ताहर B, ताहरे दि J, ताहर ठ K L. हुव्यह-होराई A, हिस B O, होसि J, हुस्यह K, हुसिइ L. पाछज-पाछह A, पाछ B, पाछो O किम-पुरुष J. गयउ-नाय A, नयु B O J, गयो L. साचरी-सचरी K. ख्यव-खान A O, हुप्प B, हुपन L. दियाडह-वेशांडि B J, देशाई O, देशाब्य G K, देशांडिउ L, आसासुरी-आशापुरी B J, आसासुरी C

१९८ कहरू-कीहि ॥ सहि ८ ग. पीटि-पीठ ८ मण्डे-अक्षे В О ग, आक्षि ८. जास्यूं-जासिउं ८, जास्युं ०, जास्यं ६, आंखु ८. ८ transp as पीठ मांचुं अस्टि आज. तहं-जे В ८,...० ग, तृह ४. चांकिडं-चॉक्ट ८, वांह्रं ४, वांख्रुं ४, विक्षं १, विक्ष

१९९ बस्ती-बलीय L. गणेशा ते-. सह A, गणेश B, गणेस O, गणेशज J, गणेस वे L. सुद्दिणा च्हुंजा B, हुद्दणा CJ K, हुद्दणा

२०० पहज-एह छ०. चतुर्श्विष-नदुर्ग्श्विष ३, नदुर्श्विष ३, नदुर्श्विष ४.४. विचारह-विचारि छा. साचर्ड-साच् छ ३, साच् ० ४. साचव ४. सरिक-निरुक्त ४. सुध्याण-सप्त्रमाण ०, सी प्रवास ४, शुप्रमाण ४. बिल-मयु ० ४, प्रयुद्ध ४, वसे ४. बारोबाण ७१०-आरोबाणि ३, आपेवाण ७, आरोबाण ०, करोबाण ४, करोबाण ४, करोबाणि ४. साहिली राति मलिक दडवडी, कान्हमेरी दल स्याविष चडी । जामलि धई वीकमसी गयन, इसन बोल घरणी प्रति कहान ॥ २०१ हीरावेषि भणाइ 'षंडाल, स्रृं मुत्र वेषावाइ तुं काल । जोह पसाइ कीयां राज, तेह तणां विणसाडित काज ॥ २०२ एक डील कारणि तहं आज गढ भेलाबी आक्यर लाज । वे कर नित करह पतिणाल, दूध तेहतुं पीड़ विडाल ॥ २०३ करह रीस कभी घरबारि, गढि दल चडतां देषह सारि । इसन बोल हीरादे भण्यन, सेजवाल त्रंबालू हण्यन ॥ २०४ सास न आवह ए अहिनाण, एक्यन घरातिल गया पराण । अवला अंगि एतली आहि, हीरादेवि गई गढ मांहि॥ २०५ राजल अंगि एतली आहि, हीरादेवि गई गढ मांहि॥ २०५ राजल अपणी गई पाधरी, कभी रही बीनती करी।

२०१ माहिकी-माहली B L, माहिषु O J, माहिकह K. राति ... O J, बउकि K. मिकक-सिक्ड L. इककी-ट्रक्की A, बच्छ दरवरी O. कान्त्रमेरि नान्त्रमेर A, काढ़मेर B, कांन्त्रकेर O, काहानमेरि J. इक-दिले A, गांव B, गांव L, क्यांकिट चालिट B, काव्य O, काव्यो J, त्यांक्य C, आपरा L, क्यांक्य E, क्यांकिट अपराति E, क्यांकिट A, इति B O J, गांवे L, इक्य-स्थ A, इति B O J, गांवे L, इक्य-स्थ A, इति B O J, गांवे L, इक्य-स्थ A, इति B O J, गांवे L, इक्य-स्थ

२०२ क्षेत्रावेशि-दीरावेशी A, हीरावे ते L. अण्यास-अणि B J, अण्ये L. चंबाक-चांवाल J. खूं-सं B, स्वुं O, ब्रुं J, ब्रुं X, लिंड L. वेषाबाद-वेषावि B J, वेषावित O, वेसाल्य L. खूं काल-आ काल O, विकास J, पसास-पसाई B, पसाई O J. कीर्यो-कीजर A, कीर्य J. कीपा L. तणवं-तण्य B, तण्युं O, तण्युं J, तण्य K L. विभागिकि -विभागात्व A. विभागाल्य B, ज्ञणसावित O. विणसाव्य B. विणसावित L.

२०३ कारिक-कारण L. ताई-र्जुं B., ते O, ने J. तह K.L. B transp as: र्जुं कारिक. बाज-जाज O J, आबि L. से बोबानी-भेलाय B., भिलाव्यो L. बाव्यव-आज्य O J से K interpolates the foll vs in faulty Sanskrit after vs 203 a: रहा ॥ कोममूलांनि पापांति रसमूलांनि व्याया में केंद्रमूलांनि व्याया स्वाया ते कांव्य केंद्रमूलांनि व्याया ते कांव्य केंद्रमूलांनि व्याय केंद्रमूलांनि व्याया ते कांव्य केंद्रमूलांनि व्याया ते कांव्य केंद्रमूलांनि व्याया ते कांव्य केंद्रमूलांनि व्याया केंद्रमूलांनि व्याय केंद्रम्य केंद्रमूलांनि व्याय केंद्रमूलांनि व्याय केंद्रमूलांनि व्याय केंद्रम्य केंद्रमूलांनि व्याय केंद

२०४ करहु-करि B C, करी J, करीय L. रीस-रीस ते O. वरबारि-वारि O, वरिवारि K L. तिह रुक-पढि दकि B, दक पढि O, पढ दक K L. व्यवती-वदती o L. देषद्-देषि B O J. इसव-रुद्ध A, इसिंड B O, इस्तु J, एक L. अरुवद-अपनि A, अभित o J, भगत K. सेववारू-सेववाला A. अवार्द्ध-नेवालं A, जैवार्द्ध B, ज्ञासली O, चेबार्द्ध X. हुप्यत-हुमित B O J.

२०५ सास न-स A, सास नह L. भावष्ट्-आवि B, आल्यु 0 J, आब्योज L. यू-एह L. महिनाम-अहिनांभ A E, महिनांग L. ो पूर in J is: सास न आल्यु विलयु जांति. पक्षपत्र-पश्चित A B, पष्पु 0, पच्चो L, धरातिक-वरातक L. गया-नीसरीआ J. पराण-परीण A E, प्रांच J. औरी-अंग L. हीशदेवि-हीराहे L, मीहि-मीहि B, माहि E.

२०६ रही—रहे  $\Lambda$ . चीनती—विनती O. iv qr in L is: कमी नारि करह चीनती. एक बचायारक—वचारित B, जनवाद O J L. सेजबार्क—रेजबंकि  $\Lambda$ , सेजबार्क B; सेजबारक O, सेजबारक E, सेजबारक E, त्रा कीयत—गढि कीत A, गढ कीयु B, कीयु गढ O, गढ कीयु D.

सुहिणा तणी कत सबि मिछी, कान्हबदेखि वृंब सांमछी । कांबिल तणइ साथि तिणि वार दस सहस धावा झूझार ॥ २०७ उटहीचन भड जाणी इसु, राउल रिणवटि आवड् तिसु । कांबिल मिख्यन कटक मांहि जाई, सीह मिलक माझ्न घण घाड़ ॥२०८ मिलक सवे दल मांहि चलमत्या, कान्हमेरि जण पाछा वच्या । कांबिल करिंच सइंफल्ट्रं भळूं, राउलि सहू पृति मोकल्युं ॥ २०९ कटक तोरकुं सुंब्यनं भळूं, आठ पुहर कीधनं सांक्रल्ट्रं । स्वामी कार्जि एकमना मिक्या, पांच सहस राउल रिणि पच्या ॥ २१०

२०७ Note-D MS commences again from vs 207, after the preceding big lacuna. सुद्दिणा-सुदुण B, तेह 0, सह D, सबिहुं J, सुहणा K, सुम्मणा L. सिकी-मीली D. कान्हदरेषि- कांन्द्रदरिष A, कांस्टरेषे D, कान्हदरेषे B, कांन्द्रदरिष A, कांस्टरेषे D, कांस्टरेषे D, कांस्टरेषे D, कांस्टरेषे B, कांन्द्रदरिष L, वांन्द्रदरिष L, व्याप्त A, वृषा K, वृषा L, क्षिक-सांचर B, कांपिल D, कांसिल J, सार्वि-सांचह K, क्षिक-सिण A, तिण D, तिणी K. वार-वारि J L. इस-स्तह A, दश D. सहस-सिहस B K. धाषा-माका C, झांसा D J, सूझार-सुझारि L.

202 उन्होंसड -व्हांपि B, वर्लिंसु O, वर्ल्ड्सी व D, पार्क्सी व J, वर्ल्ड्से च K, वर्ल्ड्सिचं L. सह-गढ़ J. व्यापी-वर्णीर A, वाणी -0 J K. हुन्तु-दिश्च B, इसिवं D L, इसिव D, इह्य J, रुद्ध K. रावक-रावकणी A L, रावकि D, पिक्सिट J, रिश्चट K, क्रार्क्स-रावकणी A L, रावकि D, पिक्सिट J, रिश्चट K, क्रार्क्स-रावकणी A L, रावकि D, रिश्चट B, व्याप्ति वं D, रुपित ट J, रिश्चट B, व्याप्ति वं D, रुपित D, प्रति वं D, प्रति वं D, प्रति वं D, व्याप्ति वं D, व

२०९ सख्कि-निलक L. सबै-सबेना J व्ह सांहि-रल माहि A K, सांगि रण B, वल J. व्ह्वस्वध्या-वकासवां A B, वकासवां D, ववासवां K, विकासवां L. काम्ब्रमेरि-कान्दगेरि A, काइमेर B D, काइमेरि O, काहानमेरियों J, कानमेर L. खल-रोक B, जन D, म., J, वक L. पावाच-नाष्टां J, ववस्था-चित्रयां B, त्वसां J, कांधिक-कांचि B, कांघल D, कांधिल J K. करिवै-कीर्ट A, कर्त D, कीर्ट J, क्वां K, क्वार L. सार्व्यक्ट em-चांचार्ट्य A, पीचल B, पिचले O, सर्वास्ट D, शिचले J, स्ट्यूक्ट K, स्ट्यूक्त L. आर्ट्ये-कार्ट A, मार्ट्य B D, फर्युं O, पूर्ण K, क्वाल C. सराविल-राज्य J. सङ्ग्र-सहु D K, सर्वि J. पृठि-कटक B, पृठि O, पृठि D, स्विच्युं-नोक्सेट A B D, सीक्यों L.

२१० चोरक्-चुरकर् a J, दुरकी 0, तोरक्षे a, तुरकाल L. क्ष्मार्थ-सुम्बं a, धुंबिर्च 0 D, धुंबिर्च 2 D, धुंबिर्च 3 D, धुंबिर्च 3 D, धुंबिर्च 3 D, धुंबिर्च 3 D, धुंबुर a D, पुंबुर के 0 D, धुंबुर a D, पुंबुर के 0 D, धुंबुर a D के प्रकाश के धुंबे 3 D, धुंबुर के 0 प्रकाश के धुंबे 3 D, धुंबुर के 0 D, धुंबुर के 0 प्रकाश के धुंबे 3 D, धुंबुर के 0 प्रकाश के 1 प्रकाश के धुंबे 3 D, धुंबुर के 1 प्रकाश के धुंबे 3 D, धुंबुर के 1 D, धुंबुर के 1

उन्हीचड् कर ऊभारीया, बार सहस म्लेख्न मारीया । विहाणा मांहि वात मनि घरड्, आच्या राय कोठड् कांगरड्॥ २११

॥ पवाडु ॥

गमे गमे जोडं दल दीठडं, जई सिंहासनि बहटड । बालि दोट ऊथिला देई, कांधिल भिडतड दीठड ॥ ११२ राउल भणइ आगि तुं कांधिल इसिड योध नवि जाण्यड । शंडाभरत काकरड कोठड, इसिडं कही वशाण्यड ॥ ११३ चिंडड वीररिस कांधिल बोलह, राउल जाणि म जाणि । आगइ अम्हे सवे दीहे एहवा, इणि वेलां म वशाणि ॥ ११४

२११ ब्रब्हीचब् -कांचि B, जिंत्यर C, जलासि J, उल्हेचा K, उक्षी J. कर-भर K, बेंदि L. कमारीचा-जमारीचा A D, कताबा B, उमारीचा C, कमारीचा J, कमा रखा K, लंदी मारीचा L. सहस-बिंहस B. क्रेक्ट-बर्जेख A, क्रेस्ट मुंतर C D J. मारीचा-चारीचा C J. मारीचा K, मारिचा L C omitis vs 211 D. विदान्ता-विदणा A, बाहणा D, विदाणा K, विदाणा L मारिट-माहि A K, माहि B. मनि-मने D. धरष्ट-चरिष्ठ B J. कोंद्रा-विद B K, कोंदि J. कांगाष्ट्र ED—कांकर्ड A L, कांगरिं B, कांगर्ड D, कांगरिं J, कांगरिं J, कांगर्ड K. After vs 211 L interpolates foll: चेंद्रा राज्य ति पच्छा अवार स्केशनंद कींग्रस्ट कींट

२१३ सण्डर्-भिन घा, भणई D. सामि-सि O, अज D... J, अजे आगह K, आगह L. तुं-तुं B,...D. क्षिकिक-सेचल B, क्षित्रिक करह J.. K, काशिक L. हिस्तेर-हित्र , इतु J, इसा K, इसट L. योध-जोध A L, मोद B. साम्य-जोध A L, मोद B. साम्य-जोध A L, मोद B. साम्य-जोध A L, मोद G. साम्य-जोध A L, मोद G. काल्य-जोकर B. साम्य प्राप्त प्रमान कर काल्य-जोकर B. साम्य प्रमान कर में साम्य प्रमान कर प्रमान कर प्रमान काल D. काल्य-जोकर B. काल्य O, काल्य-जोकर B. काल्य O, काल्य-जोकर B. काल्य O, काल्य-जोकर B. काल्य O, काल्य-जोकर B. काल्य D, काल्य-जोकर B. काल्

२१४ चिडड-वरविट 0, जबिट D, जाडि E, जबह L. वीवरास-वीररस B L, उपरि रिस क्षांचिक-राजल J. बोक्ट्-बोलि B O J. राजल-क्षंचिल J. जाणि -जाण 0, जाणि J E. जाणि-जाण D, जाणि J, जाणी E. जाणाह बस्ट्रे-जारो अस्ट्रे A, आसी लागे B, आहे आसि 0 J, आसो आगद D, आसह अस्ट्रे E. सचे-चारि D. सीदे-ची A, रल E. प्रवा-एडा A, जीत E. iii qr in J 18: अस्ट्रे आसि सीटे सिवे बहुता राजला ; in L is आगद सचीच अस्ट्रे एड्वा. हणि em-एल A, एपी B O J, होंगे D, इति E, इणी L. बेक्टो-बेला B O E L. वर्षाणि-व्यांति A B O D J E, व्याणे L. दीची झांप पांचसइ राजित, नीची कांधिल पूढि ।

मारी म्लेख पच्चा सिव पायक, कान्हडदेनी द्वेठि ॥

२१५
तिणइ ठामि कान्ह उन्हींचन रिणवट बांधी धायु ।

परे बिपुडरे घणूं दल गंजी पछड़ पडिल रिण घात ॥

त्रावड़ पुडरि बांधीन रिणवटि, शोभित सांझी बार ।

ऊल्यां लोह घणा भर मागा, पडतह कींधन मार ॥

आधी राति जइत देवडन तुरक तणड़ दिल मिडीन ।

मारी म्लेख मीड मचकोच्या, पछड़ महारे पडीन ॥

२१८

जइत बांधेल पुडर पाछिल्ड भलन मिक्बन रिण माहि ।

मारी म्लेख पडिल घण घाए, अंगि एतली आहि ॥

२१५ दोषी-पीठी ८ सांप-शापिइ ८. पांचसबु-पांचिस छ, पांचसि ० छ उ, पावस ८. शाबिर-राज्त 
В छ उ छ ११ एक ११ छ । दे छो दल्काद नाणि, नीची-नीची छ, नाची ८. सांपिक-पांचिक ८, काषिक
८ पुढि-पुठि ०, पुढि छ पुढिद ६ मारी-माखा ८, नारिया छ. स्टेड-स्टेड्ड ४ ८, सेड छ, सटेड्ड ४ ८
प्रवा-पावीया ८, पदिया छ, प्रवीश ३, पाट्या ८. पायक-पाला छ, पुढिद ६. काल्बवदेनी-कान्ववदेनी ৯, काह्ववदेनी ८, काल्बवदेनी-कान्ववदेनी ८,

२१६ तिष्मह em-तिष A, तेण ह, तेलि 0, तीलि D, तिलि J L, तीणह K. डासि-टासि B D J, डासिइं L. साम्ब-लांट्ड A, बांड B 0, कान्द J L. उक्टीचड-उन्निति B, टालेड 0, टालेखिट D, पहुस्तातु J, उन्नद देषह K. रिष्णवट-एपनटि B, रिलेटि 0, रण D, एपनट J, बांची-निर्मित D, सांचु-नाह A D, चल K, दालो L. वर्र-वरा A D, पर्रा स विद्वहरें-विद्यहर A 0, विद्वुहरें B, विद्वहर D, विदुर J, विष्कुर K. वर्ण\_पणो A E, पण्ड B, पूर्वेट पि D, पणाज L. वरूट-...L. गोजी-समसी B D E, योसिट 0, मारी J L, पण्ड पहिट-पण्डि पिंट B, पविट पण्डि 0, पविट पण्ड D, पण्डि पविट J, पण्ड पण्डा K. रिण-पणि B D, वण D, रण J, वाड--माहि A K, पार D. iv प्रा in L is -पाष्ट्य पक्षी रैण वालो.

२१७ Domits vs 215. श्रीजह-जीलि BOJ. युद्दिर-पुरोरि B, पहुदि J K, युद्दर L. बांबीट-बांबीट A, रहीट O, बांबी J, बांबी K, बांबीयों L. रिणबटि-रिणबट A L, रणबटि BO, रणि बासट J. O transposes as रणबटि रहीट. शोकित-सोगट-हो स्ति हो सीति O K L. सांझी-सांझी A, सारी B, सांकी O. बार-बारि L. कळां-कसीट A, उज्जु O, करिंड J, उज्जु E L. खणा-बगों B. अख-पड B, तीहां O, निक्ट L. सोगट-मागा B. पक्च-पट B, तीहां O, निक्ट L. कीचड-कीसु B O J.

२१८ राति-रातह ६, रातिह L. जहत देवडड-जितदेवडु ८, जबत देवडु О D J, जबति दिवडट L. वण्डू -तणे A, तणि B C J, तणिह D, घणे L. दिल-दल L. निश्वीड-मणीट B O D, पशीट J, मिडियट ६, निश्चियों L. स्टेक्ड-मेळ Б, प्रटेल्ड O, मरेळ J. सीळ-पुंठ В, भूंछ O, भीच्छ D E. सच्चतेळार-मन्द्रवेशीया A, मन्द्रवेशिया B, मन्द्रदेलाट L. पळडू-पळि B C J. पडीड-पटियट ६, पटियों L. iv qr in J is: पळि निमानि चडीट.

२१९ जहर-जित BO, जयत DJ, जयति L. वाषेकड-वाषेळ BODJ, वाषको L. प्रहर-पहर A, प्रति B, पुदुर J, पहुर K. पाछिकइ-पाछले BOD, पाछिले J, पाछळई L. सकड-सक A, सक BODJ, सको L. विकास - निर्वाध A, सिंड BODJ, सको L. विकास - निर्वाध A, सिंड BODJ, सको L. विकास - निर्वाध A, प्रति BD, रा OD J L. स्केड - निर्वाध A, प्रति प्रति BD, रा प्रति - प्रति BD, रा प्रति प्रति BD, रा प्रति प्रति BD, रा प्रति प्रवि प्रति BD, स्वाध L, पाळा L,

खुणकरण स्वास्त्रण कोहनड् चाकीच सान्द्रह पूरि ।

स्वेडकं सरिसु भिडिच चया पाए, पश्चिच उत्तमसन् सूरि ॥ २२०
चंडाउला अरजननह् बांचीच रिणविट कान्हर राह ।
सीमचंद रायि च्यास तेडाच्यउ, तत्तिषण तेक्यउ जाह ॥ २२१
राउळ भणह तुरक किम लेसह, व्यास वचन अवधारउ ।
वेसि दीउ मसाणी आइस, तेजी चांडे मारच ॥ २२२
व्यास कहिड करणनी परि अंतकालि चड दान ।
आपु तुरी हाथ महं उडिउ, एहबुं माणिउं मान ॥ २२६
मान्यउ बोळ राय चहुआणह्, वेगि पचाल्या पाय ।
जाणिउं व्यास लेई उतरसह, धोडा आप्या राह ॥ २२४

२२० B omits i-iii qrs. स्वणकरण-ल्यन्तरण ८, स्वरणकर्ण D L. सास्त्रण-माल्यणनइ ८, माहरूण D L. कोक्ष्य -लोहर ८, लेक्शनि J, स्वराणक ६, लेक्षितर L. सास्त्रिक-सास्या D D, कोक्ष्यों J, सास्त्रक ६ L. सास्त्रिक -सास्या D D, सार्वेक प्रति प्रति के प्रति के

२२१ Jomits vs 221. i qr in L is. चळाड राउल अर्जनलिज बांच्यो. चंदाउका em-चाज्या A, चर्चीकळी B, चंदाउला O, वडाडल D, चीडाआंकि स. भरवमनाह-अरजनि B D, अर्पलनोह D, मंगीज-मांचिज B O, मांचु D K. रिणविट रूपविट B D, रणवट D, रिणवट K. कान्वह-कॉनहंड A, बाहर B, कांक्र O, कान्द्र K. राइ-राउ A L, राई B, राय O D K. लोराचंद-नीमर्वंद्र B D K, सोसर्चंद L, राधि व्यास-रिक्त चाल A, ज्यास B L, राई व्यास O, व्यास राव D. तेडाब्य-लेडाव्यु A, तेडाच्या B, तेडाबिट O, तेडावि D, तेच्याच्यट K. राचिण-ततिहाग A, ततिवित B D, ततसण O. तेडब्य-तेडिव्य A, तेई B, तेंडुं O, तेडवं D, तेच्यों L. वाह-नाई O L.

२२२ राडळ-ताय ०, राउ D. अण्ड-भणि B O J. तुरक-तरक B. किस-कीम D. निम L. केसह-केस B O D J, केसह K, केसे L. व्यवधारव-उपाह B D, अवधार O, कशाह J, अवधार L. वेशि-वेग K. iii qr iin L is: वेशि करी नसाहणी तेडल. दीव-दिट D, दींच J, दिख E. ससावी-ससाहणी B, सर्वाणी O J K, ससीवि D. काइस-आयस O D K, आयुध J. तेजी-चोडा O. पांडे-चांडं E. मास्ड-मांस्ड A, माह B J L, मासिट O, मार्ड D.

२२४ बाल्यद-मांन्यड A, मानिउ B, मानिउ D D, मान्तु J, मान्त्री L. राष-राउ B, राह L. बहुबाण्ड्र em—बहुवाणि A, बहुवाणे B, बहुबाणे D, वहुबाणे J, बहुबाणे द, बुहुबाले L. बेसी—बेसि J, बेग R. बचाल्या-न्यायांटा A, प्राव्धि — क्षांचिंद — क्षां

चननीत सह पुरंगम राज्ञा, ज्यासि मेरहाज्या दान्नी । दीघां दानपुष्य राज्ञजनह, हसी वात संभान्नी ॥ २२५ घोडा सवि जीवता मेहञाज्या, ते अझ पुष्य अनंत । दिम तण् ं घन जेह महेतह, ते जासह भसमंत ॥ २२६ राज्ञञ भणह इस्यूं कां कीघरं, ज्यास माण छांडेसह । व्यास भणह कुण बीजज राजा कांचि पाल्यी छेसह ॥ २२७ जड तुम्ह पृठि रहुं जीवतज, तज अपकीरति पासूं । गढ जास्होर मेलातां निश्चह अंग आपणां होसूं ॥ २२८ जहतल्डे भावल्डे जमादे नह कमलादे राणी । जमहर तणी करह सजाई, वात हीया मांहि आणी ॥ २२९

२२५ चडबीस सङ्क-चउबीसः सङ्क, सातबीस B, चउबीसिंस c, बुबीससई D J, सत्ताबीस L. शडका-राजिंस J, राउल K. ब्याहिस-जाक B, व्यासि C, व्यास J L, व्यास इ. सेक्ट्राच्या-नेहार्स B, वेहलाच्या D J, मेल्हा K. दाली-ठी L. दीधां-टीपि B, चैपरं D, चीजि J, चैपरं K, चैपर L. द्वाय-सीत A, चार्नि B, दोन O J K. दुण्य-युण्य A, पुरत्य D L. शडक्यह-रायिनि B, राउलमई D, राउलजे J. इसी-दुर्धीय J.

२२६ बोबा-चोडों A B J K. सबि-सबे B L. जीवता-जीवता A B J, जीविता D, जीवत K. मेहकाब्या-मेरहाव्या A, मेहलावियों B, मुंकाब्या C, मेहक्यां J, मुंकाब्यां K. ते बाह्य-बाहां A, ते आहि L. पुण्य-पुण्य A, पुन्य D L. तर्जु-तपु B, तर्जि C, तजड K L. अब जेह-जे चन A C D, धन जे B L. महेसह CDL-महेस्ट दें, महिल्हें B, मसिक्षिं C, जिमहोत्तर D, सबीं र, अंग्रह्स ह, धन मेहले L. जास्त्र-जासि B C J, जासिंह D, जासी L. L transp As जासी ते. भसमंत-स्थानंत C, महामंत K.

२२८ जब - जु छ 0,...D, ते L. तुन्द-तुक्ष छ 0, तुन्द D, दुन्दि L. च्रिक्-पृट्धि 0, पृट्ध ६, पृट्धि ६, च्रुकं-पृट्ध छ 0, तो L. व्यव्यक्षित-पिक्षिति ठ, उपलेति 0 L. अपिकरित चण D. पार्च्-पार्च् A, पार्च् 0, पांसु D, पांसु द इ. तार्व्य L. व्यव्यक्षिति अ ट. अपलेति व L. अपिकरित चण D. पार्च्-पार्च् A, पांचु 0, पांसु D, पांसु द इ. तार्व्य L. केकाली चण-पोर्च्ता A. में में में तार्व्य B 0, में करों D D E L. किवाल चण्डे — आपणार्च्य छ A. लाएख छ, लाएख छ, लाएख छ, लाएख छ D, लापख ठ L. होर्म्च-होसन्दे A. होर्म्च D D. होर्चच K. होर्म्च में L.

२२९ कहरूकचे-जितलने B O, जबतलने D J L. भाषकचे-भाषक L. कमादे-कमादे B O D J. बहू-...A B, स्त्री O J, कमह D. A transp as कमादे भाषलये कमलदे; p transp as कमलदे मावल्ये वमादे; L transp as कमलदे भाषल नह कमादे. हाथी-दीपी A D J E. कम्हू-क्टी B, क्रेर O J. L transp as क्ट्र कमहर तथी. बाल-चप L. हीपा-हैपा B, हीया D D, ह्वंना J, हिया E. माहि-माहि A, नाही D. बाल्ये-बांणी O D J E.. साथि धणी दौकोडी सूंडी, करह आवीनह वात ।

छोक अणह अम्हे राउछ ताहरा नहीं छोडडं संपात ॥

२३०
पिहछर्ज विम्न उच्चरह आसीस, राउछ आयस मागह ।
विवहारीया सबे सकुटंवा, पाए राउछे छागह ॥

२३१
राउत सिंवहुं तणां के माणस, तेह्र साथ न छांडह ।

करह जुहार पुद्र सिंव आची, घरि घरि जमहर मांडह ॥

२३२
गण गायण नह नगर नाहका, गांछा छीपा माछी ।

करह जुहार मनावह आयस, तेछी नह तंबोछी ॥

२३१
कारू नाह नह विवसाई, आवह वर्ण अहार ।

पाए छागीनह काम सारह, आयस करह जुहार ॥

२६० सार्थि-सार्थि B 0 J, राथि K. शिकोबी-धैकोली 0, रकोणी D, शीकोली L. सूंबी-हुंगी B J K. करह-कर B D J. आप्तीलह-आवीति B 0, आनित्र D, अमहत्ती J. अम्बह-मणि B O J. लाहे राजक-राजक A L, ए राज B. जावरा-राहर्ज A, तक्कात B, तुम्बारी L. नदी-छोर B. खांबर्ड-मोन्हींह A, करि B, छोटुं 0, छोटुं J, क्रंबर्ग K. iv qr in L is: दिन नहीं जांची साथ.

२३१ पहिकरं-पहिन्तं A J, पहिन्तं B O, पहिल्तं पुद्दरि D, पहिलतं K. वचरह-अवरह A, कपरि B J, उचरह D, अक्टर L. बारसिल-आंखी B J,...D. हारक-सहुद्द A. बारस-वीपत A, आंखी B J, आंखील O, जातीस D K. सराव्य-माणिह B, मालि O J, मांगह E L. विवहारिया-व्यवहारीया B J, विवहारिया D K. सर्वेश-राति कुँगवर A, सक्टंबा O, बुट्टंबा D, सर्वेटंबा K, हुक्टंबा D M सर्वाय-पाय B L, रावटंबा D, सर्वेटंबा K, हुक्टंबा D J. रावटंबा D J.

२३२ राज्य—राज्य क्ष. समिश्रुं—सिविश्रुं A, सवे ODJL. तर्णा—राणा क्ष. L. साणस—माणस OJL, माणस D. तेषू—तेषूं O, तेष्क D, तेषू क. तेषूं D. सामा—साणि L. स—तथि D. कांच्यू—कि B, क्षांति OJ, कंडर E, कांच्यू—तिर्हे B, करि OJ, खादार—जद्वार D, जोहार J. सूत्र—ग्रुह B, कांच्यी—कांवि क. वंद्यं प्रायः D. 18 करि जोहारक्षं, प्रवेह सवि मांच्ये. वार्षे वार्षे—भरि A BODJE, विरि २ L. सांच्यू—सिव्य B, सामि O, सांवि J.

२६६ नाव-गुण B 0 J. नावण-गरिल A, नाव B J, नाई 0, नाव D. नाइ-...B 0, के D J. नाइका-भावका 0 J L, नादिका D, नादको E. नाविक -गीडिमी J, नावि L. कीया-कीया 0, कीयमि J. कार्य-कर B 0 J. वहार-जोहार D, जोहर J. सगावह-सगावि B, सगावि 0 J, संगावद E, नाई मागिक L. कारवस-कार्य E. सेकी-माजी D. नाइ-...A वि B 0 J, नई D.

चेश्वर J ozzitis vs 234. बहु-ति ह, जार्गद्द L. विश्वसाई-विश्वराह A, व्यवसाई ह, विश्वसाईवा o, विश्वसांद्र D. बाण्य-जाति ह c. वर्ण-दएल o. शार्-पाह A ह, पात o E L. कामीलाइ-व्यवस्थि ह o, कामीलाई L. कामा-जीमा A, काम o, कामा E, रावला L. साव्यु-जारिद ह, चमारि c. बावयु-जार्द्र A ह, बार्षी c. क्या-चीर ह, चीर C. कह L. ब्रह्मर-व्यार D.

शाखर वर्राव मांहि अंतेजरि लेई आभारण ऋषह ±	
पुरसङ वाणी मांहि बोलाविङ, गढ मांहि कांई न राषइ।	। २१५
माणिक मोती हीरा आणी, सोनां रूपां सार ।	
फंडइ नीरि अणाबी राउठि बोख्यच्या मंडार ॥	२३६
चाह्रवाण कुछि जे घोरींघर, जाणह राजविवेक।	
तेडाबी बीरमदे कुंअर, सिरि कीचड अभिषेक ॥	₹\$9
ळागड पाय मांजीयां आंसू , जणणी दीइ आसीस ।	
वंशि अम्हारइ तुं अजरामर, प्रतिपे कोडि वरीस ॥	२३८
चंदनकाठ अगर नइ तुलसी, बीखी आमली आणी।	
करी सनान देव आदितनइ अर्घ दीइ सवि राणी ॥	२१९

२६५ झाल्य-मालरि к. माहि-माहि к. अतेवारि-मंतेचर A В О D, अंतिचरि L. लेई-लेड к. सामरण-माराप्सी A. नायद-नायद A, नायित B, नयाित O J, नयावद D K, लेकाई L. पुरस्त-पुल्स B, परंतु O D, परंतु J L, पुरस्त K. पाणी-पाणी A D. माहि-माहि A, माहि D. बोळािबट-मोलेज A, बोळािक O, बोलाप्यु D, बोलाज्या X, बोलाल्या E, बोलाविर्ड L. माहि-माहि A K. कांई-काह A, कांद O, को D. राष्ट्र-पिष्ट B, रयाित O J, रयावद D.

२३६ माणिक माणिक A D J, माणीक K. मोती—मोति O. हीरा वाणी—नद परवाला A, हीरा आंधि D E, हीरा आंधी J, सोतो—नोना O D J K. रूपो—रूपा O J K. कंबा —ऊवह A, ऊविह B, क्रंडि O J, उट्डे D. मीरि-नीर A O K, ने D. वाणावी—अंधांति D. राविल—राजल K, राक्कि L. संबाद—सबि मार A, मंतरी L.

२३७ जाहुबाच em-चाहुदाज A D, जहुबाज B, जहुबांज O, जहुबांज J, जहुबांज K, चाहुबांज L, के-जेह o, बोरीचर em-वीरिद्वार A, इरेपर B, वोरेपर O, इरेपर D, वोरोपर J, चारिचर E, कोरियर L, त. जाजह्-जानि B O, राणिस D, जांजि J, जोजह E, राज-राय E, रोहाची-चेहांवि D, कुंबर-कुरार A, कुंसर B D, कुंबर E, सिरि-विर A, सिर D, सर J, वीर E, विरि E, कीचब-कीट A, कीद्र B OJ, कीवु

२३८ काराड-लागु В О Ј К L, लागु D. पाष-पाह L. सांचीपां-पाह A, सांची В D, साथ O, सांचीलां J, नावियां К. कांच्य-चापनह A, जांचू B, तावने O, कांचू J, जांचू L. वणवर्षा-जंगणी O, किर्मूणी L. वैद्य-यह A, दि B O, दिइ J L, दिख्द K. कार्सीख-आशीष L. वैद्य-वेदि O D, वैद्य J, वैद्य K. कार्सीख-आशीष D. वैद्य G D, त्रेच J, वैद्य E R कार्याह्म - अवदासर - अवदासर K. प्रतिचे-प्रतमे O K L, प्रतिचं D. वरिख-विद्य O. वर्षका D. वरिख-वर्षिय O. वर्षका D. वरिख-वर्षिय O. वर्षका D. वरिख-वर्षिय O. वर्षका D. वर्षका D. वरिख-वर्षिय O. वर्षका D. वर्षका D. वरिख-वर्षिय O. वर्षका D. वर्षका D. वरिख-वर्षका D. वर्षका D. वर्यका D. वर्षका D. वर्षका D. वर्षका D. वर्षका D. वर्षका D.

२६९ कारह—कगावी क. सह-नि B J, ने D,...E. तुक्कसी-तत्त्वती D. बीकी-बील A, स्त्रंव B. आसकी-अविकंति B, कांमको J, कारती E. बाणी-आंणी A D J, जासीस E. करी-करीज A. स्वतान-स्तांत ACD J, विकास D. क्रेष कार्यहरूवह—देश आसीतह A, देवाबीतह B, देव आदिस्ति J, देव आदिस्ति D, देव आदिस्ति J, देव आदिस्तृह E, देव आसीतह L. वर्ष-करण A J, वरण B. शीद-चित्रं D, दिसद ह, दिह L. गुणी-एंची A D J, क्रीय E. हाहाकार हुउ तिणि बेठां, राणी जमहरि पहसइ। सरलइ सादि सहू हिर बोलइ, जमहर इणि परि दीसइ॥ २४० ॥ राग नकी देसाप॥

बांधव पुत्र कलत्र धन यौवन, जाणे मायाजाल । जिणि दिनि हुइ दैव ऊफराठउ, तिणि दिनि सहुइ आल ॥ २४१ ॥ द्भूपद ॥ हा हाँ दैव दोस कहिं दीजइ, दीसइ किस्युं विहाण । नयणे अजी रुहिर नवि आवइ, हो हीयडां थ्यां पाषाण ॥ २४२ हा हा दैव ॥

> पंनरसङ् चउरासी जमहर गढ जालोर निवेसि । लोक सबे अंतेउर पूठि, हो जमहरि करड़ प्रवेस ॥ २८३ हा हा दैव ॥ विषम कर्मगति किम टल्डर, हो मनि विषवाद म आणि । भगति सुगति दानेश्वर सुणीइ, समरि न सारंगपाणि ॥ २४४ हा हा दैव ॥

२५० हुउ-हुक J, ह्याउ к. तिलि-तिण A к, तेणी B 0, तिणि D, तीणी L. बेक्टां-वेला K. राणी-रोणी A D J K. जमाहरि-यमहरि 0, जमहर к. पह्तस्य-पितिर B J, पहति 0, पैतर K. सरकड्-सरले A. सावि-सावे A. सर्छ-सहु K. दरि-रम L. बोकड्-बोले B O J. जमहर-जमले B, यमहर 0 हिल-रिह B, हणी 0, हेणी D J L, राणी K. सरि-पॉर B,... K. दीसह-पैतिर B, दिसह D, दीले J, पहतह K, दीलई L. J transp as हेणी परि जमहर दीलि.

२४१ राग-इति राग स. नृषी-भूछी ह.. स. भूगाओ L. देसाय-देशाय ह, देसाय ॥ गीतं ॥ K. L. O D J omit the song. राज्य 241-244 बांध्य-चंपत ह. पुत्र-पुत्र L. योधन-भोवन ह. गोवन L. जाणे-जाणे A E, जाणे कि किली-जिण से हीय-देश स. देव-देव स. क्ष्माटक टाक-ज्यराउठ ही A, जमराउ ह , उपराउठ स. क्षमाटक टाक-ज्यराउठ ही A, जमराउठ ह, उपराउठ स. क्षमाटक टाक-ज्यराउठ ही A, जमराउठ ह, वाक-जाल दे स.

२४२ इपद-...A B K. दैव दोस-दोस देव A, देव दोस K, देव दोस I. कहि-किम B, किहि L. दीवाह-विति हो B. दीवाह-विति B. किन्तु on-किन्दु A, किन्तु में, किन्तु में, किन्तु L. B transp as: किन्तु देवित विद्याल-वहाण B, नेहाणह K. नवणे-नईणि M. कबी-हजी K. रुहिर-निदिर B. B transp as: तिदिर कमी. निव-न B. बाबाह-बाबह हो हो दिर A, आदि आदि B. दीवाबी-तीयहा A, देवा B, दिवास K, हीहब्बां L. ब्यां-या B. पाचाल-पापाण रे K द्वा दा दैव-...A, हा हा। स.

२४३ पंतरसाइ em-पनरहसइ ८, पंतरिष ४, बारससइ ४, तेरहसइं ४. चडरासी-चुरासी ४४, चडरासि ४, समादर गाव-गाँव जमादर ४, बाक्टीर-चालोहर ४, जास्त्रर ४, जाह्नर ४, सिक्सी-नितेस ४, तिविश्ती ४, तिविश्ति ४. सत्ते-सर्वे हो ४. क्षेत्रेडर-कीसुर ४. प्र्टि-पृतिह ६, एट्ट ४, पूर्ट ४. क्सादरि-जमहर, क्राद्यू-इति ८, कर्स्ट ४. प्रमेस-न्वेशि ४. ह्या हा वैच-इ। हा वैच योच कहि धीचार ४, हा हा ॥ ४ ४.

२४४ कमें-करम A. टकड्-टलि B, वन्द्र स. बाकि-शांगि K. समारी-द्याति B. सुमारी-द्वारि A. हमारी B, समारी L. हानेक्टर-दानेक्टर A, दानेक्टर स. खुणीड् em-सुणी हो A, हो B, सुणिवह K, बढ़ीह L. समारी-समर स. सारंगपाणि-सारंपप्राणि E, सारंगपाणि L. हा हा बैच-हा हा वैव दोव कहि बीजह A, हा हा B K.

## ॥ चरपई ॥

२४५ षडपहें -...A, जुपै B J, जु॰ 0, जउपह D हूंगस-डुंगर B O K तणी-तणा A, तणह K. कियर-बिकर 0, तिपर J, विधिर L. इयामान्य-डनमिति B, हामानि 0, डगामी J, टगमिगह K, टगमान्य L. सर्थु-विर्व A, थुं B, वर्षु 0, ष्ष्र्यं D, परव K, यर्ज L. सर्थ्यु-विर्व A, थुं B, वर्ष्युं 0, ष्यं D, परव K, यर्ज L. सर्थ्यु-विर्व D. काम्ह-लिंग्ड B J, क्षि 0, कार्य D D. iii (p' in K is : वेच स्त्री तणा रक्षा असर्वेक. हिमाज-हिमा अ, हिपा जे 0, हिपाज L. साह-... В रक्षा-ट्यां A, आवि B, कृष्ण 0, रक्षीया D, रहिया J, असर्वोकि-जे लेक B. धूर- पूप D, अपि J, धूंस K. बिराख-वराल B, विकराल K. गर्द-लागी B. सुरक्षणिक-द्वारलेक B, सरलोक J.

२५७ Jomits vs 247. नैस्ति -नैस्त A, नैऋत B, नयरित E. बरण-बरण B, बरण D, वर L. सुर-सुद A. नरवाइन-नरवाइन E. तिहां-आहां E. बाविब-आब्यु A, आव्यु E. से-जो B L, तेहां D, जोई E. तो-ती B O, ता D,...E. बदलिड-चुलि B O D. जोगिणि-योगिन B, योगिणि D L, जोगिण E. हिन्ती-तुंती A. o transp as वंदि हंपि. हैसि-हंस A. बदी-वंदि C, बदी E. बावी-आदि B C. मारती-स्तती D

२४८ o omits vss 248-249 i qr in J is: हिर आब्या विहा युरुङसनी. गुरुक-गरुङ B, गुरुङ B, हिर-..B. शास्त्र--अपि के. अपने कि ते. , शिक्त B, सकती D, सकति K, विकास के. कि ते. कि ते. विकास के प्रकार के कि ते. कि ते. विकास के प्रकार के कि ते. सिंद्र वाहनी में कि ते कि ते

२४९ इषम-नगर D. सज-सज L. महिषासुर-महिषासन B. बाबिज-आस्तु A, आत्या K L. संबरी-सांबरी A. ii qr in J is : महिष वाले आच्यु संवरी. पाडां-पाडा B D. रहां-रहीयां A, रहियां B J, रहि D, रहा L. बाबसङ्-बावसि B D J, आविसदं K, आविधिइ L. सुर-एर D. तेनीसङ्-सेनीसि B J, संबंधिक D. स्वर्गठोकपी सार्चू मानि, स्नि अपछरा चडी विमानि ।
स्वि देवता अंतरिष रही, दिण्य चक्ष विण दीसह नहीं ॥ २५०
बठी सिठक चढीक्षा तिणि समझ, छेसिउं घाउ दिवस पांचमह ।
कान्हस्वामिनह देवति वकी करह बिणास वात सांअठी ॥ २५१
तत्विणि चढीउ राउठ कान्ह, सवे राउते कद्यां सनान ।
गोपीचंदनि चरच्यां भाठ, कंठि छारी तुष्टसीनी माठ ॥ २५२
एकमना राउत संचरह, अंतरि चकी अपछरा वरह ।
सिडह रिणंगणि राउत भठा, साहमा मिठक दीइ कवा ॥ २५२
सिठक कपूर कमाळदीन, तोगां मिठक अनह ताजदीन ।
अष्टिमद मिठक अनह उंबर, आष्ट्र महिमद नह सुंबर ॥ २५४।

२५० Jomits vs 250. खर्ग-लग A, लग्ने B K L, सरग D. कोकमी-लेकमा A, लंक ते O. सार्च्-सांचु A, साचु B C, सार्चु D, साच्च B. सामि-मांन D, मांनि L, सबि-सबे B C E, सबैद L. बायुक्त-प्रेत L. बायुक्त-प्रेत L. कांकिए-असरा C, चर्ची-चि D. बिमानि-विमानि A E, विमान D. सबि-सबे B C D. देवता-प्रेत L. कांकिए-असरीय B, अंतरिक्ष C, अतरिक्ष C, अतरिक्ष दं L. A transp as · अंतरिक्ष वेतता सबि. वही-राद्ध A. विच्य-देव C, दल्य D, दिल्याप L चक्ष-चक्ष B C, चक्ष D, विचक्षण E. बिण-तिणी D, . K. विस्तु-चीसि B, सिसर D. मही-नावी B.

२५१ कडीका-चर्वाया B, वर्षी 0, वर्षी आञ्चत B, वर्षी आञ्चा L, सिणि-सिण A, आञ्चा 0, तिणि D, सीणह L. सम्बर्-सिन्ह B, सिन 0, सिम 7, समई L. लेसिन्ड-लिय् B, लेब्रि, 1, केस्तुं E, लेसिन L. बाज-वाय 0 D, विश्वस-दिवास L. दींण J. पांचमह-पांचमि B 0 J, पांचमिह D. काल्य-काल्य A E, काह B, कांह 0 L, काल्य D, काहा J. कामिन इ-सामिन B, लामिनि J, लामिन इ K, सामिन इ L. देविल-वेहर B, तेल B, कर्या-करिर B, करि 0 J, करहें L. विणास-विलास A. बात-बात 0 D J E. सामिनी-स्म सुणी A.

२५२ सत्तिकि-तत्स् म A O, ततिविर्ण D, ततिविण K, ततिकिण L. चडीड-चित्रच K. सडक-रावळ K. कान्द्र-कान्द्र A L, काहान J. सवे-रावित्र् A B, विद्र L. रावते-रावत B. कन्ना-केट A, अरिया B, तत्त कीयो J. सत्तान-सनान A D J K, सिनान L. गोर्थोचंदि-गोर्थोचंदर O D K. चर्च्या-चर्चा A, वरित्रचे C, चरच्या D K. साळ-सळी A, साळ D, अला L. चरी-करी A, ठवी B J, वृत्त्रसीनी-गुळ्जीनि D, तुळ्जीनी L. Folio 49 Of K MS, contaming vss 252 b-274 i qr, is missing.

२५३ एकमता-एकमतां B J. राज्य-जलगा J, राज्य L. संबदह-सांबदर A, संबदि B, संबदि O J. क्रांसर सकी-अंतरसाबी B, अंतरिक्षाबी O, अंतरपात्री D, अति विकी J L. क्रावकरा-अपसरा O, अपकर D, बहु-बहुद B, विर O J. क्रावकरा-विवास D, अपेतर D, मिल्टू L. विर्काणि-एनंगणि B O D L, समस्ताकी J, राज्य-राज्य L. मक्का-भंजा D. साहमा-सांम्हा A, साहमा B, साहमा L. विद्व-दि O, दिइं L. क्रमका-स्विता A, उक्का-उक्का O.

२५५४ O OMILE VSS 254, 255. मिळ-मिळ B D. कपूर-स्पुर B, कपूर-तर D, पूरण ति J. काबहू-अति B, ति J. साव्यविन-हरीन D, वहरीन J. कादिमय-कासर A, अहिस्मय B, अहिंदर D L. बावह-कति B, तह D, ति J. कंपर-स्मार A, स्मर D, अञ्च स्वेनर J, कासर L. बावू-जबू B, आबू J. सिह्मयू-अहिंदर A, कहिंस्मर B. सह-ति B D J. ब्रंपर-मराष्ट्र A, ग्रेवर D, ग्रेवर J, प्रैवर L. कहरीजंका कायरपान, मीर मिलक मोटडे अभिमान ।
तिमरस मिलक अने बहिराम, बीजा तणां न जाणाउं नाम ॥२५५
अंगोजंगि भिड़ मनरंगि, सहह महार तेहनह अंगि ।
हिंठ चडीज सोनिगिर राज, प्राणह वि हबी मेस्सह घाज ॥ २५६
दीह ऊद्यका साहमा सुंहि, वीरहाक वाजी ब्रह्मांकि ।
राजत निव पाछा उसरह, उपरि पुष्फवृष्टि सुर करह ॥ २५७
साहमा छह सपराणा भीर, सींगणि ब्रक्मा विलूटह तीर ।
उपाडां पांडां बरहरह, बीज तणी परि झक्का करह ॥ २५८
देव दैत्य जीणाइ परि मिडह, विंडु करकना पायक पढ़ ।
आगाइ कुरुषेत्रह घाज जिस्सा, हीट् तुरक मिडह रणि तिस्सा ॥ २५९

२५५ कहरीजांचा em—कर्राजंचां A, कहिरीजारी B, कहरजंच D, किरीजांचा J, कहरीजीची L. बायरवाल— पायरवाल A, पायरवांत B, बोयरवांत D, वायरवाल J. सल्कि—कवरों A, नीरी J L. सोवर्ड —महि B J, मोटा D, मोद्रे L. किमान—अभिमांत D J. तिसरस-तिसर समा A, तसर B, तिसर J. सल्कि—मिंड D. किम.—L. ताल B, ति J. बहिरास—बहिरांस B J. बीजा—बीजों A L. तणां—तणत A, तचा D, तणूं J. कालर्ड-जाण्डे B J J, जांणुं D, सास—नांत D J.

२९६ विषड्-अंडि B O J, अंडर D, निवरं L. सण-तिण O, ते J, तीणह L. रंशि-अंनि J. सद्धूर-सिंह B D J L. तेहन्यू-वेहिन B D, जेस्न तेहिन O, तेहू J, तेहने L. ऑगि-अंगिर् A, मन्दिरी J, जबंदि -पंडिज D D. सोलिंगिव-सोनिंगिर S A, सोनिंगिक B D D J. राद-राज A B D J. प्राणह्-प्राणि B, प्राणि C L, प्राणि D J. विद्यां कि ही ही, व्योहिंग्य O, कि हाँग D, छेड्बी L. सेक्ड्इ em-नेल्डिज A, मेहिक B O, मेहळह D, मेहळिंड J, मेहिंद L. माव-माय B D.

२५७ दीष्ट्-दिइ A B. कथका-अपेका A. साहमा-साम्दा A, साहामा B, साहमा J, साझ L. सृष्टि-सृष्टि A, श्रिक O J L, मंकि D. वाकी-वाजीव A, वाजद O, वार्गी J. क्यांकि DD न्यांकि A L, क्यांकि O D J. साहब-राज्या L. उसरब्द-जसरिद B. करारि O D, उसरि J, उसर्द L. पुष्पक-पुरस्त A, पुष्प O, पुष्प D L, पुष्प J. बृष्टि-विश्चि L. पुष्प-श्चेरि A. करार्-करिष J, कर्षर O J. करर्द D L.

े २५८ साहमा-सांग्हा A, साहामा B, साहाा L. छष्ट्-िष्ठ B J, छई L. स्वयराणा-सपरीणा A D J L. सीताण-सिवाल O, सीतिणो D, धीताणे J, धीताणे L. यका-िष्मि B, तणा O, विका D J L. विक्ट्यू-परिष्ठ B, तक्ट्रिट D, तिक्ट्रिट J, तिक्ट्यू-परिष्ठ B, तक्ट्रिट D, तिक्ट्रिट J, तिक्ट्यू-परिष्ठ B, क्ट्रिट D, तर्दर्द D, सर्दर्द L. सील-बीज B L. परि-परि D. सम्बा-सनकां B, सल्का O. कर्यू-चरिष्ठ B, करि O J, कर्द्र L.

स्थ्य, वेब-देव ह. देख-देत ह, वौत्य र. बीलब्-नेयी ह 0 छ, विकि उ, जीवी र. विवद-महिद ह, मिंद छ, नवद छ, तिवदं र. विदु-विद ह, वेब छ, वेदू छ, वद उ, विद र. यवद्-पविद ह, पवि छ इ, विद छ, वद छ, व

पृष्ठि रहिष करह संघान, बापूकारह राज्य कान्ह ।
नामि नाम जीह भूपाल, बोळावी परठह कर माल ॥
२६०
राजत वळी वीर रित चडह, चाचन सुहह सारह रिण भिडह ।
रही रही नह लीघा घान, जीव ऊगाव्या छांडी ठान ॥
२६१
सुहिता कुंडलिया टावरी, भला भिक्या रिण आदर करी ।
छुंदन सेलहुत चन्दरासीया, चडी कटकि ते नासी गया ॥ २६२
अरसीमेर विजेसी बली, सांगन सिलार सल्लान मिली ।
जेसल लघमण ल्लान जाणि, प नीसत नाठा निरवाणि ॥ २६३
आगाइ भड सपराणन हुतन, रीछानत नह नाठन पतु ।
अरजन वीहल नह मुलराज, घांधलसुर सोमन गिन भाजि ॥ २६४

२६० पृष्टि-पृठिई B, पृष्टि 0, पृष्टिई D. रहिड-यक्त A, रह्या D, रहिक J. करह-करिट B, करि 0, राख्य J. संधान-संधाण 0, संधान D, काहान J बायुकारह-वापुकारह A, बाय पुकारि B, बायुकारि 0 J. राउड-राउडि B, करि J. कार्य-कांद A, काह B L, काहन D, सधान J नामित-नामि B, नाम 0, नांस D J. नाम-ठांम 0, नांस D, आप J, नाम L. लीइ-केंह 0 D J. बोळाची-बोलावि J परठह-परिंठ B 0 J. का माळ-किर माल A, करवाल 0 J, करि नाल C

२६१ राखत-राजा A, राज्यं L. बळी-ते A, भिंग J. बीर-बीरस A रसि-रस L चडह-बिह् E, बिंड ट J, चडर्र L बाबट-चालु B O, वच्छु D, वालु J सुहड-सुहड A, सीहस D, सुहड J. सालहु-साहु B, मृळ O,...D, मृझ J, रिशा L. रिण-रिंग B O D J, रिगि L मिडह-पडिर B, मृळि O, भवर D, चिंड J, मिडर्ट L. रही रखी-रही र A O J, रहीट B, रहि २ D, रही L. नह-तिण A, थिर नि B, नई D, नि J, उत्तरिन E. ळीचा-तीघड A. बाव-बाय B D जगासा-जगारिया A, उगासा O, जगारि J. छांडी-छी L. जार-नाय B.

२६२ o omits vss 262-264. D omits vss 262, 263. सुहिता-महिता B J L, कुंडिध्या-कुंडबीया B, कुंडबीआ J, कुंडिडीआ L टावरी-ठावरी J. सिक्बा-मिडीया A, मच्चा B J. रिण-रिण B J L. खंडा - एटइड B, लडुडा J, उद्धा L. सेल्डूड - सेल्डूत B, सेल्डूत ि J, सेल्ड्त L. क्टासीस em चडरीसा A, चुरासीया B, चुरासीया J L. चडरी-चडीए A, चिंड B, चडे J, चाड L, इटीक से कटके A, कटके A J. मासी-नाशी L.

२६३ करसीमेर -अरसीमेर B J, अरसीमेर L. बिजेसी -वजसी B, विजसी J, वजेसी L. सांगड em-सागढ A, साग्र B, साग्र J, साग्र L. सिकार-सितार J, बिकार L. सत्कुणव-स्त्व्यु B, रहेणु L. जेसक-जेसद A, जेसु B. दुण्ड-छन्सु B, लगद J, हंसू L. जाजि-जांजि A J. जेरसाजि-निरदांजि J.

२६४ जागब्-जानि B J. सद-भड ए J, भिटह L. सपराणड em-सपराणड A, सपराणु B, सपराणु b, सपराणु J L. दुवन-सुड B J L. दुवे D. रीजातत नद्द em-रीज्य नद्द बकी A, रीजुत राउत B, रीजातत ते D, रीजातत ते J, रीजातत ते J, रीजातत ते J, रीजातत ते J, रीजातत ते L. बादक-नाठ A, नाद B, नाद J. पद्द-पद्ध B, वीहक L. ब्राह्म-दूबरात D, मुलराज -पूजात B, मुलराज -पूजात -पूजात B, मुलराज -पूजात -पूजात B, मुलराज -पूजात -

बापछदे सहीवह परि सुणी, नाठव चूचछीव साहणी। छोछड् नह नरसह धाछीया, राठुड रिणवटि नासी गया॥ २६५ दीठां दल नह आबी हारि, जगसी नाठव घर्मदूआरि। कर्मसीय रचणी निदानि, फूटरीया नाठा इम मानि॥ २६६ करी हाक जिम ऊठइ माल, भला भिक्या अरजन अववाल। छूणकरण माल्हण भवसी, रिणवट आहणसी छुणसी॥ २६७ वेढि तणा जाणइ परंच, सोम तणा रणि भिवीया पंच। भेष सोम नह देवाइत, मूलराज बागण नह जहत॥ २६८ आल्हणसी महीडव मीमसी, रिणवटि सातल नह सोमसी। करी हाक रिणि हठ आदरित, पहें भिडीनइ भारत करित। २६९ महिप जहत कीतल जगपाल, साल्हासुत म्लेखांनु काल। ३६९ महिप जहत कीतल जगपाल, साल्हासुत म्लेखांनु काल।

२६५ Jomits 265 a and gives 265 b after 266 a. बापकदे -पापलदे A. बापकदे 0, बाप परम D. सहीबह -सहीसिंक A. सहीयांक B. हुंकि 0, सहीसि D. परि-पुरि D. सुकी-अमि 0, हुंकी D. बापड-मान को 0. बुक्कील -पूचणीत A. भूंगलीत 8, बुक्तीत 0. साहकी-साहणी A. समाहकी 0, स्वाहकी D. कोकह का—जीक A. ओले B. ओले 0, भोले में, सोलक L. बहु-वि B.J....0 मरसह-नरित B, नरित 0, नरित प. महाकी मा J. बालीमा L. साहक-राजेड A. रात B., रात

२६७ करी-आकरी A, करीह B, करि D. जिस-...J. कठहू-कांट B, कठिउ O J. साख-रिंघ सांस्त्र J, स्रांक L. सिक्का-अदिवा B, अच्या O D J. सर्वजन-कांत्र O, अब अराजन J. बखबाक-अदसांत O, वास्त्र J. A reads as 267 a. आकरी हाक अराजन अववाल अका मिल्ड जिम जीपद सांत्र, D J omit vs 267 b. साक्ष्य-माह्या B L, साहजण O. अवसी-अवकाती A, अववसां O, निरू दूस्या E. सेक्यस-रणबंदि B D L. बाह्यणसी-सांत्रणमार्द A, आलणबंति O, बाह्यणही L. खुणसी-खेणवी A, क्षेत्र तिस्ता O, इत्या L.

२६८ o omits vss 268-274. J omits vss 268 b-274. लगा-तलु A, तलुं b L जानव्य-बांगह A, जाणि B, जाणित D, जाणि J. परशंच-प्रपंच A. रिण-रिण A. सिब्रीबा-पाडिया A, मधीना B, सिंडिया D, सबीजा J. सेच-मेलु D. वह-नि B D. पेचाहत-देनाहेत B L, देगाहेत D. करणा नह-नह बागण A, बीकृ ति B, ति बांण D, बांगण नह L. कहल-जित B, जनत D.

२६९ बास्त्रकसी-आहरी A, आहळाती D, आहणाती L. सहीस्ड 610-सहीस्ड A, सहीद् B D, महिष्ड L. रिक्विट-एम्बर्टि B, रणवेदि D L. सातक बहु-सातल B, सातळनेह D. D omits vss 269 b-275. रिव्विट-इठ रणि B. पुढे-एह B. मिळील्ड-मणीन B. आरत-मारप B. करिड-कीर्ट A.

२५० सम्बन-महिम L. महरा-जित B. कीवक बंगपाक-कीतल महिपाल A. कीका हरपाल B. स्वेकांचु-नेकना B. स्वेक्ट्र L. पृष्टे राज्ये-पृष्टे A. पृष्ट राज्येत L. स्वि-रिच A. कीवज-कीवज वण A E. कीवु B. [ बीरम लोहंट बीहल जाणि, बीमा पान बाधलह भाणि ।
ब्रूबराज रावन पातक, भला भिक्या राउत रिणमक्ष ॥ ] २७१
मेहु राजु तेजु जाणि, फीतल भलु भिडीव मुजपाणि ।
रावत जायतन अनह अबीह, देवसीह पडसी वे सीह ॥ २७२
हेजव मुंजन वे रावत, भलु भिडिव कान्ह गुहिलुत ।
बारत सोहल हरस् जाणि, हादव दून्द भिक्या मुजपाणि ॥ २७२
पूनराज रावत पातक, भला भिक्या राजड रिणमक्ष ।
सामतीन बाहड बजुड, जिणि हमीर न जाएगक कृड ॥
सींघल सहसमाल सूसार, झांझण नह पातन पविद्यार ।
भाचु भीम पबड बीक्ड, भलन भिक्या राजत सातल ॥ २७५
सावहव सोभित सूर अपार, सवे सुभट सवला सूझार ।
पूनह मुंजन भारहमक्ष, लाषणसी महीडन रायसक्ष ॥

२७१ कोइट-लोइड्ड B. बीहक जाणि-वीरम नामि B. माणि em-माणि A. प्रशाज em-पूनराज A. Result em-भिकीया A, B L omit ii-iv qrs.

. २७२ в L omit i qr. अलु-सतउ A, भेशु B, सिकीट-मब्दि B, सिकिट L. राज्य-राज्य B, स्तित L. राज्य-राज्य B, स्तित L. बाजर em-अनंतर A, अमंग B, अग्तु L. अवह em-अनंतर A,...B, अनी L. देवसीह-देवसी B, देवसीह L. बाक्सी-नारद B, बवसी L. सीह-सीह L.

२७६ तेजव-तेज्ञ A. मुंजव em-मुंजु A, मूंज B, मुजर L. बे-वि B. राहत-राज A, राउत सका L. सक्त-सक्त B. सिविड-सिवेड B. कारड-कांट्ड A. गुलिकुत em-पिहिट्स A, गहिल्त B L. बारड-बीह B, बार L. सोडक-सीडव A, साहदक B. हरस्-हरस्थु B. जाली-जालि A, जाली B L. iv qr in B is: कीचा बाद धूंच ित माणि; in L is: बोचा वांचल नह माण.

२७% पुनराज-पून L. पालल-बांतल B, पातल ए पन्या L. R. MS commences again from vs 274 ii पूर. सका-स्वती B. सिक्या-मिंदियां B. राजव-राजु A. रिप्याल-रिप्याल A. रामाल B L. समरी-पानती B. प्रामितिन अ. साहद B, साहद B, साजद B. समरी-पानती B, प्रामितिन अ. साहद B, साजद B, सालद E, जानिकं L. समरी-पानती B, जान्यत K. जानिकं L. समरी-रूमिर B, मीर K. जान्यह-जानित B, जान्यत K, जानिकं L. स्टूट-कुळ A, सूर्व L.

१.७५-सीनाब-सींपजी 0, वीघड J, वीघड K, तीघड L. सहसमाझ-सहसमा A, तबबसाझ 0, सहस. मा प्राप्त प्राप्त के प्राप्त के

६७६, J. L. Omit vs 276. साक्ष्य-चारलु A., सालु B, साहब्र. D, साल्य L. स्वीनिक-स्रोधन B. स्वे-चार्त E. श्रुवक-चपदा D, ऐतरा E. सक्का-चत्रक A., सरक E. D Omits vs 276 b. देखर-पुरुष B. पुंतर स. दुंबक-पुरेष B, शुंब E. वारश्याः—गाँन भारतक B. कावणसी—कावण A. स्वीक्य-सर्विपत्तर A., व्यक्ति B, मोरज E. रावस्त्व-एसक्ति A, विपत्तत्र A. सारहर राज्य मह चारवी, एता सबे हुआ साहती।
धुजिंग मेरड सामससीह, तेजड स्राड बिन्हह अवीह ॥ २७७
बीजड कॉवड कहूड जाणि, अंडारी यह अल्ल बपाणि ।
बारहीड गोस्हण आदरह, य राज्य रामायण करह ॥ २७८
पीमड बीरड नह पदमसी, भठा भिडिया सुहह मोबसी ।
भडती मीम सुणीइ साहसी, कुंजरपाठ ठोठड चेतसी ॥ २७९
पूमड आसड बीजड जेड, बारसीह नह टूदड बेड ।
प राज्य प्रकमना जाणि, रिणवटि मठा मिड्या सुजप्राणि॥ २८०
मई सांमठीया आगिडी भास, रहीया साबि पड्या पंचास ।
होटू भिडीया शृणि परि घणा, भिड्या अंगरच राज्य तथा॥ २८१

२७७ साक्त्य-साल्डु ४ ह, साहु ०, माहुछ ०, साहुन्ठ ४, साल्ट् ८. राज्य-राज्य ०, राज्त ६. क्यू-वि ह. कारसी-भारिती ०, साहती ४, भारती ८. एता-पूर्ता ० घ. क्ये-पित ४, सक्ट ६ हूमा-हुता ४ ह, होला ६. ह treasp as: हुता कते. ० p omit 277 b. क्यंत्रिया-प्रेज्य ह, स्वत्य ४, क्यंत्र ४, मुलिय ६. सेरव-चेर ह अ ४ ६. सासवसीह-सांत्रतीह ६ ४, सांत्रवरीह ४, तेजड-चेलु ह ४, स्वर्ट - इत्य ४, स्वर्ट ह ४ ६. क्यंत्र-व्यव्य ४, विते ह, विन्हे ४, विनह ६.

२७८ सीजब-मीजब A J L, बीजज K. डॉबड em-डीलु A O D, डॉबु B, डॉबु J, डीवज K, डॉबु L, क्यूड-महत्त D, भवीज J, लहुओ K. जालि-जालि D J K. मह-भव J, भंद K. मह्य-महीड J, महत्त K. ब्यालि-ज्यांनि D B K, पराणि J. A Omits V8 278 b. बारहीउ-बारहिट K. गोस्क्य-गोहल्प D, गोक्षण J. बाद्दुव्य-मारहि B O J, आरट् K. राज्य-राज्य L. रामायण-रामायण D, रामाइक्षे D, रामायण J, रामाद्र्य C, रामावण J, रामाद्र्य C, रामावण J, रामाद्र्य C, रामावण J, रामाद्र्य C, रामावण J, रामावण S, रामावण J, रामावण J, रामावण S, रामावण

२७९ o omits vss 279-280. D omits vss 279-281 a. चीसव-पीस B J L. बीसव-चीर A. बीइ B. सीस J. बी६ L. नष्-नि B J. पदमसी-पदमशी L. सिक्चिन-अंडि B J. निक्ता K. मिन्द L. सुद्रव-मीहण A. मोन्दण B. एणमां J. मी६ L. सोचची-सुदृद्धी A. नेतरी J K. मोक्च एची L. A omits iii qr. मबसी-मन्सी B. मंद J. मंडची L. सीम-अंड B K. सिंड L. सुर्णीव-तणी B. सुन्नेते K. साइसी-साइसी B. इंक्सराल-इंक्स्पाल A. इन्स्पाल B. इंस्पाल L. खोकव-सेल A. ताल B. ची J. लोह L. वेतरी-अवतथी J. नेतरी L.

२८० J omits vs 280. प्लड-पृत्र B, पूंन द ६, पृतां L. बासब-आसल ६, आसीसल L. बीजब-वीजब ६ L. बेब-नेय A, बेच B. बारसीव-चारती B. बारबीद L. बद्दा-...६ ति B. बूद्व-व्ह B, युद्व L. वेच-वेप A, बेह B, वेब L. राडव-ए।उत्त L. बाबि--वंबि ६. रिक्वटि-एजवटि B L, रीपबट ६. अका विकास-निकास सवा A, आठा सक्या B, सका सिक्ह L. प्रावि-प्रंपि ८.

२८६ माई-माई के, कि B O, माई उ. सांसकीया-सांगरी B O E., सामसी उ. सांकिकी-माहीया के, आगकी O, सांगरी उ. रहीया-रहीज के, रही B, रहिजा E. सांकि-राउत के B. पक्का-सूंग के, मूंबा B, प्रतीका उ. के टेक्टबंड कक 281 के श्रम सांगरीया ए जान रही समझी मुझा पंचास. हीतू-हीयू B E, होई O. विभाग-सांगर B, क्रमा O B, क्रमा अलग उ. तिकिया E, क्रिया E, हिस्स क्रम, एसी O, क्रमेश के, क्षेत्र उ. सम्बन्धमा D. क्रमा अमेर के अम्बस B O D J, तिकिया E. क्षेत्रस्य संगरस O J, क्रमेस्ट्रिक D, राजर E, क्षेत्रिय के, क्षेत्रक-महस्त के D, प्रकार पुरकां स्व भावित् , जहतकरण राव सावह पवित ।
जो हे रावते आंगम्यां ठोह, तेहे मासा म्लेक समोह ॥ १८२२
स्वामिकाजि एकमना भिक्या, जे जे घणे प्रहारे पव्या ।
रणि सहंकलुं न ग्या जे छंडि, ते कीरति पाम्या नवर्षि ॥ १८२३
धारातीरय पाम्या जेन, अमरलोकि सवि पुहुता तेन ।
जेह तणी घरणी घरबार छांडी पूठि गई भरतार ॥ १८४४
तेह सारेस गंभीर निनाद, करह अपछरा अंतरि वाद ।
दिव्य कुसम माला अणुसरह, राजत रंगि अपछरा वरह ॥ १८५
पूठि न ग्या जे राजल तणी, ते अपकीरति पाम्या घणी ।
जेह पसाइ सोनां सार, पट्टकुल पहिस्सा सिणगार ॥ १८५

२८२ पकसबु-एकमना A. तुरकांसुं-तरकरम् B, तुरकांसुं O K, तुरकांसुं D, तुरकर्त्र L, सिंदन-सिकीज A, अस्ति J, सिक्या K. जाइतकरण-वित्तकरण B, जवकर्ण D, जवकरण J, जयतकरण K, शहर-पार्थ E, सावर-पार्थ A, प्रतिक B, सावर D, रावर A, प्रतिक B, सावर D, रावर B, प्रतिक C, सावर D, सावर B, सावर D, सावर B, सावर D, सावर B, सावर D, सावर B, स

२८६ क्वांसि-चासि D. काजि-काजे D, काज K. सिक्क्या-सिकीया A, अंदिया B, अक्क्या O D. को जे-ते जे A, ते राउत O, अला प्रातीया D, जेहे K, जेज L. चले प्रदारे-चल प्रहारे B, ते साह्या O, जे रिण D, एक्या-पर्वीया A, परिवा B. J reads as 288 a. स्वासि काजि अला रिण प्रकास अला प्रातीका ते रिण व्यव्या. रिण-रिण A. सङ्क्ष्यं, em—सांक्यं, A. संफ्कुं B, सिंग्सुं O, वींक्यं D, सङ्क्ष्यं, E, सद्क्यं L. क्-...B. क्या-पया B, गयो O. जे-...O. क्षेत्र-कांकि B K. कीरति-किरती D. पास्था-पांच्या A, पांच्या D K. क्यंक्टिकांट B प्रवासि L. J Omits 283 b.

२८५ D omits vss 284-285. पान्या-पान्या A, पक्षेशा J, पान्या K, जेड-लेह B O, जेश K, समस्वािक-समर तीर्थ J, असर लेक K, सकि-...J. पुष्टुता-पुस्तो A, पुस्ता O, पहुता K L, तेब-तेय A, तेह O, तेव तेउ J J omits 284 b. घरणी-ले परणी B. घरवार-घरवारि A O, बारि B, छांडी-डंबी B L, छांडि C, पुटि-पुंडि O,

२८५ तेष्ट्-ते ६०. सरिश्च-सरित ४, सरिश्च ४, सरिश्च ४. मिनाब्-निवानि ४. करब्-स्वरे ६०३. अपकरा-अपसरा ०. कंवरि-अंतर ४, अंगि ०३ ४. वाब्-निवार ०३ ४. कुसस-कुशुन ६३. साका-माता ৪. सञ्चसरह्-भनसरह ४, अशुसरिह ৪, अशुसरि ०, अणसरि ३. रावच-रावर ४. वरब्-सरि ६०३.

२८६ पृष्ठि-पृष्ठि B, पृष्ठि C, ब न्या-ज नागा B, नम्या C, जे-ते A,...B. रावक-रावक्रि D, रावत s, रावक E, क्या-जगी C, के-तेड्रे A. बरकीरलि-वक्कीरलि A E, करकीरलि C, प्रत्या-पानी A, क्रमा C E, प्रवाद-प्रवाह B E E, प्रसाई C D S, क्योनी-चीमा B E E, पहिलां D. पहन्नक-पटनूक A. बहिल्या-पहिलेखा A, पहिलां B, पान्या C, पहिलेखां s, सिल्यास-चणपार C, क्यायार S, विच्याद E. तेह काकि आणी परिताप गढ छांडी उत्मारिषं आप ।
अंतरि पक्ष प्रहारे भिडह, बालह होट पंषीआ पडह ॥ २८७
गृष्ठ सेन रूआछ्यां फिरह, आमिष लोमि चंच बावरह ।
पड्या वोघ थिउं बीहामणूं, कटक तोरकुं भागूं घणूं ॥ २८८
माझा म्लेख असंभम करिजं, लोहि ध्रायउ पाछ्यं उत्सरिउं ।
करी बेढि गढ माहिला माहि, अंगरेष पधराच्या राय ॥ २८९
व्यास भणह राउल अवधारि, देवयचन जोहुं विचारि ।
आगङ् धारातीरथ एक, वली पामीह पुण्यविवेक ॥ २९०
राउल भणह व्यास कुण साषि, ताहरउ भूम न जोसिउं आषि ।
व्या उत्संकल अवसर भलह, दीघउं वचन जनमि आगिलह ॥ २९१

२८७ Domits vs 287. तेव् —ते B. काशि —काया B. काश्र स. जाणी —जाणी 0 J E. परिवार — परताय A J E L. काशी — काशी L. कगारि कगार्क B J. कगार्थ है, कगारिक L. जांदरि —जंतर A. एक — पवि B. येथि 0, पंप J E. पदि L. प्रशरि —एवरि B. एवरिया 0, प्रशरि J. निवड —पव्स ३. पविष्ठ B. पविष्ठ 0, भारि J. निवर्ष L. वाक्य —वर्ष B D. वाली J E. वीटी L. दोट —मोटा 0, लोट J. पंपीचा —पेशिया A B, पंपीचा E. पंचीचा L. पव्य —पविष्ठ B. पांडि 0 J.

२८८ सूअ-एव A, प्रश्न O, प्रच D, प्रश्च L, केन-पीच J. रूआध्यां-रूपि शाव्या A, रूसांध्व B, चय आध्या O, रूपाच्या D, चण लोसि J, रूलाच्या L. फिरइ-फरिइ B, फरि O. बासिय-लासिय A B. कोशि-लोचन O, लोधि K. चेच-चांच A O, बांच B. वावरह-वापर्ट, A, वावरिद B, वावरि O J. पक्का-पक्षेता A, पविचां B, एवियुं K. बोच-जोच A, गोद B. विदं-युं O D, वर्युं J, खुं K, विदे L. बीहासर्युं-वीहावनर्ट A, वीहासर्युं O D K, बीहासप्ट L. कोर्स्ड-युरं B, दुरुदं O, तुरुदं J, तोरकी K, तोरक्ट L. आर्गू-मोर्स्ड B, सार्युं O D K, सार्यु L. वर्णुं-पण्यं A, च्युं O D K.

२.९९ साल्या-मारी A, मारिया B, मारीया J. क्लेक्ड-पलेळ A J, लेळ B. बसंसम्स-सहस्रई L. करिडे-किंत A, कर्लु K, करिऊं L. लोहि-लोह B O D L, लोही J, लोहर्ड K. आवत-आयु B, हर्षु O, आयुं D, बाई J, वार्यु K, हृतु L. वाक्डं-पाल्ड A, पाइ B, पाई O, पाळकं L. करिरेड-उपरिंड A, कर्तर B, करतर्व O, सिरेड D, उरायु J, उरायु K, करिरेड L. करि-करि O D. वेदि-वेड K, वेग L. साहिखा-साहित्या O, साहस्या D, मोहिला J. साहि-मोहि B O D. औगरवे-अंगरस O, आगरवे D, कांगरवे L. प्रवास्था-वर्गारिया B, घ्याझा D, प्रवासा J.

२९० आमह्-भणि B O J, भणहं L. देववचन-बेदववन A, सार्चु वचन O. ओहर्यु-ओव A, ओर्यु B, देव O, योयो D, हिंदे भर्यु J, ओहेर्ज L. विचारि-विचार D. जागह्-जागि B J, आगिद D. चारा-जपासा D. वासीह-वामीसह A, पांगीह D, पांसिवह E. युण्य-पुंच्य A, पूल्य L.

२६१ राडळ-म्यास B. अणार्-आणे B O J. कुण-तुंग A D, म J. साथि-साथि D, भाषि J, साथि L. साइस्ड ED—ताइर A, ताइस्ड B J, ताइस्ट D E, ताइस्ट D, ताइस्ट L. घूम-तुष O, धूम L. खोस्तिन-वोद B, खोतु O B, खोते D, जोवि L, जोदि L, साथि-आणि B, खालि L. iii Qr in O is: सोमर्चर स्थास स्थासिः स्था-सा B, शांते D, पा J E, स्था L. सार्वस्थ-रितिश्च के उत्तीविक D, वार्विक D, वार्विक D, कार्यक्षिक L, सावस्थ-अपस्थित D L. अखाइ-मलिंद B, शांते D J. हीघरं-पीद् B, शींत्रे O D E, धीष्ट्रं J, धीषु UL L सावस्थ-अपस्थ B O, कार्या D J, झा L. सावस्थिक L. कार्यस्थ-पावस्थित B, आगारित J D, झा तिरितं टी.

अञ्चल्यामन अंबीर कंप, रह तजाउ छोडाच्या वंध ।
निरपरांच जे मारिड वालि, प्रतिपश्चं पालिउं शिग्रुपालि ॥ २९२ पृथवी तणाउ कतारिज भार, म्लेड तणाउ कीघड संहार ।
संवत तेर भणीजाई जिसह, अठसठउ संवस्सर तिसह ॥ २९६
ते वैद्याच मास पंचमी, ग्रुक्क पापि सिंव अरीयण दमी ।
तिणि विवसि हृतउ बुधवार, सकटलोकप्रतिपालणहार ॥ २९४
कलियुन मांहि देव अवतरी, वचन आपणाउं साच्चं करी ।
आदि पुरुष मणीह अभिराम, पाम्यज वली आपणाउं ठाम ॥ २९५
क मारतां मलिक उगरिया, करवा वेढि वली संचारिया ।
चाहआण कुलि साहसचीर, बोलिड बीर वचन गंभीर ॥ २९६

२९३ प्रथमी-पृथ्वी A D K, पृथिवी B L. तणड-तणु B O D J, यणड L. कतारिव-कतारि B O J, कतारिक D, कतास्वर K. भार-तार D. म्लेब्ड-मेश B L, सकेश O J. तणड-तणु B O D J. कीश्वड-कीशु B O J, कीशु D. संदार-सिंदार O, सिदार D, स्वार L. संवय-सर्वत D. तेर-१३ तेर K. भाषीवाद-भागेवाद A, मणीवि B O J, मणीज्यद A, किस्तु-वितिद्द B L, वेद O, विस्टि D, विसि J, तिसद K, कठसठड-वठतरु B, अवसठड O, अल्सठद D, अल्सि J, आरस्द K. संवयसर-संवयर A K, संवय्वकर D, संवय्वकर J, तिसद-विद्यकर A, तिसि J.

२९४ ते-...J. प्रास-मासि J K L. पंचमी-तिथि पंचगी J, पंचमि K, झुळ-गुरुक A, तुलं K. पापि-पस G, पसि D, पाँच L, स्रास-सिमि L, स्रास्त्रण-अस्त्रियण G, स्रतिका J, अस्त्रियण K, तिलि-तेसि A B O D, सीणह K, सीर्ण L. शिवसि-दिनि J, रिल K. हुएवं enn-हुए B, हुतु O D L, हुतु J, स्रिहर K. हुववस्-मुद्धारा G. सम्ब्रक्कोक-सम्बद्धारी-मुद्धारा G, सम्ब्रक्कोक-सम्बद्धारी-मुद्धारा G, सम्ब्रक्कोक-सम्बद्धारी-मुद्धारी प्रतिपाकणहार-पालमहार J.

१९५५ कलिशुन-कुन्नम् o D, कन्नमुन J. सिहि-साहि K L. जवतरी-कारतरि D. ववत-बोलिन्ड B. जाएवरी-साम्प्री B J, जाम्युं o D K L. साब्-सायुं o D K J transp iii and iv qrs. पुरुष-पुरुष D. स्वर्षीय-मिर्फ D, मिर्ग्यह K. जिस्तिस-तिराभ A D J K. पाम्बट-पॉम्बर्ट A, पासु B D, पार्सु O, पानित्र J L. जायनर्थ-जाग्यु B D, जाग्युं O, आग्युं J L, जाग्याह K. डाम-ठांस B D J K, ठारिस

२९६ जे-वे ह. बारवॉ-मरतां ह. बारतां त. बारतां D. श्रविक-मेक्टि L. कारिया-कारीस A. कारियां हे. क्यांचा O D E. वेडि-वेड ह. सांचरिया-यांचसा O D E. वंचसा L. चाहुवाल oun-वाहराण A. चहुराण B. बहुलाणां त. चाहुलांच D. चहुलांचा J. चाहुलांच ह. चाहुलांच हे. कुकि-कुकि द. केविड-वोश्यु A D. वेश्यद ह. स्य संबाह बाज अववार, साह सहस पायरह तुवार ।
सिव झूसार बहुग वावरह, मारी म्हेड रामायण करह ॥ २९७
वीरमदेव बंध क्या काज, अहुड दीहाडा कीचर्च राज ।
अंतेवरी अञ्ज्ञलीणी नयी, जमहर तणी करी सागयी ॥ २९८
स्नाव वान देहरासर करी, जमली रही सिव अंतेवरी ।
राणी वचन उच्चरह हुएं, एकोतर कुछ अजुयालिएं॥ २९९

॥ राग छाडुली ॥

रूपइ सळूणडी, सवे साहेछडी, बेलडी रहीअ रा निहालती ए॥ टोडडे आवीय, आंसूडां रोहाबीय, जालडर परबत वधाबीड ए॥

\$00 \$08

२९७ ВОD J L omit vs 297 a. क्यु-लिया K. संवाह—सनाह A. बाउ—धया K. सहस्र— सहित K. पादर्ड—पावसा K. तुपार—तीपार K. सबि—सवे B. वावर्ड्—वावर्द A. वाव्द B. वावर्द ट वावर्द मार्ट्ड में क्रांचित O J. वावर्द L. सारी—सार्ट्डाया J. स्टेडड—में B B. प्र. मटेड O J. रामायण—रामायण O, रामाइण D. करह —कर्द A. कर B L. करि O J.

२९९ बान-जांन A D J. दान-दांन A D J K. देहरासर-वेरासर A, देहरासर B, देहरासर L, वसकी-जसलि D J K. राणी-राणी O D J. वचन-चवर O. वचस्द्र-जिनिर्स A, कवरि B, कवरित O , दवर्ष D, उचरित J, उचरित E, ह्व-इस्ट B, इसित O D, इस्ट J, इस्ट K, इस्ट L, एकोबर-इसेतर O, क्रम्बेट D, एकोबर J J. अलोतरस्त S कुछ-सुकुळ C,...D. काज्यालिख्-अव्यालस्यू B, अव्यालख्यु O, कव्यालक्यु J, अव्यालख्यु J, अव्यालख्यु

है०० 0 J omit the song, i. e. vss 300-304. ब्लाबुकी em-ब्लाहोडी A, प्रहुकी B, ब्लाइकी D, क्लाइजी K, ब्लाइजी L. क्याप्-स्थि A B L, रुप्तुं D. स्वयुक्ती-सर्वेण्यी D, स्वर्शी K. स्वेस-स्थि क्रिकी A, सि B. स्वाहेककी-स्थेलवी K. केक्सी-संप्यी B, नेवर्ज D, नेवर्ज L. स्वीस-स्क्री A B, रहीला K. सुन्त A, है B, एव K L. क्षितकवी स्-नेदालवी दे B, निदालीला ए L.

१०१ क्रेक्ट-रोक्ट x. बाबीय-कारीबा A, कारीह D, बाविज x L. ब्लेक्टा-जांद्यवा D, आंद्रेक्ट x, सक्दर्श L. रोक्टबील-स्वाबीज A B, रोहाबीज L. जाककर-जाओरत A, जालहर B, जालहर D, जालहर L. परवद-पर्वत x L. वधावीक यु-वधावीह ए D, वधावीह ए x.

सुद्रा साहामणा, परवतनइ कहइ घणा,	
आणइ जमारइ मोकलावणी ए॥	₹०२
सर्वगुणजाणनइ, वंशि वली भाणनइ,	
बीर अवतरज्यो चहुआणनइ ए ॥	₹०₹
वली रलीआमणूं, अरधासन बीरम तणवं,	
पामिस्यूं सोनिगिरन् बइसणउं ए ॥	<b>३०</b> ४
॥ जनाई॥	

॥ चउप६ ॥

राणी वचन इस्यां उच्चरी, जमहर तीर गई संचरी। पावक विषइ सविहुं तिणि रंगि, आहुति करी तेहनइ अंगि ॥ ३०५ वीरमदे जाणिउं अनुमानि, वीटी तुरक झालिसइ बानि। बीर वचन मुवि विसमां जंपि, ऊंडी उदिर कटारी चंपि ॥ ३०६

३०२ सुंदरी-स्ंदरी A D, सुंदरि K. सोहामणी-सोहामणी D K. परवतनह-परवतनि B, परवत D, पर्वत K L, कहरू-कि B, उत्परि D K, किंह L. वर्णी-घार्णे D. आणह-आणि रे B, आंगई D, आंगई K, आणां L. जमारइ-जंबारि B. जमारइ D. मोकळावणी ए-मोकळामणी ए B L. मोकळामणी ए D. ओकलांवणी ए K.

३०३ सर्वेगुण em-सवगुण A, अवगुण B, सर्व गुंण D, स्तव गुण E, श्रव गुण L. जाणनइ-ज्याण्यानि B, जांजनइ D K, वंशि-वंश B K L, वंशि D, वली-वलि D, भाजनइ em-भाजनइ A L, भाजनि B, बहुआंगनड D K. अवतरज्यो-अवतारयो B. अवतरियो K. अवतरयो L. बहुआंगनड ए-बहुयांगनड ए A. बहुसाणींनं ए B, बहुआंणनई ए D, बहुआंणनइ ए K.

३०४ वली-वली ए A. वली २ B. रकीमामण्-स्त्रीआमण् A. रतीयामण् B. रतीभांमण् D. रतिभांमण् к. बरधासन-अरधान А, अरधाननइ D. बीरम-बीर D. तणंड-तणु В, तणुं D к, ताणूं L, पामिस्यू-पामिश्चं A, पामस्यूं B, अझे पामस्युं D, अम्हे पामिश्चं K, पामिश्च L. सोनिगिरन्-सोनगिरानुं B, सोनगिरि D. सोनिगिर्त K, सोनिगिरिन L. बहसणाउं ए-बिसण् ए B, बइसण् ए D, बइसण् ए K, बइसण् ए L.

३०५ चउपई-चुपै B,...C J, चुपई: D, चुपई L. शणी-रांणी A J. वचन इस्सां-वचन इसां A. क्चन इस्यं B, इस्यां वचन C J, वचन अस्यां D, इसा वचन K, इत्यां वचन L. उच्चरी-ऊचरी A C, उच्चीर D. उनरी J. जमहर-जमहारे B J L. तीर-तीरइ A, तीरे B O L, तीरी D. गई-गइ D. संबरी-सानरी O D. O omits 305 b. पावक-प्राविक K. विषड्-मुखि B, विषय D, विषयज J, पहरी K. सबिड-सिंदेज B. सेन्यू D J ... K. शिक्ष L. तिणि-तिण A. तेणि D. तीणह K. तीण L. रंगि-संगि B. रंगे D. भाइति-आहुत K. करी-करि D. तेइनइ-तेहनि B J, तेहने D L.

३०६ वीरमदे-विरमदे D. जाणिउं-जांष्यूं A, जांग्युं D, जाणु K, जाणिऊं L. **अञ्चनानि-अनमानि A**, अनुसानि D. अनुसानि J, अनमागि L. बीडी-बीटी K, वीटी L. झालिसङ् em-सालसङ् A, झालसि B C, सालिसई D, सालेसि J, सांलिसई K, सालिशि L. वानि-वान A D, वानि O K L, वादि J. iii qr in J is:बीरि विषम वचन सुवि पि. सुवि-सुवें D, सुखि L. विसमां-विसमा O K. जेपि-जेपह A. जेपे D. जंदी em-उदी A, सठी B, उंदी C D, संक्षित J, आदी K, सदी L, सदिर-स्त्री B, सदर J K, स्टारी-क्टारि D. कंपि-वांपह A. वांपि K.

राज्य तणह अंगि उछाह, ऊपरि दृढ बांबीआ सवाह। वढवाहरू कोपि घडहुक्यंज, तुरक तणां दृळ साम्हृज चक्यंज।। २०७ चक्या रोसि राज्य तिणि समह, छोह तणी झढ कुण आंगमह। उचुवह कुंजर आविज भार, राज्य भलां करह हृषीयार।। २०८ बांल्ड बिरद सबे बंगाल, हॉंदू तुरक मिलिज रिणताल। हिंदूए रिणि लाधंज लाग, मारी कुछ मेल्हाच्या माग।। २०९ वरा बिपुहुर कटक तोरकूं, झगडिज राय रिणंगणि चकूं। वीरमदे पढ़ा घण घाइ, मारी उलेंछ पडीज रिण माहि।। २१० हुईह घणज मनोरय हुतज, बीरमदे साहस्यूं जीवतज। ऊपरि मलिक गया सवि मिली, दीठज राज नह पूरी रली। २११

३०७ तगाइ-तांग ४० उ. तगाई D. क्षेमि-माने ४ उद्याह—उत्साह O L, उच्छाह D, उसाह K. रह− इत इ. हुढ उ. क्षेपील-मांची A, क्षेपी ७, क्षेपा O D. सनाह-तगाह ४० उ.५ संताह D. बक्बाहरू-ववना सारू B, नवनाहरूं O, दवकी उ. घडहक्याउ-घडहिंद ८० ८ L, घडहक्यू D, घडहकी उ. तुरुक-तर्का उ. तथां—तांग ४०, तथाइ D, तथी उ. तथा—दक्षि ४ К. साम्बद ८ ला—साम्बद А, साहासु В, साहसु О D उ, साह्य L. चक्याउ-चकी उ. प्रविष्ठ ४ ० ८, चक्यु D, चकी उ.

३०८ चड्या-चरीया ४, चडिउ ८०, चडिया ४. रोसि-रोस ४००४, रोते ४. राडत-राज्य ४, रातम ८. सिसि-रोस ४००४, रोते ४. स्वार्-च्या ४००४, स्वार्य-सिस्ट ४००४, स्वार्य-च्या ४, अस्ति ४००४, अमान्यस्य ४००४, अस्ति ४००

३०९ बोलब्-बोलि छ 0 J, बोलिड् L बिश्व-लिएर J. हींब्-शिद् A L, हदेंद 0 J, हवई D. तुरक-दुरक J, तरक L. सिलिड-निल्या B, मिल्यु O, मिल्यू D, सिल्यु E, मिलिड L. रिण-रिण B D L, रण G J, हिंब्यु-शिद्ध A J, हिंदुए O, हींदुए D. रिणि-रिण A, रिण B O D, रण J. काघड-लायु B L, लायुं O D, लीयु J, लीयु S. लाग-नाग B K. मारी-मारि D. कलेख-मेल B L, स्लेख्य O, मलेख्य J. सेक्सच्या-सेस्हाव्यद A, मेहलाव्या O D J, सेल्हाव्या E.

३१० घरा-घरे B. विश्रह्य-विगव्हर A, विगुहुरे B, विगुहर O, वेगोहर D, विगुहुर स. कटक-कटकु B. तोरक्षं em.-तोरक्षं A O D J स. तुरक B B bransp as: तुरक कटकु स्थाविब-सगह B, जगिब्दे O, साणक्षं, b, साणि J, ताजि L. विर्णगणि-रायंगणि B J, रणांगण O, रणंगणि D, रण L. वर्कु-व्युक्त B, बर्कु O J, पिकु D L, कक्ठ K. वीरसवे-वीरसवेव L. वण-तणह A, त्यो B. वर्क्षु-व्युक्त B, सर्वेक्च O J, मत्य L. पश्चीव-परिट B O, पण्यु D, पण्या E. रिणा-एग B O D J. सार्थि-सांहि B D J.

२१९ बहेंब्-रीह A, इहर्र D, हर्रेबि J, हीने K, हर्रे L. बनाट-च्या B J L, च्यां D, चयो K. हुस्तड-इत्त B O J L, हर्त D, इतन K. साइच्यूं em-साइच्यां A, साइाच्यूं B, साइखं O, साइच्युं D, साइच्युं D, साइच्युं L, साहुं K. जीवनट-जीवतु B O D J L. ऊपरि-ऊपरी K. प्रख्यिक गवा-गया महिक A. मिळी-मिळि K. रीकड-पिठ B O. राज-राजत B, राय O J K,...D. ज्यां-ग A O,...B, वि J, जी K. रहकी-चक्की A. जोबल अंग तणड् अनुरागि, तुरक फमस्या दसमङ् भागि । सरोबरपालि तलहृदी अनी, लाच विच्यारि घोरि नीपनी ॥ ११२ जोबा मिसङ् मलिक तिणि वार, कपरि चक्या धवड् अंगार । हुई मेस्हाणि वात ए जिसङ्, ददा समावर आवी तिसङ् ॥ ११३ हिआङ दृह्वण आणी वणलं, सुव दीठवं बीरमदे तणलं । बांदी बोलङ् आंस् भरी, धन्य धन्य जणणी ताहरी ॥ ११४ पूरव प्रेम हीया माहि धरी, साच्य बोल कहाउ कुंबरी । रक्षाजित पांजरूं अमूर , साच्य बोल कहाउ कुंबरी । ११५ वीरवदन महिमा एवडल, चंदन अगर जाइनां फूल ॥ ११५ वीरवदन महिमा एवडल, चंपा कुस्म अनङ् केवडड । इणि परि जितन घणेरां करी, लेई मस्तक ढीली सांचरी ॥ ११६

३१२ i qr in A has crumbled away. जोषड - जूड ह, जोषु 0, जोषु 1, जाषू - तच्च 80, तणई 0, तणई 0, तणं 1, तणं 8 सनुरागि - अनुराग 80 ह, अनुरागि 1, तुरक-तरह 1 कारत्या - क्रतिया 1, क्रपाका 1. इसमंद-सरसि 8 0, रशम 1, रशमें 1, रशमें द सरोक्द - सरद 4, तसे 0. पालि-पालि 8 1 तक्कारी-तरहर 4, तक्की 1, क्रपों 1, क्रियारि - र/४ A, क्रियार 0, क्रियारि ह, क्रियारि 1. क्रपों 1, क्रियारि - र/४ A, क्रियारि 0, क्रियारि ह, क्रियारि 1. क्रपों 1, क्रियारि 1, क्रपों 1, क्रियारि - र/४ A, क्रियारि क्रपों 1, क्रियारि - र/४ A, क्रियारिक - र/४ A, क्रिय

 $\xi \xi \xi$  सिसह सिलक-भिति मलिक B, मिलक मित 0, मित मिलक D, भिलब मिलक J, मीचि मिलक E, मिचि मिलक E, तिथी B 0, तेथी D, तीथ D, बार-बारि J E, कपारे-कपारें D, उपरि E, सक्का-चिटवां B, बजबा 0, धण्ड-पित B, धण्डे 0, पुषदं D, हुँ  $\xi$ , तुँ E, तुँ E, मेल्हाणि E, सलाशि 0, मेल्हाणि D, मेल्हाण J E, मैल्हाणि E, किसह-जिति E, जाति 0, जिति J, द्वा-द्वं 0 D E L, द्वारा J सनाबर-छुनावर A, सनांवर D, कूंबरी J, सनवर E, सनांवरि L. जाबी-आबी 0 B, आदि L. तिरह-तिरि B, तिरि D, तिरि D, जिति L. तिरह-तिर B, तिर D, तिरि D, जिति E, जिति B, जिति B, तिर D, तिरि B, तिर D, तिरि B, जिति L. तिरह-तिर B, तिर D, तिरि B, जिति B, जिति B, जिति B, तिर प्रस्ति B, तिर B,

2 % हिमह्-हिर् A D, हाँह E O, हीशिंड J. दूबवण-दुङ्गण L. माणी-आणी O D, आणि J. मणदं E पूर्ण E D E K. हिर्फ-पैठंड E पूर्ण E D E K. हिर्फ E D E K. हिर्फ E D E K. हिर्फ E D E R. हिर्फ E D

३१६ वीसवदन-नीरवदिन A B, बीरवंदन K. महिमा-बहिकि B, महि महिमा K. एवडड-एवडु B O D J, केवडडं L. इबि-इच्च A, उर्ज B, कमइ-व्यति B O J, केवडडं L. इबि-इच्च A, रूपी O J, एपी D, ईची J. किवड-विकास A, वक्ष B, वरत O K, चक्क B, यतन J, वर्वरों म्प्येर्ट B, करेरा K. क्रेंक चे, ठेड् K. मकक-मुराक B, वरति K. डीकी-विकार O. सांचरी-संवरी K L. iv Qr in J is: डीकी के ईच्ची.

्षुहुती वेषि व्यार योगिकी, खक्सित रावि वाल स्वि सुणी। पातसाह मनि आणह झोक, तत्रिण जोवा आवह छोक॥ १९७ ददा सकावित तीणह कालि, मत्तक चरिजं कनकाइ थालि। असपित राय तणी कुंबरी, जोवा आबी अंतेज्री॥ १९८ दीठं वीरवदन तिणि ठाइ, विजीतेज न सहिणं जाइ। पामइ उदय जिसव अकलंक, जाणे पूनिम तणा मयंक॥ १९९ जिस्तो कमलजुग नयन विज्ञाल, तोज आणिळूं दीसह भाल। अंतेजरी भणइ किरतारि, हत्या पुरुष सिरज्या संसारि॥ १२० लागूं वली अण्रूकं मानि, जोता आवह मरण निदानि। कुंअरी भणइ प्रतिज्ञा जाणि, आगह वचन दीजं बहुआणि॥ १२१

३१७ दुहुती-पुहती A, पुहति D, पहती J. बेशि-चेर्ग D, वैशि L. नयरि-(...) A, नगर O, नगर D, नहर D, नहरि L. बोशिनी-योगनी O K, जोशिमी D. राशि-दाय A, रांह B, राह J. हाथि-हम A, हैम J. सुणी-दृषि D. पातसाह-पातशाह B J, पातसाहि O, पातिसाह K. आणह-आणि J, आणिश O, आणह D K, आणि J. सोशि B C. तयिण-तत्तिशिण A, ततियिण B J, ततिशण O, ततिशिण L. जोशा-जोहना K. आषह-आणि B D D, आणि J

३(८ द्वा-द्वां D K. सनावरि-जुनावर A, सनावर B O, सनांवर D, सनाउरा J, सनिवर K. सीम्ब्र्-तीमि A, तेमि B, तिमि O J, तेम्ह D, तीम्ह्रं K, तीमं L. सलक-(...)क A, मुत्तक B, मत्त J. धरिर्द-कर B, पख् ं D, कीऊं J, कलुं K, करिऊं L. कनकम्ब्र-कनकसी B J, कनकित O, कनकन्द्र L. धारि-चाल K. कुंबरी-चुंतरी A B D, कुंबरी J. बाखी-आवि O J, आवर्ष D, आवह K. ब्रेतेडरी-अंतेऊरी D, अंतेक्सी L.

३१९ दीठर्ड-पीटड A, पीटुं B 0, दींढूं K, पीटक L. बीरबदन-बदनबीर B, विरवदन D. तिलि-तीलि B, तेलि 0 D, तीणं L. ठाइ-टाय 0 D J. विश्वी-चुत्री A, विश्वी 0 स-नद D, में L. राइण्डिं का सहुर्ध A, विश्वी 0 स-नद D, में L. राइण्डिं का सहुर्ध B, विश्वा 3 साहुर्ख E, वाहुर्ख E, व

३२० किस्सॉ-जिसा ४, जिस्सा ६, यस्सा ०, जिशा ४, जिसा ४, जिस्सा ४, किस्सा ८. कम्सक-कमां ७ ८. युग-युगल 
В ०, ते ४. नयन-नयण ० ४. विकाल-विसाल ४ ०, विशाला ४. तेजि-तिस्यृ ४, तेज ० ० ४, तिर्धु छैस् ४. सामिर्द्ध-व्यापिर्द्ध ३ ४, ब्यागलुं ० ०, ब्यानले ४, ब्यागलं ४. विस्त्रु-चिसि ४ ० ४, वीसर्थ ०,...४. साक-मार्थ ४. करिवरी-अतिवरी ०. मण्यु- ८. )णइ ४, मणि ४ ४. किरतारि ८० करतार ४, किरतार ४० ० ४, व्याप्त ४, करतारि ४, करतारि ८. हव्या-स्ता ४, इशा ४ ४, इस्या ४. युक्य-युल्य ०, पुरिष ४, पुरुष ४. स्तिरम्या-विरच्या ४, वरच्या ४० ४, व्याप्ती-व्याप ४.

हे २१ कार्यू-जार्ड D E. बण्यूरं-जग्दं A, जन्तूर O, जन्तूर D, अर्ण्दं J, जन्तुरं E. सानि-जांति C D J, नाति L. कोरा-जे तां J, वेर्ड E, बोता L. समझ-जांति B C J. क्षिताल-निर्दाति A O, विदान D कुंबर्य-कुन्ति A, कुंबरी B, कुंबरि D, कुनरी E. अमझ-जॉक B C J. प्रतिक्षा-गत्तता A, जर्तना K, प्रतिन्या L. क्षाली-जांति A, जाने B, वांत्री E. बास्य-वांति B C J. बच्च-(...) A. दीर्ज-वेर्ड A, दिने D, वैर्ड डं, दिनट E, वर्षु L. चहुकालि-बहुदाति A B, वर्डुवांति D, जहुवांति J, जहुकांति E, बहुकांति E,

## बीर वचन लोपइ आपणूं, जे सुव नहीं जोडं कुंअरी तणडं ॥ २२२ ॥ दृहा ॥

जे सुकुळीणा साहसी, ते मरणि न मूंकह माण ।

मस्तक ऊपराठडं थयुं वीर तणडं चहुआण ॥

३२३
सिद्धि निरंतर ते उहह, सत्त न छंडह जेउ ।

मरण पृठि पाम्यड वली कीरति वीरमदेउ ॥

१३४
एक असंभम ते भणडं, जे नीर तह्या पाषाण ।

मरण पृठि मस्तक फिरिडं, बीजूं ए परमाण ॥

३२५

॥ राग मालपस् सामेरी ॥

पूरव प्रेम संभारीज, आंसूडे भीनज हार जी। गुण फीटी अवगुण थया, अम्ह कहि कारणि सिणगार जी।। ३२६

३२२ बचन-बन त. छोराह्-न लोपइ त. होपि ४. पालिट ०, न लोपई ०, लोपि ४. णायपूं-आंपपूं ४. लापपुं ० ०, लापपं ० ०, लापरं ०, ०, लाप

दे२६ दूरा-बुहा D, L, जे-बे O. सुकुलीणा-सुक्तीणा A B J, सकुलीण नि O, सुकुलीणा D, सकुलीणां D, सकुलीणां K, साहसी-साहसी L. ते- B O J, मृत्यं D, पुंकह em-मृत्यं A, मृत्यं D, पुंकह em-मृत्यं A, मृत्यं D, पुंकह em-मृत्यं L, मृत्यं L, मृत्यं E, पुंकह em-मृत्यं L, मृत्यं E, पुंकह em-मृत्यं L, मृत्यं E, पुंकह em-मृत्यं L, स्वयं E, पुंकह em-मृत्यं L, स्वयं E, स्

३२४ सिदि-सिघ D, सिधि K. मिरंतर-निरंतिर K ते-जे B L. छड्डा —छहि B O J L. सन्त-सत Δ O, सल B K. कंडा —छिंदि B J, मुक्ति O, छांडा D. जोड-जेंद्र A, सेट O J, येड L. प्रिटे-पकी O, पूंठी D, पूर्वि J, प्रस्य B D—पास्त्र A, पास्त्र B, पास्

हेदभ ते-(.) A, बात प्र. ता L. अणर्ड-अण्डे B J, अण्डे C D, हुआ प्र. तिण्डे L. सीय-पाणीह C, स्वाप्त-पाणा C D, अरण-परिण B, स्वाप्त C पहिन्द्वि C. अरण-परिण B, स्वाप्त C पहिन्द्वि C D, पिर्वेद - पृद्धि C D, पिर्वेद - पृद्धि C D, पिर्वेद - पृद्धि C D, पिर्वेद J, दिख्युं प्र. तिस्तिः L. बीर्यू-बीर्जु C D, सीजउ प्र. यू-पृद्ध C, ते L. परसाण-परिमाण A, पीर्दाण C J, प्रसाण D.

३२६ राग-... A, इवर्ड गीत ॥ राग L. साक्यरचु-नालगीसू A, मावस्य p, मालग्य ह. सामेरी-वामेरी राग A, सामेरी — रागेरी सामेरी L. O omits the enture song, i. e. vss 326-329. प्रेस-प्रेन ह. संस्वरीड— स्वारीद A, संवरीवय ह. कांचुरे-ज (...) के A, आंखु D, आंखुकडे J. औत्तर em-मीनर A, सीचु B J, भीचे D ह. रुग-पुंग D. कबर्गुण-कवर्गुण D. यदा-प्या L. कबर्-दम B. कारकी—करिंब सि B, करण D J. सिकार की मीचियार जी ह L.

॥ द्रूपद ॥ सगुण सळ्णा राउठ रूसणूं किस्यूं । हुं ता प्रेमगहेलडी, तुं सोनिगिरउ चहुआण जी ॥

सगुण ॥

**३२७** 

तूं तां प्राणव माहरज, हूं ताहरडी घरि नारि जी। जनम एक अंतरि गयज, सो नेहलु म बीसारि जी।।

सगुण ॥ ३२८

स्तुण ॥ हीयडलूं घणूं गहिबरिउं, तुं सुणि न अम्हारा नाध जी । तं अमरापुरि संचक्कड, हं मरणि न मेव्हं साथ जी ॥

सगुण॥ ३२९

## ॥ चउपई ॥

कुंअरी कारण हीयडइ घरइ, थई ऊपराठी आंसू भरइ। कुंअरी तणउं अंग पलभलइ, लिष्यउं विघात्रा ते किम टलइ॥ ३३०

३२(७ इपद-...A B D J K. सर्गुण-तुगण A B, सगण J L. सर्दुणा-सर्दुणा A L, सर्गुणा K. राडळ-राउत द्रं B, इस्तर्ण्-स्तर्ण A, स्वर्णु D K, स्तराजा L. किस्त्र्यं-किर्स् A, कर्र जी B, किर्द्ध J, किर्द्ध E, किर्स्य L. हूं-हुं D K. ता-ता B J L. गहेळडी -गहेल ( . ) A, गहिल्ली K L. द्रं-हुं A D, द्वा K. सोलिगर-सोनगिर B D J, सोलीगिर K, सोलिगर E. जहूबाण जी -वृद्धाण जी A B, वाहुब्लाण जी D, वर्ष्ठाण जी L. सर्गुण-सुगण-सुगण-क्षांकण D.

३२८ स्-तुं त घ ह. ता-तु व, ता ह. प्राणव-आणद D, आंगज J, आंगज E. साहरव-साहर जी व, माहर D L, साहरा J, माहरे ह. हूं तुं के B ह, हूं तो D, हूं ता J, ताहरवी-ताहरी B D J. चरि-चन A, बर J L. A B Omit v 8 328 b. ब्रॉलरि-अंतर ह. त्याव-गयु D J L. सो नेहलु-सनेह ह, स्मोहलु L. म-मीठंड ह, में L. विस्तार जी-वीसारी जी D, वीसारी J, संचार जी ह. सगुण-सगुण सद्द्या राउडिंक A, सम. B. सरण D. सगण D. सगण - J... E. सगल L.

३-९ क्षियकर्स्-अविश्व हर्षेयक् छ, ह्र्स्पवर्ख D, ह्र्स्पवर्ख J, हीअवर्ख K, ह्रीह्रंब्र्स L. वर्ष्य्-वण A L, पर्यु D K, सिक्सिंट-पहनस्ट A, गहिषक्ष B, गह्यक्ष D, गहिष्यक्ष E, गहिष्यक्ष L क्ष्मि- $(\dots)$  A. क- नि J, नं L. अक्सार-अवरिंट जी B, सांवरित D J, संचरित D J, संचरित

देदे • जराई-जुपै B J, जु॰ 0, चीपाँ L. कुंगरी \_5 मि, कुंगरी D, कुंगरी J, कुंगरी J, कुंगरी J, कुंगरी J, कुंगरी L ह brausp as: कारण कुनरी, डीमबाइ-चेवां B, हैंदि 0, डीएइ D, डीमांट J, हिरह ह, हैंद L, स्वाइ-चेरी A, चेरिह B, चां चां B, D कीर्य, -कोंड प्रति A, चेरिह B, चां चां B, D कीर्र J, अराह D, चिरह E. कुंगरी-जुनरी A, कुंगरी B, कुंगरी D, अर्थर, -कोंड कुंगरी J E. तमार्च -क्यां A B J L, तार्च D, तमांच E. चकंगराक्ट् — (.) अन्मव्य A, एकमविल् B, क्ष्ममि D J, किमवाई -किंगु B, किंगु 0 D E, कचिंच J, क्यियं L. विचाला-निवाता B O D, विचाला L, किंग-नीवं A. टक्क्य-टकिंट B, टक्के 0 J, न टक्कं L. किंग-नीवं A. टक्क्य-टकिंट B, टक्के 0 J, न टक्कं L. यमुना नदी जई तिणि स्वरं, मस्तक तस्यु करिए संस्कार ।

मरण मणी एकमणी वर्ड, मा मंदिरि मोकलावा गई ॥

पातसाहनह करणे लागि, वेगि संचरी आयस मागि ॥

अवला संगि पतली आहि, इंपाण्युं जिमनाजल माहि ।

नरनारी वे पुण्यमसंगि, वेवलोक पाम्यां मनरंमि ॥

अगाइ स्वर्षि कही कुंअरी, त्वचन सवे हईआ माहि धरी ।

आह मास अवधि परिमाज, पाम्यव मरण पष्टह सुरताण ॥

३३३

तीणह संशि वीरमदे नंद, मेगलदेवि दील आणंद ॥

देश सोनिगिरां कुलि साहस घणनं, अंबराज मेगलदे तणव ।

पदमनाभ मति बोलह इसी, आंबा तणव पुत्र वेतसी॥

३२२ सबका-अवला K. कॅमि-अंग L. एतली-(...) ली A, एतलि D. बाहि-आहि O. झंपाल्युं-संपाल्यु A, झंपालिये B, जब झंपाल्युं O, झापाल्युं K, झंपालिके L. जिसमा-स्थाना B, स्रमुता O D J K, दिसुना L. जबल-...O. साहि-माहि B O J. के-मी 7. o comits 332 b पुण्य-पुंत्य A, पुत्य L. प्रसंसि-माशि K. देवलोक-वेवलोकि B J K, देवलोके D. पास्थां-पास्था B L, पुद्ता D, पुदुतां J, पास्या K.

हेक्द्र Lomits vs 388 जानक्-जाणि BO J कुंकरी-कुंबरी ABD, कुंकरी J. दहंबा-ही() A, हैंबा B, हीपा D, हीपडा J, हिवा K. साहि-(, ) हि A, साहि B K, साहि D. बारु-जठ K. जाल-साहि D J. परिसाण-परसाण B, परिसाण O D, परिसाणि J, परसांण K. वास्यक cm—पानुं A, पासिक B, पानुं D, पानुं J, पांस्य K. सरण-जसर D. पड्यू-पडि B D J. द्वुरताणि D I, दुरताणि J. म

६ देश काम्ब्र-म्हेन्द्र में, कंन्द्र © L, कंहांन J, कान्द्र К. लगब-तग A, तणु B C D J L. उत्तस-उत्तस A, कत्तम O, उत्तिस K. व्यवदार-वावतीर K. कविश्वति-व्यव्या B K, इन्वयुति O, इन्वयुति D, कर्मुति J, काविश्वति L. वट-वर् में B. दर्गेण-दरस्त A B इरसण O, दरिशन L. तीव्यव्य-तेशि B D, तिथि J, तीव्य K, प्रति प. सेवि-(...) A, दिवि O, वि D, वेच J. मेराकदेवि-नेगवलेव A, मयावलेवि प्र, मान्द्रिवि K, नेवन्गविवि L. वीव-तुर्च A, वयु B, अवस K, त्यु L. व्याव्यंद्र-वानंद O D, अंगंद L.

३३५ सोनिगरां-सोनिगरा ८० J, सोनिगरी D, सोनिगरां ह. साहक-सहस ह. बणाई-कर्ष् B, बर्चु D J, एचु J, क्लाउ ह. ६ comits ii qr. क्रंबराब-अलंबराज B, अधुराज D. क्रेसकर्द-नोकार्ष D, मनाव्ये J, मेरिगरे L. तणा-राष्ट्रं B, राष्ट्र O J, राष्ट्रं D L. Jomite ve 835 b. व्यवस्थाल-प्यानस BL, स्थानासि E. स्थान-सुवि L. बोक्ट्-पूर A, बोक्टं B C. राजव-राष्ट्र A BL. ज्ञान-(...)
A. केराधी-मेराबी O.

िष्मीबंत बेतवी तणव, अषड्राज सोनिगिरक अशुं । ब्राक्षण तणा कराज्या ज्याग, सका लाव जिनि दीवा त्याग ॥ १२६ अवयराज केतल्यं व्याण, जिन्न सिंह सोन्स्यां बुराण । कीरति पुज्य राष्ट्री वित्तरी, विष्णु मगतिः निषि काची करी ॥ १२७ मोजन वारि नितु अपर्राज, अतिकि मणी मृकाषी बाज । जनम लगड़ जयदात सुण्यव, परनारीसहोदर भाष्य ॥ ११८ अषहराज उत्तम अवतार, जेड्रमां पुज्य न लाभड़ पार । विष्णु कीरति कान्स्ड दे तणी, अषहराजि अज्ञाणी धणी ॥ १२९ वीसलनारच नागर एक, पद्यनाभ कवि पुण्यविषेक । एड्डं विरद आदरर अनी, उष्ट बुद्धि कविजनरंजनी ॥ १४०

३३६ किप्सीबंत—कश्मीबंत A L, लयमीबंद B, लयमीबंत O, लयिमीबंत J. वेवसी तणड—तजु बेतसी तजु B, बेतसी तजु O J, बेतमी तजु D L. वायहराज—आपणि राजि B, आविराज O, अवसराज D J. सोलिसिंट—सेतमीसर B, सोमगिक O D J, सोलिगरे B, सोतिगिक L. मणु-तजु B, सजु O J L. बाह्यण— ताह्यण A O L, ब्राह्मण J, ब्रह्मण K. तणा-पांहि O, तणां D. ज्वाग—याग B O D J, जाग L. विक्रि— जिल A, जेपि O, जीर्ण L. दीया—विषु O.

३३७ व्यवस्राज-अव(...) A, आपिराज B, अपिराज O, जवहराज K L. केटलर्ट-केत्रहें A D, केटलें B, केतल्ड K, केतल्ड L, व्यवाण-वर्षण O D J K. खिली-जीगह A, जोणि B O D, जीणे L सोक्रवर्षा संस्कीयां A, सांभवित्यां B, सामस्या O D K L. दुराण-पुरांण O D K L. दुण्य-पुर-त A तणी-... D. किलारी-विलारि D. किल्यु-विक्य A, विक्युं D, विश्व L. असाल-असिक A, अस्कि D. किला-जीण B O D, तेज J, विक्य R, वीक्रीर.

३३८ वारि-वेलां A O, बार D K. लितु-निर्ति A, जे O, निर्तु D, निर्तु L. व्यवहराज्ञ-क्सपिराज घ, अपिराज C, अववस्याज D J. व्यक्तिष्यं-अतिथ O K, अतीष D, अतीष्य J. अपणे-चणी A. वृद्ध्वाधी-मृह्याधि O, स्कृत्या D, स्ंकृत्या D, मृकृत्या K, मृकृत्वा L. वाज-वांज K. कमाइ-लिंग B O J, कमाई D, व्यवस्ता च्यत्यंतु D J L. सुच्या-सुण्चं A, सुण्डं B D, सुण्डं C J, सुण्डं L प्रवादी-परनातिक्ष L. अच्याड-मुण्डं A, अण्डं C D, अण्डं A, अणिट O, अण्डं L. प्रवादी-परनातिक्ष L. अच्याड-मुण्डं A D, अण्डं B, अणिट O, अण्डं L.

३३९ व्यवहराज-अस्म (..) A, जापिराज B, अधिराज O, अपनराज D J. बक्तम-उत्तम A, इतिम K. केहना-जेहां A, जेहना E D J, तेहना O, लेहां L. युण्य-पुन्य A. व कामह-न कामि B, त्या नहीं O J, निवं कामह K. औपाह-जीि B D, जोिं O, जािं D, तों पं L. कीरिन-किरत D. काण्यवदे-कान्त्रक्रें A. J L. काण्यराजि — आपराजि D, अपिराजि O, अपेराजि D, अप्यराजि J, अपहराजे L. अज्ञाति—अञ्चाको A B, K interpolates after vs 339: तास पुत्र पुर्वी निरमण राजंक्त्री कृतीसह मका । शंकर मीम ज ते उदिवंत चाहुआंण भूपति कुल्वता ॥

३५० बीलकनगर --वीललनगर B D, बीसलनगर माहि J, वीसलनगर L. नागर -...A, नागर द्व. यदमनाम-पद(...) A, पदानाभ B L, पदमनाभि E. कबि-(..)वि A, कि L. प्रवृद्ध-पृष्ट् A, पृत्वी B, पृद्ध के, पृद्ध दे, वृद्ध L. विदय-पुष्प B, विवर D J, विचे द्व. वायव्य-आविर B J, आदरे D. अमी-अन्य A, जेनकि E. कब्ब-विद्या B J L, लाहि D. हक्दि-वृद्धी D, द्विष E L. रेकसी-राजनी J. a reads this 98 86 foll: कविका एक यद पोति कब्बुं बीलकनगर वापरे मर्खुं। पदमनाका सकीः माहानंत्रकी: बहुं हक्कि कविकारिकती B माह भारती तणह पसाह, अक्षरबंघ बुद्धिरस थाह ।
अपहराज सीचामण सरी, पदमनाभ कीरति विस्तरी ॥
सांभछतां सरीर बल्हसह, चउपई बंघ इसी हग्यारसह ।
च्यारि चंड जिस्यां नवनीत, दृहा चउपई मधुरां गीत ॥
पंचतालीसउ पृढि वरीस, मास मागसिर पृनिम दीस ।
संवत पंनर बारोतरउ, तिणि दिनि सोमवार विस्तह ॥
आलहुर गढ उत्तम ठाउ, राउठ कान्ह माछदे राउ ।
पदमुन्स भति आणी नवी, तेह तणी कीरति वर्णवी ॥ ३४४
एक्विंति जे नर सांभछह, तेह तणां सवि दुकृत ठठह ।
जे कल लाभइ दीघह दानि, जे फल गंगा तणह सनानि ॥ ३४४

हेश्वर Jomits vs 342 a. सांगळतां-सोमकता к. सरीर-विशेर त., शरीर B, सरीर D, विरोर L. वक्ट्सूस्-जब्हिस् B, उकरि D, उकरि D, उकरि E, उकरि D, उक्टि D, उकरि प्र क्रमा है B, उक्ति D, उक्ति B, उकरि E, इसि L, इस्पास्स-जुकर्द A, सातिष्ठ B, नविर C, सातिष्ठ B, नविर C, सातिष्ठ B, नविर C, क्रमा D, जिस्सा J, जिस्सा L, क्रसा D, जिस्सा J, जेस्सा L, जिस्सा D, जिस्सा J, जेस्सा L, क्रसा B, जस्म C, क्रमा D, जिस्सा J, जेस्सा L, क्रमा B, क्रमा C, क्रमा B, जसि B, च्रमा B, जसि B, च्रमा B, जसि B, च्रमा B, जसि B, च्रमा B, च्रमा

३४५  $_{\rm J}$  omits vss 345–350. निर्मेश-निर्मित  $_{\rm A}$ , निर्म  $_{\rm B}$  O  $_{\rm B}$  ने  $_{\rm C}$  (.)  $_{\rm A}$ , सांसाक्ष्य  $_{\rm B}$  सांसाक्ष्य  $_{\rm B}$   $_{\rm C}$   $_{\rm C}$ 

वे फळ हुइ तप कीषश्च सदा, वे फळ हुइ दर्शन नरवदा । वे फळ सत्य वचन प्रमाण, वे फळ हुइ सांअठीइ पुराण॥ २४६ वे फळ पामइ तपसी सवे, वे फळ हुइ बांद छोडवे । वे फळ पामइ तपसी सवे, वे फळ मेठ्यां हुइ प्रियाणि॥ २४७ वे फळ पामइ गंगाद्वारि, वे फळ मेठ्यां हुइ प्रियाणि॥ २४७ वे फळ पामइ गंगाद्वारि, वे फळ मेठ्यां गोदावरी॥ २४८ वे फळ नारायण दीठइ नेत्रि, वे फळ हुइ दानि कुरुषेत्रि । वे फळ पामइ साहित सती, वे फळ हुइ दानि कुरुषेत्रि । ३४८ वे फळ पामइ साहित सती, वे फळ हुइ साम्रामित ॥ २४९ वे फळ उहइ हारिकां छमाति, वे फळ मेठ्यां हुइ प्रमासि । ३५० का फळ मेठ्यां हुइ प्रमासि । वे फळ हुइ सुगतिपुरी साति, रामनाम वच्चरह प्रभासि ॥ २५० कान्हडचरिय कि को नर भणइ, एकचित्ति कि को नर सुणइ । तीरथफळ बोट्युं जेतलुं, पामइ पुण्य सवे तेतलुं ॥

देशद हुद्द-तद K. कीशद-कीर A, कीशिर B, कीशि O सदा-छमा A, वर्ती O D K. कळ-पत K. हुद्द-हुर K. वृद्दोनि-आयू A, वर्रत B K, स्वादानि O. वृद्दया-वर्षदा B, मिली O, नीमंली D, निरस्की K. समाज-परमाज B, प्रमाज O D, परामाज K. हुद्द-हुर K. सांमठीद्द-सांमठि B O D, सीमा...K. K MS ends here, it's last folio is lost. दुर्गाज-पुराण B, पुराज D.

देश्व पामह्-पामह् A, लिह B, हुइ 0, लही D. वपसी-तपसी 0, तापित D. हुइ-हुई D. बांद्-बांच A, बंद B D, बंदि C. क्रोबर्च-() वर्षे A, अंद B D, बांद-क्रीच B, क्रांच्य D. बांचि-ज्यागि D. क्रेज्यां हुइ-हुइ भेटि B. प्रियागि-प्राग B, 0 reads as 347 b: के इस दूर प्राप्त प्रमाणि पाप B, क्रांच्य प्रमाणि पाप कालहर काल्ड्य राजि.

३४८ o omts vs 348. पामइ em-हुइ A, पास B, पासई D. सेटि-पास्यइ A, मेटे D. डब्सी-ऊ(.) री A, उपरि D. सेट्यां-सेटीयां A, मेटिइ B. गोदाबरी-गोदावरि D.

३४९ जे-जें B. फल-. . O D. दीटह-चीठि B O. नेत्रि-नेत्र D. जे फल हुइ-जे॰ (=जे फल हुइ) B. दानि-दानि A, रान O, रान D. कुरनेत्र-कुरहोत्रि B, कुरनेत्र D. जे फल प्रसह-जे॰ B, जे फल पासि O, जे फल पांसई D. साहस्ट-साहस्ट B. हुइ नाझां-हुर शांनि A, साह सास B, नाखां हुइ D. गोमती-पोमति D.

३५० с omits vs 350. जे फळ-जे॰ B. जहङ्ग-लिह B. हुद्द D. जमासि-लम्मास B. यट मासि D. ii qr in A is जे फल पांगी लागी पासि. B omits ii qr. फळ हुद्द-फळ्ट D. द्वापित-शुफ्त B. सासि-सात A. तास B. रामनाम-रामनांम D. उच्चरह−ज्ः. ) A. उच्चर B After 350 b B interpolates विष्णमक्ति करेंद्र विनरात्रि.

३५१ काम्ब्रक्षिय em-कांन्ह्रव्यरिय A, कान्ह्र्यरित BOD, कांह्रान्यरित्र J. कि-य 0, जे D J. को-के A, जे D,...7. वर-...D. सण्ड्र-मणिद B, मणि 0, सांमलि J. एकचियि -एकचियि A, विश्व करीनि 0. जिन्जे A,...0, के D. का-क्यां 0. सुण्यु-सुण्यु B, सुणि 0, सुंप्र D. li qr in J is: तेह तणी आशा सिव कि. J omits vs 351b. सीव्य-तीय D. कक-मि B, पुण्य 0. बोक्यु-भियां B, कोलुं 0, बोक्युं D. कोल्यु-सिव्य B, केल्यु-जेतला B, केलुं 0 D. पामह्-पामह A, पानि B 0, पामह् D. पुण्य प्रथम-पुण्य D. स्वे-सर्थ B. सेल्यु-तेतला B, तेलुं 0 D.

प्रेम संगि सवि सज्जन मिठइ, जास मनोरथ सहुइ फलइ। प्राकृतबंध कवित मति करी, कलियुगि कथा अभय विस्तरी॥ ३५२ चाहुआणकुलि कीरति धणी, पूगड आस सविकहि तणी। पदमनाभ पंडित मति कही, चडथा पंड समाप्ति हुई॥ ३५३

३५२ о J omit vs 352 a. प्रेस-पुष्पि B. प्रेस D. संवि-(.) वि A. संग B. सबि-सबे D. सम्बन्धन A. जन D. सिक्ट-किल्ड्रं A. सिक्ट B. बास-पुष्पि आस B. पुरुष्टे आस D. सहूर-...B D. स्वार-पुष्पि आस B. प्रकृत अप D. सहूर-...B D. स्वार-पुष्पि अस्ति B. सहत्वस्थ-प्राहृतस्थ D. कबिल्डा-वित J. सित स्वरी-सुतरी A. प्रेस परी B. कब्लिल्डा-जुल्युग O. कुळ्यूनि D. कब्ल्युन D. कब्ल्युन D. कब्ल्युन D. कुळ्यूनि प्रकृत्युग क्राया B. J. ब्रिस्टिन C. विक्रानि-विल्लि D.

३५३ बाहुबाण em—वाहुबाण A B, जहुआण C, जाहुआण D, जहुआणा J पूराउ em—पूजर A, प्रि B, फहा C, एर्स् D, पुण J, स्विकहिं-सर्व मन A, राविकह B, सबि सजन C, सवेकहिं D. तणी—राजी B, o D J omits 353 b. परमाना-परानाभ B. सति—मि A. B transp as: मति पंडित B. कही—भणी B. iv qr in B is: आता पुरै सचिवह तणी.

Note-The colophons of the fourth Khanda are:

हति श्री कोन्ह्यमि( य )सपूर्ण मिति ॥ सक्त २५ आषाबादि ९८ वर्षे श्री आजोरगढ महाकुर्मे विहारीक्षेत्रे मिक्किया अक्षेत्रस् क्षित्रस्याच्ये श्री अवकानके शांधािराज श्री गुणनिधानस्थि विद्यमाने वा॰ श्री वेक्स्राज सिच्य सार्वेत्रस्य महोपाध्याय क्षि या । जयलध्यमिष वा॰ श्री भानुजिध्यगि त्विष्यतं ॥ यं. चारिज्ञविध्य-वाचनार्थे ॥ काती विदे र पुरुवारे त्विष्यतं (मू ) ॥ ٨,

चतुर्थ पंड ॥ सं (...) पोष सु ५ B;

इति कोन्दर्श्व चहुआण चतुर्ण खंड सपूर्णम् चतुर्थ खंड मध्ये जालुरि गढरोडु वर्ष ८ संबत् १६६८ गढर्समा प्राप्त अलाखीन कोन्दर्श्व पक्षी मार्च ८ अलाखीनमञ्जु तिहारपछी सबत् १५५२ परमनाभ पंदित रास उद्धाता सं- १५५१ वर्षे कार्रिक वरि १५ सोमे ८;

हति कान्द्रदेशबंध चतुर्थ षंड समाप्तं ॥ व्हीं सः १९।३० माहा श्रद २ वार भोमें।ऋपभग्रशादात् गां।बीसानयरे। रुं। पं। कत्याणविजयजी ततः। शीष्य मुं। मोतिबंद। सयै पं। दयाविजयजी चतुर्मासे कृत्वा। ५ मी बसंत D;

इति श्रीराउल कोन्हरूदे पवाडु रास । सपूर्णः ॥ श्रीरस्तुः ॥ श्रुगं भवतु ॥ लेषकपाठकयोः ॥ उ.

## परि शिष्ट APPENDICES

## Appendix I

# Summary of omissions and readings common to the different manuscripts

## A-Common omissions

Khaṇḍa I-B G K omit vs 35.	DJ reverse the verse-order of vss 16-17 (as 17a, 16a; 16b, 17b.)
"Bhadauli-Order of ll in авко 18 49-54, 48-46, 55-58 47, 48, 59. в н omit l 110.	
"ABDHK omit vs 256 b.	oj give vs 256 b
Khanda II	
Khanda III-BL omit vs 21.	CDJ omit vs 6
" BCK " " 56.	DJ " " 113.
" АВК " "167 b.	ODJI give vs 167 b.
" ABEL " the	CDJK give the interpolated
interpolated carana	carana.
preceding vs 244	
" A B D J Omit vs 251 b.	
Khaṇḍa IV-BODJKL omit vs 41 b.	D J omit vs 62 b. C omits vss 68-70 D vs 68 a
въ ", 75 b.	<sup>3</sup> " vs 70 b ∫

```
c omits vs 99
                                         vs 99 }
vs 99 b }
                                            102 b l
                                            102
                               o D J omit vss 241-4.
                                            262-3.
                                   omits vs 266
                              DJ omit vs 266 b
                               DJ omit vs 267 b.
B L omit vs 271 ii qr-272 i qr.
                                  omits vss 268-274
                                            269 b-275
268 b-274
                              D
                              CJL omit vs 276.
                              σp " " 277 b.
                                  omits vss 279-280
                                        ,, 279-281 a
                                        vs 280
                                        vss 284-5 
vs 284 b
                                  omits
                              gr omit vss 300-304
 AB omit vs 328 b.
                              c J omit vs 352 a.
                              ODJ "
                                             353 b.
```

vs no	A	K	В	E	G(H)	L
I 85		omits	omits		omits	
,, 52		प <b>हिल</b> उ	पहिला		पहिला	
,, 58	(A ms starts	हिवडी छल	इवि छल	1	हिवडी छल	
"	from vs 62)	नवि छांड	नबि छांडू		नवि छाडु	
,, 62	कोट	षांडि	वाणि	1	कोट	1
,, 66	भेलिउ	भेल्यउ	<b>હી</b> ધુ		€ੀਠਤ	Ì
, 70	भाइ	अतिहि	चोर	1 1	थोर	
,74	हइ हाक	हुई हाक	हईआढक		हड् उगि	
, 75	षजूर	विजूरां	वजुरां	(E MSsta-	बीजोरा	
"	वनफल नीलां	केलिहरां	बहु केला	rts from vs 83)	केलहिरा	
, 85	असण	आसणि	असन	असणि	असण	
, 87	चिहुं दिसि	चिहुं दिसि	चिहुं दिसि	चिहुसई	चिहोसइ	
, 90	जे हुंतउ	जे हुंतउ	बीजि दीहि जाणे	बीजइ दी	बीजि दी	
, 96	भाजई	आगड	नांगी	नांगइ	नांगइ	
, 97	देव गया	देव गया	देवि छीउ	देवउल	दैव लीउ	
	प्रधान	त्रियाण -	414 010	प्रधान	प्रधान	
711	जीता	जीता	जीता	जे <b>धा</b>	लीधा	
110	गंगा	गोरी	गंगा	गौरी	वावा	
′ 1	थोडइ	বন্তহ	বুন্ত	1	রুন্ত	
, 123 , 135	भाउर सोलंकी	सोलंकी	શુંછ શોમતુ	तछ	g <sub>o</sub>	
149	कड़ कोन्हड	रतलका	रतम्यु टलतु हूं सार्चि			
, 143	यम् कान्द्रक दलतं	कुणहीन <b>इ</b>	दलते हैं साज		टलतु नाइ्छ	
, 164	उलवइ बइसी	उलवइ	उलवि बिसी	1	उलबङ् बयसी	
		बङ्सी				
,, 177	वि <b>गृ</b> पत	विगूचतां	विगृचत	विपत	विगृपति	
,, 183	करी सजाई पुहर	करी सजाई	करी सजाई पुहुरि	करी सजाई	करी सजाइ पुहर	
	पाछिला तेच्या	पहुर पाछिलइ	पाछलि ते <del>ड्</del> या	पहुर पाछिलइ	पाछलि तेज्या	
	राउत रांधा	तेच्या राउत	राउत राणा	तेडिया राउत	राउत रांणा	
21.		रांणां		रोणा		
,, 214	कहाइ	होइं	जाणिइ	ति लहीइ	जणाइ	
,, 216	कीधा	गास	गाला	गाला	गाला	
" 256 b	omits	omits	omits	at I 242)	omits	
II 7		भणइ छस्यां	भणि छसा	,	भणि खुशा	
,, 24	बोलाव्यउ	भाव्यउ	भान्यु		विख	1
,, 29	चूक	कृंच	कूड		কুন্ত	(LMS
,, 42	इस बोलह	इम जोयुं	इम जोड्		<b>मं</b> जोहरि	starts
,, 43	वाहइ	वाहइ	वाहि		वाहि	from
,, 45	अवाला	अवला	नि अघळ		अवाका	V8 99
99	धान	भान	बहुया			

С	D	J	F
सूर धीर अनइ सपराणु	अल्खान बलवंतु बंदउ	अल्पान बलवंतु बांदु	अल्अवान बलवेतु बंदर
पातसाहि तव तेड	महुल मांहि तेडावर	महल माहि ते तेड	मुहळि आगिलइ तेडर
अह्म	साहमा	साहमु	
इवि बल न छांडुं	छयल भणइ नवि छांडडं	छिल भणि नवि छांडूं	पहिला छयल भणइ नवि छां <b>डं</b>
पोलि	छीड़ं	ਦੀਵੂਂ	04 4.16 11.1 010
ਵੀਠਰਂ	दिठउ	बीठउ	
घणुं	धार	गोर	
हुई हाक	हीया द्रगि	हुईया ध्रमि	
बीजोरां	बीजोरा	बीजोरा	
नालिकेरां	केलेहरा	केलिहरां	
असूर	कटक	कटक	
चिहूं पवि	चिहु दसि	चिहुं दिसि	चिहंसइ
जे कहीडं	जे कहीई	जे हुंतु	जे कहीइ
नांगी े	नोगइ	नागि	लागइ
देव ग्यु	देव गया	देव हवा	देव गउ
मत्रि प्रधान	प्रधान	प्रधांन	प्रधान मैत्रि
जीता	जाता	जीता	जीता
गिवरि	गौरि	गौरी	गौरी
उछि	उछड्	<b>कं</b> खि	ব্রঞ্জি
सोभाउत	नि सोभुतु	सोभायत	सोभित
टलतुं कांन्हजी	बलतुं कान्हजी	टलत्ं कान्हडदे	टलतुकहिना इ्छ
राति अंधारइ	रात्रि अंधारइं	रात्रि अंधारी	उलबह बहसी
बलवलतां	विगूचतां	विलविलता	विगोपत
			(FMs ends)
कान्हडदेनि जो वली	कान्हडदेने जो वली वचने	कांन्हडदेने उत्तम वचने	•
वचनि मिल्याज राणो राणि	मिल्याज राणी रा राणी	मिलीआ राणोराणि	
चाहि			
चाह कीघा	न्नहाइ गार्सी	लहीइ कीषां	
काथ। पदमनाभि वात ईम कही	omits	कावा प्रथमनाभ पंडित ईम कहि	
पहिला वंड समापति हुई	ошив	प्रथम वंड समापति कहि	
याङ्का पड समापात हूड् खस्या वीसि	<b>छस्या दीस</b> इ	नांषि आभरणह	
व्यस्था चास ते भाविउ	रक्ष्या दासङ् ते <b>डा</b> विउ	नाम जामरणह अणाञ्ज	
त भाषा कृष	कु <b>ड</b>	क्र क्र	
मूज मंजोहरि	मूजोहरि मंजोहरि	र्मुजोहरि मंजोहरि	
भजाहार भाजि	भगाहार भाजह	भगाहार भाजि	
स्वाज सर्वेझा	পাত্রহ	भाज अवेद्या	
क्या	4607	जन्म। धांन	
Alat	ADM1	411	

	,	,				
vs no	A	K	В	E	G(H)	L
II 109	जागह	जाइं	जागि		जागि	जागो
,, 111	नइ	नइ	नि	1	अनि	नइ
,, 118	झखपीनइ	झडपीनइ	झडप देईनिइ		<b>स्टीन</b> इ	ते झडपई
,, 116	पाउल	ਪਾਰਲ	पाउल		पाउल	बाला
,, 122	प्रतापि	प्रशाद	त्रतार्पि	1	प्रतापि	प्रतापि
,, 126	धाई	धाई	घाइ		आवि	थाइ
,, 128	पडत	पडतर	करतु		फिरतु	फिरितो
,, 150	कान्हडदेय	काल्डि तुम्हे देव		1	कालि तम तेह	कान्हडदेय
,, 152	प्रभावि	प्रमाणइ	प्रभावि		प्रवाहि	प्रमाण
,, 164	मोटा	स्त्रेहे	टोले		टोलि	मोटा
,, 165	देवासुरि	असुर सातिल	देव असुर		देवासुर	देव अशुरा
III 8	हरु	वेढि	वेडि		वेडि	हठि
,, 17	जिसउ	जिसउ	किसु		जासिर्व	क्सिउ
,, 18	पालदुं	छंडाबुं	पालटउं	1	पालदुं	पालदुं
,, 20	च्य	घण	भड		भड	भड
,, 31	कीजह	कीजइ	कीजि		बीजि	कीजह
,, 40	वाची	काढी	वांची		वांची	वाची
,, 43	बापल	बापिल	बावल	1	बापड	बापल
,, 99	वींघइ	वीध्या	आहाणि		आह्वांणइ	हणायइ
,, 127	कइ	कइ	कि		कह	कह
,, 141	रहइ	रह	रहि	ĺ	रहइ	पसीयइ
,, 144	सांभलइ	साभलइ	सांसहि		सांसह	सांसइ
,, 153	फूलडी ए	मुंदबी ए	फुटबी रे	(EMS	फूदकी ए	सीयल
,, 167	बूठउ	बूठउ	छुड		( H MS ends)	छूटा
,, 174	बीर्फ	हूच	दीर्यू	again		दिया
				from		
				vs 175)		_
,, 200	देवराज	देवराज	देवराज	देवराज राय		देवराज
,, 210	साची	साची	साची	साचु		साची
,, 215		विगास्यउ	वालिन	विणासिउ		चालतंज
,, 225		षूटइ	इद्धं	<b>छू</b> टचं		छूटं
,, 227	कमळे	कमले	कमछे	किमरु		कमले
,, 240	गयणंगणि	<b>उ</b> त्नमत्तर	गयर्णगणि	गयणंगणि		गयणगण
,, 242	पूतली	पूतली	फूद <b>डी</b>	पूतली		पूतली
,, 244	omits	राजरिधि बीठी	omits	omits		omits
[inter-		निरमली राय				
polated	1	तणउ सिद्दासण				
carana]		वली			1	
IV 8	अलीया	आलिमा	आलीया	गाजीवा		सर्वपीया
	मूळेर	जेसलमेर		मुसलेर		ूमूळेर
,, 19	छोह पंक्ति इसी अवधि वरतइ	छोइ पश्चित	परणीयट	पीटहर		पीटणीघाट
"41b	इसा अवाध वरतइ राउळी त्रिण वार	omits	omits	इसी अवधि		omits
	राउका ।त्रण बार घोडा जाउकी			बरतइ राउली		
	বারে নারজা			त्रिणि वार		
		1	I	चेडा जाउसी		

С	D	J	F
आइ	আহ	तिहां	
अस्या	इस्या	<b>इ</b> म	
योध झडपीन	जो झडपीनइं	योघ झडपीन	
पात्र	पात्रज	पात्र	
प्रसादि	प्रसादि	<b>प्रसादिं</b>	
<b>डा</b> लि	ढालइ	धाइ	
पडतु	पडतु	पडतु	
कालि तम्ह तेह	कास्त्रि तुम्ह तेउ	कालि तुम्ह तेह	
प्रभावि	प्रभावि	प्रभावि	
<b>टोले</b>	टोंबे	टोलि	
युध असुरो	वासुदेव असुर	वासुदेव असुर	
बेढि	वेढि	बेढि	
कसिउ	इसिउ	जिसिउ	
छंडावुं	छंडाबु	छंडावूं	
भड	भड	भड	
<b>बी</b> ज़ि	वीनइ	<b>दी</b> जि	
काढि	काढी	काढी	
बारड	बारड	बारड	
वीधि	विंधीइ	वीधि	
\$	केड्	) 201-	
पिसीइ	रहि	रहि	
•	सांभलह	मान्यु	
<u>.</u>	फूटडी रे	कूठडाँ रे	
बूठो <b>हु</b> ढं	बूठउ	बूठा	
हूत	हुउं	हबू	
देवराजि	<b>महीपा</b> ल	सहीपाल	
साची	भलेरि	भलेरी	
बांछिनु	वालिनुं	चालितुं	
षूटि	षुटइ	पृष्टि	
कुमरि	कुंगरि	मलिक	
<b>छ</b> नमतु	स्त्रमंतु	<b>जगमणु</b>	
फूदडी	भूमिहरि	स्दरी	
जऋदि पैठी निरमली	राजरिद बीठी निरमली	राजरिद्धि दीठी निरमली	
ा <b>य तण्डै</b> सिंहासन वली	राय तर्ण् सिहासन वली	राय तर्णू सिंहासन वली	
<b>श</b> िका	बीयां	बीया	
मुकेर	रानेर	रानेर	
<b>अ</b> पक्षत	छोहपंकित	<b>छोहपंकि</b> त	
	omits	omits	

## कान्हडवे प्रवन्ध

<b>VS DO</b>	A	K	В	E	G(H)	L
IV 46 [interpolated carana after 46 b] ,, 66 ,, 225 ,, 287 ,, 297 a	भाव्या चउवीसइ सइ पक्ष स्यु सनाह थाउ असवार सात सहस पायरउ तुवार	जाइं चउवीस सइ पंथ ढिया संनाह ध्या असवार सात सहिस पापख्या तोषार	साथि सातवीस पषि omits	[mms ends at vs 61]		आवड् सत्तावीस पश्चि Omits

\*

## परिश्चिष्ट

भला भकेरा देशह हाथि वयरी सिउं ते वाहह बाय	भछा भाला ते दीसि हाथि वियरीग्न, ते वाहि बाथ	
जाय चुवीससई omits	जाए चुवीससई पंथ omits	
	जाय चुवीससई	चुवीससई चुवीससई पंथ

## Appendix II

## Critical Notes on the Readings adopted

## in the present edition

## Khanda I

- 5 जालहुरच emended (cf. जालडहरूड F) preferable in the context; it is an adjective qualifying सामतसीमत (कालडदेउ)
- 14 प्रतस्या ok (FJ) is the proper own form; अतिज्ञा BD, प्रतज्ञा G are scribal restorations.
- 15 মন্ত্ৰন্থ k preferred to ফ্ৰন্তিৰ্ভ (BDJ) as a Rājasthānī form. স্থানিৰ (k) preferred to স্থান্ত BFJ (CDG) for metrical reasons.
- 18 करपुर emended (cf. करप F) for metrical reasons.
- 20 प्रतिसाहनड k preferred to प्रतसाहनड as a Rajasthani form.
- 25 बास g (cf. वस к) preferred; वासि G J (BDF) also possible.
- 28 तस p proferred; (cf. Khanda III vs. 111).
- 30 उगराहर к pref. to उपराज्यत as an earlier Rajasthani form.
- 32 सिंद p is the original reading (cf. सिंद p, संघ H; III 4); मध्य B, सिंहत JK are later synonymous substitutions.
- 35 Note—BGK omit the verse, CDFJ give it. The verse is necessary in the context as a connecting link between vs 34 and 36, without which vs 36 well be abrupt and hang loose in the context.
  - सूर भीर अनह सपराण पातसाहि तब तेंद्र o is pref. to अब्ह्यान बन्धतु बैदड महुक मीहि तैवाबड DJ (F), as the former fits in well with the idea in the preceding carana and avoids the repetition of the latter (with vs 36 i qr).
- 39 बाहरि n is the original reading (cf. 11 39, 40; 111 53; 1v 164) > गहरि ह, चाहरि c, बाहिर J, बाहर F.
- 41 चणा चूचरा k fits in the context better.
  - रहवारी (  $\kappa$  ) is the original form from which Modern Gujarātī रवारी is derived.
- 42 बलबाल F (c) is the original reading > बिलिबाल p, बहुबाल G.
- 48 करेवा K is the older reading and is also preferable in the context.
  49 देसावत K is the original reading (cf. देखत iv 97) > देख ते DFG, देसहतह J.
- 50 बूंबडिया (вк) pref. for metrical reasons; बूंबीआ слог बूंबीड also acceptable.

<sup>&</sup>lt;sup>1</sup> MSS giving a closely similar, though not identical reading, are indicated in the brackets. Here, for instance, π reads π π reads π π reads π π reint in the closely similar to π σ τι identical with it.

<sup>&</sup>lt;sup>2</sup> This sign > = 'from which is derived,'

परिशिष्ठ ३४%

## Khanda I

 $\mathbf{v}_{\mathbf{ers}\mathbf{e}}$ 

- 53 হিৰম্ভা জল নৰি ভাত্ত BGK preferable to DJF reading [ ভ্ৰমল নগছ নৰি ভাতৰ ], being more relevant in the context and also more representative.
- 57 बाद в J (к) pref. (cf. बंदीवाल 1 154; बंदिण 1 236, 111 187); बांव ODG (F) also is acceptable.
- 59 बाउस् к is the original reading (cf. वाबस् r, वायस् c) > बायस a corruption.
- 60 मागनिसार emended from BD; मारनिसार U (FJ) is also acceptable.
- 62 पाडि к (в) pref. for rhyme, कोट A G is also acceptable.
- 66 भेल्पड к (A) pref. as more fitting in the context; शिटरं C (DGJ), however, is also acceptable.
- 70 घार p is the original reading > धाह A, बार I1 (स), बोर G, गोर J, जोर B.
- 71 বীষর A (BK) preferred to কীষর D (CJG) as a more representative reading.
- 74 हुई हाक СК (A) pref. to इईआडक B or हीवाहकि D (J), as a metrically more correct reading. (cf. 1 200; III 73)
- 75 विजुरा к is pref. to वजुरा B as a Rājasthānī form. केलिहरा к J is the original form > केलिहरा G and केलेहरा D.
- 82 a Note—B reading ৰাজি ৰাজা জণি বুৱ হুবা বুছৰ গুঁজা নজাৰি is an interesting example of scribal emendation of the text which was not properly understood by the scribe. The correct meaning of the words ৰাজা and जेट्ट्रमा in the original has eluded the scribe, who by false analogy understood ৰাজা as 'musical instruments' and so emended the preceding word ৰাজা into বাজি Similarly উত্তুজা has been read by him as a जेट्ट्रमा and then misconstrued by him as a contraction of जेड हुआ, which he promptly restored to जुद हुचा. In this context चुड़ासमा would be entirely out of place, and is therefore, emended to वुद्ध चुंख्या, which is phonetically similar and suitable to the context of the scribal restoration.

There are several examples of such scribal emendations, unconscious or deliberately made by the scribe either due to misreading or misunderstanding the original text or merely with a view to improve it. Often an ordinary scribe like that of por or kl happens to preserve the text better than a sophisticated one like that of Jorg or R.

- 85 करूबा D(J) pref. to करुद्द A, and अस्वमा DK pref. to आस्क्र A, अस्कि BC, as the context requires a verb in the past tense.
- 89 बालत E appears to be the original reading > बालत D, बालत FG.
  पायि (केरी) ABFK pref. to पायरीया 01, पायरीय D (E), पायरा G, as more
  representative (cf. पायकि किरी III 181).

## Khanda I

- ং 96 ছক্তৰ ACD pref. (cf. 193); কা কা দেন ম ( n) is also acceptable.
  নাম DEG (JEO) (= defacing)<sup>1</sup> is the original reading > ভাগাই দ,
  - भाजई A, भागई E. 97 कविलास A k pref. as a Rājasthānī form; it also rhymes better. किक्लास E
- is another Rājasthānī variant. 100 স্বীৰজ (= 'three pairs of bullocks')—failing to grasp the meaning,
- J emends the reading by substituting a Sanskritized variant, ৰূপন.
  103 কীলালুল ARCK prof. as a more representative reading; লাভাজ D. or
- 103 জীলাহল ABCK prof. as a more representative reading; হালাহল D, or होলাহল B (FO) (cf. হালকলাল 173) is also possible.
- 111 तेजी BFG (A) pref; तुरी CJK (DR) is also acceptable.
- 114 मुहिस em. should be the original reading > सहिस BK, सहस A (F), सुहि G (D).
- 116 मिलना двго pref. to нест срв as the Rajasthani form.
- 118 कुणि A(K) pref. > कुणि BCE, किणि D, which also, are acceptable.
- 121 ME ABPJE (CGEF). I (Derasari) emends it as Reg!
- 129 नेस DEFG pref. as more representative, and also as rhyming with रेस just preceding. From नेस > लेस A.
- 131 संभालत JK (cf. संभाल B, सामल्यो G) pref. to संभाले ACF, संमलावे p, as the context requires here a verb in the Imperative.
- 134 लिगारइ pref. as a Rājasthānī form.
- 135 साल्हु सोभद्ध बलवंत राउत restored; cf. साल्हुउ सोभउ अति बलवंत III 35.
- 186 gre A pref. to avoid tautological repetition with 43, 136 iii qr, and \$25, 137 iqr.
- 140 सन Ав pref. as the original reading (cf. нन Adelk i 151; सन Abl iv 176); सत ск is also possible.
- 145 आयसि p (F) is the original reading > variants आइस A, आयस GK, which drop the case-termination,
- 149 বৃত্ত্ৰাজ em. from KAODFG is the original reading > বৃত্ত্বা আজ B, a mislection, and নৃথি বন্ধনা J, an unwarranted restoration.
- 154 safe r pref. to safe ABJK as it rhymes with and in the next carana.
- 161 Ht A pref. as a Rajasthani form.
- 177 विग्चता DK (B) is the original reading > विग्पत A, विग्पति G, विगोपत F.
- 181 सनाहु в р в is accepted (of. सजाह c); सनाह A к (л р) is also possible. साल्या बान अपार A в в в is more representative than बान न लामङ् पार p (o J) and also avoids repetition with ii qr preceding.
- 182 तड pref. to इवह द्व ह or इवि द्व op GJ for metrical reasons.

<sup>&</sup>lt;sup>1</sup> नाम = न्यापाति, जनगीकरोति ; of Bālatskṣā of Samgrāmasimba; 'Prācīna Gujarati Gadya Sandarbha', p. 212.

परिशिष्ट २४७

## Khanda I

## $\mathbf{v}_{\text{erse}}$

183 বিশি AR(K) pref.; ইবি তাত (J) is also possible. 188 b reading in odj represents only one ms-family and is unsuitable in the context. 187 খণো ABG pref.; খণো ODRJK also acceptable.

#### Bhadauli

#### Line

ਮਗਰਕੀ B pref. (cf. ਮਸ਼ੂਰਕੀ c, ਮਸ਼ਰਕੀ D); ਮਿਗਰਕੀ A BCK is also possible.

- 3 सिंहणि is the original reading (cf. सहवादी 1 255; सीकरे IV 57)> सहिष A, सिंहलिय B, सहविष J are scribal restorations.
- 9 मुहाडि A s is the correct original reading (cf. मुहाडि G, महीडे B, माहि डाहे D); मुहाथानि o is a scribal restoration.
- 10 शेह्य A adopted ; सेलह्य D, सेलहुत em. (В) are also acceptable.
- 45 लहिंद्रमा p (Ao) is the original reading > mislections हरूहमा B (इ and জ interchanged, and g misread as इ), लहिल्ला B (ल being a slip of the sortie for z)
- 51 मतिष्टा Aeg (cf. also मतिष्टण D, मतिष्ट Je) is the proper Old Western Rājasthāni form ; मतिष्ठा c, मतिष्टित e are Sanskritizations,
- 56 मनि A gives better sense; however, मुति BK (E) is also possible.
- 65 वीचा ABCDJK निश्चा B. निशा G are noteworthy variants.
- 73 पर्सा AK (cf. पांच्या B) pref. as more representative and preserving the initial rhyme; भाव्या J (ロD) can also be accepted.
- 85 उत्पद्धरा A (JK) noteworthy as the original form > उत्परा вовн.
- 103 शव o (सव н) is the prevalent Gujarati form; श्वि ADEK, probably a Rājasthānī variant of the word, would be misleading here.
- 104 हुने pref., यके हुने к (рк) noteworthy as an instance of use of parallel expressions both conveying the same sense. Or, perhaps, it may be an instance of interpolation of marginalia into the textitate, a variant reading for हुने, noted below the latter, having crept into the text.
- 111-112 जरहजीण A (вн) pref. to जरह в D (ок); (сf. जहरजीण водн j; 1 204).
- 129 रूप हारख्य k preferable in the context; रूप हारतु k (ор) may also be accepted.
- 140 May B (cf. May A) pref. as a Rajasthani form.

## Khanda I

- 193 सांबर्द A (D) preferable to सांबरमा उहा हमाहा, as a present-tense verb suits the context better; however, सांबरमा em (ck) or साबरिया हा is also acceptable.
- 196 दमामा (выкк) preferred. दरामा ср (на) is another variant of the same word, and is also acceptable.

#### Khanda I

Verse

202 असमूहीया करह ▲ preferred to करह असमुहिया в (DHK) as usually the odd quarters end in a verbal form in adjoining verses, and also as the initial rhyme is preserved.

बलकाद A (BDE) pref.: बलबाद OH (K) is also possible.

- 214 THE D pref. to HE B J for rhyme. HE is the original form > कहाइ A. चाहि O. होइं K.
- 216 for AC(J) pref. to and BEHK(D) as the context requires a verb here.

220 Ru A (K) pref. as a Rajasthani form.

- 221 कमि A H (E) pref.; कमरे BDJ is also acceptable (cf. 111 80, 101).
- 225 def ABK (H) pref. to ten april for metrical reasons.
- 229 बेणि BDJ (= sk बीणा) pref. to बीण E, बेणा H.
- 232 সিণা DJ accepted; সিণির A, সিণিরর E also equally acceptable.
- 288 कुडड नवि ( B C K ) reads better in the context than नवि कुडडे ( D J A H ).
- 234 Note The word aft in any aft has, by association, lead BK to restore as बावन वीर हणीया A ( H ) pref. metrically to भारता BCDK ( J ).

- 249 बेलिड p (H) (cf. जंबन J) preferable in the context to बोलड A.
- 255 THE ABODIK emended as THE to rhyme with THE in the next corona. सहंबाडी (A) is the original reading > सिवाडी B, सउवाडी D (OJ), छह वाडी K.
- 256 b reconstructed from cs, necessary for uniformity with the ending caranas of the remaining Khandas (Vide II 168, III 251, IV 353).

## Khanda II

Verse

- 1 Rea J (DKH) pref. as the proper own form (cf. 19); Rea A B C is a Sanskritization.
- 2 star ABK pref, to HR CJ (D) as a more representative reading.
- 3 ges Aк (в) pref. to чек нр (сл), as a Rajasthani form.
- 4 स्लंता A ( K ) pref. to रहेता ворл, as a Rājasthānī form.

नयरि B (A) pref. to नगरि CDK as an earlier form (cf. 1 18, III 124).

- 6 पहिरण AK adopted; पहिराण BCD s 18, probably, a feminine form of the same.
- 7 खुस्या बीसइ D (c) pref. to भणइ खुस्यां к (вн) as more suitable in the context.
- 8 महाने is the original reading, which through false analogy with मुह (sk मुख) > मंषि o, मुह धइ H.
- 10 TE AK pref to EE J, EE BCDH, as a Rajasthani form. दिवराणां (AJ) pref. as an earlier form than देवराणा ए (BDHK).
- 11 एकड एकि Aκ pref. to एकाएक J ( D ); cf. Modern Gujarāti एक एके.

## Khanda II

## $\nabla_{erse}$

- सुलीक्द A(JK) pref. as a more representative form; सणीक्द em (HBD) also possible.
- 12 वामणइ (нк) pref. to द्यामणइ ▲ (нрыс) as a proper Rājasthānī form.
- 13 जे के बीद A (OH) pref. as more representative and conveying better sense than जे बीवत pr (K).
- 14 सारवा K is certainly the original reading (cf. सारी AD; also cf. सारीवा II 13, इच्या II 15). From सारी AD > the mislection मीरो BEHJ.
- 16 बाहिंदु मनइ k is the original reading (of. इसी Arabic = master, lord) > वाह्रको मन J, बाल्या मन c, बाह्रक मन H, बाह्रपण D, all mislections.
- 21 विणसाहित AJ ( K ) pref. to वणसाहित o ( D H B ) as a Rajasthani form.
- 24 मुहल भागिलह (КВН) pref. to मुहल माहि OD (JA) for metrical reasons.
- 27 बाहु B pref. to बद्द A K (ODJ) as the context requires a verb in the Imperative (cf. बलावड n 27 i qr).
- 28 ছুৰ u (KH) pref. to কুৰ BDJ as more representative and more suitable in the context. কুৰ > বৃত্ত A (by transposition), কুত্ত H.
- 80 থবোণ ৪০ (D) pref. কৰোৰ J, জুবোৰ K, would be a repetition of জাবৰ immediately preceding, and its rhyme with দুবোৰ in the next corrupa will be rather unusual. In fact থবোৰ স্কাৰণ J, emended to স্ক্ৰোৰ by K.
- 31 सामहणी A (K) pref. to सामणी H (JEOD), as a Rājasthānī form. (शियाणरं) दीवर्ड A O (KE) pref. as a more representative and also a more ourrent phrase. (cf. 171, 11 28, 11 66).
- 88 बाह्र A pref. to जहें BCDJ (HK) as a Rājasthānī form, चुपर BHJ pref. to जरपर ACD (K) to suit the metre.
- 40 बाहार B pref. to विदार D J, बहार H, as the correct form (cf. बाहरे 1 39); विहाद A, विवार c, are, evidently, corruptions.
- 42 मंत्रोहरि उDJH pref. as giving better sense than इस जोह в (к), a corruption.
- 48 बहुद Ar (BH) pref. to भाजद D (CJ) as more representative.
  स्थान Ar (R) preferable to the usual form स्थान DH for the initial rhyme with the preceding word (i. e. सांस्क्रीक).
- 45 ক্ষাকা ম is the original reading (cf. sk আছুক > pr সাবল) > অবাভা এ,
  ক্ষাকা ম, both mislections. ক্ষাকা u is a scribal restoration.
  ক্ষাকা k (ANJ) pref. to ক্ষাকা (BK) for the ending rhyme.
- 46 देव em (of. देव H, डेव o) preferable as a more correct form than देउ D J and preserving the ending rhyme (with कान्यबंध) better than देवे A.
- 50 det em (of. des DE) prof. to det EI and de ok for same reasons as above.
- 58 我 BODEr is the original reading > 報 A; 報 is a soribal emendation giving the same sense.

82

## Khanda II

- (61 mates A (0) pref. to 36 BDHJ (K) for initial rhyme (cf. 1 139).
- 65 pJ was emend safer to ther, a place in North Gujarat, thus betraying their Gujarati origin. Similarly as s which emends the names of the Raiput clans of Saurastra (बाला, जेट्टमा and चूडासमा 1 82) most probably comes from Rajasthan.
- 69 देहर DK (c) is the original reading > इसर A, इंसर J, scribal emenda
  - ger AB pref. to eeg cok(J), as a Rajasthani form.
- 72 माहि जे K (A) pref. to मोहिम J, माइंस D (B), as giving better sense.
- 76 ver sis J (D). It is interesting to note how sis gave rise to variants like as and ag having an entirely different sense: at CDJ > fix H > st A (K) > scribal emendation and B.
- 77 जहेनड AC (BJH) pref. to the usual Rajasthani form जाहेनड (DK) on metrical grounds.
- 84 करड पल्चका D H (BJ) pref. > कारे पलकता 0. परा पलकड K.
- 88 कल BCDJ pref. as more suitable to the context; कल AK(H) is also possible.
- 98 कल्डीया cp (JK) pref. to झलहलीयां AB(H), being more suitable in the context (cf. 182).
- 95 TER ADK adopted; TR CHI also possible.
- 98 saylist s (HKD) is the original reading and is metrically more suitable : कपर लीड A (B) is, probably, a scribal emendation
- 100 बालि ACH J adopted in preference to बाला L (K), बालि BD, बालिड would have been preferable, if found in any of the Mss; though, perhaps, बालि here = बालिइ, which having two इ-s in immediate contact, dropped the last, and was contracted to wife.
- 110 रातीवाहि AJ (HL) pref. as the original reading > रातीवाह B (ODK). (cf. m 160, 237; also 1 151).
- 112 वेडि A accepted here as the usual form ; बाहि BJ (CL) also possible. It is interesting to note here how says in the original, misread by o as जल्ला ( s and s being very much alike in the script of this period), was promptly restored as उसानि, which, however, has no relevance in the context here.
- 120 विकटन A (D) pref. to विक्ट्रं B, वक्टर्ड C, as तीर in Rajasthani belongs to the masculine gender.
- 121 बाण ▲ (CDJ) pref. to जण н (BL); (cf. चुकद तीर п 119).
- 122 अतापि AH (B) preferable to असादि OD (JK) as a more current phrase. दुम्हारह E (CDJ) is the original reading > variants मारी B, मारीनह A (L).
- 126 WIE BJ (AK) adopted > WIE L. GIER D (0) also possible.

#### Khanda II

## Verse

- It is noteworthy how wiselfs > the mislection sheds a through the similarity of letters wand a in the script of this period.
- 127 आवह A (вн) preferable to सीवह DK (сJ) as more suitable to the context and preserving the initial rhyme.
- 128 सुबहार JK is the earlier own form. It is interesting to note how सुबहार o (Sanskrit) > सुबहार JK (earlier own) > बुहतर H (later own) > सुवहर (modern Gujarati).
- 133 इंडमाल A (СЛ) adopted ; मुंडमाल вр (н) also acceptable.
- 140 जापड AH (L) pref. to जापडा J (BK) for metrical reasons.
- 142 groft pref. as a Rajasthānī form.
- 144 अतिह ज्या Λ (c) is more suitable to the context than एवड х (LEDHI). सविद्वं Λ pref. as giving better sense than होइ BL (DHK); हुइ or होइ also possible.
- 147 पर्की BJK is certainly preferable to बकी ACDHL, which is quite pointless here. It fact बली in the MSS is very likely a mislection for पत्नी
  - लिप्या is preferable as a Rājasthānī form.
- 148 बोल इसउ (B) adopted; इसउ बोल K also acceptable.
- 152 (पहडी) जसहर साहि  $\Lambda$  pref. to (पहडी) पावक साहि B R (CDL); (cf. 11 146 अम्बे सवे जसहरि पहसिस्यूं).
- 154 पश्चित A. It is difficult to determine the correct reading here.

  শৃতির দ(চ) may be also possible.
  155 ইংলী A adopted as giving better sense; the more representative
  - reading, however, is graft bd hk (meaning?).
- 159 एतलह (कुतड A (BHL) pref. as preserving the initial rhyme better than बहुद एतलह  $\kappa$  ( OD J ).
- 167 attract D K is the original reading (cf. attracted J, attracted L) > attracted A C.

## Khanda III

- 3 म्या A pref. to गया ворныка as a Rājasthānī form.
  - 5 It is interesting to note how बसि ABDK gave rise to सेव ः वसि > [बसे > ] सेव c, by transposition.
  - 7 sft as is adopted (though CDHJKL omit it), as the postposition συς immediately preceding the word presupposes the existence of a noun in the locative.
    - ষ্টে A s prof. to হাত BODHJ, as a Rajasthāni form. ः । শ্বামি (ম) preferable to শ্বাম ABODHJ for ending rhyme with / in i the next corona.

#### Khanda III

- 9 क्षेत्र сн ( n в ), a Rājasthānī form, preferable to क्षेत्र DK or क्षेत्र J for ending rhyme with (रोस in ) the next corona.
  - THE BKL pref. to the A (CDJ) as more suitable in the context.
- 16 ferit D (κ.ι.) pref. as a proper own form; det H, feter ABC are, probably, restorations.
- 17 जिस्त A ( H J ) is pref. to किस्त L ( B C ) as more representative and also agreeing better with किस्त in the iv qr.
- 18 पालहं (ABEL) pref. to इंडाई I (ODK) as more suitable in the context; (of. विषम दुर्ग महं सवि पालटीया 11 75).
- 19 that AL (H) pref. to saft BDJK as preserving the initial rhyme better.
- 20 aw AK pref. to we BCDHJL, as it gives better sense.
- 22 सहिस BK pref. to सहस ACDH as a Rajasthani form.
  - जैस A (supported by देत KL) pref. to जई GDJ for ending rhyme with the preceding carans.
- 23 🗪 АНГ(в) pref. to मुखि С(DK); मुखि, however, also possible.
- 25 बाजी DK, a lectio difficilior, is the original reading > पांजी H, बीजी BL, बीजा C, चिजवा A, all mislections.
  - निस्त्रा स (всрјк) is pref. to गहला A(L) as a Rājasthānī form.
  - अवस्य , a lectio difficilior, is the original reading > अवद्यक A, आवसिक J > अवस्य (हर) C > आवस्य क K.
- 27 साजा к (LH) adopted as a more representative reading; मांज्यां J (DC), too, is possible.
- 29 WE AK pref. for metrical reasons; WE CDHJL also is possible.
- 30 হ্বর (obs) adopted; হুরর (HKL), another form of the same word, is also acceptable. It is interesting to note how আহ্মী > হাল্মী ম by transposition.
- 31 और нј (cf. k) is certainly the original reading > चीर ABCDL, a mislection.
  - कीजइ AKL (B) is pref.; दीजइ (CHJD) is also possible.
- 32 It is noteworthy how the letters and a in the original.
- 38 मनार A pref. as the Rājasthāni form (cf. पनार кг.) and also as metrically more suitable.
- 39 रावंगणि B (A) pref. as the own form current in popular speech; (cf. रियंगण m 96).
- 40 श्रीविरणइ к (AL) pref. to औवरिष внл as a Rājasthānī form.

## Khanda III

## Verse

tm AK (H) pref. to we CDJ as more representative and also preserving the initial rhyme better; (cf. III 64).

सेलहत JL preferable to सेलहब A (BKL) for the ending rhyme.

- 47 सहद A pref. to सक्छ BDJKL; cf. III 64.
- 51 सह A (D) adopted, as मलाबु B, भागुबु B, सलज नइ E, भामो L, are all tensuitable.

जीन AK adopted; बाद CJL (D) also possible.

- 60 शाणड (DJ) pref. to ओस्ड A, जाल H, जालप K, for metrical reasons.
- 61 中等要 B B (DJ) is the correct form; 中等等, 印等 KL are, evidently, mislections.
- 62 मुल्ल s preferable to सिंच AD (HJ), सिंचो KL, to avoid repetition with सोह immediately preceding.
- 63 জন্ত A pref. to জান্ত BHJ (DK) for initial rhyme with জান্ত immediately following.
  লান্ত A pref. to জান্ত DJ (K), which, however, is also possible. In that case লান্ত জ্বা লান্ত বাংগোঁ will be the alternate reading in the iv qr.
- 65 बेलाउत D (▲) is the original reading > बेलाउल в н, बेलाउलि L.
- 67 पुरातल L (нв) is the original reading. It is interesting to note how पुरातल н > ध्रातलि сы к, a mislection.
- 72 वर्णाय A (1) pref. to वर्ण D H L and अनद वर्ण K (B) for metrical reasons.
  79 वरुत्रक A B H (K) pref. to वरुत्रक CDJ; both are onomatopoetic words
- having the same sense. एण вн pref. to the usual Rājasthānī form रिण кы(м) as it (वे रण) rhymes better with देख immediately following.
- 82 अवार्क is the original word; निराई B (L), अवेस s are restorations.
- 87 fa Hi D (JC) pref. to HE A (BHL) as giving better sense.

हिल्या Ск (Ан) (> लीया вы) is preferable to रोजीया (DJ) in the context.

- 89 It is interesting to note how the proximity of असास्त led soribes to emend a lectio difficilior like धूडलीई to पिंड जीया B, which, in turn, was restored as दर्भ जीया J, राउ सारह K.
- 94 बल्बिस AK (L) pref. to बल्बंद BCDJ, as a Rajasthāni form.
- 95 मृतिया A pref. to मूल्या водники, as a Rajasthani form.
- 96 रिजाणि A (BHJL) noteworthy as a contraction of रिण जंगलि current in spoken speech; cf. रावंगणि III 39.
- 99 thit D (ACJE) pref. to signer H(B), guing L as more representative and preserving the initial rhyme.
- 105 frame AC(LE) is the proper own form; sank HJ(DE) emended by the scribe is a Sanskritization of the same.

## Khanda III

 $\nabla$ erse

- 106 द्वरिष्य AB (H) is the original form, and gives better sense than सनि सरावर J, ब्रूर सिन K.
- 109 विस्ता क is the original reading > परिवार B, सरसर B, समुर C, सिरि L, all mislections: cf. III 93.
- 110 that A pref. to that BH, that L, for metrical reasons.
- 112 राइ em. (from राज BCDJL) for ending rhyme.
- क् सारदं (ABDJ) is the original reading > mislection का मारिउ c, and soribal emendations का सारिउ म, कह हारण K, बरास्या L.
- 114 म बाकिस का is the original reading > म लिसि A, म बलि K (a letter dropped out in each), स चालिसि H, a mislection.
- 123 and ARL (B) accepted; get contraction of a se (of. a se D).
- 125 आंतरड AL (B) is the proper own form; अतर CDHK is a Sanskritization of the same.
- 135 It is noteworthy how नि in पुरवनि B (ACJ) was restored as नहीं । पुरवनि है ( पुरव नहीं । by pk (L).

att A pref, as a colloquial own contraction.

- 144 संभल्ड ADK pref. to सासाह B (HL) as more suitable in the context.
- 153 क्रकी ए H adopted as giving better sense (cf. HI 242); क्रकी रे D (B) also possible.
- 162 \* (0) adopted; ( DKBJ) also possible.
- 167 TES AD (CJ) pref. to WE B (L) as giving better sense.
  - Note—It is difficult to determine whether 167 b existed in the original or not.
- 170 चाल्यउ A (BL) gives better sense than गयउ K (CDJ).
- 171 नोल्हण A (BL) is the correct reading; नीजर CDJE is a corruption. (vide the next vs. II 172 b).
- 173 बालहीइ em. from DJK (ABC); (cf. II 16; III 220).
- 174 64 B (AL) is pref. to get c (DJK), (cf. 136).
- 180 जहमल ब्रक्ष is the original reading > जमलि ABL, a mislection.
- 182 बुजा A pref. to बोजा BDEJKL, as the proper own form; cf. m 192.
- 193 बेर A adopted; however, बेस if recorded by any us, would have been more suitable for rhyme (with देख A, which is preferable to देख).
- 194 gra ABD pref.; grajki (E) also possible.
- 204 राउ c pref. to राय в D в s as a proper own form.
  - লাঘত k (Bo) pref. to ভাষত L (RJ) as a verb with the sense of the passive will suit the context better.
- 208 कराविष्ठ BD pref. as an earlier own form than कराविष AK(L).
- 215 बांकिन D(s) is the original reading > mislections বাছিল c, बालि ईंप,

परिशिष्टः ३५%

#### Khanda III

Verse

- 216 জিলিপাল в ж L (D m) pref. as a Rājasthānī form; it is also more representative (than সন্ত্ৰণাজ c J).
- 221 Both सताबीस ADL and सातबीस E are earlier own forms > सत्ताबीस BJ (-क), a modern Gujarati form,
- 234 कहूनी (AL), though dropped by cdik, is necessary in the context.

  It is interesting to note how रहिण B (0) > रहण D, रहिण J K > रवण L,
  रसण B, scribal mislections through false analogy.
- 239 पालइ в (BLA) pref.; आपइ DK (J) also possible.
- 240 जनमत्त к (орл) pref. as giving better sense than गयणंगणि ABE (L).

## Khaṇḍa III Bhadāuli

Line

- 3 टोडडे B adopted ; टोडली c or टोडडी BL also possible.
- 4 सातिषणा L is a noteworthy Rājasthānī variant.
- 12 सुनानी AK is another noteworthy Rājasthānī variant.
- 31 धर्मोदिकरणा A agrees better with the preceding words than अंगडेहा c(D).

## Khanda III

Verse

- 242 फरवी CK pref. to पतली AKKL for the ending rhyme.
- 247 आलीया B (ARK) pref. to दीया J (DC) as more representative.
- 248 It is interesting to note how जहिमती B (ADBL) > हिजमती K through scribal error of transposition.

कुरमाण AB (EL) pref. as more suitable in the context.

## Khanda IV

 $\mathbf{V}_{\mathbf{erse}}$ 

- 1 It is noteworthy how बदबा A O K > mislection दवाबा L by transposition.
  2 सह A pref. to सब BODEJK as the context requires a noun in the
- 2 राह A pref. to राज ворвых as the context requires a noun in the Instrumental.
- 6 gf adopted; gf ABRJKL, in the own script of this period, probably = gπ.
- 8 माडव СDJK > संडव B, वंबव L, both mislections.
- 11 grs A pref. to trut BCDHKL as an older form.
- 12 न्याउ JK is a noteworthy variant.
- 15 पाउन्तर DJ (A) adopted (cf. iv 46); पाउन्तर BK (BLC) also acceptable:
- 17 Hers (LABROKL) pref.; it is an older form than dess a (1).
- 30 देसंतर A ( B ) is the original word > देशांतरी B C D J K, a scribal restoration.

## Khanda IV

- 31 It is interesting to note how weade (grade), the original reading > grade, a restoration by the scribe through false analogy.
- 88 The original reading পাৰৰত A (Βου), a lectio difficilior was restored by soribes as পাহলাৰত κ (L x J).
- 42 राज्युक, the original reading, a lectio difficilior, simplified by scribes as राज्य AD , राज्य C, राज्य L.
  - भान the original reading, emended to दान by DE through the influence of किन्न immediately preceding.
- 45 of a ( a ) is an older form than offer BCDKL.
- 52 It is interesting to note how सुरत्तर A (k), the original reading > सरदर B, सरस D > सरसा B, सरस J, both emendations > सुरनी c, तेय L, restorations.
- 55 प्रत्यक्षय J (AL) is the proper own form; प्रत्येष B, प्रप्रवेष C are Sanskritizations of the same.
- 58 मास वि ADJ pref. to मालदे वे on metrical grounds.
- 64 It is interesting to note how আপীর ACD > আজীর BJ, a variant having the same meaning > নাজিবর K, a mislection.
- 66 बाम्या [सिकी] A (L) gives better sense than जाए [सिकी] J(DK).
- 67 It is noteworthy how बाहर AD, the original reading > बाहर L
  > चाह J, चाहर K > बह C on account of close similarity between
  the letters बन्द, बन्द, चन्द.
- 70 TE D (BL) is both more representative and also rhymes better.
- 79 It is interesting to note how লিখাল DK (L), a lectio difficilior was simplified by scribes as লিখাল ে, যাল AB.
- 81 विकास A (DK) is the original reading > व्यक्ताहेगा B (C), a Sanskritization > विवहारण L, a scribal restoration.
- 85 तीरंगर A pref. on metrical grounds to तीरगर CDKL.
- 100 west A, a lectio difficilior, is the original reading > seets BDL(K), a scribal emendation.
- पायस्य A (c) the original reading > पायस्य (DL), a scribal restoration.

  119 बाजी DJK (C), a lectio difficilior, is the original reading and rhymes better than जाणी B (AL).
- 122 Rest A (L) is a noteworthy Rajasthani form.
- 125 बसेंच L (RD) pref.; बसेंचे ABC would suit the ending rhyme better, but would be grammatically incorrect.
- 126 और जो A (L) pref. to अरबो всрык as a Rajasthani form.
- 127 WE ABL pref. [to ME DE (OJ), equally representative] as giving better sense.

#### Khanda IV

- 187 It is interesting how परमाण AB(D) has been emended as फरमाण C(1) > फुरमाण κ; of. 11 30.
- 139 BENNE CJ is a noteworthy colloquial own form.
- 140 डाडेस्टइ स (DB) pref. to डाडेस्ट A (CJ) as more suitable in the context.
- 145 मालदे बीर (reconstructed reading) is preferable to माल नि बीर B(K); (vide एक्टड immediately following).
  - साहु (reconstructed reading) preferable to मारह D (J); (vide कीचा IV 145 iv qr).
- 153 of A (BK) pref. metrically to get o (DJ).
- 156 ৰন্তিবনত κ, a Rājasthānī form, pref. to ৰন্তবনত ∧ (৪০০১) as rhyming better with মন্তিক immediately preceding.
- 171 आई Al (DC) is the original reading > आई BJ, a scribal emendation.
- 172 बहारना बातना तथा A (D), the original reading, has been variously emended by scribes who failed to catch the correct meaning of the phrase.
- 173 ल्याच्या J (DC) is the original reading, and is preferable for rhyme;
  आन्या A B L (κ) are scribal emendations.
- 191 भरड़ (साधि) KL is a noteworthy phrase.
- 201 ल्याविउ A (K) suits the context better than आव्यउ L (C), आव्या J.
- 207 It is noteworthy how मुहिण A > महुणा B > सहु D, सबिंहु J, scribal emendations through false analogy.
- 212 सिंहासिन A (LK) pref. as it is read by the Rājasthānī mss; (cf. III Bhaḍāulī, line 14).
- 216 गंजी A pref to झगडी BDK, or मारी JL, as characteristic of the author's style.
- 221 तेकाउ [आह] K (AL) is an instance of the usual own passive construction, it is emended to तेकडे (आह) D (BO), which shows the use of a verbal noun instead. Such a construction, however, is not very usual in the own.
- 224 राष्ट्र спык would give the rhyme better; but राष्ट्र A (BL) pref. as the context requires a noun in the Instrumental.
- 231 nais a noteworthy colloquial form.
- 248 HE ADL (K) is the proper own form.
- 252 डवी BJ is a noteworthy variant.
- 275 सहसमझ BL (A) pref.; सहसमझ K (JO) may also be possible.
- 287 पक्ष A (L) is the original reading > [ पेष (cf. पिष B) > ] पेष J K (σ).
- 292 বিদ্রোভি BD (σJ) pref. to বিবিশান্তি κ (L) for rhyme (with the preceding word).
  33

## Khanda IV

 $\nabla_{erse}$ 

297 AK give 297 a, while BODJL omit it. The carana is necessary in the context as a connecting link between 296 b and 297 b, representing the speech of नीरमधेद (नीर वचन बोलिंड, "ल्यु सनाइ...पायरत तुवार").

818 Wit AU (D) reads better than this L (KBJ).

332 जिमना A (L) rhymes better than बमुना ODJK.

342 इच्यारसह k pref. for rhyme and correctness; (for, the total number of verses in the text is about 1100).

346 सदा B pref, for rhyme with नरबदा in the ii qr.

352 जास मनोरब सहुद फल्ड A pref. to पुज्येह आस मनोरब फल्ड to avoid repetition with 353 ii qr (पुण्य आस सबिकिट तणी).

## Appendix III

## Verse - Index

The first quarter of each verse is given below in the alphabetical order with its number mentioned against it. If the verse is an interpolated one, and cocurs, therefore, in the footnote only, the fact is indicated by the addition of a to the verse-number. Thus, for instance, I 38 inducates verse 38 in Khaqda I, while II 92 a indicates that the verse is an interpolated one and occurs in the footnote to verse 92 of Khaqda II.

श्लोक	खंड	पद्यांक	श्चेक	संद	पद्यांक
37			बसपति राउ भणह परधानां	8	908
भवला भींग एतली भाहि		227	असपति राय इस्ं सुनि बोछइ	2	9.0
मसूत हाय यकूं किम डोलीइ	1	189	मसुर दली घरि मावीड	9	588
बरसीमेर विजेसी वली	8	248	बसुरां पुठइ एक अब धाया		48
बल्बी पलबी वनंह कनोजा	2	9.7%	भंगा टोप रंगाउछि पांडां	1	169
वकावदीन पातिसाह मोटउ	1	86	भंगा रंगाढिल टाटर टोपीं	2	93%
अछावदीनि हरच आणिनि	1	3 9 <i>n</i>	र्भगोर्भगि पटे मणीयाले	1	220
अलुपान जायसि पूंतारइ	1	184	आ		
अलूबान एक्छउ नाउउ	3	216	आगड् मक्ष बरांसउ बीतउ	3	48
मलूबान प्वदु भडवाउ	₹	97	नागइ नवचि कही कुंमरी	8	222
मल्यान एहवूं संभाकट	9	131	भागक् ए गड कहिउ सदैवत	8	3 00
अलुवानमङ् चङ् सनि शाप	₹	90	भागइ पातिसाह जवगणीड	3	309
भख्यामनड जाणी दोस	2	₹ ₹	भागह भड सपराणंड हुतंड	8	248
मलुपाननउ भांजी कंघ	¥	282	मागइ दद घणइ कोपानलि	1	101
अलुपान बलवंताउ वंदाउ	1	3.5	आगह वार विष्यारि हराज्या	2	98
असूचानि आपणप् वीठउं	9	106	बागलि उद्य समारह् बाट	8	68
मल्खानि पृह्युं फुरमायूं	1	94	आगछि बिका कुदाका चाक्रह	3	86
बख्यानि एहवूं फुरमायुं	9	129	नागछि थिकां वागङ्क साविज	1	88
अल्लानि पृष्ठवं नवि जाण्युं	9	110	भागछि रही करि अरदास	3	18
बख्यानि जण साथि मोकल्या	9	148	नागिवर्ण ऊढंता नावह	R	120
अस्त्वानि जूजूमा दिवासा	9	184	बाज कगइ सह को जाणह	2	ખુખુ
अस्त्वानि पाटणगढ मेरूवड	9	44	भाउ पुदर नित पूजा करह	8	25
मस्त्वानि विणसावितं काज	₹	5.8	माठ वरस मांहि माठज दिहाडा	8	160
अख्यानि हामी पषराज्या	3	२०६	भाणी बार जासहारि जईनक्	*	99
मर्खंब नेजा बणा मरातव	₹	308	नावां सूरण नइ पींडाख,	,	• 5
भवधानीया भनइ टावरी		*1	माविपुरुष अवतार श्रुरि	1	2
भवधि एतखड् पहुत्तद काळ	₹	148	मापी राति जड्त देवढढ		216
अवङ्राज उत्तम अवतार	, 8	६३९	जाणी राति देवकीनंद		148
अषयराज केतर्छ्, वषाण	8	\$50	बापबापणे प्रीड तजे		1412
नसण अकव्यां डोक असून्या	9	44	भापपिराया जिगति न कामह	3	200
वसपतिवृक्त नवि कामइ पार	3	185	गाम तात बिहुं पापि करी		२०५
<b>अ</b> सपति राष्ट्रं बोखिबं सुं हुक	4	9,92	जाम तात सांभक्ति जरदास	8	188

## कान्हडदे प्रवस्थ

280		कान्हड	र् प्रवस्थ		
स्तेव	संब	দহাৰ	<b>म्होक</b>	संद	पद्मीव
बाकी मीरण सूंमण जिसट	8	६९	उ		
बारद्वासी महोद्दर मीमसी	8	२६९	उतम जे सुबि बोल्या बोल	8	9997
वाम्हणसी बीच सोमसी		80	उलकापात हुउ विकराल	ą	300
बाबी पात्रि सहंसकउं मोक्यउं	9	69	उक्हीचड् कर कभारीया	8	211
बाबी राव जहारह सहू	3	160	उस्हीचउ मढ जाणी इसु	8	२०८
नावी काज हुउं अपमान	8	185	ऊ		
बाञ्चड तुरक सबक सनाहि	8	2122	ऊंचे दामि बाहि पोकारइ	1	५०३
बाञ्चड मलिक सरोवरि देषड्	3	9.9	कठिउ बीर मोडीकं बालस	1	8 5 €
बाज्यट सुणी मालदे पढीड	8	108	कथा सुदृढ सवे सूंडीनह	Ą	९९
माध्या तुरक पाइजं करिउं	3	<b>ફ</b> ર	ऊडणममरा माहि जे विसमा	₹	७२
माध्या रुद्ध बुवन सज करी	8	288	उच्यां लोह न लाभइ पार	₹	3 8 4
भाष्या सुणी स्लेख मुखाला	,	42	कतावली डीकुली ऊपरि	?	909
भाष्या सुरताणी परधान	į		<b>बदाली लीघां हथीयार</b>	₹	98
बाब्यां करक प्रतलह वही	Ř	196	ऊडी वेह थयूं अंधारू	3	49
भान्यु छांचु बांहि साहीनइ	8	1622	उपरि चढ्या न अंकुश मानह	3	84
बासाउति पुलकुं पंभाइति	9	1647	उत्परि थकी डीकुली डाल्ड्	₹	118
बासापुरी बादि योगिनी	8	79	ऊपरिथा पूंतार विछूटह	3	818
			ऊपरि विका ऊतरह हींदू	₹	330
बासापुरी आसिका भाषी	3	165	उपरि विकां सांचरइ साहण	3	198
जासापुरी तणे पाए खागी	2	134	जपरि चिक् दीवज भाइ	₹	१२६
वांगा जरहबीण कतात्वां	2	90	उपरि वली त्रिक्छलां वर्णा उत्तंभा निव राउत सहद्		141
₹			1	8	3 80
इस्त्रु बीस्ट्रू इणि परि बोलि	3	972	प् पुक असंभम ते भणदं	8	294
इणि परि बीस दीहाडा हुना	8	116	एकड् एकि सुणीजङ् सगङ्	* ?	11
इम जाणे सावह अहिनाणि	8	140	एक उठी जंगल मांहि जाह	,	200%
इसद बोल जब बंदह कहिउ		360	एक उंघाला दहवही उदि	•	Rown
इसट वेष गवि भावष्ट्र भलट	2	ų	पुकड़ गमड़ कतरीड सांतल	ę	40
इसी वात बोलइ परधान	ą	22	एकइ पासइ राउल मालदे	v	104
इसी वात सांमली प्रधाने	3	100	एक चूमेला जाइ चाइ	₹	
इसी वात सांगळी सुरताणि	2	46	एकचित्ति जे नर सांभलह	8	184
इस्ं कही नवि लाई वार	2	141	एक जूजुआं हालरां कीशां	1	140
इस्यूं कहिउं भम्ह वीत्ं जेह	2	140	एक डील कारणि तहं बाज		२०इ
इस्यूं प्रधान कहड़ तिणि समझ		4	एक तणा बांधव भरतार	2	, , ,
इस्यूं सांभली सरूइ सावि	,	₹\$	एक सणी नचि जागउं आव		98
इस्बूं सांभक्यूं कान्हबदेउ	8	120	एकतः ऋतवः सर्वे	1	173%
			एकतो मयमीतस्य	,	1218
ŧ			एक नवि रहह पुहर नह बढी	₹	6
हंडे चड्या असुर आरहिडा	1	9.8	एक नाठा जाइ दिसि सुद्रुक्या	1	219
<b>है</b> जि परि जाकवड़ हींवू	₹	114	एक नांषड् एकाउछि हार	3	

परिश्लिष	
4141518	

		****	-0.4		442
स्रोक	संड	पद्यांक	<b>ख्येक</b>	संद	पद्यकि
एक पनुती हो बगलडी जी	3	२३२	कड् विश्वासघात जन्हे कीघा	•	350
एक भणह-बन्दे जनमि बागिकड्	1	149	कटक कपढीयां करी दमामां	1	198
एक भणइ ए हुंतर भरुंसर	1	104	कटक तणी सामगरी दीठी	2	300
एक भणइ – कान्हबदे टास्त्री	9	180	कटक मांहि तेजी पापरीया	3	368
एकमना राउत संचरह	8	२५३	कटक तोरकड् थिउ संहार	8	909
एकमनु तुरकांस् मबिउ	8	२८२	कटक तोरकां तिणइ समइ	8	121
एक मांदा एक न सकइ ऊठी	1	364	कटक तोरकूं सुंख्यउं मल्		290
एक छात्र वांबाधर वळी	8	801	कटक मांहि परधान पुहुता	9	130
एक बात हीयह जाणज्यो	8	८९	कटक माहि हाथी पावरीया	9	41
एक बार मागइ देखधु	1	120	कटक सनाहु हाथी घोडा	3	1<1
एकवीस ऊथिका सपराणा	R.	908	कणयाचळ जिन जाणीह	8	ч
प्क सहस पायकस्यूं गयउ	3	968	कमले भावी कुंगरी सुणी	3	२२७
एक सुद्दब ऊठइ एकमना	3	909	कमालदीन मलिक तेडीयड	8	43
एक सोनिगिरड गडवाड कि	8	146	करह रीस कभी घरवारि	8	5.68
एक सोनिगिरउ राड कि	8	144	करस्यूं काम विछेदह जाई	2	80
एक वांति पुरवंत अम्हारी	9	143	करी केखि तुरकांणा पूठि	ì	190
ए पंचास सहस मूंगळा	8	115	करी कुच जाई नह लेज्यो	ę	88
एइ जनम पूठइ सुरताण	ą	२२०	करी मंत्र जालंदुर कान्हब	ì	111
पृहज वात चतुर्सुषि कही	8	200	करी पराण बिपुहरी वारह	8	161
एइ वात असंभव हुई	.8	z + n	करी प्रतन्या राउक काम्हरि	1	968
पृद्ध वात कान्द्रड सांभली	ą	302%	करी वि फोज माळदे राउक	1	200
प्रवा वचन चामणां बोळइ	3	108	करी मेटि राउले प्रधाने	3	181
पृह्वी बुद्धि सबे आदरड	8	114	करी ससूरति देई सीधामण	ą	24
पृद्धवी भूमि विषम महं चांपी	₹	93	करी वास्त्रि बांध्या केकाण	à	186
पृद्ववी बात पातसाह सुणह	ş	393	करी विछोह जूजूमां कीधां	ì	146
पृष्ठवी बात हुई नवि होसड्	3	84	करी सजाई दीयां दमामां	i	988
एहर्षु मायस लहइ प्रधान	ą	166	करी सजाई सहू सांचरितं	· •	81
एहवुं वचन कहिउं गंभीर	8	343	करी सनान उत्तम्या वाल	è	143
एहबुं बचन पातिसाहि कहिउं	8	8	करी हाक जिम ऊठडू माछ	8	
एड्ड भैग तणड मनुराग	9	58	करी हाक हीतू देख साम्बद		२६७
<b>₹</b>				1	9.8
कइ मम्हे कुछमाचार छोपीड	1	148	कहर पातसाह सांभन्ति माह	8	<b>4</b> 0
कड् अन्हे नीचसंग आचरियड	3	100	कहरू प्रधान अवधारत राय		13
कह अम्हे मायबाप नवि मान्या	,	142	कहरू प्रधान एक परि कीजरू	2	356
कह अन्दे सस विसन जाचरीयां	3	305	कलवरांद्र नइ जानागृंदी	₹	90
कह बन्दे खामित्रोह बाचरीया	3	149	क्छस थिका कान्ह उद्योचह	8	148
कह कुंयर बीरमदे वर्क	1	350	किंगुग मांहि देव जवतरी	8	२९५
कह् परनारीगमन भाचकां	3	168	कियुग मांहि सत्य पूटसह	ŧ	<b>₹3</b> 9
कह सह सनसय वृह्वित जी	3	२३३	कलियुगि मांहि कान्ह बहुआण		438
क्ट्रीजंघा कापरकान	8	\$44	कंच कवंच प्रक्या एकि दीसङ्	1	444

#### कान्हरू वे प्रवन्ध

श्लोक	संह	<b>पद्यां</b> क	श्लोक	संड	पद्मांक
कैसारा नट पाणुटीका		15	कोटहं चणा चूचरा वाजह	1	89
कंसारा जांबहिया सवह	8	64	कोठड् कोठड् कलां स्थोपां	•	306
काकरिनयर बाराही वेउ	8	94	कोठा नह कोसीसां घणां		5 8 5
काठी खूण बरस सु पुहुचह	₹	101	कोळाहळ सांमस्यउ अपार	1	980
कान्द्रवचरिय जि को नर भणइ	8	3,49	ग		
कान्हरदे वीचे वर्ण्	3	586	गढ ऊपरि एहुर्नु परमाण	8	110
काम्हडदेनइ पुण्यह करी	9	२३६	गढ ऊपरि जलठाम विसास	8	28
कान्द्रवदेगी घरणी हती	₹	388	गढ ऊपरि नितु हुइ पेषणां	2	115
कान्द्रददे राजा सुविचार	8	48	गढ मेंडवा नह सुंद्रही	8	904
काम्हडदेवि कही परि घणी		94	गढ लागइ गढवाई करड	8	118
कान्द्र तणंड उत्तम मवतार	8	228			
कान्हमेरि कोठा बणा ए	3	340	गण गायण नह नगर नाहका	8	988
कारू नारू नइ विवसाई	8	२३४	गमे गमे वण धाडां धाइ	¥	50
काका भूंछ तेहीया भोड़े	9	100	गमें गमें जोडं वरू दीठडं	8	235
काल्जा कीसोरा कदीजि	₹	97%	गमे गमे दीसङ् अजूयाको	3	२०२
कासीव तेडी छडे पीकाणे	ę	৬९	गमे गमे मारेवा छागा	₹	43
कासीपति घरि बीजी वार	3	990	गमे गमे सहूइ दक्ति भाष्यउं	8	68
काञ्च तणङ् संपति इसी	,	٩	गयवर थाट बेसरा हीवू	3	७९
किम गोहर लोई दिवराइ	9	9.9	रया प्रधान काम्हडदे भागलि	3	308
किस्सां रूपफळ राउ अवधारउ	9	4.8	गंगा भणइ-ऊठि अजरामर	9	119
किस्यूं पंभायत जणहरूपुर	3	25	गाइ तणां कड़ गोचर वेड्यां	3	3 6 5
कीधउ कूच पीयाणइ नवइ	ą	90	गाइ तणां मसतक जलि तरइ	₹	3.85
कीवंड सूत्र ऊपबीयां साहण	1	30	गोगड गाजण नइ रामदे	8	44
कीचा बंदि भूत मि तेरा	1	114	गांछा छीपा नइ तेरमा	8	₹0
कीची सान पानि मूंगळनइ	9	380	गांची हाटि पामीइ पुढी	8	७९
कीधी वबरि बान मागछि जड़ै	9	२०५	गिरि ऊपरि गढथाइर विसमी	9	108
कुळ कीरति भागइ घणी	9	6	गीत गान सांभलीइ घणां	3	848
कुंगरी कारण हीयबह धरह	8	230	गुरिंड चडी इरि माध्या भनी	8	286
कुंबरी मणद् वविष सई कही	8	63	गुहिलुत्र कान्ह नह भाण		86
कुंसड करणंड साधु नइ फणंड	3	49	गूजराति सोस्ट सोमईया	1	29
कुंबरि कोबाली बेटबी	₹	344	गोरी मलिक दीउं फुरमाण	3	10
कुंबरी बणी मनि भाणइ रीस	3	336	गोका बंज सगरका तथा	8	14
कुंबरी जोवा भावी सणी	3	२४६	गोल्हण तुं मनि निश्व उ जाणि	4	114
कुंयरी मणइ तात अवधारि	3	२१३	गोल्हण मणइ पातिसाह सुणव	ì	188
कुंबरी मणइ ताव तुम्हे सुणउ	3	124	गोल्हण साह इज परि जजह	ì	339%
कुंबरी अणङ् राय भवधारि	3	२३६	गौरीनंदन वीनकू	ì	1 1 1 1
कूची ककहय जावामंदिर	₹	9.8	गुश्र सेन रूबाइयां फिरह		266
कूडी साथि कह नग्हे दीवी	1	140	घ	-	,,,,
कूरव कूट न सीवउं काज	3	२३५	वकी वकी वकीबाले साम	*	14

-00-	_
पाराश	Ε

			•		
श्लोक	संड	पद्यांक	श्लोक	संड	দহাক
घडी विष्यारि घणडं दक योभ्यडं	3	44	ध्यारि वर्ण उत्तम जाणीया	8	18
वणी फारकी विसमा मार	8	2.0	<b>च्या</b> रि सहस राउत रिण रहिया	3	108
वणे दिहारे छोटी जासह	₹	180	8		
घाढड सीसोदड छवाण	8	99	-		
बुंचलीट नरस् बेबसी	ą	8.8	छडे पीवाणे पाछउ वलिउ	18,	308
घोडा तणी फोज जूजुई	3	88	उत्रीसह दंबायुच कीवां	3	190
बोबा लीधा नव हजार	Ę	968	छोडिव स्वामी अझ तणउ	1	154
घोडा सवि जास्हुरि मोकस्या	₹	8.6	छोडीयां बान सांच्या पाछा	Ą	64
घोडा सबि जीवता मेहकाव्या	8	२२६	<b>অ</b>		
घोडा हाथी ऊंट पोठीया	3	530	जङ्तकरण पूनउ जगमास	1	46
च			जहत देवडह करी वीनती	1	198
चडया वंद तणड मारंभ	8	9	जब्त देवडठ क्षण सेमटड	1	124
चटपट बाह् भिडह चडीयाता	8	944	जहत वाघेलठ पुहर पाछिलह		212
चउवीस सङ् तुरंगम राउला	8	२२५	जङ्तकदे भावकदे कमादे	8	२२९
चक्रित वीररसि कांधिक बोलइ	8	218	जड़तसीह दोसी इस मणह	9	288
चडी त्रिकलसङ् सांतल बङ्सङ्	ą	110	जब्बंता यादव परमार	8	84
चडी त्रिक्कसइ सांतिं जोयूं	ą	308	जई प्रधानि जालहुरि कान्हड	1	160
चक्या तुरक जो माहरी पृठि	8	198	जहं प्रधानि चान वीनविया	9	122
चड्या रोसि राउत तिणि समइ	8	306	जउ भावसङ् पातसाङ् बली		12
चक्यां कटक सीवामण हुई	8	66	जर काम्हरदे बोल मानसह	8	125
चरइ सेलडी साकर द्राप	8	39	जड जलहीणी माछली जी		२३५
चंडाउला भरजमनङ् बांघीउ	8	229	जत जालहुरि पीयाणडं करह	3	221
चंदनकाठ जगर नइ तुस्रसी		२३९	जर तुम्ह पृठि रहुं जीवतर	8	२२८
चाउडा हरीयड डोडीया	1	39	जउ भांजी छांडेस्पइ ठाम	8	330
चाचु मांडण राघव इशु	8	4,	जउ बैस्वानर ताढउ थाइ	1	193
चाहुनाणकुछि कीरति वणी	ž	242	जटासुगट मांहि गंगा दीठी	2	111
चाहुजाज कुलि जे धोरींघर	8	₹ ₹ ७	जनम जागिलह कामण करिउं		286
चाहुमाण कुछि पुण्य भपार	,	258	जनम सरणना अक्षर माहि		180
चाहुमाणनर्ड गिरूउं राज	ę	184	जन्म सगइ जहनो धन लीजइ	1	146
चाडुगाण राढ तिणि ठाइ	8	9.9	जरहजीण जीवरची जांगा		9.8
चालित दक मुकतांनी ठाठ	ą	931	जकबट थळबर चिहुं दिसि तणी		12
चाछि चाछि कतावछि करी	3	240	जल विण को जीवह नही	2	143
चास्यउ माधव हीकी भणी	9	16	जल विण विण किम जीवीइ	4	144
चास्यं सह दीर्यू फुरमाण		108	जकहर पायवरा सातसा	8	100
चित्र माहि हिंद निश्चय धरिउ	ì	144	जब साहमी कठी कूंबरी		225
विक्ति चमक्यड चिंतवह	· •	184	असिड मेरत पड् कैकास	à	342%
वित्रकृट तिसंड नहीं	8	147	बहींह सीह मलिक वह कपरि	8	161
विद्वं गमे <b>ड</b> पस्हाणा थावा	₹	<b>د</b> ۶	वाणी बात देशि दक बाज्यां		16
बीण भोट देहर देसपति	•	88			584
in sue date dana	•	",	I men alm confere	•	,,

२६४	1	कान्हडवे	प्रबन्ध		
श्लोक	संह	पद्यांक ।	श्लोक	खंड	पद्यांक
वाणी वात मारूदे राउति		300	जोडं मलिकनंड मांडीपणडं	8	98
जाजी बात सांडीड भाग्यु	2	40	जोबड और तलह भनुरागि	8	818
जाण्यंड परदेसी परधान	,	29	जोबणि जोबणि पाळा सङ् बीस	8	91
जाण्यां राउ धणउ बरहे नहीठ	3.	29	जोवा मिसइ मलिक तिणि वार	8	\$ 12
जासहुरव जनि जापीइ	1	4	झ		
जासहुर गढ उत्तम ठाउ	8	\$88	झाझां नीर सरोवर मोटां	3	9.5
जालहुर गढ विसमंड मण्ड	2	22	झालर वाचि माहि अतिउरि	8	२३५
जासङ् कटक सापणङ् ठामि	ą	181	झांझण नह पातु पढिहार	3	ષર
जास तणह तेजी रूप भाठ	3		ब्रूरमब्र्रा करड् विमासङ्	1	908
जास तणडं सीताई नाम		116	ट		
जांगी ढोक सातसङ् वाजङ्	1	१९९	ट्रके कांने भूगरमेला	2	9,97
वि को बंधन छोडवह खामी	9	158	टोडडे जावीय	.8	80
जिमि देसह सह तीरचि जाइ	9	3.0	टोले टोले पढड़ करांपि	₹	1
जिलि यसुनाजक गादीउं	3	Ę	8		
जिरहजीण लिवराइ भवलां	1	208	ठामि ठामि साबाण सिराचा	₹	30
जिसी प्रीति हणूया सुप्रीव	8	40	ड		
जिल्लां कमलयुग नयन विशाल	8	इ≷०	उहिली दोर साबाण सिराचा	1	8
जिहां पीढीह विप्र नह गाय	3	\$ \$	डुंगर तणां शिषर डगमगह	8	₹8
जीणह् वसङ् जाळउरउ काम्ह	8	50	ढ		
बीतं कान्ह बात इस सुणी	3	२३८	डीली जाइ तु सरण ज भछइ	3	22
जीवतन्यनी भास्या रली	₹	380	त		
जीहळवाडू नइ देवेर	8	9,3	तहं बालिड काम त्रिपुर विध्वंसिट	3	30
ज्ञ भन्द भावी स्रोतक मिल्ह	₹	3 € 3	तउ महिपद्द मोकलाब्बा राव	2	91
जूनउ गढ गिरनार बुलीव	3	900	तंत्र श्रीगिरणइ वांची वही	1	۲
जूनां धान हुई बलहीण	8	358		9	91
जूनां सालणां सुकां पड	8	30	तदीयां नगर सवे श्रंशोरुयां	9	
जे जे भाष्या बानर वीर	1	२३४		3	
जे जे तुरक नासी ऊवस्या	ę	2	तत्तिषिणि चढीड राउक काम्ह	.8	5,
जे जे सलिक राह् झालीया	3	280	तरक त्रिकलसां झलहलह रे		31
जेठ भासि सुझ एवडी आहि		२०९			- 1
ने नीसाण तोरकां तिहां सिरि		9.3	तरूकारे सोनहरी सूंठि	8	1
जे पद नहीं ज्याग नइ तीरिय	9	9.7	ताजू राज् छोग छोगाला	₹	8
जे पहिरह सुद्रा कांथडी	8	3,0	वाम सुतुं मस मनि तिछवडु	₹	4
जे फरू नारायण दीठह नेत्रि	8	289		8	!
जे फल पामइ गंगाझारि	8	384		8	\$8,
जे फड़ पासइ तपसी सबे	. 8	8.84	तिणह ठामि कान्ह उक्हीचउ		₹
जे फल सहह द्वारिकां समासि	8	३५०			
जे फल हुइ तप की घइ सदा	8	38:		- 1	₹
जोई बाट राडक कान्हबदे	ę	3,1	तिनि अवतारि पाप आदरिउं	R	9

-00-	
पारकाङ	ľ

		•••			747
श्लोक	खंड	पद्यांक	श्लोक	संड	पद्यकि
तिणि जवसरि गूजरधर राय	1	11	दङ चाछंतां चरणी कांपह	ą	9.8
तिणि दिवसि हूर्उ सुपनंतर	1	3 30	व्छ मेदता वकां उपस्थां	R	288
तिलक कर कुंकुम तणां	9	₹8.0	दस सहस साहण मोकलीया	8	943
तिहां फेरणूं करज्यो जई	ą	300	वहीरदीन नइ बगसू भणड	8	Ęw
तीणिइ परि सोनिगिरि स्पोस	2	٩	विन इकेक कोडी दीइ	1	99%
तीम्हा तुरी ऊडवड् राउत	1	२०८	दिबस केतला रहिज्यो मांडि	8	126
तीम्हा तेजी तुरक वारवह	9	333	विवस दोहिकइ नीगमूं जी	8	२३४
तु कुंबरी बोली इणि परि सुणी	3	583	दीइ कथला साहमा सूंबि	8	540
तुम बीनबूं भादि योगिनी	3	904	दीइ सीचामण साम्हउ जाह	8	२२८
तुरक चढी गढ साहमा भावइ	2	154	दीठंड तुरक पष्टिंड सुरताणह	ą	388
तुरक तणा देस ऊत्तरीया	3	<b>3</b> 4	दीठउं कटक बलि ऊतासा	1	९५
तुरक तगां भांजी दक प्राणइ	8	948	दीठडं बीरवदन तिणि ठाष्ट्	8	299
तुरक बचा मूंगल करकटीया	8	388	दीठा तुरक रक्या रिण यो भी	3	48
तुरक सबल संनाहड् भारी		₹ <b>१</b> ₹ ₹ ₹	दीठा राउत रिण पढ्या अपार	8	233%
तुरका ये नीसाणज होतां	3,	93/2	दीठां दल नह आबी हारि	8	2 4 4
तुरको तणउ पार नवि छहूं	8	99	दीठां नयण त्रिणि सुष पांचह	₹	122
तुरके हीदू निव भागभ्या	3	163	दीवां रपत जई दरवाजह	9	Ę o
तुरी पुरातल भरणी वणह	3	₹ 0	दीषी झांप पांचसइ राउति	8	२१५
तुरी सहस्र छत्रीस पावरीया	3	6.8	दीषी पोलि हुउ गढरोइउ	,	60
तुरी सहस छत्रीस मेलीना	8	308	दीची सीय पातसाहइ वणी	8	9.0
नुकसीपानि कान्ह नवि पूज्या	9	3193	दीषी बाट समरसी राउछि	,	40
त्ठउ पान भणइ – त् हींदू	3	340	दीवी सहस बिच्यारि करावी	9	196
तुं तो प्राणव माहरउ	8	१२८	दुकतईयार बहादर हमीद	8	86
तेजड सुंजड वे राउत	8	१७३	वृभइ सीष्यं लींबद्द	8	9607
तेजवंत नवि मानइ साट तेडावीउ कान्ह ऊलीचउ	2 2	६८ १५२	बृह्वण राय घरइ तिणि बार	8	993
ते वैद्याप मास पंचमी	8	568	देउल तणउ न भाजह रंग	ì	રક્ષ્
त वसाय माल पंचमा तेह काजि आणी परिताप	8	250	देउछ देव जोगा सबि फिरि	8	284
तेह घरणी वरि राषी राह	,	24	देव तणह प्रासादि चिहुं दिसि	,	69
तेह सरिस हठ नवि मांडिह	8	6	देव तणा अववह चउरासी	,	66
तेहुनी पाषर तणी भली पयरि	રે	992	देव दैस्य जीणइ परि भिडड	8	२५९
तेह सरिसु गंभीर निवाद	8	264	देवसीह भोजउ मह बेउ	Ę	86
ब्राट कर करि कनकमङ्	1	984	देवाण वरं सिद्धाण दरसणं	8	1210
त्रीजइ पुहरि बांचीउ रिणवटि	8	290	देसदेसना आवड् माळ	8	46
त्रीजा पंड तणउ प्रारंभ	3	,	देस सविद्वं माहि तिलक शिरोमणि	1	<b>3</b> 93
त्रीजीइ भगतउ सीसोदीउ	ì	109	देसि देसि मोकल्या हुकारा	8	3 10 2
त्रीस सहस्र कटकीया वाणीया	à	66	दोर लिराचा केरी पाढह	,	234
ध			बाउ भरदासि पासि तुम्ह दीषी	,	385
थयुं प्रभात तब तुरणी नारि	₹.	185	वृक्षी हींबू वालिसु रानि	;	30
थानविक्रोक्षां बासक रोवड्	1	144	घ		• •
4			अस्यां बहिनि बहिनेबी बेउ	3	192
ददा सनावरि तीणह कास्ति 84	8	116	बत्यां बांद सुदुवासूं मार्गु	1	40

श्लोक	खंड	पद्यांक	<b>श्लोक</b>	खंड	पद्याः
बरी मेटि घोडानी सास	9	₹0	पद्मनाभ कवि इणि परि भणइ	,	989
बाबा सुद्दब झाले फूटंते	ą	300	पद्मनाम पंडित मणह	1	201
बारातीरच पास्या जेड	8	२८४	पद्मनाभ पंतित भणह	8	
षांपुळोच्च सोमउ सुविचार	3	85	पद्मनाम पंडित भणह	3	9,1
न	•		पद्मनाभ पंडित भणह	į	23.0
नडबण सिवड वीरड जञ्ज	3	<b> </b>	पश्चनाभ पंडित सुकवि	1	
बगर निवेसि बारगह दीची	3	<b>"</b> 9	परठइ सांगि कागि लोहडानी	9	9,6
मगर भणी सोचरीड राउ	9	२३७	पहिलंड जड्डे मिस्यंड दीवाणि	1	19
नगरि मांडवी वारू पीठ	8	34	पहिलंड बापकरा सुत पह	1	194
नयरि योगिनि मुसकमान	3	158	पहिलउं मंत्र सुपरदु करी	8	9 2 4
नरकपात अवेलह जेउ	9	२५इ	पहिलडं वित्र उच्चरङ् आसीस	8	289
नवह लाप बान मुकान्यां	,	258	पहिली तुरक तणी ऊठवणी	3	9.6
नवकोटी नामि भण्	3	Ę	पंचतालीसउ पूठि वरीस	8	181
नवि अवतारि देव अवतत्था	R	113	पंचवार छापसी कंसार	8	49
नवि देस्युं वेबाही मान	3	133	पंचवर्ण तेजी पाषरीया	9	968
नाठउ कर्ण पछड् गढ	9	€8	पंचवर्ण पटउलढां ए	3	944
नामजाद सयगळ सदमाता	₹	26	पंचशब्द हुइ पेषणा ए	ą	148
नारी करह खुणखुळणां	9	₹80	पंनरसङ् चढरासी जमहर	8	२४३
नाषि तीर कोस भुंइ वहि	2	992	पंच सहित बालह निज आर्था	ą.	१२०
नासीनह जगारिउ भाप	3	994	पाडी बांडि कर्ण राउ नाटउ	8	६२
नाहर मलिक ऊसरीउ पाछउ	રે	88	पाणी चान चलावउ साथइ	3	₹ %
नाहर मलिक तणह दक्ति मिलीया	8	85	पाणीपंथा नइ पुरसाणी	1	164
निजामदीन मलिक बलवंत	è	<b>4</b> 8	पाणी भरियां सरोवर ऊपरि	ę	808
नित नित करह राउछा वता	8	8.5	पातल प्नराज रिणमछ	1	५०
नित नित सुंबीनह गढि भावह	2	212	पातसाह भागछि परि सुणी	ş	306
निति काठगढ चाई करइ	à	9 5 2	पातसाहनह आवइ वोडि	¥	5 \$ 0
नितु नितु पूजा हुइ नवनवी	,	२५२	पातसाह निव जाणि सिद्धि	1	1978
नैरति वरण सबे सुर मिली	2	280	पातसाइ नेटी श्रति भणइ	ą	168
<b>प</b>	•		पातसाह मनि भिष्रज भयड	Ę	346
पष्टकुल मेघवशां करयां	3	940	पातसाहि कासीव मोकल्यउ	8	184
पढड् त्रास भटकीयां विस्टूटड्	ą	199	पातसाहि दीघउं फुरमाण	ą	55
पढड् त्रास भडवाय तुरकनइ	à	39	पातसाही ताहरी परिमाण	ą	3 8%
पबह साद सारही तेबाणा	₹	386	पातसाह दलतउ जे सहू	3	₹8 ७
परवंद कटक करी मेलावंद	,	306	पातिसाहनी आण न मानइ	₹	3, 9
पढी धरातलि ऊसर भागू	₹	353	पातिसाइनी जोउ वात	ą	₹8
पढ़ी मेळ शासाद देवनइ	9	9.8	पातिसाह बोल्डइ परि घणी	8	186
पढी भेक बुंबारव वरत्यु	9	209	पातिसाइ मनि वात विमासी	2	58
पव्मनाभ पंडित इस कहह	8	1412	पातिसाह मूछइ वरू घास्त्री पातिसाहि जड करी प्रतिशा	₹ .	६२
पदमनाभ पंडित भणह	8	181	पादिसाह जड करा प्रातज्ञा पादि थिका ऊसरीया राउत	2	94
पदमनाभ पंडित भणह	8	112	पान कपूर दीइ थईकात	3	6.8
पद्मनाम उचारह प्रमाण	1	1-0	पापी तजी बात सी कीज्यह	8	44
	•	,-0	नान जना बात ला काज्यह	2	383

			पवि	शिष्ट		580
*	प्रेक	संद	पद्यांक	श्चोक	संह	पद्यांक
पारकर प्	गळ, मारोट	8	98	42		
पारकरी	संधूमा कही कि	2	93%	फिक्या दोसी नइ जबहरी		19
पाछि भा	वी जोइ स्रोक	ą	188	केरिड बीर पाडीड त्रास	1	3,1
	स्था काठगढ <b>पाई</b>	,	338	व	•	•
	। जे पूजा करह	9	२५६	बगतर तास छीयां कदाछी	1	68
	इ चासणी बाण	1	285	वगमीघडा कावडि चालड्	3	90
	तिल धरणी पूंत्र	1	160	बदरदीन नइ सेथ नस्थ		90
	। हुइ प्राहुण।	•	140	बरगां ढोल नफेरी वाजइ	1	80
प्रीति सह	तेदरस्यूं चणी	,	179	बरगां ढोळ नफेरी वाजह	ą	9.8
	री राय दीह मान	,		बहादरपुर अबेर कि	8	184
	ामीइ विद्या वस्त्री		२३३	बंदइ इसी करी अस्दास		149
		3	२३२	बंदइ इसी करी जरदाशि	8	46%
	यगल बाझइ बारि  पि कृडउं नवि चवइ	9	२२९	बंदा तणा सवे अईयार	8	६५
	ग्रन आवह अंगि	9	738	बंदीवाल्ड्र घणा सीदाता	3	148
	ह्यां नहीं वियो <i>ग</i>	9	226	बंदीषानुं साथि चलाब्युं	9	904
	हें इतकाई बाट	,	220	बाजी नाटक विद्या घणी	3	514
	इ सुकुलीणी नारि	,	₹\$0	बापडुदि भाष्यउ सुरताण	ą	180
	र पुज्राजा नार डं <b>ए पार</b> पूं		२२५	बापछदे महीडइ परि सुणी	8	२६५
			344	वालीसा नइ सीसोदीया	8	308
and de	गं दुसकृत टल्ड् प्रीति पामस्यङ्	3	१२८	बार्खा गाम देस ऊजास्या	3	105
	गात पानलाइ गेनवरियोगिनी	8	990	बावन मण सोना तिणि छागा	₹	68
		8	3 30	बाहद बूजड नह हम्मीर	3	49
	छेलइ ग्या संचरी	ą	363	बांधव पुत्र कलत्र धन योवन विमणां सूझ असी आगरुत	8	583
	छ पातसाह इसिड	ą	292	वि सहं हाथी <b>ब</b> लिया सुरताणी	2	98n
	त - राज कुणि दीवर्ड	1	316	विहुं गमे बळवंता हींदू	3	69
	- कान्ह घरि केला	1	186	विदुं वेवाही मनि उछाह	ę Ę	५३ १९६
	कुसम नइ चंद्रनि सड बीजड जेउ	3	191	बीजह दिन राउति रिण सोधिउं	9	4 7 q
	_	-	960	बीजब भाट चालीड जिसह	8	
	रमञ्जू अज प्राणि	ş	43	बीजद सींबड कहुउ जाणि		९३ २७८
	ाउल पातल	. 8	508	बीजा पंड तणड प्रारंभ	ą	1
	ग जे राडल तणी	8	₹ & €	बीजी उठवणी हींवृनी	à	96
	ड करइ संधान	8	₹६0	बीज बली न काई बाक	ì	218
	च्याइ डोक	8	53	वे नवला बोकह इस्यूं जे	9	122
पूरव प्रेम		8	356	वे कर जोड़ी करी वीनती	2	383
	द्दीया मांहि धरी	A	३१५	बेटड महिप देवडा तणह	3	118
पूरव साग	र छगइ कटक लेई	₹	44	बेटी अणह अवधारत तात	ą	200
	ाउ कतारिङ भार	8	565	बेटी वचन ऊचरह इस्	3	233
	पांचमी बार	*	500	बेटी वात संभाकड् घणी		214
	ी बारण तणी	8	26	बोडां साथां चित्रा पाय	7	99%
पासाना न	ह् मह सेहुर	8	101	बोखड् डोक सचे जेतकड्	8	9.9
र्मम संगि	सबि सजन मिछह	.8	\$45	बोखड् बिरद सचे वंगाक	*	205

# कान्हडदे प्रवन्ध

श्चेक	संद	पद्यांक	स्त्रेक	संद	पद्यांक
बोळड् बोळ मिळक सपराणा	₹	\$8	मिलक इस्यूं हिंतूनइ कहड	8	110
बोक न मांन्यड नसपति राह	ą	121	मलिक कपूर कमालदीन	8	१५४
बोक बापनड हुईड् घरी	8		मिक तणा जुजुबा मरातव	ì	148
बोलिड बीरमदे मनि इसी	ą	132	मिलक नेव एवड जस लीउ		1102
बोखि बीजी वार प्रधान	8	9.12	मलिक नेव जीतउ संप्राम	ì	111
बोछि वात धरी अभिमान	ą	985%	मलिक नेव बळवंत बपार	ì	99
बोक्यड पालिसाइ परि करी	3	123	मलिक छहुइ बिमणी किरीयाति	8	69
भ	,		मलिक सबे दक माहि बक्रमस्या	8	२०९
अणवा तणउ न जाणह वेद	3	₹ ₹	मलिक सबे भांजेज्यो भिडी		69
मणी कटक ऊपक्यां असाउलि	1	8 9	महिपड जड्त देवडउ पहिलड	ą g	66
भणी जालहुर सीचामण चाई	9	29	महिप जहत कीतल जगपाल	8	२७०
भय आपणउ चिति नवि धरङ	3	184	महिप जइत देवहउ ववाणि	8	24
मस्त्रां सरोवर पालि ऊसासी	ì	984	महिपा साथि पढ्या पंचास	3	110
मली बाद सहू को सुणह	9	968	मंदपि मुहल दीह भूपाल	ર	
मंडारी कोठारी जेउ	8	8.5	मत्र महोष्ठि देवता	8	44
भागा देस काहानम चरोत्तर	9	46	माह भारती तणह पसाह		9 2 8
भागां झाड बीड थिउं पाधर	2	44	माणिक मोनी सोनां सार	8	583
भाजह कंच पढह रिण मार्था	9	238	माणिक मोती हीरा आणी	w w	3.6
माठी सद वेषह पमार	8	८६	माणिकराय वरि चउथी वार	3	२३६ १९९
माते बंधि चमरज सोहि	ę	99%	माणस तणा वर्ण भडार	3	
माज्ञाजण मंडोद्दर तणा	8	902	माना सबगरू सतगर्थेद	5	२५० <i>%</i> ९२ <i>%</i>
भिडकिमाड राउछि हुठ कीथउ	9	39	मायह मोरपीडमी चही		
भिक्यों कटक रिण काहरू वाजह	2	8.5	माधव महुतइ कस्पट अधर्म	3	૧૬૫ ૧૫
भिन्नमालन् किस्यूं वषाण	3	2.8	माधव सुद्दतंत्र साथि मोकल्पउ	,	
भिन्नमालि श्रीमाली वसइ	3	२९	मान्यउ बोक देई सीपामण	-	30
मेटि करेवा हूं भाकुली	è	२२५	मान्यउ बोक राय बहुआणह	9	194
मेठ्यां पातिक जाह नासि	ì	9.0	मारइ देस फिरइ वण फोजइ	8	२२४
मेल्याउं नगर रह्या गढ थोभी	ì	4.9	मारगि रहेज्यो जुजूह गामि	8	90
मोई मेहर जनह ठाठीया	5	69	मारी देस नेस कजाहिस्		98
भोड़ें मेहर चणा तबाक		65	मारी मलिक भवाला की था	1	123
भोजन वारि नितु अवद्राज	8	226	मारी मलेक्ड पहुंतर दीवर	۶ 9	84
भोक्ड साह मणइ लिंड नेल	8	130	मारुवादि माहि कटक पुहुतां		५६
H		• • •	माखा म्लेख असंभम करिउं	3	335
मई बोठीया बोळ गंभीर	3	388	मास्या म्लेख सहंफलंड जीतुं	8	१८९
महं लीधा माछव चंदेरि	÷	4.8	माला पोहर पास बवास	-	93
माई सांमलीया मागिली भास	8	268		9	18
सदनभेरी वाज्यां नीसाण	3	243	माल तणी परि बाये आवह	3	212
मदि माता मयगळ सिणगास्था	ì	8.8	माहरा व्छ साहम् कुण मांडह	3	118
सरण तणह अवि भोजन वार	,	74	माहिल्ह् महिल मसुरति बहुसी	2	ĘÌ
मलिक ममावस केरड बंवड	· •	119	माहिली राति मिलक दहवडी मांडवगढ तिसड नही	8	503
मलिकड तिसइ पीयाणां दीयां		188	मांडनि मिलिय सुहासणी	. 8	6
मलिकह कोही कषणा तणवं	i	304	मि पूरव विसि जनगापुर नथुरां	3	585
white and warming	•	,	ान करन लागा जनगान्तर संबद्धा	3	44

परिशिष्ट						
श्लोक	संड	पद्यांक	श्लोक	संड	पद्यकि	
मीर गवाई ताजन मीर	8	88	राबदिहि दीठी निरमली		588	
मुहिता कुंडलिया टावरी	8	282	राजरिब्दि निरमछ सुणी	8	49	
मूरति एक जालहुर मांहि	1	રપપ	राजकोक जोवा कुंबरी	8	२४६	
मूखराज नइ मारू जाणि	ą	8.5	राजवंस क्षत्रीसङ् मिळीया	1	168	
मूंग कोरी माहि रहइ सरैव	3	181	राजा मणइ मुह्क मोहि जावि	8	€ ₹	
मेघउ कोलु नइ देवाइत	8	84	राज बीरमदे देवसी	1	6.5	
मेघवना फाडा बोधिवा	8	30	राणी भणइ विमासठ किस्यू	₹	186	
मेरउ तेजउ नइ सामंत		ખ્ય	राणी तजी वावि गंभीर	¥	24	
मे्डुराजुतेजुजाणि	8	२७२	शणी वचन इस्पी उचरी	¥	\$ 0 12	
मोकछाणि सरोवरि हुतउ	8	108	रानि रुखंतां थया दिन घणा	2	8	
मोगर बाय पढि समरंगणि	,	२०९७	रामपोक्ति जई राड जुहारिड	8	148	
मोची गोछा नइ सत्वारा	ą	८९	रामसाह कडीउ हम भणह	8	150	
मोटा मलिक गुंदरइ वल्ड मोटा मलिक तस्युं भवड्	8	ઢર	रामसीह राउत रोसाक्टउ	9	199	
मोटा मलिक तस्यु भवह मोटा मलिक सचे ते <b>डा</b> च्या	ę ę	<i>९२॥</i> २६	राय भणइ ए साचउं सही	8	133	
मोल्हणसाह कहह परि करी	8	132	राय भणइ महाजनि परि कही राय वसि कीघड छोपी छाज	8	181	
य	•	141			२०३	
बसुना नदी जई तिणि वार	8	221	राषइ जीन दीव मोहि पह्ठा राष्यां धान चाळता बाह	3	8.5 @\$	
बंत्र मगरबी गोला नांघड्	2	196	रीसाबिड राडल भन्नीजड	,	80	
यादववंश वली अवतरू	9.	230	रीसान्यु झूळगु प्रधान	,	18	
₹	•		रुद्र रूपि सुरताण भवतरिङ	Ř	125	
रणि राउत वावरङ् कटारी	1	299	रूर्ड भाइक जमकड राषी		968	
रणि बाउला दोट उछीना	•	69	रूपइ सन्द्रणही	8	300	
रंगि विरंगां सुद्दगां मूळि	8	४९	रूंडमुंड स्डवडड़ रिणंगणि	ě	98	
राउव माहि चणड सपराणड	2	48	रोसाका राउत रणि सूंद्र्या	1	90	
राउत वली वीर रसि चडह	8	₹ ₹ \$	ल			
राउत सबिहुं तर्णा जे माणस		२३२	लंक त्रिकूट सिरीषहउरे	ą	148	
राउल भावी रहइ करहडी	8	185	लागड पाय मांजीवां बांस्	. 8	२३८	
राडल कान्द्र भाइस वियउ	8	388	कार्गू बली जगूरू मानि	8	263	
राउक कान्हड् आयस दियउ	8	300	काजह राजगोत्र भहिठाण	3,	150	
राउछ तणह भीगि उछाह	8	\$ 0.00	साधर्व सुपन राय तिणि कार्छि	8	140	
राउछ भणह भागि तुं कांधिछ	8	₹98	क्षावरं सुपन राय तिणि वारि	8	144	
राउक मणइ इस्यूं का की वर्ड	8	250	लामइ कापड नइ हबीयार	.8	60	
राडक मणइ तुरक किम लेसइ	8	२२२	कामइ नवी तिस्त्री नइ विही	8	99	
राउक मणइ महिए मन जेडि	3	30	कामइ वारिक फोफल जाव	8	96	
राडल भणइ माछदे प्राणइ	8	106	खामइ बांब तेक नइ मिरी	8	७६	
राउक सणइ वीर माभणीइ	3	9 <b>६</b> ० २ <b>९</b> १	कामइ साबू नइ कंटोक काक सिरावा तरकस जिहां	. 8	967	
राउक भणइ ब्यास कुण सावि राडक भणी गई पाधरी	8				90	
राउछ माळदे चाकिउ चरी		२०६		5	180	
राउछ भावद जाकद परा		1 · 5		₹ <b>३</b>	९२ ५७	
राजहीड माबाइत जेड	•	161		٠ ٧	99	
राजनीति जाणह् वणी	ì		काव खूण तिक बुहुवा वीक्या	ĭ	144	
Martin Mind and	•	- 13	are de ma dem atait	•	***	

### कान्हजुबे प्रबन्ध

म्ब्रे <b>क</b>	खंड	पद्यांक	श्चोक	खंड	पद्यांक
छिप्मीबंत बेतसी तणउ	8	225	बली पसाल बनड् नाबरठ	8	96
कीउं बाण सीमिणि गुण परिंड	2	193	बस्यां कटक नह जग्यउ भाग		33
कीजइ मोर त्रिहुं ऊहाणे	9	183	वसद नगर गिरि ऊपरि घणउं	8	ો
क्षीच्छ गढ नाणीड नमिमान	Ę	7	बाह बाउ बेबि दव बालह	,	908
खुणकरण माल्हण छह सही	3	960	बाजह ते नवि पाछउ जाह	8	138
खुणकरण माक्दण छोडनइ	8	220	बात एतली कटकि सांभली	8	150
लंक्ड नइ रीकाउत पतु	3	83	वात वात छेहि करइ सलाम	ą	16
लेई भेटि कइ मिछवा नावे	9	198	वानर तणी परि झडपीनड्	, 2	993
छेष लिषाणा भागस दीघां	3	963	बारइ बारइ हारि सांगली	· •	49
कोक उतारीया करी उपाय	2	145	वाका वाजा भनइ जेठूमा	ì	68
छोद्ध सबे नासी गढि चडीया	2	९८	वाहणि चडतां लीजङ् साथि		
लोभइ एक नर छोडइ मान	8	181	वांचिउ लेष सजाई कीषी	5	388
लोभइ एक नर लोपइ धर्म	8	945	विद्या बाद विनोद अपार	8	90
कोभइ एक विदेसइ रुक्टइ	8	960	बिरूई बात बरतेबा लागी	9	30
कोभइ एक करह दारिज	8	966	विखगइ क्यारे देव दैत्यनइ		
लोभइ जमलउ वासि म वसङ् लोभइ धर्मलोप बादरङ्	8	१८९ १९०	विलवह वे सती	3	99
कोभइ नर विदेसह सुखह	8			9	122
कोम विद्युगंड जे नर मरह	8	969	विवहारीया राय बीनवह	. 8	194
कोभा विद्वार ज गर भरड् कोभिइं उल्लिबइ पर्वतमान्ड	8	193	विषम कर्मगति किम टलइ	8	588
कोभमूकांनि पापानि		9 < § n	विषम दुर्ग मई सवि पालटीया	2	જુ પ્
कोइडइ जडी फरक नइ रहिकल	8	2031	विषम दुर्ग सुणीइ बणा	8	Ę
कोहडां तणी काटकडि ऊडी	8	99	वीकह नीटरडकनी वावि	В	१८२
काह्बा तथा काटकाब कहा स्यु संनाह थाउ असवार	S S	७५ २९७	बीक्ड भणइ म पाछा जास्युं	8	3 6 \$
=	•		वीज तणी परि लोह अवुकह	8	63
<b>a</b>	ą		वीनवीया जई नइ सुरताण	3	3.8
वचन अवधारत असपति राह् वचन कान्द्र नवि छोपड् सही		33	वीरत महसी नइ मोषसी	8	40
वजीर मलिक सबि पूणी परि बोलि	8	999	वीर भणह ए साचूं सही	- 1	२३१
वडड बीर विष्यात वदीतउ		932	बीरमदे जाणिउं अनुमानि	8	208
बधामणीड पहिलु बालिड	8	34	वीरम भणह ऊधारउ जीउ	8	196
बरती भेळ देवकड् पाटणि	8	१५८ ८६	वीरमदेव वंश वण काज	8	२९८
वस्स महार छगद् त्रापडा	8	124	वीरम छोहट बीहरू जाणि	8	503
वळतं पातिसाह इस मणह	8	310	वीर वचन लोपइ आपण्	8	225
बली गणेश ते सुद्दिणा माहि	8	199	वीरवदन महिमा एवडउ	8	396
बली परुवा विमणा हबसी	8	999	वीरहाक वाजी रायणंगणि		60
वली मिक चढीमा तिणि समइ	8	248	वीवाइ तणी न करिस वात	ą	105
वळी मिलक स्ंहीनइ जावइ	₹	80	वीसकनगरत नागर एक	8	380
वकी रलीभामण्	8	808	वेढि तणा जाणह परपंच	8	266
बळी छोभ देवाड्या घणा	8	198	ब्यास कहिउ करणती परि	8	222
बस्त्री विजेसी ढदड जाणि	3	६६	व्यास अगह राउछ वदधारि	8	790
बस्त्री विमासी पासइ हुंचड	2	150	म्बास बोलीया वचन विचारि	8	184

श्लोक	संद	पद्यांक	श्लोक	खंड	पद्यांक
হা			सरोबरि विसरि सुण्या नीसाण	ą	905
सकति मणइ जउ गढथां चढी	ş	308	सर्वगुण जाणबङ्	8	808
द्याव मूंकाबिड त्रीजी वार	Ł	₹9७	सवाकाष षांदायत सरमु	ą	88
भावण मासि जनया दीसह	₹	८५	सबि तलीयातोरण शकहरूइ	9	२३९
श्रीगरणा वङ्गरणा भला	8	80	सवि सुकुलीपी रूपि क्षपार	8	પંદ
् व			सवे सिलावट सांचरह साथि	2	91
परा विपुदुर कटक तोरकूं	8	830	सहस कठ्यासी भागइ संख्या	à	96
पलकपहरि कावली बाया	8	93%	सहस्र त्रिणि तेजी ऊदास्या	2	188
पलची पत्र वह चलपलीइ	\$	85%	सहस्र पंच्यासी हिंदू तणह	8	111
षाइ भांगि मद पीइ सलार	₹	<b>9</b> ₹ <i>n</i>			
षाई बूरी घणे विनाणि	8	3 5 3	सहू साथ बुखावी करी सहेट पूनल, बोळी खतह	ł	585
षानज्यांह दल ताजां स्याज्यउ	8	9 4 9		8	164
षानज्यांह नइ मिलक इमादल	₹	€ 0	सार्च् भणि हुइ जेतरहूं	ą.	२२३
षानज्यांह साथि मोकलीउ	8	3 8 8	साठि वरस वाबरतां पुहुच्छ्	2	99
पान भणइ-कुणि कारणि बाच्या	9	388	सात वरसनइ माजनइ	2	348
पारिक द्राच नाकीयर नीकां	9	७५	सातवीस दीवी पाछवी	ą	२२६
षित्री तणर्ड तेज सपराणर्ड	₹	80	साथि वणी दीकोडी सूंडी	8	₹ ₹
षिन्नीवट जे साहस घीर	8	પ દ્	साथियी नादि गोला चालि	₹	992
षीमंड बीरंड नह पदमसी	8	२७९	सादछ सीह मलिक जे हता	₹	30
युदा युदा करी पोकारि	3	₹0€11	साम्हा सीह किसी गजमारू	ą.	96
<b>पुरता</b> खि घरती चढहढि	2	97n	सालिहोत्र जेहनी कसुटी	₹	68
पुरासाण महं पुरतिक पूंचउ	₹	8,6	सास्हउ राउत नइ घारसी	8	२७७
वेडां तणी ठाठरी मांडी	ą	९८	सारुइंड सोभित सूर अपार	8	२७६
षेडां पांडां पड्यां जूज्शां	8	२२१	सास्हा चडकी करहडी जाणि	8	9.5
स			सारहु सोभतु ते समरगणि		903
सगुण सळ्णा राउल	8	३२७	साव दुखइ चालिउ सुरताण	ì	18
सतीधर्मि करि राउ उधरिउ	3	508	सावलोह पायर नइ चामर	,	966
सपराणा सीमिणि गुण गाजह	1	२०९	साव छोह भाला नइ सांगि	8	86
सपराणा सुरताणी बंदा	ą	6.8	सास न बावह ए बहिनाण	8	२०५
सप्तजन्मार्जित पापं	9	158u	साहमा छद् सपराणा मीर	8	346
सबद्वेध सीधूमा बोलवु	4	99%	साहस प्रभावि एतली नाहि	₹	9 6 10
सभा मांहि जई राउल मेक्या	1	126	साहस प्रभावि एतसी माहि	,	948
सभा मोहि सहू को सुणइ	ş	350	साहिया लोक बंभ नह बालक	3	308
सभा सिद्ध रा बोल्ड् मर्म	9	35	सांतल तणी अतिउरी	5	
समस्यान मोक्छइ हतउ	₹	360		-	146
समीनाणे गढरोइउ कीथउ	?	8.4	सांतलसीह हुंतउ भ्रष्ट्रार	Ę	1 4
सरछी सुढि दीपता	₹	<b>९२</b> n	सांतिल सुरताणी दक दलिवं	1	1.
सरवरि जल बीधर्ज पोपटइ	3	11	सांधिइ सांधि जूजुई की भी	1	94
सरवे घोडे साथि मोकस्या	3	124	सांगळतां सरीर उक्हसङ्	.8	885
सरला संबल नइ पहिरणां	1	२५०	सिद्धि निरंतर ते छहड्	8	\$ 58
सरिडं काज सनि पूगि रकी	8	₹	सिंचाणा परि योध झडपि	8	2332

# कान्हडदे प्रवन्ध

श्लोक	संद	<b>पदांक</b>	श्लोक	संड	पद्यांक
सिंधु सवाकव जनह पारकर	8	305	₹		
सीमिण वर्णा विकोसां मेली	ą	320	हईइ चनड अनोस्य हुतड	8	311
सीवाई प्रति राजा भणह	ą	२२४	हड्डेंड् रोस पातिसाहि घरिउ	ą	184
सीप मोकली राउक कान्हरू	8	308	हड की वड सुरताणस्यूं	,	99
सीमिणि गुण सपराणा गाजह	2	ષર	हण्या हबसी बांबाधार	2	94
सींचल सहसमझ झूझार	8	२७५	हक्सी पतन नेजा वाजो	₹	932
सुणी वात रणि कीधड रोह	₹	93	हयगय सुहद्र सारथ सवि	ì	155
सुरताणनी बाणी सुणी	3	30	इरम धरी हठि बोडां छीधां	8	940
सुहिणा तणी वात सबि मिली	8	200			
सुंदरी सोहामणी	. 8	₹05	हरराज देभउ नह विजपाल	B.	<b>ξ3</b>
सुका वड विणानी पूली	2	300	इल इल करी कटक सामहणी	2	23
सूरड बीजल लींबड मणूं	8	4६	द्वाजी मलिक मलिक भवताजन	Ę	9.5
सूरिज तणइ वंसि हुं आज		334	हाटां तणउ पार नवि लहह	8	69
खुर्बकांत जु हुइ सांम		182	हाथी सहस बिच्यारि पावरीया	₹	6.8
सुंदर नाम तळावह जेउ	8	२ ९	हायेवाल्ड् हाय नवि धरूं	ą	358
सुंच्या होह कइ बन्हे कीथा	9	305	हार निगोदर बहिरवा	3	२४५
सेजवाल मनि एवदर छोम	8	193	हाहाकार हुउ तिणि वेलां	8	580
सेजवाछि गढ कारणि करी	8	964	हा हा दैव दोस कहि दीजह	8	२४२
सेतवंध रामेस्वर सुगीइ	2	98	हिम्बर् दूहवण भाणी घणडं	8	838
बेरी सांथ मोकली वाट	8	18	हियडइ हरच जपार कि	3	२४४
सेव स्हाली काबू गक्या	8	40	हिव आपणनइ आवर् पोडि	3	\$4
सोगडडां केकाण कि	8	3 8 00	हीवृए दल प्राणइ दस्यां	8	106
सोनगिरि ज छांट्युं बाट	Ę	303	हीवू तुरक नहीं को इसउ	3	308
सोनगरां कुलि स।इस घणउं	8	इइप	हीदू तुश्क पढड़ पोसाता	₹	998
सोभड सुद्दड सह कर्गदे	3	€8	हीवू भोजन भाव अडार	8	9 2 8
सोमचंत्र राव पूक्यं व्यास	8	3 ફેલ	हीवूप् मारीथल कीधड	3	214
स्रोमनाथ जाराधइ कान्द	3	543	हीदू सबे एकमना भिष्टइ	₹	9 4 4
सोमनाथनी चाड करेजे	9	350	हीयबल्डं घणुं गहिबरिउं	8	824
सोमाडत पांचड भरबाङ	R	84	हीरादेवि भणइ चंडाक	8	202
सोमेसर घरि छड्डी वार	ą	508	हींदू करह वेढि सपराणी	3	68
सोरठ भणी पश्चराव्यउ	9	348	हींदृस्थानी जनह पंदुजा	2	€ 9
सोरठमां लेशुज गिरि मोडु सोरठ मोहि मेगकपुर महूना	1	९७% ७२	हुई वात जालहुर माहि	3	335
सोरठ माहि सह को नाठडं	,	88	हुई वेढि सरोवर तिणि वार	3	110
सोक्षंकी राठउड प्रमार	3	ફ્રેટ	हुई हाक कोळाहळ सुणीह	9	98
सोकंकी वाषेका सुदुष	8	88	हुउ पसाउ अधिका तुठी	ą	188
खान दान देहरासर करी	÷	299	हूं सवतरीउ दानव भणी	1	214
स्सृतिविचारना जा म्ह् मर्म	ą	44	हूं चाळबूं बुद्धि बापणी	ì	30
स्वर्गकोकथी सार्चु मानि	8	240	हेठउ कोई न उत्तरी सकह	3	189
स्वामिकाजि एकमना भिक्या	8	296			<b>พ</b> อุท
•		· · ·		`	

# CORRIGENDA

161

CORRIGENDA Text							
Kha	nda Verse	For	Read			_	
9	90	ठोरधार	ढोरधार		nda Var		Read
•	96	<b>अप</b> रीयां	क्रक्कां	1	959	नूरि	वृरी
8	68	चीडोत्र	चीत्रोड	x	90	वहू	बहु
3	vv	शाणि	आणी	8	२३७	चाह्याण	चाहुआण
			CRITICAL	Appa	RATUS	-	•
9	94	आगिलां	आगिकां em	9	228	चाहुआण	चाहुआण em
1	95	सूरतांण KG	स्रतांण व	,,,	,,	कछि D	किछ ह
٩	20	मकर्दम 🗈	मंकर्दम 🏿	9	280	<b>जीत</b> र्ज	जीतर्ज em
9	29	कहीइ OD G	1 # É E ODF G J	2	3.3	किंद् व	किइ D
٩	२५	भयि	भवि em	1 3	3.8	कीधुं व	कीर्थ С म
3	₹ €	मोक्ख D	मोकर्ख D	2	36	चुपट बात ह	
9	20	हींदू	हींदू em	२	νĘ	कान्हडवेक	कान्हडवेश em
٩	38	सीवामण उ		2	40	एकई ▲	U A K
٩	şo	अवधार 🛭 🗜	अवधार 0	2	48	साम्हड	साम्बद्ध em
,,	1)	सिंभरिनउ	सिंगरिनउ em	3	40	हुतु म	
٩	₹9	अवधारत к		2	49	वारइ बारइ	वारइ बारइ em
9	₹ ₹	झालीइ चान	झालियइ बान	,,	,,	कीसी	किसी
٩	३६	तास <b>रीउं</b> BCJ	तास रीडं BOPJ	2	ξŶ	मुख्य	मुख्य em
9	₹ ८	पातिसाह	पातिसाह em	२	€8.	मइ ▲	HE AHK
9	89	and BGJK	चकी BGJ	3	Ęu	लगि вол	लिय BC
9	40	बृंबडिया	बुंबडिया em	٦	90	बहुरह A H K	वहरइ A K
,,	,,	पहींच BDFG	deg B D E G 1	32	,,,	पहिरीइ	पहिरीइ em
9	48	सारि в	सारि छ उ	2	40	वाहुआणनव	चाहुआणगउ em
9	69	Folio 3	Folio 4	3	<b>د</b> ۶	आणइ	आणइ em
	, ,	in F	in F	3	52	उलगाणा	उलगाणा em
9	49	सीर्थ B C G	लीधू B C	٦	55	सपराणउ	सपराणड em
9	40	वाडा	दाठा	3	900	आबिस B	आविउ в н
9	69	सिंफल व	सिंफह्यं व उ	2	115	चुकड em	चुकड 🛚
9	94	सांधिइ साधि	सांधिइ सांधि em	. २	928	आवसि ▲ 🖽 उ	आवसि 🗚 🖰 🖽 🗸
9	994	पधारीयां	पधारीयां em	2	926	नांषश्च	नांबङ em
9	121	जाणइ	जाणइ em	3	983	इते	sd em
9	939	संभाखे ACF	संभाले АОРЈК	3	940	41-	आणइ em
,,	,,	परगणचं ।	परगणरं em	ą	2		बढावीडं em
Ÿ	148	पूठी ।	पुठि	ş	ve	मंडारि	भंडारि em
9	940	वाझे во в	and BOFJ	ì	15	इंतच	इंतउ em
9	141	सनाद 🛦 🗷	सना <u>द</u> A	į	90	साम्हा	साम्हा em
•			जिमीसइ em	à	14	पासट	पाळदू em
i			वेदस्यह जई em	3	₹.	पुह्ता	ygat em
9			देखि मुहुक्या em	ે .	39	वाषाउं	जाण्यर्द em
•	206		SOUR A E K	à	28	किस्यू	किस्यूं em
•				•			

Khand	la Verse		Read	Kh	anda Verse	For	Read
3	24	<b>नहापुरी</b> B		₹	२२३	दुर्ग	दुर्ग em
ŧ	35	<b>मिनमा</b> कि	मिश्रमाळि em	3	भडाउठी 1.2	पाकार AJ	पाकार A
3	39	करज्यो	करज्यो em	3	3.83	कंयरि	कंगरि
3	*9	<b>बं</b> हर	दंदर em	3	286	क्रंयरी B	
3	**	बेयसी ८ उ		3	280	राइ	राइ em
3	40	स <b>इसम</b> ह L	स <b>इसम</b> ङ्ख L	3	285	क्रंयरी	क्रंयरी em
3	44	पल्हाण	पल्हाण em	,	9	थयउ К	444.000
3	40	कुंकरपाल	कुं <b>अरपाल</b> em	8	90	<b>छनउ</b> D	छनउ L
3	40	दुरजनसाल	दुरजनसास em	¥	96	दिवसनं	दिवसनं em
,,	,,	<u>ष्रं</u> वद	र्ष्ट्र em	8		वेवसाई <b>आ</b> AD	
3	Ę o	<b>হাাণ</b> ত	शाणउ em	8	39	चउवटे K	
\$	64	मेहलांग K	मेहलांग म	8	83	चाहुआण	चाहुआण em
Ę	< 6	सुषलन्ड	संबन्ध em	8	48	दरसण em	दरसण L
	64	मेहत्युं	मेइल्युं em		-	दान	दान em
3	99	वीघीड	वीधीइ em	8,	<b>9</b> 2	षानज्यांह	षान ज्यहि em
3	909	नीसाथ	नीसाण em	,	હહ	<b>5</b> ण ∧	SFFT A C
à	996	काक्रत C		8	ve	नइ 🛦	नह AB
3	139	मान्यर	मोन्यर em	8	८२	गर A गुंदरइ	गुंदरइ em
3	923	बोल्यउ	बोल्यड em	¥	68	अर <b>ार</b> आणज्यो	आणज्यो em
3	938	मुसलमान	मसलमान em	å	90	बदलबाङ्ग	कडलबाइ em
à	936	कंडरी	कंअरी em	-		सहर BD	सेहर BDK
à	33.8	माहिरू	माहिकं em	8	909	बलते ADK	
		बाहुआणनर्ड	चाहुआणनउं em	8	990		
3	135	भवड	भवइ em	"	924	साठि A B विमणउ	साठि A बिमण्ड em
à	181	पामसङ	पामसङ em	8		प्रसि <b>डं</b> A	प्रसिउं A J
3	983	मान्यर्उ	मान्यरं em	ß	93.0		
à	983	आपण्ड	आपणड em	8	348	कान्ह	कान्हem
,,		मइं	मइं em	8	3 68	षानज्याह	षानज्यांह em
		सहंमरिनउ	सइंभरिनउ em	8	906		, थोणउं A K
*	984	भाषणउ	आफाद em	8	990	हुस्यइ <b>K</b>	
à	908	चास्यउ к		8	२०८	रिणवटि	रिणवटि em
à	906	KL omits	KL omit	8	299	<del>डमारीया</del>	द्धभारीया em
۹.	104	iv qr.	ii qr.	8	598	वषाणि	ववाणि em
3	950	प्रवेस 🗚 🛭 🗅	प्रवेस ▲ С	R	२१७	D omits vs 215.	p omits vs 217.
ì	408		Reis ADKL				अपपार्य em
٩ ۽	२०४	सती ह	सिती ह	R	२२८	आपणर्व	
à	204		D प्रंदालम घरि A	8	२३९	देवआदितनइ	देवआदितनइ em
3		भर्त 0	D विवासम्म बार A	. *	२७६	साल्ह L	
-	29.			R	368	<b>उत्सरिर्ड</b>	ऊसरिउं em
₹	२१५	दानव A.E.J भणइ A		R	568	हुउ B	₹4 VB
"	"		भणइ ०	¥	308	पामिस्यूं	पामिरुर्यू em
3	390	कांन्हडदे 🗚		¥	३०७		सांम्ह्य ▲к
\$	588	प्रति बेटी	प्रति बेडी	A	390	तोरकृं em	तोरकूं ь

## APPENDIX I

Page	Column	Line	For	Read				
२३८	2	२५	तेज्या	तेडीया				
			APPRNDIX II					
	ALPENDIA II							
580		ч	बंदिण । 236, ।।। 187	<b>बंदि</b> 1 115				
,,		98	cf. 1 200	cf. 1 201				
284		4	भागई К	भागइ к				
280		39	cf. जहरजीण	cf. जरहजीण				
288		98	28 कूच	29 कूच				
,,		२५	সাহ ▲	जाई ∆				
२५६		93	<b>सुरमी</b> C	सूरभी 0				
			APPENDIX III					
२६१	2	93	कणयाचल ४५	कणयाचल <sup>°</sup> १ ५				
254	9	39	तेह सरिसु हठ नवि मांबिइ	तेह सरिसु हठ नवि मांबीइ				
266	9	36	पढी मेल बुंबारव	पढी मेल बुंबारव°				
,,	۶	38	पातसाह टलतउ°	पातिसाह टलतउ°				
250	9	30	पूनराज राउल <sup>®</sup>	पुनराज राउत <sup>°</sup>				
२६७	3	3	फडिया दो <b>सी</b> °	फ़बीया दोसी°				
२६८	9	94	भली बात <sup>°</sup> १ १८४	भली वात <sup>®</sup> ३ १८४				
,,	,,	96	भागां झाड <sup>°</sup> २ ६५	भागां झाड <sup>®</sup> २ ३५				
,,	,,	२३	मिडकिमाड राउलि इट कीधउ १ ३९	delete the line				
13	**	₹ €	मई लीधा मारुव चंदेरि	मइं लीधा मालव चंदेरी				
,,	,,	36	मदनभेरी°	मदनभेरि°				
२६९	2	24	<del>६ंडमुंड</del> °	<b>६ंडमुंड</b> °				
,,	,,	*3	लाषणसी <sup>°</sup> ३ ५७	लाषण <b>सी</b> °३ ५४				
200	9	98	लोभइ नर <sup>°</sup> ४ १८७	स्त्रेभइ नर <sup>°</sup> ४ ९८७७				
,,	,,	२३	लोहडइ° ४ ९९	लोहडइ° १ ९९				
२७१	9	२२	षुरताळि घर <b>ती</b> °	षुरताळि घरती°				
२७२	9	4	सुणी बात <sup>°</sup> २ ९१	सुणी वात <sup>°</sup> २ १९				
*	3	₹6	स्नान <sup>°</sup> २ २९९	स्रान <sup>°</sup> ४ २९९				

Note—The first quarters of the following verses, left out through oversight, should be included in the Verse-Index;

I 16, 42, 59, 71; II 20, 56, 63, 145; III 13, 191, 198; IV 17, 33, 38, 122, 163, 198, 256, 296, 323.